

ଏ ପୋଥିକା ସମ୍ପାଦିତାକାର ସମ୍ପର୍କିତା ଏହି. କାପି:ରା:ତା (©) ଦ୍ଵା:ରାକାକା ଲି:ତା ଏକ୍ଠମାତ୍ଵିକା ବିନ୍ଦା: ପୋ:ଥି:କା କୋ:ନ୍ଵ: ଶିକା ତ୍ଵା:ଜା: ପ୍ରାତ୍ଵି ଏ:ବି ନିକାଦିଗା ସମ୍ପିତା ଇ:କ୍ଵାନ୍ତାକା ଏ:ଦ୍ଵା: ଜା:ତ୍ଵିକା, କୋ:ନ୍ଵ: ମା:ଦ୍ଵିଜାମାସ୍ଵ, ଏ:ଦ୍ଵା: ଦ୍ଵିଜା:ନ୍ଦାକା ସ୍ଵଗ୍ରାହଣା ତା: ପୁନ୍ଦା:ପ୍ରା:ଜୋ:ଗାକା ପ୍ରାନ୍ତା:ଲି: ଦ୍ଵା:ରା: କୋ:ନ୍ଵ: ରୁ:ପାମେ: ପୁନ୍ଦା:ରୁ:ପା:ଦାନ୍ତା ଏ:ଦ୍ଵା: ସ୍ଵା:ତା:ରାନ୍ତା-ପ୍ରାସା:ରାନ୍ତା ନା: କା:ଲେ: ଦ୍ଵି: ସ୍ଵାକାନ୍ତା ଏହି.

(c) 2000- 2023. ସମ୍ପାଦିତାକାର ସମ୍ପର୍କିତା. ବି:ଲୋକାନ୍ତାକା ଗା:ତ୍ଵା: ଦ୍ଵି: ସାନ୍ତା 2000 ସ୍ଵା:ଜା:ଲୁ:ସ୍ଵା:ଦ୍ଵି:ଦ୍ଵି:ପା:ରା ତ୍ଵା:ଲେ <http://www.geocities.com/.../bhbalsarik-gachch.h.html> , <http://www.geocities.com/gajendra> ଏ:ଦ୍ଵି ଲିକାପା:ରା ଏ: ଏକ୍ଠାନ୍ତା: 5 ଦ୍ଵିଜା:ଲି 2004 କା ପୋ:ସ୍ଵା <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhbalsarik-gachch.h.html> କା:ରା ରୁ:ପାମେ: ଉନ୍ତା:ରାନ୍ତା:ତାପା:ରା ମା:ଥି:ଲି:କା ପ୍ରା:ତ୍ଵି:ନାନ୍ତାମା ଉପା:ସ୍ଵା:ତ୍ଵି:କା ରୁ:ପାମେ: ଉଦ୍ଵିଜା:ନ୍ଦା ଏହି (*କାଦୁ ଦିନ୍ଦା ଲେ:ବ* <http://videha.com/2004/07/bhbalsarik-gachch.h.html> ଲିକାପା:ରା, ସ୍ଵା:ତା: wayback machine of [https://web.archive.org/web/*/videha_258_capture\(s\)_from_2004_to_2016-](https://web.archive.org/web/*/videha_258_capture(s)_from_2004_to_2016-) <http://videha.com/> ବି:ଲୋକାନ୍ତାକା ଗା:ତ୍ଵା:ପ୍ରା:ଜା:ମା ମା:ଥି:ଲି: ବିନ୍ଦା / ମା:ଥି:ଲି: ବିନ୍ଦାକା ଏ:ଗ୍ରି:ଗେ:ତା).
 ଇ: ମା:ଥି:ଲି:କା ପା:ଲି:ଲି:ତା:ରାନ୍ତା:ତା ପା:ତ୍ଵି:କା: ଲି:କା ଦ୍ଵି:କାନ୍ତା ନା:ମା ବି:ଦା:ମେ: 1 ଦ୍ଵିଜା:ଲି: 2008 ସ୍ଵା: 'ଉଦ୍ଵି:ଲି:' ପା:ରା:ଲି. ଉନ୍ତା:ରାନ୍ତା:ତାପା:ରା ମା:ଥି:ଲି:କା ପ୍ରା:ତ୍ଵି:ମା ଉପା:ସ୍ଵା:ତ୍ଵି:କା ଜା:ତ୍ଵା: ଉଦ୍ଵି:ଲି- ପ୍ରା:ତ୍ଵି:ମା ମା:ଥି:ଲି: ପା:କ୍ଵି:କା ଇ: ପା:ତ୍ଵି:କା ଦ୍ଵି:ରା ପା:ଲି:ତ୍ଵା:ଲେ ଏହି, ଦ୍ଵି: <http://www.videha.co.in/> ପା:ରା ଇ: ପ୍ରା:କା:ଜି:ତା ବି:ଲି:ତା ଏହି. ଏ:ବି "ବି:ଲୋକାନ୍ତାକା ଗା:ତ୍ଵା:" ଦ୍ଵି:ଲୋ:ରି:ତ୍ଵା 'ଉଦ୍ଵି:ଲି:' ଇ:ପା:ତ୍ଵି:କାକା ପ୍ରା:ବା:କ୍ଵା:କା ସ୍ଵା:ଗା ମା:ଥି:ଲି: ବି:ଲୋ:କାକା ଦ୍ଵି:ଲୋ:ରି:ତ୍ଵାକା ଏ:ଗ୍ରି:ଗେ:ତାକା ରୁ:ପାମେ: ପ୍ରା:କ୍ଵା:କା ବି:ଲୋ:ରା:ଲି:ଲେ ଏହି.

(c)2000- 2023. ଉଦ୍ଵି:ଲି: ପ୍ରା:ତ୍ଵି:ମା ମା:ଥି:ଲି: ପା:କ୍ଵି:କା ଇ:ପା:ତ୍ଵି:କା: (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). ସମ୍ପାଦିତାକା: ଗା:ଦ୍ଵି:ନ୍ଦା ଲି:କା: କୁ:ରା. Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-publishesd in Videha, thTe Editor, Videha hñolds thTe righgt to create thTe web archcives/ thTeme-based web archcives, righgt to translate/ transliterate thTose archcives and create translated/ transliterated web- archcives; and thTe righgt to e-publishs/ print-publishsñ all thTese archcives. ରତ୍ଵା:ନା:କା:ରା/ ସ୍ଵଗ୍ରାହଣାକର୍ତ୍ତା: ଏ:ତାନ୍ତା ମା:ଲି:କା ଏ: ପ୍ରା:କା:ଜି:ତା ରତ୍ଵା:ନା:/ ସ୍ଵଗ୍ରାହଣା (ସ୍ଵା:ପୁ:ନ୍ଦା ଉଦ୍ଵି:ରା:ଦା:ଜି:ତା ରତ୍ଵା:ନା:କା:ରା/ ସ୍ଵଗ୍ରାହଣାକର୍ତ୍ତା: ମା:ଦ୍ଵି:ଜା) editorial.staff.videha@gmail.com କି: ମେ:ଲେ ଏ:ତା:ଜା:ମେ:ନ୍ଦାକା ରୁ:ପା:ମି: ପା:ତ୍ଵା: ସ୍ଵାକାନ୍ତା ତ୍ଵା:ତ୍ଵି, ସ୍ଵା:ଗା:ମେ: ଓ: ଏ:ତାନ୍ତା ସ୍ଵାକାନ୍ତା ପା:ତ୍ଵି:ଜା: ଏ:ତାନ୍ତା ସ୍ଵାକାନ୍ତା କା:ଲେ ଗେ:ଲେ ପି:ଠି:ତା: ସ୍ଵେ:ଲି: ପା:ତ୍ଵା:ବା:ତ୍ଵି. ଏ:ତା: ପ୍ରା:କା:ଜି:ତା ରତ୍ଵା:ନା:/ ସ୍ଵଗ୍ରାହଣା ସା:ବି:କା କାପି:ରା:ତା ରତ୍ଵା:ନା:କା:ରା/ ସ୍ଵଗ୍ରାହଣାକର୍ତ୍ତା:କା ଲୋ:ଗା:ମେ: ତ୍ଵା:ନା:ଲି: ଏ: ଦ୍ଵି:ତା:ପା: ରତ୍ଵା:ନା:କା:ରା/ ସ୍ଵଗ୍ରାହଣାକର୍ତ୍ତା:କା ନା:ମା ନା: ଏହି ତା:ତା: ଇ: ସ୍ଵା:ପା:ଦା:କା:ଦ୍ଵି:ନ୍ଦା ଏହି. ସମ୍ପାଦିତାକା: ଉଦ୍ଵି:ଲି: ଇ:ପ୍ରା:କା:ଜି:ତା ରତ୍ଵା:ନା:କା: ସେ:ବା:ଅ:ରା:ଲୋ: ଦ୍ଵି:ମା:ଦ୍ଵି:ଲି:ତା ସେ:ବା:ଅ:ରା:ଲୋ:କା ନା:ମା:ନା:କା ଏ:ଦ୍ଵି:କା:ରା, ଏ: ସା:ବି:କା: ଅ:ରା:ଲୋ:କା ଉନ୍ତା:ରା: ଦା: ଲି:ପି:ତା:ରାନ୍ତା ଏ: ତା:କା:ରା: ସେ:ବା:ଅ:ରା:ଲୋ:କା ନା:ମା:ନା:କା ଏ:ଦ୍ଵି:କା:ରା; ଏ: ସା:ବି:କା: ଅ:ରା:ଲୋ:କା ଇ:ପ୍ରା:କା:ଜି:ତା/ ପି:ତା:ପ୍ରା:କା:ଜି:ତାକା ଏ:ଦ୍ଵି:କା:ରା ରା:କା:ତା: ତ୍ଵା:ତ୍ଵି. ଏ: ସା:ବି:କା: ଲେ:ଲେ କୋ:ନ୍ଵ: ରା:ଜା:ଲି:/ ପା:ତ୍ଵି:ରା:ମି:କାକା ପ୍ରା:ବା:ଦ୍ଵି:କା: ନା: ଏହି, ସ୍ଵେ: ରା:ଜା:ଲି:/ ପା:ତ୍ଵି:ରା:ମି:କାକା ଉଦ୍ଵି:ଲି:କା ରତ୍ଵା:ନା:କା:ରା/ ସ୍ଵଗ୍ରାହଣାକର୍ତ୍ତା: ଉଦ୍ଵି:ଲି:ସ୍ଵା: ନା: ଦ୍ଵି:ରା:ତ୍ଵା:ଲି. ଉଦ୍ଵି:ଲି: ଇ: ପା:ତ୍ଵି:କା:କା ମା:ସ୍ଵା:ମେ: ଦ୍ଵି: ତା: ଶିକା ନିକା:ରା:ତା ଏହି ଦ୍ଵି: ମା:ସ୍ଵା:କା 01 ଏ: 15 ଲି:କା:କି: www.videha.co.in ପା:ରା ଇ: ପ୍ରା:କା:ଜି:ତା କା:ଲେ: ଦ୍ଵି:ଲି:ତା ଏହି.

Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to thTe promotion and preservation of thTe Maithlil language, literature and culture. It is a platform for schñolars, researchcñers, writers and poets to publishsñ thTeir works and shñare thTeir knowledge about Maithlil language, literature, and culture. ThTe journal is publishsñed online to promote and preserve Maithlil language and culture. ThTe journal publishsñes articles, researchcñ papers, book reviews, and poetry in Maithlil and Englishsñ languages. It also features translations of literary works from othñer languages into Maithlil. It is a peer-reviewed journal, whñichñ means thñat articles and papers are reviewed by experts in thñe field before thñey are accepted for publication.

Font/ Keyboard Source: <https://fonts.google.com/>
<https://github.com/virtualvinodhd/akshsaramukhka-fonts> , <https://keyman.com/>

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. These eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

© Preeti Thakur (sales.videha@gmail.com)
Videha e-Journal: Issue No. 371 at www.videha.co.in



ಸಮಾನ್ಯಾನ್ತರಾ ಪರಾಂಪರಾ:ಕಾ ವಿಧಾ:ಪಾಠಿ- *ಶಿಕ್ಷಾ ವಿಧೇಹಾ ಸಮಾನ್ಯಾನ್ತರಾ ಸಮಾನ್ಯಾನ್ತರಾ ಸಿರಿ: ಪಾಠಕಾಲಾ:ಲಾ ಮಂಥಾಲಾ ದ್ವಾರಾ:*

ಮಾಥಿಲಿ: ಬಿಾ:ಸಾ: ದ್ವಿಗದದ್ವಿಗದಾನ್ಯ: ಸಿ:ತಾ:ಜಾ:ಹಾ ಬಿಾ:ಸಾ: ಅ:ಸಿ:ತ, ಹಿನ್ಯಮಾನ್ತಾಹಾ ಉತ್ಪಾ:ನ್ಯಾ: ಮಾ:ನ್ಯುಸಿ:ಮಿಹಾ ಸ್ಪಷ್ಟಕಿರ್ತಾ:ಮ.

ಅಕ್ಕರಾ ಕಾಂಬಾ: (ಅ:ಕರಾ ಕಾ:ಮಿಾ)

ತುನಾನ್ಯಾ ಕಾ:ಪಿ:ಕಾ:ನಿ ತಾಪು ಕಿತ್ತಿವಲ್ಲಿ ಪಾಪಾ:ನಿ. ಅಕ್ಕರಾ ಕಾಂಬಾ:ರಾಂಬಾ ದ್ವಿ_ು ಮಾನ್ಯತಾ: ಬಾನ್ಯಾನ್ಯಾ ನಾ ದ್ವಿ:ನಿ.. *(ಕಿ:ರಿ:ಶಿ:ತಾ: ಪ್ರಾಕ್ರಮಾಹಾ ಪಾಲ್ವಾಹಾ ಪಾಠಿಲಾ ದ್ವಿ:ಹಾ:.)*

ಮಾ:ನ್ಯಾ: ಅ:ಕರಾ ರು:ಪಿ: ಕಾ:ಮಿಾ ನುರಾ:ನ್ಯಾ ಕಾಪಾ:ನಿಪರಾ *(ಗಾಧಾ-ಪಾಧಾ ರು:ಪಿ:)* ಮಾನ್ಯತಾ ದ್ವಿನ್ಯಾ ನಾ ಬಾ:ನ್ಯಾನ್ಯಾ ದ್ವಿನ್ಯಾ:ಜಾ ತ್ವಿನ್ಯಾ ತುನಾನ್ಯಾನ್ಯಾ:ಪಿ: ಕ್ಷೇ:ತಾ:ಮಾ: ಉ:ಕಾ: ಕಿ:ರಿ:ತು:ಪಿ: ಲಾನ್ಯಾ: ಕಾ:ನ್ಯಾ: ಪಾಪಾ:ನ್ಯಾ.

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant. -Robert Louis Stevenson

...

Videha: Maithili Literature Movement

o.m djəu: ja:ŋɪrəŋɪkə gəʔgə ja:ŋɪ:

ଓମ ଡୋ: ଆଭିବନ୍ତରିଫ W ଆଭି:

ଅଢ଼କ୍ରମ

୧। ଓକାମେ: ଅଟ୍ଟା:-

1.1.gəɖʒe:ŋɪrə tʰa:kurə- ŋɪ:təŋə ʔkə sʌmpa:dʌki:jə

1.2.ʔkə 370 pərə tɪppəŋi:

ମିଡ଼ିଲା: sʈu:de:ŋtə ju:ŋjəŋə (e:mə.e:sʌ.ju:.)
ପିଫେ:ସା:କା

2.1.pɾəstʌtə ପିଫେ:ସା:କାକା ସାଦାର୍ଥାମେ:

2.2.e:mə.e:sʌ.ju:. କା ସାକ୍ଷିପ୍ତା ପାଠ୍ୟାଳୟ

2.3.tʃəɖəŋa: dətʃə- MSU

2.4. hɪməkərə bʰa:rəɖva:dʒə- "e:mə.e:ʂə.ju: (MSU)-
mɪtʰɪla: ʂtu:dě:tə ju:njəŋə" ʂə "mɪtʰɪla:vɑ:dj: pɑ:rj:."
dʰəɪ

2.5. ədʒɪtə kuma:rə dʒʰa:- gʰəta:tə:pə əŋɦərja: me:
ummi:dəkə kɪrəŋə: mɪtʰɪla: ʂtu:dě:tə ju:njəŋə

2.6. ʂəɪtʰɪdɑ:ŋəɖə ʂəɪtʰɪu:- məɪtʰɪlə ʂəgətʰəŋə a: o:kərə
ʂɑ:ma:dʒɪkə ʂəro:ka:rə

2.7. ləkʂməŋə dʒʰa: ʂɑ:gərə- mɪtʰɪla: ʂtu:dě:tə ju:njəŋə

2.8. pɪrəŋəvə dʒʰa:- mɪtʰɪla: ʂtu:dě:tə ju:njəŋə

2.9. a:tʃɑ:rjə ra:ma:ŋəɖə məɖələ- mɪtʰɪla: ʂtu:dě:tə
ju:njəŋə bəŋɑ:mə mɪtʰɪla: ra:dʒjə!

2.10. də kəɪla:fə kuma:rə mɪfɪrə-mɪtʰɪla: ʂtu:dě:tə
ju:njəŋə: dəfa:, dɪfa: a: ŋe:tɪtʰə

2.11. la:ləɖe:və ka:mətə- e:mə e:ʂə ju: ke:rə ɦəfɪrə

2.12. a:jɪ:ʂə əŋəɪtʃɪɦa:rə- MSU ke:rə ka:dʒə e:və ɦəmərə
əpe:kʂa:

2.13. prəvi:nə kuma:rə dʒʰa:- dʒəŋəfɪtə pəɪpre:ksjə
me:

əi ɛkəkə əŋja:njə rətʃəŋa:

3. gədjə kʰəŋdə

3.1. dʒəgədj:jə prəsɑ:də məŋdələ- sʊtʃɪtɑ:
(dʰa:ra:va:fɪkə upəŋja:sə)

3.2. dʒəgədj:jə prəsɑ:də məŋdələ-əpe:tʃʰa: tʊtɪ ge:lə
(ləgʰukətʰa:)

3.3. ŋəŋdə vɪla:sə ra:jə-a:vəʃjəkə a:vəʃjəkətɑ:

3.4. rəbi:ŋdʰə ŋa:ra:jəŋə mɪʃrə- ma:tʃɪbʰu:mɪ
(upəŋja:sə)- 36-40 mə kʰe:pə

3.5. kuma:rə məŋp:dʒə kəʃjəpə-a:ka:jə-kusʊmə

3.6. ŋɪrmələ: kəŋə- əgŋɪ fɪkʰa: (kʰe:pə-20)

3.7. a:tʃa:rjə ra:ma:ŋəŋdə məŋdələ-əŋfɪa:rəkə dj:pə/
ba:lə bəra:gi:

3.8.သု: ကိဖၢနု ကာ:ရိ:ဂၢရၢ-မၢတီၢလိ:မၢ: ဂၢဝ်:သုၢါ:ဂၢရိ:

3.9.လၢ:လၢပု:သဲ ကာ:မၢတု-မၢၢါ: ပၢရၢၢကဲ လၢဂိ:တုၢ တုၢၢါကဲ
သုၢါနုၢသုၢါ:သဲ/ သု:မၢ:သုၢါကဲ သု:ဝ:ကာ:ရဲ ကိ: ဂုၢသဲ သုၢါ:
သုၢါတုၢ ပၢၢၢါ:သု/ ကဲသဲဝဲၢ ဝဲသုၢါ:ဂုၢ:တုၢ ရၢ:ၢၢ သုၢါ:ကဲ
မၢ:ပု:

3.10.ပၢၢမၢ:ဂုၢၢသုၢါ လၢ:လဲ ကဲၢ- ဂိ:တု: မၢ:ၢါ:တုၢၢ

4.ပၢသုၢါ ကဲၢ

4.1.ရၢ:သုၢါ ကိၢဝ:ရဲ မိၢၢါ-တုၢါ:-ပၢါကဲ

5. ခုၢလၢဂုၢါကဲ

1.သုၢါ:ၢါ i:-ပၢတုၢါ:ကဲ သုၢါပဲၢ: ပုၢါ:ဂုၢါ ခဲကဲ Videheã e
journal's all old issues

2.မၢတီၢလိ: ပု:တုၢါ: သု:ၢါ:ဝဲ:သုၢါ Maithili Books
Download

3. မၢတီၢလိ: သုၢါ:ဝဲ:သုၢါ:ကဲ သုၢါခဲၢကဲ Maithili Audios-
Videos

4. maitḥīli: śīfu, bā:lā a: kiśo:rā śā:hitjā Maithīli
Children Literature

5. vide:heā śṭri: ko:ṇā:

6. vide:heā i:-lāṅṅgā

7. vide:heā śu:tṭṇā: śāpārka āṇṇe:śāṇṇe (including
Parallel Literature in Maithīli and Videheā Maithīli
Literature Movement)

8. vide:heā mīṭḥīlā:kā kḥo:dṛā

9. vide:heā mīṭḥīlā: rāṭṭā



o:m djəu: ja:nt̪rənt̪r̪k̪sə guəgə ja:nt̪h̪i pr̪t̪vi:
ja:nt̪ra:pə: ja:nt̪ro:səd̪h̪əjə: ja:nt̪ v̪əŋs̪pət̪jə:
ja:nt̪v̪iʃv̪e: d̪e:v̪a: ja:nt̪br̪h̪imə

ॐ ढो: शान्तिरुतविष् W शान्ति: पृथ्वी शान्तिरप: शान्तिरुषधय: शान्ति
रनुतय: शान्तिरिषे देरा: शान्तिरुह

br̪h̪iməŋəs̪̄ pr̪a:rt̪h̪əŋ̪a: d̪ʒe: d̪julo:kəme:, ət̪r̪k̪səme:,
pr̪t̪vi:pərə, d̪ʒələme:, əusəd̪h̪əme:, v̪əŋs̪pət̪me:,
v̪iʃv̪əme:, s̪əb̪h̪ə d̪e:v̪ət̪a:gəŋəme: a: br̪h̪iməme: j̪ā:t̪
ɦuəjə.

o:m-br̪h̪iməŋə, djəu-s̪u:r̪jə-t̪r̪e:gəŋə, ət̪r̪k̪sə- pr̪t̪vi: a:
d̪ju:lo:kəkə bi:t̪ʒi, a:pə:-d̪ʒələ, v̪iʃv̪e:d̪e:v̪a:- s̪əb̪h̪ə
d̪e:v̪ət̪a:, br̪h̪imə- s̪ərd̪ʒəkə.

रुहणं प्रार्थना जे दूनोकमे, अंतविष्मे, पृथ्वीप, जनमे,
उषधमे, रनुतिमे, रिषुमे, मनु देरतागणमे आ रुहमे शान्ति
नथय.

ॐ-रुहण, ढो-मूर्य-तरेगण, अंतविष्- पृथ्वी आ दूनोकक रीठ,
आप:-जन, रिषुदेरा- मनु देरता, रुह- मरुजक.

८

o:m, s̪ə↓ɦəs̪r̪ə↑ɦ̪i:r̪s̪a:↓ puru↑s̪əh̪ə. s̪ə↓ɦə↓s̪r̪a:↓k̪s̪əh̪ə
s̪ə↓ɦəs̪r̪ə↑pa:t̪.

ॐ, मा ह्र्या शीर्षा पुरुषः मा ह्र्या ऋः मा ह्र्या पा०.

ṣa b^hu.mī↑ gṛāgṛā vi↓svatp̄o.↑ vri↓tva.:. ətjə↑t̄p̄st^həd̄
d̄ṛṣa:ŋgu↓lām..

म त्रिंशं W रि श्रतो रू र्ना. अत्र तिष्ठद् दशाब्दं नम.

fiəd̄ṛā:ra ma:t̄hə, fiəd̄ṛā:ra ā:k^hi, fiəd̄ṛā:ra p̄ae:ra ṣṣ̄gṛā
vi↓svəkē: a:t̄jt̄ṛā:d̄t̄ṛā ke.ŋe: ət̄ṛi, d̄ṛṣṣ̄ ā:gurəkā
gəŋəṭj̄:kə v̄əf̄əme: ŋṛi ət̄ṛi o:.

ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षं
सहस्रपात् ॥ सभूमिं सर्व्वतस्पृत्वा
त्यतिष्ठदशाब्दम् ॥

pə↓d̄b^hja:ḡ↑ ju:↓d̄ro: ə↑d̄ṛā:jət̄ṛā..

पुत्रागं श्रुद्रो अजायत..

p̄ae:raṣṣ̄ ju:d̄rəkā utp̄əṭṭi b^he:lā..

pə↓d̄b^hjā: b^hu:mi↓rd̄j̄śhəṣ̄ṣ̄ j̄ro:t̄ra:↑↑t̄ṛā

पुत्रं त्रिंशदंशः श्रोत्रागं.

mud̄ṛā: p̄ae:re:ṣṣ̄ b^hu:mi↓jo:kā utp̄əṭṭi.

☸ (White Florette- innocence and purity)

☸ (Wheel of Dhārma)

卐 (Swastik)

ॐ (ṣiddhīrāṣṭu, ṣiddhāmā सिद्धिबसु, सिद्धम Devanagari Anji)

◌̐ (Gwang gṛāgṛ- two small circles connected by a dot placed over it, used in reference of Vedic texts)

ॐ (Tirhṛta Anji, Ankush of Ganeshji, placed at the beginning of something)

ॐ



1.1.gəɖʒe:ndrə tʰa:kurə- nu:təŋə ʔkə s̄əmpa:d̄əki:jə

1.2.ʔkə 370 pərə t̄ippəŋi:

1.1.gədz̄e:nd̄rə t̄h̄a:kurə- n̄u:t̄n̄ə ãkə s̄əmpa:d̄əki:jə

məit̄h̄ili: a: m̄it̄h̄ila: le:lə əss̄j̄i:-əss̄j̄i: fi:t̄h̄əkə kət̄h̄it̄ə
 s̄a:fi:t̄j̄əkə:rə a: kət̄h̄it̄ə li:t̄e:re:ri: e:s̄o:s̄j̄e:f̄əŋə (s̄a:fi:t̄j̄ə
 əka:d̄e:mi: p̄o:s̄it̄ə) a: ənt̄ərra:s̄t̄ri:jə s̄t̄əəkə kət̄h̄it̄ə
 m̄it̄h̄ila:v̄a:d̄j̄: s̄v̄əḡh̄o:s̄it̄ə n̄e:t̄a: a: s̄s̄t̄h̄a:kə ət̄h̄it̄ə
 m̄it̄h̄ila: s̄t̄u:d̄e:ŋt̄ə ju:n̄j̄əŋəp̄ərə v̄ife:s̄ã:kə n̄k̄a:l̄əb̄a:kə
 n̄m̄əj̄ə b̄h̄e:lə, t̄ək̄ərə ud̄d̄e:f̄j̄ə t̄h̄əl̄ə i: t̄j̄iŋh̄it̄ə ke:n̄a:ı
 dz̄e: k̄it̄h̄u k̄a:d̄z̄ə re:k̄ərd̄ə b̄əŋe:b̄a:le: fi:o:ı t̄h̄əı a: k̄it̄h̄u
 k̄a:d̄z̄ə k̄a:d̄z̄ə fi:o:ı t̄h̄əı. dz̄e:n̄a: kət̄h̄it̄ə m̄it̄h̄ila:/
 məit̄h̄ili:kə dz̄a:t̄v̄a:d̄j̄: s̄s̄t̄h̄a: s̄əb̄h̄ə dz̄ə_ıme: məit̄h̄ili:kə
 dz̄a:t̄v̄a:d̄j̄: r̄əḡəmət̄j̄əkə s̄s̄t̄h̄a: s̄əb̄h̄ə s̄e:fi:o: ət̄h̄ı ke:rə
 muk̄h̄j̄ə k̄a:d̄z̄ə ət̄h̄ı ma:l̄a: a:d̄j̄ p̄əfi:re:n̄a:ı, p̄ət̄ıka:-
 s̄ma:r̄ika: a:d̄j̄ t̄h̄əpe:n̄a:ı, dz̄e: ma:t̄r̄ə re:k̄ərd̄ə
 b̄əŋe:b̄a:le: fi:o:ı t̄h̄əı, t̄ək̄ərə v̄ıd̄e:fīəkə n̄ədz̄əıme:
 ko:n̄o: məfīəv̄ə n̄əı t̄h̄əı. əfīã: əp̄əŋə s̄s̄t̄h̄a:kə n̄a:m̄əme:
 ənt̄ərra:s̄t̄ri:jə b̄a: b̄r̄əfi:ma:n̄d̄i:j̄ə l̄əḡa: līə, v̄ıd̄e:fīə le:lə
 o:k̄ərə ko:n̄o: məfīəv̄ə n̄əı. k̄a:r̄əŋə əı s̄əb̄h̄ə s̄s̄t̄h̄a:
 d̄v̄a:ra: dz̄a:t̄v̄a:d̄j̄: k̄ətt̄əət̄a: b̄əh̄a:o:l̄ə dz̄a: r̄əfīəl̄ə ət̄h̄ı,
 k̄a:r̄əŋə i: s̄əb̄h̄ə p̄əke:t̄ə s̄s̄t̄h̄a: ət̄h̄ı.

v̄ıd̄e:fīəkə v̄ife:s̄ã:kə əb̄h̄ıŋəŋd̄əŋə gr̄əŋt̄h̄ə n̄əı fi:o:ı t̄h̄əı.
 m̄it̄h̄ila: s̄t̄u:d̄e:ŋt̄ə ju:n̄j̄əŋəkə v̄ife:s̄ã:kəme: b̄əfi:ut̄o:
 a:le:k̄h̄əme: o:k̄ərə:p̄ərə b̄əfi:ut̄ə ra:s̄ə a:k̄s̄e:p̄ə s̄e:fi:o:
 la:ḡəl̄ə t̄h̄əı. b̄h̄ə/ s̄ək̄əre: i: s̄s̄t̄h̄a: (e:m̄ə.e:s̄ə.ju:.)
 a:lo:t̄ŋəŋa:kə a:lo:k̄əme: k̄it̄h̄u s̄ud̄h̄a:rə k̄əət̄ə, k̄a:r̄əŋə
 o: p̄əke:t̄ə s̄s̄t̄h̄a: n̄əı v̄əŋəŋ s̄s̄t̄h̄a: ət̄h̄ı a: t̄ə_ıme: ko:n̄o:
 s̄s̄d̄e:fīə n̄əı.

-Gajendra ThTakur, editor, Videheã (be part of Videheã www.videheã.co.in -send your WhWatsApp no to +919560960721 so thtãt it can be added to thtẽ Videheã WhWatsApp Broadcast List.)

əpəŋə

mãt̪əvjə editorial.staff.videheã@gmail.com pərə

pəʔhã:u.

1.2.ãkə 370 pərə t̪ɪppəŋi:

ʂã:ke:t̪ə ʔhã:kurə

ã:d̪ərəŋi:jə bʰrəmərə d̪ʒi: pərə likʰələ ʂəbə ã:le:kʰə ŋi:kə
lã:gələ.vide:ɦã pəʔr̪ika: ʂə' ʂãbãd̪ɦit̪ə ʂəbə vid̪vã:ŋə
d̪ʒəŋə ke: ɦã:r̪d̪kə ã:bʰã:rə.

lək̪sməŋə d̪ʒi: ʂã:gərə

ʂəməjə ke: pək̪kã: əʔɦã vid̪e:ɦã.

ʂuʒi:lə lã:lə d̪ã:ʂə

ʂərə:ɦəŋi:jə kã:r̪jə. ʔɦãŋəʂã pəʔhãbə. bədd̪ã:l.

uʂã:k̪irəŋə kʰã:ŋə

me:ləpərə d̪e:kʰələɦũ. v̪iʂəjə ʂu:t̪ɦi: bəɦũt̪ə v̪iʒiʂt̪ə lã:gələ.
ʂuvid̪ã:ʂã pəʔhãbə.

दृश्यादिः ज्ञात्तुं कुर्यात्

kṣama: kārābā, hāmā pātāṇa: nāhi pāhātī
śakālahi, a:le:kā nāhi pātā: śakālahi. a:le:kā bhāṣā
atī. śābhā pātābā.

न्यायज्ञानं दृष्टिः

a:0 bhāramādī: prakā:ṣitā vīṣe:ṣā:kā hāmā t̄ho:re:kā
pātālahi atī. t̄a:hi a:d̄hā:re pāra kāhābā d̄ze: māṭīli:
śā:hitjāme: bhāramādī:kā rātjāṇa:śā pāhināhi
'ḡhāramūhā:' jābdā a:e:lā atī, a: śe: a:e:lā atī
pu:re:ndu t̄jāud̄hāri:kā kātā: d̄pā:ra: . hūṇākā e:kā tā:
kātā:kā jī:śākā t̄hīkā 'ḡhāramūhā:', d̄ze: hīdjī:kā kātā:
śā:hitjākā prāśiddhā pātīka: 'śā:rika:'me: 'lāṭe: d̄zo:
pā:ṣā ' jī:śākāśā ānu:d̄tā bhā' t̄hāpālahi atī. hāmāhābhā
'mā'kē: śā:ṇuṇa:śīkā vāṇā mā:ṇātā t̄hī: t̄ē:
māṭīli:me: 'ḡhāramūhā:' līkātā t̄hī: . j̄ubhāka:māṇa:.

मादृश्यात् प्रज्ञादा उपदृष्ट्या

śā:hitjā śe:va: rā ra:śtrā śe:va: e:kā a:rka:ka: pāripurākā
hūṇā śā:t̄hāi d̄ubāi pākṣako: śe:va:ko:
śā:kṣī i:t̄hā:śā=hūṇt̄hā, d̄zūṇā kāhīle: mārdāṇā.

अथवा

मन्त्रांशु editorial.staff.videha@gmail.com पारा
पत्ता: u.

मिथिला: शुभदेवता जुगुनता (एम.एस.जु.)
विशेषज्ञता

2.1. प्रस्तुत विशेषज्ञता सर्वभारत:

2.2. एम.एस.जु. का संक्षिप्त परिचय

2.3. तदनुषंगीय - MSU

2.4. hɪməkərə bʰa:rədvɑ:dʒə- "e:mə.e:ʃə.ju: (MSU)-
mɪtʰɪlɑ: ʃtu:dē:tə ju:njəŋə" ʃə "mɪtʰɪlɑ:vɑ:dʒi: pɑ:rʃi:"
dʰəɪ

2.5. ədʒɪtə kumɑ:rə dʒʰɑ:- gʰətɑ:tə:pə əŋɦəɪjɑ: me:
ummi:dəkə kɪrəŋə: mɪtʰɪlɑ: ʃtu:dē:tʃə ju:njəŋə

2.6. ʃətʃɪdɑ:nəđə ʃətʃɪju:- məɪtʰɪlə ʃəgətʰəŋə a: o:kərə
ʃɑ:mɑ:dʒɪkə ʃəro:kɑ:rə

2.7. ləkʃməŋə dʒʰɑ:- ʃɑ:gərə- mɪtʰɪlɑ: ʃtu:dē:tə ju:njəŋə

2.8. prəŋəvə dʒʰɑ:- mɪtʰɪlɑ: ʃtu:dē:tə ju:njəŋə

2.9. a:tʃɑ:rjə rɑ:mɑ:nəđə məđələ- mɪtʰɪlɑ: ʃtu:dē:tʃə
ju:njəŋə bəŋɑ:mə mɪtʰɪlɑ: rɑ:dʒjə!

2.10. də kəɪlɑ:fə kumɑ:rə mɪfrə-mɪtʰɪlɑ: ʃtu:dē:tə
ju:njəŋə: dʒɑ:, dʒɑ: a: ŋe:tɪvə

2.11. lɑ:ləde:və kɑ:mətə- e:mə e:ʃə ju: ke:rə ɦəfrə

2.12. a:ʃi:ʃə əŋətʃɪŋɦɑ:rə- MSU ke:rə kɑ:dʒə e:və ɦəmərə
əpe:kʃɑ:

dʒi:ɦi sʋəru:pəme: vɪfe:ʃã:kə əbəre: tʰi:kə tʰɦiŋa: i:ɦio:
bʰe:təʈə. i: ələgə ba:tə dʒe: ɦəmə ʃəbʰə kəʈe:kə ʃəpʰələ
va: əʃəpʰələ bʰe:ləɦi sʋe: pa:tʰəkə kəɦiəʈa:. e:ɦi vɪfe:ʃã:kə
ke:rə ʃuru:a:tə vɪde:ɦəkə a:ɦe: vɪfe:ʃã:kə dʒəkã: əʈɦi.
ʃəge:-ʃəgə i: kɾəmə ɦe: tʰ umrəkə vəriʃtʰəʈa: ke:rə
pa:ləŋə kəreie: a: ɦe: rəʈɦiŋa:kə guŋəvəʈtʰa:kə.
ɦi, e:ʈe:kə dʰe:a:ŋə dʒəru:rə ra:kʰələ ge:lə tʰɦi dʒe:
pa:tʰəkəkə rəʃəbʰəgə ɦəɦi ɦio:ŋə a: sʋe: vɪvə:ʃə əʈɦi dʒe:
rəʃəbʰəgə ɦəɦi ɦe:təŋɦi.

pəɦiŋe: vɪde:ɦəkə ʃəbʰə əkə ɦa:ɡəri:, tʰrəɦuʈa: a: bre:lə
ɦiɦime: pɾəka:ʃiʈə ɦio:tə tʰɦələ a:bə e:ɦime:
kəɦi:, ɦe:və:ɦi:, e:və a:ɦi:pi:e:. ɦi sʋe:ɦio: dʒo:tələ ge:lə
əʈɦi, məɦe: e:kʰəŋə vɪde:ɦə kulə tʰɦəɦə ɦiɦime:
pɾəka:ʃiʈə ɦio:ɦe:. e:kə rə əʈɦi kʰə vɪde:ɦəkə kɪtʰu əkə
rə dʒiŋa: (ɦe:və:ɦi: ke:rə e:kə a:rə
ru:pə), bra:ɦimi:, kʰəro:ʃtʰi:, urdʰu:, tʰbbəʈi: e:və tʰbbəʈi:-
ume: ɦiɦime: sʋe:ɦio: tʰɦəpələ əʈɦi. kulə mɪla: kəʈdʰe:kʰi:
tʰ vɪde:ɦə ba:rəɦə ɦiɦi əpəŋa: le:lə rəkʰəɦe: əʈɦi
dʒi:ɦime:ʃə kulə tʰɦəɦə tʰa: ɦiɦime: vɪde:ɦə ləɡa:tʰa:rə
pɾəka:ʃiʈə bʰəʈ rəɦələ əʈɦi.

2

vɪde:ɦə dʰa:ra: le:kʰəkəpərə vɪfe:ʃã:kə 'dʒi:bəiʈə mudʰa:
upe:kʰiʈə' ʃɦikʰəla: ru:pəme: ʃuru: kə:lə ge:lə
tʰɦələ 2015 ʃə dʒəkəra: a:bə "vɪde:ɦəkə dʒi:vɪʈə
məɦiɦləkəɦmi:, ʃəgi:təkəɦmi:, ʃa:ɦiʈjəkə:rə-ʃəmpa:dəkə
a: rəgəməʈtʰəkəɦmi:-rəgəməʈtʰi-ɦi dʰe:ʃəkəpərə vɪfe:ʃã:kə
ʃɦikʰəla:" ɦa:məʃə dʒi:ŋələ dʒi:ɦi əʈɦi.
məɦiɦləkəɦmi:ʃə ɦəmərə ʃəbʰəɦəkə a:ʃəjə dʒiŋəkərə

ka:dʒə mɪtʰɪla:-mətʰɪli:-mətʰɪli: le:lə ko:ɳo:
ma:dʒjaməʃʒ bʰe:lə ɦio:. o: ʃʒgətʰəŋəkərtʰa: ʃe:ɦio: bʰəʃ
ʃəkəɪ tʃʰətʰɪ, a:ŋə bʰa:ʃa:kə le:kʰəkə ʃe:ɦio:. tʰɦɪŋa:
ʃʒgi:tʰəkəmi: məŋe: gi:tʰə-ʃʒgi:tʰəʃʒ dʒuɾələ lo:kə. ʃʒge:-
ʃʒgə ʃʒstʰa: ʃe:ɦio: bʰəʃ/ʃəkəɪe:.

e:ɦəŋə ʃɾɪkʰɔla:me:, e:ɦɪ vɪfe:ʃa:kəʃʒ pəɦɪŋe:
vɪde:ɦə 10 tʰa: vɪfe:ʃa:kə pɾəkə:ʃɪtʰə kəʃ tʃʰukələ ətʃʰɪ a:
e:ɦɪtʰa:mə a:bə ɦəmə kəɦɪ ʃəkəɪtʰə tʃʰɪ: dʒe: i: e:kətʰa:
tʃʰɪŋəutʃi:pu:ŋə ka:dʒə tʃʰəɪ. əŋe:kə ʃʒkətʰə ke:rə
ʃa:məŋa: kərəe: pəɾəɪtʰə ətʃʰɪ le:kʰə e:kətʰa: kərəe:me:.
mudʰa: ʃʒgəɦɪ i:ɦio: ɦəmə kəɦəbə dʒe: ʃʒkətʰəʃʒ be:ʃɪ:
ɦəmərə: ləgə ʃʒmətʰəŋə ətʃʰɪ. ɦə, i: ma:ŋəe:me:
ɦəmərə: ko:ɳo: dʒkkətʰə ŋəɦɪ dʒe: dʒətʰe:kə le:kʰə ke:rə
umme:də ke:ŋe: rəɦəɪtʰə tʃʰɪ: ɦəmə tʰtʰe:kə ŋəɪ
a:bəɪe:, dʒətʰe:kə lo:kə lɪkʰəba:kə le:lə gətʃʰəɪtʰə tʃʰətʰɪ ʃe:
ʃəbʰə ətʰə- ətʰə dʰəɦɪ a:bɪ tʃʰuppə bʰəʃ/ dʒa:ɪtʰə tʃʰətʰɪ. a:
e:kəɾə ka:rəŋo: tʃʰəɪ, kɪŋəko: i: la:gəɪ tʃʰəŋɪ dʒe: a:ŋəpəɾə
lɪkʰəbə ʃe: ɦəmə əpəŋe: rətʃʰŋa: kɪe: ŋe: lɪ:kʰɪ
le:bə, kɪŋəko: ləgə po:tʰɪe: ŋəɪ rəɦəɪ tʃʰəŋɪ, dʒəkʰəŋə kɪ
ɦəmə ʃəbʰə pə:tʰəkəkē: vɪkəlpə ru:pəme: po:tʰɪ:kə
pi:.dɪ:e:pʰə pʰa:ɪlə ʃe:ɦio: de:ba:kə le:lə tʰəɪa:rə rəɦəɪtʰə
tʃʰɪ:. kɪjo: vɪde:ɦəkə ʃʒma:ve:ʃɪ: ru:pəʃʒ dʒkkəɪ: tʃʰətʰɪ, tʃʰ
kɪŋəko: mɪtʰəkē: vɪde:ɦəʃʒ dʒkkətʰə tʃʰəŋɪ tʃʰɪ o: ŋəɦɪ
de:tʰa:. bəɦɪtʰə lo:kə tʃʰə vɪde:ɦəme: e:ɦɪu: le:lə rətʃʰŋa: ŋəɪ
pətʰəbəɪtʰə tʃʰətʰɪ dʒe: kəɦɪ: ɦəmərə: əka:dəmi: va: dʰəŋɪ:
ʃʒstʰa: ʃəbʰə ŋe: de:kʰɪ lɪe:. əka:dəmi: a: ʃʒstʰa: ʃəbʰə
vɪde:ɦəkē: əŋe:re: əpəŋə ʃətʰu ma:ŋɪ bəɪʃʒələ ətʃʰɪ a:
puɾəʃka:rəkə ɪtʃʰɪa: rəkʰəŋɪɦa:rə tʃʰɪ vɪde:ɦəme: rətʃʰŋa:
ŋəɪ pətʰəbəɪ tʃʰətʰɪ. e:kəro: ɦəmə ʃʒkətʰe: budʒəɪ tʃʰɪjəɪ

dʒe: sʌbʰə pʰe:sʌbukəpərə lāba:-lāba: le:kʰə va: kəmə:tə
 ta:ɪpə kəʌ ləi tʃʰətʰi sʃe:ɦio: sʌbʰə vɪdʃe:ɦə le:lə ɦi:tʰəʃʃə
 lɪkʰələ pətʰa:bətʃə tʃʰətʰi. dʒe: sʌbʰə kəɦɪjo: ka:lə
 pʰe:sʌbukəpərə ta:ɪpə kəʌ li:kʰəi tʃʰətʰi tʃʰəkərə a:le:kʰə
 ɦəmə sʌbʰə ta:ɪpə kəritʃe: tʃʰi:. dʒɪnəkərə rətʃɪnɪ: ta:ɪpə
 kəritʃə tʃʰi: tʃa:ɦime: sʃvətʃhə ru:pəʃʃə ta:ɪpə ke:ɲɦa:rəkə
 vətʃənɪ: a:bi dʒa:ɪtʃə tʃʰəi. i: sʃəkətʃə le:kʰəkə va: kɪ sʃʃtʃa:
 dʒu:ɲu: le:lə bərə:bərə ətʃʰi. kʰəe:rə pəɦɪnɪ: kəɦələɦũ
 dʒe: sʃəkətʃə be:sɪ: sʃmərtʃənə ətʃʰi tʃʰəi a:ɪ pəɦɪləʃʃə ləʌ
 kəʌ dʃəsʃmə vɪʃe:ʃā:kə dʰəri pəɦũtʃələɦũ ɦəmə. ɲɪtʃɪtʃe:
 sʃmərtʃənə be:sɪ: bʰe:tʃələ ɦəmərə:. dʒəkʰənə kɪ
 vɪdʃe:ɦəkə i: 10 vɪʃe:ʃā:kə ke:rə əla:ve: a:ɲo: vɪʃəjəpərə
 vɪʃe:ʃā:kə prəkə:ʃɪtʃə bʰe:lə ətʃʰi.

3

pa:tʰəkə dʒəkʰənə e:ɦɪ vɪʃe:ʃā:kəkē: pətʰətʃa:ɦə tʃʰ
 ɦuɲəkə: vətʃənɪ: o: ma:ɲəkətʃa:kə əbʰa:və ləgətʃɲ.
 vətʃənɪ:kə gələtʃi: dʒe: tʰɪkə sʃe: sʃo:dʒʰe:-sʃo:dʒʰə ɦəmərə
 sʌbʰəɦəkə gələtʃi: tʰɪkə dʒe: ɦəmə sʌbʰə sʃʃo:dʰənə ɲəi
 kəʌ sʃəkələɦũ mudɪ: i: dʰe:a:ɲə rəkʰəba:kə ba:tʃə dʒe:
 vɪdʃe:ɦə ʃurue:ʃʃə ɦəre:kə vətʃənɪ: bəla: le:kʰəkəkē:
 sʃvi:ka:rə kəritʃə e:ləie:. tʃʰəi ma:ɲəkətʃa: əbʰa:və
 sʃva:bʰa:vɪkə. e:kərə ba:dʒo: bəɦuʃtʃə vətʃənɪ:kə gələtʃi:
 rəɦələ ge:lə ətʃʰi dʒe: kɪ ɦəmərə: sʌbʰəɦəkə gələtʃi:
 ətʃʰi. mətʃɦɪli:me: kɪtʃue: e:ɦənə pətʃɪka: ətʃʰi dʒəkərə
 vətʃənɪ: e:kəɾʃgəkə rəɦətʃə ətʃʰi a: i: ɦuɲəkə kʰu:bi: tʃʰəɲ
 mudɪ: dʒəkʰənə o:ɦio: sʌbʰə ko:ɲo: vɪʃe:ʃā:kə ɲɪka:ləi
 tʃʰətʰi tʃəkʰənə vətʃənɪ: tʃʰə tʰi:kə rəɦətʃə tʃʰəɲ mudɪ:
 sʃa:məgrɪ: ədʰɪkā:ʃətʃhə bəʃɪje: rəɦətʃə tʃʰəɲ.

ert̪h̪a: s̪kət̪a: kə d̪r̪iʃt̪iʃt̪ō ko: n̪o: puɾa: n̪ə ʃa: mægri: kə
 upəjo: gə vərd̪z̪it̪ə n̪əi t̪h̪əi mud̪a: ʃo: t̪ʃijəu d̪ʒe: 72-
 80 pəŋŋa: kə ko: n̪o: p̪ñt̪ə pət̪r̪ika: h̪o: it̪ə t̪h̪əi t̪a: h̪ime:
 ləgəb̪h̪əgə a: d̪h̪a: ʃa: mægri: ʃa: b̪h̪a: rə rəh̪əit̪ə
 t̪h̪əŋi, t̪e: ʃəɾə b̪h̪a: gəme: le: k̪h̪əkə ke: rə k̪it̪h̪u rət̪ʃəŋa:
 rəh̪əit̪ə t̪h̪əŋi a: t̪h̪a: r̪imə b̪h̪a: gəme: k̪it̪h̪u n̪əvə ʃa: mægri:
 rəh̪əit̪ə t̪h̪əŋi. mud̪a: h̪əmərə: lo: kəŋi n̪əvə ʃa: mægri: pərə
 be: ʃi: d̪ʒo: rə d̪əit̪ə t̪h̪ijəi. e: kərə mət̪ələbə i: n̪əh̪i d̪ʒe:
 vət̪əŋi: me: gələt̪i: h̪o: it̪ə rəh̪əi. h̪əmərə kəh̪əb̪a: kə
 mət̪ələbə i: d̪ʒe: ʃəpa: d̪əkə-ʃəjo: d̪ʒəkəkē: ko: n̪o: n̪e:
 ko: n̪o: ʃt̪əɾəpərə ʃəməd̪ʒ̪əut̪a: kərəh̪e: pət̪əit̪ə t̪h̪əi ʃe:
 t̪h̪a: h̪e: vət̪əŋi: kə h̪o: k̪i, mud̪a: kə h̪o: k̪i v̪it̪h̪a: rə d̪h̪a: rəkə
 h̪o: k̪i ʃa: mægri: kə h̪o: . h̪əmərə: lo: kəŋi vət̪əŋi: kə
 ʃt̪əɾəpərə ʃəməd̪ʒ̪əut̪a: kə/ rəh̪ələ t̪h̪i: mud̪a: ka: rəŋə
 ʃəh̪it̪ə. p̪ñt̪ə pət̪r̪ika: e: kə be: rə p̪rəkə: ʃit̪ə b̪h̪ə/ ge: la: kə
 ba: d̪ə d̪o: ba: ra: n̪əi b̪h̪ə/ ʃəkəie: (b̪h̪ə/ t̪ə ʃəkəie: mud̪a:
 p̪h̪e: rə pa: i la: gi d̪ʒe: t̪əi) t̪əi o: kərə vət̪əŋi: jət̪h̪a: ʃəkt̪i
 ʃəh̪i: rəh̪əit̪ə t̪h̪əi. ĩt̪əɾəŋe: t̪əpərə s̪uvid̪h̪a: t̪h̪əi d̪ʒe:
 bi: t̪h̪əme: (ĩt̪əɾəŋe: t̪əʃə p̪ñt̪ə h̪e: ba: kə əvəd̪h̪i) o: kərə:
 ʃəh̪i: kə/ ʃəkəit̪ə t̪h̪i: mud̪a: ʃa: mægri: e: bəʃja: rəh̪əit̪ə t̪ə
 ʃəh̪i: vət̪əŋi: rəh̪it̪o: n̪əvə əd̪h̪ja: jə n̪əi k̪h̪ud̪z̪i ʃəkət̪ə t̪əi
 h̪əmərə: lo: kəŋi vət̪əŋi: bəla: mudd̪a: pərə
 ʃəməd̪ʒ̪əut̪a: ke: ləh̪i. h̪əmərə: lo: kəŋi
 kə: ləŋi, kəjələŋi o: ke: ləŋi t̪i: ŋu: ʃudd̪h̪ə ma: n̪əit̪ə
 t̪h̪i: , e: t̪e: kə ʃudd̪h̪ə ma: n̪əit̪ə t̪h̪i: e: kəi rət̪ʃəŋa: me:
 t̪i: ŋu: ru: pə b̪h̪e: t̪i d̪ʒa: e: t̪ə. a: n̪ə ʃəbd̪əkə le: lə e: h̪əŋe:
 bu: d̪ʒ̪h̪u: .

umme: d̪ə ət̪h̪i d̪ʒe: pa: t̪h̪əkə vid̪e: h̪əkə a: n̪e: v̪iʃe: ʃā: kə
 d̪ʒəkā: e: kərə: pət̪h̪ət̪a: h̪ə a: pət̪h̪i e: kərə ŋi: kə-

be:dʒa:e:pərə əpəŋə sʊdʒʰa:və de:tʰa:ɦə. vɪde:ɦəkə
dʒa:ra: dʒi:vəitʰə le:kʰəkə o: ʃəstʰa:kə vɪfe:ʃā:kə
ɦrɪkʰāla:me: prəkə:ɦitʰə bʰe:lə a:ŋə vɪfe:ʃā:kə ʃəbʰəɦəkə
ɦɪʃtʰə e:ŋa: ətʰɪ (e:ɦitʰa:mə dʒe: ʔkəkə ɦɪʃtʰə de:lə ge:lə
ətʰɪ tʰa:ɦɪ ʔkəpərə kɦkə kərəbəɦ tʰə o: ʔkə kʰudʒɪ dʒa:e:tʰə)-

1) əɾəvɪŋdʰə tʰa:kʊrə vɪfe:ʃā:kə 01 ŋəvəmbərə 2015 ʔkə 189

2) dʒəgədi:ʃə tʰəndʰrə tʰa:kʊrə əŋlə vɪfe:ʃā:kə 01 dʒəvəmbərə 2015 ʔkə 191

3) ra:məlo:tʰəŋə tʰa:kʊrə vɪfe:ʃā:kə 01 əprəɦlə 2021 ʔkə 319

4) ra:dʒəŋəndəŋə la:lə dʒa:ʃə vɪfe:ʃā:kə 01 ŋəvəmbərə 2021 ʔkə 333

5) rəvi:ndʰrə ŋa:tʰə tʰa:kʊrə vɪfe:ʃā:kə 15 dʒu:ŋə 2022 ʔkə 348

6) ke:də:rəŋa:tʰə tʰəudʰəri: vɪfe:ʃā:kə 15 əgəstə 2022 ʔkə 352

7) pre:mələtʰa: mɪfrə 'pre:mə' vɪfe:ʃā:kə 01 ŋəvəmbərə 2022 ʔkə 357

8) ʃərədɪŋdu tʰəudʰəri: vɪfe:ʃā:kə 15 ŋəvəmbərə 2022 ʔkə 358

9) əfo:kə vɪfe:ʃā:kə 1 mə ɪ 2023 ʔkə 369

10) ra:məbʰəro:ʃə ka:pəɦɪ 'bʰrəmərə' vɪfe:ʃā:kə 15 mə ɪ

2023 ãkə 370

vidɛ:fiəkə əɾəvɪndə tʰa:kurə vɪfɛ:ʂã:kə ke:rə po:tʰi: ru:pə
"svətətɾatʰe:ta:- əɾəvɪndə tʰa:kurə: vjəktɪtvə-kritɪtvə"
ke:rə ŋa:məʂə prəkə:fɪtə bʰe:lə umme:də dʒe:
bʰəvɪʂjəme: "e:mə.e:ʂəju: (MSU)-mɪtʰɪla: ʂtu:dē:tə
ju:ŋjəŋəpərə kē:ɖɪtə e:fi vɪfɛ:ʂã:kə ke:rə po:tʰi: ru:pə
ʂe:ho: a:e:tə.

i: tʰə bʰe:lə dʒe: ka:dʒə fiəmə ʂəbʰə kəʃ ʂəkələhũ təkərə
vɪvərəŋə mudɖa: kɪtʰu e:fiŋə: gʰo:ʂəŋa: tʰəi dʒe: kɪ
fiəmə ʂəbʰə ŋəi kəʃ ʂəkələhũ dʒe:ŋa: 2016 me: fiəmə
ʂəbʰə pərəme:fvərə ka:pətɪ, kəməla: tʰəudʰəri: a:
vi:re:ŋɖɾə məllɪkə vɪfɛ:ʂã:kə ke:rə gʰo:ʂəŋa: kə_jo: kəʃ
ŋəfi prəkə:fɪtə kəʃ ʂəkələhũ. pa:tʰəkə e:fi gʰo:ʂəŋa:kē:
e:fi fiəkəpərə dɛ:kʰɪ ʂəkəi tʰətʰɪ- su:tʰəŋa:

ba:dəme: vidɛ:fiəkə "vi:re:ŋɖɾə məllɪkə vɪfɛ:ʂã:kə"
(dʒe: kɪ prəkə:fɪtə ŋəi bʰəʃ ʂəkələ) le:lə vi:re:ŋɖɾə
məllɪkə dʒi:kə ʂa:kʂa:tʰka:rə dʒe: ŋəbo:ŋa:ra:jəŋə
mɪʃrədʒi: ʂe: vidɛ:fiəkə 337mə ãkəme: prəkə:fɪtə bʰe:lə
pa:tʰəkə e:kəra: e:fi fiəkəpərə pətʰɪ ʂəkəi tʰətʰɪ- 1
dʒəŋəvəri: 2022 ãkə 337

4

vidɛ:fiəkə e:fi dʒi:vɪtə vɪfɛ:ʂã:kə fɪkʰəla:me:
kɪŋəkərə tʰjəŋə ho: tʰa:fi le:lə mo:tʰa:-mo:tʰi:
ŋɪtʰjã:kə kɪtʰu bɪɖukə pa:ləŋə kəe:lə dʒã:ɪtə ətʰɪ-

1) ləgəbʰəgə pã:tʰə-tʰəfiə ma:ʂə pəfiŋe:ʂə vidɛ:fiə
əpəŋə pa:tʰəkəkē: ʂudʒʰa:və dɛ:ba: le:lə le:lə su:tʰəŋa:

d̪a:ɪt̪ə ət̪ʰi.

2) a:e:lə s̪ud̪ʰa:vəme:ɕ̌ə vɪd̪e:ɦə ma:t̪rə d̪ʒi:bit̪ə
le:k̪ək̪ək̪ē: t̪ʒəŋə kəra:ɪt̪ə ət̪ʰi. ɕ̌əst̪ʰa: ɕe:ɦo:
vərt̪a:məŋəme: d̪ʒi:v̌əɪt̪ə ɦe:ba:kə t̪ʒa:ɦi:.

3) ɕəb̪hə d̪ʒi:vɪt̪ə le:k̪ək̪ək̪ə bi:t̪ʒəme: ɦuŋəkəra le:k̪əŋə
e:v̌ə a:t̪ʒəraŋəkə ɕa:mjət̪a: d̪e:k̪ələ d̪ʒa:ɪt̪ə ət̪ʰi. d̪ʒa:ɦi
le:k̪ək̪ək̪ə le:k̪əŋə o: a:t̪ʒəraŋəme: be:ɕ̌i: ɕa:mjət̪a:
(kəmə p̪ȟi:kə) b̪ȟe:t̪əie: t̪e:ɦəŋə t̪ʰəɦə t̪a: ŋa:mə t̪ʒəŋɪt̪ə
ɦo:ɪt̪ə ət̪ʰi.

4) t̪ʰəɦə ŋa:mə e:la:pəra i: t̪uləŋa: kəe:lə d̪ʒa:ɪt̪ə t̪ʰəi
d̪ʒe: i: t̪ʰəɦo: le:k̪ək̪ə ət̪ʰəva: ɕ̌əst̪ʰa:k̪ē: rət̪ʒəŋa:
lɪk̪əba:kə va: ɕəma:d̪ʒikə ka:d̪ʒə ke:la:kə e:vəɪd̪ʒəme:
ɕəma:d̪ʒəɕ̌ə ki: b̪ȟe:t̪ələŋɪ.

5) d̪ʒiŋək̪a: ɕəb̪həɕ̌ə kəmə b̪ȟe:t̪ələ bud̪ʰa:ɪt̪ə ət̪ʰi t̪a:ɦi
t̪i:ŋə le:k̪ək̪ək̪ə-ɕ̌əst̪ʰa:k̪ē: əɦi:la: t̪ʒəraŋə le:lə ra:k̪ʰi ləɪt̪ə
t̪ʰi:.

6) e:ɦi t̪i:ŋə t̪ʒəŋɪt̪ə d̪ʒi:bit̪ə le:k̪ək̪ək̪ə va: ɕ̌əst̪ʰa:kə
rət̪ʒəŋa:, ka:d̪ʒə, ɦuŋəkə ud̪je:ʃ̌ə a:d̪ʒkə bi:t̪ʒəme:
pəraɕ̌əpəra t̪uləŋa: kəe:lə d̪ʒa:ɪt̪ə ət̪ʰi.

7) ət̪ʰmə ru:pəɕ̌ə vɪd̪e:ɦə d̪va:ra: e:kət̪a: ŋa:mə t̪ʃuŋɪ
ɕa:ləkə ət̪əme: ɡ̪ȟo:ɕəŋa: kəe:lə d̪ʒa:ɪt̪ə ət̪ʰi a: ŋjət̪ə
ɕəməjəpəra i: vɪfe:ɕ̌i:kə ŋka:ləba:kə prəja:ɕ̌ə kəra:ɪt̪ə t̪ʰi:.

prəjŋə ut̪ʰi ɕəkəie: d̪ʒe: kɪ upəra:kə ŋjəmə e:ɦəŋə t̪ʰəi
d̪ʒa:ɦime: ət̪ʰmə ru:pəɕ̌ə ɕəb̪hə s̪ujo:ɡ̪jə d̪ʒi:vɪt̪ə le:k̪ək̪ə
ke:ra t̪ʒəŋə ɕəməjəpəra b̪ȟə/d̪ʒe:t̪əŋɪ? t̪ə/e:kəra ut̪t̪əra

kəla:kə:rəpərə ka:dʒiə s̄pɑ:dəkə ke:rə s̄əməjə ke:rə
əŋusɑ:re: fie:t̄ɹi. t̄ɹi e:kərə s̄əməjə s̄j:ma: kəhəbə s̄b̄həvə
ŋəhi. ŋt̄ə ŋəvələ s̄ri:dʒiəme:-

(i) s̄ub̄hɑ:s̄ə t̄ɹiɖrə ja:dəvəpərə kē:d̄rit̄ə "ŋt̄ə ŋəvələ
s̄ub̄hɑ:s̄ə t̄ɹiɖrə ja:dəvə",

(ii) ra:dʒiəde:və m̄əḍələpərə kē:d̄rit̄ə "Rajdeo Mandal-
Maithīli Writer" a:

(iii) dʒigədj:ʃə prəsɑ:də məḍələ ke:ŋd̄rit̄ə "Jagdish
Prasad Mandal- Maithīli Writer" prəkɑ:ʃit̄ə b̄e:lə
ət̄ɹi. pəhilə d̄uŋu: pɔ:t̄hi:kə lo:kɑ:rpəŋə 31 d̄is̄əmbərə
2022 kē: 111mə s̄əgərə ra:t̄u dj:pə dʒirəjə me: kəe:lə
ge:lə. t̄e:s̄ərə pɔ:t̄hi:kə lo:kɑ:rpəŋə 25 mɑ:rt̄i 2023 kē:
112 mə s̄əgərə ra:t̄u dj:pə dʒirəjə me: kəe:lə ge:lə.

əI ʃri:k̄həla:me:-

(iv) "ŋt̄ə ŋəvələ d̄iŋe:ʃə kuma:rə m̄iʃrə" a:

(v) "ŋt̄ə ŋəvələ s̄uʃi:lə" dʒi:ri: ət̄ɹi a: d̄u:ŋu:kə pɔ:t̄hi:
ru:pə dʒiəld̄ije: a:e:t̄ə.

əI ʃri:k̄həla:kə a:gā:kə ḡh̄o:s̄əŋɑ:
le:lə <http://videhā.co.in/investigation.h.t̄m> d̄e:k̄h̄əit̄
ə rəhi:.

5) u:pərəkə v̄iʃe:s̄ā:kə a: ŋt̄ə ŋəvələ s̄ri:dʒiəkə ke:rə
ət̄ɹikt̄ə v̄ide:h̄əkə a:ŋə v̄iʃe:s̄ā:kə ke:rə s̄u:t̄i: e:ŋɑ:
ət̄ɹi (əkəkə l̄is̄t̄ə dʒi: d̄e:lə ge:lə ət̄ɹi t̄ɑ:hi əkəpərə k̄likə
kərəb̄əi t̄ɹi o: əkə k̄h̄udʒi dʒi:ə:e:t̄ə)-

- 1) fi:iku: vi:fe:šā:kə 12 mə ĩkə, 15 d̄z̄u:ŋə 2008
- 2) gədz̄ələ vi:fe:šā:kə 21 mə ĩkə, 1 ŋəvəmbərə 2008
- 3) vi:fiəŋi kət̄h̄a: vi:fe:šā:kə 67 mə ĩkə, 1 əkt̄u:bərə 2010
- 4) b̄a:lə ša:fi:t̄jə vi:fe:šā:kə 70 mə ĩkə, 15 ŋəvəmbərə 2010
- 5) ŋa:təkə vi:fe:šā:kə 72 mə ĩkə 15 d̄i:šəmbərə2010
- 6) šəmi:kša: vi:fe:šā:kə
- 7) ŋa:ri: vi:fe:šā:kə 77mə ĩkə 01 ma:rt̄jə 2011
- 8) əŋu:va:də vi:fe:šā:kə (gədjə-pədjə b̄h̄a:rət̄i:) 97mə ĩkə
- 9) b̄a:lə gədz̄ələ vi:fe:šā:kə vi:de:fi:kə ĩkə 111 mə ĩkə, 1 əgəštə 2012
- 10) b̄h̄əkt̄i gədz̄ələ vi:fe:šā:kə 126 mə ĩkə, 15 ma:rt̄jə 2013
- 11) gədz̄ələ a:lo:t̄ŋə:-šəma:lo:t̄ŋə:-šəmi:kša: vi:fe:šā:kə 142 mə, ĩkə 15 ŋəvəmbərə 2013
- 12) ka:fi:kā:tə mi:frə məd̄h̄upə vi:fe:šā:kə 169 mə ĩkə 1 d̄z̄əŋəvəri: 2015
- 13) vi:de:fiə šəmma:ŋə vi:fe:šā:kə- 200mə əkə1 15 əprələ 2016/ 205 mə əkə, 1 d̄z̄ula:i: 2016
- 14) məi:th̄ili: šj:..d̄i:./ əlbəmə gi:tə šəgi:tə vi:fe:šā:kə- 217 mə ĩkə 01 d̄z̄əŋəvəri: 2017


15) məiṭʰili: ve:bə pətrəkɑ:ɾiṭɑ: viʃe:ʃɑ:kə-313mə ẽkə 1
dʒəŋəvəri: 2021

16) məiṭʰili: bi:fiŋɪ kəṭʰɑ: viʃe:ʃɑ:kə-2, 317 mə ẽkə 1
mɑ:ɾtʃə 2021

17) kəla:-vɪmərʃə viʃe:ʃɑ:kə (ʃəndərbʰə- ʃəḍʒu:
dɑ:sə, kriʃŋə kuma:rə
kəʃpə, ʃəʃibɑ:lɑ:, e:sə.sj:.sumənə a: ʃve:tɑ: dʒʰɑ:
tʃəudʰəri:)

əɦu: kʰɔ̃dəme: kiṭʃʱu e:fiŋɔ: gʰo:ʃəŋɑ: tʃʰi dʒe: ki fiəmə
ʃəbʰə ŋəi kəʃ ʃəkələɦũ dʒe:ŋɑ: viḍe:fiəkə "ʃɑ:ɦitʃi:kə
bʰrəʃtɑ:tʃɑ:rə viʃe:ʃɑ:kə" fiəmərə: lo:kəŋɪ e:kʰəŋə dʰəri
ŋəi prəkɑ:ʃiṭə kəʃ ʃəkələɦũ ətʃʱi. e:kərə gʰo:ʃəŋɑ: fiəmə
2019 me: ke:ŋe: rəɦi:. e:ɦi gʰo:ʃəŋɑ:kə pʰe:ʃəbukə ɦikə
de:kʰu:.

परिशिष्ट-1

←  विदेहक परमेश्वर कापड़ि, कम...
m.facebook.com

← विदेहक परमेश्वर कापड़ि, कमला चौधरी आ ...



Ashish Anchinhar

15 June 2016 at 21:21 · 

विदेहक परमेश्वर कापड़ि, कमला चौधरी आ वीरेन्द्र मल्लिक विशेषांक केर घोषणा

जेना की सभ गोटा जनै छी जे विदेह 2015 मे तीन टा विशेषांक तीन साहित्यकारपर प्रकाशित केलक जकर मापदंड छल सालमे दूटा विशेषांक जीवित साहित्यकारक उपर रहत जइमे एकटा 60-70 वा ओइसँ बेसी सालक साहित्यकार रहता तँ दोसर 40-50 सालक (मैथिली साहित्यकार मने भारत आ नेपाल दूनक)। ऐ क्रममे अरविन्द ठाकुर ओ जगदीश चंद्र ठाकुर "अनिल" जीपर विशेषांक निकलि चुकल अछि। आगूक विशेषांक किनकापर हुअए तइ लेल एक मास पहिनेसँ पाठकक सुझाव माँगल गेल छल। पाठकक सुझाव आएल आ ओइ सुझाव अंतर्गत विदेहक दू टा अगिला विशेषांक परमेश्वर कापड़ि आ वीरेन्द्र मल्लिकजीक उपर रहत संगे-संग भोटिंगमे दोसर नं पर आएल कमला चौधरीजीपर हमरा सभ सेहो निकालब । हमर सबहक प्रयास रहत जे ई सभ विशेषांक जनवरी ओ फरवरी 2017 मे प्रकाशित हुअए मुदा ई रचनाक उपलब्धतापर निर्भर करत। मने रचनाक उपलब्धताक हिसाबसँ समए ऊपर-निच्चा भऽ सकैए। सभ गोटासँ आग्रह जे ओ अपन-अपन रचना (आलोचना, समीक्षा, समालोचना, संस्मरण आदि) 31 दिसम्बर 1016 धरि ggajendra@videha.com पर पठा दी।



परिष्ठा-2

20:36

Ashish Anchinhar

 **Ashish Anchinhar** Jan 27, 2019

विदेह अपन कोनो अंकमे "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक" निकालत (लिक कमेंटमे) ताहि लेल अपने सभसँ निम्नलिखित विषयपर आलेख आदि चाही। किछु गोटाकेँ एहि दुआरे टैग कऽ रहल छी जे लोकनि हमर लिस्टमे नै छथि हुनको लग ई सूचना पहुँचनि खास कऽ दपस (दरभंगा-पटना-सहरसा) मठाधीश सभ लग। दिक्कत लेल क्षमाप्रार्थी छी--

1. साहित्य, कला एवं सरकारी अकादमी:-
(क) पुरस्कारक राजनीति
(ख) सरकारी अकादेमीमे पैसबाक गैर-लोकतांत्रिक विधान
(ग) सत्तागुट आ अकादमी केर काजक तौर-तरीका
(घ) सरकारी सत्ताक छद्म विरोधमे उपजल तात्कालिक समानांतर सत्ताक कार्यपद्धति (1985सँ एखन धरि)
(ङ) अकादेमी पुरस्कारमे पाइ फैक्टर: मिथक वा यथार्थ

2. व्यक्तिगत साहित्य संस्थान आ पुरस्कारक राजनीति

3. प्रकाशन जगतमे पसरल भ्रष्टाचार आ लेखक

4. मैथिलीक छद्म लेखक संगठन आ ओकर पदाधिकारी सभकेँक आचरण

5. मैथिली विभागमे पसरल साहित्यिक भ्रष्टाचारक विविध रूप:-
(क) पाठ्यक्रम
(ख) अध्ययन-अध्यापन
(ग) नि

6. साहित्यिक भ्रष्टाचारक विविध रूप:-
(क) पुरस्कारक राजनीति
(ख) सरकारी अकादेमीमे पैसबाक गैर-लोकतांत्रिक विधान
(ग) सत्तागुट आ अकादमी केर काजक तौर-तरीका
(घ) सरकारी सत्ताक छद्म विरोधमे उपजल तात्कालिक समानांतर सत्ताक कार्यपद्धति (1985सँ एखन धरि)
(ङ) अकादेमी पुरस्कारमे पाइ फैक्टर: मिथक वा यथार्थ

Kumar and 8 others commented

Write a comment...

ପଠିମା-3

ପଠିମା: ହା ଶ୍ରୀମତୀ କୋ: ନାମ: ଶ୍ରୀମତୀ: "ସା: ହିତ୍ୱିକା ବହୁତା: ତ୍ୱା: ରା
ପଠିମା: ସା: କା" ନିକା: ଲତା (ନିକା କାମେ: ତାମେ:) ତା: ହି ଲେ: ଲା ଶ୍ରୀମତୀ:
ସା: ବହୁତା ନିମନ୍ତାଲିକା ହିତ୍ୱିକା ପଠିମା: ପା: ଲେ: କା: ଅ: ଦ୍ୱି ତ୍ୱା: ହି: .

1. ସା: ହିତ୍ୱିକା, କା: ଲେ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ହି-

(କା) ପୁରାଣା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:

(କା) ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ପା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:
ଲୋ: କା: ତା: ହିକା ପଠିମା: ନା

(ଗା) ସା: ହିତ୍ୱିକା: ଶ୍ରୀମତୀ: କା: ଶ୍ରୀମତୀ: କା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:
ଗା) ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ପଠିମା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:
ତା: ହିକା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ସା: ହିତ୍ୱିକା: କା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: (1985
ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:)

ନା) ଶ୍ରୀମତୀ: ପୁରାଣା: ଶ୍ରୀମତୀ: ପା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:
ପା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:

2. ଶ୍ରୀମତୀ: ସା: ହିତ୍ୱିକା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:

3. ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ପା: ଶ୍ରୀମତୀ: ବହୁତା: ତ୍ୱା: ରା:
ଲେ: କା: କା

4. ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:
ପା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:

5. ଶ୍ରୀମତୀ: ପା: ଶ୍ରୀମତୀ: ପା: ଶ୍ରୀମତୀ: ସା: ହିତ୍ୱିକା:
ବହୁତା: ତ୍ୱା: ରା: କା ପା: ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:

(କା) ପା: ଶ୍ରୀମତୀ:

(କା) ଶ୍ରୀମତୀ: ଶ୍ରୀମତୀ:

(ଗା) ଶ୍ରୀମତୀ:

6. ʃa:ɦitʃikə pətʃəkɑ:ɦtɑ:, ɦtʃu:, mətʃi, ma:lɑ:, ma:ɦkə
ɑ: lɑ:kɑ:ɦpənəkə kʰe:lə-təmɑ:ʃɑ:

7. le:kʰəkə ʃəbʰəɦĩkə dʒəɦmə-mərəɦə ʃətɑ:bdʒi: ke:rə
tʃɦnɑ:və, kəɦlĩ:dərəvɑ:dʒə ɑ: təkəra: pɑ:tʃɦu:kə
rɑ:dʒəɦtʃi:tʃ

8. dʒɦltʃə e:vĩ le:kʰɦkɑ: ʃəbʰəɦĩkə ʃəge: bʰe:dʒə-bʰɑ:və ɑ:
o:kərə ʃo:ʃəɦkə vɦɦdʰə tʃɦri:kɑ:

upərəkə vɦʃəjəkə ətʃɦɦktʃə dʒĩ kɦjo: ʃa:ɦitʃikə
bʰɦrəʃtɑ:tʃɦ:rəkə ko:ɦo: ɦəvə vɦʃəjəpərə lɦkʰəe: tʃɦ:ɦətʃɦ tʃ
o:kəro: ʃpɑ:gətʃə rəɦətʃə.

əpəɦə

mətʃəvʒə editorial.staff.videhə@gmail.com **pərə**

pəɦɑ:u.

2.2.e:mə.e:ʃə.ju: kə ʃəksɦptə pəɦtʃəjə

e:mə.e:ʃə. ju: kə ʃəksɦptə pəɦtʃəjə

e:ɦɦ vɦʃe:ʃɑ:kəʃə pəɦɦe: vɦdʒe:ɦə mɦtʃɦla: ʃtʃu:dĩ:tə
ju:ɦjəɦə ke:rə ɦpo:ɦtə 2017 me: tʃʰəpəɦe: tʃʰələ dʒe: kɦ
bɑ:tʃɦɦme: o:kəra: dʒpɑ:rɑ: kəe:lə ge:lə kɑ:dʒəpərə tʃʰələ.
pɑ:tʃʰəkə e:kəra: e:ɦɦ lɦkəpərə pəɦtʃɦ ʃəkəɦ tʃʰətʃɦ- vɦdʒe:ɦə
15 əgəʃtə 2017 ĩkə 232

e:ɦɦtʃɦɑ:mə pərəʃtʃtə ətʃɦ "mɦtʃɦla: ʃtʃu:dĩ:tə ju:ɦjəɦə"
ke:rə ʃəksɦptə pəɦtʃəjə. e:ɦɦ pəɦtʃəjəkə ədʰɦkɑ:kə:ʃə tʃəɦjə
ʃa:rəvədʒəɦkə ətʃɦ dʒəkəra: e:ɦɦtʃɦɑ:mə əpəɦə: əɦɦu:rəpə
pərəʃtʃtə ke:ləɦũ ətʃɦ. e:ɦɦ ʃəʃtʃtə:kə: "e:mə.e:ʃə.ju:
vɑ: MSU ke:rə ɦɑ:məʃə ʃe:ɦo: dʒɑ:ɦlə dʒɑ:ɦe:.
ɦɑ:məpərə kɦkə ke:ɦe: kərəməʃəɦ e:kəra vɦkɦ:pi:dɦjɑ: ɑ:
və:bəʃɑ:ɦtə kʰu:dʒətʃə. mɦtʃɦla:vɑ:dɦ: pɑ:ɦtʃɦ ɦɑ:məkə

संस्था:के: MSU नृत्यक सभारुहण दारे:.



चित्र- 1



चित्र- 2

स्था:पण:- मा:रुत- 2015

संस्था:पके सभसभ- अनु:पे मरुतुले, रभुणुणु
मरुतुले, नुतु:रु कभुणु, र:दुतु: र:रु, कभुणु:रु मरुतु:

वरुतु- ल:भरुणुतु अ: गुरु र:दुतुणु:तुके तु:तु संगुणुणु

udde:ʃʃə- miṭhila:-maitḥili:kə ʃərvā:gi:ṇə vika:ʃə

upəstḥitḥ- bīfiarə e:vā dē:ʃəkə prəmukhə ra:dʒjə
(mukḥja:ləjə-dḥilli:)

prəṭi:kə rīgə e:vā vəstḥrə- pi:jərə rīgə, pi:jərəka: ti: ʃərtə-
gəmatḥa:, pi:jərə ʃələvā:rə ʃu:tə-ṇu:a:

MSU ʃə ʃəbāḍḥitḥ a:ṇə tḥitḥ dʒe: ki vibḥiṇṇə əvəʃərəkə
əṭḥi a: vibḥiṇṇə ma:dḥjəməʃə le:lə ge:lə əṭḥi-



tḥitḥ- 3



चित्र- 4



चित्र- 5



चित्र- 6



चित्र- 7

ခပာနဲ

မိတ်တဲပျဲ editorial.staff.videheã@gmail.com ပဲာဲ

ပဲာဲဖဲာဲ: ဟ.

2.3. တဲာဲသဲာဲ: သဲာဲ- MSU



တဲာဲသဲာဲ: သဲာဲ

MSU

"mitḥila: sṭu:dē:ṭə ju:njəṇə" mitḥila:kə dṛi:garukə
vidjā:rtḥi: śṛabhāhikə śṛgəṭḥəṇə əṭṭi dṛi: śṛdḥikəṇə
ṇḥiṣṭpa:rtḥə bhā:vəṇa:śṛ mitḥila:kə śṛmāśjā: śṛgə ṭḥa:ṭḥə
rāhāṭṭə əṭṭi. MSU ke:rə śṭḥa:pəṇa: 2015 me: bhē:lə.
ṭṛkḥəṇəśṛ əṇəvəṛəṭṭə i: śṛgəṭḥəṇə əṇə:kə śṛmāśjā:kə
śṛmā:dḥa:ṇə le:lə śṛgəṭḥiṭṭə ru:pəśṛ əpəṇə əvā:dṛi
bulādj:śṛ utḥa: rāhələ əṭṭi.
māḍḥubəṇi:, dṛəbhāṅga:, pəṭṇa: ḍḥilli:me: mitḥila:
ra:dṛiṇə le:lə əpəṇə əvā:dṛi ḍḥilli: dḥəri pāhūṭṭi: rāhələ
əṭṭi.

ba:ṭḥə pi:ṭṭə śṛhā:jəṭṭa:, rəṭṭəḍḍa:ṇə ṣivirə, dṛəbhāṅga:me:
e:jəṛəpo:rtəkə sṭṭi:ru śṛṭṭi:ṇə hie:ṭṭu, mitḥila:
ḍe:vāle:pāmē:ṭəkə ba:ṭṭə, ṭṭiṇṇi: miḥəkə pḥe:rəśṛ
śṛṭṭi:ṇəṇə, ṇḥiṣṭi:-prəḍjūṇə hāṭṭi:kā:ḍə le:lə bhē:lə
a:ṇḍo:ṇəme: MSU śṛkṛjə ru:pəśṛ kā:dṛi
ke:ləkə. MSU śṛdḥikəṇə kṣe:ṭṭə e:vā ṭṭi:ṭṭi: hṛṭṭe:
ṭḥa:ṭḥə rāhāṭṭə əṭṭi.

mitḥila:vā:ḍi: pa:ṭṭi: e:kəṛə ḍo:śṛə ru:pəme: ṭḥa:ṭḥə
bhē:lə əṭṭi dṛiḍəkəṛə śṛhājo:gəśṛ pāṭṭi:jəṭṭə ṭṭiṇṇa:vāme:
kəṭṭe:kə mukḥijā:-śṛəpāṭṭi bəṇələ ṭṭi:ṭṭi. ḍḥiṭṭə-pṭiṭṭi:ṭṭa:
śṛvəṛḍḥəṇə ja:ṭṭa: MSU ṇḥkā:li rāhələ əṭṭi.

MSU ke:rə e:kāṭṭa: udjē:jṇə əṭṭi dṛi: əpəṇə kṣe:ṭṭə a:
ṭṭi:ṭṭəkə hṛṭṭe: kā:dṛi kəṛiṭṭə rāhi:. dṛi:ḥime:
mitḥila:kə ṭṭiḥimukḥi: vika:śṛ, śṛ:śṛkṛṭṭəkə dḥəro:ḥiṛə a:
pəjəṭṭə śṭḥələ ke:rə vika:śṛ, əṇjā:jəkə vṛuddḥə pi:ṭṭi
śṛhā:jəṭṭa:, əpəṇə kṣe:ṭṭe: ro:dṛiḍəgā:rə-śṛəro:dṛiḍəgā:rə
a:ḍi prāmukḥə əṭṭi. MSU e:kāṭṭa: gəṛə ra:dṛiṇi:ṭṭəkə

တၢ်အံၤန့ၣ်ဂၢ်မံၤန့ၣ် ခၢ်တၢ်အံၤ ခၢ်မံၤန့ၣ် ဝုၣ်ညးၣ်မံၤန့ၣ် လၢဂၢ်တၢ်အံၤ
န့ၣ်ပၢ်မံၤန့ၣ် ဝုၣ်မံၤန့ၣ်/ဝုၣ်မံၤန့ၣ် ခၢ်တၢ်အံၤ.

ခၢ်မံၤန့ၣ်

မံၤန့ၣ် editorial.staff.videha@gmail.com **ပၢ်**

ပၢ်တၢ်အံၤ.

2.4. နိမိတ်ကၢ် ဝုၣ်မံၤန့ၣ်- "မံၤန့ၣ် (MSU)-
မံၤန့ၣ် န့ၣ်ပၢ်မံၤန့ၣ် ဝုၣ်မံၤန့ၣ်" န့ၣ် "မံၤန့ၣ်ပၢ်မံၤန့ၣ်
ဝုၣ်မံၤန့ၣ်"



हमकंठं बहुरादपःदु

**"e:mə.e:ʂə.ju: (MSU)-mɪtʰɪlɑ: ʂtu:dɛ:tə ju:njəŋə" ʂə
"mɪtʰɪlɑ:vɑ:dʒi: pɑ:rʈi:" dʰəri**

bəhɪtʂə dʌkʰədɑ:ji: a: kʰi:dʒə bʰərələ kɑ:dʒə hio:ɪtʂə tʰɪɪ
dʒəkʰəŋə əhɪ:kə kəlpəŋɑ:kə pʰre:mə bəhɪtʂə pəɪgʰə hio:
a: əhɪ:kɛ: ʂtɑ:mpə ʂɑ:ɪdʒə pʰo:tʒo: dʂə/kəhələ dʒɑ:e: dʒe:
pʰo:tʒo: tʂe:nɑ: kəʂ ləgɑ:u dʒe: tʰɪɪ dʌ:re:ʂə dɛ:kʰɑ:rə
bʰəʂ dʒɑ:e:. həmərə: ŋədʒɪme: mɪtʰɪlɑ:-mɪtʰɪli:
ɑ:ŋdʒo:ləŋəkə jətʰɑ:rʈə a: kəlpəŋɑ:me: kɪtʰu e:həŋe:
ʂəŋə ətʰərə tʰɪɪkə.

dʒu:nə mɑ:ʂəkə pəhɪlə ʂəptɑ:həme: mɪtʰɪlɑ:vɑ:dʒi:
pɑ:rʈi:kə rɑ:ʂtɪ:jə məhɪɑ:ʂətʃɪvə ugrəŋɑ:tʰə bʰəjɑ:kə
pʰo:nə a:e:lə dʒe: ʂəgəʂəŋə ʂərvəʂəmmətʃəŋə ŋmɪjə
le:ləkə ətʰɪ dʒe: əhɪ: pɑ:rʈi:kə prəde:jə ədʒəkʂəkə
dʒɪmme:dɑ:ri: li:. həmə ʂɑ:pʰə-ʂɑ:pʰə məŋɑ: kərəɪtʂə
rəhəlɪjəŋ. ko:ro:nɑ: a: o:kərə prəbʰɑ:vəkə kɑ:rəŋə
kɑ:ro:bɑ:rə e:kədʒmə tʰəppə bʰəʂ ge:lə rəhəe:. ɑ:rʈɪkə
tʂgi:kə bi:tʃi e:həŋə ŋmɪjə le:bə bəhɪtʂə kətʰɪŋə a: ʂətʃi
pu:tʰɪ: tʂ a:tʰməgʰɑ:tʃi: ʂe:hio: hio:ɪtʂə. bʰəvɪʂjəme: əpəŋɑ:
mɑ:tɪ le:lə kɪtʰu kərəbɑ:kə əvəʂəpəkɛ: dɛ:kʰəɪtʂə rɑ:tɪ

b^hari t^hana: vame: r^hal^hni. b^ho:re: p^hiluk^h t^ha: h^hak^h s^hga
p^hni: (k^hit^h.) k^hal^hni- ba:bu: (mo: h^hni
b^ha: r^hpa: d^h) l^hga ki: r^hni? s^hb^h d^hni d^hkk^hte: me:
r^hal^h: h^h s^h: t^h: o: h^h: d^h i^h: h^h s^h: t^h t^h t^h t^h t^h h^hma:ra:
a^h: k^h: ke: t^h t^h t^h t^h t^h s^hb^h: v^h t^h d^h e: v^h a: j^hka: k^h:
bi: t^h o: a^hba: r^h d^h n^h d^h d^h r^h: r^hal^h: h^h a: t^h: h^h
p^h t^h r^hal^h: h^h. h^hma:ra: la: g^hl^h d^h: n^h: d^hka^h t^h
k^hud^h ge: l^h h^h: t^h: h^h pi: la: k^h ba: d^h p^hil^h ka: d^h
ka: l^h d^h: u^h r^h: t^h b^hja: k^h: s^h: k^hka^h ma: s^h: d^h
ka^h d^h: l^h.

ko: n^h: jo: d^hna: p^hra ka: d^h ka^hba: s^h p^hni: r^h: r^h
ma: p^hga d^hru: ri: h^h: t^h t^h. s^h: h^hma p^hni t^h ge: l^hni
ma^hub^hni: ka: r^h: l^h. d^hka^h h^h h^hma p^hni t^h l^hni
o: t^h: t^h e: ma: e: s^h: ju: (MSU)- mi^hla: s^h: d^h: t^h ju: ni^h
ke: r^h ko: n^h: ni: t^h ma: mi^h: p^hra b^hka^h d^h: ri:
r^hal^h: e: ga: r^h b^h: s^h ju: b^h: l^h mi: t^h t^h: r^h
b^h: s^h: d^h h^h: s^hma: p^h b^h: l^h. v^h t^h: r^hka
ma^hni^hka ba: v^h d^h: s^hma: d^hka
d^hmi: d^h: ri: ka^h ma^h v^h: t^hka^h s^h: a: r^h
d^h: k^hba: me: a: e: l^h. d^hka^h e: ka^h: ga: r^h ra: d^h: t^hka^h
t^h: t^h s^hga^hka^h: vi^h: n^h s^hb^h: t^hna: v^h: ko: n^h
ru: p^h: a^h b^h: mi^h: t^h ka^h t^h: h^h: t^h: h^h p^h
vi^h b^h r^hal^h t^hl^h.

h^hma:ra: s^hb^hka^h s^hma^h d^h t^hna: v^h pu: r^h
s^h: ga^hka^h s^hra p^hra vi^h le: l^h du: ta: muk^h v^hja
r^hal^h: - p^hil^h d^h: mi^h: va: d^h: pa: r^h: ka^h mu: l^h
s^hga^h e: ma: e: s^h: ju: (MSU)- mi^h: s^h: d^h: t^h
ju: ni^h d^h: k^h g^h: s^h ru: p^h s^h: e: ka^h: ga: r^h

ra:dʒi:ŋi:tʃkə s̄gəʈʰəŋə tʃʰai o:kəɾə vɪdʰa:ŋə s̄əbʰa:
tʃiŋa:vəme: ko:ŋə s̄t̄əɾəpərə a: kəʈe:kə bʰu:mɪka:
ɦo:ɪkə, d̄o:s̄əɾə- dʒi: e:mə.e:s̄ə.ju: (MSU)-mɪʈʰɪla:
s̄tu:d̄ē:tə ju:ŋjəŋə ke:rə s̄a:t̄ɦɪ: vɪdʰa:ŋəs̄əbʰa:
tʃiŋa:vəme: əpəŋə umme:d̄əva:ri: p̄rəst̄ut̄ə kəɾəʈʰɪ vɑ:
kɪ ŋəɦɪ.

ə_I vɪs̄əjəpərə ko:ŋo: s̄s̄jəjə ŋəɦɪ dʒi: mɪʈʰɪla:vɑ:dʒi:
pɑ:ɾti:kə mu:lə a:dʰa:rə e:mə.e:s̄ə.ju: (MSU)-mɪʈʰɪla:
s̄tu:d̄ē:tə ju:ŋjəŋə e:kəʈa: mədʒəgu:t̄ə tʃʰa:t̄ɾə s̄gəʈʰəŋə
tʃʰai, dʒəkəɾa: d̄əməpərə a: dʒəkəɾa: ka:dʒəkə
a:dʰa:rəpərə mɪʈʰɪla:vədjɪ: pɑ:ɾti:kə pəɾɪkəlpəŋɑ: kəe:lə
ge:lə. mɪʈʰɪla:vɑ:dʒi: pɑ:ɾti:kē: e:kəʈa: ra:dʒi:ŋi:tʃkə
pɑ:ɾti:kə ru:pəme: ma:ŋjəʈa: t̄s̄ bʰe:t̄ələ pəɾəʈtu tʃiŋa:və
ka:lə d̄ɦɪɪ e:kəɾə ko:ŋo: s̄s̄gəʈʰəŋkə a:ka:rə-a:dʰa:rə
ŋəɦɪ le:ŋe: rəɦəe:.

mɪʈʰɪla:vɑ:dʒi: pɑ:ɾti:kə ra:s̄t̄ri:jə ədʰjək̄s̄ə ɦukuməde:və
ja:d̄əvə, məɦa:s̄əʈʃiʋə s̄k̄ri:ŋ̄gə kəmiɾi:kə e:gja:rəɦə
s̄əd̄əsjə, e:mə.e:s̄ə.ju: (MSU)-mɪʈʰɪla: s̄tu:d̄ē:tə
ju:ŋjəŋəkə ra:s̄t̄ri:jə ədʰjək̄s̄ə, məɦa:s̄əʈʃiʋə, s̄gəʈʰəŋə
m̄əʈʃi:., dʒɪla: ədʰjək̄s̄əkə s̄gə kəe:kə d̄jŋə kəe:kə r̄i:udə
bəi:s̄a:rəkə bɑ:d̄ə t̄əjə bʰe:lə dʒi:
p̄əʈʃa:jəʈə, p̄rək̄ɦ̄əde, dʒɪla: a: vɪdʰa:ŋəs̄əbʰa: s̄t̄əɾəpərə
tʃiŋa:və p̄rəbʰa:ri:kə s̄gə bu:t̄ə p̄rəbʰa:ri: t̄əkə pu:ra:
tʃiŋa:və p̄rəʈʃa:rə a: ra:dʒi:ŋi:tʃ e:mə.e:s̄ə.ju: (MSU)-
mɪʈʰɪla: s̄tu:d̄ē:tə ju:ŋjəŋə ke:rə s̄a:t̄ɦɪ: mɪʈʰɪla:vɑ:dʒi:
pɑ:ɾti: a: umme:d̄əva:rəkə ko:rə ʈi:məkə s̄gə s̄əməŋp̄əjə
bəi:s̄a: kə/ ŋ̄ma:ɦəʈa:s̄əməŋp̄əjə s̄t̄ɦa:pɪʈə kəɾəbɑ:kə
pəɦɪlə dʒɪmmə:d̄a:ri: p̄rək̄ɦ̄əde ədʰjək̄s̄ə a: vɪdʰa:ŋəs̄əbʰa:

prəb^ha:ri:kē: d̥e:lə ge:lə. ṣṣṣgəh̄i bəh̄iut̪ə v̄imərfəkə b̄a:d̪ə
 i:fiə: n̄m̄əjə le:lə ge:lə d̪ze: i: pəd̪ə ṣṣṣb^hə v̄id̪^ha:n̄ṣṣṣb^ha:
 t̪ʃun̄a:vəkə mət̪əgəṇəṇa:kə d̪n̄ə ṣṣṣvət̪əh̄ə ṣṣṣma:pt̪ə b^hə/
 d̪z̄a:e:t̪ə. h̄əmərə: ṣṣṣb^həh̄əkə d̪o:ṣṣṣrə d̪ze: v̄it̪^ha:rəṇi:jə
 v̄iṣṣṣəjə rəh̄iə: o:hiṣṣṣpərə n̄m̄əjə kərəb̄a:me: bəh̄iut̪ə ṣṣṣm̄əjə
 n̄əh̄i la:gələ. e:mə.e.ṣṣṣju: (MSU)-m̄it̪^hila: ṣṣṣtu:d̪ē:t̪ə
 ju:n̄jəṇə e:kəṭa: t̪^ha:t̪ṣṣṣ ṣṣṣgəṭ^həṇə t̪^həikə, e:kəṭa:
 ṣṣṣgəṭ^həṇəkə ka:r̄jəf̄ili: a: e:kəṭa: ra:d̪z̄əṇi:t̪kə d̪ələkə
 ka:r̄jəp̄rəṇa:li:me: bəh̄iut̪ə ət̪ṣṣṣrə h̄io:t̪ə t̪^həi ṣṣṣgəh̄i ṣṣṣgə
 t̪^ha:t̪ṣṣṣ ṣṣṣg^hə t̪ʃun̄a:və a: v̄id̪^ha:n̄ṣṣṣb^ha: t̪ʃun̄a:vəme:
 ṣṣṣe:h̄io: bəh̄iut̪ə p^hərkə t̪^həi. t̪^həi əṇub^həvəkē: d̪e:k^həit̪ə a:
 ṣṣṣgəṭ^həṇəkə ṣṣṣa:t̪^hi: ṣṣṣb^həh̄əkə a:r̄t̪^hikə ṣṣṣt̪^hi:t̪kē: d̪e:k^həit̪ə
 ṣṣṣh̄əd̪z̄ə n̄m̄əjə b^hə/
 ge:lə d̪ze: h̄əmərə: ṣṣṣb^hə t̪ʃun̄a:və
 ləṣṣṣb̄a:kə ṣṣṣt̪^hi:t̪me: n̄əh̄i t̪^hi: a: n̄e: əṇub^həvə ət̪^hi t̪^həi
 v̄id̪^ha:n̄ṣṣṣb^ha: t̪ʃun̄a:vəṣṣṣ əṇub^həvə lə/
 p̄ra:t̪^həmikə ṣṣṣṣṣrəkə ja:n̄j: p̄ət̪^ha:jəṭə ṣṣṣṣṣrəkə t̪ʃun̄a:vəme: h̄əmə ṣṣṣb^hə
 əp̄əṇə d̪a:v̄e:d̪a:ri: p̄rəṣṣṣt̪ṣṣṣ kərəb̄ə t̪a:ki: ṣṣṣgəṭ^həṇəkē:
 d̪z̄əmi:n̄j: a: ra:d̪z̄əṇi:t̪kə d̪a:v̄e:d̪a:ri: ṣṣṣe:h̄io:
 m̄əd̪z̄əgu:t̪i:kə ṣṣṣgə t̪^ha:t̪^hə b^hə/
 ṣṣṣəkəe:.

d̪z̄ək^həṇə e:hi d̪un̄u: v̄iṣṣṣəjəpərə n̄m̄əjə b^hə/
 ge:lə t̪ək^həṇə n̄əvə ṣṣṣm̄əṣja: t̪^ha:t̪^hə b^he:lə d̪ze: v̄id̪^ha:n̄ṣṣṣb^ha:
 t̪ʃun̄a:vəme: m̄it̪^hila:vədj: p̄a:r̄ti: d̪ṣṣṣṣṣ ke:? h̄əmə ṣṣṣb^hə
 ṣṣṣid̪^hā:t̪kə ru:pē: əhi b̄a:t̪əpərə ṣṣṣh̄əmət̪ə rəhi: d̪ze:
 h̄əmə ṣṣṣb^hə o: umme:d̪əv̄a:rəkə ṣṣṣm̄əṣt̪^həṇə kərəb̄ə d̪ze:
 ko:n̄o: m̄it̪^hila:-m̄əit̪^hili:ṣṣṣ d̪z̄ur̄ələ p̄a:r̄ti: d̪ṣṣṣṣṣ t̪^ha:t̪^hə
 h̄io:t̪^hi a: h̄iṇəkərə p̄ra:t̪^həmikəṭa:me: p̄əh̄ilukə
 n̄əmb̄əṣpərə m̄it̪^hila:-m̄əit̪^hili: h̄io:n̄ə. d̪o:ṣṣṣrə h̄əmərə:
 ṣṣṣb^həh̄əkə ṣṣṣid̪^hā:t̪kə ṣṣṣm̄əṣt̪^həṇəkə a:d̪^ha:rəpərə o:
 umme:d̪əv̄a:rə rəh̄iəṭ^hi d̪ze: p̄əh̄iṇe:ṣṣṣ h̄əmərə: ṣṣṣb^həh̄əkə

e:hi ma:na:sa:ka:ta:pa:ra d:za:kha:na hama sa:ta:ba ju:ru:
ke:lahi tu la:ga:la d:ze:na: hama mit:hi:la:-ma:ti:hi:li:
a:do:lan:ji:kē: o: hi:sa:ri: bud:zha:ta tu:ta:hi. a: ba:tu: sa:hi:
tu:ri kie:ka ta/ mit:hi:la:ka na:ma:pa:ra hama:ra pu:ru:va:da:
sa:na:mi:ta d:za:ga: be:ra:pa:ra ka:kha:na: bha:d:za:pa: tu
ke:kha:na: ka:gra:sa va: ka:kha:na: a:na: da:la sa:ga sa:uda:
ka/ mit:hi:la:ka a:na:do:lan:ka: da:mita ka/ da:ta tu:ta:hi:na.

ko:na: ra:d:za:na:ti:ka sa:ga:ta:na:ka vi:sta:ra e:va a:ju e:hi
ba:ta:pa:ra n:ra:ba:ra ka:ra:ta tu:ri:ka d:ze: o: va:ta:ri:ka
ru:pa:sa ka:ta:ka ma:da:za:gu:ta sa:ga:ta:na: a:tu:ri. hama:ra:
sa:bha:ka: e:hi vi:sa:pa:ra vi:ta:ra ka:ra/ pa:ra:ta d:ze:
bha:d:za:pa:, a:ra.d:ze:.di:, ka:gre:sa, d:ze:.di:.ju: sa:bha
ra:d:za:na:ti:ka da:la:ka: pi:ta:la:ga: bha/ mit:hi:la: vi:ka:sa:ka
pa:ri:ka:pa:na: ka:ri: va: mit:hi:la:me: mit:hi:la: le:la
mit:hi:la:va:di: vi:ta:ra:da:ra:ka: a:gu: ba:ta:bi:. ko:na:
tu:na:va la:ba: le:la d:za:hi ru:pa:me: d:ha:na:ka upa:jo:ga
bha/ ra:hi:la tu:ri ja: ka:hi: ta/ ma:hi:ta:va ba:hi ra:hi:la tu:ri sa:
da:na:na:da:na lo:ka:ta:ti:ka v:sa:sa:ta: le:la be:si:
ka:ta:ra:na:ka bha:le:la d:za: ra:hi:la tu:ri. tu:ri:ta da:la d:ha:na:ka
a_1 ba:ra:ka: kha:le:ka: kha:le:ba:me: sa:sa:ma: na:hi tu:ri:ka.
e:hi:na: tu:ri:me: hama:ra: sa:bha le:la ra:sta: a:ra du:ru:hi
la:ga:la. ka:ka ta: e:hi:na ksa:ti:ja da:la hama:ra:
sa:bha:hi:ka sa:ga:ta:na:ka ta:ga:ta:ka: de:ka:ta:
sa:ma:da:za:ta: ka:ra:ba: le:la pa:hi:la ke:le:ka d:za:ka: pa:
tu kha:be: ra:hi a: si:ta:ka hi:sa:ba:sa sa:ga:ta:na:ka:
ma:na:ma:pa:ri:ka pa:ri sa:hi: de:ba: le:la ta:ja:ra ra:hi:
mud: a: a:pa:na: su:vi:da:na:sa:ra hama:ra: sa:bha:ka:
vi:da:na:sa:bha: ksa:ta:ka ta:ja:na ka/ umme:da:va:ra
ta:ta: ka:ra:ba: le:la da:ba:ba de:ba:ka ma:na:sa:ka:ta:me:

ꣳe:fi: rəfiə:, dʒa:fi:pərə fi:mə ꣳəbʰə tʃija:rə
ŋəfi. ʔtəʔəhə ba:tə dmu:-tʃi:ŋə rā:udəꣳə a:gu: ŋəfi bəʔʰi
ꣳəkələ. kʰəe:rə dʰəŋə bəla: viʃəjə əŋuuttəritte: rəfi ge:lə.
fi:mərə kitʰu ꣳa:tʰikə ma:ŋəbə rəfiəŋ dʒe: pa:rti: ŋəvə
əʔʰi, tʃiŋa:və tʃiŋə ŋəfi əʔʰi tʃə/ e:fiəŋa: ꣳʰitʰime:
fi:məra: ꣳəbʰəkē: pa:i bəla: umme:dəva:rəkə
ꣳəmərtʰəŋəme: a:gu: e:bəkə tʃa:fi: a: pa:rkə dʌmā:də
kərəba:kə tʃa:fi: tʃa:ki: əfi:bə:rə ŋəfi tʃə əgila: bə:rə le:lə
mədʒəgu:tə a:dʰa:rə tʃija:rə bʰə/ ꣳəkəe:. ədʰikəʔərə
ꣳa:tʰi: ə_I vitʃa:rəꣳə əꣳəfiəmətə rəfiəʔʰi.

dpo:ꣳərə pəkꣳəkē: ma:ŋəbə rəfiəŋ dʒe: fi:məra: o:fiəŋə
ŋi:rdəli:jə umme:dəva:rəkə ꣳəmərtʰəŋə kərəba:kə tʃa:fi:
dʒe: ju:ru:ꣳə fi:məra: ꣳəbʰəfiəkə ꣳəgə rəfiələ tʃiəʔʰi a:
ŋi:rdəli:jə umme:dəva:ri: prəꣳʰutə kə/ rəfiələ tʃiəʔʰi
tʃa:fi: o: dʰəŋəva:ŋə fi:otʰi va: gəri:bə. fi:məra: ꣳəbʰə
dpo:ꣳərə pəkꣳəpərə ꣳəfiəmətə bəŋa: le:ləfi. kəʔəfi-
kəʔəfi əŋubʰəvəədʒəŋjə gələtʃjo: bʰe:lə. mudə:.... ə_I
kəmrame: kəe:kə go:te: pʰo:ŋəꣳə tʃiŋtʃa: dʒa:fi:rə ke:ləŋ
dʒe: əfi:kə tʃi:məkə ꣳəʔəꣳə dʒiə pa:i bəla: ꣳəgə ləga:tʃa:rə
dmu: ma:ꣳə ka:dʒə kərəʔa: tʃə/ ꣳva:bʰa:vikə tʃurəpərə
fiŋəkərə dʒʰuka:və o:fi dʃꣳə bʰə/ dʒe:təŋ. tʃiŋtʃa:
ꣳva:bʰa:vikə rəfiəŋ mudə: ꣳəʔtʃə i:fiə rəfiə dʒe:
lo:kəꣳəbʰa: tʃiŋa:vəme: tʃə/ fi:məra: ꣳəbʰəfiəkə ꣳa:tʰi:
vʃəktʃgəʔə tʃurəpərə ələgə-ələgə dələkə umme:dəva:rəkə
ꣳəgə tʃiəʔəʔʰiŋə tʃəkəra: ba:dpo: o: a:i dʰəfi fi:məra:
ꣳəbʰəfiəkə ꣳəgə tʃiəʔʰi a: ꣳəge:-ꣳəgə əpəŋa: kʃe:tʃəkə
utʃitʃə mudə:kə pəkꣳəme: ləʔjo: rəfiələ tʃiəʔʰi. i:fiə e:fi
ꣳəgəʔəŋəkə əŋuʃa:ꣳəŋə o: tʃre:ŋigə tʃiə.

e:kə vɪd̪h̪a:ŋəʂəb̪h̪a: kʂe:t̪r̪əme: əʊʂəɾəŋə tʃa:li:sə
 pət̪tʃa:jət̪ə hio:ɪt̪ə tʃh̪əikə. e:kə pət̪tʃa:jət̪əme: əʊʂəɾəŋə
 t̪i:ŋə ga:mə. e:hi be:rə pət̪tʃi:l̪a: be:rəkə muka:bəle: 45
 prət̪tʃət̪ə be:s̪i: bu:t̪h̪ə bəŋa:e:lə ge:lə rəh̪əi. mæa:kə
 t̪e:s̪t̪ə t̪a:ɪmə a: ɾijələ b̪h̪o:ŋigə t̪ə_ɪmækē: hi:s̪a:bəʂə
 d̪e:k̪h̪u: t̪ə p̪ā:t̪jə bəd̪z̪e: b̪h̪o:rəʂə s̪a:t̪ə bəd̪z̪e: s̪ā:d̪z̪h̪ə
 d̪h̪əɾi po:ŋigə bu:t̪h̪əpərə rəh̪əba:kə tʃa:hi:. ja:ŋi: h̪əre:kə
 bu:t̪h̪əpərə d̪u: po:ŋigə e:d̪z̪ē:t̪ə. ba:hiərə pərt̪ʃi: ka:t̪əba:
 le:lə kəməʂə kəmə tʃa:ɾi a:d̪əmi: ja:ŋi: d̪z̪ə h̪əmə e:kə
 vɪd̪h̪a:ŋəʂəb̪h̪a: ma:t̪r̪ə k̪h̪əd̪z̪əuli:kə ba:t̪ə kəri: t̪əʂ/ 483
 bu:t̪h̪ə ja:ŋi: 483X6=2898 ka:ɾjəkərt̪a:kə b̪h̪o:t̪əkə d̪ŋə
 d̪z̪əɾu:rət̪i tʃh̪əi. e:kəra: ət̪ɾiŋk̪t̪ə va:ɾd̪əʂə əpəŋa:
 b̪h̪o:t̪ərekē: mo:t̪ɪb̪h̪e:t̪ə kəʂ/ po:ŋigə bu:t̪h̪ə d̪h̪əɾi
 pəhiŋt̪j̪e:ba:kə le:lə ələgəʂə ka:ɾjəkərt̪a: a: s̪a:d̪h̪əŋəkə
 d̪z̪əɾu:rət̪i hio:ɪt̪ə tʃh̪əi s̪e: ələgə. ət̪e:kə bərk̪h̪əʂə m̪i:t̪h̪i:l̪a:-
 m̪əit̪h̪i:l̪i:kə ŋa:məpərə tʃŋa:vi: ra:d̪z̪əŋi:t̪ikə kərəʂ/ bəla:
 ŋe:t̪a: s̪əb̪h̪ə ə_ɪ mu:lə ba:t̪əpərə kɾe:kə ŋəhi d̪h̪e:a:ŋə
 d̪e:lək̪h̪iŋə, kɾe:kə o:t̪e:kə puɾa:ŋə s̪əʂt̪h̪a: s̪əb̪h̪ə d̪z̪e:bi:
 s̪əʂt̪h̪a: bəŋi kəʂ/ rəhi ge:lə ət̪h̪i. ka:rəŋə t̪əkəba: le:lə
 ko:ŋo: s̪əmuɾə m̪ət̪h̪əŋə kərəba:kə d̪z̪əɾu:rət̪i ŋəi
 tʃh̪əikə. e:kə ŋəɾd̪z̪əɾime: əd̪a:d̪z̪ə b̪h̪əʂ/ d̪z̪a:e:t̪ə d̪z̪e:
 hiŋəkə: lo:kət̪ā:t̪ɾikə v̪jəʊʂəʂt̪h̪a:kə m̪əɾd̪h̪jəme: m̪i:t̪h̪i:l̪a:kə
 bəd̪əla:vəkē: ko:ŋo: ɪt̪t̪h̪a: ŋəhi tʃh̪əŋi. hiŋəkə ud̪je:ʃjə
 m̪i:t̪h̪i:l̪a:-m̪əit̪h̪i:l̪i:kə ŋa:məpərə t̪j̪əd̪a: uga:h̪əbə, əpəŋə
 ŋa:mə t̪j̪əməka:e:bə bəʂə ət̪əbe: tʃh̪əŋi.

m̪i:t̪h̪i:l̪a:va:d̪i: pa:ɾt̪i:kə mu:lə tʃh̪a:t̪r̪ə s̪əgət̪h̪əŋə
 e:mə.ʂəju: ləgə i: t̪a:gəti tʃh̪əikə d̪z̪e: o: əpəŋa: s̪a:t̪h̪i:
 ka:ɾjəkərt̪a:kə d̪əməpərə h̪əre bu:t̪h̪əpərə ə_ɪʂə be:s̪i:
 s̪əʂk̪ja:me: ka:ɾjəkərt̪a: t̪h̪a:t̪h̪ə kəʂ/ s̪əkəit̪ə ət̪h̪i. tʃŋa:va:

dʒitʰaba: pəiʃa:kə kʰe:lə tʃʰəi tʰəba: ma:ĩdə ge:mə
 ʃe:ɦio:. ɦəmərə: ʃəgəthəŋkə itʃitʃa: rəɦəe: dʒe: pa:rʃi:
 bʰəŋe: dʒə dʒŋəkə pura:ŋə ɦio:, tʃiŋa:və tʃiɦŋə ŋəɦi
 bʰe:tʰələ ɦio: mudʒa: dʒi ɦərə bu:tʰəpərə ɦəmə ʃəbʰə
 po:ɦigə e:dʒi:tʰə dʒə ʃəkələɦi tʃi a:ŋə pa:rʃi: ʃəbʰəkē:
 məŋpə:bələpərə prəbʰa:və dʒi:ru:rə pətʰəi, a:gu: o:kərə
 ra:dʒiŋi:tʃi ʃe:ɦio: prəbʰa:vitʰə ɦe:tʰəi. mətʰələbə dʒi:ɦi
 məkʰitʰi:la:ʃi dʒitʰəla:kə ba:dpo: o:tʃukka: dʒiŋəprətʃiŋdʒi
 o:tʃukka: ʃupərə ʃtʰrəktʃərə va: ʃtʰrəktʃərəkə vika:ʃəpərə
 dʒe:a:ŋə ŋəɦi dʒitʰə tʃʰəla:ɦə ɦiŋəka: a:bə dʒe:a:ŋə
 dʒe:bə pətʰəŋi. a: ʃe: tʃiŋa:vəkə ba:dʒə ʃi:ke:tʃkə
 ru:pəʃi dʒe:kʰəba:me: ʃe:ɦio: a:e:lə. e:tʰe:kə ʃəkʰja:me:
 ə_ɪʃə pəɦiŋe: kəɦijə məitʰi:li:me: ʃəpətʰə ŋəɦi le:lə ge:lə
 rəɦəe:. bʰəŋe: ɦəmərə pʰe:ʃəbukija: mi:tʃə ʃəbʰə
 ke:kʰəŋpə: dʒi:tʃi:jə a:dʒa:rəpərə a: ke:kʰəŋpə: dʒəgətʰə
 a:dʒa:rəpərə ā:kəra: prəstʃutʰə kə/ o:kəra: kəmətʰərə
 kərəba:kə tʃe:ʃtʰa: kʰe:kə ŋe: ke:ŋe: ɦio:tʃi.

ɦəmə ʃəbʰə a:tʰo: vɪdʒa:ŋəʃəbʰa: kʃe:tʃəme: əpəŋə
 ʃi:gəthəŋkə tʃa:gətʰə dʒe:kʰe:ba:me: ʃəkʃəmə bʰe:ləɦi.
 bʰəŋe: bʰo:tʰəkē: əpəŋa: dʒi ʃəŋəba:me: bəɦitʰə ʃəpʰələ
 ŋəɦi rəɦələɦi mudʒa: ʃəbʰə bu:tʰəpərə ɦəmə ʃəbʰə
 ka:rjəkərtʃa: dʒe:ɦijə. ɦəmə, ɦəmərə ra:ʃtʃri:jə ədʒəkʃə
 ʃudʒitʰə ja:dʒə, rəŋe:ʃvərədʒi: a: pu:ra: tʃi:mə pətʃi:la:
 tʃiŋa:və ʃəbʰəɦəkə ā:kəra: lə/ kə/ bəiʃlə rəɦi:. ɦəmə
 ʃəbʰə ā:kəra: vɪfle:ʃəŋəkə a:dʒa:rəpərə ə_ɪ ŋiʃkəʃəpərə
 pəɦitʰələɦi dʒe: ləgəbʰəgə tʃi:ŋə ɦədʒi:rəʃi pā:tʃi
 ɦədʒi:rə bʰo:tʰə ʃupʃə əvəstʃa:me: mi:tʃi:la:-məitʃi:li:kə
 ŋa:məpərə ləgəbʰəgə ʃəbʰə vɪdʒa:ŋəʃəbʰa:me: tʃʰəi.
 itʃi:la:ʃəkə vɪfle:ʃəŋə bʰəvɪʃjəkə mə:rɡə ŋi:ma:ŋəme:

fiemæra: s̥abʰahækə s̥ama:dʒə dʒa:ɕi:jə a:dʰa:rəpərə
 b̃a:ɕələ ətʰi a: ɕi kəhi: ɕi bʰa:s̥a:i: a:dʰa:rəpərə s̥e:hi:.
 fiemæra: s̥abʰahækə dʒa:ɕi:jə viʃəmæṭa: prəṭjəkʃə ru:p̃e:
 bʰa:s̥a:i: viʃəmæṭa:kē: s̥e:hi: bəɕʰa:ba: ḍəɕṭə rəhiələ ətʰi.
 ɕi fiemæra: s̥abʰahækə s̥əgəṭhəŋə i: ma:ŋəṭə ətʰi dʒe:
 vibʰiŋŋə dʒa:ɕi:jə s̥vəru:pə bəla: miɕʰiɭa: s̥ama:dʒəkē:
 əpəŋə gəurəvəʃa:li: bʰa:s̥a:-s̥ā:s̥kriṭkə a:dʰa:rəpərə e:kə
 s̥u:ɕrəme: ba:ŋhiələ dʒe:ba:kə ɕi:hi:. fiemə s̥abʰə əpəŋa:
 s̥əgəṭhəŋəme: ə_1 viʃəmæṭa:kē: kʰəṭmə kərəba:kə dʒe:
 prəja:s̥ə ʃuru: kə:lə o:kərə s̥a:ka:ra:ɕmækə pəriŋa:mə
 s̥a:məŋe: a:bi rəhiələ ətʰi. fiemə s̥abʰə əpəŋa:
 s̥əgəṭhəŋəkə s̥a:ɕhi:kē: s̥əḍəvə ə_1 ba:ɕ le:lə pre:ɕṭə
 kərəɕṭə ɕiɕjəŋ dʒe: o: s̥a:rvədʒəŋkə ru:pəʃə va: əpəŋa:
 bi:ɕṭə s̥a:ma:ŋjə ɕiɕɕi:kə ḍəura:ŋə əpəŋə s̥ṭhə:ŋi:jə
 bo:ləpərə ka:jəmə rəhiəṭhi. ja:ŋi o: əpəŋa: gʰərame:
 dʒa:hi ɕo:ŋə a: ʃəli:me: gəppə kərəi ɕiɕṭhi s̥ə:hiə ɕo:ŋə
 a: ʃəli: s̥a:rvədʒəŋkə bʰa:s̥əŋə va: gəppə-s̥əppəme:
 s̥e:hi: dʒa:ri: ra:kʰəṭhi. ɕəkʰəŋe: fiemə s̥abʰə s̥a:ɕhi:
 dʒiŋəkərə dʒa:ɕi:jə a:dʰa:rə ələgə-ələgə ɕiɕəŋi o:hi ə_1
 pu:ra:ɕəŋəp̃ṭhi:-ḍəki:ja:ŋu:s̥j: bra:hieməŋəkə bʰa:s̥a:
 məɕṭhi:li: ma:ŋəʃkəṭa:s̥ə ḍu:rə hi:ɕa:hi a: s̥vi:ka:rə
 kərəɕa: hiədʒe: pa:s̥əva:ŋp:kə bʰa:s̥a:
 məɕṭhi:li:, s̥əhiərəʃo:kə bʰa:s̥a: məɕṭhi:li:, be:gu:s̥əra:jo:kə
 bʰa:s̥a: məɕṭhi:li: ɕiɕi. a: pʰe:rə s̥vəṭhə bʰa:s̥a:i:
 a:dʰa:pərə e:kəʃu:ɕrəme: ba:ŋhiələ ɕiɕi dʒe:ɕa:hi. əhiŋa:
 s̥ā:s̥kriṭkə ɕəurəpərə s̥e:hi: fiemə s̥abʰə ka:dʒə kəʃrəhiələ
 ɕiɕi:. kə:kə ɕa: kʃe:ɕi:jə ga:jəkə-ga:jika:kē: fiemə s̥abʰə
 o:kərə əpəŋə ga:jəŋə ʃəli: a: o: s̥abʰə s̥əpʰələ bʰəʃ rəhiələ
 ɕiɕṭhi. a: fiemə s̥abʰə e:kə bʰəʃ rəhiələ ɕiɕi:. bʰəŋe: ə_1

prəja:ʂəkē: vja:pəkə ru:pē: dɛ:kʰa:rə hie:ba:me: ʂəməjə
la:gətə pərət̪u h̄ae:t̪ə dʒ̄ərurə.

mɪt̪ʰɪla: bʰa:ʂa: a:ŋd̪o:ləŋə hio: va: ra:dʒ̄jə a:ŋd̪o:ləŋə
ko:ŋo: a:ŋd̪o:ləŋə t̪a:bət̪ə ʂəpʰələ ŋəhɪ bʰəʂ ʂəkət̪ə ət̪ʰɪ
dʒ̄a:bət̪ə e:kət̪a: ʂpəʂtə v̄əɪdʒ̄ɪna:ŋkə ʂo:t̪ʰəkə ʂ̄gə
mədʒ̄əgu:t̪ə ʂ̄gəʂ̄h̄əŋəkə ŋɪrma:ŋə ŋəhɪ hio:jət̪ə. ko:ŋo:
a:ŋd̪o:ləŋə əpəŋə ʂəma:dʒ̄ɪkə ma:ŋjət̪a: t̪əkʰəŋe:
pəbət̪ə ət̪ʰɪ dʒ̄əkʰəŋə o:kərə ko:ŋo: ka:ŋmu:ŋj: a:dʰa:rə
hio:, ka:ŋmu:ŋj: ru:pəʂ̄ dʒ̄e: ədʰɪka:rə ə_ɪ o:kərə
vja:v̄əh̄a:rɪkə ru:pē: ma:ŋjət̪a: ʂe:hio: bʰe:t̪əɪkə ie:h̄ə
ʂəɾəkə:rə d̪ɪʂ̄əʂ̄ ʂe:hio: əpe:kʂa: ət̪ʰɪ.

pəhɪŋe:ʂ̄ a: e:kʰəŋo: ʂɪkʂa: ŋj:t̪ t̪ɪbʰa:ʂa:
pʰa:r̄mu:la:pərə a:dʰa:rɪt̪ə ət̪ʰɪ. vja:v̄əh̄a:rɪkə t̪əurəpərə
h̄əmə ʂəbʰə əŋe:ka:ŋe:kə ru:pəme: ʂəɾəkə:rəʂ̄ m̄: gə
t̪əʂ kə_ɪe: rəh̄ələ t̪ʰi: dʒ̄e: mət̪ʰɪli: ma:dʰjəməʂ̄
pət̪ʰəŋj: ʂuru: hio: pərət̪u h̄əmə ʂəbʰə ʂ̄: gət̪ʰəŋkə
ru:pəʂ̄ i: ŋɪŋəjə kəe:lə dʒ̄e: ʂku:lə kʰudʒ̄əla:kə ba:d̪ə
ʂəbʰə pət̪ʰa:jət̪ə ju:ŋjət̪ə əpəŋa:-əpəŋa: pət̪ʰa:jət̪əkə
ā:gəŋəba:t̪i: a: pra:t̪ʰəmɪkə ʂəh̄ə ut̪krəmɪt̪ə vɪd̪ja:ləjəme:
ka: ʂɪkʂəkə ʂəbʰəkē: e:hɪ ba:t̪əpərə ʂəh̄əmət̪ə kəri: dʒ̄e:
o:

G=Guava- əməru:d̪ə-lət̪a:mə

R=Rat-t̪ʰu:h̄a:-mu:ʂə

D=Dog-kutt̪a:-kukkurə

pətʰəba:kə ə_ɪ pəddʰətʰkē: əpəŋa:bətʰɪ dʒa:ɦisʒ̃ ʃu:dʰhə
 ru:pē: tʰɪbʰa:ʒa: pʰa:ɾmu:la: vja:vəɦa:ɾikə ru:pē:
 tətʰkʂəŋə la:gu: bʰəʃ dʒa:e: bʰəŋe: bɪɦa:ɾə ʒəɾəkɑ:ɾə
 ma:ŋu:ŋi: ru:pē: e:kəɾa: e:kʰəŋə dʰəɾɪ ʃpi:ka:ɾə ŋəɦɪ
 ke:ŋe: ɦo: o:ŋa: e:ɦəŋə puʂtəkəkə kʰəgətʰa: ɦəməɾa:
 ʒəbʰəkē: əŋubʰəvə bʰəʃ ɾəɦələ ətʰɪ. lo:kəŋɾitʰjə bələ:
 pa:tʰəme: d̃ɑ:dʒja:-bʰã:gəɾa: bʰe:təɾe: dʒɦɪdʒɦɪja: ŋəɦɪ
 dʒe: dʰukʰədʒə ətʰɪ. ɦəmə ʒəbʰə ʒədʒəɾɪka:lə əpəŋa:
 kʰe:tʰɦəɾə ʒ̃s̃kɾitʰpərə gəɾvə kəɾətʰə ɾəɦələɦɪ ŋi ətʰɪ.
 ma:tʰə-məkʰa:ŋə ɦəməɾa: ʒəbʰəɦəkə ʒ̃s̃kɾitʰkə mukʰjə
 a:dʰa:ɾə ətʰɪ. kʰe:tʰj: a: o:ɦisʒ̃ dʒuɾələ pa:bəŋu-tʰɦa:ɾə
 ɦəməɾa: ʒəbʰəɦəkə ʒ̃s̃kɾitʰ ke:ɾə mu:lə a:dʰa:ɾə ɾəɦələ
 ətʰɪ. mudʒa: ɦəməɾa: ʒəbʰə e:kətʰa: a:dʰa:ɾə bəŋa: ŋe: tʰə/
 ʒ̃əpu:ŋə mɪtʰɦa:kē: e:kəʒu:tʰəme: ba:ŋɦɪ ʒəkələɦɪ a:
 ŋe: a:ɾtʰɦkə vɪka:ʒə kəʃ ʒəkələɦɪ. ma:tʰə-məkʰa:ŋəpərə
 tʰə/gəɾvə kəɾətʰə tʰɦi: mudʒa: pɔ:kʰəɾɪ bʰəɾɪ kəʃ məka:ŋə
 bəŋəbətʰə tʰɦi:, tʰa:umɪŋə kʰa: kəʃ dʒɦɪlli:-kətʰəɾi:-
 muɾəɦi:, k̃s̃ɑ:ɾəkē: tʰɦo:təŋe: dʒa: ɾəɦələ tʰɦi:. pətʰua:kə
 ɾəʒʒi: tʰɦo:tɪ plɑ:ʒtʰkə dʰe:ləɦɪ tʰə/dʒu:tə udjɔ:gəpərə
 pɾəbʰa:və pətʰələ, dʒəla:ŋəpərə ga:e:-məɦɪʒə tʰɦo:tələɦɪ
 tʰə/ʒudʰa: ke:ɾə dʒɦɪ: dʒəgəɦə le:ləkə. a:bə tʰə/ga:məkə
 bʰo:dʒəme: bəɦuɾə go:tə: ŋa:mo: le:ba: dʒo:gəɾə dʒɦɪ:
 pa:tʰəpərə ŋəɦɪ ləɾə tʰə/tʰɪ. dʒəkʰəŋə kɪ dʒɦɪ: ɦəməɾa:
 ʒəbʰəɦəkə ʒ̃s̃kɾitʰkə əbʰɪŋŋə ʒgə ɾəɦələ ətʰɪ. ɦəmə ʒəbʰə
 bʰã:gəɾa: a: d̃ɑ:dʒja: dʰe:ləɦɪ tʰə/dʒɦɪdʒɦɪja: bɪla: ge:lə.
 mətʰɦilə ʒəbʰə dʒɦɪdʒɦɪja:pərə ɾɪʒəɾtʰə kəɾəba: le:lə
 a:kʂəpʰo:ɾdʒə ju:ŋi:vəɾʒtʰi:kə ʒəɦa:ɾa: ləʃ ɾəɦələ tʰə/tʰɪ.
 ʒo:tʰu: ŋe: dʰəŋəkətʰəŋi:kə ba:dʒə gəɦɪ:mə, məʒuɾi:

ba:ugə kərəba: le:lə d̄z̄o:t̄lə kʰe:t̄me: bʰa:e:kē: bəd̄z̄a:
kəʔ s̄a:ma:-t̄ʃake:va: pa:bəŋɪ kʰe:ləbə s̄e:fiə: vɪlupt̄ə
bʰəʔ rəhələ ət̄ʃɪ.

həmə s̄əbʰə əpəŋa: pa:r̄t̄i:kə s̄̃vɪd̄ʰa:ŋəme: s̄pəst̄ə
ru:pəs̄̃ ə_I ba:t̄əkē: lɪkʰəlɪjəikə d̄z̄e: ko:ŋpə: ʃərt̄əpərə
həmə s̄əbʰə d̄ʰa:r̄mɪkə va: d̄z̄ət̄i:jə prəko:s̄t̄həkə ŋɪr̄ma:ŋə
d̄ləkē: a:d̄ʰa:rə bəŋe:ba: le:lə ŋəhɪ
kərəbə, umme:d̄əva:rəkə t̄ʃəjəŋəkə a:d̄ʰa:rə d̄z̄a:t̄i:jə
mət̄ə s̄̃kʰja:kə a:d̄ʰa:rəpərə ŋəhɪ fiə:jət̄ə. həməra: s̄əbʰə
mɪt̄ʰɪla: k̄s̄e:t̄me: a:r̄t̄ʰɪkə gəʔvɪd̄ʰɪkē: bəʔʰa:ba: d̄e:ba:
le:lə s̄ərvəprət̄ʰəmə həməra: s̄əbʰəkē: s̄əma:d̄z̄ɪkə a:
a:r̄t̄ʰɪkə mɪt̄ʰɪla:vəd̄əkə bʰa:vəŋa:kē: vɪka:s̄ə kərəʔ pəʔət̄ə
t̄əkʰəŋe: həməra: s̄əbʰə d̄z̄a:t̄i-bʰa:s̄a:-d̄ʰər̄məkē:
a:d̄ʰa:rəpərə b̄ət̄ələ mɪt̄ʰɪla:kē: e:kəʃu:t̄me: ba:ŋhɪ
s̄əkəbə a: d̄z̄̃ i: ka:d̄z̄ə bʰəʔ ge:lə t̄̃ s̄ərəkə:rə s̄̃gə
ra:d̄z̄jə: əpəŋe: h̄ə:t̄ə, əpəŋə mɪt̄ʰɪla: ra:d̄z̄jə.

a:ɪ s̄̃vɪd̄ʰa:ŋɪkə məɾja:d̄a:me: rəhəɪt̄ə s̄əbʰə prəde:ʃə
vɪka:s̄əkə ba:t̄əpərə a:gu: bəʔʰɪ rəhələ ət̄ʃɪ d̄z̄ət̄əʔbʰa:s̄a:i:
ra:s̄t̄ri:jət̄a:kə bʰa:vəŋa: t̄e:d̄z̄ə ət̄ʃɪ. əpəŋa: k̄s̄e:t̄əkə
s̄̃s̄k̄rɪt̄pərə gəʊrəvə kərəba:kə bʰa:vəŋa: bələvət̄i: ət̄ʃɪ a:
e:kərə rək̄s̄a: le:lə ləʔəba:kə-mərəba:kə ɪt̄ʃt̄ʰa: ət̄ʃɪ.
pəʔət̄i: pəʔələ upəd̄z̄a:u d̄z̄əmi:ŋə d̄e:kʰɪ kəʔ kəʔe:kə
d̄ukʰi: fiə:ɪ t̄ʃ̄əɪ kɪs̄a:ŋəkə mo:ŋə t̄əhɪŋa: həməra:-əh̄i:kə
fiə:lə ət̄ʃɪ. a:u vəɪd̄z̄ɪna:ŋɪkə kʰe:t̄i:kə ma:d̄ʰjəme: d̄z̄o:t̄ə-
ko:t̄ə kəʔ kʰe:t̄me: h̄əɾjəɾi: pəs̄a:ɾɪ d̄j:, kʰe:t̄ə ləhələhɪa:
d̄j:.

a:ʃa: d̄z̄əgəbət̄ə kula:ŋəʔd̄ə mɪfrəkə kɪt̄ʰu p̄a:t̄i-

ji:ta ta tñ'atəbe: kəratəi o:na:

kitñ'u dña:fiə ək'həŋə dʒəgəlaie:

kitñ'u dña:fiə ək'həŋə bā:ki: tñ'əi

bho:ra ta fie:be: kəratəi.....

əpəŋə

mā'təvjə editorial.staff.videheā@gmail.com **pəra**

pə'tha:u.

2.5.ədʒitə kuma:ra dʒ'ha:- g'həta:to:pə əŋ'hərija: me:
ummi:dəkə kirəŋə: mi'thila: s'tu:dē:tsə junjəŋə



ədʒitə kuma:ra dʒ'ha:- s'pərkə-9472834926

**g'həta:to:pə əŋ'hərija: me: ummi:dəkə kirəŋə: mi'thila:
s'tu:dē:tsə junjəŋə**

b^ha:rət̪əvərsə me: mɪt̪hɪlɑ: məɪt̪hɪlɪ:kə ɳɑ:mə pərə kət̪e:kə
 ʃ̌əst̪hɑ: ət̪hɪ t̪əkərə ʃ̌əti:kə d̪ʒɑ:ɳəkɑ:ri: t̪ə' ɳəɦɪ ət̪hɪ
 mudɑ: ʃɑ:jəde: e:ɦəɳə ko:ɳo: ʃəɦərə ət̪hɪ d̪ʒət̪əjə
 e:kkəɦuʈɑ: ʃ̌əst̪hɑ: ɳəɦɪ ɦio: . kət̪əɦu ba:ba: vɪd̪jɑ:pət̪ kē:
 ɳɑ:mə pərə t̪ə' kət̪əɦu m̄ɑ: d̪ʒɑ:ɳəki: kē: ɳɑ:mə pərə.
 kət̪əɦu mɪt̪hɪlɑ: məɪt̪hɪlɪ:kə ʃ̌əgə vɪkɑ:ʃə, t̪ə' kət̪əɦu
 ʃ̌əʃkɪt̪i ʃ̌ə d̪ʒo:ɾɪ kəjə. mɑ:t̪rə əpəɳə de:ʃe: me: ɳəɦɪ
 vɪde:ʃə me: ʃe:ɦio: məɪt̪hɪlə ʃəbə əpəɳə əs̪mɪʈɑ:kə
 gəurəvə bo:d̪hə kē: d̪ʒɑ:ɡɪt̪ə rɑ:k̪əjə le:lə ko:ɳo:-ɳə'-
 ko:ɳo: mət̪ʃə ke:rə gət̪həɳə ke:ɳe: t̪hət̪hɪ. vɪʃvə st̪ərə pərə
 e:ɦəɳə d̪ʒɑ:ɡərəkət̪ɑ: t̪ə' mɪt̪hɪlɑ: məɪt̪hɪlɪ: le:lə
 ɳ̄ʃ̌əde:ɦə ʃub^hə ʃ̌əke:t̪ə mɑ:ɳələ d̪ʒəjəba:kə t̪jɑ:ɦi: .
 ʃɑ:jəde: ko:ɳo: məɪt̪hɪlə ɦie:t̪ɑ:ɦə d̪ʒe: əɦɪ t̪ərəɦəkə ʃ̌əst̪hɑ:
 ʃ̌ə ko:ɳo:-ɳə'-ko:ɳo: rupe me: d̪ʒuɾələ ɳəɦɪ ɦie:t̪ɑ:ɦə.

ke:o: əd̪h̄jəkʃə ɦie:t̪ɑ:ɦə, t̪ə' ke:o: ʃət̪ɪvə ɦie:t̪ɑ:ɦə. ke:o:
 ʃ̌əgət̪həɳə mət̪ɾi: ɦie:t̪ɑ:ɦə, t̪ə' ke:o: ko:ʃɑ:d̪h̄jəkʃə
 ɦie:t̪ɑ:ɦə. ko:ɳo: ʃ̌əst̪hɑ:kə kɑ:r̄jəkɑ:rɳi: ʃəbəɦəkə d̪ələ
 ʃe:ɦio: d̪ʒəmət̪əgərə ɦio:ɪt̪ə t̪həɪkə. kɪt̪hɪ ʃ̌ək̪h̄jɑ: me:
 a:mə ʃəd̪əʃjə ɦie:t̪ɑ:ɦə t̪ə' kɪt̪hɪ ʃ̌ək̪h̄jɑ: mɑ:t̪rə
 kɑ:r̄jəkɾəme: d̪h̄əri s̪mɪt̪ə ɦie:t̪ɑ:ɦə əɾt̪hɑ:t̪ d̪əɾʃəkə vɪɳɳə.
 ko:ɳo: b̄hi: ʃ̌əst̪hɑ: le:lə a:mə ʃəd̪əʃjə a: d̪əɾʃəkə bəɦuʈə
 k̪hɑ:ʃə mɑ:ɳələ d̪ʒəjəba:kə t̪jɑ:ɦi: kɪe:kə t̪ə' pəd̪əd̪hɑ:ri:
 t̪ə' ʃəɦəd̪ʒe: b̄he:t̪ɪ d̪ʒe:t̪ɑ:ɦə mudɑ: s̪ut̪t̪jɑ: kɑ:r̄jəkəɾt̪ɑ:
 b̄he:t̪əbə bəddə kət̪hɪɳə ɦio:ɪt̪ə t̪həɪkə. o:ɳɑ: bəɦuʈə ʃ̌əst̪hɑ:
 mɑ:t̪rə kɑ:gəd̪ʒe: pərə ʃe:ɦio: t̪jələɪt̪ə ət̪hɪ. p̄həud̪ʒə me:
 ko:ɳo: t̪ərəɦəkə ʃ̌əst̪hɑ: ɳəɦɪ bəɳɑ: ʃ̌əkəɪt̪ə t̪hɪ: t̪ək̪həɳə
 əpəɳə əpəɳə ʃ̌əʃkɪt̪i o: b̄hɑ:ʃɑ:kə a:d̪hɑ:rə pərə ʃəmu:ɦə
 bəɳɑ: kə' kɪt̪hɪ kɑ:r̄jəkɾəmə d̪ʒe:ɳɑ: kɪ pɪkəɳkə
 kə' ʃ̌əkəɪt̪ə t̪hɪ: . b̄hɑ:rət̪i:jə vɑ:ju ʃe:ɳɑ: me: ɳəukəri:

kəɾəbɑ:kə kɑ:rəŋe: ləgəbʰəgə e:fiəŋə s̄əmu:fiə s̄ə ŋr̄iṭṭərə
 d̄ʒur̄ələ rəfiəbɑ:kə s̄əubʰɑ:gjə fiəmərə: bʰe:tələ ətʰi.

ko:ŋo: s̄əst̄hɑ: s̄ɑ:lə me: e:kətɑ: kɑ:rjəkɾəmə kəɾiṭṭə
 ətʰi, t̄ə' ko:ŋo: s̄əst̄hɑ: d̄u:tɑ:. əd̄hikā:fə s̄əst̄hɑ:
 vɪdjɑ:pəṭṭi pəɾvə s̄əmə:rɔ:fiəkə ə:jɔ:d̄ʒəŋə kəɾiṭṭə
 ətʰi, t̄ə' kɪtʰu d̄ʒɑ:ŋəki: ŋəvəmi: ke:rə ə:jɔ:d̄ʒəŋə
 kəɾiṭṭə ətʰi. kɪtʰu s̄əst̄hɑ: ŋɑ:təkəkə mət̄jəŋə kəɾiṭṭə
 ətʰi, t̄ə' kɪtʰu s̄ɑ:fiṭjɪkə go:st̄hi: d̄həri s̄umit̄ə rəfiəṭṭə ətʰi.
 kɪtʰu s̄əst̄hɑ: ət̄həvɑ: s̄əmu:fiə miṭhila: t̄jɪṭṭəkələ: kē:
 kʃe:t̄rə me: kɑ:rjə kə' rəfiələ ətʰi, t̄ə' kɪtʰu miṭhila:kʃərə
 ke:rə pɾət̄jɑ:rə pɾəs̄ɑ:rə le:lə. vɑ:st̄və me: d̄ʒəkʰəŋə
 e:fiəŋə ko:ŋo: kʰəbərə s̄uŋəṭṭə ət̄həvɑ: pəṭhəṭṭə t̄hi:
 t̄ə' gəɾvəkə əŋubʰu:t̄i fiɔ:ṭṭə ətʰi. əpəŋə bʰɑ:sɑ: ɔ:
 s̄əskɾit̄i ke:rə pɾəṭṭi mət̄hila s̄əbə d̄ʒɑ:grit̄ə t̄hət̄hi t̄ə' əhi
 bɑ:t̄ə pərə gəɾvə bʰe:ŋɑ:i s̄pɑ:bʰɑ:vɪkə ətʰi. ɔ:ŋɑ: i:
 s̄ɪkkɑ: ke:rə mɑ:t̄rə e:kə pəfiəlu: ətʰi a: fiəkɪ:kəṭə t̄ə' i:
 t̄həikə d̄ʒe: fiərə s̄ɪkkɑ: kē: d̄u:tɑ: pəfiəlu: fiɔ:ṭṭə t̄həikə.
 hi əpəvɑ:d̄ə me: hiŋd̄j: s̄upərə d̄upərə hiṭṭə
 pʰilmə 'jɔ:le:' ke:rə s̄ɪkkɑ: t̄hələ. fiəmərə əbʰi:st̄ə ɔ:
 s̄ɪkkɑ: ŋəhi mud̄ɑ: a:mə s̄ɪkkɑ: ətʰi. s̄ɪkkɑ: ke:rə d̄o:s̄ərə
 pəfiəlu: d̄e:kʰi d̄uhükʰə ke:rə s̄ɑ:t̄hə kəfiəjə pəṭi rəfiələ
 ətʰi d̄ʒe: əs̄j:mə pi:t̄ɑ: fiɔ:ṭṭə ətʰi.

fiere:kə s̄əst̄hɑ: ət̄həvɑ: s̄əmu:fiəkə st̄hɑ:pəŋɑ: vɪfudd̄hə
 ru:pə s̄ə əpəŋə s̄əbʰjəṭṭɑ: ɔ: s̄əskɾit̄i kē: d̄hja:ŋə me: rɑ:kʰi
 kə' kəilə d̄ʒɑ:ṭṭə ətʰi d̄ʒɑ:hi s̄ə e:kərə ut̄t̄hɑ:ŋə fiɔ:ikə
 mud̄ɑ: ŋəhi d̄ʒɑ:ŋi ko:ŋɑ: əhi me: rɑ:d̄ʒəŋj:t̄i ru:pi:
 vɑ:jərəs̄ə pɾəve:jə kə' ləṭṭə ətʰi. əhi s̄ə ki fiɔ:ṭṭə t̄həikə
 d̄ʒe: ɔ: s̄əst̄hɑ: əpəŋə ud̄d̄e:ʃjə s̄ə bʰəṭəkɪ d̄ʒɑ:ṭṭə ətʰi.

e:kə t̪ə rə h̃ē: kə h̃ə lə d̪ɪ: s̪əkə r̪t̪ə ə t̪ɪ d̪ɪ: o: s̪ō s̪t̪h̃a: k̪ɪ t̪ɪ u
 lo:gəkə h̃a:t̪h̃ə k̃ē: kə t̪h̃ə p̪u t̪ə r̪i: b̃ə n̪ kə' rə h̃i d̪ɪ: t̪ə
 ə t̪ɪ. b̃ə h̃u t̪ə b̃ə rək̪h̃ə s̪ō v̪ɪ d̪ɪ: p̪ə t̪ɪ p̃ə r̪və s̪ə m̃a: r̪o: h̃ə
 m̃ə n̪: o:lə d̪ɪ: t̪ə ə t̪ɪ. p̃ə r̪ə m̃ə a: d̪ə r̪ə n̪i: jə h̃ə r̪i m̃o: h̃ə n̪ə
 d̪ɪ: a: d̪ɪ: k̃e: r̪ə u t̪k̪ r̪i s̪t̪ə k̃ə v̪i t̪a: ' v̪ɪ d̪ɪ: p̪ə t̪ɪ p̃ə r̪və
 m̃ə h̃a: n̪ə h̃ə m̃ə r̪ə ' ə v̪ə j̪ə p̃ə r̪h̃ə n̪ə: h̃i: j̪ə b̃ə. n̪ə h̃i d̪ɪ: n̪
 k̃ə t̪e: k̃ə s̪a: lə p̃ə h̃i n̪ə: i: p̃ə r̪ə m̃ p̃ə r̪a: j̪u r̪u b̃h̃e: lə t̪h̃ə lə a:
 s̪n̪ə h̃i s̪n̪ə h̃i m̃i t̪h̃i l̃a: k̃ə e: k̃ə t̪a: ə t̪ɪ v̪i s̪i s̪t̪ə p̃a: v̪ə n̪ b̃ə n̪
 g̃e: lə. n̪ə b̃ə k̃a: b̃ə s̪a: t̪ə k̪ɪ b̃ə h̃ə l̃ə i bud̪ɪ u: d̪ɪ: i:
 v̪i s̪u d̪d̪h̃ə r̪u: p̃ə s̪ō e: k̃ə t̪a: v̪j̪a: v̪ə s̪a: j̪i k̃ə a: j̪o: d̪ɪ n̪ə b̃ə n̪
 g̃e: lə. a: i p̪i: e: lə d̪ɪ k̃a: e: m̃ə p̪i: e: lə ə r̪t̪h̃a: t̪ m̃i t̪h̃i l̃a:
 p̪r̪i: m̃i j̪ə r̪ə l̃i: g̃ə a: d̪h̃ u n̪ k̃ə t̪a: k̃ə t̪h̃ə k̃a: t̪h̃ə ũ d̪h̃ə m̃e:
 b̃o: h̃i j̪a: j̪ə l̃a: g̃ə l̃ə. p̃ə r̪i v̪ə r̪t̪ə n̪ə p̃ə r̪ə k̪ r̪i t̪ k̃e: r̪ə n̪ j̪ə m̃ə
 t̪h̃ə i k̃ə m̃u d̪a: u m̃m̃i: d̪ə s̪ō b̃e: s̪j̪i: p̃ə r̪i v̪ə r̪t̪ə n̪ə e: k̃ə r̪ə
 m̃u: lə s̪v̪ə r̪u p̃ə k̃ē: n̪ə s̪t̪ə k̃ə' d̪e: l̃ə k̃ə i. a: j̪o: d̪ɪ n̪ə k̃o: n̪a:
 k̃ə r̪ə t̪a: h̃ə s̪e: t̪ə' a: j̪o: d̪ɪ k̃ə s̪ə b̃ə h̃ə k̃ə s̪o: t̪h̃ə p̃ə r̪ə n̪ r̪ b̃h̃ə r̪ə
 k̃ə r̪ə t̪ə t̪h̃ə i k̃ə m̃u d̪a: v̪ə r̪t̪ə m̃a: n̪ə m̃e: d̪ɪ: h̃i r̪u p̃ə m̃e:
 ə h̃i k̃a: r̪j̪ə k̃ə r̪ə m̃ə k̃ə a: j̪o: d̪ɪ n̪ə h̃i: o: t̪ə ə t̪ɪ t̪a: h̃i m̃e: s̪ō
 b̃a: b̃a: v̪ɪ d̪ɪ: p̪ə t̪ɪ k̃ə n̪a: m̃ə h̃ə t̪a: l̃e: b̃a: k̃ə t̪h̃a: h̃i: . h̃i n̪ə k̃ə r̪ə
 b̃r̃ā: d̪ə k̃ē: n̪a: m̃ə p̃ə r̪ə d̪ɪ: h̃ə n̪ə e: k̃h̃ u n̪ə k̃a:
 k̃a: r̪j̪ə k̃ə r̪ə m̃ə k̃ə p̃h̃ l̃e: v̪ə r̪ə r̪ə h̃ə i t̪ə ə t̪ɪ s̪e: h̃ə m̃ə r̪a: i:
 s̪o: t̪h̃ə j̪ə p̃ə r̪ə m̃ə d̪ɪ b̪u: r̪ə k̃ə' d̪ə i t̪ə ə t̪ɪ d̪ɪ: b̃a: b̃a:
 v̪ɪ d̪ɪ: p̪ə t̪ɪ m̃ə t̪h̃ə k̃ə e: k̃ə k̃o: n̪ə m̃e: t̪h̃a: t̪h̃ə b̃h̃ə' s̪i s̪ə k̪ɪ
 r̪ə h̃ə l̃ə t̪h̃ə t̪h̃i. i: h̃ə m̃ə r̪ə v̪j̪ə k̪ t̪ g̃ə t̪ə s̪o: t̪h̃ə ə t̪ɪ a: d̪ɪ r̪u r̪i:
 n̪ə h̃i d̪ɪ: h̃ə m̃ə r̪ə b̃a: t̪ə s̪ō s̪ə b̃ə g̃o: t̪e: s̪ə h̃ə m̃ə t̪ə h̃i: t̪h̃i.

s̪ō s̪t̪h̃a: g̃ə t̪ə i: r̪s̪j̪a: d̪a: h̃ə t̪ə' a: m̃ə b̃a: t̪ə ə t̪ɪ. ə p̃ə n̪ə
 s̪ō s̪t̪h̃a: k̃ə k̃a: r̪j̪ə k̃ə r̪ə m̃ə m̃e: b̃h̃i: t̪ə k̃o: n̪a: d̪ɪ u t̪i s̪ə k̃ə r̪t̪ə
 ə t̪ɪ a: d̪o: s̪ə r̪ə s̪ō s̪t̪h̃a: k̃ə k̃a: r̪j̪ə k̃ə r̪ə m̃ə k̃ē: k̃o: n̪a: b̃h̃ā: t̪ə l̃ə
 d̪ɪ: s̪ə k̃ə r̪t̪ə ə t̪ɪ v̪ə i h̃ə d̪a: v̪ə - p̃ē: t̪h̃ə t̪h̃ā: b̃ə j̪ə m̃e: s̪ə b̃ə

əpəsjā:tə rəhəitə tʃhətʃi. rətələ rətɑ:jələ vəihə purəŋə:
 bhɑ:səŋə, kɪtʃu po:tʃi:kə vɪmo:tʃiŋə a: dʒhəməkəuɑ:
 gi:tə ŋɑ:də s̄ə məitʃilə dʒɑ:gritə bhə' dʒe:tɑ:hə ki? əhi s̄ə
 mitʃilɑ: me: vɪkɑ:sə bhə' dʒe:təikə ki? pu:rɑ:
 bhɑ:rətəvərsə me: mitʃilɑ: məitʃili:kə dʒətə:kə bhɪ:
 s̄əstʃhɑ: ətʃi kəmo:be:jə s̄əbəhəkə s̄vɑ:də e:kkəhi
 bhɛ:tətə. ko:ŋo: ŋəvi:ŋətɑ: ŋəhi bhɛ:tətə s̄vɑ:jə
 pʰu:hətətɑ: kē:. mitʃilɑ: me: ko:ŋə e:həŋə s̄əstʃhɑ: ətʃi
 dʒe: jɪksɑ:, s̄vɑ:stʃjə a: pəjɑ:vəŋə le:lə dʒɑ:ɡərəkətɑ:
 əbhɪjɑ:ŋə tʃilɑ: rəhələ ətʃi? ətʃhəvɪvɑ:sə e:v̄ə kuri:tʃ s̄ə
 lətəbɑ:kə le:lə ŋəs̄əbhɛ:rə s̄u:tələ lo:gə kē: dʒəgɑ: rəhələ
 ətʃi? gɑ:mə-gɑ:mə gʰu:mɪ ŋukkətə s̄əbhɑ: o: ŋɑ:təkə
 kē: mɑ:dʃjəmə s̄ə dʃhərə:tələ pərə kɑ:dʒə kə' rəhələ
 ətʃi? jɑ:jədə: ko:ŋo: e:həŋə s̄əstʃhɑ: bhɛ:tətə? bəs̄ə
 vɪdʒɑ:pətʃi pərvə s̄əmɑ:ro:hə kē: s̄ɑ:lə bhəri məŋɑ:o:lə
 dʒɑ: rəhələ ətʃi a: dʃŋɑ:ŋudʃŋə e:kərə brɑ:də vəilju:
 s̄e:ho: bətʃələ dʒɑ: rəhələ ətʃi.

kəh̄i: ko:ŋo: s̄əstʃhɑ: kē: dɛ:kʰəitə tʃhɪjəikə dʒe: əpəŋə
 s̄əmɑ:ro:hə me: rəktədɑ:ŋə ke:rə a:jo:dʒiŋə kərəitə
 ho:? ŋəfɑ: muktʃi hɛ:tʃu s̄əmɑ:dʒə le:lə kɪtʃu kɑ:dʒə
 kərəitə ho:? bh̄rəstə a:tʃərəŋə vɑ:lɑ: kē: bəhɪskritə kərəitə
 ho:? gɑ:me: gɑ:mə gʰu:mɪ kəjə jɪksɑ:kə ələkʰə
 dʒəgɑ:bəitə ho:? əpəŋə s̄əbəhəkə s̄əmɑ:dʒə me:
 dʒe:həŋə dʒɑ:ɡərəkətɑ: ke:rə pəjɑ:dʒiŋə ətʃi tɑ:hi
 dʃjɑ: me: kərtəvjə kərəitə kəh̄i: ko:ŋo: s̄əstʃhɑ: ŋədʒərə
 a:bi rəhələ ətʃi?

ədʃikɑ:rə e:v̄ə kərtəvjə me: tɑ:ləme:lə dʒərəri: ho:tə
 tʃhəikə a: təkərə əbhɑ:və ətʃi. əpəŋə ədʃikɑ:rəkə prɑ:ptʃi

hie:tu kərtəvjə kərahie: pərtəṭə. əbhıma:nə e:və
 sva:bhıma:nə me: ki əntərə tʃhəikə sʃe: bu:dʒhəjə pərtəṭə.
 ru:rhıva:dji: vitʃa:rə dʒa:ra:kə məkərdʒa:lə sʃə ba:hiərə
 nıkaləjə pərtəṭə. mi:thıla:kə bəhumukhi: vıka:sə le:lə
 ma:ti-pa:nı tərja:rə kərəjə pərtəṭə. tı:nə tı:rhıtu:ja:, tı:rahə
 pa:kə sʃə ka:dʒə nəhı tʃələtə. mūdē: mūdē:
 mətırbhınnı:kə sra:pə sʃə muktə hı:bəjə pərtəṭə a:
 nıssəde:hi e:kədzıtə hı:bəjə pərtəṭə. ko:nə: bhi: sʃəstʃa:
 əgərə dʒınnı: ətʃı tʃ' kırıja:ji:lə rəhəjə pərtəṭə. sʃəbə sʃə
 dʒıru:ri: ba:tə i: ətʃı dʒe: ʃo: pi:sə va:la: sʃəstʃa: sʃəbə sʃə
 i: ummi:də ra:kəbə dıva: sʃəpənə tʃhıka. sıkkə: ke:rə
 dı:sə pəhılu: ie:hi ətʃı dʒe: nıtʃı tı: ru:pə sʃə nıra:ʃə
 kərətə ətʃı. mudı: nıra:ʃə bhe:la: sʃə ki sʃəpəhəla: bhe:ti
 sʃəkəitə ətʃı? ja:tı: dʒı: ke:rə o: uktı mo:nə pərtəṭə
 ətʃı- ' nəbətırie: a:bə a:gu: a:bəo: . '

e:hi nıra:ʃa: me: ummi:də kə e:kkəhıta: kırı nı
 nədʒərə a:bi rəhələ ətʃı hi nəbətırija: sʃəbəhıka dəl-
 mi:thıla: sʃıu:dē:tʃə ju:njə . əlpə ka:lə me: hi: e:mə e:sə
 ju ke:rə pəja:sə e:və upələbdı mo:nə kə ko:nə: ko:nə
 me: e:kəta: ummi:də dʒəga:bəitə ətʃı. sʃə 2015 me:
 əstı tı: me: a:jələ əhı tʃhı:tı sʃəgəthə nı ke:rə
 nıra:- ' e:kə de:gə vıka:sə le:lə' sʃəməjə ke:rə sʃa:tʃə
 sʃəti hı:itə pətı:tə hı:itə ətʃı. dərəbhəga: me:
 e:jərəpo:rtə mi:thıla: kē: le:lə ko:nə: vərədı:nə sʃə kəmə
 nəhı ətʃı. e:mşə ke:rə a:nıdı:lə dʒa:ri: ətʃı. bıha:rə
 sʃəra:ra dʒəgəhı kē: lə' kə' e:kəhı nı bırahı me: ətʃı.
 a:nıdı:lə ke:rə dʒa:rə tı:dʒə kərəjə pərtəṭıka.

स॒ण्ण॒ २०१७ मे: बा:त्^hिका॑ वि^hि:सु॒िका: दृ॒त्रे:लि॑ र॒हि॒ल॑ मि॒त्^hिला:॑
 मे: तृ॒ा:त्तु:॑ ब^h॒रि॑ पा:॒ण्ण॒ हie:॑ लि॒ क॑' दृ॒त्रा:॑ हि॒ तृ॒र॒हि॒ः ग॒ा:म॑-
 ग॒ा:म॑ मे: ब^h॒ो:दृ॒त्रेण॑ ए:॒व॒ँ अ॒ण्ण॑ दृ॒त्रे॒रु॒रि:॑ स॒ा:म॑ग॒रि:॑ स॒ब॑
 ल॑' क॑' अ॒प॑ण॒ दृ॒त्रा:॑ न॒क॑ प॒र॑व॒ा:हि॑ तृ॒ो:॒त्ति॑ प॒हि॒त्तु॑ल॑ र॒हि॑त्^hि
 ए:॒म॑ ए:॒स॑ जु॒ के:॑र॒ न॒ब॑त्तु॒रि॒जा:॑ स॒:॒ण्ण॑:॒ण्णु:॑ स॒ब॑ स॒:॒ को:॑ण्ण॒:
 बि॒स॑रि॒ स॒क॑रि॒त्त॑ तृ॒ि:॒. बा:॑त्^hि॒ के:॑ बा:॒द॑ क॒प॑र॒ा: ल॑त्त॒ा:॒ ०:॑ अ॒ण्ण॑
 स॒ा:म॑ग॒रि:॑ प॒त्^hे:॒ण्ण॑:॒ि:॒ ए:॒व॒ँ बा:॑त्^hि॒ पा:॑ण्ण॒ मे:॑ हie:॑ लि॒
 क॑' ब^h॒ो:दृ॒त्रेण॑ स॒ा:म॑ग॒रि:॑ प॒हि॒त्तु॑त्ते:॒ण्ण॑:॒ि:॒ मे:॑ दृ॒त्रे॒मि:॑ न॒
 अ:॒स॑मा:॒ न॒ के:॑र॒ अ॒ण्ण॑र॒ तृ॒ि॒क॑. मि॒त्^hिला:॑ के:॑र॒ उ॒पे:॑ क॒सि॒त्त॑
 ग॒ा:मि:॑ न॒ क॒से:॑त्त॒ मे:॑ बि॒दृ॒त्रे॒लि:॑ क॒:॒ ले:॑ल॒ स॒प॑ह॒ल॑
 अ:॒ण्ण॑:॒ल॒ण॑ तृ॒ले:॑ण्ण॒:॒ि:॒ को:॑ण्ण॒:॒ तृ॒ो:॒त्त॑ उ॒प॑ल॒ब्द॒ि॒ न॒हि॑
 क॒हि॑ल॒ दृ॒त्रा:॑ स॒क॑रि॒त्त॑ अ॒त्तृ॒ि. द॒र॑ब^h॒'॒गा:॑ मे:॒दृ॒क॑ल॒ क॒ले:॑ दृ॒त्रे
 मे:॒ व्जा:॑ प॒त्त॑ अ॒ण्ण॑व॒स॒त्तृ॒ा:॒ ले:॑ल॒ अ:॒ण्ण॑:॒ल॒ण॑, मि॒त्^hिला:॑
 वि॒व॒व॒दि॒जा:॑ ल॒ण॑ मे:॒ प॒त्^hे:॒ा:॒ि:॒ व्जा:॑व॒स॒त्तृ॒ा:॒ ०:॑ प॒रि:॑ क॒सा:॑ स॒त्त॑
 न्ण॒मि॒त्त॑ क॒र॑बा:॒ क॑ हie:॒त्तु॑ अ:॒ण्ण॑:॒ल॒ण॑, मि॒त्^hिला:॑ क॑ अ॒ण्ण॑:॒ क॑
 ज॒हि॑र॒ मे:॑ दृ॒त्रा:॑ म॒क॑ स॒त्तृ॒ि॒त्तु॑ स॒ँ न्ण॑दृ॒त्रा:॑त्त॑ पा:॒ब॑ज॒
 हie:॒त्तु॑ ०:॒व॑र॒ ब॒रि॒दृ॒त्रे॒ हie:॒त्तु॑ अ:॒ण्ण॑:॒ल॒ण॑, ब॒ँद॑ प॒र॑ल॒ तृ॒ि:॑ न्णु॒
 मि॒ल॑ मे:॒ इ॒त्^hे:॒ण्ण॑ ल॒ प॒ल॒:॒त्त॑ ब॒रि॒स॒ा:॒ब॑ज॒ ए:॒व॒ँ र॒ो:॒दृ॒त्रे॒गा:॑ र॒
 हie:॒त्तु॑ अ:॒ण्ण॑:॒ल॒ण॑, म॒द॒ह॒ु॒ब॑ण्णु:॒ मे:॑ के:॒ण्ण॑:॒रि॒जा॑ वि॒दि॒जा:॑ ल॒ण॑
 हie:॒त्तु॑ दृ॒त्रे॒मि:॑ न॒ ले:॑ल॒ अ:॒ण्ण॑:॒ल॒ण॑, मि॒त्^hिला:॑ र॒ा:॒दृ॒त्रे॒ ले:॑ल॒
 दृ॒लि:॑ मे:॒ अ:॒ण्ण॑:॒ल॒ण॑, पु:॒रि॒जा:॑ मे:॒ ह॒व॒ा:॒ि:॒ अ॒द॒ा:॒ ले:॑ल॒
 अ:॒ण्ण॑:॒ल॒ण॑ क॑ स॒म॑र॒ स॒ा:॒र॑ ए:॒व॒ँ अ॒प॑ण॒ मि॒त्^hिला:॑ क॑ स॒र॒व॒:॒ गि:॑ न॒
 वि॒का:॑ स॒ हie:॒त्तु॑ न्ण॒र॒ण्ण॑र॒ दृ॒त्रेण॑ अ:॒ण्ण॑:॒ल॒ण॑ तृ॒ा:॒त्त॑
 क॒र॑बा:॒ क॑ स॒ा:॒हि॑स॒ द॑े:॒ क॒हि॑ न॒ब॑त्तु॒रि॒जा:॑ स॒ब॑ह॒क॑ प॒र॑त्तु॒
 म॒ो:॑ न॒ मे:॑ उ॒म॒मि:॑ द॒ दृ॒त्रा:॑ ग॒ब॑ स॒प॒ा:॒ब॒ा:॒वि॒क॑ अ॒त्तृ॒ि. हि॒ल॒:॒ क॒ि
 ए:॒ क॒'ण॑ अ:॒र॑म्ब^h॒े:॒ तृ॒ि॒क॑ अ:॒ ए:॒ क॒'ण॑ ब॒हि॑त्त॑:॒ मि:॑ ल॒क॑
 पा:॒त्त॑र॒ पा:॒र॑ क॒र॑ब॒ जे:॑ स॒ तृ॒ि॒क॑. ए:॒म॑ ए:॒स॑ जु॒ के:॑र॒
 न॒ब॑त्तु॒रि॒जा:॑ दृ॒त्रे॒ण्णु॑ स॒ा:॒र॒त्त॑ क॑ प॒र॑जा:॒ स॒ दृ॒त्रा:॑ रि:॒
 र॒ा:॒ क॒'त्तृ॑, अ॒ब॒हि॑मा:॒ण्णु:॑ न॒हि॑ स॒प॒ा:॒ब॒हि॑मा:॒ण्णु:॑ ब॒ण॑ल॒
 र॒हि॑त्तृ॒, अ॒द॒हि॑का:॒र॑ क॑ प॒र॒ा:॒ प॒त्तु॑ हie:॒त्तु॑:॒ हि॒ क॒:॒ अ॒ण्ण॑रु॒प॑

kərtəʋjə pətʰə pərə dətələ rəhətʰə tʰə'ənjə sʌməstə
mɪtʰɪlɑ: mətʰɪlɪ: vɑ:lɑ: ʃəʃtʰɑ: ʃə itərə əpəŋə ələgə
pəhətʰjɑ:nə bəŋɑ:bəjə me: ʃəpʰələ hie:tɑ:hə a: mɪtʰɪlɑ:kə
vɪkɑ:ʃə hie:tʰu uʰɑ:o:lə hɪŋəkərə dɛ:gə e:kə dʌŋə mǎdʒɪlə
pərə əvəʃjə pəhɪtʰjətʰə mudɑ: jɑ:tʰɪ: dʒɪ: ke:rə o: pǎktʰ
mo:nə rɑ:kʰəjə pətʰətʰə -

ŋəbətʰurɛ: a:bəo: a:gã:!!

ue:hə kərətʰə ruʰɪbʰəʃdʒəŋə, a:gu: mɪ:hě: bətʰətʰə ue:hə...

həmərə: lo:kəŋɪ dʌə_I a:jɪ:rʌ:də ŋɪtʰŋələ mo:nɛ:;

gʰɪtʰjə_I ŋəhɪ tɑ:nə pɑ:tʰã:....

dʰe:ki: ŋəhɪ ku:tɪ: əpəŋəhɪ əmərətʰətʰɑ:'kə

əpəŋə

mǎtʰəʋjə editorial.staff.videhə@gmail.com **pərə**

pətʰɑ:u.

2.6.ʃətʰjɪdɑ:nəʃdə ʃətʰjɪv:- mətʰɪlə ʃəgətʰəŋə a: o:kərə
ʃɑ:mɑ:dʒɪkə ʃəro:kɑ:rə



ʃətʰjɪdɑ:nəʃdə ʃətʰjɪv:

məɪtʰɪlə ʃɔ̃gəɫʰəŋə a: o:kəɾə ʃa:ma:dʒɪkə ʃəro:ka:rə

həməɾa: ʃəbʰə kē: ʃpətʰɔ̃tʰɔ̃tʰɔ̃tʰa: ʃɔ̃gra:mə ma:dɛ: budʒʰələ
ətʰɪ. həməɾa: ʃəbʰə kē: budʒʰələ ətʰɪ dʒe: ʃpətʰɔ̃tʰɔ̃tʰɔ̃tʰa:
ʃe:ŋa:ŋi: lo:kəŋkə udde:ʃʒə ŋe: ma:tʰɪ əgre:dʒə kē:
de:ʃə ʃɔ̃ bʰəga:e:bə tʰələnɪ, əpɪtʰu hɪŋəka: lo:kəŋkə
udde:ʃʒə bʰa:rətʰi:ʒə ʃəma:dʒə me: vja:ptə əŋe:kə
tʰərəhəkə kuri:tʰ kē: dmu:rə kəɾəba:kə ʃe:ɦo: rəhənɪ.
ʃa:ma:dʒɪkə kuri:tʰ pəɪrəkə ʃəbʰə ʃɔ̃ pəɪgʰə be:tʰi: ətʰɪ a:
a:mə dʒəŋəma:ʃə kē: gula:mi:kə əŋɦa:rə me:
dʰəke:ləɪtə ətʰɪ. e:ɦɪ kuri:tʰ kē: dmu:rə kəjəŋe: bɪŋa:
ʃpətʰɔ̃tʰɔ̃tʰɔ̃tʰa:kə le:lə a:vəʃʒəkə tʰe:tʰəŋa:kə ŋɪrma:ŋə ŋəɦɪ
bʰə' ʃəkəɪtə ətʰɪ. məɦa:tʰma: gā:dʰi: ʃɔ̃ lə' kə' kəte:ko:
tʰo:tʰə-pəɪgʰə ŋe:tʰa: kuri:tʰ kē: dmu:rə kəɾəba: me: dmu:ŋə-
ra:tʰi la:gələ rəhəla:ɦə. pʰələʃpəru:pə a:ɪ həmə ʃəbʰə
e:kəɪa: ʃpətʰɔ̃tʰɔ̃tʰɔ̃tʰə de:ʃəkə ʃpətʰɔ̃tʰɔ̃tʰə ŋa:gəɪkə tʰɪ:.

dʒə e:kəɾə tʰəɪtʰa: əɦā: mɪtʰɪla: a: məɪtʰɪli:kə ʃəbʰə dʰə me:
kəɾəɪtə tʰɪ: tʰə' pəbəɪtə tʰɪ: dʒe: mɪtʰɪla: ʃəma:dʒə a:ɪjo:
kəte:ko: rəgəkə kuri:tʰ ʃɔ̃ gʰe:ra:e:lə ətʰɪ. vjəktʰ ʃɔ̃
lə' kə' ʃəstʰa: dʰəɪ ətʰi:tʰə dʒi:vi: ətʰɪ. ətʰi:tʰəkə
gəurəvəga:ŋə me: e:tʰe:kə ŋe: həmə ʃəbʰə məgəŋə
bʰə' dʒa:ɪtə tʰɪ: vətʰəma:ŋəkə dʒe: ʃəməsʒa:
tʰəɪ, vətʰəma:ŋəkə dʒe: a:vəʃʒəkə tʰa: tʰəɪ, e:kəɾə dʒe:
tʰɪŋəutʰi: tʰəɪ, o:kəro: bɪʃəɪ dʒa:ɪtə tʰɪəɪkə. əpəŋə
pəəpəra:kə gəurəvə bo:dʰə həɪbə ŋi:kə ba:tə ətʰɪ.
mudə: gəurəve: a:ŋɦəɾə bʰə' dʒa:e:bə e:kə tʰərəhəkə
kuri:tʰ ətʰɪ dʒe: bʰəvəʃʒəkə pɾətʰi a:ʃəka: utpəŋŋə kəɾəɪtə
ətʰɪ tʰē: e:ɦɪ kuri:tʰ kē: dmu:rə kəɾəbə ʃe:ɦo: bəɦutə be:ʃi:
a:vəʃʒəkə ətʰɪ. a:ɪ mɪtʰɪla: a: məɪtʰɪli:kə ŋa:mə pəɾə

ka:dʒə kəjəŋɦa:ra ədɦɪkã:jə s̥s̥st̥ɦa: a: s̥s̥gəthəŋə gəurəve:
a:ŋɦərə bʰə' ge:lə ət̥ɦɪ a: ie:ɦə ka:rəŋə t̥ɦəɪ dʒe: e:kərə
s̥əbəɦəkə ko:ŋpə: s̥a:ma:dʒɪkə s̥əro:ka:ra ŋəɦɪ rəɦɪ ge:lə
t̥ɦəɪkə.

a:ɪ ga:mə s̥s̥ lə' kə' jəɦərə a: jəɦərə s̥s̥
lə' kə' məɦa:ŋəgərə d̥ɦəɪ mɪt̥ɦɪla: mət̥ɦɪli: s̥s̥ dʒurələ
kəte:ko: s̥s̥st̥ɦa: s̥əbə s̥əkɪjə ət̥ɦɪ. s̥a:lə bʰəɪ me:
kəte:ko: ka:rjəkɪrəməkə a:jo:dʒəŋə s̥e:ɦo: ɦo:ɪt̥ə t̥ɦəɪkə.
mud̥a: e:ɦɪ a:jo:dʒəŋə s̥əbəɦəkə pʰəla:pʰələ ki: ŋkələɪt̥ə
ət̥ɦɪ, e:ɦɪ pərə vɪt̥ɦa:ra ɦo:məkə t̥ɦa:ɦɪ. dʒəɦɪja: vɪdja:pət̥ɪ
pərəvə s̥əma:ro:ɦəkə pəɪpa:ti: s̥uru: bʰe:lə rəɦəɪ, t̥ɦɪja:
bʰə' s̥əkəɪt̥ə ət̥ɦɪ dʒe: e:kərə a:vəjəkəta: ɦo:ɪkə. jəɦərə a:
məɦa:ŋəgərə me: bʰe:lə e:ɦəŋə a:jo:dʒəŋə s̥əbʰə s̥s̥
e:te:kə dʒəru:ra bʰe:ləɪkə dʒe: de:jəkə vɪbʰɪŋŋə bʰa:gəkə
lo:kə s̥əbə mɪt̥ɦɪla:kə s̥s̥skɪɪt̥ɪ s̥s̥ pəɪt̥ɦɪt̥ə bʰe:la:ɦə mud̥a:
e:ɦɪ a:jo:dʒəŋə s̥əbəɦəkə pɪrəbʰa:və mət̥ɦɪlə s̥əma:dʒə
pərə kəte:kə pət̥ələɪkə, əɦɪ: ba:t̥ə pərə vɪt̥ɦa:ra ɦo:məkə
t̥ɦa:ɦɪ. a:ɪ e:ɦɪ vɪdja:pət̥ɪ pərəvə s̥əma:ro:ɦə s̥əbəɦəkə ki:
s̥pəru:pə rəɦɪ ge:lə t̥ɦəɪkə? ŋa:t̥ɦə-t̥ɦəma:jə: a: bʰo:dʒə-
bʰa:t̥ə s̥s̥ be:s̥j: e:kərə ko:ŋpə: upəjo:ɡɪta: t̥ə' ɦəmərə:
de:kʰəba: me: ŋəɦɪ əbət̥ə ət̥ɦɪ.de:jə-d̥ɪŋɦjã: me: e:ɦəŋə
a:jo:dʒəŋəkə le:lə mət̥ɦɪlə lo:kəŋɪ la:kʰo:-kəro:ɾo: pɪrət̥ɪ
s̥a:lə kʰəɪt̥ə kəɪt̥ə t̥ɦəɪt̥ɦɪ mud̥a: e:kərə ba:d̥o: i: s̥s̥st̥ɦa:
s̥əbə əpəŋə s̥əma:dʒə me: t̥ɦe:t̥əŋa:kə ŋɪrma:ŋə kəɪba:
me: s̥ərvət̥ɦa: vɪpʰələ rəɦələ ət̥ɦɪ. a: e:kərə ka:rəŋə
ɦəmərə: ie:ɦə budʒɪɪ pət̥əɪt̥ə ət̥ɦɪ dʒe: i: s̥əbə s̥s̥st̥ɦa:
s̥əma:dʒɪkə s̥əro:ka:ra s̥s̥ s̥ərvət̥ɦa: kət̥ələ ət̥ɦɪ. gəurəvə
ga:ŋə kəɪt̥ə-kəɪt̥ə s̥əbə gəurəve: a:ŋɦərə bʰə' ge:lə
ət̥ɦɪ. t̥ɦe:t̥əŋa: s̥əmɪt̥ɪ s̥əŋə-s̥əŋə ŋa:mi:-ga:mi: s̥s̥st̥ɦa: s̥s̥

lə' kə' ənjə s̄s̄st̄h̄a: s̄əbə s̄e:ɦio: e:kəɦi ɳa:və pərə s̄əva:ra
ət̄ɦ̄i.

kit̄ɦ̄u d̄ɦ̄ə pəɦiɳe: miṭ̄ɦ̄ila: s̄tu:d̄ē:tə ju:ɳjəŋə
(e:məe:s̄əju:) s̄s̄ ɦ̄əmərə ume:d̄ə d̄z̄i:ɡələ t̄ɦ̄ələ. ɦ̄əmərə:
i: s̄s̄gət̄ɦ̄əŋə s̄a:ma:d̄z̄ikə s̄arokarə s̄s̄ ləbərə:d̄z̄i
bud̄z̄i:it̄ə t̄ɦ̄ələ. e:kət̄a: ɡ̄h̄ət̄əŋa: mo:ɳə pət̄ət̄ə ət̄ɦ̄i.
bərəs̄a:t̄əkə məus̄imə. s̄əgərə: miṭ̄ɦ̄ila: ba:t̄ɦ̄i s̄s̄
ɡ̄h̄e:ra:e:lə t̄ɦ̄ələ. lo:kə t̄ra:ɦ̄i-t̄ra:ɦ̄i kə' rəɦ̄ələ t̄ɦ̄ələ.
e:ɦ̄əŋə s̄t̄ɦ̄it̄ me: miṭ̄ɦ̄ila: məiṭ̄ɦ̄ili:kə le:lə s̄s̄ḡh̄ərs̄ə
ke:ɳɦ̄i:ra kit̄ɦ̄u s̄s̄gət̄ɦ̄əŋə s̄əb̄h̄ə a:ɡu: əbət̄ə ət̄ɦ̄i a:
du:bi-b̄h̄ā:s̄ rəɦ̄ələ lo:kəkə pra:ɳə rək̄s̄əkə bəŋət̄ə ət̄ɦ̄i.
əŋə be:t̄ərə: ka:ɦ̄i ka:t̄i rəɦ̄ələ lo:kə d̄ɦ̄ari a:vəj̄jəkə
s̄a:məɡri: pəɦ̄iṭ̄ɦ̄i:olə d̄z̄i:it̄ə ət̄ɦ̄i. t̄ɦ̄əŋə miṭ̄ɦ̄ila: va:s̄j̄:
kē: i: s̄əb̄h̄ə d̄e:vədu:t̄ə s̄əŋə bud̄z̄i:a:i pət̄ət̄ə t̄ɦ̄əŋi. e:ɳa:
miṭ̄ɦ̄ila: məiṭ̄ɦ̄ili:kə le:lə b̄h̄ə' rəɦ̄ələ ā:d̄o:ləŋəkə iṭ̄ɦ̄i:s̄ə
me: pəɦ̄ilə be:ra ɦ̄io:it̄ə ət̄ɦ̄i d̄z̄i: ko:ɳo: s̄s̄gət̄ɦ̄əŋə s̄əb̄h̄a:
d̄z̄ulu:s̄ə s̄s̄ ələɡə s̄s̄kət̄ə me: pət̄ələ məiṭ̄ɦ̄iləkə məd̄ət̄i
əpəŋə d̄z̄i:ɳə s̄s̄kət̄ə me: d̄ə' kə' kərəit̄ə ət̄ɦ̄i. miṭ̄ɦ̄ila:
məiṭ̄ɦ̄ili:kə ɳa:mə pərə s̄s̄ḡh̄ərs̄ə ke:ɳɦ̄i:ra s̄s̄gət̄ɦ̄əŋə me:
a:e:lə s̄əkara:t̄məkə bəd̄əla:vəkə prəj̄s̄a: s̄e:ɦ̄io:
s̄əb̄h̄ət̄əri k̄ɦ̄u:bə ɦ̄io:it̄ə ət̄ɦ̄i. ɦ̄e:ba:ko: t̄ɦ̄i:ɦ̄i: e:kərə
prəj̄s̄a:.

əi s̄s̄ pəɦiɳe: mud̄z̄iəp̄h̄ərəpura d̄z̄i:la:kə jəd̄z̄i:ra
ɡa:mə me: miṭ̄ɦ̄ila:kə t̄ɦ̄a:t̄ra ra:d̄z̄i:ɳj̄:t̄i me: s̄əkrij̄ə
miṭ̄ɦ̄ila: s̄tu:d̄ē:tə ju:ɳjəŋə (e:məe:s̄əju:) d̄va:ra:
biḍ̄z̄i:li:kə le:lə s̄s̄ḡh̄ərs̄ə kəe:lə d̄z̄i:it̄ə ət̄ɦ̄i. a:d̄z̄i:d̄j̄:kə
ba:d̄ə ək̄h̄əŋə d̄ɦ̄ari e:ɦ̄i ɡa:mə me: biḍ̄z̄i:li: ɳəɦ̄i pəɦ̄iṭ̄ɦ̄i

ṣṛakāḷa tṛiḷaḷa. e:māe:ṣṛaju:kā ka:rjakarṭa: jādṛiua:rakā
 gḥarā-gḥarā me: dṛiā: kā' lo:kā ṣṛabhā kē: bīdṛiāli:kā le:lā
 dṛiāgābāitṛa tṛiḷaḷi. ka:rjakarṭa: ṣṛabhā e:hi ga:mā me:
 kāipā kā' kā' tṛiḷarāḷabādḍḥā dḥiḡgā ṣṛi bīdṛiāli:kā le:lā
 ā:ḍḍo:lāḅā kārāitṛa tṛiḷaḷi. pāriṇa:māṣṣvāru:pā e:hi ga:mā
 me: bīdṛiāli: lāge:ba:kā ka:dṛiā ṣṛe:hiō: ju:ru: hiō:itṛa ātṛi a:
 pāhīlā be:rā lo:kā i: dṛiāḅāitṛa ātṛi dṛiē: mīḥiḷa: māitḥiḷi:kā
 ṇa:mā pāḷā ṣṛiḡḥarṣā ke:ṇiḥa:rā ṣṛiḡḅāḥāḅā dṛiāḅā
 ṣṛamāṣṛiā: kē: lā' kā' ṣṛe:hiō: ā:ḍḍo:lāḅā kārāitṛa ātṛi. ṣṛāṣṛā
 ātṛi dṛiē: i: ṣṛiḡḅāḥāḅā tṛiā:tṛākā ātṛi a: juva: vārgākā
 ṣṛiḥābḥā:ḡiṭa:kā ka:rāḅḷē: ṣṛo:ḷāḷā mi:dṛiā: pāḷā ṣṛe:hiō:
 e:kārā vjā:pākāṭa: tṛiḷai. ṣṛo:ḷāḷā mi:dṛiā: pāḷā ḍāmadā:rā
 upāṣṛiḥiṭkā ka:rāḅḷē: jādṛiua:rā ā:ḍḍo:lāḅā dṛiō:rā pākāṭāitṛa
 ātṛi a: ṣṛāpḥāḷā hiō:itṛa ātṛi.

i: ṣṛiḡḅāḥāḅā kōle:dṛiā a: ju:ṇiḥarṣiṭi: me: tṛiā:tṛākā
 ṣṛamāṣṛiā: ṣṛabhā kē: lā' kā' ṣṛe:hiō: ṣṛakriḷā rāḥāitṛa ātṛi.
 lālitṛa ṇa:ra:jāḅā mīḥiḷa: viḥiḥāvidḍiā:lājā me: kāṭe:ko:
 be:rā e:hi ṣṛiḡḅāḥāḅā ḍvā:ra: tṛiā:tṛā hiṭṛa me: ā:ḍḍo:lāḅā
 kāe:lā ge:lā. e:kārā kiṭṛiḥi ṣṛaka:ra:tṛmākā pāriṇa:mā
 ṣṛe:hiō: bā:ḥārā e:lāi. mudā: tṛiā:tṛākā ṣṛamāṣṛiā: ṣṛabhā
 ākḥāḅā ḍḥāri o:ḥiṇḍa: ātṛi. viḥiḥāvidḍiā:lājā me:
 ṣṛiṣṛā:ḍḥāḅāḅā ābḥā:vā tṛiḷāḥiḷe:. kōle:dṛiā ṣṛabhā me:
 pāḥāḅāḅā-pā:tḥāḅā vjāḥāṣṛiḥiā: tṛiḷupāṭā bḥā' ge:lā ātṛi.
 kōle:dṛiā ṣṛabhā me: dṛiē: ṣṛiṣṛā:ḍḥāḅāḅā pāḥiṇḍe: ṣṛi
 upāḷābḍḥā tṛiḷāḷi, o: ṣṛabhā mīḥiṭpāra:jā bḥā' ge:lā ātṛi.
 tṛiā:tṛākā bḥi:ṭā bāḥāḷā dṛiā: rāḥāḷā ātṛi a: ṣṛiṣṛā:ḍḥāḅāḅā
 ḍḥiḅā pāṭḍiḅiḅā ḡḥāṭāḷā dṛiā: rāḥāḷā ātṛi. vārgā ṣṛiṭṛiā:lāḅā
 lāḡābḥāḡā ḥāpā bḥā' ge:lā ātṛi. e:ḥāḅā ṣṛiḥiṭṛi me: tṛiā:tṛā
 ṣṛiḡḅāḥāḅā ṣṛabhā ḍvā:ra: e:kāṭa: dṛiō:rāḡārā ā:ḍḍo:lāḅāḅā

kʰəgət̪a: t̪ʰələkə, d̪ʒe: n̪əhi bʰə' rəhələ ət̪ʰi. d̪ʒi̯ e:hi
ʂəbʰə mudd̪a: kē: lə' kə' kət̪əu ko:n̪o: ʂōgət̪ʰəŋə d̪vɑ:ra:
ā:d̪o:ləŋə bʰəijo: rəhələ t̪ʰəi t̪ə' o: əpəŋə prəbʰɑ:və
t̪ʰo:rəbɑ: me: əkʰəŋə d̪həri ʂəpʰələ n̪əhi bʰə' ʂəkələ ət̪ʰi.
e:hiŋə ʂt̪ʰit̪ me: t̪ʰɑ:t̪rə rɑ:d̪ʒəŋi:t̪ t̪ʰɑ:t̪rəkə ʂəməʂjɑ:
ʂō hē:t̪hə fi:it̪ə bud̪ʒʰəŋɑ: d̪ʒi:re:.

e:hiŋə ʂt̪ʰit̪ me: e:məe:ʂəju: ʂəŋəkə k̪ʂe:t̪ri:jə t̪ʰɑ:t̪rə
ʂōgət̪ʰəŋə pərə pəigʰə d̪ʒimme:vɑ:ri: t̪ʰələkə d̪ʒe: o:
ʂəbʰə əpəŋə v̪iʂvəvid̪jɑ:ləjə me: vjɑ:pt̪ə ʂəməʂjɑ: ʂəbʰə
kē: lə' kə' d̪ʒo:rəgərə ā:d̪o:ləŋə kərəit̪ə a: əpəŋə
v̪iʂvəvid̪jɑ:ləjə me: guŋəvət̪t̪ɑ:pʊ:ŋə ʂəikʂəŋi:kə mɑ:hiəulə
ʂt̪ʰɑ:pit̪ə kərəit̪ə mud̪ɑ: ʂe: əkʰəŋə d̪həri d̪e:kʰəbɑ: me:
n̪əhi a:e:lə ət̪ʰi.

t̪ʰɑ:t̪rə ʂōgʰəkə t̪ʰiŋɑ:və me: ʂe:fi: ləl̪it̪ə n̪ɑ:rɑ:jəŋə
mit̪ʰi:lɑ: v̪iʂvəvid̪jɑ:ləjə me: e:hi ʂōgət̪ʰəŋəkə d̪əməd̪ɑ:rə
upəʂt̪ʰit̪ d̪e:kʰəbɑ: me: a:e:lə. v̪ibʰiŋŋə kələ:d̪ʒi me:
v̪ibʰiŋŋə pəd̪ə pərə ŋe: ʂri:pʰə əi ʂōgət̪ʰəŋəkə
ummi:d̪əvɑ:rə əpəŋə d̪ʒi:t̪ə d̪ərd̪ʒi kərəuləŋi, əpit̪u e:hi
ʂōgət̪ʰəŋəkə ʂəkr̪iət̪ɑ: ʂō kət̪e:ko: ŋe:ʂəŋələ t̪ʰɑ:t̪rə
ʂōgət̪ʰəŋə ʂəbʰə me: gʰəbərə:hiət̪i ŋəd̪ʒiŋi a:e:lə. i:
ʂəkr̪iət̪ɑ:kə o:d̪ʒiəhə t̪ʰələ d̪ʒe: ŋe:ʂəŋələ t̪ʰɑ:t̪rə
ʂōgət̪ʰəŋə ʂəbʰə d̪vɑ:ra: t̪ʰiŋɑ:və prət̪jɑ:rə me: əpəŋə
v̪əŋiʂt̪hə ŋe:t̪ɑ: ʂəbʰə kē: ut̪ɑ:rələ ge:lə. i: ŋe:t̪ɑ: lo:kəŋi
əpəŋə - əpəŋə pɑ:rt̪i: d̪vɑ:ra: ʂəmər̪t̪ʰit̪ə ummi:d̪əvɑ:rə
kē: d̪ʒi:t̪e:bɑ:kə a:hi vɑ:ŋə ke:ləŋi. t̪ē: i: kəhi ʂəkəi t̪ʰi:
d̪ʒe: v̪ibʰiŋŋə kələ:d̪ʒi me: e:hi ʂōgət̪ʰəŋəkə prət̪jɑ:ʃi:
hiɑ:r̪ijo: kə' d̪ʒi:t̪ə ge:lə. ŋe:ʂəŋələ ʂōgət̪ʰəŋə me:
gʰəbərə:hiət̪i e:məe:ʂəju:kə ʂəpʰələt̪ɑ: t̪ʰələ. mud̪ɑ: i:

ṣamartḥaṅṇa me: de:ṣa bhāri dḥarāṅṇa: - prādḥarṣaṅṇa kae:lā
ge:lā a: dṛulu:ṣṇa ṅka:lālā ge:lā. mudḥa: e:kārā ba:dḥo: ki:
bhē:lā? buṛḥija: pḥu:ṣṇa. dṛā:ḥi lo:kāpa:lā viḍḥe:jākā le:lā
ā:dḥo:lāṅṇa kae:lā dṛā: rāhālā tḥālā, o:ṛi lo:kāpa:lā
viḍḥe:jākā kē: ki: bhē:lā? ḥi, i: ā:dḥo:lāṅṇa dṛi e:kāṭa:
ṭḥo:ṣṇa vaitḥa:riḥā dḥāra:ṭḥālā pāra a:gu: bāṭḥaitḥa ṭḥa' i:
vja:pākā aṣṇari tḥo:ṛi ṣṇakaitḥa tḥālā. e:kārā dḥu:rāga:mi:
prabhā:vā ṣṇama:dṛi a: ra:dṛiṅṇi:ṭḥi pāra pāṭaitḥa, dṛi: ṅḥi
bhā' ṣṇakālā. ṣḥo:ṣālā mi:dḥija:kā prabhā:vā kṣaṅṇikā ḥo:ṛiṭḥa
aṭḥi a: aḥi: ā:dḥo:lāṅṇa ṣṇge: ṣṇe:ḥā bhē:lā. ṣḥo:ṣālā mi:dḥija:
ṣṇ dṛi: ā:dḥo:lāṅṇakā dḥādḥāra: utḥālā tḥālā o: kiṭḥue:
ṣṇmājā me: pādṛiḥā: ge:lā. vaitḥa:riḥā ṣṇa:mjā ṅḥi rāhālā:
ṣṇ ā:dḥo:lāṅṇakā:ri: ṅe:ṭḥa: lo:kāṅṇi aḥgā-aḥgā ṣṇgāṭḥaṅṇa
me: bāṭi ge:lā: aḥgā-aḥgā ṣṇgāṭḥaṅṇakā udḥe:ṣṇa ṣṇe:ḥo:
aḥgā-aḥgā bhā' ge:lā.

ṅṇa: ḥādṛi:re: 22 ma:ṛṭḥi 2018 ṣṇ pḥe:rā dḥilli:kā
ra:māli:lā: māiḍa:ṅṇa me: aṅḥaṅṇa ju:ru: kārāi tḥāṭḥi
mudḥa: e:ḥi be:rākā ā:dḥo:lāṅṇa me: pāḥiṅṇe: bāla:
ṣamartḥaṅṇa de:kḥāba: me: ṅḥi a:e:lā. kā:rāṅṇa? kā:rāṅṇa
pāḥiṅṇi i: ā:dḥo:lāṅṇa bikhāra:vākā bhē:ṭḥa tḥiṭḥi tḥukālā
tḥālā. ṅṇa: bhāle: aḥṇa: kē: gā:dḥi:va:dḥi: kāḥāṭḥi
mudḥa: ḥiṅṇakā: ṣṇbhā ṣṇge: akḥaṅṇa dḥāri ṭḥo:ṣṇa vaitḥa:riḥā
priṣṭḥābhū:mikā abhā:vā ṅḥadṛiṅṇi aḥṭe: aṭḥi. dḥo:ṣṇarā
ṣḥo:ṣālā mi:dḥija: pāra viṣṇaṅṇi:jḥā:kā ṣṇkāṭā pāḥiṅṇe: ṣṇ
be:ṣṇi: ga:ṭḥā bhē:lā aṭḥi.

kiṭḥu e:ḥāṅṇe: ṣṇṇa kāmi: ḥāmāra: miṭḥiḥā: māṭḥiḥi: le:lā
kā:dṛi ke:ṅḥiḥā:rā e:māe:ṣṇju: a:dḥi ṣṇgāṭḥaṅṇa ṣṇbhā ḥgā
ṅḥadṛiṅṇi aḥṭāṭḥa aṭḥi. e:kārā ṣṇgāṭḥaṅṇikā dḥā:ṭḥa: me:

vərtʃa:rikə prətʃbəddʒəta:kə əbʰa:və tʃə' kʰətəkɪtʃe:
ətʃʰɪ, ʃʒgəɦɪ kɪtʃʰu juva: ʃəbʰəkə ətʃi utʃsɑ:ɦə ʃe:ɦio:
bʰəvɪʃjəkə prətʃi ʃəka: utpənɲə kərətʃə ətʃʰɪ. əɪ
ʃʒgəʎʰəŋəkə a:lɑ:kəma:ŋə ko:ŋpɔ: vjəktʃi ŋəɦɪ tʃʰətʰɪ.
e:kərə ŋe:tʃɪtʃə 11 ʃəpəʃji:jə kəmə:ɖɪgə tʃi:mə kərətʃə
ətʃʰɪ tʃe: ɦəmə ʃəbʰə əɪ ba:tʃə ʃə' a:ʃvəʃtʃə bʰə' ʃəkəɪ tʃʰɪ:
dʒe: ʃʒgəʎʰəŋə me: lo:kətʃɑ:tʃɪkə bʰa:vəŋɑ: bəŋələ rəɦətʃə.

ɖpɔ:ʃərə dʒe: mu:lə kəmi: ɦəmərə: ŋəɖʒəɪ əbətʃə ətʃʰɪ o:
i: ətʃʰɪ dʒe: ʃʒgəʎʰəŋəkə e:dʒe:ɖɑ: me: tʃʰa:tʃə rɑ:dʒəŋi:tʃi
ke:rə əlɑ:vɑ: kʃe:tʃəkə vɪkɑ:ʃə ətʃʰɪ. i: ʃʒgəʎʰəŋə kʃe:tʃi:jə
ʃəməʃjɑ: kē: lə' kə' be:ʃi: ă:ɖpɔ:ləŋərətʃə budʒʰɑ:ɪtʃə ətʃʰɪ
mudɑ: ɦəmərə: ɦɪʃɑ:be: e:kərə: ʃəɪkʃəŋɪkə ʃəməʃjɑ: pərə
be:ʃi: ɖʃjɑ:ŋə ɖe:ba:kə tʃʰɑ:ɦi:. kʃe:tʃəkə əŋjə ʃəməʃjɑ:
kē: e:dʒe:ɖɑ: ŋəbərə ɖmu: me: rɑ:kʰələ dʒɑ: ʃəkəɪ tʃʰələ.
ʃʒgəɦɪ kʃe:tʃəkə ʃəməʃjɑ:kə ʃʒgəɦɪ i: ʃʒgəʎʰəŋə kʃe:tʃi:jə
bʰa:ʃɑ:kə vɪkɑ:ʃəkə le:lə be:ʃi: dʒɪmmə:ɖɑ:rə ŋəɦɪ
budʒʰɑ:ɪtʃə ətʃʰɪ. kəmə ʃə kəmə ʃʒgəʎʰəŋəkə ka:ɪjəkəɪtʃɑ:
ʃəbʰəkə gətʃvɪɖʰɪ ʃə tʃə' i: ŋəɖʒəɪ ŋəɦɪ əbətʃə ətʃʰɪ.

e:kərə ətʃɪkʃə juva: vərgəkə kɪtʃʰu əŋjə ʃʒgəʎʰəŋə ʃe:ɦio:
mɪtʃʰɪlɑ: me: ʃəkɪjə ətʃʰɪ mudɑ: i: ʃəbʰə ko:ŋpɔ: pɑ:rʃi:
pɔ:ʃɪtʃə budʒʰɑ:ɪtʃə ətʃʰɪ, dʒəkərə rɑ:ʃtʃi:jə e:dʒe:ɖɑ: a:
kʃe:tʃi:jə e:dʒe:ɖɑ: me: vɪrɔ:ɖʰɑ:bʰɑ:ʃə ŋəɖʒəɪ əbətʃə
ətʃʰɪ. ɦno: ka:rəŋə bʰə' ʃəkəɪe: dʒe: e:ɦɪ ʃəbʰə ʃʒgəʎʰəŋəkə
ko:ŋpɔ: vɪʃe:ʃə əʃəɪ mətʃʰɪlə ʃəma:dʒə me: əkʰəŋə ɖʰəɪ
ɖe:kʰəba: me: ŋəɦɪ a:bi ʃəkələ ətʃʰɪ.

kɪtʃʰu tʃʰo:tə-tʃʰi:ŋə ă:ɖpɔ:ləŋə ʃəbʰə ʃə tʃəɪtʃɑ:
me: a:e:lə i: ʃʒgəʎʰəŋə a:bə tʃʰŋɑ:vɪ: rɑ:dʒəŋi:tʃi me:
ʃe:ɦio: ʃəkɪjə ɦo:ɪtʃə ɖe:kʰɑ:jə pəɪɪ rəɦələ ətʃʰɪ. pɪtʃʰəla:

स्रा:लॆ b^he:lॆ p̄āṭṭi:jəṭṭə ṭṭiṇṇa:və me: e:məe:sṣaju:kə kiṭṭi^u
 ṣṣadṣṣjə dṣṣila: p̄ariṣṣadṣṣkə kiṭṭi^u ṣṣi:ṭṭə dṣṣi:ṭṭəba: me:
 ṣṣap^hələ b^he:lā:fiə. ṣṣṣb^ha:vəṇṇa: ṣṣjəṭṭə kəjələ dṣṣi: rəfiələ
 əṭṭi^u dṣṣi: i: lo:kəṇṇu a:bə viṭṭi^ha:ṇṇṣṣab^ha: ṭṭiṇṇa:və me:
 ṣṣe:fiə: əpəṇṇə p̄rəṭṭi:jī: utṭa:rəṭṭa: ma:ṇṇe: o: ṣṣa:ma:dṣṣikə
 ṣṣarə:kā:rə dṣṣi: bā:ṭṭi^h a: ki: əṇṇjə ṣṣṣkəṭṭəkə-ṣṣaməṣṣjā:kə
 g^həṭṭi: me: dṣṣe:k^həbā: me: a:e:lə ṭṭi^hələ, ṣṣe: əhi: le:lə dṣṣi:
 ṭṭiṇṇa:və me: i: ṣṣṣgəṭṭhəṇṇə ṣṣṣbə əpəṇṇə dṣṣiṇṇa:dṣṣi^ha:rə kē:
 mādṣṣiṅgu:ṭṭə kə' ṣṣəkəjə. fiəmə e:kəra: vjā:vəṣṣa:jikə
 rā:dṣṣiṇṇi:ṭṭi ma:ṇṇəṭṭə ṭṭi^həi dṣṣi: ṇṇṣṣṣṣa:pu:rṇə rā:dṣṣiṇṇi:ṭṭi
 ṣṣṣ e:kādṣṣmə p^həra:kə fiə:ṭṭə əṭṭi^u. kṣe:ṭṭi:jə vika:ṣṣkə le:lə
 ṇṇṣṣṣṣa:pu:rṇə rā:dṣṣiṇṇi:ṭṭikə a:vəṣṣjəkəṭṭa:
 ṭṭi^hələikə, vjā:vəṣṣa:jikə rā:dṣṣiṇṇi:ṭṭi ṭṭə' p̄iṭṭi^hələ: kəṭṭe:ko:
 dṣṣjəkə ṣṣṣ miṭṭiṭṭi: me: b^hə_je: rəfiələ əṭṭi^u. mudṣṣa: əhi:
 vjā:vəṣṣa:jikə rā:dṣṣiṇṇi:ṭṭikə 'ṣṣudṣṣa:' me: e:məe:sṣaju: a:
 ki e:məe:sṣaju: ṣṣṣṣṣṣṣṣ a:ṇṇə ṣṣṣgəṭṭhəṇṇə ṣṣṣbə e:kəṭṭa:
 gələṭṭi: kə' rəfiələ əṭṭi^u a: o: gələṭṭi: əṭṭi^u miṭṭiṭṭi: rā:dṣṣjəkə
 m̄ā:gə.

əhiā: miṭṭiṭṭi: rā:dṣṣjəkə m̄ā:gə kərəbəi a: miṭṭiṭṭi:kə a:mə
 dṣṣiṇṇama:ṇṇṣṣṣ əhiā: ṣṣṣ kəṭṭəṭṭə dṣṣi:e:ṭṭə a: əhiā: kē:
 ṣṣṣdṣe:fiəkə dṣṣiṣṣṣi ṣṣṣ dṣṣe:k^həṭṭə. e:kərə bəhi^uṭṭə rā:ṣṣ
 ṣṣa:ma:dṣṣikə a: rā:dṣṣiṇṇi:ṭṭikə kā:rəṇṇə ṭṭi^həi. miṭṭiṭṭi:
 rā:dṣṣjəkə m̄ā:gə kē: lə' kə' dṣṣiṭṭi: me: b^hi:ṭṭə dṣṣiṭṭi:ṣṣṣ
 o:ṭṭe:kə kəṭṭiṇṇə kā:dṣṣiṇṇi ṇṇṣṣi ṭṭi^həi, dṣṣiṭṭe:kə kəṭṭiṇṇə kā:dṣṣi
 miṭṭiṭṭi: rā:dṣṣjəkə le:lə dṣṣi: ṭṭiṇṇiṭṭə dṣṣi: ṣṣṣb^hə əṭṭi^u, o:hi
 dṣṣi: ṣṣṣb^hə me: dṣṣiṇṇṣṣṣṣṣṣṣṣ dṣṣiṭṭi:e:bə. əhiā: o:hi
 dṣṣi: ṣṣṣb^həikə ṭṭə' bā:ṭṭə ṭṭi^ho:ṭṭi:, dṣṣiṭṭe:kə: miṭṭiṭṭi:kə
 kəṭṭiṭṭə hiṣṣṣṣṣṣṣṣṣṣ: ma:ṇṇələ dṣṣi:ṭṭə əṭṭi^u, əhi: ṭṭi^ha:mə
 miṭṭiṭṭi: rā:dṣṣjəkə le:lə dṣṣiṇṇṣṣṣṣṣṣṣṣṣṣ ṇṇṣṣi əṭṭi^u. əhi:

ṭḥa:mə e:kəṭa: vja:pəkə sṣma:dʒiə e:hi ā:ḍo:ləṇə kē:
ṣṣḍe:hiəkə ṇḍdʒiəri ṣṣḍ dḍe:kḥəiṭṭə əṭṭḥi. a: miṭṭḥila:kə a:mə
dʒiəṇḍma:ṇḍsṣəkə i: ṣṣḍe:hiə hiəmərə: ṇḍkəṭə bḥəviṣjə me:
kḥəṭṭmə hi:ṭṭə ṇḍhi budʒḥa:ṭṭə əṭṭḥi. a:mə
dʒiəṇḍma:ṇḍsṣəkə e:hi ṣṣḍe:hiə kē: ḍu:rə kərəba: le:lə
e:hiṇḍ ṣṣḍgəṭḥəṇḍ ṣṣəbḥə kē: ṣṣa:ma:dʒikə ṣṣəro:ka:rə ṣṣḍ
dʒiurəjə pəṭəṭṭṇi mudḍa: i: ṣṣḍgəṭḥəṇḍ ṣṣəbḥə ṭṭə' pəhiṇḍhi
ṣṣa:ma:dʒikə ṣṣəro:ka:rə ṣṣḍ ṭṭjṭṭə bḥə' ṭṭḥkələ əṭṭḥi.

əpəṇḍ

mṭṭṭəvjə editorial.staff.videhə@gmail.com **pərə**
pəṭḥa:u.

2.7.ləkṣməṇə dʒḥa: ṣṣa:gərə- miṭṭḥila: ṣṣḥu:ḍē:ṭə ju:ṇḍjəṇḍ



lakṣmāṇa dṛīa: śā:garā, śāparkā-9903879117

mitīla: śtu:de:ta ju:njāṇa

arṭa:ṭ mitīla: tīa:ṭrā śāgathāṇa. dṛe:ṇa: kī ṇa:me:śā
 la:gi rāhāḷa arṭī dṛe: i: ko:ṇo: mitīla:kā tīa:ṭrā śābhāka
 dṛāma:bāṭa: arṭī. 1972- 73 i:me: a:rā ke:
 kāa:le:dṛāme: pāṭī rāhāḷa tīāḷāhī. e:kā dīṇā śī: e:mā
 kāa:le:dṛāka e:kāṭa: tīa:ṭrā ṇe:ṭa: śrī: bīma:la:ṇāḍā
 dṛīa: dṛī: hāmāra: śābhāka kāa:le:dṛā māḍubāṇī: a:jāḷa
 tīāḷa:hā. hāmāra: kāa:le:dṛāme: mi:ṭī:gā ke:lāṇī. śrī:
 bāidjāṇa:ṭhā tīāudhāri: dṛī:kē: ko:ṇo: a:ṇḍo:lāṇkā
 dṛīrāmāme: bāṭā mā:ṭī mā:rāṇe: rāhāṇī a: dṛāhāḷame:
 bāṇḍā kājā ḍe:ṇe: rāhāṇī. ṭākāre: prāṭva:ḍā śābhā:
 ke:ṇe: rāhāṭī. hīṇkā bhā:śāṇame: ṭāṭe:kā ṇe:
 o:dṛāśvīṭa: rāhāṇī dṛe: śābhā tīa:ṭrā lo:kāṇī utte:dṛīṭā
 bhāḷ/ge:lā rāhāṭī. pāṇā:mā bhē:lā dṛe: bāidṛī: dṛī:kē:
 puliśā tīo:ṭī ḍe:ṇe: rāhāṇī. hāmāra dṛī:ṭāṇkā i: pāhīḷa
 āṇubhāṭā tīāḷa dṛe: tīa:ṭrā śāgathāṇkā ra:dṛāṇī:ṭī ke:
 lāgi:ṭīśāḍā ḍe:kā śākāḷa rāhī:.

ḍo:śārā prāśāṇā arṭī aśā:mākā tīa:ṭrā ra:dṛāṇī:ṭīkā
 dṛākarā: hāmā kḥu:bā ṇāḍṛāḍī:kāśāḍā ḍe:kāṇe: tīi:. e:mā
 e:śā ju: ke: dṛāṇābā:kā le:lā pāhīṇe: dṛā:ṇābhā dṛārū:ṭī:
 arṭī i: śābhā ṭākāṇe: hāmā śābhāpārākḥī śākābhā dṛe:
 tīa:ṭrā śāgathāṇā śāma:dṛāka bi:ṭīame: ko:ṇa: phūla:ṭā
 tīāikā. kāṭe:kā phāḷpāḍā hīo:ṭā tīāikā. ḍe:ṭāme:
 māḍāḷa a:jo:gākā dṛe: a:rākṣāṇā le:lā śudṛīa:ṭā a:jāḷa
 tīāḷa a: ṭākāra: dṛākhāṇā ke:ṇḍrā śārākā:rā la:gu: ke:ṇe:
 rāhājā ṭākāra bā:ḍā dṛe: ḍe:ṭāṭā:pi: tīa:ṭrā a:ṇḍo:lāṇā
 bhē:lā tīāḷa śe: e:kāṭa: āḷgā ṭīhā:śā arṭī. dṛe: pi:
 a:ṇḍo:lāṇā tīa:ṭrā lo:kāṇīkā śāhābhā:giṭā:śā lāṭāḷa ge:lā

e:ɦime: upəri: a: ɲi:tʃuləkɪ: əsəməkə prətɲɪndɦɪtʃə bʰe:lə
 tʃʰələ. o:ɦi: mi:tʃi:ɡame: a:lə əsəmə sʃud̪ē:tə ju:ɲənəkə (a:sʃu:)
 ɡəʃʰənək bʰe:lə tʃʰələ. a: sʃe: a:sʃu: pəɦɪɲe: sʃama:dʒəkə
 bi:tʃi ge:lə. ma:dʒəkə le:lə dʒəru:ri: ka:dʒə sʃəbə ke:ləkə.
 dʒe:ɲa:, dʒəte:kə de:ʃi: ʃəra:bəkə bʰəʃtʃi: sʃəbə
 dʒəɡəɦə dʒəɡəɦə tʃʰələ sʃəbʰəʃta: ke: ra:tʃa:ra:tʃi:
 dʰa:ɦɪ de:ləkə. dʒəte:kə sʃɲe:ma: ɦa:ləme: ɦɪɲdʒi:kə
 pʰɪlmə la:ɡələ rəɦəjə sʃəbʰəkə po:sʃərə pʰa:tɪ kəʃ dʰa:ɦɪ
 de:ləkə. ɲo:tʃi:sʃə ʃi:ɡɪ de:ləkə dʒe: əsəmɪja: pʰɪlmə ʃa:
 tʃʰi sʃəkəitʃə ətʃʰi. ɦɪdʒi: bəɦulə ɪla:ka:me: pəmpəle:tə
 sʃa:itʃə de:ɲe: rəɦəjə dʒe: "mo:rə əkʰəmətʃə tʃʰa:kɪle: mo:rə
 bʰa:kʰa: ɦɪkʰɪte: la:ɡɪbo:". kɾəməʃə: i: sʃəbə sʃa:ma:dʒikə
 ka:dʒə kəraitʃə a:sʃu: əpənəkə rəubɪɲəɦu:də bəla: tʃʰəvi
 bəɲa: le:ləkə. a: tʃəkərə ba:də tʃəʃkəʃɪɲə muka:mə pa:rə
 kəraitʃə (ugrəva:dʒi: sʃəɡəʃʰənək əlpʰa:kə ru:pə əpənəkəbətʃə)
 a:ɪ sʃəttʃa:sʃi:ɲə bəɲələ ətʃʰi.

a:bə e:ɦɪ pəripre:ksjəme: e:mə e:sʃə ju:kə ka:rjəprəɲa:li:
 a: ka:rjəpəddɦəʃkə vɪve:tʃɪɲa: kərəbə sʃa:pe:kʃə ɦəitʃə.
 ɦəmə sʃəbəsʃə pəɦɪɲe: mɪtʃɦɪla:kə la:lə a:juʃma:ɲə əvɪɲa:ʃə
 bʰa:rədvə:dʒə kʰu:bə mo:ɲəsʃə a:ʃi:rba:də dʰəitʃə tʃʰɪjəɲɪ.
 bəɦutʃə bəɦutʃə ʃubʰəka:məɲa: rəkʰəitʃə tʃʰɪjəɲɪ dʒe: o:
 pəɦɪlə e:ɦəɲəkə məitʃɦɪlə juva: bʰe:la:ɦə dʒɪɲəkə:
 mo:ɲəme: i: sʃo:tʃi e:ləɲɪ, e:ɦəɲəkə vɪtʃa:rə ɔ̃kuɪtʃə
 bʰe:ləɲɪ dʒe: əpənəkə ma:tɪ-pa:ɲɪ a: ma:tɪbʰa:sʃa:
 məitʃɦɪli:kə sʃəɾəkʃəɲə a: sʃəvərdʰəɲək le:lə a:ɡu: əjələ:ɦə.
 2015 i:sʃbi:kə ma:rʃɪme: e:mə e:sʃə ju:kə sʃtʃa:pəɲa:
 kəjələɲɪ. ɦɪɲəkə sʃəɲəbəjə bʰe:ləkʰɪɲək ʃri: ɡo:pa:lə
 tʃʰudʰəri:ʃri: məɲi:sʃə pā:de:, ʃri: ra:dʒə pa:sʃəva:ɲəʃri:
 əmɪtʃə ā:kurəʃri: əɲupə məitʃɦɪləʃri: sʃa:ɡərə ɲəvədvɪja: a:
 ʃri: vɪka:sʃə pa:tʰəkə a:dʒɪ e:ɦe:ɲəkə bəɦutʃo: ɡo:tʃe: ɦɪɲəkə

(2) dʒe: ko:ŋɔ: pʰərəma:ŋə dʒa:ri: fiə: təkərə əŋɪpa:ləŋə
ga:mə st̪əri:jə s̪əɖəsjə lo:kəŋkə dʒimma: ləga:bi:.

(3) ko:ŋɔ: s̪əgʰətəŋə ət̪ʰəkə əbʰa:vəme: ka:dʒə ŋəi kəjə
s̪əkəit̪ə ət̪ʰi. e:fi le:lə miṭʰila:kə prət̪je:kə vja:pa:ri:
s̪əma:dʒə a: ŋɔ:kəri: pe:ʃa: ke:ŋɪfiarə lo:kə s̪əbʰəs̪ə
ŋju:nət̪əmə t̪iŋɖa: o:su:lə kəri:. t̪a:fi le:lə rəʃi:də
t̪ʰəpa:bi:.. a:jə vjəjə ke:rə əudɪt̪ə kərə:bi:.

(4) pət̪ja:jət̪ə st̪ərəpərə, prəkʰəɖə st̪ərəpərə s̪əbʰa: kəri:.
lo:kə s̪əma:dʒə ke: fiṭəkə ba:t̪ə kəri:. kri:kə t̪ja:fi:
miṭʰila: ra:dʒjə t̪əkərə a:vəʃkət̪a:pərə bʰa:səŋə kəri: va:
bʰidʒjə lo:kə s̪əbʰəs̪ə kərə:bi:.

(5) ga:me: ga:mə d̪e:ba:lə le:kʰəŋə kərəba:bi:.. fiəməra:
t̪ja:fi: miṭʰila: ra:dʒjə. bʰi:kʰə ŋəi əɖʰika:rə t̪ja:fi:.
fiəməra: miṭʰila: ra:dʒjə t̪ja:fi:.

(6) ga:mə ʃəhərə a: ŋəgərə ŋəgərəme: fiə:rɖi:gə a:
vɪdʒna:pəŋə məiṭʰili:me: li:kʰəba:bi:.. s̪əgəme: t̪ʰa:t̪ə
s̪əbʰəkə fiudʒu:mə t̪ja:fi:.

(7) dʒəŋəgəŋəŋa:me: ma:t̪ribʰa:ʃa:kə ka:ləməme:
məiṭʰili: li:kʰəba:bi:.. t̪a:fi le:lə ga:mə s̪əma:dʒəkə lo:kə
ke: dʒa:grit̪ə kəri:.

(8) fiŋɖj: əkʰəba:rə va: pət̪rə pət̪rika: ke: miṭʰila:me: ŋəi
gʰus̪əjə d̪j:.. lo:kə s̪əma:dʒə ke: t̪əkərə d̪u:spəriŋa:mə
bət̪a:bi:.

(9) miṭʰila:kə ko:ŋɔ: s̪ɪŋe:ma: fiə:ləme: fiŋɖj:kə pʰilmə
ŋəi la:gəjə d̪j:.. e:fi:s̪ə əpəŋə məiṭʰili: pʰilməkə vika:s̪ə
fiət̪ə.

(10) a:pʰis̪ə, kət̪ʃəhəri:,re:ləve: t̪i:ʃəŋəpərə kərmət̪ja:ri:
lo:kəŋkə ke: a: bəs̪ə əɖɖa:pərə udəgʰo:s̪əkə s̪əbʰə kē:
məiṭʰili:me: bədʒəba:kə le:lə ba:d̪jə kəri:.

(11) ga:mə a: ʃəhərə ke: d̪o:ka:n̪ə ʃəbəme: t̪ɔ:ri:ʃ̌ə
be:t̪ɔ:lə d̪ɔ:a:jə rəhələ d̪a:ru: ke: d̪ɔ:bt̪ə kəri: a: n̪əst̪ə kəjə
d̪i: gu:t̪əka:, g̃a:d̪ɔ:a:,t̪ɔ:rəʃ̌ə a:d̪i n̪uʃ̌a: va:la: vəʃt̪ukə
b̪ikri: n̪əi h̪uəjə d̪i:.

(12) ko:n̪o: ut̪ʃ̌əvə a: t̪jo:ɦa:rəme: ga:mə a: ʃəhərəme:
bəd̪ɔ:it̪ə b̪h̪o:d̪ɔ:puri:,h̪iŋd̪i: gi:t̪ə ke: n̪əi ba:d̪ɔ:əjə d̪i:.

(13) ga:məkə p̪ra:iməri: v̪id̪ja:ləjə ke: ʃikʃəkə/ ʃikʃika:
ke: məit̪ɦili: ma:d̪ɦjəməʃ̌ə n̪e:n̪a: ʃəbəkə: p̪əɽ̪he:ba:kə
le:lə ba:d̪ɦjə kərijəŋi.

a:rə d̪ɔ: d̪ɔ:n̪ə upəjo:gi: ka:d̪ɔ: ʃəb̪hə kəjə ʃək̪i: ʃe: ʃəbə
kəri: p̪əɦiŋe: ga:mə g̪hərəme: ʃəma:d̪ɔ:kə mo:n̪ə
d̪ɔ:ɦi:ɦu: ʃəma:d̪ɔ: ke: v̪iɦa:ʃəme: li: p̪əɦiŋe: t̪ək̪həŋə
əɦ̃a: lo:kəŋkə d̪ɔ: məŋəʃ̌u:ba: əɦ̃ɦi ʃe: pu:ra:
ɦe:ba:me: ʃəɦi:ɦjət̪ə ɦət̪ə,ɦəmərə: bud̪ɔ:h̪e: ət̪jət̪ɦa:
ʃəməjə ʃrəmə ur̪d̪ɔ:a: n̪əst̪ə ɦo:ɦt̪ə rəɦət̪ə. ɦa:t̪hə a:jət̪ə
go:lə go:lə ʃuŋŋa:.

əi rət̪ɦ̃n̪a:p̪ərə əp̪əŋə
m̃ət̪əv̪jə editorial.staff.videhə@gmail.com p̪ərə
p̪əɦ̃a:u.

2.8.p̪rəŋəvə d̪ɔ:h̃a:- m̃it̪ɦila: ʃtu:d̪e:t̪ə ju:ŋjəŋə



praṇava dṛā:

miṭhīla: sṭu:dē:ṭa ju:njāṇa

miṭhīla: sṭu:dē:ṭa ju:njāṇa (e:māe:sṭaju:)sṭō hāmāra
pāritṭajā sṭōbhāvātṭhā vārsā 2017 me: bhē:lā ṭhāla. ṭa:hi
sṭamajā me: i: sṭōsṭhā: kādā:ṭiṭṭa miṭhīla:kā sṭamā:dṛā me:
apāṇa sṭhā:pāṇa:kā pra:rāmbhīkā dṭurā me: ṭhāla.
vārsā 2017 ke:rā agāṣṭā mā:sṭa me: miṭhīla: kṣe:ṭṭa me:
bhājākārā ba:ṭhī a:jālā ṭhāla. ai ba:ṭhī ke: dṭura:ṇa
e:māe:sṭaju: ke: juva: sṭadṭsṭjā sṭōbhā apāṇa sṭi:miṭṭa
kṣamāṭa: me: dṛāmī kāṣ/ra:hiṭṭa a: bātṭi:vā ka:rjā ke:ṇe:
ṭhāla dṛā:hi vṭṭajā me: hāmāra: sṭṇa sṭṇa lo:kā sṭōbā ke:
sṭo:ṭalā mi:dṭija: me: pho:ṭo: a: po:sṭā ke: mā:dṭhāmā sṭe:
dṛiṇa:ṭā bhē:lā ṭhāla. hāmāra: ja:dṭā a:bi rāhālā aṭṭhī dṛe:
vṭṭe:hi ke: ko:ṇo: ākā me: a:ṭi:sṭā aṇaṭṭiṇāhi:rā dṛi: ke:
e:kāṭa: le:kṭhā sṭe:hi: a:jālā ṭhāla ba:ṭhī ra:hiṭṭa me:
e:māe:sṭaju: ke: jo:gāṭa:ṇa ṭi:rṭākāsṭō.

e:māe:sṭaju: ke: juva: ṭo:li: ai ka:dṛā sṭe: (dṛe: sṭo:ṭalā
mi:dṭija: dṭvā:ra: pāṭa: ṭṭāli rāhālā ṭhāla) hāmāhī:
pra:bhā:vṭṭā bhē:lāhī. hāmāra: be:sṭi:kṭhāṇa sṭārāka:ri:
vṭṭāvāṣṭhā: pāra bhāro:sṭā rāhāṭṭā aṭṭhī a: ba:ṭhī ja: aṇjā
pra:kṭiṭṭa a:pāṭa: a:dṭi me: dṛe: ko:ṇo: sṭāhājō:gā rāhāre:
sṭe: hāmā sṭi:e:mā ṭi:li:fā phāṭṭā ja: pi:e:mā ṭi:li:fā phāṭṭā ke:
mā:dṭhāmā:sṭō kāraṭṭā ṭhī:. mudṭa: e:māe:sṭaju: sṭadṭsṭjā
ke: juva: dṛō:ṭā a: sṭamārpāṇa dṭe:kṭhī hāmāra: ai sṭōsṭhā:
pāra bhāro:sṭā bhē:lā a: hiṇṭākā māṇo:bālā bāṭhā:bāṭ/le:lā
e:kāṭa: aṭṭi ṭhō:ṭā ṭhī:ṇa sṭāhājō:gā ke:ṇe: rāhi:.

ṭākāra: ba:ḍaṣṣō ṣo:ḥalā mi:dija:kā ma:dḥjāmāṣṣō ai ṣṣōṣṭḥa:
ke: lāga:ṭa:rā miṭḥīla:kā ṣa:ma:dḥikā, a:rṭḥikā mudda:
pārā ṣo:ḥalā mi:dija: a: dḥimi:nḥā pārā e:ktṭvā ḍe:kḥī
rāhālā ṭḥī:. ai ṣṣōṣṭḥa: ke: vāṭṭāma:nḥā aḍḥjākṣā a: o:i
ṣṣāmājā ke: mi:dija: prābhā:ri: a:dḥtjā mo:hānḥā dḥi:ṣṣō
ṣo:ḥalā mi:dija:kā ma:dḥjāmāṣṣō viḥbīnḥā viṣṣājā pārā
kāḥānḥo: kā:lā ṭḥāṭṭā: bhāḍ/dḥā:jā. o:i ṣṣāmājā me: ḍḥi:re:
ḍḥi:re: bhāḥāṭṭā e:māe:ṣṣaju: lāga:ṭa:rā prābhā:vi: mudda:
dḥe:nḥā: pāṭṭā:jāṭṭā ṣṭārā pārā bhāṣṭā:ṭā:rā a: ṣṣārākā:ri:
ṣṣe:va: ke: ḍḥvāṣṭṭā ḍḥi:ve:ri: vjāṣṭṭā:, kā:nḥu:nḥā
vjāṣṭṭā:, ḥikṣa:, ṣṣvā:ṣṭḥjā ro:dḥāga:rā a:ḍḥ mudda:.

nḥāḥāḥā 2017 me: e:māe:ṣṣaju:, e:lāe:nḥāe:māju: ke:
dḥārdḥāṣṣā a: ḍḥvāṣṭṭā vjāṣṭṭā:kā viṣṣuddḥā a: vjāṣṭṭā:
ṣṣudḥā:rā le:lā e:kāṭa: ā:ḍo:lānḥā ṭḥāle:nḥā: ṭḥāḥā dḥe:
grā:ūḍā pārā ṣṣe:ḥo: e:māe:ṣṣaju: ke: ḥāḍḥā:ro:
kā:rjākāṭa: a: ṣṣāmāṭḥāḥā ḍḥvā:ra: ṭḥāla:o:lā ge:lā ṭḥāḥā
ṣṣāḥāi ṣo:ḥalā mi:dija: pārā ṣṣe:ḥo: dḥi:ro:ḥāḍḥā:ḥā ḥāḥāḥāiḥā
ā:ḍo:lānḥā ṭḥāḥāḥā ṭḥāḥā. ṣṣāṭṭā kāḥi: ṭḥā/ḥāmā pāḥiḥā be:rā
ko:nḥo: māṭḥīlā ṣṣōṣṭḥa: ḍḥvā:ra: miṭḥīla: me: utṭṭā ḥikṣa:
ke: dḥārdḥāṣṣā vjāṣṭṭā: ke: viṣṣuddḥā kāmi:ṭḥē:ṭā ke:
ṣṣāḥā ṣṣāḥāṭṭā ā:ḍo:lānḥā kāṣṭā ḍe:kḥī rāhālā ṭḥāḥāḥā
āḥjāṭḥā: ṭḥā/ māṭḥīlā ṣṣōṣṭḥa: ṣṣāḥā ke: māṭṭā-mā:la: a:
pā:ḡā-ḍo:pāṭa:ṣṣō a:ḡā: bhāḥāṭṭā nḥāi ḍe:kḥāi ṭḥāḥāiḥā. ḥikṣa:
ḥāmāṣṣā pḥijā mudda: aṭṭāi a: ḥāmāṣṣā mā:nḥāi aṭṭāi dḥe:
āpāḥā pāḥiḥā:rā, ṣṣāma:dḥā, rā:dḥjā a: ḍe:ḥā ke: pḥāḡāṭṭ
nḥi:kā ḥikṣa: vjāṣṭṭā:ṣṣō ṣṣāḥāḥā ṭḥāi, ṭā:ḥi le:lā ḥāmā ai
ā:ḍo:lānḥā ke: bhāḥāṭṭā ḡāṣṣāḥā:ḥi: a: utṭā:ḥā ke: ṣṣāḥā
ṣṣāmāṭḥāḥā ḍe:nḥā: rāḥi: i: e:kāṭa: ṣṣāḥāḥā ā:ḍo:lānḥā
kāḥāḥā dḥā: ṣṣākājā aṭṭāi kṣi: kṣi e:kāra: ba:ḍa

e:læ:næ:məju: ke: s̥t̥r̥ə a: pəri:kʂa: vjəvəst̥h̥a: me:
s̥ud̥h̥a:r̥ə d̥e:kʰələ ge:l̥ə t̥ʰələ.

a:bə e:mæ:s̥əju: mit̥h̥ila: ke: s̥a:ma:d̥z̥ikə a: t̥ʰa:t̥r̥ə ke:
ru:pə me: əpən̥ə v̥iʃt̥ə pəh̥it̥ʃa:n̥ə bən̥a:bə' la:gələ t̥ʰələ
a: d̥ərəbh̥əga: e:jərapo:r̥t̥ə, r̥i:t̥ʃi:-d̥z̥ijən̥əgərə
t̥re:n̥ə, ro:d̥z̥igə:r̥ə in̥ə mit̥h̥ila:, in̥p̥e:s̥t̥ə in̥ə
mit̥h̥ila:, t̥ʃin̥n̥i: m̥ilə, d̥ərəbh̥əga: e:ms̥ə a:d̥i a:d̥i v̥iʂəjə
ke: ləʃ kəʃ ləga:t̥a:r̥ə e:k̥t̥və h̥io:məjə la:gələ a: s̥əʃəkt̥ə
s̥e:h̥io:.

əgəst̥ə 2018 me: e:mæ:s̥əju: əpən̥ə v̥iʂt̥a:r̥ə a:b̥h̥ija:n̥ə
ke: t̥h̥ət̥ə p̥ət̥ʃa:jət̥ə d̥z̥o:r̥əʃ/ke: əb̥h̥ija:n̥ə t̥ʃələ:ləkə d̥z̥i
me: mit̥h̥ila:kə v̥ib̥h̥in̥n̥ə d̥z̥ila: ke: p̥ət̥ʃa:jət̥ə s̥əbə me:
prət̥ʃa:r̥ə əb̥h̥ija:n̥ə kəʃ lo:kə s̥əbək̥ē: v̥ib̥h̥in̥n̥ə mud̥d̥a:
ke: prət̥ʃ d̥z̥i:gəru:kə kərəb̥a:kə a: lo:kə s̥əbə ke: s̥əst̥h̥a:
s̥e: d̥z̥o:r̥əb̥a:kə s̥əp̥h̥ələ əb̥h̥ija:n̥ə t̥ʃələ:olə ge:l̥ə t̥ʰələ. əi
d̥p̥ura:n̥ə e:mæ:s̥əju: ke: prəs̥a:r̥ə a: n̥əvə urd̥z̥i: d̥e:k̥h̥i
v̥ərt̥əma:n̥ə r̥a:ʃt̥ri:jə s̥ətt̥a:ru:t̥h̥ə d̥ələ ke:
n̥e:t̥a:, ka:r̥jəkərt̥a: a: s̥əpo:r̥t̥ərə s̥əbə me: e:mæ:s̥əju:
me: e:kəta: p̥it̥ʰələggu: s̥əst̥h̥a: b̥ən̥əb̥a:kə s̥əb̥h̥a:v̥ən̥a:
d̥e:k̥h̥a:jələ t̥ʰələ (e:n̥a: h̥əmərə: prət̥ʃi:t̥ə h̥io:
ət̥ʃi). 2019 me: a:mə t̥ʃin̥n̥a:və t̥ʰələ. e:h̥ən̥ə me:
e:mæ:s̥əju: ke: urd̥z̥i: ke: d̥o:h̥ən̥ə ke: s̥a:it̥ə ko:n̥o:
rən̥ənj̥i:t̥i b̥ən̥i rəh̥ələ t̥ʰələ. mud̥d̥a: e:mæ:s̥əju: t̥ʃin̥n̥a:və
ke: d̥p̥ura:n̥ə əpən̥ə ṅ̥id̥v̥id̥z̥iulə s̥t̥e:t̥əm̥ē:t̥ə, a: mit̥h̥ila:
ke: mud̥d̥a: ke: a:d̥h̥a:r̥ə pərə s̥əpo:r̥t̥ə ja: v̥iro:d̥h̥ə ke:
ruk̥h̥ə d̥e:k̥h̥a: ke: n̥əi s̥i:r̥p̥h̥ə h̥in̥əkərə s̥əb̥əh̥əkə ummi:d̥ə
pərə pa:n̥i p̥h̥e:ri d̥e:ləkə əp̥it̥u əpən̥ə ələgə r̥a:d̥z̥iən̥əit̥ikə
pəh̥it̥ʃa:n̥ə a: p̥ət̥h̥ə ke: s̥əke:t̥ə s̥e:h̥io: d̥əʃ d̥e:n̥e: t̥ʰələ.

e:kəra pəriṇa:mə svəru:pə i: bʰe:lə dʒe: bəhiṭṭe: e:hiṇṇə
lo:kə sʌbə dʒe: e:kʰəṇṇə təkə əi sʌstʰa: a: e:kəra: sʌ:
dʒudələ sʌdʌsʒə sʌbə ke: prəʃṣa: ke: pulə ba:ṇṇi rəhiələ
tʰələ:hiə sʌ: sʌbə a:bə hiṇṇaka: sʌbə ke:
gərija:bə' ləgələ:hiə, pi:lija: ro:gə (pi:jərə rʌgəkə vəstʰəkə
ka:rəṇṇə) tʰə/ ki tʰə/ kəhiṇṇā: kəhiṇṇa:ɪ ʃuru: kəʃ dʌ:ṇe:
tʰələ:hiə. mudda: e:məe:sʌju: əpəṇṇə ələgə ba:tə dʰe:ṇe:
rəhiələ.

məi: 2019 me: e:məe:sʌju: e:kəta: a:rə dʒvələtʰə
mudda: (mɪtʰila: me: dʒələ sʌkətə) a: po:kʰəri sʌbə ke:
ətʰkrəməṇṇə ke: ləʃ kəʃ/#po:kʰəri_bətʰa:u dʒəṇṇə
dʒa:gəru:kəta: əbhija:ṇṇə tʰələ:ṇe: tʰələ. iṇo: hiṇṇərə
kəʃsəṇṇə ke: mudda: tʰələ a: əi əbhija:ṇṇə me: bʰa:gə
ṇe:ṇe: rəhi:.

əgəstʰə 2017 ke: ba:tʰi ra:hiətʰə ke: ba:də e:məe:sʌju: ke:
e:kəta: a:rə sʌra:hiṇṇi:jə ra:hiətʰə ka:rjə dʒu:ṇṇə 2019 me:
tʰəməki: bukʰa:rə ke: dʌura:ṇṇə dʌ:kʰələ ge:lə tʰələ.
pʰe:rə ko:ro:ṇṇa: a:dʒi ka:lə me: ʃəṇṇəhi ʃəṇṇəhi sʌstʰa:
mɪtʰila: ke: kiṭʰu kʌe:tʰə a: dʒilli:-mūbəi: məhi:ṇṇəgərə
me: əpəṇṇə prəbʰa:və a: ka:rjə sʌ: sʌ:ma:dʒikə a:
ra:dʒəṇṇəitʰkə dʒuṇṇu: kʌe:tʰə me: əpəṇṇə hiṇṇəkʌe:pə
dʌ:kʰe:ba: me: sʌkʌmə rəhiələ. piṭʰələ: pətʰa:jəti:
tʰuṇṇa:və me: e:məe:sʌju: kiṭʰu dʒila: me: bədhɪ-tʰə
kəʃ hiṇṇa: le:ləkə a: dʒila: pa:rʌdʌ, sʌrəpətʰi sʌhiṭṭə
əṇṇe:kō: pəṇṇə pərə e:məe:sʌju: ke: a: e:məe:sʌju:
sʌmərɪtʰiṭṭə dʌrdʒəṇṇo: ummi:dʌva:rə əpəṇṇə vidʒəjə
pətʰa:ka: pʰəhiərə: kəʃ sʌ:biṭṭə ke:ləṇṇi dʒe: əi sʌstʰa: ke:
ra:dʒəṇṇəitʰkə itʰiṭʰa:ʃəkti sʌ:hi: kʰu:bə mədʒəgu:tə

तृणैकं अः राःदृत्रैणैतृकं दृत्रैणै स्रमैरुहैणै बहैःतृणैः
तृणैःलुः बहैः/गेःलै तृणैकं. अि मेःस्रै दृभिःरैदृत्रै कुमाःरै अः
स्राःगैरै नृषुवैदृजाः स्रणै हिमैरै प्रिजै नृःतृः गणै बहिः
जाःमिलै तृणैतृभि. दृत्रै प्रैकाःरैः राःदृत्रैणैतृकं रुःपैस्रै िः
स्रैस्रैतृहाः मिःतृभिलाःकै मुद्दुः केः लै/कै/अःगुः बहैः रैहैलै
तृणैतृभि हिमैरैः ऐःकैतृः उम्मीःदृकै रौःजैणैः लैःगै अतृभि
जैदृ बहैःवैस्रै मेः िः ितृभिलाः, बहैःरैस्रैःतृणैःरै, दृत्रैःतृषुःदृ
अःदृकै तृणैगुलै मेः नृः पैरै तृषु.

ऐःमैःस्रैजुः दृषुःराः स्राःमाःदृत्रैकै पुनैरदृत्रैःगैरैणै केः
लैःलै बहिः कैःरैःकै तृः स्रैरैःहैणैःजै प्रैजैःगै कैलै गेःलै
दृत्रैःणैः मिःतृभिलाः केः दृत्रैः अःकैणैकै तृभिःस्रै
पुरुःषै, दृःवैतृः-पृःरै, स्रैतृःतृःतृः स्रैःणैःणैः अःदृ बहैःलैः
हिणैकैः स्रैबहै केः विस्रैजै मेः स्रैःजैलै मिःदृजाः अः दृत्रैणै
अःभिजाःणै केः माःदृभैजैमैस्रै स्रैमाःदृत्रै मेः
दृत्रैःगैरुःकैतृः पैदृः कैरैबाःकै प्रैजैतृणै. 'दृत्रैःणैकिः
नृषुवैमिः' उःस्रैःवै केः अःजैःदृत्रैणै अि स्रैदृरैबहै मेः मिःलै केः
पैःतृःरै स्राःबिःतृ बहै/रैहैलै अतृभि. िः उःस्रैःवै मैःतृभिलाः स्रैबहै
मेः ऐःकैदृत्रैतृः, अैणै पैहिःतृणैःणै अः पुनैरदृत्रैःगैरैणै
हैःतृ ऐःकैतृः नृषु पुःलैकै नृःमाःणै कै/स्रैकैः. ऐःहि
उःस्रैःवैकै िरुःःतृ केः तृलैणैः हिमै लैःकैमाःणै तृलैकै
दृत्रैः दृषुःराः मैःहैःराःस्रै मेः िरुः कैलै गैणैःजै उःस्रैःवै
स्रैः कैरै/तृणैःहैबै.

हिमै अि स्रैस्रैतृहाः केः िबुःहैःतृत्रैणु तृभिः तृःतृहाःपृः वैरुःमाःणै
मेः अि स्रैस्रैतृहाःकै किःत्रैणु कैमिः दृत्रैः हिमैरैः नृःदृत्रैः मेः
अतृभि स्रैः उल्लैःकै कैरै/तृणैःहैबैः

1) जैदृजैः हिमैरैः अि स्रैस्रैतृहाः केः पैदृःदृभिकाःरिः जाः स्रैदृःस्रै
स्रैबै केः वैजैःवैःरै मेः दृत्रैःतृषुःदृजैः जाः स्राःप्रैदृःजैकै
हिःबाःकै कौःणैः लैःकैणै नृः दृःकैःः अतृभि अः नृः हिमै

e:fiəŋə ma:nəi tʃi:, tətʰa:pi dʒe: ka:rəŋə fi:ɪkə mudɑ: əi
ʃəstʰa: me: e:kʰəŋə ʃəma:dʒə ke: vɪbʰɪŋŋə
vərgə/ʃəprəda:jə/məfiɪla: a:ɖi ke: rɪpre:dʒe:te:fəŋə o:i
əŋupa:tə me: dʒɪstɪgo:tʃərə ŋəi bʰəʔ rəfiələ ətʃi dʒe:
fi:ba:kə tʃa:fi:. ətəhə ʃəstʰa: ke: əi pərə vɪtʃa:rə
kərəba:kə tʃa:fi: dʒe: əi me: ʃəma:dʒə ke: vɪvɪdʰə vərgə
ke: rɪpre:dʒe:te:fəŋə bətʰəi a: kijəu e:kəra: vɪfɪstə vərgə
ja: dʒa:tʃva:dʒi: ʃəstʰa: fi:ba:kə a:ro:pə ŋəi ləga:bəi.

2) tʰi:kə e:fiŋɑ: mɪtʰɪla: ke: rɪpre:dʒe:tə kərəba:kə dɑ:va:
kərəjə bəla: i: ʃəstʰa: va:stʰəvə me: e:kʰəŋə dʰəri
dʰərəbʰəga:-mədʰubəŋi:-ʃəfiərəʃɑ: a:ɖi dʒɪla: təkə fi:
əpəŋə prəbʰa:və bəŋɑ: ʃəkələ ətʃi. mɪtʰɪla: ke: bəfiutə
ra:ʃə dʒɪla: me: e:kʰəŋə e:kərə ko:ŋo: prəbʰa:və ŋəi ətʃi.
fiəmərə grɪfiə dʒɪla: be:gu:ʃərə:jə ke: le:lə a:ɖitʃə
mo:fiəŋə dʒi: bəfiutə dʒiŋə pəfiŋe: kəfiŋe: tʃiələ:fiə dʒe:
be:gu:ʃərə:jə fi:kə bʰe:tɪ ge:lə dʒəldʒi:e: ʃəstʰa: o:təʔ
prəbʰa:vi: bəŋətə. mudɑ: e:kʰəŋo: be:gu:ʃərə:jə ke:
gā:və me: lo:kə e:məe:ʃəju: ke: ŋɑ:mə təkə ŋəi dʒa:ŋəi
tʃiəi. əi ma:mɪla: me: bʰi: e:məe:ʃəju: ke: me:fiŋətə
kərəba:kə dʰərəka:rə tʃiəikə a: ədʰɪka:dʰɪkə dʒɪla: me:
əpəŋə mədʒəbu:tə upəstʰɪtɪ dʰərdʒə kərəba:kə tʃiəikə.

3) e:kəta: a:rə ʃəməʃja: dʒe: fiəmərə: ŋədʒəri me: tʃiəikə
o: i: ki kəikə be:rə ko:ŋo: gələtɪ: bʰe:la: pərə ʃəstʰa:
ʃte:pə bəikə kərəba: ke: stʰa:ŋə pərə əpəŋə gələtɪ: ke:
dɪfē:də kərəʔ/me: la:gi dʒa:jə tʃiəikə. uɖɑ:fiərəŋə ke: le:lə
ki tʃiə dʒiŋə pəfiŋe: məŋi:ʃə kəʃjəpə ŋɑ:mə ke: e:kəta:
ju:tju:bərə ke: dʒa:ra: e:kəta: pʰe:kə vi:dɪjo: dʒəi me:
kəfiələ ge:lə tʃiələ ki tʃəmiŋə:ɖu: me: bɪfi:ri:

mədʒədu:rə ke: ka:tələ dʒa: rəhələ tʃhəikə, e:məe:ʃəju: əi
ma:məla: a: tʃəmɪləŋɑ:du ke: vɪro:ɖhə kərəʃ le:lə
ā:ɖo:ləŋərətə bʰe:lə. dʒəɖdʒi:e i: dʒhə:ʃhə pəkətələ ge:lə.
a:dʒukə ʃəməjə me: ʃtʃhətʃi i: tʃhəikə dʒe: əksəərəhā: kɪjəu
pʰe:kə ŋju:dʒə ke: ʃika:rə bʰəʃʃəkəie:. mudɑ: e:kəbe:rə
vɑ:ʃtəvɪkətɑ: ke: bʰɑ:ŋə bʰe:lɑ: pərə ʃte:pə bəikə kərəbɑ:
me: ko:ŋo: khəra:pi: ŋəi tʃhələ. mudɑ: ʃtʃhə: tʃhə:pi ŋəi
ʃɪrphə tʃəmɪləŋɑ:du: bʰəvəŋə ke: gʰe:ra:və pərə ətələ
rəhələ əpɪtʃu məŋi:ʃə kəʃjəpə ʃəŋə pʰe:kə ŋju:dʒə
pʰələbe: bələ: ke: ʃəmərʃhəŋə me: a:bɪ ge:lə. hāmərə:
la:gəi ətʃhɪ dʒe: ʃtʃhə: ke: əiʃtʃə bətʃəbɑ:kə tʃhə:hi:.

4) kɪe: kɪ vətʃəma:ŋə mɪtʃhɪla: ke: bʰu:mɪ dʒəhā: mɪtʃhɪla:
ke: vɑ:ʃtəvɪkə muddɑ: pərə bɑ:tə kərəjə bələ: bəhɪtə
kəmə ʃtʃhə: tʃhəikə. e:məe:ʃəju: ʃəŋə ʃtʃhə: kəɖɑ:tʃhɪtə
bʰəvɪʃjə me: mɪtʃhɪla:kə rɑ:dʒəŋi:tʃ me: e:kətɑ:
ʃɑ:kɑ:rɑ:tʃməkətɑ: la:bəʃ me: ʃəpʰələ ʃɪɖɖhə bʰəʃ ʃəkəi
ətʃhɪ a: e:hi: a:ʃɑ: me: hāmərə: ʃəŋə lo:kə ʃəbə e:kərə
muddɑ: a:ɖhɑ:rɪtə ʃəmərʃhəŋə kərəɪtə rəhəɪtə tʃhɪ: a:
bʰəvɪʃjə me: be:ʃi: vɑ:ɪbre:ŋtə be:ʃi: ʃəʃəktə a: be:ʃi:
prəbʰɑ:vəʃɑ:li: a: rɪdʒəɪtə o:rɪē:te:ɖə hɪo:tʃhɪ tʃəkərə
ʃubʰəka:məŋɑ: dʒəɪtə tʃhɪ:.

əpəŋə
mɪtʃhɪla: editorial.staff.videhā@gmail.com **pərə**
pəʃhə:u.

2.9. a: tʃa: rja ra: ma: n̄d̄a m̄d̄alə- miṭh̄ila: s̄tu: d̄ē: t̄s̄a
ju: n̄j̄aṇ̄ə b̄aṇ̄a: m̄a miṭh̄ila: ra: d̄ʒ̄j̄ə!



a: tʃa: rja ra: ma: n̄d̄a m̄d̄alə

miṭh̄ila: s̄tu: d̄ē: t̄s̄a ju: n̄j̄aṇ̄ə b̄aṇ̄a: m̄a miṭh̄ila: ra: d̄ʒ̄j̄ə!

ṇa: u s̄e: bud̄ʒ̄h̄a: j̄ə kɪ miṭh̄ila: s̄tu: d̄ē: t̄s̄a ju: n̄j̄aṇ̄ə (e: m̄a
e: s̄a ju:) miṭh̄ila: ju: n̄j̄aṇ̄ə s̄ti: ke: s̄tu: d̄ē: t̄s̄a ke: ko: ṇ̄o:
ju: n̄j̄aṇ̄ə h̄əj̄ə. d̄h̄i: re: d̄h̄i: re: d̄ʒ̄a: ṇ̄ə ka: ri: b̄h̄e: lə kɪ 2015
s̄t̄h̄a: piṭ̄ə i: miṭh̄ila: k̄s̄e: t̄r̄ə ke: viḍ̄ja: r̄t̄h̄i: ke: ḡa: r̄ə
ra: d̄ʒ̄aṇ̄i: t̄k̄ə s̄tu: d̄ē: t̄s̄a ju: n̄j̄aṇ̄ə h̄əj̄ə. p̄ə r̄iṭ̄u i: ju: n̄j̄aṇ̄ə
pu: ra: miṭh̄ila: ke: a: t̄ʃ̄t̄h̄a: d̄iṭ̄ə t̄ə ṇ̄ə h̄i: je: k̄ə r̄i: j̄ə h̄əj̄ə.
vi: fe: s̄ə k̄ə r̄ə m̄ə d̄h̄u b̄ə ṇ̄i: - d̄ə r̄ə b̄h̄iḡa: me: p̄r̄ə b̄h̄a: viṭ̄ə h̄əj̄ə.
s̄tu: d̄ē: t̄s̄a ju: n̄j̄aṇ̄ə s̄tu: d̄ē: t̄s̄a ke: le: lə
k̄ə m̄ə , ra: d̄ʒ̄aṇ̄i: t̄k̄ə ā: d̄o: l̄ə ṇ̄ə ke: le: lə d̄ʒ̄i: d̄a: s̄ə k̄ri: j̄ə
d̄i: k̄h̄a: i: p̄ə r̄iṭ̄ə h̄əj̄ə. uḍ̄a: h̄i: r̄ə ṇ̄ə ke: le: lə miṭh̄ila: ra: d̄ʒ̄j̄ə
ṇ̄i: r̄ma: ṇ̄ə ā: d̄o: l̄ə ṇ̄ə.

kut̄h̄ə m̄ə h̄i: ṇ̄a: p̄ə h̄i: le: d̄i: l̄i: ke: d̄ʒ̄iṭ̄ə r̄ə- m̄iṭ̄ə r̄ə p̄ə r̄ə
p̄r̄ə d̄ə r̄i: j̄ə k̄ə r̄i: le: r̄ə h̄i: l̄ə. miṭh̄ila: ke: kut̄h̄ə s̄ā: s̄k̄ri: t̄k̄ə

सङ्गहा सङ्गत्हाणं बग्गा: बाग्गारं के: जा:मिलं बहे:लं रंहाजं.
 पारत्तु प्रदत्तंणं प्रबहा:वका:रि: सा:बित्तं नं
 बहे:लं, ए:करं का:रंणं इ: क्कं ए:कं त्तं जु:ग्गंणं मित्तिला: के:
 सभहा द्धिंला: के: जा:मिलं नं करं पा:जलं. सङ्गत्हाणं विसत्ता:रं
 के: अबहा:वत्तं क्कत्तकलं. सारवामा:ग्गं न्ने:त्तित्तं नं द्धिक्कहा:रि:
 पत्तलं. जु:ग्गंणं मे: सारववर्गं के: प्रत्तग्गंणं के:
 अबहा:वत्तं द्धिक्कलं. को:ग्गं: जु:ग्गंणं के: अ:दो:लंणं के:
 सपभलत्ता: सभहा वरगं के: बहा:ग्गि:द्वारि: अ: विस्वा:सं पारं
 ग्गि:रं करंजं हांजं. उद्व:हाणं सारु:पां द्धि:रंक्कद्वं अ:
 त्त:लंगा:ग्गं. अ:दो:लंणं त्तं सपभलं बहे:लंजं द्धि:रं सभहा
 वरगं के: बहा:ग्गि:द्वारि:, विस्वा:सं अ: सारवामा:ग्गं न्ने:त्तित्तं
 मिलंलंजं.

बहा:रत्तं के: अ:द्वि:द्वि: त्तं मिलंलं द्धि:रं ग्गं:द्वि: द्धि: के:
 न्ने:त्तित्तं मे: अ:दो:लंणं बहे:लंजं. ओ:ग्गं: त्तं अ:दो:लंणं
 1857 सं: हि:त्तं रंहाजं, पारत्तु अ:द्वि:द्वि: 1947 मे:
 मिलंलं. अ:द्वि:द्वि: के: दो:सं अ:दो:लंणं द्धि: त्तं:त्तं
 अ:दो:लंणं रंहाजं. ओ:हि: गुद्वि:रं:त्तं के: त्तं:त्तं सं त्तं:त्तं
 अ:दो:लंणं. द्धि:रं 1974 मे: लो:कं:जं द्धि:रं प्रका:जं
 ग्गं:रं:जं द्धि:रं न्ने:त्तित्तं मिलंलं त्तं द्धि:रं के:
 अ:पा:त्तं:लं के: विसुद्वं रं:सत्तं:रि:जं संपु:ग्गं क्कं:त्तं
 अ:दो:लंणं 1977 मे: सपभलं बहे:लंजं.

मित्तिला: स्तु:द्वि:त्तं जु:ग्गंणं के: रं:द्वि: ग्गं:ग्गं
 अ:दो:लंणं के: सपभलत्ता: के: ले:लं पुग्गं:रं करं: के:
 अ:वत्तं:त्तं: द्धि:रं पत्तंजं हांजं. सभहा सं: पं:ले:
 जु:ग्गंणं के: ग्गं:रं: -द्वि: द्धि:रं क्कं ले: द्धि:रं पारं
 विसुद्वं. ओ:ग्गं: इ: हि:त्तं:त्तं लं:जं हांजं. जु:ग्गंणं के:
 सभहा द्धिंला: मे: प्रक्कद्वं सत्तं त्तं गत्तंणं करं: के:
 अ:वत्तं:त्तं: हांजं. त्तं सारवसंमत्तं सं: रं:द्वि:

ka:ɾjəka:ɾŋi: ke: gəɭʰəŋə. miɭʰiɾla: sɽu:dē:ɭsə ju:ŋjəŋə ke:
sā:sɽkriɭkə a: ra:dʒiŋi:ɭkə s̄əgəɭʰəŋə s̄e: miɾəke: e:go:
mədʒəbu:ɭə mo:ɾɭfā: bəŋa:ŋa: a:vəɭjəkə hiəjə. ɭəbə
ka:ɾjəkrəmə a: s̄əbəs̄e: məhiəɭvəpu:ɾə ra:dʒiəɭs̄təri:jə
ŋe:ɭriɭvə dʒe: ɭʰa:ɭrə s̄e: viɾəgo: hiə: s̄əkəijə hiəjə. dʒe:
s̄əɾvəmə:ŋjə a: pɾəbʰa:vəkā:ri: vjəkɭɭvə ke: hiə:jə. ɭəbe:
dʒā:ke: miɭʰiɾla: sɽu:dē:ɭsə ju:ŋjəŋə ke: miɭʰiɾla: ra:dʒiə
ŋiɾma:ŋə ā:dɔ:ləŋə ke: s̄əpʰələɭtā: əs̄əɖiɾgdʰə rəhiəɭə.

əpəŋə

māɭtəvjə editorial.staff.videhə@gmail.com **pəɾə**
pəɭʰa:u.

2.10.ɖə kəiɾa:fə kuma:ɾə miɾrə-miɭʰiɾla: sɽu:dē:ɭə
ju:ŋjəŋə: d̄əɭfā:, d̄iɭfā: a: ŋe:ɭriɭvə



də kəila:ʃə kuma:rə miʃrə-ʃəpərkə-9810326983
miʃhila: ʃtu:dē:tə ju:njəŋə: dʒa:, dʒa: a: ŋe:ʈritvə

miʃhila: ʃtu:dē:tə ju:njəŋə (e:mə e:ʃə ju:) ke:rə prəjo:ɡə
dʒəʈi pərekə məiʃhila a: prəva:ʃi: məiʃhila le:lə e:kə
miʃritə əŋubʰu:tʃ əŋələkə. əhi pərə kiʃʰu likʰəba: ʃə
puruə kiʃʰu ba:tə ʃpəʃtə kərəbə əŋvə:rjə. hāmərə: əgərə
putʰələ dʒa:jə dʒe: miʃhila: a: məiʃhila le:lə ka:rjə kərəjə
bəla: ʃəʃtʰa: ʃəbʰə me: ʃəbʰə ʃə uttəmə əhā: kəkəra:
məŋəʈtə tʰi:, tə hāmərə uttərə hē:tə "miʃhila: ʃtu:dē:tə
ju:njəŋə ". jədjəpi i: uttərə əhi dʒa:re: hi:jəʃtə dʒe:
miʃhila: a: məiʃhili: le:lə kuŋo: ʃəʃtʰa: bəhiʃtə gəmbʰi:rə
ŋəhi əʃʰi. bi:tʃə me: ʃəkʰi: bəhiŋəpa: ʃəmu:hiə ʃə a:ʃə
dʒa:ɡələ tʰələ mudə: o: ʃəbʰə rəʃtəŋə:tʰəkə ʃuŋjə a:
pu:ŋəkə:likə utʃəvədʒəŋjə ʃəmu:hiə bəŋlə dʒa: rəhiələ
tʰəʃtʰi. miʃhila: ʃtu:dē:tə ju:njəŋə ba:dʰi a: kiʃʰu hiəʃ
təkə vima:ri: a: ko:ro:ŋa: ka:lə me: jəʃtʰa:ʃəbʰəvə ŋi:kə
ka:dʒə ke:ŋe: əʃʰi mudə: e:kərə dʒa: dʒe:ŋa: gəmbʰi:rə
ŋəhi rəhiələ hi:. vjəktʃ vʃe:ʃə e:kəra: pərə hi:vi: rəhiələ
tʰəʃtʰi. vjəktʃ vʃe:ʃə me: ədʰikā:ʃə lo:kə bīlo: e:vəre:dʒə
ʃtərə ke:rə tʰəʃtʰi. i: vidjə:rʰi: ke:rə e:hi:ŋə ʃəʃtʰa: əʃʰi
dʒa:hi me: vidjə:rʰi: kəmə a: əŋjə lo:kə ədʰikə tʰəʃtʰi.
ŋi:kə kəle:dʒə, ʃtʰa:ŋə ke:rə vidjə:rʰi:, gəmbʰi:rə
vidjə:rʰi: a: ʃəbə vərgəkə vidjə:rʰi: e:hi ʃəʃtʰa: ʃə ʃəʃtə
dʒu:ri: bəŋe:ŋe: rəhiəʃtə tʰəʃtʰi. a:ro: bəhi:tə ba:tə ʃəbə
əʃʰi.

tʃəlu: pra:rəmbʰə ŋi:kə dʒəʃtəvʃə ʃə kərəʃtə tʰi:. e:m e:ʃə
ju: pəhilə be:rə e:kə ʃe:tʃu: bəŋlə prəva:ʃi: məiʃhila a:
dʒəʈi me: rəhiəʃtə məiʃhila ke:rə bi:tʃə. pəhilə be:rə e:hi

ugro: ru:pə d̪ʰa:rəŋə kəɾəɪtə bəɦutə a:ga: d̪ʰəri d̪ʰi:
 ʂəkəɪtə ət̪ʰi. pəɦilə be:rə əɦi t̪əɾəɦiē: məɦt̪ʰilə ʂəbʰəkə
 t̪ʰu:ɾa: d̪əɦi: kʰa:ɪtə a: ʂu:stə rəɦəɪtə ime:d̪ʰiə ʂ
 kɾəŋt̪ʰika:ri: ke:rə ime:d̪ʰiə ke:rə me:kigə ʃuru:
 bʰe:lə. ʂəbə kʂe:t̪əkə lo:kə ud̪a:rə ɦio:ɪtə e:ɦi ʂōst̪ʰa:
 ʂōgə d̪ʰu:ɾe: ləgəla:ɦə. jədjəpɪ vɪd̪vɑ:nə vərgə ŋəɦije:
 d̪ʰəkā: əe:lɑ:ɦə. kɪt̪ʰu e:k̪t̪vɪʂt̪ʰə ʂəbə d̪ʰəru:rə a:ga:
 əe:lɑ:ɦə. əɦi ʂōst̪ʰa: ke:rə kəŋəd̪ʰa:rə ʂəbə ŋəɦũ-ŋəɦũ
 əŋjə ʂōst̪ʰa: ʂəbə ʂōgə ʂəməŋvəjə bəŋɑ:bəjə
 ləgələŋ. ka:d̪ʰiə a:ga: bəɾʰəɪtə ge:lə. i: mɪt̪ʰila: ʂtu:d̪ē:tə
 ju:ŋjəŋə ke:rə prəbʰa:və t̪ʰələ d̪ʰi: d̪ʰi: a: d̪əɾəbʰəga:
 ke:rə ʂōst̪ʰa: d̪ʰi: lo:kə ʂəbʰə pəɦvɑ:rə ke:rə pəkə:tə
 ke:rə ʂōst̪ʰa: d̪ʰəkā: ʂu:stə bʰe:lə t̪ʰələbəɪtə t̪ʰələ:ɦə ʂe:
 ʂəbə e:kɑ:e:kə ʂɑ:kā:kʂə bʰə ge:lɑ:ɦə. əkʰilə bʰa:rət̪i:jə
 mɪt̪ʰila: ʂōgʰəkə t̪ə bəɦutə ɦəd̪ə d̪ʰəri d̪ʰi:ŋo:d̪d̪ʰa:rə
 bʰə ge:ləɪkə. e:t̪əbe: ŋəɦi mɪt̪ʰila: ʂtu:d̪ē:tə ju:ŋjəŋə
 ke:rə ʂe:ŋɑ:ŋj: ʂəbə bɪɦɑ:rə a: pu:rvi: ut̪t̪ərə prəd̪e:ʃəkə
 əŋjə bʰa:ʂɑ: a: bo:li: d̪ʰi:ŋɑ: kɪ
 bʰo:d̪ʰəpuri:, məgəɦi:, əvəd̪hi: a:d̪i le:lə prəmə:nə a:
 əŋkəɾəŋi:jə d̪iʂtɑ:ŋt̪ə bəŋlə ge:lə. kɪt̪ʰu lo:kə e:ɦi
 kɑ:rəŋe: ʂe:ɦo: e:ɦi ʂōst̪ʰa: ke:rə ʂe:ŋɑ:ŋj: ʂəbə ʂōgə
 i:ɾʂɑ: kəɾəjə la:gələ mud̪ɑ:, mɪt̪ʰila: ʂtu:d̪ē:tə ju:ŋjəŋə
 ke:rə ka:d̪ʰiə t̪ʰələɪtə rəɦələɪkə. ʂəməjə t̪ʰələɪtə
 rəɦələɪkə. ʂəməjə bəɾʰəɪtə rəɦələɪkə. t̪ʰələɪtə a: bəɾʰəɪtə
 ʂəməjəkə gət̪ ʂō ʂōst̪ʰa: gət̪mɑ:nə ɦio:ɪtə
 rəɦələ. be:gu:ʂɑ:rɑ:jə, ʂəɦərəʂɑ:, ʂupəulə, ko:ʃi: əɾt̪ʰa:tə
 mɪt̪ʰila: ke:rə po:rə-po:rə ʂō əpəŋɑ: a:pəkə: d̪ʰo:ɾəɪtə
 rəɦələ.

a:bə kɪtʃu ba:tə dʒe: hāmāra: gələtə ləgətə ətʃi təkəra:
 dʃə dʃja:nə de:bə ʃe:ho: a:vəʃjəkə ətʃi. mɪtʃɪla:
 ʃtu:dē:tə ju:njənə tʃa:hijo: kə brəhāmənəkē:dʃitə a:
 bra:himənə ʃə ʃəmpo:ʃitə ʃəstʃa: bəṇalə rəhələ ətʃi.
 e:kʰənə dʰəri dʰrija:dʒli: de:kʰəbətə e:kəu tʃa: ədʒəkʃə
 ənjə dʒa:tʃi ətʰəva: vərgə kɪva: ʃəmuɖa:jə ke:rə lo:kə kē:
 nʰi de:lə ge:lə ətʃi. bra:himənə:tərə dʒa:tʃi ke:rə lo:kə
 a: vɪdja:rtʃi: me: e:kʰəno: i: ba:tə gʰərə ke:nɛ: tʃiəkə
 dʒe: ʃā:ʃkɪtʃkə gətʃvɪdʒi pərə bra:himənə a: tʃa:hi: me:
 dʰərəbʰəga: mədʰubənjɪ: ke:rə bra:himənə ke:rə e:kəkʃətʃə
 ra:dʒjə tʃiənɪ. dʰurbʰa:gjə ʃə e:mə e:ʃə ju: e:hi
 ma:njətʃa: ke: nɪrətʃəkə ʃa:bitə nʰi kə ʃəkələ. ulətɛ:
 ʃtʃa:pəṇa: vərgə ʃə a:i: dʰəri ke:vələ dʰərəbʰəga: a:
 mədʰubənjɪ: zɪla: ke:rə bra:himənə e:kərə ədʒəkʃə
 bəṇətʃə rəhələnɪ. pəriṇa:mə i: bʰe:lə dʒe: dʰərəbʰəga:
 mədʰubənjɪ: ke:rə əla:və: ənjə zɪla: ke:rə lo:kə a:
 bra:himənə:tərə dʒa:tʃi a: ʃəmuɖa:jə e:hi ʃəstʃa: ʃə
 əpəṇa: a:pəkə: ʃəhədʒətʃa: ʃə nʰi dʒo:ɾi pa:bi rəhələ
 ətʃi. e:kə ba:tə əvəʃjə bʰe:lə tʃiəkə dʒe: ʃa:hitʃə a:
 ʃəʃkɪtʃi ke:rə kʃe:tʃə me: bra:himənə:tərə dʒa:tʃi ke:rə
 lo:kə a:bə ʃa:kā:kʃə bʰe:lə dʒa: rəhələ tʃiətʃi. ʃa:hitʃə
 əka:dəmi: ke:rə ʃəjo:dʒəkə nətʃike:tʃa: dʒi: bəṇalə
 tʃiətʃi. pəhɪlə be:rə ʃəhərəʃa: (ʃupəulə a:dʒi) ke:rə
 lo:kə, ʃəbə vərgə ke:rə pətʃnɪdʒi ke:rə tʃəjənə o: ke:lənɪ
 ətʃi. dʒəgəɖi:ʃə pərəʃa:də mənɖələ ke:rə ʃa:hitʃə
 əka:dəmi: bʰe:təbə ʃe:ho: e:kə nʰəvə ʃā:ʃkɪtʃkə
 unʃəjənə ke:rə pəritʃa:jəkə ətʃi. pəhɪlə be:rə nʰəvə rətʃə
 ke:rə tʃəjənə me: lo:kə ʃəhi: vjəkʃtʃə ke:rə a:bʰa: de:kʰə
 rəhələ ətʃi. ʃəətʃə mɪtʃɪla: ra:dʒjə le:lə ʃe:ho: a:bə
 bra:himənə:tərə dʒa:tʃi ke:rə lo:kə a:ga: a:bi rəhələ tʃiətʃi.

vɪfɛ:ʂə ru:pə ʂə dʒi:ɦɪ t̪əɾəɦɛ̃: ɦɪ: ro:ɦɪt̪ə ja:d̪əvə e:ṽə əŋjə
 juvəkə mɪt̪ɦɪla: ke:rə ga:me: ga:mə gʰu:mɪ lo:kə ʂəbʰəkə
 d̪ja:n̪ə ʂvət̪əʂt̪ə mɪt̪ɦɪla: ra:d̪ʒə le:lə d̪ʒəga: rəɦələ t̪ɦəʂt̪ɦɪ
 ʂe: əŋpukəɾəŋi:jə la:ɡɪ rəɦələ ət̪ɦɪ. mud̪a: e:ɦɪ pəɦvət̪əŋə
 me: mɪt̪ɦɪla: ʂtu:d̪ɛ̃:t̪ə ju:ŋjəŋə ke:rə ku:ŋo:
 məɦət̪vəpu:ŋə jo:ɡəd̪a:n̪ə ŋəɦɪ t̪ɦəɦkə.

ɦməɦərə d̪u: t̪i:n̪ə vəɾʂə ʂə mɪt̪ɦɪla: ke:rə a:ɪd̪ɛ̃:t̪ɪ: ke:
 ʂi:t̪a: ʂəgə d̪ʒo:t̪əba:kə pɾəja:ʂə bʰə rəɦələ ət̪ɦɪ. e:ɦɪ
 be:rə d̪ʒe:n̪a: əŋe:kə ʂəʂt̪ɦa: ʂəgə mɪt̪ɦɪla: ʂtu:d̪ɛ̃:t̪ə
 ju:ŋjəŋə a: ga:mə gʰəɾəkə ʂəʂt̪ɦa: ʂəbə d̪ʒi:n̪əki:
 ŋəvəmi: pəɾə d̪ʒe: ka:rjə kəe:ləŋɪ ət̪ɦɪ t̪a:ɦɪ ʂə ləɡəɦt̪ə ət̪ɦɪ
 d̪ʒe: bəɦɦut̪ə ɦi:gʰrə d̪ʒi:n̪əki: ŋəvəmi: bʰa:rət̪ə a: ŋe:pa:lə
 ke:rə mɪt̪ɦɪla: le:lə kəlt̪əɾələ a:ɪd̪ɛ̃:t̪ɪ: ke:rə ʂəɦvəma:ŋjə
 ut̪ʂəvə bəŋɪ d̪ʒi:e:t̪ə d̪ʒe:n̪a: bəɦɦa:kɦi: pə̃d̪ʒi:bə le:lə.
 əɡəɾə t̪əʂt̪ɦə bʰe:lə d̪e:kɦi: t̪ə e:ɦɪ ka:rjə le:lə əŋe:kə
 ʂəʂt̪ɦa: ʂəgə mɪt̪ɦɪla: ʂtu:d̪ɛ̃:t̪ə ju:ŋjəŋə ʂe:ɦo:
 ət̪ɦɪ. kuŋo: i: kəlpəŋa: e:kəre: ma:t̪rə ŋəɦɪ t̪ɦəɦkə. ʂe:
 d̪ʒe: ɦo:, ʂəɦəja:t̪ɦɪ: t̪ə bəŋe: rəɦələ t̪ɦəɦkə.

mɪt̪ɦɪla: ʂtu:d̪ɛ̃:t̪ə ju:ŋjəŋə ke:rə d̪ʒəkʰəŋə ŋɦɦma:n̪ə
 ke:rə ɦəɦvəvə əvəʂt̪ɦa: rəɦəɦkə t̪ə ʂəvɪd̪ɦa:n̪ə me:
 pɾa:vəd̪ɦa:n̪ə rəɦəɦkə d̪ʒe: e:kə vjəkt̪ɪ ma:t̪rə e:kə ʂa:lə
 le:lə əd̪ɦjəkʂə ɦe:t̪a:ɦə. d̪o:ʂəɾə ʂa:lə əɦt̪ɦa:t̪ə pɾət̪ɪ vəɾʂə
 ŋəvə lo:kəkə t̪əjəŋə (t̪ɦuŋa:və) d̪və:re: ɦəe:t̪ə. mud̪a:
 kɪt̪ɦue: d̪ŋəkə bə:t̪ə e:ɦɪ əŋp̪t̪ɦe:d̪ə me: ʂəʂo:d̪ɦəŋə
 bʰe:ləɦkə a: lo:kə a:bə 2 vəɾʂə d̪ɦəɦ t̪əjəŋp̪t̪ə bʰə rəɦələ
 t̪ɦəʂt̪ɦɪ. i: kuŋo: ut̪ki:ŋa: bəla: bə:t̪ə ŋəɦɪ bʰe:lə.

ʂəkɦi: bəɦɦŋəpa: ke:rə vɪʂt̪a:rə a: məɦɦla: vəɾgə mə:
 ut̪ʂa:ɦə d̪e:kʰəɦt̪ə la:ɡɪ rəɦələ ət̪ɦɪ d̪ʒe: məɦt̪ɦɪla:ŋi: a:ɡa:

a:bi rəhələ tʃəʔtʃi. miʔtʃi:la: sʃu:dē:tə ju:ɲjəŋə mudɑ: e:kə
e:fi:ŋə məhi:la: ke:rə tʃəjəŋə ŋəhi kə ʃəkələ ətʃəva: ŋəhi
kərəjə tʃa:hiətə ətʃi dʒe: miʔtʃi:la: sʃu:dē:tə ju:ɲjəŋə
ke:rə bʰa:rə vəhiŋə kə ʃəkəʔtʃi. əgərə kuŋo: məhi:la:
e:kərə ədʒəkʃə bʰə dʒa:tʃi tə məhi:la: vərgə me: kra:ŋtʃi
a:bi ʃəkəʔtə ətʃi ʃəgəhi ʃəʃtʃa: ke:rə ka:ja: pələtə bʰə
ʃəkəʔtə tʃəʔkə.

miʔtʃi:la: məiʔtʃi:li: ke:rə e:kə biʔəbəŋɑ: rəhələ ətʃi dʒe:
məiʔtʃi:li: ʃa:hiʔjə ke: tʃo:ʔi əŋjə viʔva:ŋə vərgə dʒe:ŋɑ:
ki dərʃəŋə ʃa:sʃrə, ra:dʒəŋi:tʃi
viʔʒi:ŋə, iʔhi:ʃə, ʃəma:dʒəʃa:sʃrə, bʰu:go:lə, ətʃəʃa:ʃa:
tʃrə, əgre:dʒi: (bʰa:ʃa: a:o:rə ʃa:hiʔjə) pəbəʔdʃəŋə a:dʒi
kuŋo: tərəhəkə ʃa:hiʔjəkə a: ʃa:ʃkriʔjəkə gəʔviʔdʃi ʃə
udɑ:ʃi:ŋə rəhiətə tʃəʔtʃi. dʒurbʰa:gjə ʃə kuŋo: ʃəʃtʃa:
hiŋəkɑ: ʃəbʰəke: əŋəba:kə viʃe:ʃə jəʔŋo: ŋəhi ke:ləkə
ətʃi. əgərə dʒi:li: ke:rə ba:tə kəri: tə 56 ʃa:lə ʃə əkʰilə
bʰa:rəʔjə miʔtʃi:la: ʃəgʰə ka:dʒə kə rəhələ ətʃi. dʒi:li: ke:rə
pəʔtʃəmə upərə:dʒəjəpa:lə tʃəla:hi a:dʒi:ŋə:tʃə
dʒə: hiŋəkərə məiʔtʃi:li: pə:mə ʃəbə dʒəŋəʔtə tʃi:
təʔtʃa:pɪ əkʰilə bʰa:rəʔjə miʔtʃi:la: ʃəgʰə kuŋo: tʃəgə ke:rə
ʃtʃa:ŋə pərə ʃəʃtʃa: le:lə zəmi:ŋə ŋəhi a:bəʔtə kərə:
ʃəkələ. kəməre:də bʰo:ge:ŋdʒə dʒə: ʃuru: ʃə ətə dʒəri
əkʰilə bʰa:rəʔjə miʔtʃi:la: ʃəgʰə ke: pəkə:tə ke:rə ʃəʃtʃa:
bəŋɑ: məzədu:rə ju:ɲjəŋə dʒəkə: tʃələbəʔtə rəhələŋi.
dʒi:li: ju:ɲvəʃi:ʔi, dʒe: e:ŋə ju:, a:i: a:i: ʔi: a:dʒi ke:rə
viʔva:ŋə ʃəbʰə əhi ʃəʃtʃa: le:lə kuŋo: upəjə:gə ke:rə
pə:ŋi: ŋəhi budʒələ ge:la:hi. ba:də me: ki: ʃtʃi:tʃi bʰe:lə
a: e:kʰəŋə ko:ŋɑ: ətʃi təkərə: ʃəbʰə kijo:kə dʒəŋəʔtə tʃi:.
gələʔi: jəʔjəpɪ dʒu: pəkʃə ʃə ətʃi. əgərə

dʒʰa:rəkʰəndə, uttəra:kʰəndə a:dʒi ke:rə sʰvətʃətʃə ra:dʒiʒə
 me: a:bəjə ke:rə itʃɦia:sʃə pətʰəbə tʃə a:ʃtʃiʒə la:gətʃə dʒi:
 ko:ŋa: vɪdʒa:ŋə, mi:dʒi:a:kərmɪ:, vɪdʒa:rʃɦi:, prəva:sʃi: a:
 dɛ:ʃɦi:, sʃɦri: a: puruʃə sʃəbʰə kɪjo: 100 prətʃiʒətʃə
 mənɔ:jo:gə sʃə la:gələ tʃɦələ. mudʒa: e:ɦie:ŋə e:ka:grətʃa:
 ɦəmərə:lo:kəŋɪ me: ŋəɦɪ ətʃɦɪ. i: kəmi: ətʰəva: dʒo:kʰə
 mɪtʃɦila: sʃtu:dɛ:tʃə ju:ŋjəŋə me:
 sʃe:ɦo: sʃpətʃə dʒiʃtʃi:go:tʃiərə bʰə rəɦələ ətʃɦɪ.

e:kə prəvɪttɪ ɦo: la:gələ dʒi: mɪtʃɦila: sʃtu:dɛ:tʃə ju:ŋjəŋə
 sʃətʃətʃə ra:dʒiʒə a: kɛ:dʒə sʃərəka:rə ke:rə vɪro:dʃɦə a: kʰa:ʃə
 ra:dʒiʒəŋətʃɦikə dʒələkə vɪro:dʃɦi: rəɦələ ətʃɦɪ. i: kəŋɛ:
 gəbʰi:rə məʃəla: tʃɦikə. mətʃɦili: a: mɪtʃɦila: ke:rə vɪka:sʃə
 ke: dʒi:a:ŋə rəkʰətʃə e:ɦie:ŋə ba:tʃə sʃə ɦəmərə: dʒiʒəŋətʃə
 pərəɦie:dʒi ɦo:ba:kə tʃɦa:ɦi:. əgərə əɦā: kuŋɔ:
 ra:dʒiʒəŋətʃɦikə dʒələ sʃə vɪro:dʃɦi: tʃe:vərə rəkʰəbəkə tʃə bʰə
 sʃəkətʃə ətʃɦɪ dʒi: o:ɦɪ dʒələ ətʰəva: a:ɪdʒo:lədʒi: sʃəgə
 sʃa:mjə ra:kʰəjəbələ: vɪdʒa:rʃɦi: a: lo:kə əɦā: sʃə dʒu:ri:
 bəŋa: le:.

mɪtʃɦila: sʃtu:dɛ:tʃə ju:ŋjəŋə mɪtʃɦila: mu:lə ke:rə udjəmi:
 sʃəgə sʃe:ɦo: bəddə sʃuŋdərə ŋe:təvəkə ŋəɦɪ sʃtʃa:pɪtʃə kə
 sʃəkələ ətʃɦɪ. e:ɦɪ pərə tʃɦo:tʃe: gəbʰi:rə bʰəjə e:kəra:
 sʃudʒa:rələ dʒi:a: sʃəkətʃə ətʃɦɪ. pərə:məʃəda:tʃa: sʃəbə
 tʃərəɦəkə ɦo:tʃɦɪ sʃe: dʒi:a:ŋə ra:kʰəkə tʃɦa:ɦi:. ədʒəkʃə
 bəɦutʃə gəbʰi:rə, ve:lə ŋpʰo:rme:də, ŋe:tʃɦitʃə kʃəmətʃa:
 sʃə pu:mə, sʃəɦiʃŋu, sʃəbə sʃəgə tʃa:ləme:lə
 rəkʰəŋɦa:rə, vɪŋəmərə ɦo:tʃɦɪ. sʃətʃətʃə sʃkʰəba:kə a:kā:kʃi:
 ɦo:tʃɦɪ tʃə i: sʃəstʃa: a:ga: bəʃɦɪ sʃəkətʃə ətʃɦɪ.

i: s̄əbə h̄əməɾə v̄ɪtʃa:ɾə ətʃⁿI. s̄əh̄əmətʃɪ a: əs̄əh̄əmətʃɪ
pa:tʰəkə lo:kəŋɪ ke: u:pəɾə tʃⁿəŋɪ. ãtətəh̄ə h̄əməɾə t̄ə jəɪh̄ə
s̄o:tʃə ətʃⁿI dʒe: ət̄e:kə kəmi: ke: ba:d̄o: mɪt̄h̄ɪla:
s̄tu:d̄e:t̄ə ju:ŋjəŋə s̄əbə s̄̄st̄h̄a: s̄̄ ŋj:kə ətʃⁿI.

əpəŋə

m̄ãt̄əv̄jə editorial.staff.videhəã@gmail.com **pəɾə**

pət̄h̄a:u.

2.11.la:ləde:və ka:məṭṭə- e:mə e:ṣṣə ju: ke:rə hiaṣrə



la:ləde:və ka:məṭṭə, ṣṣəpərkə-07631390761

e:mə e:ṣṣə ju: ke:rə hiaṣrə

ṣṣəṇ 2015 i:0 mē: dḷli: ṣṣṭḥṭṭə kəmjṇṇṣṣṭə kḥe:ma:me: bəṭə dʒo:rə-fo:rəṣṣṭə bḥi:ṭṭəre: bḥi:ṭṭəre e:kə ṭḥəṭṭṭa: ṭḥəṭṭṭə - e:kəṭa: ṭḥə:ṭṭə ṣṣṭḥṭṭə mṭḥṭṭa: ṇa:mə pəṭə hṭuəjə. ṣṣṭ: kṭṭṭə ka:məre:də lo:kə juva: vərgəme: e:ḥi gəppəkē: pəṣṣa:rəjəme: la:gr ge:la:ḥə. ṣṣṭḥṭṭə i:ḥi: məṇṭṭəme: ro:pələṇṇ dʒe: pəṇṭṭa:rə a: ṣṣəṭəkṭṭuməme:ṣṣṭ kṭṭṭə ṇəṭṭə pi:ṭḥi:kə ṇe:ṭṭṭṭə vṭkəṣṣṭṭə kəri:. e:ḥi ṣṣṭḥṭṭə o:ṭṭəṣṣṭə ḡḥo:ṣṣəṇa: pəṭṭə dʒa:ri: bḥe:lə, ḡḥo:ṣṣəṇa:pəṭṭə ṭḥṭṭə pṭa:jəḥṭ bəra:bəre: ṇṭkələṭṭə ṭḥṭṭə. mṭḥṭṭa: ṣṣṭu:dē:ṭṭə ju:ṇṇṭṭə ṇa:məṣṣṭ ṣṣṭḥṭṭə ṇṇṭṭə mṭḥṭṭə, a:dṭṭṭə mo:ḥəṇṇ,rəuṭṭṭə mṭḥṭṭə a: ṇṭṭṭṭə kəṇṭṭə a:dṭṭṭə vṭdja:rṭḥi:gəṇṭṭə kē: i: ṣṣṭṭṭṭa: ṭḥṭṭə:ba:kə dṭa:jṭṭṭə bḥe:ṭṭəṇṇ. i: ṭḥə:ṭṭə vṭḥa:lə ṣṣṭḥṭṭəke: ru:pəme: bḥi:ṭṭə - dʒḥa:rəkḥṭṭṭə ubḥṭṭə ṣṣṭṭṭṭə a:jəṭṭə. e:ḥi ṭḥə:ṭṭə ṣṣṭḥṭṭəme: ḡṭṭṭṭə-ṭḥə:ṭṭə dʒubəkə lo:kə ṣṣṭ:ḥi: dʒṭṭṭṭə ṭḥṭṭə. dʒṭṭṭṭə kəmjṇṇṣṣṭə ke:rə ṭḥə:ṭṭə

p^he:dāre:ṣaṅṅa miṭṭhīla:me: kāmādāṅṅo:rā pāṭṭalā tṣā aī
 ṣāṅṅaṭṭhāṅṅakā kārṭṭa:dḥārṭṭa: lo:kāṅṅu ke: bi:tṣā kiṭṭu
 ṣādṣṣjāṭṭa: bāṭṭhāṭṭa a: tḥo:rē:kā tḥi:dāṅṅo: b^he:lā rāhāikā.
 e:hi ṣāṅṅaṭṭhāṅṅakā uṭṭarō:tṣārā vi:kā:ṣā hio:itṣā ge:lā. kārāṅṅa
 viḍḍi:rṭṭhi:gāṅṅakā ṣikṣāṅṅa ṣāmaṣṣjā:ṣā lā' kāṭ' ṣikṣā:
 prāṅṅa:li: , rō:dāṅṅa:rā, miṭṭhīla: - māṭṭhīlā viṣṣājāke: hārā
 kārā:le:dāṅṅa- ju:ṅṅuṣārṣṣi: dḥārī tḥārṭṭā:kē: ābḥi:ṅṅa:
 pu:rṣākā tḥā:lā:ō:lā dāṅṅa:itṣā rāhāṭṭikā. ā:tḥmā gāurāṣā
 bō:dḥā ṣe:hiō: dāṅṅa dāṅṅame: dāṅṅagāṭṭikā. e:hi
 ṣāṅṅaṭṭhāṅṅakā prābḥā:ṣā dē:kḥā kiṭṭu bḥā:dāṅṅa:ṣā ṣe:hiō:
 āpāṅṅa bā:lā bāṭṭiṭṭā:kē: viḍḍi:rṭṭhi: hāṣṣjāṭṭāṣā aī
 muḥimāme: dḥuke:lākā. ā:bā bḥi:tṣārē: bḥi:tṣārā tḥā:tṣā -
 tḥā:tṣā:kā bi:tṣā dḥu: rā:dāṅṅi:tḥikā dāṭṭāṭṭā ṣiddḥā:tṣā
 ṣe:hiō: puṅṅagāṭṭā ṅe:tḥiṭṭā kṣamāṭṭā:kā bāle: ā:ṅṅe:
 ṣāṣṭḥā: dāṅṅē:kā: tḥāṅṅā: bē:hārī: dḥiṣā unḥmukḥā hio:itṣā
 dē:kḥāṭṭā ge:lā. kō:ṅṅo: ṣāṅṅā ṣā:ṣā:jāṭi: tḥāle:bā:kā le:lā tṣā
 ā:rṭṭikā ṣāhājō:gā tḥā:hābe: kārī: . e:hi:me: kiṭṭu tḥā:tṣā
 prāvi:ṅṅa bḥā' ge:lā: dāṅṅe: ṣā:rṣādāṅṅikā hīṭṭā le:lā tḥāḍḍā:
 tḥiṭṭāki: kārāṭṭā āpāṅṅa ṅḍḍi: lā:bḥā bē:jī: kāmē:lāṅṅu.
 ṣābāṣā pāigḥā upāṭṭāḍḍi bḥe:lāikā dāṅṅe: puṅṅā: dāṅṅiḍḍāṣā
 āṭṭāṭṭā dāṅṅe:bā:kā tṣāṭṭā:kāṭṭiṭṭā dḥāṅṅa bāṭṭō:rābā:kā
 kārā:dāṅṅa o:ṅṅa: ge:lāṅṅu. e:hi prāṣā:dē: ṅḍḍi: prāṣḍḍā ā:
 ṅṅi:kā kāṅṅe:ṅṅā ṣḥu:lā bīhā:rāme: tḥāṭṭāṭṭā rāhāṭṭiṅṅa āṭṭi.
 mudā: i: ṣābā āpṣṣjāṅṅā kārā:dāṅṅa ṣḥukā:rjāme: tḥāḥāṅṅa
 ā:bī ge:lā dāṅṅāḥāṅṅa bāṭṭā:kā-bāṭṭā:kā:ke: kārā:dāṅṅā:kē:
 miṭṭhīla: ṣṭu:dē:tṣā ju:ṅṅjāṅṅa āpāṅṅa: hā:tḥāme: le:lākā.
 dḥ0 21-8-2022 kē: pāṭṭiṭṭā: ṣā:lā ṣāṣṣṣṣā mā:rḥāme:
 dāṅṅāṭṭārā māṅṅāṭṭārāme: e:kā dḥuṣāṣi:jā māhā:dḥārāṅṅā:kā
 kārā:rjākrāmā ṣāpḥāṭṭā: pu:rṣākā ṣāmpāṅṅā kējāṭṭā.
 e:hāṅṅa tṣārāhāṭṭā " pṣiṭṭāṭṭā miṭṭhīla: rā:dāṅṅā ṅḥrma:ṅṅā " le:lā

a:i dʰəɾi ko:ŋo: ŋəʋə - puɾa:ŋə s̄əmit̪ a:jo:dʒiŋə ŋəfi
kə' s̄əkələ t̪ʰələikə. pəɾo:kʂə ru:pē: e:fi gəɾə
ra:dʒiŋi:t̪kə s̄əgəʋəŋə ke:rə ŋe:t̪iʋəkəɾt̪a: gəŋəme:s̄ə
s̄əkriʒə bʰa:dʒiəpa:ŋuma: ŋe:t̪a: bəŋəjə le:lə t̪əre:- t̪əre
dʒo:rə ədʒəma:ɪʃə kəjə rəŋələikə ət̪ʰi, s̄e: 2024 ke:rə
lo:kəʂəbʰa: a: 025 kə' ʋi dʰa:ŋəʂəbʰa: t̪iŋŋa:ʋəme: a:gu:
d̪e:kʰəme: a:o:t̪ə. miʋʰila: s̄tu:dē:t̪ə ju:ŋjəŋə ke:rə
s̄əməst̪ə t̪i:mə kē: fi:ɾd̪kə ju bʰəka:məŋa: a: bə dʰa:jə
d̪əit̪ə t̪ʰi:jəŋə dʒe: miʋʰila:kə s̄əməs̄jə:kə s̄əma:dʰa:ŋə
le:lə t̪əjə:rə t̪ʰət̪ʰi. bʰa:vi: pi:d̪ʰi: t̪ʰa:t̪əkə bʰa:jə a:
pəɾidʒiŋəke: t̪ʰijəŋə,t̪a:fi:me: s̄əfi:jəkə fi:ojə le:lə e:fi
t̪əreŋəkə s̄əst̪ʰa:kə upəjo:gi:t̪a: s̄əra:fiŋi:jə kəfi:o:lə
dʒi:jəʋə.

əpəŋə

m̄t̪əʋjə editorial.staff.videheā@gmail.com pəɾə

pəʋʰa:u.

2.12.a:ʃi:s̄ə əŋəʋt̪iŋfi:rə- MSU ke:rə ka:dʒi e:ʋi fiəməɾə
əpe:kʂa:

tu:tələ.

MSU e:kəta: tʰa:tʰə s̥gəʈhəŋə ətʰi dʒəkərə stʰa:pəŋa:
ma:rtʃə 2015 me: bʰe:ləi mudɑ: upərəkə ba:tə ke:rə
ko:ŋə s̥b̥əʈhə tʰi MSU s̥? a: i: s̥b̥əʈhə dʒəŋəba:kə
le:lə MSU ke:rə ka:dʒə o:kərə tʰurə-tʰri:ka: dʒa:ŋə:
pəʈəʈə s̥e: h̥əmə ŋʉtʃi: d̥əʈ rəh̥ələ tʰi:-

1) e:lə e:ŋə.e:mə.ju:. me: ŋjəmɪtə ʃəɪksəŋɪkə s̥tʰə le:lə
a:gu: bəʈhəbə- bɪh̥a:rəkə h̥əre:kə vɪʃvəvɪdʒa:ləjə ke:rə
s̥tʰə gəʈəbəʈə rəh̥əɪtə tʰi dʒa:ŋi ka:rəŋəʃ̥ tʰa:tʰəkə
umrə, pa:i a:dɪkə ŋa:ʃə h̥o:tʰə tʰi. MSU mɪtʰɪla:
vɪʃvəvɪdʒa:ləjəkə s̥tʰə tʰi:kə kərəba:kə le:lə a:gu: bəʈhələ
a: vətʰəma:ŋəme: s̥tʰə pəh̥iŋe:s̥ be:sɪ: ŋjəmɪtə ətʰi.

2) d̥əʈəbʰəgə: e:jəʈəpə:rtəʃ̥ h̥əva:i s̥e:va: le:lə a:gu:
bəʈhəbə- d̥əʈəbʰəgə:me: e:jəʈəpə:rtə dʒəŋəʈa: le:lə h̥o:
s̥e: ba:tə bəh̥ɪtə pəh̥iŋe:s̥ tʰələi mudɑ: o: ma:tʰə
bʰa:s̥əŋə d̥h̥əi tʰələi. MSU e:h̥i muddɑ:pərə a:ŋd̥o:ləŋə
ke:ləkə a: tʰa:hi: bəle: dʒəŋəʈa: le:lə e:jəʈəpə:rtə s̥e:va:
2020 me: ʃu:ru: bʰe:lə. o:ŋa: i: kəh̥əbə a:s̥a:ŋə tʰi dʒe:
s̥əʈəkə:rə ke:ləkəi. mudɑ: pɪʃŋə t̥ i: tʰi dʒe: s̥əʈəkə:rə
e:tʰe:kə bəʈhəʃ̥ ki: kəʈ rəh̥ələ tʰələi. əʃtu i:
kre:dɪtə MSU ke:rə kʰa:tʰa:me: ətʰi.

3) məkʰa:ŋə ke:rə dʒi:0a:i:0 tʰəŋgə 'mɪtʰɪla:
məkʰa:ŋə'kə ŋa:məpərə- bɪh̥a:rə s̥əʈəkə:rə "bɪh̥a:rə
məkʰa:ŋa:" ke:rə ŋa:məʃ̥ dʒi:.a:i tʰəŋgə kərəba:kə
pɪʃtə:və d̥e:ŋe: tʰələ. MSU e:h̥i muddɑ:pərə
a:ŋd̥o:ləŋə ke:ləkə a: vətʰəma:ŋəŋe: i: "mɪtʰɪla:
məkʰa:ŋa:" ke:rə ŋa:məʃ̥ d̥e:lə ge:ləi.

4) mɪtʰɪlɑ:kə mu:ləbʰu:tʃə sʌməsʃɑ:-ɑ:vəʃjəkətɑ:pərə
tʃərəŋəbəddʰə ā:dʊ:ləŋə :- tʃɪŋŋɪ: mɪlə
ā:dʊ:ləŋə, pe:pərə mɪlə ā:dʊ:ləŋə, tʌmɑ:mə bʰəɖə pətələ
udʒo:gə dʰəɖʰɑ:kē: tʃɑ:lʊ: kərəbə. mɪtʰɪlɑ: vɪkɑ:sʌ bʊ:rdə
le:lə ā:dʊ:ləŋə le:lə e:kʰəŋʊ: i: sʌstʰɑ: a:ŋdʊ:ləŋə kəʃ
rəhələ ətʃɪ.

upərəkə kɪtʃɪu pɪrəmukʰə kɑ:dʒəkə sʌge: hərə:kə dʒŋə
kɪtʃɪu ŋe: kɪtʃɪu i: sʌstʰɑ: kərɪtʃe: rəhətʃə ətʃɪ dʒɑ:hɪ
kɑ:rəŋəsʌ dʒəŋətʃɑ:kə ŋəɖʒəɪme: bʰəro:sʌ: e:ləie: a:
sʌttɑ: sʃe:hɔ: e:kərə a:ŋdʊlo:ŋəkē: gəbʰi:rətʃɑ:sʌ ləie: i:
kɑ:dʒə dʒe: upərəme: dʃe:ləhɪ dʒe: kʊ:ŋɑ: bʰe:ləi? i: kɪ:
e:kə kʃe:tʃəkə lo:kəkə kɑ:dʒə tʃɪəi vɑ: kɪ e:kə bʰɑ:sʌ:kə
kɑ:dʒə tʃɪəi vɑ: kɪ e:kə dʒɑ:tʃkə kɑ:dʒə tʃɪəi. əhɪ:
dʒəkʰəŋə MSU ke:rə sʌrətʃəŋɑ:pərə dʰe:a:ŋə dʃe:bəi tʃə
lɑ:gətʃə dʒe: kəmme: sʃpɪ:dəme: sʃəhɪ: e:kərə
sʌgəʃhəŋəme: hərə:kə dʒɑ:tʃkə lo:kə a:bɪ rəhələ tʃɪəi a: tʃəi
hərə:kə bʰɑ:sʌ: o: kʃe:tʃə sʃe:hɔ: tʃɪəi. a: ie:hə tʃɪ:dʒə
e:kərə: vɪdʃe:həsʌ sʌbʰəɖʰɪtʃə kərəɪtʃə tʃɪəi. a: tʃəi MSU ke:rə
vɪʃe:sʌ:kə rəhɪtʃo: pəhɪŋe: həmə vɪdʃe:həkə tʃərtʃɑ:
ke:ləhɪ.

i: tʃə tʃɪələ MSU ke:rə kɑ:dʒə a:bə həmərə:
sʌbʰəkē: MSU sʌ dʒe: əpe:kʃɑ: ətʃɪ sʃe: dʃəʃ rəhələ tʃɪi:-

1) bʰɑ:sʌ: sʌbʰəɖʰi: əpe:kʃɑ:- MSU pərə i: a:ro:pə tʃɪəi
dʒe: o: mətʰɪli: bʰɑ:sʌ:kə stʰɑ:ŋəpərə o: be:sʃɪ: hɪɖj:kə
pɪrəjo:gə kərəie: həmərə: e:hɪ a:ro:pəme: dʃəmə ŋəi
budʒʰɑ:tʃə ətʃɪ kɑ:rəŋə i: a:ro:pə ləge:ŋhɑ:rə sʌbʰə
əpəŋe: sʌ:hɪtʃəme: mətʰɪli:-hɪɖj:me: lɪkʰəi tʃɪətʰɪ ətʃəvɑ:
dʃu: bʰɑ:sʌ:me: lɪkʰəe: bələ: sʌgə sʌbʰəɖʰə rɑ:kʰəi tʃɪətʰɪ

dʒi:ɦi:ʃɔ̃ ɦi:ɳəka: mətʃi-purəʃka:rə bʰe:tətə rəɦi:ɳu.
 o:ɳa: MSU ʃɔ̃ ɦimərə əpe:kʃa: ətʃi dʒi: o:
 ɦi:re:kə dʒi:la:kə bʰa:ʃa:ji: tʃo:ɳə ʃi:kʰə:, o:kərə
 ʃəbdʒa:vəli: ʃi:kʰə: a: o:ɦi dʒi:la: bəla: ʃəbʰəkē: bʰəro:ʃa:
 dʒi: dʒi: i:ɦə mətʃi:li: tʃi:ɦi. e:ɦi:ʃɔ̃ bʰa:ʃa:kə vɪʃtʃa:rə tʃi
 ɦi:be: kərətʃi ʃɔ̃ge:-ʃɔ̃gə a:ɳə ra:dʒi:ɳətʃi:kə ʃəməʃja:kə
 ʃəma:dʒa:ɳə dʒi:lədj: ɦi:tʃi.

2) əka:dʒami: a: purəʃka:rə ʃɔ̃bʰədj: əpe:kʃa:- dʒi:ɳa: ki
 ɦimə əpəɳə a:le:kʰəme: li:kʰəɳe: tʃi: dʒi: ko:ɳa:
 əka:dʒami: mɪtʃi:la:kē: kʰədj: ke:ləkəi. tʃi mɪtʃi:la:kə
 e:ki:kərəɳə le:lə dʒi: tʃa: rəʃtʃa: tʃi:ɦi ja: tʃi əka:dʒami:
 ke:rə pu:ra: lo:pə kəʃ dʒi:lə dʒi:a:e: ətʃi:ɦə: mɪtʃi:la:kə
 upe:kʃi:tʃi dʒi:la: ʃəbʰəme: ləgəbʰəgə 100 bərkʰə dʒi:ɦi
 purəʃka:rə dʒi:lə dʒi:a:e: (dʒərəbʰəgə:-mədʒubəɳi:
 ʃəme:tʃi a:ɳə pərəmukʰə dʒi:la:kē: e:ɦi 100 bərkʰəme:
 ko:ɳo: əka:dʒami: purəʃka:rə ɳəɦi dʒi:lə dʒi:a:e:). dʒi:
 dʒi:ɦi e:ɦi:ɳə ɳəi ɦi:tʃi tʃa: dʒi:ɦi MSU və: ki a:ɳo:
 ʃɔ̃gətʃi:ɦə a:bi dʒi:tʃi mudʒa: mɪtʃi:la:kə e:ki:kərəɳə ɳəi
 ɦi:tʃi. ɦimərə ʃudʒi:a:və MSU əka:dʒami: pərəʃgəpərə
 mətʃi:ɳə kəʃ/o:kəra: bədj: kərəba:e:.

3) MSU əpəɳə ka:rjəkərəməme: ɳju:ɳtəmə ʃikʃa:, vjəʃkə
 ʃikʃa: e:və ʃpəro:dʒi:ga:rəkē: ʃəbʰəʃɔ̃ upərə ra:kʰə:.

dʒi MSU e:ɦi tʃi:ɳə əpe:kʃa:pərə ka:dʒi kəʃ le:ləkə tʃi
 mɪtʃi:la:-mətʃi:li:-mətʃi:ləkə dʒi: ʃəməʃja: tʃi:ɦi ʃe:
 ləgəbʰəgə 80-90 pərətʃi:tʃi kʰətʃmə bʰəʃ dʒi:tʃi. a:
 umme:dʒi ətʃi dʒi: i: ʃəbʰə kəɦi:jo: ɳe: kəɦi:jo: ɦi:be:
 kərətʃi.

əpəŋə

mətəvjə editorial.staff.videhə@gmail.com pərə

pəʔhə:u.

2.13.pɾəvi:ŋə kuma:rə dʒhə:- dʒəŋəɦitə pəripre:kʂjə me:



pɾəvi:ŋə kuma:rə dʒhə:

dʒəŋəɦitə pəripre:kʂjə me:

prija məitʰilə, ro:dʒi:-ro:ti: a: ro:dʒəga:rə ke: tʰəla:jə mē:
həmə məitʰilə dʒilli: mūbəi: ʂəŋə jəɦərə mē: əpəŋə gʰərə
ʂə hədʒa:rō: kilo:mi:tərə dmu:rə ddo:ʂərə dardʒa: ke:
dʒi:vəŋə dʒi:bəjə le:lə mədʒəbu:rə tʰi: a: pəiʂa: kəma:jə
mē: la:gələ tʰi:, a:i pəla:jəŋə ke: əbhɪfa:pə hərə...
particle of Mithila.ʂtʰitʰi i: ətʰi dʒe: həməra ga:mə ke:
95% juva: ga:mə tʰo:ri jəɦərə mē: pəla:jəŋə kə ge:lə
tʰəɦi, e:kərə pa:tʰu mukʰjə ka:rəŋə ətʰi miʰila: mē:
pu:ŋə ro:dʒəga:rə, ʂəmutʰitə jəikʂəŋikə vjəvəʂtʰa: a:
ʂəmiɾiddʰə ʂva:ʂtʰjə vjəvəʂtʰa: ke: gʰo:rə əbhə:və.

miʰila: dəʂəkō: ʂə ra:dʒəŋi:tʰikə ru:pə ʂə upe:kʂitə rəɦələ
ətʰi, e:ɦi ʂə pu:rvə ko:ŋo: pa:rti: miʰila: kə hitə kə:
pra:tʰəmiəkəta: ŋəɦi dde:ləkə a: e:kərə ka:ja:kəlpə le:lə
dʒəru:ri: la:gu: ŋəɦi ke:ləkə, dʒa:ɦi ka:rəŋə ʂə dde:jə kə
əŋjə bhə:gə vika:ʂə kə dʰa:ra: me: a:gu: bəʔhəitə rəɦələ,

dʒəkʰəŋə kɪ... ulʈa: miʈʰila:kə s̄əmɪddʰi gʰətətə ge:lə.

s̄əməstə miʈʰila:kə ka:gəɖʒə mɪlə, tʃi:ŋi: mɪlə, dʒu:tə
 mɪlə, kəpa:sə mɪlə dʒe:ŋa: d̄ardʒəŋd̄: b̄əɖə udʒo:gə
 e:kərə dʒi:v̄ətə ud̄a:həŋə ətʃi, i: s̄əbə o: udʒo:gə ətʃi
 dʒa:hi ma:dʒjəme: e:kə s̄əməjə me: pu:ra: miʈʰila:
 pəŋəpətə tʃʰələ a: e:hi tʰa:məkə lo:kə kɪs̄a:ŋə a:o:rə
 s̄əmɪddʰə bʰə rəhələ tʃʰələ . s̄əməjə ke: s̄a:tʰə
 ra:dʒəŋi:t̄kə upe:k̄sa: ke: ka:rəŋə s̄əbə udʒo:gə b̄əɖə bʰə
 ge:lə, dʒəkʰəŋə əŋjə k̄s̄e:t̄rə m̄ē: ŋəvə udʒo:gə ke:
 s̄tʰa:pəŋa: bʰə rəhələ tʃʰələ, o:hi s̄əməjə miʈʰila:
 əudʒo:ɡikə vɪpʰələt̄a: ke: t̄əŋəpʰə b̄əʈʰi rəhələ tʃʰələ a:
 a:ijə: s̄tʰit̄i o:hiŋa: ətʃi |

e:həŋə s̄tʰit̄i me: i: s̄o:tʃəba:kə a:vəj̄əkət̄a: ətʃi dʒe:
 d̄e:ʃəkə ra:dʒəɖʰa:ŋi: a: s̄ətt̄a:kə k̄ē:d̄rə b̄id̄u d̄illi: s̄əŋə
 ʃəhərə me: i: ŋəhi bʰə' s̄əkət̄ə ətʃi, dʒət̄əjə 30-35 la:kʰə
 p̄rəva:s̄i: mətʰilə tʃʰət̄i, dʒa:hi me: d̄illi: m̄ē: s̄e:hi: 20-
 25 h̄əɖʒa:rə lo:kə dʒəma: bʰə dʒa:it̄ə tʃʰət̄i, ke: ŋəŋt̄ə
 s̄a:ut̄ə bləkə m̄ē: pa:vəŋə k̄əŋd̄o:rə s̄ə pu:t̄i:u:, h̄əməŋə
 ɪla:ka: ke: əd̄h̄ika:rə kət̄əjə ətʃi, h̄əməŋə miʈʰila: ke:
 əd̄h̄ika:rə kət̄əjə ətʃi .

2015 s̄ə miʈʰila: s̄tu:d̄ē:t̄ə ju:ŋjəŋə ŋa:məkə s̄əst̄a: ke:
 s̄tʰa:pəŋa: bʰe:lə dʒe: k̄s̄e:t̄rə a: tʃʰa:t̄rə ke: ba:t̄ə kərəjə
 le:lə i: e:həŋə s̄e:ŋa: bəŋi ge:lə ətʃi ʃik̄s̄it̄ə juva: ke:,
 dʒe: h̄a:lə ke: s̄əməjə m̄ē: e:kə-e:kə s̄əməsj̄a: ke:
 p̄rəmu:kʰət̄a: s̄ə ut̄a:bət̄ə a:bi rəhələ ətʃi a: e:həŋə
 t̄əŋəh̄əkə vɪb̄iŋŋə s̄əpʰələt̄a: s̄e:hi: p̄ra:pt̄ə bʰe:lə ətʃi |
 .o:ŋa: t̄ə h̄əmə s̄əbə s̄o:ʃələ mi:d̄ija: ple:t̄əpʰəŋmə

dʒe:ŋa: tʋitərə, vɦa:tsəe:pə, məsʒē:dʒərə, p^he:səbukə,
te:li:gra:mə, ɦsʒa:gra:mə, a:dʒ pərə səkrijə tʃi: mudɔ:
dʒərəu:rətə ətʃɦ.

ki hāmərə: səbə kəʃ sʒgəthəŋə ke: hiʒə məʃ,
sʒgəthəŋa:tʃməkə gəʒvɪdɦɦ, sʒgəthəŋa:tʃməkə vɪtʃa:rə ke:
prəsɔ:rə le:lə i: mətʃəʃ/ke: ədɦikətəmə upəjo:gə kərəŋa:
tʃa:ɦijəʃ, hāmərə: i: ka:mə kərəŋa: tʃa:ɦijəʃ tɔ:ki
həmmətʃ əpəŋəʃ vɪtʃa:rəɗɦa:ra:, dɦiʒtɦ, miʒəŋə a:ru:
e:dʒē:ɗa: pəʃ sɦma:rətə tɔ:ri:ka: səʃ ka:mə kəri: səkijəi .

-prəvi:ŋə kuma:rə dʒɦa:, dʒɦila: prəɗɦa:ŋə məɦa:sətʃɦə,
miʒɦɦla: sɦu:dē:tə ju:ŋɦjəŋə dərəbɦəgə: sʒgə sʒstɦa:pəkə
səɗəʒjə:- miʒɦɦla:va:dʒi: pa:rtɦi:,
praveenjɦjakeoti1997@gmail.com, 8507875442

əpəŋə
mətʃəʒjə editorial.staff.videhəə@gmail.com **pərə**
pəʒɦa:u.

əi ŋkəkə əŋja:ŋjə rətʃŋə:

3.gəɗjə kɦəŋɗə

3.1.dʒəgəɗj:ʒə prəsɔ:ɗə məŋɗələ- sɦutʃɦa: (ɗɦa:ra:va:ɦikə

upənjɑ:ʂə)

3.2.dʒigədʒi:ʃə prəʂɑ:dʒə məŋdələ-əpe:tʃʰɑ: tuɽi ge:lə
(ləgʰukətʰɑ:)

3.3.ŋəŋdʒə vɪlɑ:ʂə rɑ:jə-a:vəʃjəkə a:vəʃjəkətʃɑ:

3.4.rəbi:ŋdʒə ŋɑ:rɑ:jəŋə miʃrə- mə:tʃribʰu:mɪ
(upənjɑ:ʂə)- 36-40 mə kʰe:pə

3.5.kumɑ:rə məŋpɔ:dʒə kəʃjəpə-a:kɑ:jə-kusʊmə

3.6.ŋɪrmələ: kəŋə- əgŋɪ ʃikʰɑ: (kʰe:pə-20)

3.7.a:tʃɑ:rjə rɑ:mɑ:ŋəŋdʒə məŋdələ-əŋɦɑ:rəkə dʒi:pə/
bɑ:lə bəɦrɑ:gi:

3.8.dɑ:. kiʃəŋə kɑ:ri:gərə-məitʰɦli:me: gō:dʒɦjɑ:gɦri:

3.9.lɑ:lədʒe:və kɑ:mətʃə-məɦɑ: prələjəkə ləgi:tʃə tʃʰɦkə
dʒigəndʒi:vəŋə/ ʂɑ:mɑ:dʒɦkə ʂəro:kɑ:rə kē: ŋəvə dʒɦɑ:
dʒɦtə upənjɑ:ʂə/ kəvɦvərə bədɦri:ŋɑ:tʰə rɑ:jə dʒɦ:kə
mɑ:dʒe:

3.10.pərəmə:ŋəŋdʒə lɑ:lə kəŋə- gi:tʃɑ: məɦɑ:tʃɦjə

3.1. dṛāgādjī:śa prasa:da maṇḍala- sutṛita: (dḥa:ra:va:hika upāṅja:śa)



dṛāgādjī:śa prasa:da maṇḍala

sutṛita: (dḥa:ra:va:hika upāṅja:śa)

'sutṛita:' dḥa:ra:va:hika ru:pē: tṛāpabā pra:rāmbḥā
bḥe:ḥa 'mūḥila: dḥa:śaṇḍa'me:, dṛe: pāhīṇe: pṛītame:
tṛāpabā bāṇḍā bḥe:ḥa a: ma:ṭṛā pi:ḍi:e:pḥā. me: i:-
praka:śiṭā hūjā la:gaḥ a: pḥe:ra śe:ḥo: bāṇḍā bḥāḍ'ge:ḥa.
a: tē: 'sutṛita:'ka śe:ḥo: tṛāpabā/ i:-praka:śiṭā hāe:bā
bāṇḍā bḥāḍ'ge:ḥa. ahi: a:lo:kāme: i: upāṅja:śa
dḥa:ra:va:hika ru:pē: i:-praka:śiṭā kē:ḥa dṛā: rāḥaḥ aṭṭī.-
śāmpa:ḍāka.

te:śārā pāra:va

bḥasvāṇe:śvārā e:la: ra:dḥa:rāmāṇāka a:i pāṇḍarāḥā dḥiṇḍ
tṛi:. dṛāhija:śā ra:dḥa:rāmāṇā kāmālapurāśā ṇikāḥala:
ḥāhija:śā akḥāṇḍā dḥāri ga:mā bīśārā ge:ḥa tṛāla:. dṛe:
śo:bḥa:vikō: aṭṭīe:. kie: tē ṇāṣā-ṇāṣā dṛāgāhāka śāga
ṇāṣā-ṇāṣā ka:dṛō:kā be:vāstḥā: tṛē:lāṇḥi:.
dṛākhāṇḍā ra:dḥa:rāmāṇā gḥārāśā ṇikāḥalā te:mpupārā

əpəŋɑ:kē: ʂəvɑ:rə ke:ləŋə təkʰəŋe:ʂō məŋəkə vɪtʃɑ:rə
 vətʃɑ:mɑ:ŋə bɑ:ʂə kərəe: ləgələŋə, t̪ʃe: gʰərəkə ʂəbʰə
 kɪtʃu bɪʂəɪrə əpəŋə dʒi:vəŋə-ja:tʃɑ: prɑ:rəmbʰə ke:ləŋə.
 o:ŋɑ:, ŋəvə rɑ:dʒjəkə ŋəvə dʒi:gəŋə bʰuvəŋe:ʃvərə
 tʃi:ɦe:, mudɑ: o:ɦəŋo: ŋəvə dʒi:gəŋə bʰuvəŋe:ʃvərə
 ŋəɦijē: ətʃi dʒe:kəra: kəmələpurəkə lo:kə ŋəɦi dʒi:ŋəɪt̪ə
 ɦo:ɪt̪ə. kɪe: t̪ʃi tʃiəə mɑ:ʂe: bē:t̪əkə tʃiə:ɦi: ŋe:ŋe: gɑ:mə-
 gɑ:məkə lo:kə dʒi:gəŋəŋəɪt̪i:ja: gi:t̪ə gəbət̪ə pi:t̪i:-d̪ərə-
 pi:t̪i: dʒi:gəŋəŋɑ:t̪ə dʒi:ɪt̪ə-əbət̪ə rəɦələ: ətʃi. t̪ə_ime:
 kəmələpurə tʃiut̪ələ rəɦələ ʂe:ɦo: bɑ:t̪ə ŋəɦijē: ətʃi. t̪ʃe:
 bʰuvəŋe:ʃvərə əpəŋtʃi t̪ə dʒi:gəŋə kəmələpurə-le: ŋəɦijē:
 ətʃi. mudɑ: rɑ:d̪hɑ:rəməŋə-le: ʂe: ŋəɦi tʃiəŋə, t̪e:kəro:
 ke:ŋɑ: ŋəkɑ:rələ dʒiɑ: ʂəkəie:. gəpə-ʂəppəkə krəməme:
 kəmələpurəbələ: e:t̪e: dʒi:ŋt̪e: tʃiəɪt̪ə dʒe:
 bʰuvəŋe:ʃvərə ur̪i:ʂɑ: rɑ:dʒjəkə dʒi:lo: mukʰjɑ:ləjə tʃi: a:
 rɑ:dʒiəɪd̪hɑ:ŋjō: tʃi:ɦe:. t̪əɦi: dʒi:la:me:
 dʒi:gəŋəŋɑ:t̪əpuri: ʂe:ɦo: ətʃi a: ʂəmut̪əkə kɑ:t̪əme:
 ʂurdʒi məŋd̪rə ko:ŋɑ:rkə ʂe:ɦo: ətʃiie:. t̪əʂi:gə
 kəbi:rəɪd̪hɑ:ʂəkə kʰəŋt̪i: ʂəmut̪əkə kɑ:t̪əme: ʂe:ɦo:
 gɑ:t̪ələ tʃiəŋə. dʒi:gəŋəŋɑ:t̪hə: bɑ:bɑ: t̪e:ɦəŋe: tʃiəɪt̪ə
 dʒe: ʂəbʰə d̪ŋə ŋəvə əŋŋəkə prəʂɑ:d̪o: grəɦəŋə kəɪt̪e:
 tʃiəɪt̪ə.

bʰuvəŋe:ʃvərə pəɦiŋt̪i rɑ:d̪hɑ:rəməŋə əpəŋə vɪd̪həvət̪ə
 dʒi:vəŋə d̪hɑ:rəŋə ke:ləŋə, dʒi-ɪʂi ʂərəkɑ:ri: ʂəbʰə
 ʂuvɪd̪hɑ: bʰe:t̪əbe: ke:ləŋə, t̪ʃe: ko:ŋo: əʂuvɪd̪hɑ: ŋəɦijē:
 bʰe:ləŋə. mudɑ: ʂəbʰə be:vəʂt̪hɑ: kərəime:
 rɑ:d̪hɑ:rəməŋəkē: e:kə pəkʰə ləgije: ge:ləŋə. a:
 pəŋərəɦimə d̪ŋə rɑ:d̪hɑ:rəməŋəkē: gɑ:mə mo:ŋə
 pət̪ələŋə.

bʰɑ:jə, dʒi:bət̪əme: lo:kə mɑ:e:-bɑ:pəkē: kɪe: ŋe:

bisāira dṛāḥi, mudā: koṅḥo: tṛo:tā lāgāla: ki əvəg^ha:tā
b^he:la:pərə va: a:p^hadā-əṣṣoma:njī: e:la:pərə lo:kā ṣāb^ha
kit^hu bisāira dṛā:re:, e:tē: tākā ki rākṣākā b^hagava:ṅākē:
ṣe:ḥo: bisāira dṛā:re:, mudā: ma:e-gaḥ-ma:e:, ba:pə-
rəu-ba:pə muḥāṣā p^huṭābe: kārāre:.

ga:mā dṛṣā vit^hā:rā bāt^hiṭe: ra:d^ha:rāmāṇā pāt^hnjī:pərə
ṅadṛāirā k^hirāulāiṅā. pāt^hnjī:kā ṅavā ru:pā ṅavā
t^he:ḥāra:me: dē:k^hi pāt^halāiṅā. əpāṅā bāiṣā:ri:kā māḥāt-
kē: dē:k^haitā, pāt^hnjī: dṛāit^ha:mā bāt^ht^hā:-le: d^hu:d^ha əṅitā
rāḥālā t^he:li:, t^haḥ lāgāme: pāḥūt^hāla:. ṣṣuva:ṣṣṅjī:kā, d^hu:
ṣā:lākā bāt^ht^hā: ṣṣut^ht^hā: le:, d^hṅā b^hārikā d^hu:d^ha t^hāja:rā
ḥo:it^he: māṅā (vit^hā:rā kārāikā) ṣāb^ha t^hā:ṅā-ba:ṅā t^ho:t^hi
vit^hārāṅā kārāitā əpāṅā dṛāṅmāṣā a:i d^hārikā dṛāi:vāṅāme:
d^haurāe: lāgāiṅā. mudā: dṛāḥiṅā: o:i d^hṅā mā:ṅe:
pītā:kā māt^hju d^hṅā, ṣṣuva:ṣṣṅjī: e:tābe: bud^hāṅe: t^he:li:
dṛe: mā:tā:-pītā:kā māt^hjume: be:tā:-be:tī: ke:ṅā:
ka:ṅāre:; t^hāiṅā: ka:ṅi d^hi:re:-d^hi:re: bisārae: lāgāli:
o:ṅā:, a:i ṣṣuva:ṣṣṅjī: o:i g^hātāṅā:kē: dṛāi:vāṅākā e:kātā:
g^ha:tā bud^hā dṛāi:vāṅā-ba:tā bāṅābāe: t^hā:ḥi rāḥāli: ət^hī,
t^hāe: vit^hā:rākā əpāṅā d^huṅā māṅākā vit^hā:rākē: māṅi
rāḥālā t^he:lāiṅā.... t^hābi:t^hā pāt^hnjī:kē: əpāṅā vit^hā:ri:
bud^hāi ra:d^ha:rāmāṇā bād^hāla:-

"ga:māṣā bāḥāra: ge:lāṅ mudā: ga:mākā kit^hu ṅe:
ke:lāṅ..! ṣṣāma:dṛo: ət^hā:t^hi kāṣ vit^hā: ke:lāiṅā mudā:
e:tābo: upāra:gā kijō: ṅe: dē:lāiṅā dṛe: ga:māme:
āḥā:kā kāe:lā kit^hu ṅe: ət^hī. dṛe: t^hā:-dṛiṅāgi: māṅā
rāḥāitā dṛā:d^hāirā dṛiṅāgi: rāḥāitā. ṣe:ḥo: ṅe: b^he:lā. a:i
māṅākā ba:tā mā:ṅe: māṅāmāt^hrā kāḥāe: t^hā:ḥi rāḥālā
t^hi: ṣe: ṣṣṅābā?"

dṛāḥiṅā: əkāsārahā: lo:kākē: t^ho:rāpərə bāri: pākāle: rāḥāi

तुमि त्पुहिणः सुवाःसुनिःकं तुःरपरे पकाले रंभिणः
बदुलिः-

"अहिःकं बाःतुं हिमं कंभिजाः नुं सुणुलं दुःरेः एःनः
जकाःलु बःहेःलं बदुलि तुमिः...?"

०ःनः, दुःरंभिजाः सुवाःसुनिः अःिः.े.कं तुमिःतुः तुमिःलं
त्पुहिजेःसुं राःदुःराःरंमंनं तुमिःहंलंभिणः. सुवाःसुनिःकं पितुःसुं,
कालेःदुःकं जिकुःकं (प्रःपुःसुः) अः तुमिःतुःकं बिःतुं
दुःरेः सुंभंनुदुं हिःरेः, बसुं तुःतुःबेः राःदुःराःरंमंनं
सुंभंनुदुं तुमिःलंभिणः. राःदुःराःरंमंनं मंनंमेः
एःकाःकं तुं गेःलंभिणः दुःरेः गुःतुंनुदुं बाःबुःकं तुं
पुःरंभुःरं दुःकं तुं तुं दुःगंलं अःकिं हुंनुकं मंनुं? तुं
मंनुःगः दुःकं मंनुं नुःतुं तुमिःलंभिणः. ०ःनः, नुःतुं
दुः रंनुकं हिःरेः. पंभिं हिःरेः सुंरं-तुं नुं मंनुः नुःतुं
अः दुःसुं हिःरेः नुंनुदुं नुःतुंनुदुं. मुदुः
राःदुःराःरंमंनं मंनुं नुःतुं दुंनुःमेः सुं कुःनुः
नुं तुमिःलंभिणः. कःरेः तुं अंनुं तुं कं मंनुः गुःतुंनुदुं
बाःबुः अंनुःमं दुःनुं तुं कं, राःदुःराःरंमंनं मंनुः
कुःनुः एःहेःनुं तुं तुं नुं तुमिःलंभिणः दुःरेः कःहेःनुं
पुःरंभुःरं तुंनुदुं अः कुःनुं तुंनुः पंनुंनुदुं. अः नुः
जुं हिं तुमिःलंभिणः दुःरेः अंनुःमेः कुःनुः तुंनुकं बंलं
(सुंनुदुं) अंनुं दुःरेः कुंनु मंनुंनुदुं कं/सुंनुदुं. नुंनुः
दुःकं गंनुदुं तुमिःलं दुःरेः एःकाःकं पुंनुदुं सुःतुं
राःदुःराःरंमंनंनुदुंः अःदुःकं नुंनुदुं दुःलंनुदुं.

अःराःदुःनुदुं (सुंनुदुं) सुंनुदुं दुः रंनुकं दुः पुंनुदुं
कःहेःलं दुःनुदुं. एःकं पुंनुदुं बःहेःलं दुःरेः जःनुदुं
कुःनुः सुंनुदुं (अःराःदुःनुदुं) कंनुदुं अः दुःसुं हिःरेः
अंनुं पुंनुदुं सुंनुदुं (अःराःदुःनुदुं) कंनुदुं.
राःदुःराःरंमंनं दुःसुं जःनुदुं तुमिःलंभिणः.

पुंनुदुं कुं मुंनुदुं मंनुः सुवाःसुनिःकं मुंनुदुं कंनुदुं
जकाःलु जंनुदुं सुंनुदुं राःदुःराःरंमंनं बदुलिः-

"ko:ηρo: j̄aka:kə ηυva:rəηe: kəhija: ke:ləũ d̄ze: j̄aka:lu ηəhɪ rəhəbə?"

o:ηa:, vɪt̄j̄a:rəkə d̄əurəme:, d̄ze: d̄z̄i:vəηəkə s̄s̄gə d̄əurəe:, t̄ə_ɪ d̄r̄iṣṭr̄ē: ra:d̄h̄a:rəməηə ā:j̄ikə pəripəkʷə b̄h̄ə_ɪje: ge:lə t̄j̄əɪt̄h̄ə d̄ze: s̄uυa:s̄ɪŋj̄: ηəhɪ t̄j̄əɪt̄h̄ə. t̄e:kərə ka:rəηo: d̄uηu:kə əpəηə-əpəηə t̄j̄əɪŋh̄e:. vɪd̄j̄a:d̄h̄j̄əj̄əηəkə krəməme: d̄h̄rʷvə d̄z̄əkā: ra:d̄h̄a:rəməηə əpəηe: məηəkē: s̄s̄kəlpɪt̄ə kəʃ ηe:ηe: t̄j̄əla: d̄ze: prəʃa:s̄əŋj̄kə pəd̄ə t̄s̄ gərət̄h̄a:h̄əkə pət̄h̄əbə t̄j̄i: mud̄a: e:mə.e:. kərəbə t̄s̄ t̄h̄a:h̄ələ ət̄j̄i:, t̄s̄e: ko:ηρo: kəule:d̄ze: vā: h̄a:ɪje: s̄k̄u:ləkə j̄ikṣəkə bəηəbə t̄s̄ gərət̄h̄a:h̄ame: ηəhɪj̄ē: ət̄j̄i. d̄z̄ək̄h̄əηe: ko:ηρo: ka:d̄z̄əkə p̄h̄ələ a: o:ɪ ka:d̄z̄əkə prəkrija:kə bo:d̄h̄ə ke:kəro: b̄h̄əʃ d̄z̄a:ɪ t̄j̄əɪ t̄əkh̄əηe: o:kəro: əpəηə bələ d̄z̄əgɪt̄e: t̄j̄əɪ d̄z̄ə_ɪs̄s̄ s̄s̄kəlpəkə əŋuk̄u:lə pəriṣṭh̄it̄ə s̄e:h̄o: η̄r̄əmit̄ə h̄o:ɪt̄e: ət̄j̄i, d̄ze:kərə upəjo:gə b̄h̄e:la:s̄s̄ s̄əp̄h̄ələt̄a:kə s̄j̄:t̄h̄i: s̄e:h̄o: b̄h̄e:t̄ət̄e: ət̄j̄i. mud̄a: s̄e: s̄uυa:s̄ɪŋj̄:kə d̄z̄i:vəηəme: ḡh̄ət̄it̄ə ηəhɪ b̄h̄e:lə t̄j̄e:ləiηə. o:ηa:, pəriυa:rəme: o:h̄əηə ḡh̄ət̄əηa: ḡh̄ət̄it̄ə b̄h̄e:le: t̄j̄e:ləiηə d̄z̄ə_ɪs̄s̄ pəriυa:rə me:t̄a: d̄z̄a:ie:. kəh̄iəka:lə s̄əma:d̄z̄əme: h̄əd̄z̄a:ro: s̄əma:d̄z̄əs̄e:vi: a: h̄əd̄z̄a:ro: d̄h̄ərma:t̄ma:s̄s̄ ḡa:mə b̄h̄ərəle: rəh̄iəie:, mud̄a: pəriυa:ro: a: be:kət̄j̄jo: ke:ηa: me:t̄a: rəh̄ələ ət̄j̄i, s̄e: d̄e:k̄h̄əŋh̄a:rə k̄ij̄o: ηe:.... d̄ze: b̄a:t̄ə-vɪt̄j̄a:rə ra:d̄h̄a:rəməηəkə məηəme: ηa:t̄j̄i rəh̄ələ t̄j̄e:ləiηə, t̄s̄e: əŋuḃh̄əvi: a: əŋəəŋuḃh̄əvi:kə bi:t̄j̄əkə d̄u:ri: məηəme: bəηəle: t̄j̄e:ləiηə. t̄s̄e: j̄aka:lu h̄ə:bə s̄o:b̄h̄a:v̄ikə b̄h̄ə_ɪje: d̄z̄a:ie:, mud̄a: s̄uυa:s̄ɪŋj̄:kə məηəme: s̄a:ma:ŋj̄ə pət̄j̄-pət̄j̄j̄:kə d̄ze: d̄z̄i:vəηə ət̄j̄i s̄e: t̄j̄e:ləiηə. d̄z̄əɪt̄h̄a:mə pət̄j̄jo: bud̄z̄əɪ t̄j̄əɪt̄h̄ə d̄ze: kəməd̄z̄o:rəs̄s̄ kəh̄ələ:pərə

ma:ne: ko:ro: a:de:ja de:la:pa:ra, dzo nehi karati:
 ma:ne: patni: nehi numa:hatij: to garama: ka/ ma:ne:
 dzo:raso kahala:pa:ra numa:hatibe: karati:, tshina: patnijod:
 budzhitte: tshaithe dze: dzokhane dnyu: go:re:kē:
 dzo:shane bharī soge:-sogā rāhāka etī, tshibi:ti dzo
 ko:ro: ti:ta-ka:sa:na: ho:re: o:ka:ra: sphi le:ba: tja:hi:
 lo:ka to ko:ro: sōkālpa:ka (vratka) pa:tīu: bharī-bharī
 dnyu sphi la_re:, tshinu:me: apāna mitīla: to sphiṅgama:
 de:ja tshī:he: dze: hāruva:sajā spha pa:bāna, dzo_ime:
 ti:na dnyu sphiā dzo:re:, se:ho: lo:ka karite: etī.

o:na:, svva:snjī:ka vitjā:rakē: ra:dha:rāmāṇa se:ho:
 māne:-māna ma:pi rāhāla tshāla: dze: akhane dhārika
 dze: hināka dzo:shane rāhāna, tshī: anuku:la ne:
 vitjā:rakā sōbha prakrīja: nrāmīta bhe:la he:tāna....

apāna tīntāna-mānaṇame: ra:dha:rāmāṇa o:dzhāra:e:
 lāgāla: ra:dha:rāmāṇaka mānaṇame: utshāna dze:
 vitjā:rakā o:dzhāri: to amati: kā:ta dzōkā: dzō:dzōgāro:
 ho:re: a: khata-madhura phalo: dā_ije:bāla: ho:re:
 tshā:ma to te:shāne: ne: bāni ka/ rāshāne: pa:ra-gā:ta
 lāgi sōka:re:, nehi to dhā:rakā ka:tāme: asogāre: bāshāla
 rāhāba.

apāna a: patni:ka vitjā:rakā dnyu: ra:dha:rāmāṇakē:
 te:na: dzō:dzōija: de:lākāna dze: kitīu karābo:-le: a:
 kitīu sji:khābo:-le: bādijā ka/ de:lākāna. o:na:,
 ra:dha:rāmāṇa e:ka rāsta:so tjo:ti: (a:i:e:e:sa) pāra
 pāhūtī ge:la tshaithe mudā: dzīnāgi:ka dō:sāra-te:sāra
 hādza:ro: bā:ta o:shāna etīre: dze:kāra: tjo:ti: dhāri
 pāhūtībāika sāmāthe to tshāna, mudā: se: budzhāla-
 gāmāla nehi tshē:āna. o:na:, ra:dha:rāmāṇa vidjā:na:ka
 vidjā:rī: kahījo: ne: rāhāla:, bāsa o:tābe: rāhāla: dze:te:

h̄a:ɪ s̄ku:lə t̄əkə s̄a:ma:n̄jə d̄ʒ̄na:n̄kə v̄id̄ʒ̄na:n̄kə ət̄ʃ̄ɪ.
mud̄a: t̄e:t̄e:kə t̄ɔ̄ p̄əɫʰələ t̄ʃ̄əɪn̄ɦe: t̄ɔ̄_ɪs̄ɔ̄ e:t̄e:
m̄əŋəme: ḡəɾj̄e: ge:lə t̄ʃ̄əɪn̄kə d̄ʒ̄e: k̄əla: (a:ɾt̄ə) a:
v̄id̄ʒ̄na:n̄kəme: əŋt̄ɔ̄rə be:v̄əɦa:r̄əs̄ɔ̄ ət̄ʃ̄ɪ. d̄ʒ̄ɔ̄ k̄o:n̄p̄: ba:t̄ə
v̄a: v̄ɪt̄ʃ̄a:r̄ə be:v̄əɦa:r̄ikə ru:p̄əme: d̄e:k̄ʰələ d̄ʒ̄a:e: t̄ɔ̄
o:ɪme: o:t̄e: əŋp̄a:t̄ə əŋd̄ʰəv̄ɪv̄a:s̄kə d̄ʒ̄əḡəɦə v̄ɪv̄a:s̄ə
lə_ɪt̄e: ət̄ʃ̄ɪ....

e:k̄a:e:kə r̄a:d̄ʰa:r̄əməŋəkə m̄əŋə m̄əŋk̄ʰəkə d̄ʒ̄i:v̄əŋə
ləgə p̄əɦɪt̄ʃ̄ə ge:l̄əɪn̄kə. d̄ʒ̄i:v̄əŋə ləgə p̄əɦɪt̄ʃ̄ət̄e: əp̄əŋə
k̄a:r̄j̄a:l̄əjə m̄əŋd̄ɪr̄ə d̄ʒ̄ək̄ā: d̄e:k̄ʰɪ p̄əɾəɪn̄kə. ke:t̄e:
lo:k̄əkə d̄ʒ̄i:v̄əŋə o:ɪ m̄əŋd̄ɪr̄əs̄ɔ̄ m̄a:n̄e: k̄a:r̄j̄a:l̄əjəs̄ɔ̄
s̄ɔ̄t̄ʃ̄a:l̄ɪt̄ə b̄ʰəʃ̄ r̄əɦələ ət̄ʃ̄ɪ? m̄əŋə a:gu: ḡʰuʃ̄əɪkə o:ɪ
s̄j̄:ma: ləgə p̄əɦɪt̄ʃ̄ə ge:l̄əɪn̄kə d̄ʒ̄ə_ɪ s̄j̄:ma:p̄ərə
k̄a:r̄j̄a:l̄əjəkə k̄a:r̄j̄ək̄əɾt̄t̄a: t̄ʰa:t̄ʰə t̄ʃ̄əɪlə. d̄ʒ̄iŋk̄a:
m̄a:d̄ʰj̄əməs̄ɔ̄ k̄a:r̄j̄a:l̄əjə t̄ʃ̄əɪ r̄əɦələ ət̄ʃ̄ɪ. s̄əb̄əɦəkə əp̄əŋə-
əp̄əŋə k̄a:r̄j̄a:l̄əjə, s̄əb̄əɦəkə əp̄əŋə-əp̄əŋə k̄a:d̄ʒ̄ə....
t̄əɪt̄ʰa:mə əp̄əŋp̄: t̄ɔ̄ əs̄əḡəre: t̄ʃ̄i: ? h̄ɔ̄, e:k̄ət̄a:
o:ḡəɾəv̄a:ɦəkə ru:p̄əme: p̄ju:n̄kə ət̄ʃ̄ɪ. d̄ʒ̄e: k̄a:d̄ʒ̄o:me: a:
əp̄əŋə d̄ʒ̄i:v̄əŋp̄:me: s̄əɦəj̄o:gə k̄əɾɪt̄e: ət̄ʃ̄ɪ. d̄ʒ̄ək̄ʰəŋə
ba:r̄əɦə b̄əd̄ʒ̄e:kə d̄p̄əɦəɾj̄a:me: r̄əud̄əkə t̄a:p̄əs̄ɔ̄ t̄əɾɪt̄ə
b̄ʰəʃ̄ m̄əŋə ḡʰum̄əe: ləgəe: a: k̄a:d̄ʒ̄ə k̄əɾəɪs̄ɔ̄ əŋt̄ʃ̄ɪt̄ʃ̄a:
ɦo:ɪe:, t̄ək̄ʰəŋə o:k̄əre: m̄a:d̄ʰj̄əməs̄ɔ̄ m̄a:n̄e: p̄ju:n̄kə
m̄a:d̄ʰj̄əməs̄ɔ̄ ŋe: e:k̄ət̄a: d̄əba:r̄j̄əkə go:li: m̄əḡa: k̄ʰa:ɪt̄e:
t̄ʃ̄i:....

d̄ʒ̄e:n̄k̄a: k̄o:n̄p̄: d̄ək̄əɾt̄i:kə s̄u:r̄a:kə b̄ʰe:t̄əŋe: pul̄ɪs̄əkə
m̄əŋə k̄ʰuʃ̄i: h̄o:ɪe: t̄əɦɪŋa: r̄a:d̄ʰa:r̄əməŋək̄ē: s̄e:ɦo: k̄ʰuʃ̄i:
b̄ʰe:l̄əɪn̄kə. k̄ʰuʃ̄i: b̄ʰe:l̄əɪn̄kə m̄a:n̄e: r̄a:d̄ʰa:r̄əməŋək̄ē:
m̄əŋəme: e:l̄əɪn̄kə d̄ʒ̄e: d̄ʒ̄ə_ɪ k̄a:r̄j̄a:l̄əjəme: t̄ʃ̄i: t̄ə_ɪme:
s̄əb̄ʰəs̄ɔ̄ u:p̄ərə b̄ʰe:l̄əũ, d̄ʒ̄e: e:kə t̄ʃ̄o:r̄ə b̄ʰe:l̄ə, mud̄a:
e:k̄ərə d̄p̄:s̄ərə t̄ʃ̄o:r̄ə t̄ɔ̄ v̄əe:ɦə ŋe: h̄əe:t̄ə d̄ʒ̄e: o:k̄ərə

ʋɪpəri:t̪ə ətʃɪ. ma:n̪e: d̪ʒəɦɪŋa: s̪əbʰəʒ̪ə̃ ʋ:pərə
a:i.e.e:s̪ə. əpʰəʒ̪ərə bʰe:la:, t̪əɦɪŋa: s̪əbʰəʒ̪ə̃ n̪ɪtʃɪʃa:
tʃɪpərə:s̪ɪ: bʰe:lə. d̪ərəma:ɦa: t̪ə bi:tʃəɦe: ke:t̪e:ko:
r̪əgəkə ətʃɪ, ma:n̪e: s̪t̪ərəkə ɦɪs̪a:bəʒ̪ə̃ r̪əgə-r̪əgəkə. d̪ʒe:
əŋt̪ɪmə s̪ɪ:ma: tʃɪpərə:s̪ɪ: ləgə pəɦɪŋt̪ɪ s̪əbʰəʒ̪ə̃ kəmə
bʰəʒ̪ə̃ d̪ʒa:ie:...

əpəŋə pju:n̪ə məŋəɦe: əbɪt̪e: ra:d̪ɦa:rəməŋə
s̪ɪɦa:s̪ɪŋɪ:k̪e: kəɦələŋə-

"a:i pəe:re: gʰuməkə məŋə ɦo:ie:, s̪e: s̪ə̃ge: tʃələbə?"
o:n̪a:, bɪŋɦ ʋɪtʃa:rə ke:n̪əɦɪ s̪ɪɦa:s̪ɪŋɪ: ləgəle:-mũɦə kəɦɪ
d̪e:ləkəŋə-

"kɪe: ŋe: tʃələbə..!"

bəd̪ʒələ: pətʃɦa:ɪt̪ə s̪ɪɦa:s̪ɪŋɪ:kə məŋə pa:tʃɦu: ɦətəkəe:
ləgələŋə. ɦətəkəkə kə:rəŋə bʰe:ləŋə d̪ʒe: pʋrukʰək̪e: kɪ:
tʃɦəɪ, e:kəta: lũ:gi:, e:kəta: g̃ə̃d̪ʒi: ʋa: kʋrət̪a: pəɦɪ:rɪ
ke:t̪əu tʃələ d̪ʒe:t̪a:, mud̪a: əpəŋe: ke:n̪a: d̪ʒa:e:bə.

ra:d̪ɦa:rəməŋə s̪ɪɦa:s̪ɪŋɪ:kə məŋəkə ət̪s̪ə-ʋɪt̪s̪əpərə
d̪ɦɪja:n̪ə ŋəɦɪj̪e: d̪e:bə ŋɪ:kə bud̪ʒələŋə. ʋt̪ɦ kəʒ̪ t̪ɦa:t̪ɦə
ɦo:ɪt̪ə bəd̪ʒələ:- "əɦũ: tʃələ: a: s̪ɪtʃɪt̪a:k̪e: s̪e:ɦo: ŋe:ŋe:
tʃələjəu. pəe:re:-pəe:re: d̪əʒ̪ə̃ d̪e:gə t̪ə o:ɦo: tʃələɪt̪e: ətʃɦɪ."
d̪ʒa:be: s̪ɪɦa:s̪ɪŋɪ: ʋɪd̪a: ɦo:ɪkə ŋɦa:rə-bʰa:s̪ə ke:li:
t̪əbɪ:t̪ɪ ra:d̪ɦa:rəməŋəkə məŋə əpəŋə pju:n̪ə
ɦɪmmət̪ələ:ləpərə pəɦɪŋt̪ɪ ge:ləŋə.

ɦɪmmət̪ələ:lə a:d̪ɦa:s̪ɪ: pərəɦa:rəkə ətʃɦɪ. d̪ʒəɦɪje:s̪ə̃
kə:r̪ja:ləjə kʰud̪ʒələ t̪əɦɪje:s̪ə̃ ɦɪmmət̪ələ:ləkə pərəɦa:rə o:i
kə:r̪ja:ləjəʒ̪ə̃ d̪ʒɪrələ rəɦələ ətʃɦɪ. ɦɪmmət̪ələ:ləkə pɪt̪a:
bɪs̪əɦa:s̪ələ:lə ŋɔ:kəri: ɦɪru: ke:ləŋə, d̪ʒɪŋəkərə
əʒ̪a:məjɪkə ŋɪd̪ɦəŋəpərə əŋɦɪʒ̪a:kə a:d̪ɦa:rəpərə
ɦɪmmət̪ələ:ləkə bəɦa:li: bʰe:lə tʃɦələ. d̪ʒəɦɪja: pɪt̪e:kə
gə:rə̃d̪ʒəŋɪ:me: ɦɪmmət̪ələ:lə tʃɦələ t̪əɦɪje: t̪ɪ:ŋət̪a: d̪ɦɪja:-

pu:ta: b^haʼ ge:lə t^he:ləi, pət^ha:itə d^u:ta: a:ro: b^he:ləi,
kulə mīla: kəʼ, ək^huŋəkə: dʒe: pəriɪva:rə-ŋjjo:dʒəŋəkə
tʃa:rtə ət^hi tə_ɪʒə o:b^hərə d^{ra}:p^htə bəŋjje: ge:lə ət^hi.
dʒə_ɪʒə ma:e: ləga: a:t^hə go:re:kə pəriɪva:rə t^həi.

ra:d^ha:rəmənəkə d^e:ra:ʒə himmətəla:ləkə g^hərəkə d^u:ri:
kəri:bə d^e:t^hə kilo:-mi:tərə ət^hi. a:gu:-a:gu:
ra:d^ha:rəmənə, bi:tʃəme: s^utʃit^a: a: pa:t^hu:-pa:t^hu:
s^uva:s^uŋj: vɪd^a: b^he:li:. himmətəla:ləkə g^hərə ləgə
pəhūtʃə ra:d^ha:rəmənə e:kə go:re:kē: put^hələiŋə-
"himmətəla:ləkə g^hərə ko:ŋə t^hiəiŋə?"

tə_ɪ bi:tʃtʃe:me: himmətəla:lə g^ha:səkə bo:dʒ^hə
ma:t^həpərə ŋe:ŋe: k^he:təʒə g^hərəpərə pəhūtʃələ.
ra:d^ha:rəmənəkē: d^e:k^hi ba:dʒələ-

"s^ua:hiəbə, jəe:hiə əpənə g^hərə b^he:lə." kəhi g^ha:səkə
bo:dʒ^hə rək^hi himmətəla:lə hi:ɪ-hi:ɪ kəʼ d^ərəbədʒdʒa:
bəhi:rəe: ləgələ. d^ərəbədʒdʒa:ʒə bə:hiərə ra:d^ha:rəmənə
tj:ŋu: go:re: əpənə:, pət^hŋj: a: be:tj: t^ha:t^hə rəhiəla:.
d^ərəbədʒdʒa: bəhi:ri, kurəʒj: ʒe:rija: himmətəla:lə
ra:d^ha:rəmənəkə bā:hi pəkəitə kəʼ a:ŋj kurəʒj:pərə
bəʒəuləkəiŋə. s^uva:s^uŋj: ʒe:hiə: bəʒəli: mud^a: s^utʃit^a:
himmətəla:ləkə d^hiya:-put^a:kə ʒəgə t^ha:t^hə b^haʼ ge:lə.
a:t^ho: go:re: ma:ŋe: himmətəla:ləkə pəriɪva:rəkə ʒəb^hə
kijjo: d^ərəbədʒdʒa:pərə pəhūtʃələ t^hələ. himmətəla:lə
pət^hŋjō: a: bətʃtʃo:kē: kəhiəla:-

"s^ua:hiəbəkē: prəŋa:mə kərijəŋə. əpənə ma:e:-ba:pə
ʒəb^hə kit^hu jəe:hiə t^həit^hə."

himmətəla:ləkə pət^hŋj: dʒəhiŋa: ra:d^ha:rəmənəkē: pəe:rə
t^hubⁱ go:tə ləgələkəiŋə t^həhiŋa: s^uva:s^uŋj:kē: ʒe:hiə:
go:tə ləgələkəiŋə. o:ŋa:, ru:kmiŋj:kə e:kəʒ^ha:hiə: ka:ri:
tʃe:hiəra: d^e:k^hi s^uva:s^uŋj:kə mənə t^ho:t^e:kə b^hətəkələiŋə,

mudā: bəḍḍi:li: kiṭṭu ṇe: . ṭṭabi:ṭṭi ra:ḍḍa:rəməṇə
 kurəṣṭi:pərə ṣṣi ṣṣubḥəḍḍa:kē: ḥimṣṣəṭṭa:lə mā:e:kē:
 ṣṣe:ḥio: go:ṭṭə ləgəile: uṭṭhəla: . dḍi: ba:ṭṭə ḥimṣṣəṭṭo:lə:lə
 budḍi ge:lə a: ṣṣubḥəḍḍa: ṣṣe:ḥio: budḍi ge:li: . a:gu:
 bəṭṭhəṭṭə ṣṣubḥəḍḍa: ṣṣe:ḥio: gḥumikəḥ/ ra:ḍḍa:rəməṇəkə
 pəe:rə ṭṭubəe: ṭṭi:ḥi:li: mudā: bā:ḥi pəkəṭṭə
 ra:ḍḍa:rəməṇə bəḍḍi:la:-

"dḍiḥiṇḍa: əḥi: ḥimṣṣəṭṭa:ləkə mā:e: ṭṭi:ṭi ṭṭiḥiṇḍa: ṇe:
 ḥiməro: bḥe:ləi. ḥiməṣə pḥərdḍi bəṇḍe: dḍi: ḥimə
 pəe:rə ṭṭubi:."

o:ṇa: , uṭṭi:rəkə krəməme: ra:ḍḍa:rəməṇəkē: əpəṇə
 krəmə ṭṭi:leiṇə mudā: ṣṣuṣa:ṣṣṇi:kə krəmə ṭṭi-ṣṣi bḥiṇḍə
 ṭṭi:leiṇə. ra:ḍḍa:rəməṇəkə uṭṭi:rəkṣṣə məṇṇukḥəkə
 ṣṣi:mə:pərə ṭṭa:ṭṭə ṭṭi:leiṇə, dḍiḥiṇḍə ki ṣṣuṣa:ṣṣṇi:kə
 uṭṭi:rəme: dḍi:ṭṭi a: rḥiḡə-bḥe:ḍḍə ṭṭo:ṭe:kə ḍḍu:ri:
 bəṇḍe: ṭṭi:leiṇə. dḍi-ṣṣi ṣṣuṣa:ṣṣṇi:kə məṇḍə
 kəṭṭiṣṣəṭṭi:le: ləgəleiṇə dḍi: kəkḥəṇə əṭṭa:məṣṣi uṭṭi
 uḍḍa: bḥəḥ/ dḍi:ṭṭi. mudā: ra:ḍḍa:rəməṇəkə məṇḍe:
 dḍiḥiṇḍa: əpəṇə ṣṣṣuṣa mā:ṇe: pəṭṭi:kə piṭṭa:kə pəriṣṣa:rə
 ḍḍuḡḥəṭṭe:ṣṣə biḥəṭṭikə kəgə:rəpərə pəḥiṭṭi ge:lə
 ṭṭi:leiṇə ṭṭiḥiṇḍa: ḥimṣṣəṭṭa:ləkə pəriṣṣa:rə ṣṣe:ḥio: piṭṭa:kə
 (biṣṣəṣṣa:ləkə) əka:ləṣṣiṭṭiṣṣi bḥe:lə ṭṭi:leiṇə. dḍi-ṭṭi
 ka:ṭṭa:ləṣṣe: biṣṣəṣṣa:lə ka:dḍi kəṣṣiṭṭi rəḥiṭṭi, ḍḍu:
 mḥiḍḍi:ka ṣṣi:ṭṭi:pərə ṣṣi kḥəṣṣe: mṣṣiṭṭi bḥe:lə ṭṭi:leiṇə.
 ṣṣa:ṭṭə go:re:kə pəriṣṣa:rəme: ṭṭi:ṭi go:re: be:ṣṣiḥa:ra: bḥəḥ/
 ge:lə ṭṭi:leiṇə. dḍiḥiṇḍə ki ṣṣuṣa:ṣṣṇi:kə pəriṣṣa:rəme: ,
 piṭṭa:kə mṣṣiṭṭiḥiṇḍə ṣṣəṣṣi mā:ṭṭə ṭṭi:ṭi go:re: ṣṣuṣa:ṣṣṇi: ,
 bḥa:e:- məṇḍo:dḍi a: mā:e: ṭṭi:lei: . ra:ḍḍa:rəməṇəkə
 məṇḍe: ḍḍuṇḍu: pəriṣṣa:rəkə ba:ṭṭə e:kəṣṣiḡə ṇa:ṭṭi rəḥiḥə

tʃʰe:ləiŋə. məŋəme: utʰələiŋə- dʒuŋu: pəriɪvɑ:rə ke:ŋɑ:-
ke:ŋɑ: a:dʒukə ʃi:mɑ:pərə pəhiŋtʃələ ətʃʰi, tʃə_I vitʃɑ:rəkē:
ʃəbəhiəkə ʃo:dʒʰə rɑ:kʰi:, dʒə_I ʃə e:kə-dʒo:ʃərə
pəriɪvɑ:rəkə ʃukʰə-dʒukʰə dʒe:kʰɑ:-dʒe:kʰi:ʃə ʃi:kʰɑ:-ʃi:kʰi:
kərətə. bʰɑ:jə, pəriɪvɑ:rə tʃə pəriɪvɑ:rə tʃʰi:, tʃəhu:me:
məŋukʰəkə pəriɪvɑ:rə, dʒe:kəra: mɑ:lə-dʒɑ:lə dʒəkā:
tʃʰɑ:ŋə-pəgəhiɑ: ŋəhi ləgələ tʃʰəi.

ʃuɪvɑ:ʃuŋi:kə məŋo:bʰɑ:vəkē: rɑ:dʰɑ:rəməŋə ā:ki ŋe:ŋe:
tʃʰələ:. mudɑ: ʃəka: i: utʰi ge:lə tʃʰe:ləiŋə dʒe: bəre:
kiɪdʒiŋə tʃə dʒəitʃukə ke: le:tə mɑ:ŋe: i: dʒe: dʒə_I
ʃuɪvɑ:ʃuŋi:kē: hiɪmmətələ:ləkə pəriɪvɑ:rəkə rēge:-ru:pə
dʒe:kʰi məŋə bʰətəikə ge:lə ətʃʰi ʃe: o:I pəriɪvɑ:rəkə ʃukʰə-
dʒukʰəkē: əpəŋə ʃukʰə-dʒukʰə budʒʰi əŋge:dʒə ke:ŋɑ:
ʃəkəre: ? a: dʒə ʃe: ŋəhi bʰe:lə tʃə ke:təe: e:ləũ tʃə ke:təu
ŋe: ʃəe:hiə hiə:tə....

təibi:tʃə hiɪmmətələ:lə tʃi:ŋətɑ: ple:təme: dʒələkʰəi
əŋələkə. rɑ:dʰɑ:rəməŋə dʒuŋu: pərə:ŋi:kə ple:tə e:kəreŋgə
ʃədʒələ tʃʰələ a: ʃutʃiɪtɑ:kə dʒo:ʃərə rēgə. dʒuŋu: pərə:ŋi:
rɑ:dʰɑ:rəməŋəkə ple:tə dʒəhiŋɑ: ʃpɑ:dəkə hiɪʃɑ:be:
mi:tʰə-ŋəməki:ŋəʃə ʃədʒələ tʃəhiŋɑ: ʃutʃiɪtɑ:kə ple:tə
mi:tʰə-mədʰurəkə hiɪʃɑ:bəʃə ʃədʒələ tʃʰələ. tʃə_I
bitʃiɪtʃe:me: hiɪmmətələ:ləkə pətʃi: ʃɑ:ʃu-le: mɑ:ŋe:
hiɪmmətələ:lə mɑ:e le:, ʃe:hiə a: pā:tʃo: dʰiɑ:-putɑ:-le:
ʃe:hiə bətəkɑ: tʰɑ:ri:e-me: a:ŋi rəkʰi dʒe:li:. jəe:hiə tʃə
dʒuŋjā:kə kʰe:lə tʃʰi:, dʒəhiŋɑ: hiɪmmətələ:ləkə pu:rɑ:
pəriɪvɑ:rə dʒuŋu: pərə:ŋi: rɑ:dʰɑ:rəməŋəme:
dʒe:vətʃəpəŋə dʒe:kʰi rəhiələ tʃʰe:ləiŋə tʃəhiŋɑ:
rɑ:dʰɑ:rəməŋə hiɪmmətələ:ləkə pəriɪvɑ:rəme: ki:
mədʒəma: ətʃʰi, tʃe:kəra: tʃədʒəbi:dʒə kəʃ rəhiələ tʃʰələ:
e:kə dʒiʃə vətʃəvəjə mɑ:e: əpəŋə po:tɑ:-po:tʃi:kə ʃəgə a:

दुःसुरा दुःसुरा राःदुःसुराःरामेण एतेण परित्वाःरकं सुगं...
मुदाः सुवाःसुनिःकं मेण उक्त्वा-उक्त्वा सुनं
त्वेःलेनं.

एतेण एतेभ्यःमिकं एतेकमुजलकैः राःदुःसुराःरामेण
असुराभ्यो हिःकं प्रक्रियाःमेः देःकं रक्षितं त्वात्तं. माःनेः
i: दृष्टेः दृष्टिःकाः (पत्तिःकैः) दृष्टिःगिःकं भेःदं
बुद्ध्याभ्यो एःलेनं सुखैः तेःहेःनं उक्त्वा-उक्त्वा सुनं
भ्यो ge:li: दृष्टेः बुद्ध्या केःनः पत्तिः? मेणकं
वित्वाःरवाःनं त्वात्तं राःदुःसुराःरामेणकं मेणमेः नभ्यो
त्वेःतं एःलेनं. नभ्योत्वेःतं i: एःलेनं दृष्टेः पत्तिःनेः
सुवाःसुनिःकं परित्वाःरकं वित्वाःनं उक्त्वाः सुं o:
e:ka:grं हेःत्तिः a: एतेण प्रक्रियाः बुद्ध्याःलेः
हिमन्तलाःकं परित्वाःरं दुःसुरां नदृष्टिः उक्त्वाः.
दृष्ट्याःनेः सेः भेःले त्वाःनेः हिमन्तलाःकं परित्वाःरं
सेःहिः एतेण दृष्टिःभ्यो त्वलाः करितं प्रक्रियाः
देःभेः करितं. बिःत्तिःमेः दुःसुराः गोःरेः भेःलेनं, माःनेः
एतेण a: हिमन्तलाःले, हिमन्तलाः सुभ्यो एतेण-एतेण
पक्षं रक्षितं सुःमदृष्ट्याकं सुःमाःपरा पत्तिःत्वाः.
राःदुःसुराःरामेण नभ्योःनं कः रक्षितं त्वाःलाः a: सुवाःसुनिः
नभ्योःनं कः कः कः रक्षितं मित्वाः कः रक्षितं
त्वेःलिः. दुःसुराःकं वित्वाःतं दुःसुराः देःकं हिमन्तलाःले
बाःदृष्ट्या-

"सुःहिःत्वा, हिमन्तलाः सुभ्योःकं परित्वाःरं त्वां सुभ्योःदृष्टेः
सुभ्योःदृष्ट्यां गरीःत्वा रक्षितं a: अक्षयः अत्तिः. अत्तिः सुनं
राःदृष्ट्याःकैः केःनः दुःसुराः सुःगःत्वा कः सुकः त्वाः,
मुदाः मित्वाःकं दुःसुराः पुनं कः रक्षितं रक्षितं
दृष्टेः त्वाःहेः वित्वाःकं सुःगः हिः a:ki ज्वलाःकं भ्यो,
दुःसुराः भ्यो रक्षितं अत्तिः. त्वाः मेणमेः नभ्यो भ्यो त्वां
त्वाः ज्वलाः कः त्वां भ्यो ज्वलाः रक्षितं अत्तिः."

o:नाः, हिमन्तलाःकं हिःत्वा त्वाःले पत्तिःकं भ्योःदृष्ट्या

pərvɑ:rəkē: s̥ō:gərə bəŋɪ, kəɦɪŋɑ: t̪hɑ:t̪hə ke:ləũ, o:kərə
 əudʒ̪huka: ru:pə ki: ət̪ʰɪ t̪e:kərə s̥ɑ:kʃi: pət̪ɪŋi: t̪ʰəit̪hə.
 t̪əɦɪŋɑ: kɑ:rjɑ:ləjəkə d̪ʒe: t̪ʃəpərə:s̥i: ət̪ʰɪ d̪ʒe:kərə
 vɛ:t̪əŋə kɑ:rjɑ:ləjəme: s̥əb̪həs̥̥ kəmə ət̪ʰɪ t̪e:kərə s̥ɑ:kʃi:
 t̪̥̥ ɦɪmmət̪əla:lɛ: ət̪ʰɪ.... mudɑ: pərvɑ:rəkə t̪̥̥ t̪hɛ:kɑ:ŋə
 ŋəɦɪ ət̪ʰɪ d̪ʒe: d̪ɪŋɪ:me: t̪i:ŋə ət̪ʰɪ ki t̪e:rəɦə. jə:ɦə
 d̪ʒid̪ʒɪɑ:s̥ɑ: rɑ:d̪hɑ:rəmənəkə mənəkē: ut̪pre:ɪt̪ə
 ke:ləkəŋə d̪ʒə_ɪs̥̥ e:kɑ:e:kə t̪ʰut̪ti: d̪ɪŋəkə kɑ:rjəkərəmə
 bəŋɑ: ɦɪmmət̪əla:ləkə g̪hərəpərə e:lɑ:. b̪hɑ:jə, ke:kəro:
 əit̪hɑ:mə, bɪŋɑ: d̪ɪŋə-t̪hɛ:kɑ:ŋə bəŋəuŋe: d̪ʒək̪həŋə d̪ʒɑ:ɪ
 t̪ʰɪt̪i t̪ək̪həŋə əpənɑ: mənəme: i:ɦo: əbəd̪hɑ:ɪ lɪə pət̪ət̪ə
 kɪŋe: d̪ʒe: ge:lɑ: pət̪ʰɑ:ɪt̪ə mɑ:ŋe: o:ɪt̪hɑ:mə pəɦɪt̪ʃəla:
 pət̪ʰɑ:ɪt̪ə d̪ʒ̥ d̪hərəvɑ:ɪ: əpənə d̪uɑ:rə-d̪ərəbəd̪ʒd̪ʒɑ:
 d̪ʒɑ:ɪrəe:-bəɦɑ:rəe: ləgəit̪hə t̪̥̥ bəgəɪlə kəʌ kɑ:t̪əme:
 t̪hɑ:t̪hə b̪həʌ d̪ʒɑ:ɪ. i: ŋəɦɪ d̪ʒe: əpənə: t̪hɑ:t̪hə t̪ʰi: a:
 g̪hərəvɑ:ɪ: o:rjɑ:ŋə kəʌ rəɦəla: ət̪ʰɪ t̪̥̥e: əpəmə:ŋə b̪hɛ:lə.
 d̪ərəbəd̪ʒd̪ʒɑ:kə be:vəst̪hɑ: bəŋət̪ə, d̪ʒək̪həŋə o:ɪt̪hɑ:mə
 bəɪs̥ə pərvɑ:rəkə d̪hɑ:rɑ:kə a:d̪ɑ:ŋə-prəd̪ɑ:ŋə ɦəe:t̪ə.
 b̪hɑ:jə, d̪ɪŋɪj̥ɑ: t̪ʰi: kɪŋe:, ɪgə-ɪgəkə ŋɑ:t̪ʃə-t̪əmə:jɑ:,
 ɪgə-ɪgəkə mət̪ʃəpərə t̪hɑ:t̪hə b̪həʌ t̪əməs̥əgi:rə əpənə
 t̪əmə:s̥ɑ: d̪e:k̪həɪbət̪o: ət̪ʰɪ a: a:gu:o: d̪e:k̪hɛ:be: kərət̪ə.
 s̥uɑ:s̥ɪŋi:kə pɑ:ŋə s̥ɪŋɪ d̪jərə d̪ʒək̪ɑ: ɦɪmmət̪əla:lə
 əŋət̪hɑ: d̪e:ləkə. əŋət̪həbəɪkə kɑ:rəŋə b̪hɛ:ləɪ d̪ʒe: d̪ʒə_ɪ
 mɪt̪hɪl̥ɑ:t̪ʃələme: t̪ʃɑ:ɦə pi:a:kə be:s̥i: ət̪ʰɪ t̪̥_ɪ
 mɪt̪hɪlɑ:me: t̪ʃɑ:ɦəkə upəd̪ʒə (ut̪pɑ:d̪əŋə) ŋə_ɪ ɦuəe:
 t̪ək̪həŋə əŋəkɑ: b̪həro:s̥e: ke:t̪e: d̪ɪŋə t̪ʃələbə? əpənə
 ut̪jɑ: t̪ʃɑ:ɦə pət̪ti:kə t̪ʃɑ:ɦə bəŋɑ: ru:kmɪŋi: d̪ɪŋɪ:
 pərəŋi: rɑ:d̪hɑ:rəmənəkə ɦɑ:t̪həme: kəpə pəkəɪəbəɪt̪ə
 bəd̪ʒəli:-

"me:mə s̥əɦɑ:e:bə, ut̪jɑ: t̪ʃɑ:ɦə t̪ʰi:."

o:ŋa:, pa:ŋəŋə pəhīŋe: tʃa:hiəkə pu:rtʃi bʰe:ŋe:
sʊva:sʊŋi:kə mənəme: ŋəvətʃe:tə bʰe:ləŋə. ŋəvətʃe:tə i:
bʰe:ləŋə dʒe: miṭhiḷā:tʃələ, dʒe: ʔgre:dʒəkə tʃa:hiə
bəgəŋe: tʃələ a: pa:ŋə hiətʃijəŋe: rəhiələ, tʃa:hiə:mə
pa:ŋəkə əpəŋə upədʒəva:ri: ʃe:hiə: ŋe: tʃələ.
hiimmətʃələ:ləkə pətʃi:kə muhiəŋə sʊŋələ me:mə
ʃəhiə:e:bə ʔgəre:dʒi:kə prəbʰa:və tʃi:, dʒe: bədʒilə a:i
mədʒəmə bʰəʃge:lə.

pa:ŋə bʰe:la: pətʃi:itʃə hiimmətʃələ:lə, dʃuŋu: go:re:kə
bi:tʃə ma:ŋe: ra:dʰa:rəmənə a: sʊva:sʊŋi:kə bi:tʃə
bəiʃələ. hiimmətʃələ:ləkə pa:tʃi:u: pətʃi:ijō: a: ma:ijo: a:bi
bəiʃəli:. o:ŋa:, bʰi:tʃe:-bʰi:tʃe: dʒəhiŋa: ra:dʰa:rəmənə
hiimmətʃələ:ləkē: dʒe:kʰi rəhiələ tʃələ: tʃhiŋa:
hiimmətʃələ:lə ʃe:hiə: əpəŋa: ŋədʒəŋe: ra:dʰa:rəmənə
dʃuŋu: pəra:ŋi:kē: dʒe:kʰitʃə rəhiəŋə. dʃuŋu: pəri:va:rəkə
ʃəmməlitʃə ru:pə dʒe:kʰi ra:dʰa:rəmənə bədʒələ:-

"hiimmətʃələ:lə, pəri:va:rəme: ke: ʃəbʰə tʃi:itʃə?"

hiimmətʃələ:lə ba:dʒələ- "ʃəra, dʒəhiŋa: əhi:kē:
pəŋərahiə: dʃi:ŋə əpʰiʃə-prəve:ʃəkə bʰe:lə ətʃi: tʃhiŋa:
hiəməhi: ko:ŋo: pu:ra:ŋə ŋəhi tʃi:, pəitʃələ: ʃa:ləŋə
hiəməhi: tʃi:. dʒəhiŋa: ŋo:kəri: bʰe:lə tʃhi:jo: a:tʃə
go:re:kə pəri:va:rə tʃələ a: əkʰəŋo: ətʃi:."

hiimmətʃələ:ləkə ba:tʃə sʊŋi sʊva:sʊŋi: bədʒəli:-

"bətʃi:tʃa: kə:tʃa: ətʃi:?"

hiimmətʃələ:lə-

"pā:tʃəta: ətʃi: tʃi:ŋəta: be:tʃa: a: dʃu:tʃa: be:tʃi:. tʃi:ŋəgə
pətʃi:ijō: ətʃi: a: ma:ijo: ətʃi:."

hiimmətʃələ:ləkə pəri:va:rəŋə ʃəitʃə sʊva:sʊŋi:kē: dʒe:kʰi
ra:dʰa:rəmənəkē: əŋuku:lə pəri:stʃi:rtʃi budʒi: pətʃələŋə.
dʒə_1 əŋuku:lə:tʃa:kē: dʒi:vəŋo:pəjo:gi: bəŋəbətʃə

रा:दुहा:रामेणं बधुला:-

"हम्मत्पला:ल, नु:करी: के:नू: बहे:ल?"

०:नू:, रा:दुहा:रामेणकै: पत्तुा:रसुं पत्ता: तुलै ge:ल
तुहे:लैणु दडे: हम्मत्पला:लकै बह्ना:लि:, पित्ता:कै मरिजुकै
पत्तुा:तुं अनुजसु:परे बहे:ल तुतु।

हम्मत्पला:ल बा:दुलै-

"सुरै, दुहैजा:सुं का:रुा:लैजै बणुलै तुहैजे:सुं पित्ता:दुतु:
नु:करी: करैतु तुहे:ला: करै:बै बि:सु-पत्तु:सु बैरुहै
नु:करी:कै: बहे:ल रैहैणु. का:रुा:लैजे:कै दु:-मैदुला:कै
सु:तुहि:परे सुं क्कैसुणु: मरिजु बहे:लैणु, पत्तुा:तुं
हैमैरा: नु:करी: बहे:ल."

अणु बै:वहै:रुकै अनुभवैकै: सुबहैकै सु:दुहैमे:
अणुकै क्कैजा:लैसुं रा:दुहा:रामेणं बधुला:-

"अनुजसु:कै बह्ना:लि:मे: बैतु लैकैतु-पै:तु लैगै: सु:
नु: तु: बहे:ल?"

०:नू:, सुवु:सुनु: सु:है: सुनुबु: करै तुहे:लि: अ: मणु:-
मणु अणु मै:परे नुदुतैरै रैकै सु:तुजु: रैहैलै
तुहे:लि: मुदु: मुहैसुं क्कैतु बा:दुतु नुहै रैहैलै तुहे:लि:
हम्मत्पला:ल बा:दुलै- "सुरै, दु:कै तुतै दडे: ग्कैरै
अदुहै:परे लैसुकै ge:ल तुलै. पित्ता:कै मरिजुकै
पत्तुा:तुं दडे: नुगैदु बहे:तुलै ०:सुं ग्कैरै बैनु:बा:कै
वतुतु:रै के:लै. पदुडे:बा: तुं क्कै लै:लै, मुदु:
नु:करी:कै दुतु-बैरैहै: अ: ग्हु:सु-पै:तुमे: तु:तु तुलै
ge:ल दडे: ग्कैरै बैनु:बा:कै पैहै:तु दुतुकै: बहै/ge:ल."

रा:दुहा:रामेणं बधुला:-

"मै:रै:मैकै: तु: पै:तुणु बहे:तुतु है:तु?"

हम्मत्पला:ल-

"है सुरै, ०:है: प:सुं तु:नुतु: क्कै:तु: अ: दुबैदुदुतु:
कैनुतु:कै/ तु:तु के:लै है:नु. रैहै दुतु:करै बहै/
ge:ल, अ:गु: बुदुतुलै दडे:तु-।"

kairamə bo:rdəkə ənjə go:ti: dʒəkā: sʊva:sɯŋi:kə
 mənəme: ʃe:ɦo: əpənə pəriɪva:rəkə be:tʰa:-kətʰa:
 sʊŋəbəkə vitʃa:rə a:pʰənə tʊ:rʰe: ləgələnə. a:pʰənə:
 ke:nə: nɛ: tʊ:rʰtʰənə, sʊkʰəkē: nɛ: lo:kə tʃo:ra:kəʃ
 rəkʰə: tʃa:ɦəie: mudə: dʊkʰə tʃə ʃe: nənɪ tʃi: . o: tʃə
 ʃətʰitʰə mənəkē: dʊkʰəbətʰə rəɦəie: dʒe: dʊ:ʃərəkē:
 dɛ:kʰəle:-sʊŋəla: a: kəɦəle:-sʊŋəla:ʃə kəməie: . o:nə:
 sʊva:sɯŋi:kə ɦa:və-bʰa:vəʃə ra:dʰa:rəmənə budʒi ge:la:
 dʒe: ɦuŋəkə: mənəme: (pətɲi:kə mənəme:) əpənə
 pəriɪva:rəkə gʰətʰənə: ʃe:ɦo: a:pʰənə tʊ:rʰi rəɦələ tʃi:əŋi tʃe:
 əpənə a: ɦimmətʰəla:ləkə vitʃa:rəkə pəriɪva:ɦə dʒe: ətʃi
 o:kəra: ɦimmətʰəla:lə a: sʊva:sɯŋi:kə ma:ikə
 mĩɦəmila:nə kɪe: nɛ: kəʃ dʰəiŋə dʒə_ɪʃə pəriɪva:rəkə
 e:kəru:pətʰa:kə bo:dʰə ɦe:tʰənə. mənʊkʰə ko:nəũ
 pəriɪva:rə va: ke:ɦənə: pəriɪva:rəme: kɪe: nɛ: ɦuəe: ,
 əpənə o:kə:tʰkə əŋuku:lə pəriɪva:rəkə rəɦənə-ʃəɦənə kɪe:
 nɛ: ɦo:u, mudə: dʒi:vənə tʃə dʒi:vənə tʃi: . tʃa:ɦe: o:
 mənʊkʰəkə əpənə dʒi:vənə ma:nɛ: əʃəgəru:a:kə, ɦo:u
 a:ki pa:riɪva:rikə ɦo:u, o:kəra tʃə əpənə bunɲa:də tʃi:ə.
 dʒe:kəra: purəbəkə vəʃtʰu va: ənjə bʰa:vəkē: lo:kə
 bunɲa:dʒi: dʒəru:rətʰə budʒi:əie: , ʃe: tʃə ʃəbʰəkē: tʃi:ə_ɦie: .
 rəudə-vəʃa:tʰəkə pəkə:pə ɦo:u a:ki pa:nɲi-pa:tʰərakə
 pəkə:pə ɦo:u, ma:nəvi:jə ɦo:u a:ki dəvi:jə ɦo:u, o: tʃə
 ʃəbʰəkē: tʃi:ə_ɦie: . kɪja:ɦi:lə ra:dʰa:rəmənə sʊva:sɯŋi: a:
 ru:kmɲi:kə mĩɦə-mila:nɲi: kəri:tʰə bədʒəla:-
 "ɦimmətʰə, əiʰa:mə tʊ:ɦərə ma:ɲo: tʃi:ətʰunə, dʒiŋəkə:
 pətʃi ma:nɲi ləɦunə, e:mɦərə tʊ:ɦərə pətɲi: bʰe:ləkʰunə
 a: o:mɦərə ka:ɲa:ləjəkə ɦiʃa:bəʃə bʰəudʒi: a: ume:rəkə
 ɦiʃa:bəʃə bʰa:və: sʊva:sɯŋi: bʰe:ləkʰunə, bi:tʃəme:
 ɦəmə bʰəlē: dʒe: ɦo:i mudə: bʰe:ləũ tʃə tʊ:ra: a:gu:me:

ba:le:-bo:dḥā kiṇṇe:, tḥē: bədṛī tḥī:, tṛo:ḥārə bḥəudṛijjo:
ḥāmāra: ṣṭṛake:pārə bḥe:tḥə tḥīe:li:."

o:ṇā:, ra:dḥā:rəməṇə tṛa:ṇā: mā:ri ba:dṛīlā tḥīlā:
mudā: ṣṣuṣa:ṣṇi:kē: tṛe:kārə miṣṣjjo: bḥārī kuṣa:tḥā ṇḥi
bḥe:lāṇḥ. biḥuṣṭṛa bədṛīli:-

"bəua:, mā:ṇe: ḥimmətḥā:lā! ke:ṇā: əḥā: dḥəro: bḥe:lā
a: bḥāṣṣuro: bḥe:lāu?"

əpəṇḥ dṛīṛja:e:lā mo:tṛi:kā bḥā:rə utṛa:ri ḥimmətḥā:lā
ba:dṛīlā-

"dṛīkḥəṇḥ pṛiṭa:tḥijə bḥā:jə ṣṭṛā:e:bə bəiṣṭale: tḥīṭḥā
tḥkḥəṇḥ ḥāmārə ba:dṛībə utṛiṭḥ ṇḥ_1 ḥē:tḥ. utṛiṭḥ
e:tḥbe: ḥē:tḥ dṛīe: dṛīṇḥgi:kā bəṭṛi:ṣṭamə bərkḥāme:
ṇṛo:kāri: ḥuru: ke:lāṁ."

ḥimmətḥā:lākē: māḥiṭa: dṛīgətḥṣṭ pḥāra:kā ḥo:ṭḥ
dḥe:kḥi ra:dḥā:rəməṇəkā māṇḥame: utḥəlāṇḥ dṛīe:
ṇā:ḥākāme: ḥāmə pḥṣṣ dṛīa:e:bə. dṛīkḥəṇḥ tḥlṣṣj:
ba:ba: ḥā:ri mā:ṇi kəḥəlāṇḥ dṛīe: -ṣṭbəi ṇṭṛi:bəi ra:mə
go:ṣṣa:ri- tḥiṭḥā:mə əpəṇḥe: ko:ṇḥ kḥe:tḥkə muṭṛi tḥī:...!
əpəṇḥ pəriṣa:rəpārə ṇḥdṛīrə tḥṭṛipə kə/ pəḥiṭṛiṭḥ
ge:lāṇḥ. pəḥiṭṛiṭḥe: māṇḥame: utḥəlāṇḥ dṛīe: ke:tḥe:
ṣṣuṇḥṭṛə pəriṣa:rə ḥimmətḥā:lākə əṭṛi. bḥā:rə-muktḥ
mā:e: tḥīṭḥ, dḥuṇḥ: pəra:ṇi: ḥimmə:lā pəriṣa:rəkə
pa:tḥiṭḥ: tḥiṭḥi:ṣṭo: gḥḥṭa: lā:gəlā rəḥāre:, tḥiṭḥā:mə
əppəṇḥ pəriṣa:rə ki: əṭṛi! dḥṇḥ-ra:tṛi pṛiṭa:dṛī: ədḥāla:
tḥiṭḥ:ri ṇi:kā ṇḥḥijē: kəḥḥiṭḥ ḥe:tḥā:. mudā: ṣṭe: ki
əpəṇḥe:tḥ budṛīṇḥe: ḥē:tḥ. mudā: əiṭḥā:mə tḥṣṭ ṣṭbḥṣṭ
ḥre:ṣṭḥ ḥāmāḥi: tḥī:. dṛī əpəṇḥ pəriṣa:rə dṛīkā: ṣa:
əpəṇḥ: dṛīkā: ḥimmətḥā:lākē: mā:ṇḥi tḥī:, tḥkḥəṇḥ tḥ
pəriṣa:ro: ṇe: əpəṇḥe: dṛīkā: bḥe:lā. dḥu: pəriṣa:rəkə ṇe:
ṣṭmā:gāmə bḥe:lā əṭṛi. māṇḥame: əbṛiṭe:

ra:d̪h̪a:rəmənəkə mənəkə vitʃa:rə p̪h̪ula:it̪ə n̪kələləiŋə-
 "əpən̪a: mənəkə məud̪ʒi: a: bəh̪ukē: kəh̪ələū b̪əud̪ʒi:."
 bəd̪ʒəikə krəməme: ra:d̪h̪a:rəmənə pət̪ŋi: d̪ɪs̪ə ʃa:ra:
 ke:n̪e: t̪h̪əla: mud̪a: h̪immət̪o:la:lə t̪ə ka:rja:ləjəkə
 t̪əpərə:s̪i: s̪e:ho: t̪h̪i:he:.. b̪h̪əlē: o:kərə vitʃa:rəkə ma:n̪i
 ka:rja:ləjəme: n̪əh̪i ho:u, mud̪a: ko:n̪əū prəʃŋəkē: d̪ʒē
 h̪ələʒ̪ b̪ud̪ʒ̪əulə d̪ʒa:e: t̪ə o: utʃit̪ə n̪əh̪i b̪ud̪ʒ̪i s̪əkəi,
 s̪e:ho: ke:n̪a: n̪ə_1 kəh̪ələ d̪ʒa:e:t̪ə. b̪id̪ʒələ:ka: d̪ʒəkā:
 bitʃəma:n̪i b̪h̪əʃ h̪immət̪əla:lə lo:kəit̪ə ba:d̪ʒələ-
 "s̪e: ke:n̪a: jəu b̪h̪a:jə s̪əh̪a:e:bə?"

o:n̪a:, ra:d̪h̪a:rəmənə ke:t̪a: d̪iŋə əi p̪ā:t̪i:kə prəjo:gə kəʃ
 t̪ʃukələ t̪h̪əla:, t̪əe: mənəkət̪h̪a: s̪e:ho: e:kə d̪iŋə
 ga:r̪i:me:, ma:n̪e: t̪re:n̪əme: b̪əis̪əle:-b̪əis̪ələ gət̪h̪i
 le:ləiŋə. s̪əe:h̪ə bəd̪ʒəla:-

"h̪immət̪ə b̪h̪a:jə! h̪əmə s̪əbə, ma:n̪e: mi:t̪h̪i:la:me:
 rəh̪əŋh̪a:rə əi s̪u:t̪əkē: ma:n̪əi t̪h̪i: d̪ʒe: əpən̪a:s̪ə d̪ʒe:
 u:pərə d̪ʒi:vit̪ə t̪h̪əit̪h̪ə, o: e:kə s̪i:ma: b̪h̪e:la: a: əpən̪ə
 a:gu: b̪əit̪əit̪ə pi:t̪h̪i: d̪ʒe: ət̪h̪i, o: b̪h̪e:lə d̪o:s̪ərə s̪i:ma:,
 mud̪a: ək̪h̪əŋə t̪ə d̪ʒəgərəŋa:t̪h̪ə ba:ba:kə d̪h̪ərət̪i:pərə
 t̪h̪i:, t̪əe: d̪o:s̪əro: pərəiva:rəkē: t̪ə o:h̪əŋə s̪t̪h̪a:n̪ə ət̪h̪ie:.
 t̪e:h̪əŋe: s̪t̪h̪a:n̪əkə d̪u: pərə:n̪i: ga:r̪i:me: s̪li:pərə
 bo:gi:me: rəh̪əit̪h̪ə. n̪it̪ʃi: -u:pərə ja:t̪ri: t̪a:ru:ka:t̪ə
 b̪h̪ərələ t̪h̪əla. s̪əb̪h̪ə əpən̪ə-əpən̪ə pərəiva:rəkə s̪əgə h̪əʒ̪əit̪ə
 bəd̪ʒəit̪ə rəʒ̪a: ka:r̪i rəh̪ələ t̪h̪əla. mud̪a: o: be:t̪a:re:
 ma:n̪e: d̪uŋu: pərə:n̪i:, əi lo:kə la:d̪ʒəkē: ma:n̪i d̪ʒe:
 pət̪i-pət̪i:kə bi:t̪əkə pre:mə əpən̪ə t̪h̪i:, t̪əe: lo:kəkə
 bi:t̪ə prəd̪əʃit̪ə h̪əe:bə d̪ʒəru:ri: n̪əh̪i, o: t̪ə e:kəŋs̪tə
 pre:mə t̪h̪i:. t̪əe: d̪uŋu: pərə:n̪i:kə bi:t̪ə h̪əʒ̪i:-
 məd̪ʒa:kəkə ko:n̪o: e:he:n̪ə va:t̪a:vərəŋe: n̪əh̪i bəŋi
 rəh̪ələ t̪h̪əla."

muski: d̥ɔɪt̥ɕə h̥im̥m̥ət̥ɕə:lə b̥a:d̥ʒ̥ələ-

"b̥h̥a:jə s̥əh̥i:a:e:bə, t̥ɕk̥h̥əŋə t̥ɕ̥ ɔ:ɪ b̥e:t̥ʃ̥i:a:r̥a:k̥ē: əun̥əŋj̥i:-
p̥a:d̥ɕə (əun̥ə:ɪkə d̥ʃ̥i:a:) ŋ̥ɪk̥əl̥əe: l̥əg̥əl̥ə h̥i:e:t̥ɕ̥_ɪ."

d̥ʒ̥əh̥iŋa: s̥əməd̥ʃ̥i:t̥ɕ̥i:k̥ē: a:ŋəŋd̥ɕə b̥h̥əv̥əŋə m̥a:ŋəl̥ə ge:l̥ə
ət̥ʃ̥ɪ t̥ɕh̥iŋa: əp̥əŋə d̥ʃ̥i:t̥ɕ̥i:k̥ē: e:k̥əŋj̥ɕ̥ə k̥əɪt̥ɕə s̥əme:k̥i:t̥ɕə
h̥o:ɪt̥ɕə r̥a:d̥h̥a:r̥əm̥əŋə p̥ət̥ŋj̥i: d̥ʃ̥ɕə t̥ɕ̥:k̥i b̥əd̥ʒ̥ə:l̥ə:-

"d̥ʒ̥e:h̥əŋe: p̥əŋv̥a:r̥ə h̥im̥m̥ət̥ɕə:l̥əkə ət̥ʃ̥ɪ t̥ɕ̥:h̥əŋe: ŋe:
əh̥i:̥:kə ŋəh̥iəɪkə p̥əŋv̥a:r̥ə ət̥ʃ̥ɪ. h̥im̥m̥ət̥ɕə:l̥ə m̥a:e:k̥ē:
p̥əŋv̥a:r̥əŋ̥ə m̥ukt̥ɕə b̥əŋəun̥e: ət̥ʃ̥ɪ d̥ʒ̥ək̥h̥əŋə k̥ɪ əh̥i:̥:kē:
m̥a:e: t̥ʃ̥əɪt̥h̥ə k̥iŋe:?"

o:ŋa:, h̥im̥m̥ət̥ɕə:l̥əkə əŋj̥ɕ̥əŋa:kə ŋo:k̥əri: s̥un̥j̥ m̥əŋe:-
m̥əŋə s̥un̥v̥a:s̥un̥j̥i: s̥əh̥əim̥ə ge:l̥ə t̥ʃ̥h̥e:li: d̥ʒ̥e:
r̥a:d̥h̥a:r̥əm̥əŋe:kə k̥əe:l̥ə k̥a:d̥ʒ̥ə m̥a:e:k̥ē: əŋj̥ɕ̥əŋa:p̥ərə
ŋo:k̥əri: d̥ʃ̥i:a:e:bə b̥h̥e:l̥əŋə. t̥ɕ̥əŋ̥əŋə r̥a:d̥h̥a:r̥əm̥əŋə
h̥əm̥əra: s̥əŋə b̥il̥ət̥ɕ̥i:t̥ɕə p̥əŋv̥a:r̥ək̥ē: t̥h̥a:m̥ɪ d̥ʒ̥i:v̥əŋəkə
d̥h̥a:r̥əme: p̥əŋv̥a:r̥ək̥ē: t̥h̥a:t̥h̥ə k̥ə/ d̥e:l̥əŋə, e:h̥i:e:ŋə
p̥ur̥uk̥h̥ək̥ē: k̥e:h̥i:e:ŋə p̥ur̥uk̥h̥ə k̥əh̥əl̥ə d̥ʒ̥i:a:e:, s̥e: a:ɪ d̥h̥əŋi
m̥əŋəme: k̥əh̥i:̥: ʊt̥h̥əl̥ə... s̥un̥v̥a:s̥un̥j̥i:kə m̥əŋəkə b̥h̥e:l̥ə g̥ət̥ɕ
s̥ā:p̥ə-t̥ʃ̥ɪut̥ʃ̥ɪun̥əŋi:r̥ə d̥ʒ̥ək̥ā: b̥əŋj̥ ge:l̥əŋə. m̥u:s̥ə b̥ud̥ʒ̥ɪ
d̥ʒ̥i̥ k̥h̥a:e:t̥ɕə t̥ɕ̥ p̥əra:ŋə g̥əma:e:t̥ɕə, ŋəh̥i d̥ʒ̥i̥ d̥ā:t̥ɕ̥əŋ̥ə
p̥ək̥əɪt̥ɕə t̥ʃ̥o:t̥ɕ̥i d̥e:t̥ɕə t̥ɕ̥ a:ŋh̥iəɪ h̥i:e:t̥ɕ̥..! d̥ʒ̥ək̥h̥əŋə ā:k̥h̥ije:
ŋə_ɪ r̥əh̥ət̥ɕə t̥ɕk̥h̥əŋə d̥e:k̥h̥ət̥ɕə k̥i:̥. ā:k̥h̥ije: ŋe: d̥un̥j̥jo:k̥ē:
d̥e:k̥h̥əie: a: d̥un̥j̥jo:k̥ē: ā:k̥h̥ije: d̥e:k̥h̥əb̥əie:̥. d̥ʒ̥ək̥h̥əŋe:
m̥əŋj̥k̥h̥ə d̥un̥j̥j̥ē: d̥ʒ̥ək̥ā: əp̥əŋo: d̥un̥j̥j̥ā: (m̥a:ŋe: b̥h̥e:l̥ə,
e:kə b̥a:h̥əri: d̥un̥j̥j̥ā:, d̥o:s̥əɪ b̥h̥i:t̥ɕ̥əri: d̥un̥j̥j̥ā:) k̥ē:
d̥e:k̥h̥əe: l̥əg̥ət̥ɕə, t̥ɕk̥h̥əŋe: ŋe: b̥a:h̥əri: d̥un̥j̥j̥ā:kə b̥h̥i:t̥ɕ̥əri:
d̥un̥j̥j̥ā: d̥e:k̥h̥əe: l̥əg̥ət̥ɕə. t̥ɕh̥iŋa: d̥ʒ̥ək̥h̥əŋə k̥ij̥o: b̥h̥i:t̥ɕ̥əri:
d̥un̥j̥j̥ā:k̥ē: d̥e:k̥h̥i̥ l̥ə_ɪe: t̥ɕk̥h̥əŋə b̥a:h̥əri: d̥un̥j̥j̥ā:k̥ē:
s̥e:h̥o: ŋe: d̥e:k̥h̥əe: t̥ʃ̥i:a:h̥iəie:̥. b̥h̥əl̥ē: d̥un̥j̥j̥ā: d̥un̥j̥j̥ā:kə d̥u:

ru:pə kri: ɲe: ɦio:u. d̪u: ru:pəme: bʰe:lə e:kəʈa: d̪ʒəɦɪŋa:
 ʂəʈ əʈɦɪ ʈəɦɪŋa: d̪o:ʂəɾə əʂəʈjə ʂe:ɦio: əʈɦɪe:. bʰəlē:
 d̪uŋɦu:kə r̪əgə-ru:pə d̪e:kʰəɦime: e:kəɾ̪əgə:ɦie: əʈɦɪ. o:ŋa:,
 məŋe:-məŋə ʂɦuɦa:ʂɦŋj: əpəŋa:kē: bʰo:ʈɦɪja:e:lə ja:ʈɦɪ:
 d̪ʒəkā: budʒɦɪ pəɦɪ rəɦələ ʈɦe:li:, mud̪a: d̪ʒəkʰəŋə pəʈɦkə
 ʂ̪əgə ʈɦɪ: ʈəkʰəŋə bʰo:ʈɦɪja:e:bə ke:ŋa: bʰe:lə. əpəŋe:
 vɦʈɦa:rəkə d̪ɦa:rəme: ʂɦuɦa:ʂɦŋj: kəkʰəŋo: ugəɦ ʈɦe:li: ʈ̪
 kəkʰəŋo: d̪uməɦ ʂe:ɦio: ʈɦe:li:. d̪ʒəɦɪŋa: ʈəʈvədʒɦa:ŋj:
 puɦukʰə ʈa:ʈɦɪkə bʰe:la:kə pu:rəvəkə əpəŋə əʈa:ʈɦɪkə d̪ɦɦa:
 d̪e:kʰɪ məŋe:-məŋə ɦɪʂ̪əbo: kəɦɪ ʈɦəɦɪʰə a: pəʈɦɦa:ʈa:po:
 kəɦɪ ʈɦəɦɪʰə d̪ʒe: e:ʈe: ʂəməjə ma:ŋe: d̪ʒi:vəŋəkə e:ʈe:kə
 ʂəməjə pa:ŋɦme: d̪əɦɦa:-bʰ̃əʂɦja: ge:lə, ʈəɦɪŋa:
 ʂɦuɦa:ʂɦŋj:kə məŋə ʂe:ɦio: ma:ŋɦ le:ləkəŋə. e:kə:e:kə
 məŋəme: d̪ʒi d̪ʒɦa:ʂa: d̪ʒəgələŋə d̪ʒe: kri: ɲe:
 ɦɦmməʈəla:ləkə d̪ʒɦŋgi:kē: ləgəʂ̪ə əd̪ɦɪkə-ʂ̪ə-ə d̪ɦɪkə
 d̪ʒəŋəɦkə pəɦɪja:ʂə kəɦɪ. ʂəməʈɦuljə bəŋɦ ʂɦuɦa:ʂɦŋj:
 bədʒəɦɪ:-

"d̪ʒəɦɪja:ʂ̪ə ʂa:ʂɦrə ba:ʂə bʰe:lə ʈəɦɪja:ʂ̪ə ŋəɦɦəɦə bɦʂəɦrə
 ge:ləɦ. əɦ̃: ke:ʈe: pəʈʰələ ʈɦɪ: ɦɦmməʈə?"

"pəʈʰəbə"- ʂɦŋɦ ɦɦmməʈəla:ləkə məŋə ʈəʈɦɪ uʈʰələ.
 ba:d̪ʒəɦɪ-

"me:mə ʂəɦɦa:e:bə, d̪ʒəɦɪŋa: əpəŋe: bɦ.e.: pa:ʂə ʈɦɪ:,
 ʈəɦɪŋa: gʰəɦo:və:li: bɦ.e.: pa:ʂə əʈɦɪ."

"bɦ.e.: pa:ʂə"- ʂɦŋɦ ʂɦuɦa:ʂɦŋj: bədʒəɦɪ:-

"ʈəkʰəŋə d̪uŋɦu: pəɦa:ŋj: ŋo:kəɦɪe: kri: ɲe: kəɦɪ ʈɦɪ:?"
 ɦɦmməʈəla:lə ba:d̪ʒəɦɪ-

"əɦ̃:kə d̪ʒe: pəɦɦŋə əʈɦɪ ʈe:kəɦə uʈʈəɦə d̪əɦme: be:ʂj:
 ʂəməjə ləgəʈə. ʈ̪e: d̪ʒ̃ ɦəɦmə uʈʈəɦə d̪ə ləgi: a:
 bɦʈɦe:me: bʰa:jə ʂa:ɦəɦə kəɦəe: ləgəɦɪʰə d̪ʒe: bɦləmmə
 bʰəə rəɦələ əʈɦɪ, ʈɦəlu:. ʈəkʰəŋə ʈ̪ə əd̪ɦəməɦu ʂ̪ə:pə d̪ʒəkā:

ne: mənəkə vitʃa:rə kətʃhə-mətʃhə:e: ləgətə. t̃h̃e: pəhine:
bʰa:jə ʃa:hiəbəs̃t̃ə putʃhī lijəunə."

o:nā:, ra:dʰa:rəmənəkə mənəkə əbhjənt̃ərəme: rəhineṅ
d̃z̃e: himmət̃əla:ləkə vitʃa:rə d̃z̃i:vənəkə pu:rva
əvəst̃h̃a:kə e:kədh̃uri:kə vitʃa:rə hiə:t̃ə, d̃z̃e: pət̃h̃ələ-
likʰələ rəhineṅū s̃mva:s̃ñj̃i: ñəhi bud̃z̃h̃i pe:bə rəhəli: ətʃhī
t̃h̃e: d̃z̃i:vənəkə d̃z̃e: s̃t̃j̃ə ətʃhī t̃ə_I s̃t̃ə pəritʃit̃ə bʰəʔ
d̃z̃e:t̃i: mud̃a: e:kke: d̃ñəme: ke:t̃e: pəritʃijə kə:lə
d̃z̃a: ʃəkəie: d̃ñu: pərvā:rəkə bi:t̃j̃ə ʃəmbəṅd̃h̃ə ke:ña:
ñj̃:kə-s̃t̃ə-ñj̃:kət̃ərə bəṅəit̃ə t̃j̃ələt̃ə, ʃe: bʰe:lə mu:lə
vitʃa:rə. əkʰəṅə ʃəmbəṅd̃h̃ə st̃h̃a:pit̃əkə prət̃h̃əmə d̃ñə
t̃j̃h̃i: himmət̃əla:ləkē: rə:kəit̃ə ra:dʰa:rəmənə bəd̃z̃ələ:-
"himmət̃ə, gəpə-ʃəppə kərikə d̃z̃i be:s̃j̃i: mənə
(d̃z̃id̃z̃ña:ʃa:) hi:it̃ə hiə t̃e: ñt̃j̃e:ñə s̃t̃ə a:gu:ə: hi:it̃ə
rəhət̃ə. t̃ə_I le: kə:ñu: əgut̃a:ī ətʃhī. a:ī pəhilə d̃ñə t̃j̃h̃i:
e:t̃əbe: rā:kʰəh̃ə."

o:nā:, s̃mva:s̃ñj̃i:kə mənə kəṅj̃i: t̃j̃o:t̃e:ləiñə mud̃a: a:gu:
ñt̃j̃e:ñə s̃t̃ə gəpə-ʃəppə hi:it̃ə rəhət̃ə, s̃ñu j̃a:ñt̃e:
rəhələiñə. vitʃa:rəkē: bəd̃ləit̃ə s̃mva:s̃ñj̃i: bəd̃z̃əli:-

"ba:lə-bət̃j̃t̃a: ʃəbʰəkē: pət̃h̃əbəi t̃j̃h̃i: kine:?"

himmət̃əla:lə bā:d̃z̃ələ-

"ki: pət̃h̃a:e:bə me:mə ʃəhiā:e:bə, ʃo:d̃z̃h̃e: iʃku:lə
d̃h̃ərəuñe: t̃j̃h̃i: d̃z̃iəit̃h̃a:mə pət̃h̃a:ī hi:ie: t̃əit̃h̃a:mə
d̃z̃a:ikə o:kā:it̃ə ñəhi ətʃhī a: d̃z̃iəit̃h̃a:mə ətʃhī, t̃əit̃h̃a:mə
pət̃h̃a:ī ñə_I ətʃhī. t̃əkh̃əṅə t̃j̃ lo:kə d̃z̃e: d̃us̃t̃ə d̃z̃e:
be:t̃a:-be:t̃i:kē: iʃku:lə d̃e:kʰəuñe: t̃j̃h̃əh̃ə kī ñəhi, t̃ə_I
kʰa:ña:pu:ri: kərəi d̃uā:re: məh̃əlle:kə iʃku:ləme:
pət̃h̃əbəi t̃j̃h̃iəi."

himmət̃əla:ləkə bā:t̃ə s̃ñu s̃mva:s̃ñj̃i:kə mənəme:
m̃is̃j̃o: bʰəri hiələt̃j̃ələ ñəhi ut̃h̃ələiñə. t̃e:kərə kārəṅə

b^he:ləŋə dʒe: s̩a:ma:ŋjə pəɽ^ha:ɪkə ru:pə-re:k^ha: dʒe:
ətʃ^hɪ, ba:t̩ə t̩əhi: əŋyuku:lə budʒ^hɪ pəɽələŋə. mud̩a:
ra:d̩^ha:rəmənə h̩immət̩əla:ləkə ʃrəməʃəkt̩k̩ē: dʒa:ŋɪ
t̩ʃukələ t̩ʃələ: t̩ʃe: budʒ^hɪ pəɽələŋə, h̩immət̩əla:lə əpənə
ʃəkt̩k̩ē: t̩ʃ^hɪpəbət̩ə ba:dʒələ ətʃ^hɪ. p^he:rə əpənə: mənə
go:h̩əŋjəbət̩ə vɪtʃa:rə d̩e:ləkəŋə dʒe: dʒək^həŋə t̩ʃe:le:
bəhi:rə-mət̩əsu:ŋə rəh̩ət̩ə t̩ək^həŋə dʒĩ guru əpənə dʒa:ŋə
t̩ʃ^ho:ɽa: a:ŋh̩ərə bəŋələ ŋəhi rəh̩ət̩ə s̩e:ho: t̩ʃ ŋi:kə
ŋəh̩ijē: h̩ə:t̩ə.

h̩immət̩əla:ləkə vɪtʃa:rək̩ē: po:s̩t̩ə-ma:ɽəmə (t̩ʃi:rə-
p^ha:rə) kəɽət̩ə ra:d̩^ha:rəmənə bədʒələ:-
"h̩immət̩ə b^ha:jə, kɪe: ŋe: me:mə s̩əh̩a:e:bək̩ē: k^ho:lɪ kəʃ/
kəh̩ɪ d̩ə_ɪ t̩ʃ^huɦuŋə dʒe: p̩ā:t̩ʃo:me: kəe:t̩a: s̩ku:lə dʒa:ɪe:
a: ke: ko:ŋə kɪla:s̩əme: pəɽ^həɪe:?"

ra:d̩^ha:rəmənəkə vɪtʃa:rə s̩uŋɪ h̩immət̩əla:lə mənə:-
mənə t̩uɽt̩ə b^he:lə dʒe: əgərə ma:e:-ba:pə d̩^hɪja:-puɽa:-
le: kɪt̩^hu s̩əməjə ŋɪrd̩^ha:rɪt̩ə kəʃ pəɽ^ha:e:t̩ə, pəɽ^ha:e:bəkə
əɽt̩ə dʒi:ɪvəŋəkə pəɽ^ha:ɪs̩t̩ə ətʃ^hɪ. t̩ʃ o:ɪ pəɽɪva:rəme:
bɪləmməs̩t̩ə ut̩t̩^hɪk̩h̩ələt̩a: əut̩ə. ŋəh̩ijō: a:bɪ s̩əkəɪe:.
mud̩a: s̩e: ŋɪrb^hərə kəɽəɪe: pəɽɪve:ʃəpərə. ra:d̩^ha:rəmənə
bədʒələ:-

"dʒəh̩ɪŋa: ək^həŋə d̩uŋɪ: pəɽɪva:rəkə s̩əb^hə e:kəɽ^ha:mə
bəɪs̩ə dʒi:ɪvəŋə ga:t̩^ha: g̩ā:t̩^hɪ rəh̩ələ t̩ʃ^hɪ: t̩əh̩ɪŋa: a:gu:o:
gəɽ^hət̩ə rəh̩əbə. ək^həŋə t̩ʃələɪkə be:rə b^həʃ/ge:lə t̩ʃe: t̩ʃələɪ
t̩ʃ^hɪ:."

ra:d̩^ha:rəmənəkə vɪtʃa:rə s̩uŋɪ h̩immət̩əla:lə 'h̩ĩ-h̩ĩ'
kɪt̩^hu ŋe: ba:dʒələ. mud̩a: ā:k^hɪkə ɪʃa:ra:s̩t̩ə dʒe:ŋa:
pəɽŋj:k̩ē: kɪt̩^hu kəh̩ɪ d̩e:ləkə. bəɪs̩əkəũ ut̩^hɪ ru:kmɪŋɪ:

ã:gəŋə a:bɪ əbʰja:gətəkə sʰuɑ:gətəkə pa:tʃu: la:ɡɪ ge:li:.
tʰəbi:tʃə hɪmmətʰala:lə bətʃtʃɑ: sʰəbʰəkē: pətʰəbəkə əpəŋə
ba:tʰə ba:dʒəe: ləgələ-

"bʰəɪ dɪŋə tʰə gʰərəsʰə ka:rja:ləjəkə ka:rjə təkəme: vjəstə
rəhəɪ tʃi:, mudɑ: ra:tʃ tʰə əpəŋə hɑ:tʰəkə ŋe: bʰe:lə
tʰə_ime: prətɪdɪŋə dɪ: gʰəŋtɑ: pã:tʃo: bətʃtʃɑ:kē:
pətʰəbəkəime: ləgəbəkə tʃi:. o:ŋɑ:, tʃi:otəkɑ: tʰə əkʰəŋə bətʰə
tʃi:otə ətʃi mudɑ: o:hi: e:ka:dʰə-gʰəŋtɑ: ləgəme:
bətʰələ rəhəie:."

hɪmmətʰala:ləkə ba:tʰə sʰuŋ sʰuɑ:sʰŋi:kə məŋəme:
sʰutʃtʃɑ:ka: prətɪ dʒe:ŋɑ: ŋəvə a:kərsəŋəkə sʰtʃɑ:rə
bʰe:ləŋə. məŋəme: vɪtʃɑ:rə gʰo:ra:e: ləgələŋə dʒe:
sʰku:ləme: kɪtʃu sʃi:mitʰə vɪsəjəkə pətʰɑ:ɪ hi:ie:, mudɑ:
dʒiŋəgi: tʰə əsʃi:mitʰə ətʃi. o:ɪ əsʃi:mitʰəkē: pəɪvɑ:re: ŋe:
sʃi:kʰɑ:-pətʰɑ: sʃi:mitʰə bəŋɑ: sʰkəie:. bʰe:lə tʰə jə:hiə ŋe:
dʒe: əkʰəŋə təkə dʒe: sʃɑ:ma:dʒikə dʰɑ:ra:me:
pəɪvɑ:rəkə prəvɑ:hiə ətʃi o:ɪ prəvɑ:hiəkē:, ma:ŋe:
pətʃtʰala: pi:tʰi:sʰə əigəla: pi:tʰi: təkə dʰɑ:rəŋuɑ:
prəvɑ:hiṭə hi:ikə dɑ:jəra: bəŋɑ: le:bə. dʒə_ime:
pəɪvɑ:rəkə sʰgə-sʰgə be:kətʃjo:kə dʒi:vəŋə prəvɑ:hiṭə
hi:itʰə rəhətʰə. dʒi sʃe: ŋəhi hiə:tʰə tʰə əŋe:re: pəɪvɑ:rəme:
vɪsəmətʰɑ: bətʰəitʰə rəhətʰə. ma:ŋe: i: bʰe:lə dʒe: dʒe:hiəŋə
pəɪvɑ:rəkə ã:tə-pe:tə, ã:tə-pe:təkə ma:ŋe: sʰəbʰə
sʃɑ:dʰəŋəsʰə sʰəmpəŋŋə, rəhətʰə tʰə_ɪ hi:sʃɑ:bəsʰə tʃələŋe:
sʰmətʰɑ: bəŋələ rəhəie:, mudɑ: dʒi tʰə_ɪ hi:sʃɑ:bəkē: tʃi:ot:
bəhəvɑ:tɪ ba:tʰə pəkətʰəŋe: vɪsəmətʰɑ:kə sʰəmbʰɑ:vəŋe:tɑ:
ŋəhi əŋuɑ:rjətʰɑ: sʃe:hi: bʰə_ije: dʒɑ:ie:.

sʰuɑ:sʰŋi:kē: əpəŋə pəɪvɑ:rəkə buddʰə dʒəgələŋə.
buddʰə i: dʒəgələŋə dʒe: dʒe:ŋɑ: a:ŋə-a:ŋə pətʃŋi:kə

dʒi:vəṇṇə ətʃʰi dʒe: ʂo:lho:əṇṇa: pətʃpərə a:ʃritʃo: rəhəi
 tʃʰəitʃʰə a: hʌkuməḍa:riṇi: (ma:ṇe: a:ḍe:ʃə pa:ləkə) bəṇṇ
 ʂe:ho: dʒi:vəṇṇə bitəbəi tʃʰəitʃʰə, tə_ɪʂṣ̄ t̄ṣ̄ i: ṇi:kə ṇe:
 bʰe:lə dʒe: dʒəkʰəṇṇə pətʃʰi-likʰi e:kə ʂi:ʃʰi:pərə pəh̄itʃʰə
 ge:lə tʃʰi:, t̄əitʃʰa:mə t̄əkə ba:lo:-bətʃʃʰa:kē: pətʃʰa:je:
 ʂəkəi tʃʰi:. dʒəkʰəṇṇə o:kəra: pətʃʰa:e:bə ʃuru: kərəbə
 t̄əkʰəṇṇə ṇe: gurut̄vəkə bo:dʰə h̄əe:t̄ə... o:ṇṇa:, vitʃʰa:rəkə
 ḍəurəme: ʂəbʰə budʒʰəi tʃʰi: dʒe: ma:t̄a:-pit̄a: be:t̄a:-
 be:t̄i:kə ma:t̄e:-pit̄a: t̄a: ṇəhi, prətʃʰəmə guru ʂe:ho:
 tʃʰəitʃʰə. dʒəkʰəṇṇe: ma:t̄a:-pit̄a: guru ʂe:ho: bəṇṇ dʒe:t̄a:
 t̄əkʰəṇṇe: ṇe: ba:lə-bətʃʃʰa:kə ja:ḍəga:rə ʂe:ho: bəṇṇ
 dʒe:t̄a:. əitʃʰa:mə e:kəta: prəʃṇə ətʃʰi dʒe: pit̄a: a:
 gurume: kitʃʰu əṇt̄əro: ətʃʰi va: e:kəṛṅga:hi: bʰe:lə?
 əṇt̄əṛə ətʃʰi! əṇt̄əṛə i: ətʃʰi dʒe: dʒəitʃʰa:mə ma:t̄a:-pit̄a:
 pa:ləkəkə ru:pəme: tʃʰəitʃʰə t̄əitʃʰa:mə guru pre:rəkə
 bʰe:la:. kʰa:e:rə dʒe: bʰe:la:, mud̄a: ma:t̄a:-pit̄a: ba:lə-
 bətʃʃʰa:kə gurua:ṇi ṇəhi kəʃ ʂəkəi tʃʰəitʃʰə ʂe:ho: ba:t̄ə
 ṇəhiṅṅē: ətʃʰi. kə_ɪje: ʂəkəi tʃʰəitʃʰə. ke:ṇṇi:ṇa:rə kəritʃo:
 tʃʰəitʃʰə.

gʰəri: ḍe:kʰi ra:dʰa:rəməṇṇə e:ka:e:kə utʃʰi kəʃ tʃʰa:tʃʰə
 ho:it̄ə bəḍʒəla:-

"himmət̄ə, a:bə t̄jələbə."

t̄əibi:t̄jə ru:kmṇi: ḍa:li:me: t̄i:ṇu: go:t̄a:-le: ma:ṇe:
 ra:dʰa:rəməṇṇə, ʂu:va:ʂṇi: a: ʂutʃʃʰa: le:, ḍe:hi:kə vəʂt̄ṛə
 ṇe:ṇe: pəh̄itʃʰə ra:dʰa:rəməṇṇəkə a:gu:me: rəkʰi ḍe:li:
 o:ṇṇa:, ʂu:va:ʂṇi: ʂa:t̄i:kə r̄ṅgə-ru:pə ḍe:kʰəe: ləgəli:
 mud̄a: ra:dʰa:rəməṇṇəkə məṇṇəme: bʰa:ḍəvəkə əṇṇi:ṇa:rəkə
 me:gʰəuṇṇə dʒək̄ā: lət̄əkəe: ləgələṇṇə. dʒəhiṇṇa:
 bʰa:ḍəvəme: e:kə ḍṣṣ̄ əka:ʂṣ̄ṣ̄ pa:ṇṇ dʒʰəhiṇṇə: t̄ṣ̄

दोःसुरेण द्युस्रे ब्रिडुलोःकाः स्रुण्णं जक्तुवाःणं प्रकाःजा
 (िडुःतः) स्रेःहोः त्जामैकतेः अत्थि अः तेःसुरेण द्युस्रे अण्णिःरोः
 त्थिः कंहितेः अत्थि द्दुः जैःहो त्थि ब्हाःदुवकै अण्णिःरकै
 क्हेःलै त्थिः, द्दुः_िमेः स्रुबभैकै द्दुः_वण्णं स्रेःहोः स्रुमाःहिते
 अत्थिरेः. राःदुः_रामण्णं ब्रिडुलाः-

"ह्रिममैतु ब्हाःजै, ह्रिमै तुःराः दोःसुरेण न्णहि बुदुत्थै त्थिरे,
 त्थिः_माः एःकैरै माःण्णैः वस्तुःकै कोःण्णं द्दुः_रुः_रैतु
 अत्थि..!"

अण्णं पारुवाःरकै पारैम्पराःकैः सुण्णभैतु
 ह्रिममैतुलाःलै बाःदुः_लै-

"ब्हाःजै स्रुः_ह्रिभै, स्रुभै पारुवाःरकैः अण्णं-अण्णं कित्थु
 दुः_रोः_हैरै होः_ त्थिरे, स्रेः_हो त्थिः."

ह्रिममैतुलाःलै बाः_तु सुण्णं राःदुः_रामण्णं अवाःकै ब्हा_
 गेः_लाः. अण्णं द्युस्रे त्थुकेतु वित्थिः_रैलैण्णं द्दुः_ ह्रिमै कित्थु
 त्थिः त्थिजोः ह्रिममैतुलाःलै_ अगुः त्थिः, त्थिः_माः द्दुः_
 एः_हैः_ण्णं स्रुभभैण्णं_ ओः_ स्रुः_पितु कैरैः त्थिः_हि रैहैलै अत्थि
 त्थि ह्रिमैरोः_ अगुः_ बत्थि स्रुभभैण्णं_कैः_ सुदुः_रैतु कैरैकै
 त्थिः_हिः. द्दुः_तेः_ किः_मैतुके वस्तुः_ अत्थि तेः_तेः_ त्थि अण्णोः
 दुः_बाः_ त्थिः_हिः. रैस्तुः_ अत्थिरेः. द्दुः_कैहैण्णैः_ दुः_जाः-पुतुः_ स्रुभै
 गोः_तु लाः_गैः_ लैगतु त्थुकेहैण्णैः_ ओः_कैरैः_ ह्रिः_तुहैमेः_ पाः_ द्दुः_रैतु
 कंहैभै- "बहुः_, मिः_तुहैः_ क्हे_ह्रिह्रि." मुदुः_ एः_कै त्थि
 दुः_रैमाः_ह्रिः_ द्दुः_कैरै काः_दुः_ न्णहि पुः_रैलै अत्थि, माः_ण्णैः
 अदुः_मेः_माः_स्रु_ भैः_लै अत्थि, त्थि_स्रु_ वेः_तुण्णं न्णहि भैः_तुलै अत्थि.
 दोः_सुरेण, अकैहैण्णं दुः_रै द्दुः_ पारुवाः_रै त्थि रैहैलै अत्थि ओः
 दोः_सुरेः_ ओः_जाः_ण्णं_ त्थि रैहैलै अत्थि. अण्णैः_ त्थि त्थिहैलैकै
 क्हे_जाः_लै_ त्थिहैलै त्थिः_लै, त्थिः_ ह्रिः_तुहैमेः_ त्थि कित्थु अत्थि
 न्णहि. अण्णं रैस्तुः_ किः_ ह्रैः_तु? लैगैलेः_ राः_दुः_रामण्णं_कैः
 मिः_तुहैः_ण्णैः_ क्हे_दुः_जाः_ मोः_ण्णं पारैलैण्णं. मोः_ण्णं पारुतुः_
 गंहैण्णं-द्दुः_बैरै-ण्णं_गैदुपैरै दुः_जाः_ण्णं गेः_लैण्णं. अकैहैण्णं
 त्थुके सुवाः_सुण्णैः_ माः_कै दुः_लै दुः_रोः_हैरै पारुवाः_रैमेः

ləgəuli: kəhĩ: ətʃʰi. ã:kʰIkə ɪfa:ra:ʃə pətɲi:kē: putʃʰələɪŋə.
ɟɪka:ri: ʃʉva:ʃɲi: budʒʰɪ ge:li:. a:ne: ʃtʃri:gəŋə dʒəkã:
ʃʉva:ʃɲi: ʃe:ɦio: əpəŋə ŋəgəɖə-ŋa:ra:jəŋə ʃe:ɦio: ʃəgəɦɪ
əŋəŋe: tʃʰe:li:.

dʒəɦɪŋa: ɦimmətəla:lə-pəɦɪva:rəkə ŋəvə vəʃtʃrə ʃəbʰəkijo:
ma:ne: tʃi:ŋu: be:kətʃi: ra:dʰa:rəməŋə grəɦəŋə ke:ləɪŋə
təɦɪŋa: vəʃtʃrəkə mu:lʒəkə ʃəva:ɪ læga: bətʃtʃa: ʃəbəɦəkə
ɦa:tʰəme: dətʃə ʃʉva:ʃɲi: ɦimmətəla:ləkə gʰərəʃə vɪɖa:
le:ləɪŋə.

rəʃtʃa:me:, ʃʉva:ʃɲi: kəkʰəŋo: əpəŋə ʃa:ɦi:kə dʌ:mə
ləgəbətʃə tʃə kəkʰəŋo: bətʃtʃa: ʃutʃɪtʃa:kə ʃəɦtə-pē:təkə,
mudʌ: dʒəkʰəŋə məŋə (dʌ:məme:) o:dʒʰərə: dʒa:ŋɪ
təkʰəŋə ra:dʰa:rəməŋə dʃʃə tʃa:kəe: lægətʃə. ra:dʰa:rəməŋə
əpəŋə əŋtʃimə vɪɖa:ɪ ma:ne: dʒə_ɪ dʃɲə gə:məʃə ŋo:kəɦi:
dʃʃə vɪɖa: bʰe:la:, dʃɲə dʒe: ʃi:tʃa:ŋa:tʰə a: gi:tʃa:ŋa:tʰəʃə
gəpə-ʃəppə kərəɦkə vɪtʃa:rə ke:ne: tʃʰəla: ʃe: mo:ŋə
pətʃələɪŋə. vɪtʃa:ɦɪ le:ləɪŋə dʒe: dɛ:ra:pərə ge:la: pətʃʰa:tʃə
dʃɲu:ʃə gəpə kərəbə.

(dʒa:ri:---)

əpəŋə
mətʃəvʒə editorial.staff.videhə@gmail.com **pərə**
pətʃʰa:u.

3.2. दंडिगद्विः प्रसूद मण्डल-अपेक्षा: तुति गेल (लग्नकतः)



दंडिगद्विः प्रसूद मण्डल

अपेक्षा: तुति गेल

अपेक्षा: जंबदक प्रजोगे अण्णत रुःपमेः हिरैः दंडेणः सःमाःदंडिके अपेक्षाः, दंडित्जारेः अपेक्षाः, राःदंडिःतुके अपेक्षाः, सःम्प्रदःजिके अपेक्षाः, द्वाःरमिके अपेक्षाः इतःदुः-इतःदुः मुदः अण्णःसंबहके सःमाःदंडमेः प्राःजेः दुः रुःपमेः अपेक्षाः जंबदक प्रजोगे हिरैः, पणिले अःजाःके रुःपमेः अः दुःसरे संभण्णहके रुःपमेः.

अःण्णः दुःण्ण दंडिकैः रण्णुविरैः बःाःजे दंडित्जिण्णमुहिःके राःसुः पकैण्ण बःोरमेः तण्णिले रण्णिले त्णैः. अण्ण

"दञ्जिहऱ्णऱः ण्णबे त्जऱःऽऽकै लैतऱःरैम्बेहै हऱःऱेः त्त्रैहऱ्णऱः ण्णैः
ण्णबे बैःऽऽः ः बैःऽऽऽऽःकै ऽऽँगै हऱःऱेः ऐत्तऱः।"

रैग्भुवऱःऱैः बैःऽऽः बैदञ्जैलैः-

"हँ, ऽऽः त्त्रै हऱःऱेः ऐत्तऱः।"

त्तऱःऱः द्दण्णकै बैःत्तै ऽुबेहैकैःण्णैः ग्गैरैमेः रैहैऱःऽँ लैःकैः
कैःऱः-पऱःबैः द्दहैऱकै दञ्जैःगैःरैः कैः ण्णैःण्णैः त्त्रैलैः. कैःऱःः
ऽत्तैःण्णैः द्दुःद्वैकै बैःद्वैः पैत्तऱःऽैःलैः त्त्रैःलैःण्णैः. दञ्जै
त्त्रैःपैःरैः-ऽुःऽैःण्णैः द्दऽऽकै ण्णैःकैःऱःकै दञ्जैःःण्णैः बैत्तैःण्णैः
रैहैऱैःतैः, त्त्रैःकैःण्णैः द्दुःद्वैःकै ःत्तैः क्कैःगैःतैः ण्णैःहैः
रैहैऱैःण्णैः मुद्वैः पुःण्णैः दञ्जैःलैःमेः दञ्जैःःण्णैःकै पुःण्णैः
ण्णैःकैः बैत्तैःऽुलैःण्णैः त्त्रैः द्दुःद्वैः-द्वैःहैः ः मैःत्त्रैःःकै
त्तैःहैःतैः लैःगैः गैःलैः त्त्रैःण्णैः. मैःत्त्रैःकै ःःण्णैःण्णैः त्त्रै बैःहैः
गैःलैः त्त्रैःलैःण्णैः दञ्जैः मैःत्त्रैः पैःहँत्तैः द्दैःतैःण्णैः. मुद्वैः
द्दुःद्वैकै दञ्जैःगैःरैः ण्णैः बैःलैः त्त्रैःलैःण्णैः. ऐःतैः बैःद्वैः
लैःगैः त्त्रैःलैःण्णैः दञ्जैः गैःमैःमेः ःत्तैःतैः कऱैःण्णैः ऐःहैःण्णैः
त्त्रैःतैः दञ्जैः द्दुःद्वैः बैःत्तैः त्त्रैःतैः, दञ्जैःमेः रैग्भुवऱःऱैः
बैःऽऽः ऽैःहैः त्त्रैःतैः.

रैग्भुवऱःऱैः बैःऽऽः बैः. ऐःऽैः कैःलैःकैः पैत्तैःःत्तैः
गैःमेःमेः रैहैः कऱैःण्णैः दञ्जैःःण्णैःकैः ँगैःकैःरैः कैःलैःण्णैः.
मैःद्वैःकैः कऱैः पैःण्णैःरैः त्त्रैःण्णैः, मैःण्णैः पैःत्तैः बैःगैः
दञ्जैःमैःण्णैःकै दञ्जैःतैःबैः पैःण्णैःरैः. ःण्णैः, कऱैःण्णैः त्त्रैःहैःकै
दञ्जैःःण्णैः ऐःहैःण्णैः ण्णैः हऱःऱेः दञ्जैः बैःहैःमैः दञ्जैःकैः
ण्णैःमैःतैःकै ण्णैः हऱःऱेः, ऽैःबैः हऱःऱेः ऐत्तैः, मुद्वैः
कऱैःण्णैः दञ्जैःःण्णैः त्त्रै ःःः बैःऽैः ऽैःगैःण्णैः रुःपैःमेः ऐत्तैः.
कैःतैःकैः ँण्णैःऽँ लैःकैः/बैःकैः-बुण्णैःद्वैः मैःण्णैः गैःत्त्रैः-
बैःऱैःत्त्रैः ः मैःलैः-दञ्जैःलैःकै ऽँगैः मँण्णैःकैःकै ण्णैःमैःण्णैः
ऽैःहैः कऱैःण्णैः दञ्जैःःण्णैःमेः ऐत्तैः. ऐत्तैःमैः ः ण्णैः
बुद्वैःबैः दञ्जैः बैःपैः बैःतैःकैः कैःहैः त्त्रैःतैः दञ्जैः त्त्रैः
हैःमैः बैःतैः ण्णैः त्त्रैः. दञ्जैःकैःरैः दञ्जैःऽैः बैःतैः
द्वैःत्तैः त्त्रैःण्णैः दञ्जैः त्त्रैःहँः हैःमैः बैःपैः ण्णैः त्त्रैः.

mu:la: pətʃa:itə ɳe: s̄ra:dʰə kəɾəbəɦə a: ɳe: ḡga:-
ko:ʃj: a:ki po:kʰərije:me: d̄z̄ələ-t̄ərpəɳə kəɾəbəɦə.

ətʃa:mə mənʊkkʰəkə ɳi:ma:ɳəkə ma:ɳe: ətʃi d̄ze: ɦərə
ma:t̄a:-pita:, ma:ɳe: pu:rukʰə-ɳa:ri: d̄uɳu:,kə d̄a:jitvə
bəɳəie: d̄ze: əppəɳə ɳi:mitə s̄ənt̄a:ɳəkē: ɳi:kə
mənʊkkʰəkə ru:pəme: pəriɳət̄ə kəɾətʰə. kʰa:e:rə d̄ze:
s̄e:.

ʃubʰəka:ɳt̄əkə əpəɳə be:vəɦa:ri:kə d̄z̄iɳəgi: o:ɦəɳə
bəɳj̄ē: ge:lə tʃe:ləiɳə d̄ze: ke:t̄əu ɳd̄h̄o:kʰə bʰəʔ kəʔ
bəd̄z̄əi tʃəitʰə, bʰəl̄ē: ɳi:kə-be:d̄z̄a:e: va: t̄əɾi:-gʰət̄i: o:i
ʃəbd̄əkə bud̄z̄əitʰə va: ɳəɦi. ʃubʰəka:ɳt̄ə bəd̄z̄əla:-
"rəgʰuvi:rə, a:bə t̄ə əɦi: s̄əbʰəkə a:ʃa:me: ga:məme:
rəɦəbə."

o:ɳa:, ʃubʰəka:ɳt̄ə kəɳt̄əʃ̄ə u:pəɾəʃ̄ə ba:d̄z̄ələ tʃəla:,
mu:d̄a: kəɳt̄əʃ̄ə ɳt̄t̄j̄a:me: tʃi:pəle: tʃe:ləiɳə d̄ze:
ga:məme: s̄əɾəka:ri: t̄ət̄əʃ̄ə d̄z̄uɾələ ke:t̄e: go:re: ətʃi,
bʰe:lə t̄ə əpəɳə s̄əbʰə d̄j̄a:d̄j̄: pəri:va:rə mi:la: s̄a:t̄ə go:re:
a: ga:mə-s̄əma:d̄z̄əme: t̄i:ɳə go:re:, t̄o:ɦu:me: d̄u:t̄a:
mũɦət̄j̄o:re: ətʃi. d̄z̄ə_ime: e:kət̄a: ga:məʃ̄ə ba:ɦəre:
d̄əɾəbʰəga:me: məka:ɳə bəɳa: kəʔ rəɦəie:. ma:ɳe:
bʰe:lə d̄ze: e:ɦe:ɳə s̄əʃ̄ka:rə, ma:ɳe: s̄ətt̄a:kə s̄əʃ̄ka:rə,
ga:mo:-gʰərə me: pəʃ̄əɾəle: ətʃi. o:ɦəɳe: s̄əʃ̄ka:rəkə
gətʃa:rəme: ʃubʰəka:ɳt̄ə s̄əməjə bit̄ələiɳə, d̄z̄ə_ɳ̄ə
ɦuɳəkəɾə d̄z̄i:vəɳe: o:ɦəɳə bəɳj̄ ge:ləiɳə d̄ze: d̄u:-d̄i:ʃ̄j̄a:
ma:lə t̄j̄o:bʰəit̄ə rəɦəla: a: t̄əe: d̄u:-d̄i:ʃ̄j̄a: ba:li:kəkə d̄j̄a:
s̄e:ɦo: tʃəiɳɦe:. kʰa:e:rə. ʃubʰəka:ɳt̄ə a:kʰi:rə ki:t̄j̄u
tʃəla: mu:d̄a: bʰi:.e:lə.d̄əblju: t̄ə tʃe:la:ɦe:.

ʃubʰəka:ɳt̄əkə bo:li: əka:ɳt̄e: rəgʰuvi:rə bʰa:ikə
məɳəme: d̄z̄əḡi tʃukələ tʃe:ləiɳə d̄ze: əkʰəɳə t̄əkə
ga:mə-s̄əma:d̄z̄əme: ki:t̄j̄u pəri:va:rə-vi:ʃe:ʃəkə d̄əbə-

dṛaba: rāhābe: kae:lā atī. o:ṇā:, dṛabā-dṛabā:kā sṛe:hi:
 dmu: ru:pā atī, e:kā aṇura:gāṣṣā a: dṛo:sṛarā vira:gāṣṣā.
 atīhā:mā hāmā sṣṇja:sṣi:kā tīatīṭā nṛ_1 kārāi tī:, tṛhiu:me:
 dṛe: bīṇu vāira:ge:kā dṇṛ-rā:tī tīitīrja:e:lā gḥurāi
 tīatīhā. o:ṇā:, dṛja:dj: bāṭvā:rā:me: juḥhāka:nṭo:kā
 e:hi:ṇā sṭhīṭī bāṇjē: ge:lā tīṇṇā dṛe: rāhāi-dṛo:kārā
 āpṇā gḥāra:ṛijo: ṇe: tīṇṇā dṛe: dmu:rā-dṛābādṛdṛā:
 bāṇhāṭā: mudā: juḥhāka:nṭā sṛbhā dṇṛṣṣā mūhādṛo:rā
 rāhābe: ke:la:hā, dṛo_1ṣṣā dmu:tā: dṛja:dj:kā dḥṇṇāka la:bḥā,
 mā:ṇe: ṇuṭāṣṣā hō:ṭā pāruvā:rākā dḥṇṇā-sṛmpāṭā
 dṛī:ṭāṇṇā tīe: rāhāi-dṛo:kārā tīṇṇā. mīṣṣjo: bhāi
 dṛnā:ṇā rāhīṭṇā tī kāhābo: kārīṭṇā a: kārābo:
 kārīṭṇā dṛe: dṛja:dj: dḥṇṇā dṛja:dṛkā bhā:gā, dṛja:dṛkā
 hīṣṣā:

rāghūvi:rā bhā:jā māhā:bhā:rāṭākā rāṭhākā dḥuri:kā tīṭkka:
 dṛākā: sṛmā:dṛākā tīṭkka:kā dḥuri:kē: ulṭā:ghūma:ṇā
 ghūma: āpṇā:kē: sṛmā:dṛākā bi:tī o: ru:pāme:
 sṭhā:pitā kāḥṇe:ṇe: tīatīhā dṛe: āpṇā hā:tḥā-muṭṭhī:kā
 bālē: sṛmā:dṛāme: ṭhā:ṭhā tīatīhā. tīe: a:ṭmābālāṣṣā
 bhārālā āpṇā māṇā tīṇṇā: o:ṇā:, rāghūvi:rā bhā:īkā
 māṇāme: i:hō: utī rāhāṭ tīe:lāṇṇā dṛe: āṇe:re: gāpā-
 sṛpāme: sṛmājā bīṭā:e:bā utīṭā ṇāhi, tṛhiu:me: ākḥṇā
 jīka:ri:kā sṛāpāpā tī: a:gu: bāṭṇā rāghūvi:rā bhā:jā
 bādṛā:-

"juḥhāka:nṭā bhā:jā, sṛmā:dṛāme: sṛbhāka a:ṣā:pārā
 sṛbhā dṛī:bāi tīatīhā. mudā:...."

o:ṇā:, juḥhāka:nṭākā māṇāme: āpṇā puṣṭāṇjī: vitī:rā
 ṭhāhāikā ge:lāṇṇā mudā: tīṭṣā:rā pāṛākā lo:kā
 juḥhāka:nṭā bīṇu sṛmājā gāmāṇe:, tīlīhō:ṛi dṛākā:,
 mā:ṇe: dṛāhīṇā: tīlīhō:ṛi vā: kāuā: tīo:ṭā bāṭṭī:

h̄a: t̄h̄ak̄a ro: t̄i: d̄z̄h̄ap̄ait̄ak̄a/ uṭi d̄z̄a: i: e:, t̄h̄iṇṇa: b̄ad̄z̄āla:-
"d̄z̄ā s̄e: a: j̄a: p̄ar̄a ṇ̄h̄i d̄z̄i: b̄ait̄a r̄ah̄ait̄a t̄ak̄h̄aṇṇa e: ṇ̄a:
ak̄h̄aṇṇa t̄ak̄a s̄ama: d̄z̄ā t̄h̄a: t̄h̄a ke: ṇ̄a: aṭṭiṇi."

b̄iṇṇu d̄z̄āva: b̄a d̄e: ṇ̄e: r̄aḡh̄uvi: r̄a b̄h̄a: j̄a a: gu: b̄aṭ̄h̄ae:
l̄aḡāla: ki s̄p̄aṣṭa j̄ab̄d̄ame: j̄ub̄h̄aka: ṇ̄ṭa k̄ah̄al̄ak̄aṇṇa-
"d̄mu: k̄ilo: d̄mu: d̄h̄a s̄p̄ab̄a d̄ṇ̄a d̄ṇ̄a."

d̄mu: d̄h̄ak̄a ṇ̄a: ō: s̄uṇṇi r̄aḡh̄uvi: r̄a b̄h̄a: j̄a aṇṇaṇṇa d̄mu: d̄h̄ak̄a
h̄iṣṭa: b̄o: b̄aṣṭa: a: s̄ama: d̄z̄āka d̄a: j̄iṭṭa, s̄ama: d̄z̄āka
d̄a: j̄iṭṭak̄a ma: ṇ̄e: ṇ̄ab̄a p̄ar̄iva: r̄a va: ṇ̄ab̄a lo: k̄ak̄ē:
p̄ura: ṇ̄a p̄ar̄iva: r̄a va: s̄am̄ad̄z̄ā d̄a: r̄a be: k̄aṭṭi: k̄ē:
s̄ah̄ajo: ḡa k̄ar̄ab̄a, bud̄z̄ā b̄ad̄z̄āla:-

"d̄z̄ā k̄h̄aṇṇa aṇṇaṇṇa ḡh̄ar̄a v̄aṣṭu aṭṭiṇi a: ah̄ā: ṇ̄ab̄a lo: k̄a
t̄ṇ̄i:, t̄ak̄h̄aṇṇa ke: ṇ̄a: ṇ̄a-ṭ̄i k̄ah̄ab̄a."

d̄z̄ā ru: r̄at̄a t̄ā d̄z̄ā ru: r̄at̄a t̄ṇ̄i:, d̄z̄e: k̄ar̄a p̄r̄ab̄h̄a: v̄a
d̄z̄i: v̄aṇṇa p̄ar̄a p̄aṭ̄aie:, t̄āe: m̄aṇṇame: t̄ṇ̄iṭ̄am̄iṭ̄a: h̄iṭ̄a aṇṇaṭ̄e:
aṭṭiṇi. j̄ub̄h̄aka: ṇ̄ṭak̄a m̄aṇṇame: t̄ṇ̄iṭ̄am̄iṭ̄a: h̄iṭ̄a
t̄ṇ̄e: l̄aṇṇiē:, b̄ad̄z̄āla:-

"ak̄h̄aṇṇa t̄ā d̄mu: d̄h̄ak̄a s̄am̄aj̄a aṭṭiṇiē:, ma: ṇ̄e: d̄mu: d̄h̄o: a:
ma: t̄ṇ̄o: k̄a b̄i k̄ari:- b̄aṭṭa: b̄h̄o: r̄e: me: j̄uru: h̄o: i: e:, a: j̄e: s̄ā
j̄ub̄h̄a- j̄ub̄h̄ak̄a/ j̄uru: k̄aru:."

r̄aḡh̄uvi: ro: b̄h̄a: i k̄a m̄aṇṇame: uṭi ge: l̄aṇṇa d̄z̄e: d̄mu: d̄h̄a
b̄h̄o: d̄z̄j̄a- p̄ad̄a: t̄h̄a t̄ṇ̄i:, ah̄i: p̄ar̄a d̄z̄i: v̄aṇṇa t̄h̄a: t̄h̄a aṭṭiṇi, t̄āe:
k̄ie: ṇ̄e: ma: ṇṇi li: p̄ar̄iva: r̄ame: d̄z̄ā d̄p̄: s̄ar̄a h̄a: t̄h̄ak̄a
ka: d̄z̄ā r̄ah̄ait̄a t̄ā v̄iṭṭa: r̄a j̄o: k̄a s̄am̄aj̄a le: l̄a d̄z̄ā: s̄ak̄a
t̄ṇ̄al̄a. mud̄a: d̄z̄e: ka: d̄z̄ā aṇṇaṇṇa h̄a: t̄h̄ak̄a aṭṭiṇi, o: k̄ar̄a
aḍ̄h̄ika: r̄a aṇṇaṇṇe: ṇ̄e: ra: k̄h̄ae: p̄aṭ̄aṭ̄a. s̄ama: d̄z̄o: t̄ā
s̄ama: d̄z̄ā t̄ṇ̄i: h̄iē:. d̄e: k̄h̄iṭ̄e: t̄ṇ̄iṭ̄a d̄z̄e: ke: ṭ̄e: ḡh̄ar̄ak̄a
d̄z̄uṭṭi m̄ar̄ad̄aṇṇama: aṭṭiṇi a: ke: ṭ̄e: ḡh̄ar̄ak̄a m̄auḡija: h̄i:
k̄h̄a: e: r̄a d̄z̄e: s̄e: . r̄aḡh̄uvi: r̄a b̄h̄a: j̄a b̄ad̄z̄āla:-

"aṇṇa: aṭṭh̄a: m̄a t̄ṇ̄a: li: s̄ā ru: p̄aje: k̄ilo: d̄mu: d̄h̄ak̄a d̄ar̄a

ətʃʰɪ, tʃ_ɪ fɪsɑ:bəʃɔ̃ əʃsɔ̃j: ru:pəɪja: prətɖɖɪŋə bʰe:lə, e:kəɾə
le:ŋə-ɖe:ŋə ke:ŋɑ: kəɾəbə?"

pəɾədʒi:vɪ: tʃɑ:ɪɪkə lo:kə jʊbʰəkɑ:nɖə tʃʰətʰie:, əppəŋə
go:ɾɑ:-gəpʰtəɾə bəɪʃəbətʃə bədʒɪlə:-

"dʒɪɦɪja:ʃɔ̃ ŋɔ:kəɾi: fɪru: ke:ləũ a: dɖu:dʰə uʰəuŋɑ: ɪɾə
ləgələũ, tʃɦɪja:ʃɔ̃ məɦi:ŋɑ:vɑ:ɾi: fɪsɑ:bə ɖəɪtʃə e:ləũ
ɦe:ŋə."

rəgʰuvi:rə bʰɑ:jə bədʒɪlə:-

"ki: fɪsɑ:bə, kəŋj: pʰəɪɪtʃʰɑ: kəʃ/ kəɦɪjəu. e:kəɾɑ: fɪsɑ:bə
ətʃʰɪ dʒɪ: mə:ʃə ɖɪŋəkə pɑ:ɪ pəɦɪŋe: tʃɪ:dʒəbələ:kē: ɖəʃ/
ɖe:ləũ, dʒɪ_ɪʃɔ̃ o:kəɾo: dʒi:vəŋə-kɪja:me: ʃuɡəmətʃɑ:
əbɑ:ɪ:, ɖɔ:ʃəɾə bʰe:lə ɖɪŋəkə-ɖɪŋə le:ŋə-ɖe:ŋə a: tʃe:ʃəɾə
bʰe:lə məɦi:ŋɑ: ɖɪŋə vəʃtʃu le:ləũ a: pətʃʰɑ:ɪtʃə pɑ:ɪ
ɖe:ləũ."

dʒɪɦɪŋɑ: tʃɪlə:kə lo:kə ja:ʃtʃə-purɑ:nəkə kʰɪʃsɑ:ʃɔ̃
bʰɑ:ʃəŋə fɪru: kəɾəɪ tʃʰətʰə tʃɦɪŋɑ: jʊbʰəkɑ:nɖə bʰɑ:jə
bədʒɪlə:-

"rəgʰuvi:rə ki: kəɦɪjəɦə, o:ɪtʰɑ:mə mə:ŋe: pu:ɾŋjɑ:me:
dʒɪ: a:gətʃə-bʰɑ:gətʃə tʃʰələ ʃe: dʒɪəkʰəŋə mo:ŋə pəɾɪɪe: tʃɔ̃
ɦo:ɪe: dʒɪ: dʒɪ:ŋɑ: ʃpərgəʃɔ̃ ɖʰəɾətʃi:pəɾə a:ɪ ge:ləũ
ɦe:ŋə."

o:ŋɑ:, rəgʰuvi:rə bʰɑ:ɪkə məŋəme: tʰəɦəkələɪŋə dʒɪ:
ʃəɾəkɑ:ɾi: kʰədʒɑ:ŋɑ: ɦɑ:tʰəʃɔ̃ ŋɪkələlə: pətʃʰɑ:ɪtʃə dʒɪ:ŋɑ:
ɦo:ɪ tʃʰəɪ, bʰəɾɪʃəkə tʃɦɪŋɑ: ɦɪŋəkɑ: bʰəʃ/ rəɦələ tʃʰəɪŋə.
mudɑ: əppəŋə vɪtʃɑ:rəkē: əpəŋɑ: məŋe: ʃəme:tə
rəgʰuvi:rə bʰɑ:jə bədʒɪlə:-

"ki: ʃpərgəʃɔ̃ ɖʰəɾətʃi:pəɾə kəɦələɪ bʰɑ:jə?"

bʰɑ:ʃəŋəme: mo:ɾə ɖəɪtʃə jʊbʰəkɑ:nɖə bədʒɪlə:-

"əpəŋɑ: ʃəbəɦəkə dʒɪ: mə:ɾɪ-pɑ:ŋɪ ətʃʰɪ ʃe: dʒɪɦɪŋɑ:
dɖu:dʰə dʒɪŋəməbəkə kʃe:tʃə tʃʰi: tʃɦɪŋɑ: mə:tʃʰə-

mək^ha:ŋə səŋə əmritə vəst̪ukə kʂe:t̪rə s̪e:fiə: t̪^hi:fiə:,
t̪əi^ha:mə d̪ʒe: s̪uk^hə pu:ŋija:me: t̪^hələ s̪e: əpəŋa:
əi^ha:mə b^he:t̪ə ki: ŋəfi:!"

ʃub^həka:ŋt̪əkə bo:li: rəg^huvi:rə b^ha:jə əka:ŋkəʔ bəd̪ʒələ:-
"rəg^huvi:rə b^ha:jə, v̪it̪ʃa:rəkē: ma:ŋe: le:ŋə-d̪e:ŋəkə
v̪it̪ʃa:rəkē: a:gu: bəi^ha:u."

ʃub^həka:ŋt̪ə bəd̪ʒələ:-

"əppəŋə jəfiə s̪idd^ha:ŋt̪ə rəfiələ d̪ʒe: məfi:ŋa: d̪ŋə
d̪u:d^hə le:la: pu:ri ge:lə, pət̪^ha:it̪ə pa:i d̪e:ləũ."

rəg^huvi:rə b^ha:ikə məŋəme: t̪^ho:t̪e:kə t̪ləmɪla:fiətə
e:ləŋə. t̪ləmɪla:fiətə i: e:ləŋə d̪ʒe: məi^hrikə pa:s̪ə
ke:la:kə pət̪^ha:it̪ə b^hi:.e:lə.dəblju:.kə ŋo:kəri:
ʃub^həka:ŋt̪ə g^hərəs̪ə ʃuru: ke:ləŋə, s̪a:t̪^hi bərk^həkə
pət̪^ha:it̪ə ga:mə e:la: ət̪^hi, fiəmə s̪əb^hə t̪^ho:t̪ə ki:s̪a:ŋi:
d̪ʒiŋəgi:s̪ə d̪ʒu^hələ t̪^hi:, s̪əd̪ika:lə e:kə ŋe: e:kə k^həgət̪a:
pərvā:rəme: rəfi^ht̪e: ət̪^hi, t̪ək^həŋə d̪ʒə əpəŋə gət̪^hi:lə
pu:d̪ʒi:kē: ba:ŋfi d̪əe:, i: ke:t̪əus̪ə ut̪^hi^hə ŋə_1 fiə:t̪ə.
mud̪a: ŋəbə lo:kəkə s̪əgə ŋəbə s̪əmbəŋd̪^ho:kə pəŋŋə t̪ə
ət̪^hre:. əppəŋə o:ka:t̪kə s̪i:ma: d̪e:k^həit̪ə rəg^huvi:rə
b^ha:jə bəd̪ʒələ:-

"məfi:ŋa: d̪ŋəkə pət̪^ha:it̪kə d̪ʒe: pa:i d̪e:bə kəfiəi t̪^hiəi,
ga:mə ək^həŋo: ga:mə t̪^hi:, ʃəfiərə-bəd̪ʒa:rəkə lo:kə
d̪ʒəkā: ŋə_1 kəfiəie: d̪ʒe: pəis̪a: fiə: t̪ə t̪ək^hə, ŋəfi: t̪o:
ro:də pərə d̪ʒa: ke: d̪ʒək^hə. t̪i:s̪ə d̪ŋəkə ud̪^ha:rəkē: pā:t̪ə
d̪ŋəpərə ləʔ a:ŋu:. pā:t̪ə d̪ŋə pa:i ru:kəŋe: fiəməro:
be:s̪i: ŋo:kəs̪a:ŋə ŋə_1 fiə:t̪ə a: əfiā:kə s̪əgə le:ŋə-
d̪e:ŋəkə s̪əmbəŋd̪^hə s̪e:fiə: s̪əb^hə d̪ŋə bəŋələ rəfiət̪ə."

s̪əma:d̪ʒəkə be:vəfiā:re: ŋe: s̪əskā:rə ŋi^hrəməbāie:
ək^həŋə t̪əkəkə i^hfiā:s̪əkə pəŋŋa: jəe:fiə ŋe: kəfiət̪ə a:bi
rəfiələ ət̪^hi d̪ʒe: s̪əma:d̪ʒəkə v̪i^hā:lə s̪əmu:fiə lu:t̪a:it̪ə

rəhələ ətʃɪ a: əlpə s̥əmu:ɦə o:kəra: d̥hərmə s̥əŋə bʰəj̥kərə
 ɦət̥ɦija:rə a:gu:me: rəkʰɪ d̥ərəbət̥ə-d̥həməkəbət̥ə
 bʰa:vəŋa:kə pa:ŋ bəŋa: pi:bət̥ə rəhələ ətʃɪ. kʰa:e:rə əɪs̥ə
 rəgʰuvi:rə bʰa:jəkē: ko:ŋə mət̥ələbə t̥ɦəŋə, mət̥ələbə
 t̥ɦəŋə ma:t̥rə əppəŋə a: əppəŋə pərvu:rə bʰərikə. o:ŋa:,
 rəgʰuvi:rə bʰa:ɪkə məŋəme: kriŋəkə s̥ud̥əf̥əŋə t̥ək̥rə
 d̥z̥əkā: ut̥ɦije: rəhələ t̥ɦe:ləŋə d̥z̥e: s̥əma:d̥z̥əkə e:kə ʔgə
 t̥ə əpəŋo: t̥ɦi:ɦe:, s̥əma:d̥z̥ə ɦəmmərə ut̥ɦi:rə kie:
 ma:ŋət̥ə, ma:ŋət̥ə t̥ə t̥əkʰəŋə d̥z̥əkʰəŋə o:kəra: bo:d̥hə
 ɦe:t̥ə d̥z̥e: s̥əma:d̥z̥əkə e:kə-e:kə be:kət̥i:kə d̥z̥iŋəgi:
 e:kəis̥əmi: ʃət̥a:bd̥i:kə ɦo:ɪ. bət̥t̥i:-kʰərəɦi:kə mət̥əba:s̥ə
 a:gu: bət̥ɦɪ ɦəvu:ije: d̥z̥əɦa:d̥z̥ə pərəkə vu:və:ɦə-məŋd̥əpə
 kie: ŋe: bəŋə_ɪ.

s̥əma:d̥z̥əkə bi:t̥ɦə be:kət̥i:kə e:t̥e:kə t̥ə kərt̥əv̥jə ət̥ɦie:
 ŋe: d̥z̥e: s̥əma:d̥z̥əkə bi:t̥ɦə pərvu:rə a: pərvu:rəkə bi:t̥ɦə
 be:kt̥ə krija:kē: əpəŋə pa:rvu:rikə krija: bəŋa:
 s̥əma:d̥z̥əme: əpəŋo: a: pərvu:ro:kē: t̥ɦa:t̥hə kərəit̥hə.
 o:ŋa:, rəgʰuvi:rə bʰa:ɪkə məŋə kəɦəbe: kərəŋə d̥z̥e:
 d̥z̥ə_ɪ pərvu:rəkə ʃubʰəka:ŋt̥ə bʰa:jə t̥ɦəit̥hə o: pərvu:rə
 s̥əbʰəd̥ŋəs̥ə t̥ɦa:ləba:d̥z̥ə rəhələ ət̥ɦɪ. mud̥a: it̥ɦi:s̥əkə
 pəŋŋa: t̥ə vət̥əma:ŋəkə s̥a:ɦit̥jə ŋəɦi bʰə/ s̥əkəie:, o:
 bʰəv̥iŋjəme: ɦəe:t̥ə, mud̥a: t̥e:kərə t̥he:ka:ŋe: ko:ŋə.
 a:d̥z̥ukə d̥z̥e: pərvu:ʃə ət̥ɦɪ o:ɪ pərvu:ʃəme: s̥əma:d̥z̥əkə
 bi:t̥ɦə məd̥ɦurə s̥əmbəŋd̥hə ke:ŋa: bəŋət̥ə?

bəd̥z̥əis̥ə be:ʃi: mu:ɾi: d̥o:ləbət̥ə ʃubʰəka:ŋt̥ə bəd̥z̥əla:-
 "məɦi:ŋa: d̥ŋəpərə pē:ʃəŋə ut̥hət̥ə t̥əkʰəŋə ŋe:
 d̥u:d̥həbəla:, ma:t̥ɦəbəla: a:ki t̥ərəka:ri:bəla:kə ɦis̥a:bə
 t̥ɦukət̥i: kərəbə."

o:ŋa:, rəgʰuvi:rə bʰa:ɪkə məŋəme: t̥a:məs̥ə s̥e:ɦo:
 ut̥hələŋə. s̥əma:d̥z̥əme: e:ɦe:ŋə d̥z̥e: bu:rvu:ŋə lo:kə

တၢ်တၢ်သး dၣ်း: e:တၢ်ဝဲ: ဂုၤ_I budၣ်ဒၢတၢ် တၢ်တၢ်သး dၣ်း: ဂၢ:မၢ-
ဂၢ:မၢမဲ: န့ၣ်ကဲၤ ဝဲၣ်န့ၣ်: ဂၢ:မၢကဲၤ ပၢ:တၢ်ကဲၤ ဂုၤကဲၤ
ပၢဝဲၣ်သးတၢ်ဝဲၣ် bၣ်:လဲ, dၣ်း_Iန့ၣ် ဂၢ:မၢ-ဂၢ:မၢမဲ: ပၢ:တၢ်ကဲၤ
dၣ်းမၢ:ဝဲၣ် bၣ်:လဲ/ ဂၢ:တၢ်. ပၢ:တၢ်ကဲၤ dၣ်းမၢ:ဝဲၣ် bၣ်:လဲ:
ခဲၣ်န့ၣ်-ပၢ:တၢ်န့ၣ် လဲ/ ကဲ/ be:kၣ်-ပၢ:တၢ်န့ၣ်, mၢ:လဲ-dၣ်း:လဲ
န့ၣ်ဝဲၣ် ပၢဝဲၣ်သးတၢ်ဝဲၣ် bၣ်:လဲ ခဲၣ်န့ၣ်. dၣ်းကဲၤန့ၣ် ကိ ဂၢ:မၢ-
မၢမဲ:န့ၣ်: သု:သု:တၢ်: ဝဲၣ်န့ၣ်ဝဲၣ်: ဂၢ:န့ၣ်ကဲၤ တၢ်:တၢ်:
ခဲၣ်န့ၣ် ခဲၣ်န့ၣ်, mုၣ်: ပၢ:တၢ်ကဲၤ dၣ်းမၢ:ဝဲၣ် bၣ်:လဲ: တၢ်:န့ၣ်ကဲၤ
တၢ်:န့ၣ် ပၢဝဲၣ်သးတၢ်ဝဲၣ် bၣ်:လဲ ခဲၣ်န့ၣ်. e:တၢ်န့ၣ်: တၢ်:တၢ်:
ကိ:န့ၣ်ကဲၤ ကိ: ဂုၤကဲၤလဲၣ်န့ၣ်? ဂၢ:တၢ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်:
"

"jubၣ်ကဲၤ:န့ၣ် ဝဲၣ်:ဝဲၣ်, န့ၣ်မၢ:dၣ်းမဲ: ကိ:ဂုၤ: be:ဝဲၣ်:တၢ်:
ဝဲၣ်: သု:တၢ်: ပၢန့ၣ်ကဲၤ ဝဲၣ်:တၢ်:ဝဲၣ် ဂုၤကိ တၢ်လဲၣ်. မၢန့ၣ်မဲ:
e:တၢ်: dၣ်း_Iဝဲၣ်:န့ၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ကဲ:လဲ ခဲၣ်န့ၣ် dၣ်း: ဝဲၣ်:ကဲၤ:
ဂၢ:မၢ ဝဲၣ်: e:kဲၣ်: ပၢ:တၢ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:လဲ. mုၣ်:
dၣ်း ပၢဝဲၣ်သးတၢ်ဝဲၣ် le:န့ၣ်-ဝဲၣ်:ကဲၤ ကိ: တၢ်:န့ၣ်ကဲၤ သု:သု: လဲ/
dၣ်း:e:ဝဲၣ် ဂုၤ_I န့ၣ် ဂုၤ_I a:e:ဝဲၣ်."

a:ဂုၤ: ဝဲၣ်: ကိ:တၢ် ဝဲၣ်:ဝဲၣ် ဂၢ:တၢ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်:
o:တၢ်:မၢန့ၣ် a:ဂုၤ: ဝဲၣ်:တၢ်: ဂၢ:တၢ်: a:ဂုၤ: ဝဲၣ်:တၢ်: ပၢ:တၢ်:တၢ်: ကိ:
မၢန့ၣ် ပၢ:တၢ်:ဝဲၣ်: ကိ ဂုၤ_I, ဝဲၣ်:တၢ်: ဝဲၣ်:တၢ်: e:လဲ:
ဝဲၣ်:ဝဲၣ်:ဝဲၣ်:ကဲၤ a:ဂုၤ:မဲ: ဂၢ:တၢ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ကဲၤ:
ဝဲၣ်:ဝဲၣ်-

"ဝဲၣ်:ဝဲၣ်, မၢန့ၣ် ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ် budၣ်ဒၢ တၢ်:ဝဲၣ်:, ke:တၢ်:
dၣ်း_Iဝဲၣ်:မၢန့ၣ်: ဝဲၣ်:တၢ်: la:ဂဲၣ်: ကိ:?"

ခဲၣ်န့ၣ်: သု:တၢ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်:, mၢ:န့ၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: a: ဂၢ:တၢ်:ဝဲၣ်:ဝဲၣ်:
ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: bi:တၢ် e:တၢ်:န့ၣ် ဝဲၣ်:တၢ်:ဝဲၣ် န့ၣ်ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ဂၢ:လဲ
ခဲၣ်န့ၣ် dၣ်း: ကိ:န့ၣ် ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: mၢ:န့ၣ်: ဝဲၣ်:န့ၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: a:
ကိ:န့ၣ် ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: mၢ:န့ၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်, န့ၣ်: ဝဲၣ်:န့ၣ်:
သု:တၢ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: budၣ်ဒၢ တၢ်:ဝဲၣ်: ဂၢ:တၢ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်:

"မၢန့ၣ်:ဝဲၣ်, မၢန့ၣ် ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ကိ: ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်. dၣ်း: ဝဲၣ်:တၢ်:
ကိ:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်:ဝဲၣ်: ဝဲၣ်: ကဲ:လဲ mၢ:န့ၣ်: dၣ်း: န့ၣ်ဝဲၣ်:ဝဲၣ်"

be:vəɦa:rikə ru:pə le:be: ɳe: ke:ləkə, ma:ʈrə
bʰa:vəɦa:me: rəɦələ o: tʊtətə ki:. tʊtətə ʈə əʈɦI o: dʒe:
tʊtəbələ: əʈɦI."

əpəɦə

məʈtəvʒə editorial.staff.videheə@gmail.com pərə

pəʈɦa:u.

3.3. ɳəɦdə vɪla:ʂə ra:jə-a:vəʃjəkə a:vəʃjəkəʈa:



ɳəɦdə vɪla:ʂə ra:jə
a:vəʃjəkə a:vəʃjəkəʈa:

dəʂəma: vərgəme: ʃikʂəkə ʈɦa:ʈrəsəbʰəʂə prəɦə putɦI
rəɦələ ʈɦələ:. e:kəʈa: ʈɦa:ʈrə dʒe:kərə ɳa:õ: dɦɪpə ʈɦələ,

putʃᵐələkʰɪŋə- "kəfi: dʒi: a:vəʃjəkətɑ: kiʈəŋe: prəkɑ:rə
ke: fi:ʈe: hi?"

dʒɪpə kʰəʈɑ: bʰəʃ/dʒəvɑ:bə dʒe:ləkəŋə-
"dʒi:, tʃi:ŋə prəkɑ:rəkə?"

ʃikʃəkə bədʒələ:- "ətʃʈʰɑ: tʃumə bəiʈʰə dʒɑ:ɔ:."

bəgələkə tʃʰɑ:tʃəʃə pʰe:rə putʃᵐələkʰɪŋə-

"rəhi:mə tʃumə bətələ:ɔ:. tʃi:ŋə prəkɑ:rə kɑ: kəuŋə-kəuŋə
a:vəʃjəkətɑ: hi?"

rəhi:mə kʰəʈɑ: bʰəʃ/ kəʃ/ bɑ:dʒələ- "dʒi:, a:vəʃjəkə
a:vəʃjəkətɑ:, a:rɑ:mə ʃəmbəŋdʒi: a:vəʃjəkətɑ: a: vɪlɑ:ʃtʃɑ:
ʃəmbəŋdʒi: a:vəʃjəkətɑ:."

ʃikʃəkə bədʒələ:-

"bəhiʈə ətʃʈʰɑ: tʃumə bəiʈʰə dʒɑ:ɔ:."

ʃikʃəkə əɪgələ: tʃʰɑ:tʃəʃə putʃᵐələkʰɪŋə-

"gəʈəmə, tʃumə e:kə a:vəʃjəkə a:vəʃjəkətɑ: kɑ:
udɑ:hiərəŋə dʒo:."

gəʈəmə bɑ:dʒələ- "ʃərə, mo:bɑ:ɪlə ɪʈʃɑ:rdʒə ʃəbʰəʃə
pəɪgʰə a:vəʃjəkə a:vəʃjəkətɑ: tʃʰi:."

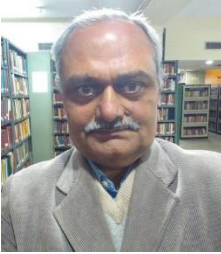
əpəŋə

mɪʈəʋjə editorial.staff.videhə@gmail.com **pərə**

pəʈʰɑ:u.

3.4.rəbi:ŋdʒə ŋɑ:rɑ:jəŋə mɪʃrə- mɑ:tʃɪbʰu:mɪ

(upəŋjɑ:ʃə)- 36-40 mə kʰe:pə



rəbi:nɖrə ɳɑ:rɑ:jəŋə mɪfrə

ma:ʈribʰu:mɪ (upəŋja:sə)- dʰɑ:rɑ:vɑ:fɪkə

kʰe:pə 36-40

36

utərabɑ:rɪʈo:ləkə mǎɖrəsɔ̃ sətəle:
ɳɑ:gəbɑ:bɑ:kē: sʰɑ:mɑ:dʰɪ dɛ:lə ge:lə . e:ɦɪ
əvəsʰərəpərə sʰũsɛ: ɪlɑ:kɑ:kə lo:kə ulətɪ ge:lə tʰələ .
ma:sʰə dʰɳəsɔ̃ əŋsəŋəpərə bəɪsələ dʒəjəntʰə dɑ:ktəri:
pərə:mətʰəkə əvəɦe:ləŋɑ: kərətʰə ɳɑ:gəbɑ:bɑ:kə ətʰmə
sɔ̃sʰkɑ:rəme: upəstʰɪtʰə tʰələ:ɦə . kɑ:lɪ:kɑ:nʰtə a: ɦuŋəkərə
sʰəməstʰə pərvɑ:rə sɛ:ɦo: tʰupətʰjɑ:pə sʰəbʰəkɪtʰu
dɛ:kʰətʰə rəɦələ:ɦə . e:ɦɪ gʰətəŋɑ:kɾəməsɔ̃ utərabɑ:rɪʈo:lə
juvəkəsʰəbʰə bəɦutʰə utʰe:dʒɪtʰə rəɦətʰɪ .

"ɳɑ:gəbɑ:bɑ:kə sɔ̃ge: e:tɛ:kə əŋjɑ:jə bʰəe: ge:lə
ɑ: ɦəməsʰəbʰə e:ɦɪɳɑ: sʰɦɪ le:bə ,ɪ: bʰəe: ɳəɦɪ sʰəkətʰə ətʰɪ
."-o: sʰəbʰə e:kə-dʒo:sʰrəkē: kəɦətʰə tʰələ:ɦə .
pɑ:tʰəfɑ:lɑ:sɔ̃ dʒɪvələ ɳəvə-purɑ:ɳə sʰəməstʰə
vɪdʰvɑ:ɳəsʰəbʰə o:tɛ: pəɦũtʰɪ ge:lə rəɦətʰɪ .

dətʃʱɪŋəba:ɾɪto:ləkə pəɾʰələ-lɪkʰələ ədʱɪkã:ʃə lo:kə
pɾəva:sʃi: bʰəe: ge:lə rəhɪtʰɪ . pəɾəde:ʃəme: rəhɪkəe:
əpəŋə dʒi:vəŋə-ja:pəŋə kəɾəɪtə tʃʰələ:ɦə . tətʰa:pi əpəŋə
ga:mə-gʰəɾəkə ʃəma:tʃa:rəkə to:ɦə ləɪtə rəhɪtə tʃʰələ:ɦə .
ʃe: ʃəbʰə dʰəɾa:dʰəɾə ga:mə pəɦɪtʃəe: ləgəla:ɦə.

"əpəŋəʃəbʰəkə ga:mə e:ɦəŋə tʃʰə nəɦɪ tʃʰələ?"-e:kə
dɔ:səɾəkē: i: pɾəʃŋə kəɾəɪtʰɪ . mudɔ: uttəɾə kəkəro: ləgə
nəɦɪ tʃʰələ . e:te:kə ba:tə bʰəe: ge:lə, mudɔ:
ʃudʰa:kəɾəkə kətəɦɪ pətə: nəɦɪ tʃʰələ . pulɪʃə
kʰa:nɔ:puri: kəɾəɪtə rəɦələ . ʃəbʰə budʒʰəɪkə dʒe:
pəɾəde:ʃi:ʃəbʰə kətə:kə dɪŋə rəhɪtəukə? dəʃə dɪŋə -
pəŋdɾəɦə dɪŋə ,dʒəɦã: tʃʰutʃi: kʰətəmə ɦe:təɪkə əpəŋə:
gʰəʃəki dʒe:təukə . tʃē: o:kəɾa:ʃəbʰəkē: kəɦəba:-
ʃuŋəba:ʃə kɪtʃu pʰəɾəkə nəɦɪ pəɾəe:bəla: tʃʰələɪkə.

nɔ:gəba:ba:kə ʃəma:dʰɪ de:la:kə ba:də
ʃɾəddʰã:dʒəɪ de:ba:kə ɦe:tʃu ʃəbʰəʃə pəɦɪŋe: ʃi:la:
mãtʃəpəɾə əe:li:ɦə . ətʃətə bʰa:vəpu:ŋə ma:ɦəuləme: o:
e:la:nə kəɾəɪtə tʃʰəɪtʰɪ-

"nɔ:gəba:ba:kə pɾətʃ ʃəɦɪ: ʃɾəddʰã:dʒəɪ ɪe:ɦə
ɦo:e:tə dʒe: ɦəməʃəbʰə ga:məme: pa:tʰəʃa:la:kə
ʃtʰa:pəŋa:kə ʃəkəlpəkē: ʃi:gʰəɾə ʃa:ka:rə kəɾi: . e:ɦɪ ɦe:tʃu
ɦəmə əpəŋə ʃəməʃtə pəɪtʃɪkə ʃəpəttʃkē: dɔ:nə kəɾəɪtə
tʃʰi: . ʃəgəɦɪ a:dʒi:vəŋə e:ɦɪ ʃəʃtʰa:kə ɦe:tʃu ka:dʒə
kəɾəba:kə ʃəkəlpə ləɪtə tʃʰi: ."

ʃi:la:kə ba:tə ʃuŋɪ tʃa:ru:ka:təʃə lo:kəʃəbʰə
kəɾəɪtə dʰəvəŋɪ kəɾəe: ləgəla:ɦə . təkəɾəba:də ka:li:ka:nə
mãtʃəpəɾə əe:la:ɦə . o: gʰo:ʃəŋa: kəɾəɪtə tʃʰəɪtʰɪ-

"hāmārə pu:rvədʒi e:hi: ga:məkə tʃhətʃi . o: sʌbʰə dʒi:vika:kə hie:tʃu ba:hiərə bʰe:la:hiə a: o:tʃhi bəʃu ge:la:hiə . mudā: hāmāro: e:hi ma:ti-pa:nkə prətʃi kitʃu dā:jitʃvə ətʃi . hāmə e:hitʰa:mə pa:tʰəʃa:la: nʌhi əpitʃu e:kəʃa: ətʃitʃ a:dʰunʃkə vʃvəʃidʒa:ləjəkə stʰa:pəŋa:kə prəstʰa:və rəkʰəitʃ tʃhi: . o:hi hie:tʃu sʌməstʰə a:rtʰikə sʌhəjo:gə hāmə kərəbə . sʌge: iho: prəstʰa:və kərəitʃ tʃhi: dʒi: o:kərə ŋa:mə ŋa:gəba:ba: vʃvəʃidʒa:ləjə ra:kʰələ dʒi:e: ."

sʌvəʃammətʃsʌ i: prəstʰa:və ma:nʃi le:lə ge:lə . lo:kəsʌbʰə kərətʃələ dʰvəŋsʌ e:kərə sʌvə:gətʃ ke:ləŋ . sʌbʰəkə sʌhāmətʃ dē:kʰi ka:li:ka:ŋtʃə bəhitʃə prəʃəŋŋə rəhitʃi . ba:tʃəkē: a:gu: kərəitʃə o: kəhitʃə tʃhətʃi-

"i: vʃvəʃidʒa:ləjə sʌbʰə tʃərəhiē: sʌvʃidʒa: sʌpəŋŋə hi:e:tʃə . e:hi me: dʒi:ŋa:ŋə-vʃidʒi:ŋəkə a:dʰunʃkə dʒi:ŋəkə:ri: bʰe:tʃtʃə ."

tʃi:ru:ka:tʃə hiəʃəkə ma:hiəulə tʃhələ . ŋa:gəba:ba:kə a:kəʃmʃikə ŋdʰəŋəʃsʌ dʃukʰi:lo:kəsʌbʰəkə mo:ŋəme: a:bə sʌtʃo:kʰəkə bʰa:və tʃhələŋ . mudā: dʒi:əŋtʃə əkʰəŋo: o:hiŋa: gəbʰi:rə tʃhələ:hiə . lo:kə hiŋəkə: əŋəʃəŋə tʃo:tʃəba:kə a:grəhiə kəe: rəhiələ tʃhələ mudā: o: kitʃu nʌhi ba:dʒi rəhiələ tʃhələ:hiə .

37

dʒi:hi: sʌ mʌdʃi rəpərəkə ka:ŋdə bʰe:lə, sʌdʒa:kərə ga:mə gʰu:ri nʌhi a:e:lə . e:məhiərə-o:məhiərə ŋuka:itʃə rəhiələ . jədjəpi puliʃə a: prəʃa:səŋəme: o:kərə

dʒəbərədəstə pəhūtʃi tʃʰələikə,təʃʰa:pɪ nɑ:gəba:bɑ:kə
a:kəsmikə nɪdʰəŋəkə bɑ:də ke:o o:kəra: dɛ:kʰəe: nəhi
tʃʰa:hiə: . "e:hi tərəhiē: tʃʰa:ru:dɪsə bəuɑ:itə o: kətɛ:kə
dɪnə rəhi səkətə? kɪtʃʰu səma:dʰɑ:nə tʃʰ o:kəra: kərəkə
hi:təikə ." - i: bɑ:tə o: mo:nɛ:-mo:nə sɔ:tʃʰitə tʃʰələ .
e:hi tʃʰitɑ:me: kəikə rɑ:tɪ o: dʒəgəle: rəhi dʒɑ:itə tʃʰələ .
nɪnɪ hie:bo: kərəkə tʃʰ bʰo:rukəbɑ:me: . o:hirɑ:tɪ
e:hinɑ: bəhitə mo:səkɪləsʃə o: sɪtələ tʃʰələ kɪ səpənɑ:e:
lɑ:gələ . o:kəra: ləgələikə dʒe:nɑ: o:kəra a:tɪmɑ: dɛ:hiəsʃə
nɪkəlɪ kəe: kəhi rəhiələ tʃʰəikə-

"a:bə hiəmə tɔ:ra: sʃəge: nəhi rəhi səkətə tʃʰi: .
ənjɑ:jə səhiəbo:kə e:kətɑ: sɪ:mɑ: hi:itə tʃʰəikə . pəhinɛ:
tʃʰi: dʒəjəntəkə pɑ:tʰəfɑ:ləkə dʒəgəhiə hiərəpələhiə, pʰe:rə
hiŋəkərə dʒəmi:nə-dʒəʃʰa: lutɪ le:ləhiŋə, ʃi:lɑ:kə pɪtɑ:kə
bədəpɔ:ikə əkɑ:lə mɪtʃʰukə kɑ:rəŋə sɛ:hi: tʃʰi:hi: tʃʰələhiə
. bɑ:tə o:təbe: pərə nəhi rukələ . nɑ:gəba:bɑ: sənə
upəkɑ:ri: səma:dʒəsɛ:vi:kē: tʃʰi: dʒʰu:tʰə-mu:tʰəkə
mo:kədəma:me: pʰəsʃɑ: kəe: dʒəhiələ pətʰa: dɛ:ləhiŋə a:
hi:lɑ:tə tɛ:hiŋə bʰe:lə dʒe: o:təhi hiŋəkərə pɪrɑ:nə tʃʰəlɪ
ge:lə . e:tɛ:kə ənjɑ:jə səhi kəe: hiəmə tɔ:hiərə dɛ:hiəme:
nəhi rəhi səkətə tʃʰi: . tɔ:ra: əpəŋə kukɪtʃʰəkə dʒə
bʰe:təbe:kə tʃʰa:hi:."

"kəmə sʃə kəmə tʃʰi: tʃʰ hiəmərə sʃəgə dɛ:hiə . tʃʰi:
hiəmərə a:tɪmɑ: tʃʰəhiə . bʰəri dʒiŋəgi: nɪ:kə-be:dʒɑ:e:me:
hiəmərə: sʃəge: rəhiələhiə a: a:bə dʒəkʰəŋə səbʰəsʃə
mo:səkɪləme: pʰəsʃɪ ge:lə tʃʰi: tʃʰi: hiəmərə sʃəgə tʃʰo:tɪ
rəhiələ tʃʰəhiə ."

"hāmā ko:nḥ ummi:dḥṣṣṣ tḥ:hārā ṣṣge: rāhu: .
tḥ:ra: ke:o: nḥ:kā ba:tḥ kāhātḥāhā ṣṣe: ṣṣuṣṣābāhākā? nḥhī
ṣṣuṣṣābāhākā? dḥnḥ-ra:tḥ lo:kākā kṣṣṣtḥ kārāe:me: la:gālā
rāhātḥ tḥhāhā . e:hānḥame: hāmā ko:nḥ: rāhī ṣṣākātḥ tḥhī:
ṣṣe: tḥhī:hī: kāhāhā?"

"tḥhī: ruki dḥā:hā . hāmāra: dḥḥe: kāhābāhā ṣṣe:hā
kārābā ."

"ṣṣāhī: bādḥātḥ tḥhāhā?"

"e:kādḥamā ṣṣāhī:, dḥḥe: tḥhī: kāhābāhā ṣṣe:hā kārābā
muḥḥa: tḥhī: ruki dḥā:hā."

"tḥhī: tḥurātḥ dḥḥejāntḥ lāgā dḥā:hā a: hīuṣṣākārā dḥḥe:
dḥḥāmi:nḥ-dḥā:jāda:dḥ le:nḥe: tḥhāhīuṣṣā ṣṣe: va:pāṣṣā kāe:
dḥhīuṣṣā . pa:tḥāṣṣa:la:kā nḥrma:nḥame: ṣṣāhājō:gā kārāhīuṣṣā
. tḥkḥānḥe: tḥ:ra: ṣṣā:tḥ bḥe:tḥ ṣṣākātḥ tḥhāhā ."

āpānḥ a:tḥma:kā ṣṣḥgā bḥe:lā e:hī va:rḥā:la:pāṣṣā
o:kārā nḥnḥā e:kā:e:kā tḥtḥ ge:lākā . tḥa:be: pḥāri:tḥhā
bḥāe: ge:lā tḥhāhā. ṣṣudḥā:kārā tḥḥo:tḥe: ga:mā bīdḥa: bḥe:lā
. e:kāṣṣure: tḥhālātḥ rāhāhā a: utḥrāba:rḥo:lākā mādḥrāpārā
dḥḥejāntḥ lāgā pāhītḥī hīuṣṣākārā pāirāpārā kḥāṣṣī pāḥālā .
dḥḥe: ke:o: i: dḥrīḥjā dḥe:kḥālākā ṣṣe: a:ṣṣḥājāme: pāḥī ge:lā
.

"hāmāra:ṣṣā bāhūtḥ āpāra:dḥhā bḥe:lā . hāmā tḥkārā
pāṣṣḥā:tḥa:pā kārāe: tḥhā:hātḥ tḥhī: . pa:tḥāṣṣa:la:kā dḥḥāgāhā
hāmā va:pāṣṣā kārātḥ tḥhī: . āhā:kā dḥḥe: māḥāuṣṣī:kā
dḥḥāmi:nḥ-dḥā:jāda:dḥ ātḥhī ṣṣe:hīo: va:pāṣṣā kārātḥ tḥhī: .
a:gu: āhā: dḥḥe: kāhābā ṣṣe:hā kārābā . muḥḥa: hāmāra:

mo:ṇṇṇṇ ma:p^hə kəe: d̪ṇə d̪ɪa:hiṇṇṇ h̪əmə j̪ā:t̪ṇṇṇ d̪ɪ:bi
ṇṇki: ." -ṇud̪^ha:kəṇə ba:d̪ɪələ . ṇud̪^ha:kəṇəkē: o:hiṇṇ^ha:mə
d̪e:k^hi lo:kəkə kəṇəma:ṇṇ la:gi ge:lə ṇṇələ . d̪ɪəjəṇṇṇ
ṇud̪^ha:kəṇəkə ba:t̪ṇ ṇuṇṇṇṇṇ m̪əṇṇṇ ṇṇələ:hiə .

ṇṇb^həkə d̪ṇa:ṇṇ d̪ɪəjəṇṇṇpəṇə ke:ṇṇṇṇṇ ṇṇələ . o:
əṇələ r̪əh̪əṇṇ^hi. kiṇṇu bəd̪ɪəbo: ṇṇṇi kəṇəṇṇ^hi. hiṇṇkəṇə
ṇṇa:ṇṇṇṇ ṇṇ:hi: k^həra:bə b^he:lə d̪ɪa: r̪əh̪ələ ṇṇələṇṇ.
ṇṇa:ru:ka:t̪ṇṇṇ lo:kəṇṇb^hə d̪ɪəjəṇṇṇpəṇə a:gr̪əh̪əpəṇə:
a:gr̪əh̪ə kəṇəṇṇṇ r̪əh̪ələ:hiə d̪ɪe: o: a:bə əṇṇṇṇṇ ṇṇ:ṇi d̪e:ṇṇ^hi
. o: d̪ɪe: k̪əh̪əṇṇṇṇ ṇṇ:hiə hi:t̪əikə . lo:kəṇṇb^hə b̪əhiṇṇṇ
a:gr̪əh̪ə ke:ləkəṇṇ d̪ɪe: o: kiṇṇu ṇṇ k̪əh̪əṇṇṇ d̪ɪa:hiṇṇṇ
ṇṇma:d̪^ha:ṇṇkə r̪əṇṇṇ: ṇṇ:kələ d̪ɪa:e: . lo:kəkə b̪əṇṇṇṇ
a:gr̪əh̪ə d̪e:k^hi d̪ɪəjəṇṇṇ hi:t̪ṇṇṇṇ li:k^hi kəe: e:kəṇṇ: p̪əṇṇ
go:ṇṇṇṇṇ hi:t̪ṇṇṇṇ d̪e:lək^hiṇṇ-

"h̪əmə əhiṇṇ:ṇṇb^həkə ṇṇh̪əjo:gə a: ṇṇg^həṇṇṇṇ əb^hiṇṇ^hu:t̪
ṇṇi: . h̪əməra: a:bə d̪ṇiṇṇ^hə viṇṇa:ṇṇ əṇṇ^hi d̪ɪe: h̪əməra:
lo:kəṇṇkə ṇṇkəlpə əṇṇṇṇ ṇṇp^hələ hi:e:t̪. ga:məme:
viṇṇəṇṇṇṇ:ləjəkə ṇṇma:ṇṇ hi:be: kəṇəṇṇ . mud̪a: h̪əmə
ṇṇa:hiṇṇṇ ṇṇi: d̪ɪe: e:hiṇṇṇ: ṇṇb^hə go:t̪e: ṇṇa:milə
hi:əe:, ṇṇk^həṇṇ: ṇṇhi: ma:ṇṇ:me: i: d̪ɪəṇṇ ṇṇ:ṇṇ:ləṇṇkə
ṇṇp^hələṇṇ: k̪əh̪ələ d̪ɪa: ṇṇkəṇṇṇ əṇṇ^hi ."

d̪ɪəjəṇṇṇ e:hiṇṇ iṇṇṇṇṇa:kə ṇṇm̪əṇṇṇṇṇṇ: o:hiṇṇ^ha:mə
upəṇṇṇṇṇ hiəṇṇa:rō: lo:kə e:kəṇṇṇṇṇṇ ba:d̪ɪi uṇṇələ:hiə-

"h̪əməṇṇb^hə əhiṇṇ:kə iṇṇṇṇṇa:kə əṇṇku:lə ṇṇṇṇṇṇṇ ṇṇa:gə
kəṇəba:kə hi:t̪u ṇṇija:rə ṇṇi: ."

təkərəba:də s̄a:məŋe:me: ra:kʰələ bətəkə:
 s̄ətər̄əd̄zi:pərə gəh̄əŋa:,rupəia:,e:vəm əŋjə mu:l̄jəva:ŋə
 bəs̄tus̄əbʰəkə bərəkʰa: fiə:bəe: la:gələ, d̄zəkəra: ləgəme:
 d̄zəe:fiə t̄ʰələikə s̄e: ŋika:li-ŋika:li kəe: d̄e:bəe: la:gələ .
 d̄e:kʰiṭe:-d̄e:kʰiṭe: kəro:t̄ō: t̄a:ka: d̄zəma: bʰəe: ge:lə .
 kət̄e:ko: go:t̄e: əpəŋə d̄zəmi:ŋə-d̄zə:jəd̄a:d̄ə d̄a:ŋə
 d̄e:ba:kə fiə:t̄u a:gu: a:bi ge:la:fiə . e:fiəŋə d̄zəŋə
 s̄əmərt̄əŋə d̄e:kʰi d̄zəjəŋt̄ə d̄əgə rəhi ge:la:fiə .

"fiəmə əpəŋə əŋəjəŋə t̄o:t̄i rəfiələ t̄ʰi: ."

a:t̄i:r̄jəd̄zi:kə fiə:t̄he: ŋe:bo: a: t̄iŋŋi:kə s̄ərabət̄ə
 pi:bi kəe: d̄zəjəŋt̄ə əpəŋə əŋəjəŋə s̄əma:pt̄ə ke:la:fiə .
 t̄i:r̄u:ka:t̄ə lo:kəs̄əbʰə prəs̄əŋŋə t̄ʰələ . gi:t̄ə-ŋa:d̄ə bʰəe:
 rəfiələ t̄ʰələ . d̄un̄u:t̄o:ləkə lo:kəs̄əbʰə ka:li:ka:ŋt̄əkə
 s̄əfiəjo:gəs̄ō v̄iṭv̄əṭd̄ja:ləjəkə s̄t̄h̄a:pəŋa:me: la:gi
 ge:la:fiə . d̄e:kʰiṭe:-d̄e:kʰiṭe: o:fiṭh̄a:məkə d̄riṭjə bədq̄li
 ge:lə . ləgəbe: ŋəhi kərəe: d̄zē: o: o:e:fiə ga:mə ət̄ʰi
 d̄zət̄əe: d̄zəjəŋt̄ə s̄əŋə v̄iṭv̄əva:ŋə lo:kəkē: t̄h̄a:t̄h̄ə fiə:e:bə
 mo:s̄əkiələ t̄ʰələ .

ga:məme: s̄əbət̄əri e:kəhi a:ba:d̄zə prət̄d̄h̄v̄əŋt̄ə
 bʰəe: rəfiələ t̄ʰələ-

"d̄zəjə ma:t̄ribʰu:mi"! d̄zəjə d̄zəjəŋt̄ə !

38

ləkʰəŋəpurəme: gʰət̄ələ i: gʰət̄əŋa:s̄əbʰə
 s̄əbʰəkē: ud̄v̄e:liṭə kəe: d̄e:ləkə, d̄zət̄əe: d̄zē: ke:o:
 prəba:s̄əme: t̄ʰələ:fiə,ga:mə-gʰərə t̄ʰo:t̄i a:ŋə-

a:nəṭṭhā:mə rəṅṅi dʒi:vi:kə:pɑ:rdʒəṅṅə kəɾəiṭṭə
tʃṭhəla:ɦə, sʒəbḥə gɑ:məkə ru:kḥi le:la:ɦə . sʒudḥɑ:kəɾə
ko:ṅṅo: əsʒəgərə: udɑ:ɦəɾəṅṅə ṅṅəṅṅi rəɦəṭṭhī . gɑ:mə-gɑ:mə
e:ɦəṅṅə lo:kəsʒəbḥə bḥəɾələ tʃṭhəṭṭhī. kəṭṭe:ko: pɾəvɑ:ʒi:
lo:kəṅṅukə ɦuṅṅəkərə əpəṅṅe: lo:kə gḥəɾə-
gḥəɾɑ:tʃi:,dʒəmi:ṅṅə-dʒɑ:jəɖɑ:dəʒəbḥəpərə bəkə:dʃi:ʒi:
rəkḥəṅṅe: rəɦəiṭṭə tʃṭhəṭṭhī . itʃṭṭhɑ: re:ɦə rəɦəiṭṭə tʃṭhəṅṅi dʒe:
dʒe: ge:la: ʒe: ge:la: ,ɑ:bə gɑ:mə gḥu:ri kəe: ṅṅəṅṅi a:bəṭṭhī
 . bḥəṅṅe: bɑ:ɦəɾə tʃṭhəṭṭhī . e:ɦi bɑ:təkə kəṅṅuko: mɑ:tʃʒəjə
ṅṅəṅṅi dʒe: o:ɦo: e:ɦi: mɑ:tʃi-pɑ:ṅṅukə tʃṭhəṭṭhī . mʃṭṭhɪlɑ:kə
ʒəʒkɑ:rə o: ʒəʒkriṭʃṭə o:kəro: ʒəṭṭɑ:ṅṅəkə dʒuṭɑ:və bəṅṅələ
rəɦəiṭṭə,təkərə ko:ṅṅo: tʃe:ʒtɑ: ṅṅəṅṅi . dʒəkḥəṅṅə dʒəiṭṭe:
kḥəṭṭəmə bḥəe: dʒəe:təkə,bɑ:pə-piṭɑ:məɦəkə o:kəɾə
ʒəpəṭṭime: ɦi:ʒʒɑ: ɦəɾəpʃi dʒəe:bɑ:kə ɦe:tʃu əpəṅṅe: lo:kə
la:gələ rəɦəiṭṭə,təkḥəṅṅə o: kəṭṭhī: ləe: kəe: tʃɑ:tḥə rəɦəiṭṭə .
gɑ:məme: kəkəɾɑ: ləgə dʒɑ:e:tə,kəṭṭe: rəɦəiṭṭə?

pəriṅṅɑ:mə bḥe:lə dʒe: pɾəvɑ:ʒi: lo:kəṅṅukə gɑ:mə
ɑ:bɑ:dʒɑ:ɦi: krəməʒəɦə ʒəmə:pṭə dʒəkā: bḥəe: ge:lə .
dḥi:jɑ:-pu:tɑ:kē: tʃə gɑ:məme: ke:o: tʃiṅṅəbo: ṅṅəṅṅi
kəɾəiṭṭə tʃṭhəiṭṭə . kəkəɾɑ: ləgə bəiʒəṭṭə,kəkəɾɑ: ʒəge:
kḥe:la:e:tə. ʒəɦi: mɑ:ṅṅe:me: ɑ:bə gɑ:mə o:kəɾɑ:sʒəbḥəkə
ɦe:tʃu pəɾəɖe:ʒə bḥəe: ge:lə tʃṭhəiṭṭə . gɑ:mə ge:la:kə
bɑ:dḥə mo:ṅṅə ubiɑ:e: ləgəiṭṭə tʃṭhəiṭṭə,ɦo:iṭṭə tʃṭhəiṭṭə dʒe:
kəkḥəṅṅə bḥɑ:gi: . ɑ:kḥiɾə e:ṅṅɑ: bḥe:ləiṭṭə kɪe:kə ? kiṭṭhʃu
lo:ɦo:kə dḥo:kḥə,kiṭṭhʃu lo:ɦiɑ:ro:kə . dʒɑ:be: lo:kə
ṅṅəkəri: kəɾəiṭṭə rəɦələ,tɑ:be: o:ɦi:me: la:gələ
rəɦələ. mudɑ: ʒəməjə tʃə bəiʒələ ṅṅəṅṅi rəɦəiṭṭə . ʒəməjə
tʃəkɾə ɑ:gu: bəṭḥələ. mɑ:ṅṅəvi:jə ʒəbḥəṭṭhə ʃiṭṭhɪlə ɦo:iṭṭə
ge:ləiṭṭə . e:ɦəṅṅə pəriʒṭṭhʃiṭṭi gɑ:mə-gɑ:mə pəʒəri ge:lə.

ləkʰəŋəpuro:kə sʰəe:ɦə ɦa:lə- tʃa:lə . mudɑ: i:
 ɡʰətəŋɑ:kɾəʃʱ sʰəbʰəkə mo:nəme: dʒibəɾədəʃtə a:ɡʰa:tə
 bʰe:ləikə . pɾəva:ʃi: sʰəbʰə dʒitʰəe: dʒi: ɾəɦəe: sʰəbʰə
 əpəŋə-əpəŋə ɡa:mə a:e:lə . pa:tʰəʃa:lɑ:kə lətɑ:
 dʒəjəŋtəkə vjəkʰtʃɡətə ŋəɦi ɾəɦi ɡe:lə . i: sʰəma:dʒəkə
 əʃmɪtɑ:ʃʱ dʒuɾi ɡe:lə.

sʰəbʰəʃʱ kəma:lə ke:lɑ:ɦə ɾa:dʒi:və . ɦuŋəkəɾə
 pu:ɾvədʒə ləkʰəŋəpura utʰəɾəba:ɾiʈo:ləkə tʃʰətʰi .
 ɦuŋəkəɾə ba:ba: ŋe:ŋe:me: ɡa:məme: ɡəri:bi:ʃʱ tʃəɡə
 bʰəe: bʰa:ɡi ɡe:ləkʰiŋə . tʰəkəɾəba:dʰ kətʰəe: ɡe:lɑ:ɦə,ki:
 ke:lɑ:ɦə kəkəɾo: kiɾʃʱu pətʰɑ: ŋəɦi tʃələləikə, tʰəkəɾəba:dʰ
 ɦuŋəkəɾə piɾɑ: dʒilli:me: bʰəɾi dʒiŋəgi: ka:dʒə ke:ləkʰiŋə
 a: o:tʰəɦi ɡʰəɾə bəŋɑ:e: bəʃi ɡe:ləkʰiŋə . o:tʰəɦi ɾa:dʒi:və
 pətʰi-likʰi kələkʰtəɾə bʰəe: ɡe:lɑ:ɦə . ɡa:məkə ba:re:me:
 sʰuŋəbe: kəɾətʰi, kəɦio: ɡe:lə ŋəɦi ɾəɦətʰi,kiɾʃʱu
 d̪e:kʰəŋe: ŋəɦi ɾəɦətʰi . tʰətʰɑ:pi əpəŋə ma:tʃi-pa:ŋkə
 sʰiŋe:ɦə tʃə ɾəɦəbe: kəɾəŋ . ʃʱjo:ɡə e:ɦəŋə dʒi: ɦuŋəkəɾə
 po:sʃi:ɡə ləkʰəŋəpura:kə dʒiɾa: mukʰja:ləjəme: bʰəe:
 ɡe:ləŋ .

ɾa:dʒi:vəkē: sʰudʰɑ:kəɾəkə kʰiɾʃʱɑ: ŋi:kəʃʱ
 bu:dʒʰələ ɾəɦəŋ . əkʰəŋə dʰəɾi o: dʒi:ŋɑ:-tʰe:ŋɑ: bətʃəitʰə
 ɾəɦələ tʃʰələ . puliʃʱ a: sʰəɾəka:ri: məɦəkəma:me: əpəŋe:
 dʒo:ɡa:ɾə bəiʃʱɑ: kəe: ɡa:məkə lo:kəʃʱəbʰəkē: pəre:sʱɑ:ŋə
 ke:ŋe: ɾəɦəitʰə tʃʰələ. mudɑ: kəɦəbi: tʃʰəikə dʒi: kəɾməkə
 pʰələ bʰo:ɡəɦi pətʰəitʰə tʃʰəikə . sʰəe:ɦə bʰe:ləikə. ɾa:dʒi:və
 e:səpi:ʃʱ ɡəppə kəe: sʰudʰɑ:kəɾəkə pʰɑ:ɾləkē:
 ŋkələbəo:lətʰi. o:ɦime: likʰələ ɾəɦəikə" sʰudʰɑ:kəɾə
 ŋɑ:məkə a:dəmi: kəɦi ŋəɦi kətʰəe: tʃəlɪ ɡe:lə ətʃʱi, bəɦutʰə

praja:sṛakā ba:ḍo: o:kāra: nṛhi t̄a:kələ d̄z̄a: sṛakələ.
aṣṭu,e:hi ma:māla:kē: p̄h̄ilāh̄a:lə b̄ḍḍə ra:k̄h̄ələ d̄z̄a:e:
d̄z̄ak̄h̄aṇḍə o: b̄h̄e:t̄ṭa:hiḥ t̄ṣ̄ a:gu:kā ka:r̄ava:ī k̄e:lə
d̄z̄a:e:t̄ṣ̄ ." ra:d̄z̄i:vākē: e:s̄āpi: s̄e: ba:t̄ṣ̄ k̄āh̄alāk̄h̄iṇḍ .

"o: t̄ṣ̄ ak̄h̄aṇḍo: ga:me:me: aṭṭ̄h̄i . pulis̄akē: nṛhi
b̄h̄e:t̄ṣ̄ba:kā s̄āba:le: nṛhi t̄ṣ̄āikā . d̄z̄aru:rā ke:o: o:kāra:
b̄ḍṭṭa: r̄āh̄alə aṭṭ̄h̄i."

"āh̄i:kā aṇḍuma:nḍ s̄āhi: aṭṭ̄h̄i fr̄i:ma:nḍ! -e:s̄āpi: s̄ā:hi:bə
b̄ad̄z̄āla:hiḥ.

"ke: t̄h̄ika:hiḥ o: v̄jakt̄ d̄z̄e: e:hiṇḍ d̄ḡṣṭə v̄jakt̄kē: b̄ḍṭṭa:
r̄āh̄alə t̄ṣ̄āṭṭ̄h̄i?"

"āpāṇe: īla:ka:kā m̄āṭṭ̄ri:s̄ā s̄ud̄h̄a:kārakā b̄āh̄it̄ṣ̄
ḡh̄a:lāme:lə t̄ṣ̄āikā . s̄uṇḍit̄ṣ̄ t̄ṣ̄i: o:e:hiḥ e:kāra
ma:māla:me: pulis̄akē: d̄āba:bə d̄āit̄ṣ̄ t̄ṣ̄āṭṭ̄h̄i ."

"a:bə āh̄i:s̄āb̄h̄ā kākāro: nṛhi s̄uṇḍu: . d̄z̄e: ut̄ṣ̄it̄ṣ̄ t̄ṣ̄āikā
s̄e: hi:bā:kā t̄ṣ̄ā:hi:."

"s̄āhi: k̄āh̄alāikā fr̄i:ma:nḍ! s̄āe:hiḥ hi:t̄ṣ̄āikā ."

t̄ākāraba:ḍə t̄ṣ̄ e:s̄āpi: s̄ā:hi:bə o:hi ma:mīla:kē:
āpāṇa: hi:t̄ṣ̄āme: lāe: le:l̄ṭṭ̄h̄i . t̄ṣ̄i:nḍ ma:s̄ā n̄ṭṭ̄āp̄r̄ṭṭ̄ o:hi
ma:mīla:kā s̄uṇḍaba:ī ko:r̄ṭāme: b̄h̄e:lāikā . d̄z̄ād̄z̄
s̄ā:hi:bə s̄e:hiḥ t̄ṣ̄āḡuṇṭ̄a:me: r̄āh̄āṭṭ̄h̄i d̄z̄e: a:k̄h̄iṇḍ e:hiṇḍ
āpāra:d̄h̄ā ke:la:kā ba:ḍo: pulis̄ā kie:kā e:kāra:
b̄ḍṭṭa:ṇe: t̄ṣ̄ālē . ma:mīla:me: p̄h̄āiṣ̄āla: d̄āit̄ṣ̄ d̄z̄ād̄z̄
s̄ā:hi:bə k̄āh̄āla:hiḥ-

" सुदुहाःकऱरकऱ ँपऱराःदुहा बऱहुतुऱ पऱरुगुहा ँतुऱु . ०: ॑:कऱतऱः
 ॑:कऱदुऱमऱ नुऱरदुऱःशुऱ वुऱकुतुऱकुऱः सुऱबुहुऱतुऱरऱहुऱः तुऱगुऱ कऱरऱतुऱ
 रऱहुऱलऱःहुऱ . हुऱनुऱकऱरऱ दुऱऱःनुऱ बऱतुऱऱनुऱःऱु मऱःसुऱकुऱलऱ बुहुऱ॑ः
 गऱःलऱ . ँपुहुऱसुऱःतुऱऱकऱ बऱःतुऱ ँतुऱुऱ दुऱऱः ॑ःहुऱनुऱः मऱःमुऱलऱःकुऱः
 पुऱलुऱसुऱ ँः नुऱःतुऱःकऱ गुहुऱःलऱमेःलऱसुऱऱ दुऱबुऱ०ःलऱ दुऱऱः रऱहुऱलऱ
 तुऱुऱलऱ . ॑ःहुऱ मऱःमुऱलऱःमेः सुदुहाःकऱरकऱ कुहुऱलऱःपुहुऱ
 पऱरुऱःपुऱऱ सुऱबुःतुऱ ँतुऱुऱ . नुऱऱःऱुकऱ मऱःगुऱ ँतुऱुऱ दुऱऱः
 हुऱनुऱकऱः कऱतुऱुऱःरऱ दुऱदुऱ दुऱःलऱ दुऱऱः॑ः दुऱऱःहुऱसुऱऱ कऱःलुऱ
 बुहुऱ॑ःनुऱः पुहुऱ॑ःरऱ कुऱः०ः ॑ःहुऱनुऱ कऱरऱबऱःकऱ हुऱ॑ःतुऱ सुऱःतुऱबुऱ०ः
 नुऱहुऱ कऱरऱ॑ः . ँसुतुऱ, सुदुहाःकऱरकऱः दुऱसुऱ सुऱःलऱकऱ सुऱऱरुऱमऱ
 कऱःरऱःवऱःसुऱकऱ दुऱदुऱ दुऱःलऱ दुऱऱःऱतुऱ ँतुऱुऱ . सुऱगुऱहुऱ हुऱऱऱः ँःदुऱःऱु
 दुऱःलऱ दुऱऱःऱतुऱ ँतुऱुऱ दुऱऱः दुऱःशुऱः पुऱलुऱसुऱसुऱबुहुऱकऱ कुहुऱलऱःपुहुऱ
 वुऱबुहुऱगुऱऱऱु कऱःरऱवऱःऱु कुऱःलऱ दुऱऱः॑ः . "

०ःहुऱ दुऱनुऱ सुऱऱुऱः लऱकुहुऱनुऱपुऱरऱमेः ॑ःहुऱ बऱःतुऱकऱ
 तुऱऱऱतुऱऱऱः हुऱऱःऱतुऱ रऱहुऱलऱ . सुऱबुहुऱ ॑ःतुऱबुऱः कऱहुऱ॑ः दुऱऱः
 सुदुहाःकऱरकऱः ँपऱनुऱ कऱरऱनुऱःकऱ पुहुऱलऱ बुहुऱ॑ःतुऱलऱऱकऱ .
 सुऱःदुऱऱुहुऱमेः उतुऱरऱबऱःऱुतुऱःलऱकऱ लऱःकऱसुऱबुहुऱ सुऱबुऱःमऱःनुऱ
 लऱदुऱदुऱ मऱदुऱरऱमेः पुऱरऱसुऱःदुऱ तुऱऱऱुऱऱःलऱकऱ . सुऱऱुमऱसुऱः
 गऱःमऱ लऱदुऱदुऱ बुऱःतुऱलऱ गऱःलऱ . मुदुऱः दुऱऱुऱऱनुऱतुऱ दुऱुकुहुऱः
 रऱहुऱऱतुऱुऱ . ०ः तुऱऱु ँपऱनुऱःबुहुऱऱुऱ सुदुहाःकऱरकऱः मऱःपुहुऱ कऱ॑ः
 दुऱःनुऱः रऱहुऱऱतुऱुऱ . मुदुऱः कऱःनुऱःनुऱ ँपऱनुऱ कऱःदुऱऱु कुऱःलऱकऱ .
 गऱःमऱमेः ॑ःहुऱ बऱःतुऱसुऱऱु लऱःकऱ पुऱरऱसुऱनुऱनुऱ तुऱुऱलऱ .

dʒəjəntəkē: əpəŋə ga:məme: ŋa:gəba:ba:
vɪʃvəɪdʒa:ləjəkə ʃtʰa:pəŋa:kə ba:dpo: mo:ŋəme: tʃəŋə
ŋəhi rəhiŋŋ . "dʒa: dʰəri e:hi ila:ka:kə e:kə-e:kə vjəktʃ
ʃuʃɪksɪtə a: ʃəbʰə tʃərihē: ʃəpəŋŋə ŋəhi bʰəe: dʒa:e:tə
tʃa:be: vɪfra:mə kərəba:kə ko:ŋə əutʃɪtʃə ətʃɪ?"-o:
mo:ŋe:-mo:ŋə ʃo:tʃətʰɪ. ʃo:tʃəbe: ŋəhi kərətʰɪ əpɪtu
tʃa:hi udde:ʃjəkə pra:ptʃi hie:tʃu o: ʃəpu:ŋə ʃəktʃ ʃə la:gi
ge:la:hi. e:hi ba:təkə o: pu:ra: prəja:ʃə ke:la:hi dʒe:-
dʒe: kəʃtə hiŋŋəkə bʰe:ləŋŋ ʃe: a:ŋə kəkəro: ŋəhi hi:ɪkə
. ləkʰəŋəpure a: ləgə-pa:ʃəkə ko:ŋo: ŋe:ŋa:kē:
a:rtʰikə/ pa:rɪva:rikə ka:rəŋəʃə pərə:ʃa:ŋi: ŋəhi hi:ɪkə .

ga:mə-ga:məʃə prətʃbʰa:fa:li: vɪdʒa:rtʰi: ʃəbʰəkē:
vɪʃvəɪdʒa:ləjəkə tʃʰa:tʃa:va:ʃəme: rəhiəba:kə
ŋhiʃulkə vjəvəʃtʰa: kəe:lə ge:lə. dʒəkəra:me: dʒe: guŋə
tʃʰələikə təkəra vɪka:ʃə hie:tʃu pəɾja:ptʃə~tʃə dʒa:mə bʰe:lə.
. hiŋŋəkə i: prəja:ʃəkə tʃəmətʃka:rikə pəriŋa:mə bʰe:lə .
dɛ:kʰɪtɛ:-dɛ:kʰɪtɛ: ila:ka:kə lo:kəkə bʰəvɪʃjə bəɖəli ge:lə
. juvəkəʃəbʰə ʃuʃɪksɪtə bʰəe: pəriva:rəkə ŋəksʃa: bəɖəli
dɛ:ləŋŋ . o: ila:ka: vɪdʒa: a: dʰəŋəʃə pəripu:ŋə bʰəe:
ge:lə . ləkʰəŋəpure: ŋəhi ləgə-pa:ʃəkə ila:ka:bʰəri me:
dʒəjəntəkə dʒəjəga:ŋə hi:bəe: la:gələ . e:kə a:dəmi:
ko:ŋa: hiədʒa:rō: lo:kəkə bʰa:gjə bəɖəli ʃəkəitə ətʃɪ
təkəra o: udə:hiəŋə bəŋŋ ge:la:hi .

dʒəjəntə e:təbe: pərə ŋəhi rukəla:hi . prəva:ʃi:
lo:kəŋkə ʃəməʃja:pərə hiŋŋəkə dʒja:ŋə bəhiutə dʒŋəʃə
rəhiŋŋ. təkəra ŋra:kəŋə hie:tʃu o: ʃəhi: ʃəməjəkə
prətʃi:kʃa: kəe: rəhiə tʃʰəla:hi . a:bə o: ʃəməjə a:bi ge:lə
tʃʰələ . ʃəjo:gəʃə ra:dʒi:və ʃəŋə utʃɪtʃə ʃəŋəka:ri: ədʰɪka:ri:

ṣe:fiə: e:fi ka:dʒəme: ru:tʃi læ: rəfiələ tʃʰələ:fiə . lægə-
pa:ṣəkə lo:kəṣəbʰə tʃʰi la:gəle: rəfiəe: . e:fi viʃəjəpərə o:
ra:dʒi:vəṣṣi tʃʰitʃi: ke:ləŋ . ra:dʒi:və ṣpəjə ṣe:fiə:
bʰuktəbʰo:gi: tʃʰələ:fiə . kəikə puṣṣəṣṣi hiŋəkərə
pu:rvədʒi:ṣəbʰə bə:fiəre: tʃʰələ:fiə . pəriŋa:mə ga:məkə
gʰəra:ʃi:o:kə ŋa:mo:-ŋuṣa:ŋə ŋəfi rəfi ge:lə tʃʰələŋ .
e:fiəŋe: kʰiṣṣa: bəhiutə ra:ṣə pəva:ʃi: lo:kəŋkə tʃʰələŋ .

dʒəjəŋtə ṣo:tʃələ kəretʰi dʒe: a:kʰirə e:fi
ṣəməʃja:ṣəbʰəkə dʒitʃi kətəe: ətʃʰi . hiŋəkə: ŋi:kəṣṣi
budʒi: ge:ləŋ dʒe: dʒi:vi:kə:kə pəja:ṣəme:
lo:kəṣəbʰəkē: əpəŋə ga:mə-gʰərə tʃʰo:tʃi dʒe:la:ṣṣi i:
ṣəməʃja: bəʰələ . dʒəjəŋtə a:o:rə pəva:ʃi: lo:kəŋkə
ṣṣigə e:fi ṣəməʃja:pərə vitʃi:rə-vimətʃi ke:ləŋ . o:ṣəbʰə
a:pəṣəme: bəiṣa:rə kəe: ga:mə ləutʃi dʒi:e:bə:kə ŋiŋəjə
ke:la:fiə .

"ləkʰəŋəpurəkə lægə-pa:ṣəkə dʒe: ke:o: ga:mə
va:pəṣə a:bəe: tʃi:fiətʰi ṣəbʰəkē: ṣva:gətə tʃʰəŋ .
hiŋəkə:ṣəbʰəkē: a:va:ʃi:jə dʒi:mi:ŋə upələbdʰə kərə:o:lə
dʒi:e:tə . "- dʒəjəŋtə a:ʃva:ṣəŋə dʒe:ləkʰiŋə .

əṣləme: viʃvəvidʒi:ləjəkə ŋi:ma:ŋəkə bə:də
bəhiutə ra:ṣə tʃi:dʒa: pʰa:dʒilə rəfi ge:lə tʃʰələ . o:fi
ʃa:kə:kə upəjo:gəṣṣi tʃi:li:ṣṣi biɡʰa: a:bə:ʃi:jə dʒi:mi:ŋə
ki:ŋələ ge:lə . təkəra: ŋi:kəṣṣi vikəṣṣitə kəe: ṣubidʰa:
ṣṣipəŋŋə kəe:lə ge:lə . e:fi təkəfiē: ŋi:ritə tʃʰo:tə-tʃʰo:tə
bʰu:kʰiṣṣi pəva:ʃi: lo:kəŋkē: upələbdʰə kərə:o:lə ge:lə
 . ki:tʃʰue: dʒi:ŋəme: o:fiʃa:mə pu:rvə vikəṣṣitə ṣəməṣṣə
a:dʰuŋkə ṣukʰə -ṣubidʰa: ṣṣipəŋŋə tʃo:lə bəṣṣi ge:lə
dʒəkərə ŋa:mə dʒəjəŋtəpurə ra:kʰələ ge:lə .

lakhāṇapurā dattīṇābā:ritō:lakā bhāntā rā:śā
prāva:śi: lo:kāṇi e:hi sūvidhā:kā la:bhā utbhāitā gā:mā
vā:pāśā a:bi ge:la:hi . hiṇākā:śābhākē: apāṇā-apāṇā
ghārā bhāṇi ge:lāṇi . o:śābhā p'hē:rāśā apāṇā pu:rādvāṅkā
gā:māme: bāśi ge:lāṅhi . dījā:dā-bā:dāśābhā hiṇākārā
dvāmi:ṇā-dvā:jāda:dā vā:pāśā kāe: dē:lakhīṇā.
gā:māme: śhā:pitā vīsvavidjā:lājāme: ilā:kā:kā
hādvā:rō: lo:kākē: tīo:tāśā pāighā śābhā śtārākā dvī:vīkā:
bhē:talāikā . bhāntā dīṇākā bā:dā lāgālāikā dvē:
gā:māme: purā:ṇā śāmājā lāutī ge:lā atī .

40

gā:māme: śāpu:ṇā a:dhūṇkā sūvidhā:śā
śāpāṇā vīsvavidjā:lājākā śhā:pāṇā: bhāe: ge:la:kā
bā:dā dvājāntākā prāśāṇāṅtā:kā ātē: ṇāhi tīālā . śāghā
prāva:śi: lo:kāṇikā dvājāntāpurā tō:lā śē:hiō: bāśi ge:lā
tīālā . kākā puśtāśā gā:mā-ghārāśā bā:hiārā rāhi rāhālā
lo:kāśābhā apāṇā mā:tī-pā:ṇiśā p'hē:rāśā dvīvī ge:lā
rāhātī .

śābhā kīṭhū dvākhāṇā bhā_īe: ge:lā tī tīādvīkā:kā
bīa:hiē: kīe:kā lātākālā rāhātā? kā:li:kā:ṇtā bhāntā
dīṇāśā e:hi śāmājākā prāṅtī:kā: kāe: rāhālā tīāla:hi . i:
śābhā kā:dvā bhāe: ge:la:kā bā:dā kā:li:kā:ṇtā
a:tīa:ṇādvī:kā o:tāe: pāhūtīāla:hi a: tīādvīkā:kā
dvājāntākā śāghā bīa:hiākā dīṇā tākābā:kā a:grāhā ke:lāṅhi
. vāśāpātīāmi: lāgi:tīe: tīālā. o:hi:dīṇā dīṇū:go:tē:kā
bīa:hiō: e:bā tājā bhē:lā .

de:k^hite:-de:k^hite: vəʃǯəpəʃt̪əmi:kə d̪n̪ə a:bi
 ge:lə . t̪i:ru:kə:t̪ə rəʃəŋət̪iuki: ba:d̪ʒi rəhələ t̪hələ.
 lo:kəkə prəʃəŋət̪a:kə ʃǯəŋi prəkriṭṭi ʃe:fiə: d̪ǯumi
 rəhələ t̪hələ . d̪ǯəŋət̪əkə bɪa:hiə t̪iədq̪i:kə ʃǯə
 d̪u:mədq̪a:məʃǯə ʃǯəŋət̪ə b^he:lə. ŋəvəvɪa:hiə d̪əpətt̪i
 b^həgəvətt̪i:kē: go:rə ləgəba:kə hi:t̪u ut̪iṭ̪iṭ̪ə bɪdq̪a:
 b^he:lə:hiə. hiŋəkərə ʃəməʃt̪ə pəvɪa:rə ʃǯəge:-ʃǯəge:
 gi:t̪ŋa:d̪ə kərət̪ə pə:t̪iṭ̪u:-pə:t̪iṭ̪u: t̪iṭ̪i rəhələ t̪hələ:hiə
 . e:hi a:ŋ̌ədq̪əməjə əvəʃəpəpərə lək^həŋəpura:kə
 lo:kəʃəb^həkə prəʃəŋət̪a:kə ət̪ə ŋəhi t̪hələ .

(ʃəma:pt̪ə)

-rəbi:ŋd̪rə ŋa:ra:jəŋə miʃrə, pɪt̪a:kə ŋa:mə: ʃvərgi:jə
 ʃu:rjə ŋa:ra:jəŋə miʃrə, ma:t̪a:kə ŋa:mə: ʃvərgi:ja:
 d̪ja:kə:ʃi: d̪e:vi:, bəe:ʃə: 69 vəʃə, pəit̪ri:kə gra:mə:
 ət̪e:rə d̪i:hiə, ma:t̪ri:kə: ʃŋŋ^hi:a: d̪jo:t̪^hi:, vɪt̪i: b^ha:rət̪ə
 ʃəra:kə:rəkə upə ʃətt̪ivə (ʃe:va:ŋvɪtt̪ə), ʃpe:jələ
 me:t̪ro:po:liṭ̪əŋə məd̪ʒiʃt̪re:t̪ə, d̪illi:(ʃe:va:ŋvɪtt̪ə),
 ʃik̪sə: t̪iəŋd̪rədq̪a:ri: mɪt̪i:la: məhi:vɪd̪ja:ləʃǯə bi:e:ʃə-
 ʃi: b^həut̪ikə vɪd̪ʒi:nəme: prətt̪iṭ̪a: : d̪illi:
 vɪvəvɪd̪ja:ləʃǯə vɪdq̪i ʃŋa:t̪əkə, prəkə:ʃiṭ̪ə kriṭṭi:
 mət̪i:li:me: prəkə:jəŋə vəʃəhə2017 1.b^ho:rəʃǯə ʃā:d̪ʒ^ha
 dq̪ari (a:t̪mə kətt̪a:), 2. prəʃǯəgəvəʃə (ŋiṭ̪vādq̪i), 3. ʃvərgə
 e:t̪hi ətt̪i (ja:t̪a: prəʃǯəgə); prəkə:jəŋə vəʃəhə2018 4.
 p^həʃa:d̪ə (kətt̪a: ʃǯəgrəhiə) 5. ŋəməʃt̪əʃjəi (upəŋja:ʃə) 6.
 vɪvɪdq̪i prəʃǯəgə (ŋiṭ̪vādq̪i) 7.məhiərə:d̪ʒə(upəŋja:ʃə)
 8.lədq̪əko:t̪ərə(upəŋja:ʃə); prəkə:jəŋə vəʃəhə2019
 9.ʃi:ma:kə o:hi pə:rə(upəŋja:ʃə)10.ʃəma:dq̪a:ŋə(ŋiṭ̪vādq̪i)

ṣṭgrāḥā) 11.ma:ṭṛi:bʰu:mṛi(upañja:ṣṭ)
12.ṣvapṇālo:kā(upañja:ṣṭ); prāka:fāṇṇa vārṣahā2020
13.jākhāṇā:ḍa(upañja:ṣṭ) 14.ī:fiā ṭṛikā
ḍṛi:vāṇṇa(ṣṭṣmāraṇṇa)15.dʰāḥaiṭṭa ḍe:ba:lā(upañja:ṣṭ);
prāka:fāṇṇa vārṣahā2021 16.pa:ṭṛe:ja(ṣṭṣmāraṇṇa)
17.hāmā a:bi rāḥālā ṭṛi:(upañja:ṣṭ) 18.pṛalajākā
pāra:ṭṭa(upañja:ṣṭ); prāka:fāṇṇa vārṣahā2022 19.bi:ṭṛi
ge:lā ṣṭmājā(upañja:ṣṭ) 20.pṛaṭṭibimbā(upañja:ṣṭ)
21.baḍali rāḥālā aṭṭi ṣṭbʰakṛiṭṭu(upañja:ṣṭ) 22.ra:ṣṭrā
māḍira(upañja:ṣṭ) 23.ṣṭjō:gā(kāṭṭā: ṣṭgrāḥā) 24.ṇā:ṭṭi
rāḥālā ṭṛiṭāli vāṣudʰā:(upañja:ṣṭ) 25.ḍi:pā ḍṛaraiṭṭa rāḥāe:
(upañja:ṣṭ).

ṣṭpāṇṇa

mṭṭaṣṭā editorial.staff.videhā@gmail.com pāra

pāṭṭā:u.

3.5.kuma:ra maṇo:dz̥i kaṣṣapa-a:ka:ṣa-kuṣuṃa



kuma:ra maṇo:dz̥i kaṣṣapa

1 ṭa: laḡhukət̥a:

a:ka:ṣa-kuṣuṃa

ra:d̥h̥a:ba:bu: a: ɔp̥h̥iṣṣəkə p̥h̥a:i:lə me: t̥e:ḥ̥aṇṇə ṇe:
p̥rəḡa:t̥h̥ə əṇjo:ṇṇa:ṣrəjə ṣṣ̥b̥āḍ̥d̥h̥ə t̥ṇ̥ələ d̥z̥e: ḥ̥uṇṇaka: ḡh̥ərə-
p̥ər̥va:ra ke: ba:re: me: ṣṣ̥o:t̥ṣ̥ba:kə p̥ələk̥h̥əṭ̥i
k̥əḥ̥ā: ! b̥h̥o:ra me: d̥z̥e: a:t̥h̥ə b̥əd̥z̥e: ḡh̥ərə ṣṣ̥əṣ b̥əḥ̥ara:i:t̥ə
t̥ṇ̥əla:ḥ̥ə ṣṣ̥e: ra:t̥i me: ṇṇə b̥əd̥z̥e: ṣṣ̥əṣ p̥əḥ̥iṇṇe: b̥iṣ̥əle:
k̥əḥ̥ijo: p̥h̥iṣṣət̥ə t̥ṇ̥əla:ḥ̥ə. ḥ̥ərəṣṣ̥əṭ̥h̥e: t̥əṣ ɔp̥h̥iṣṣə
ṣṣ̥əṣ p̥h̥a:i:ləkə puṣ̥iḍ̥a: b̥əḥ̥iṇṇe: ḡh̥ərə əb̥əṭ̥ə t̥ṇ̥əla:ḥ̥ə a:
ḡh̥əro: me: ɔp̥h̥iṣṣe:kə ka:d̥z̥i. ṣṣ̥əjo:ḡə ṣṣ̥əṣ k̥əḥ̥ijo:
p̥ələk̥h̥əṭ̥i b̥h̥e:t̥ələn̥i t̥əṣ ḍ̥u: p̥ələ po:t̥a:-po:t̥i: ṣṣ̥əḡe: ḥ̥iṣṣ̥-
ba:d̥z̥i le:la: a: p̥h̥e:ra ṭ̥i:vi: p̥ərə ṣṣ̥əma:t̥ṣ̥a:ra ḍ̥e:k̥h̥əba:
me: ṇṇ̥məḡṇṇə! t̥ṇ̥utt̥ijo: ke: ḍ̥iṇṇə me: ja: t̥əṣ ɔp̥h̥iṣṣə
d̥z̥i:t̥ṇ̥i va: p̥h̥a:i:le: ḡh̥ərə ləṣ a:b̥əṭ̥h̥i. muḍ̥a: riṭ̥a:jəṣ̥m̥ē:t̥ə

ke: ba:də huna:kəra duna:ʃa:ja: t̪əs bəɖəʎəike:
t̪ʰəʎəŋhi:je:. a:bə ɡʰərə me: rəhiət̪ə t̪ʰəʎə t̪ʰə pəhiərə bʰəri
əkʰəba:ra pət̪ʰəbə, ba:ʃi:-d̪ʒʰa:ʃi:, po:t̪a:-po:t̪i: ke: bəɣa:
kəs pət̪ʰa:ʎəbə e:hi s̪əbʰə me: duna: ɡudəʃt̪ə hi:oi:t̪ə t̪ʰəŋhi.
huna:ka: me: e:ka:e:kə a:ʎə i: pəriʋərt̪əŋə huna:kəra
po:t̪i: ke: ŋe:ŋəmət̪i bud̪ʒʰi ŋəhi pa:bi rəhiə t̪ʰəʎə. o:hi
duna: əpəŋə d̪a:d̪i: s̪əs s̪ut̪əba: ka:lə kʰiɣa: s̪una:it̪ə
put̪ʰəʎəkəi - 'd̪a:d̪i: ba:ba: a:bə pa:pa: d̪ʒək̄: əpʰiɣə
kiʎəi ŋəi d̪ʒa:i: t̪ʰəʎəŋə?'

- 't̪o:hiərə ba:ba: a:bə ŋo:kəri: s̪əs riʃa:ʎərə bʰəs ge:lə
t̪ʰəʎəŋhi --- t̪əi ɡʰərə: me: rəhiət̪ə t̪ʰəʎəŋhi.'

- 'riʃa:ʎərə ki: hi:oi: t̪ʰəi d̪a:d̪i:?'

- 'd̪ʒək̄əŋə lo:kə bu:t̪ə bʰəs d̪ʒa:i: t̪ʰəi.... ka:d̪ʒə
d̪ʒo:kərekə ŋəhi rəhiə t̪ʰəi t̪ək̄əŋə o:kəra: ɡʰərə me:
a:ra:mə kəri ləi kəhiə d̪ʒa:i: t̪ʰəi. t̪əkəre: kəhiə t̪ʰəi
riʃa:ʎərə. '

- 't̪o:ro: t̪əs ke:ʃə pa:ki ge:lə t̪ʰəu, t̪əhi t̪əs bu:t̪ə
bʰe:l̄i. t̪ə: kəhiʎa: riʃa:ʎərə hi:bəhi: d̪a:d̪i:? '

- 'd̪u:ra d̪ʒo: hiəmə ko:ŋo: ŋo:kəri: kəri t̪ʰi: d̪ʒe:
riʃa:ʎərə hiəbə. d̪ʒəld̪i: s̪u:t̪ə. bəʃə ka:d̪ʒə pəʃəʃəʎə ət̪ʰi
hiəməra:.'

o:hi əbo:d̪ʰə ke: o: ko:ŋa: bud̪ʒʰəbiʃə t̪ʰi d̪ʒe: ɡrihiŋi: ke:
ka:d̪ʒə s̪əs ko:ŋə t̪ʰuʃəkə:ra: !

-kuma:ra maṇo:dʒə kaʃʃapə, ʃəmpɾətɻ: bʰa:reʃə
ʃəra:ka:ra ke: upə-ʃəʃʃivə, ʃpərkə: ʃi:-11, t̪a:vəre-4,
t̪a:ipə-5, kiɖəvəi: ŋəgəre pu:rvə (d̪illi: h̪a:tə ke:
ʃa:məŋe:), ŋəi: d̪illi:-110023 mo: 9810811850 /
8178216239 i:-me:lə : writetokmanoj@gmail.com

əpəŋə m̪əʃʃəvə editorial.əʃʃəvə@videheə@gmail.com
pəre pəʃʰa:u.

3.6.ŋɪrməla: kəŋə- əgŋɪ ʃikʰa: (kʰe:pə-20)



ŋɪrməla: kəŋə (1960-), ʃikʃa: - e:m e:, ŋəfiərə -
kʰəra:dʒəpura,dərabʰəŋga:, ʃa:ʃura - go:ʃʰija:ri:
(bələh̪a:), vət̪t̪əma:ŋə ŋuva:ʃə - r̪a:t̪ʃi:,dʒʰa:rəkʰəŋdə,

dʒʰa:rəkʰəḍə ʃəɾəkɑ:rə məɦɪla: e:ṽə ba:lə vɪka:ʃə
ʃɑ:ma:dʒɪkə ʃʊrəkʃa: vɪbʰa:gə me: ba:lə vɪka:ʃə
pəɾjo:dʒəŋɑ: pəḍɑ:dʰɪka:ri: pəḍə ʃəʌ/ ʃe:va:ŋvɪɪttɪ
upəra:ŋtə ʃpətət̪rə le:kʰəŋə.

mu:lə ɦɪŋdʒi:- ʃpəɾgi:jə dʒɪte:ŋd̪rə kuma:rə kəŋə,
məɪt̪ɦɪli: əŋvva:də- ŋɦməla: kəŋə

əŋŋɪ ʃɪkʰa: (bʰa:gə- 20)

pu:rva kət̪ʰa:

ra:dʒa: puru:rəva: əməra:vət̪i: dʒa:i: ke: kɾəmə mē:
urvaɦi: a: t̪ɦɪrəle:kʰa: ke: əpəɦəɾəŋə kəs ləs dʒa:ɪt̪ə
d̪ɑ:ŋəvəra:dʒə ke:ɦɪ ʃəs əʃəgəre: judd̪ʰə kəɾəɪt̪ə o:kəra:
pəra:dʒɪt̪ə kəs d̪uŋu: əpʃəra: ke: rəkʃa: kəɾəɪ t̪ɦət̪ɦɪ.
puŋəɦə ɦuŋəka: ləs kəs o: əməra:vət̪i: pəɦɪt̪ɦəɪt̪ə t̪ɦət̪ɦɪ.

a:bə a:gu:

vəɪdʒəjət̪ə pɾa:ʃɑ:də mē: ra:ʃə-r̃əgə mē: d̪u:bələ ɪŋd̪rə!
ʃpəɾgə ke: ko:ŋə bʰa:gə mē: kət̪ɦɪ bʰəs rəɦələ t̪ɦəɪkə e:ɦɪ
ʃəbʰə ʃəs əŋəbʰɪdʒɪŋə t̪ɦələt̪ɦɪ. ɦuŋəka: e:ɦɪ ʃəbʰə ba:t̪ə
ʃəs kuŋə: mət̪ələbə kəɦɪ: t̪ɦələŋɦɪ! ɦuŋəka: t̪ɦa:ɦɪ:
ma:t̪rə ra:ʃə-r̃əgə a: ut̪ʃəvə! ʃə:məɾəʃə a: ʃəũd̪əɾjəkə
me:la:!

d̪e:və ʃəbʰa: mē: puru:rəva: e:kəʃəre: ʃɦɦa:ʃəŋə pəɾə
vɪra:dʒəma:ŋə t̪ɦələt̪ɦɪ. ɪŋd̪rə ke: puru:rəva:kə
a:gəməŋəkə ʃu:t̪ɦəŋɑ: pət̪ʰa:o:lə ge:lə . kɪt̪ɦu ka:ləkə
ba:də m̃əḍə m̃əḍə muʃkura:ɪt̪ə puɾəḍəɾə d̪e:və ʃəbʰa:
mē: a:ɦɪ bəɪʃəba: ɦe:t̪u əpəŋə ʃɦɦa:ʃəŋə ke: d̪ɦa: mē:

bəṭʰələṭʰɪ . puru:rəva: ke: s̥a:tʰə əbʰɪva:d̪əŋəkə a:d̪a:ŋə-
prəda:ŋə bʰe:ləŋɪ. g̃əbʰi:rə s̥pərə mē: puru:rəva:
kəhələṭʰɪ -

"d̪e:ve:ŋd̪rə ke: əma:ŋəṭə və s̥pərgə lo:kəkə məjja:d̪a:
d̪e:ve:ŋd̪rə ke: s̥əbʰa: mē: prəst̪utə kə:lə d̪ɪa:e:".

e:kə s̥əbʰa:s̥əḍə utʰɪ kəs puru:rəva: ke: a:d̪e:fəkə pa:ləŋə
t̪ur̃ət̪ə kə:ləkə . urvəjɪ: e:ṽə t̪ɪt̪rəle:kʰa: ke: s̥əbʰa:kək̪sə
mē: a:ŋələ ge:lə. pur̃əḍərə prəŋhəva:t̪ɪkə mud̪a: mē:
puru:rəva: ke: d̪e:kʰələṭʰɪ.

"hɪŋəkə: d̪uŋɪ: ke: d̪a:ŋəvəra:d̪ɪə ke:ʃɪ əpəhɪr̃ət̪ə kəjəŋe:
d̪ɪa: rəhələ t̪ʰələ. s̥əjo:gəvəʃə h̃əmərə d̪r̃ɪst̪ɪ mē: a:bɪ
ge:ləṭʰɪ. h̃əmə d̪a:ŋəvəra:d̪ɪə ke:ʃɪ ke: jəməpuri:
pəh̃ut̪ɪa: kəs əpəŋe:kə prəṭ̪st̪ʰa: puŋəh̃ a:h̃i: ke:
pəh̃ut̪ɪa:bəjə a:bɪ ge:ləh̃i."

s̥əmpu:ŋə vəst̪u s̥t̪hɪt̪u s̥əs əvəgətə bʰe:la: ke: ba:d̪ə
ŋd̪rə ləḍɪd̪ɪa:vəŋətə bʰəs ge:lə:h̃ə. o: puru:rəva: ke:
e:hɪ əs̥a:məjɪkə s̥əh̃a:jət̪a: ke: le:lə d̪h̃əŋjəva:d̪ə d̪ɪna:pɪṭə
ke:ləŋɪ. mud̪a: puru:rəva: əṭ̪jət̪ə d̪u:kʰi: a: kro:d̪hɪt̪ə
t̪ʰələ:h̃ə. o: kɪt̪ɪt̪ə ro:ʃə pu:ŋə s̥pərə mē: kəhələṭʰɪ
purəŋḍərə s̥əs-

"əpəŋe:kə la:pərəva:hɪ: ke: ka:rəŋə kəhɪjo: h̃əmərəh̃u
ləḍɪd̪ɪt̪ə h̃o:məjə pəhɪ s̥əkəɪt̪ə ət̪ɪ s̥pərga:d̪hɪpət̪u."

"ərd̪h̃a:s̥əŋə ke: s̥ət̪ɪa:ləŋə ke: ŋɪ:kə a: əd̪h̃əla:h̃ə d̪uŋɪ:
pək̪sə ke: ut̪t̪ərəda:jɪvə mə:t̪rə h̃əmərə ŋəhɪ. s̥əma:ŋə
ru:pē: h̃əmə a:h̃i: d̪uŋɪ: prəṭ̪bʰa:gi: t̪ʰi:. t̪a:hɪ ka:rəŋə i:
ŋɪt̪ɪt̪ə ru:pə s̥əs s̥əbʰəvə bʰəs s̥əkəɪt̪ə t̪ʰəɪkə" - ŋd̪rə
la:pərəva:hɪ: s̥əs kəhələṭʰɪ.

"mud̪a: əpəŋe: s̥pərgəkə s̥urək̪sə: ke: kuŋo: t̪ɪt̪a: ŋəhɪ
kəɪt̪ə t̪ʰi:. e:ŋa: mē: s̥pərgə kəṭe:kə a: ko:ŋa: s̥urək̪sɪt̪ə
rəh̃ət̪ə,əh̃i: s̥o:t̪ɪu kəŋe:. h̃əmə e:kəs̥əre: bʰu:məḍələ e:ṽə

puru:rava: şəs mıləŋə ke: ma:rgə əvərudq̄hə bʰəs
ge:ləŋ. o: prijə vijo:gəkə şo:tji ətj̄ət̄ə d̄u:kʰi: bʰəs
ge:lət̄h̄i.

urvaŋi: ədq̄h̄ikə d̄e:rə t̄əkə şəbʰa: bʰəvəŋə mē: ru:ki ŋəhi
şəkələt̄h̄i. me:ŋəka: e:v̄i t̄jit̄rəle:kʰa: ke: ş̄əgə o: ŋkəli
ge:li:hiə şəbʰa: kəkşə şəs . ba:hiərə o: e:mhiərə-o:mhiərə
t̄ja:ru: d̄j̄fa: mē: d̄e:kʰələt̄h̄i puru:rava: ke: rəth̄ə kət̄əhi
ŋəhi t̄h̄ələ . a:bə o: ra:d̄z̄a: puru:rava: şəs bʰē:t̄ə kərəva:
hi:t̄u vjəgrə bʰəs ge:lət̄h̄i. a:bə o: ji:gʰrə əpəŋə e:hi
d̄uŋu: şəkʰi: ş̄əs v̄iləgə hi:jəva:kə prəja:şə kərəva: mē:
la:gi ge:lət̄h̄i d̄z̄a:hi ş̄əs puru:rava: şəs bʰē:t̄ə kəs şəkət̄h̄i.
hiŋəkə hi:rid̄əjə mē: a:ja:-d̄j̄:pə prəd̄v̄əliṭ̄ə
t̄h̄ələŋhi,hiŋəka: ş̄əs biŋa: bʰē:t̄ə kəe:ŋe: puru:rava:
e:t̄e:kə ji:gʰrə a:pəşə ŋəhi bʰəs şəkəit̄ə t̄h̄ət̄h̄i.

ra:d̄z̄a: puru:rava: hi:rit̄ədq̄ŋə d̄z̄əgələ mē: e:kəta:
ga:t̄h̄əkə ŋi:t̄ja: hi:rijərə gʰa:şə pərə ud̄a:şə bʰə' bəişələ
t̄h̄ələ:hiə.hiŋəkərə rəth̄ə kiṭ̄h̄u d̄u:rə pərə əvəş̄t̄h̄it̄ə t̄h̄ələ.
gʰo:t̄a: şəbʰə mukt̄ə bʰəs kəs hi:rit̄ədq̄ŋə ga:t̄h̄əkə pa:t̄ə
kʰəjəva: me: vjəş̄t̄ə t̄h̄ələ.

urvaŋi: bʰa:gəit̄ə-bʰa:gəit̄ə kuŋo: prəka:rē: əpəş̄j̄ā:t̄ə
bʰe:lə o:t̄əs pəhiṭ̄t̄əli:hiə. ra:d̄z̄a: puru:rava:kə hi:rid̄əjə
kəmələ pʰu:lə d̄z̄əkā: pʰu:li ge:ləŋ hiŋəka: d̄e:kʰi . ā:kʰi
şe:hi: t̄j̄əməki ut̄h̄ələŋ .

ş̄ā:şə t̄e:d̄z̄əgəṭ̄i ş̄əs t̄j̄əli rəhiələ t̄h̄ələŋ urvaŋi:kə .
şu:rədd̄z̄əkə t̄j̄:v̄rə id̄z̄o:t̄ə mē: mukʰə pərə j̄v̄e:d̄ə kəŋə

tʃəməkɪ rəhələ tʃhələ . əvjəvəstʃhɪtə s̃ɑ:səkə tʃ:vrə gətɪ !
ŋəmɦərə kɑ:ri: ke:fə ! urvəʃi: e:ɦi ru:pə me: bəɦutə
s̃undərə ləgətə tʃhəli:ɦə.

puru:rəva: a:gu: d̃əuʃələ:ɦə a: ɦuŋəkɑ: əpəŋə b̃ɑ:ɦi me:
ləpe:tɪ le:lətʃhɪ . urvəʃi: kē: kɑ:ŋɦə pərə lə' kə' urvəʃi: kē:
gɑ:tʃhə ləgə əŋələtʃhɪ,pʰe:rə s̃pəjə bəɦsɪ ge:lɑ:ɦə . ɦuŋəkərə
kʰɪlələ tʃe:ɦərə: t̃urəŋtə əpɑ:rə pi:tɑ: s̃ə lɪptə bʰəjə
ge:lə.o: urvəʃi:kə ŋo:rəkə b̃ũ:də kē: ɦɑ:tʃhəkə ̃ɑ:gurə s̃ə
po:tʃhələtʃhɪ,pʰe:rə tʃhumbəŋə le:lətʃhɪ ɦuŋəkə ke:fə, gɑ:lə,
kəpɑ:rə a: gərədəŋɪ mē: əs̃əkʰjə ! urvəʃi:kə s̃səkəbə ruki
ge:ləŋə .a:bə o: e:kədəmə ʃɑ:ŋtə budʒhɑ:tə tʃhəli:ɦə .
ɦuŋəkərə tʃe:ɦərə: o:təbe: s̃ɑ:pʰə a: ʃɑ:ŋtə tʃhələŋɪ
dʒe:ŋɑ: bərəkʰɑ:kə bɑ:də a:kɑ:fə s̃ɑ:pʰə s̃pətʃhə bʰə'
dʒɑ:tə tʃhəikə.

"əɦĩ: dʒɑ: rəhələ tʃhɪ: pɪjə" - urvəʃi: rɑ:dʒɑ: puru:rəva:
s̃s bəɦutə ʃɑ:ŋtə s̃pərə me: putʃhələkʰɪŋə.

"ɦĩ, ɦəmə e:tə:kə əpəmə:ŋə s̃ɦəŋə kə' e:tə' ŋəɦi rəɦi
s̃kətə tʃhɪ:" - puru:rəva: g̃əbʰi:rəʃɑ:pʊ:rəkə uttərə
de:lətʃhɪ .

"mudɑ: ɦəməra: kəkəra: bʰəro:s̃e: tʃhɔ:tɪ dʒɑ:tə tʃhɪ:?"
urvəʃi: puru:rəva:kə tʃe:ɦərə: pərə ŋədʒəɪ tɪkəbətə
bədʒəli:ɦə .

"əɦĩ: - əɦĩ: s̃pərgəkə tʃhɑ:tʃ: tʃhɪ: urvəʃi:. ɦəmə əpəŋə
s̃pɑ:rəʃhəkə le:lə e:ɦi s̃əundəjəkə dʃhəŋə s̃s s̃pərgə kē:
ɪktə ŋəɦi kə' s̃kətə tʃhɪ:" - rɑ:dʒɑ: puru:rəva:kə gəɦəŋə
g̃əbʰi:rə s̃pərə g̃ũ:dʒɪ utʃhələ.

"əɦĩ:kə bɪŋɑ: ɦəmə e:təjə dʒɪ:vɪtə ŋəɦi rəɦi pɑ:e:bə".

"pɪje:,əɦĩ: ke:ɦəŋə bɑ:tə kərətə tʃhɪ:,əɦĩ:kə s̃əgə
ɦəməra pəvɪtə pre:mə ətʃhɪ. ɦəməra pre:mə a:ɦĩ:kə
s̃əmbələ rəɦətə urvəʃi:".

"नृह्नि, a:bə əhĩ:kə əṇpəst̪h̪it̪kə kəlpəṇa: t̪əkə n̪h̪i kə' s̪əkəit̪ə t̪ʰi: h̪əmə" -kəh̪i məuṇə d̪ʰa:rəṇə kə' le:li:h̪ə urvāji: . ra:d̪ʱa: s̪e:hi: məuṇə b̪h̪ə' ge:la:h̪ə. hiṇṇəkərə h̪iɖəjə mē: t̪u:p̪h̪a:ṇə d̪ʱe:ṇa: hi:lo:rə ma:ri rəh̪ələ t̪ʰələṇṇ. ət̪j̪ət̪ə kəṭh̪iṇa:i: s̪s̪ o: əpəṇa: ke: s̪j̪ət̪ə rək̪h̪əṇe: t̪ʰələ:h̪ə. kiṭ̪ʰu k̪s̪əṇə upərā:t̪ə urvāji: əpəṇa: pərə ṇj̪j̪ət̪əṇə kərət̪ə bəd̪ʱəli:h̪ə -

"ki: əhĩ: h̪əmərə: b̪h̪u:məṇḍələ mē: n̪h̪i lə' d̪ʱa: s̪əkəit̪ə t̪ʰi:"?

"नृह्नि urvāji: नृह्नि, h̪əmə s̪e: नृह्नि kə' s̪əkəit̪ə t̪ʰi:".

"kij̪əkə! i: ki:e:kə n̪h̪i kə' s̪əkəit̪ə t̪ʰi:"?

"əhĩ: kij̪əkə n̪h̪i bud̪ʱəit̪ə t̪ʰi: h̪əmərə kəṭh̪iṇa:i: ! hiṇṇ urvāji: ! h̪əməh̪i: əhĩ:kə biṇa: d̪ʱi:bəs me: əs̪əmər̪t̪h̪ə t̪ʰi: ! mud̪a: d̪ʱis̪ h̪əmə əhĩ: kē: e:hiṇa: ləs d̪ʱa:je:bə t̪ək̪h̪əṇə ke:ʃi a:o:rə h̪əmərə: me: ki: ət̪ərə hi:jət̪ə? h̪əmə əhĩ: kē: ləs d̪ʱəjəba: me: əs̪əmər̪t̪h̪ə t̪ʰi: ! h̪əmərə s̪t̪h̪it̪ ke: bud̪ʱu: p̪rijət̪əma: ! əhĩ: t̪ʰi: 'n̪ərə-ṇa:ra:jəṇə' riṣi d̪va:ra: rət̪j̪ələ ge:lə e:kə go:t̪ə əṇpəmə rət̪ṇə! a: əhĩ: s̪pərgəlo:kə ke: le:lə upəh̪a:rə s̪pəru:pə pra:pt̪ə b̪h̪e:ləh̪i riṣivərə 'n̪ərə-ṇa:ra:jəṇə' ke: d̪va:ra: ! e:hi məja:d̪a:kə s̪j̪:ma: ke: ull̪əgh̪əṇə kəe: h̪əmə p̪rit̪vi: ke: ma:t̪h̪ə pərə s̪əḍa:-s̪ərvəḍa: ke: le:lə kəl̪əkəkə e:kəṭa: d̪h̪əbba: bəṇṇ d̪ʱa:e:bə . t̪ri b̪h̪uṣəṇə mē: h̪əmərə a: əhĩ:kə jəʃəga:t̪h̪a: n̪h̪i bəlki kəl̪əkə-kəṭh̪a: pət̪h̪ələ d̪ʱa:e:t̪ə. a:h̪i: i: kəl̪əkə-kəṭh̪a: s̪əh̪əṇə kəs s̪əkəbə ?"

"h̪əmə əhĩ:kə pre:mə ke: t̪ʰo:ri ko:ṇo: ṇj̪:kə-be:d̪ʱa:jə ba:t̪ə bud̪ʱəba:kə s̪t̪h̪it̪ me: n̪h̪i t̪ʰi: p̪rijət̪əmə s̪"- urvāji: ət̪j̪ət̪ə v̪ja:kulə t̪ʰəli:h̪ə.

puru:rəva: t̪ʰupə rəhi ge:la:h̪ə, urvāji: s̪e:hi: t̪ʰupə b̪h̪ə' ge:li:h̪ə. kiṭ̪ʰu ka:lə d̪h̪əri d̪uṇṇu: pra:ṇi: əhiṇa: məuṇə

rəhi e:kə d̪u:səərə ke: spəɾfə ke: əŋubʰəvə kəɾəɪtə
rəhiələt̪hi. kiɾt̪u s̪əməjəkə bɑ:də urvəʃi: ut̪hi ge:li:hiə,o:
puru:rəvɑ:kə unŋətə vəkʂə pərə t̪umbəŋə le:ləŋɪ.
e:kʰəŋɪ hiŋəkərə ʂɑ:səkə gət̪i ət̪jətə t̪i:və bʰə' ge:lə
t̪ʰələŋɪ.

"hiəmə d̪həɾət̪i: pərə əhiā: ləgə əvəʃjə d̪ʒɑ:jəbə prijə. mudɑ:
t̪əkʰəŋe: d̪ʒəkʰəŋə hiəmə əhiā:kə vɪrəhiɑ:ŋɪ mē: d̪ʒʰuləs̪ɪ
rɑ:kʰə hiə:jəbɑ: ke: əvəʂt̪hɑ: mē: ɑ:bɪ d̪ʒɑ:e:bə. e:hi ʂə
əhiā: kē: kə:ŋp: kələkə ŋəhi hiə:jətə. d̪ʒə pre:mə kəɾəbə
pɑ:pə ət̪ʰi t̪əkʰəŋə hiəmə i: pɑ:pə kəs t̪ʃukələhi . e:hi
pɑ:pə ke: hiəmə bʰɑ:gi:dɑ:rə t̪ʰi:,t̪əkʰəŋə d̪ʒimmedɑ:ri:
kɪe:kə ŋəhi le:bə! hiəmərə: kə:ŋp: mət̪ələbə ŋəhi ət̪ʰi
t̪ɪbʰuvəŋə mē: hiəmərə jəʃəgɑ:t̪hɑ: gɑ:o:lə d̪ʒɑ:jətə
ət̪həvɑ: əpəjəʃə kət̪hɑ: ke: prəʂɑ:rə hiə:jətə".

"d̪ʒe:ŋɑ: əhiā:kə it̪ʃt̪hɑ: prijə. hiəmə ʂəd̪ɪkʰəŋə əhiā:kə
d̪həɾət̪i: pərə ʂpɑ:gətə kəɾəbɑ:kə prət̪i:kʂɑ: me: rəhiəbə" -
rɑ:d̪ʒɑ: puru:rəvɑ: urvəʃi: kē: ɑ:ʃvɑ:ʂəŋə d̪e:ləŋɪ.

puru:rəvɑ: ke: ke:ʃəgut̪ʃt̪hə ke: əpəŋə hiɑ:t̪hə ʂəʂ
ʂo:d̪ʒhəɾɑ:bətə urvəʃi: bəd̪ʒəli:hiə - "ki: e:hi ʂə o:t̪əjə
əhiā:kə əpəjəʃə ŋəhi hiə:jətə?"

"o:t̪əjə hiəmərə jəʃə hiə:jə ət̪həvɑ: əpəjəʃə! d̪ʒe: kuŋp: gət̪i
hiə:jə,hiəmə o:t̪ə' ʂpət̪əɾə rəhiəbə. pre:məkə le:lə əpəjəʃə
ʂe:hiə: ʂvi:kɑ:rə kəɾəbə. mudɑ: iŋd̪rə ʂə kə:ŋp:
vəirəbʰɑ:və t̪əs ŋəhi hiə:jətə. priɾt̪vi:vɑ:ʂi: ʂpərgə ʂə
d̪ɪʃməŋi: kəhijə: bərdɑ:ʃt̪ə ŋəhi kə' ʂəkəɪtə ət̪ʰi . hiəmə
əpəŋə prəd̪ʒɑ: ke: d̪ʒi:vəŋə ke: kəʂt̪əprəd̪ə ŋəhi kəɾəjə
t̪ʃɑ:hiət̪ə t̪ʰi: rɑ:d̪ʒɑ: hi:bɑ:kə kɑ:rəŋe: hiəmərə: əpəŋə
vəjəkt̪igətə d̪ʒi:vəŋə ʂəs pəhiŋe: əpəŋə prəd̪ʒɑ: ke: ʂukʰə
e:və prəʂəŋŋət̪ɑ: ke: d̪hɑ:ŋə rɑ:kʰəs pəɾətə".

e:kəɾə bɑ:də d̪uŋu: go:t̪e: bəhiutə kɑ:lə d̪həri e:kə

du:səra:kə hiriɖjə ke:rə dʰətəkəŋə sʊŋətə rəhələ:hiə.
 va:tə:vəreŋə hiŋəkərə s̃bʰa:viṭə vijo:gə ke: du:kʰə s̃s
 s̃təbdʰə du:kʰi: tʰələ! ji:tələ pəvəŋə məndə-məndə gət
 s̃s vitʰərəŋə kəjə əpəŋə du:kʰə prəkətə kəs rəhələ tʰələ.
 dʒa:hi ka:rəŋə va:tə:vəreŋə me: pu:rətəh̃ j̃a:tʰə vja:ptə
 tʰələ. ko:mələ sʊgədh̃itə s̃ami:rə pəjəŋtə o:hi dʊŋu:
 pra:ŋi: ke: du:kʰə mē: du:kʰi: bʰəjə vətə:vəreŋə kē: j̃a:tʰə
 bʰəgə kərəba: me: əs̃əmər̃tʰə tʰələ.

urvāji: ke: ga:lə ke: ət̃mā tʰumbəŋə le:la: ke: ba:də
 puru:rəva: tʰa:tʰə bʰəs ge:la:hiə a: bədʒələ:hiə -
 "a:bə hāmərə: dʒa:jə ke: əŋumətʰə dʒjə prije:" |

urvāji: ŋra:ja:kə ghətə:to:pə me:ghə me: du:bələ
 tʰəli:hiə.o: dʰuh̃kʰitə bʰəjə k̃subdʰə s̃vərə mē: bədʒəli:hiə
 -

"ki: hāmə əpəŋə: hi:tʰə s̃ əpəŋə pre:mə kē: ma:ri
 d̃e:bə! əpəŋə pra:ŋə əh̃ā: kē: əpəŋə hi:tʰə s̃ d̃əs d̃e:bə.
 hāmə əh̃ā: ke: dʒa:i: ke: əŋumətʰə ko:ŋa: dʒjə! i: ba:tə
 ko:ŋa: kəhələh̃ĩ əh̃ā: !"

"hāmərə: kəmədʒo:rə ŋəhi bəŋa:u prijə, hāmərə:
 bʰətəkə:u ŋəhi. əh̃ā: hāmərə prijətəma: tʰi: !puru:rəva:kə
 prijətəma: ! priṭ̃vi: ke: tʰəkərəvətʰi: s̃əmra:tə
 puru:rəva:kə prijətəma: ! o:hiŋa: vjəvəhi:rə kəru: prije:".
 kitʰu k̃səŋə upər̃:tə s̃jəmitə s̃vərə s̃ urvāji: bədʒəli:hiə
 - .

"tʰi:kə tʰəi, pra:ŋe:svərə dʒa:u! hāmərə a:t̃ma: kē: s̃gə
 ləs dʒa:u! dʒəkʰəŋə e:hi ŋrdʒi:və j̃əri:rə kē: a:t̃ma:kə
 a:vəj̃kətə: hi:jətə t̃kʰəŋə o: əh̃ā: ke: ŋkətə pəh̃ĩtʰi
 dʒa:jətə"!

puru:rəva: urvāji: ke: ā:kʰi ke: ŋo:rə bʰərələ ā:kʰi ke:
 tʰumbəŋə le:lət̃i.e:hi t̃ərəhi: o: urvāji: ke: bəhətə ŋo:rə

ke: pi:bəjə ke: ko:fiʃə ke:lət̪hɪ . urvəʃi: ʃe:ɦo: ra:dʒa: ke:
ɦa:t̪hə kē: t̪ʃumbəŋə ləs le:ləŋɪ . ra:dʒa: puru:rəva: əpəŋə
rət̪hə mẽ: ʃəva:rə bʰəjə ɦuŋəka: d̪ʃi d̪e:kʰə_ɪt̪ə kri:t̪ɪmə
muʃka:ŋə ke: ʃəgə ɦa:t̪hə ɦiɪa: d̪e:lɪkʰɪŋə. urvəʃi: ke:
ud̪a:ʃə mukʰə pərə kʃəŋɪkə muʃka:ŋə re:kʰa: kã:pi ut̪hələ
. o:ɦo: dʒəva:bə mẽ: ɦa:t̪hə ɦiɪa: d̪e:ləkʰɪŋə. d̪ɦi:re:-
d̪ɦi:re: rət̪hə d̪u:rə ɦo:ɪt̪ə urvəʃi:kə d̪riʃt̪ɪʃə o:dʒhələ bʰəs
ge:lə.

krəməʃəhə

əpəŋə

m̪ət̪əvjə editorial.əstaff.videhə@gmail.com pərə

pət̪hə:u.

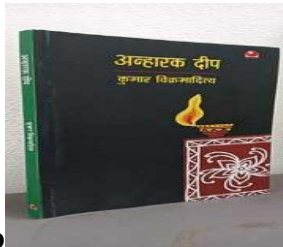
3.7. a:ʈʌ:rjə ra:ma:ŋəŋd̪ə mən̪d̪ələ-əŋɦa:rəkə d̪i:pə/
ba:lə bəra:gi:



a:ʈʌ:rjə ra:ma:ŋəŋd̪ə mən̪d̪ələ

əŋɦa:rəkə d̪i:pə/ ba:lə bəra:gi:

1



əŋɦa:rəkə d̪i:pə

ṭaməṣo: ma: dʒjo:ṭɪrgəməjə ke: udg^{ho}:ṣə kərəitṭə
əṇḥa:rəkə dji:pə mətḥili: kəvitṭa: ṣṅgrəhə kuma:rə
vɪkrəma:dṭtjə vɪrətʃitṭə hējə .

ko:ʃi: ṇədj: ke: ba:lu:ka: ra:ʃi bəṇələ ṣa:ra: pərə
ṭiməṭɪma:itṭə dji:pə mɪtʃjo:ma: əmɪtṭə gəməjə ke: ṣṅge:
ṭaməṣo: ma: dʒjo:ṭɪrgəməjə ke: udg^{ho}:ṣə kərəitṭə hējə.

e:kə e:kə ʈa: dji:pə 'kə ətṭəṣṭəkə dʒva:la: dʒəgəməga:itṭə
a:

e:kke: be:rə dḥəḍḥəikə utḥəṭṭə əṅṇɪʃikḥa: a: dmu:rə kərəṭṭə
əṇḥa:rə kē:

-əṇḥa:rəkə dji:pə kəvitṭa: ṣṅ:

ṭhə:rəkə dji:pə e:kəʈa: dji:rg^{hə} kəvitṭa: hējə.ə_I kəvitṭa: me:
ko:ʃi: ke: vɪṇa:ʃəli:la: ke: vəṇṇəṇə ke: ṣa:ṭḥe: ṣəma:dʒə a:
dṭe:ʃə mē: hio:itṭə vɪṇa:ʃəli:la: pərə kəṭəgəgəṭə prəhə:rə
hējə.ko:ʃi: ma:jə a: pḥəṇi:ʃvəṇṇa:ṭḥə re:ṇu ke: ʃəbdṭə mē:
ko:ʃi: dā:ṇə ke: vɪṇa:ʃəka:ri: li:la: ko:ro:ṇa: ka:lə ke:
prəja:gə ra:dʒə ṣṭḥitṭə ma:ṇəvə la:ʃə ṣṅ: pətələ ba:lu:ka:
gəga: ʈəṭə ke: ja:dṭə kəra:bəitṭə hējə.

a:dʒa:dji: ke: əmɪtṭə məhio:ṭṣəvə upələkṣə me: əppəṇə
76 kəvitṭa: ṣṅgə a:dʒa:dji: ke: 76ṣa:lə pərə vɪb^hɪṇṇə
kəvitṭa: ma:dṭe: vɪṭʃa:rə prəkəṭə kəiləṇə hējə. dʒe:ṇa: -
a:dʒa:dji:,pḥu:ṣɪkə gəḍ^he:rə, gā:dḥi: məidṭa:ṇə a:dṭi.

həmərə kḥəba:ṣə putḥələkə

ma:likə əpəṇə dṭe:ʃə a:dʒa:dṭə kəhija: hio:ṭṭə

-a:dʒa:dʒi: kəvɪtʃa: ʃe:

ɦa:lã:kɪ kʰəba:ʃə a: ma:likə va:rʃa: a:dʒa:dʒi: ke: le:lə
əpra:ʃəgɪkə ləgəjə ɦəjə pərətʃu a:dʒa:dʒi: pərə prəjʃə
tʃɪŋɦə utʰəbətʃə ɦəjə.

pʰu:ʃɪkə dʰe:rə pərə bətʃələ ʃəʃədʒə

rətʃətʃə ətʃɦɪ

pʰu:ʃɪjo:ka: pulɪʃə

pʰu:ʃɪjo:ka: ŋja:jəkə a:ʃə

pʰu:ʃɪjo:ka: ʃəvɪdʰa:ŋə

- pʰu:ʃɪkə dʰe:rə kəvɪtʃa: ʃe:

gã:dʰi: məɪdʒa:ŋəkə upəstʰɦɪtʃ

dʒətʃəjə tʰa:tʰə tʃətʰa: dʒugəpuruʃə

a: mo:ŋə pa:rətʃə tʃɦətʰɦɪ

əpəŋə o:ɦɪ bʰa:ʃəŋə mē:

-gã:dʰi: məɪdʒa:ŋə kəvɪtʃa: ʃe:

dʒi:rgʰə kəvɪtʃa: me: bədʒələtʃə ʃəŋə ga:mə ɦəmərə a: tʃi:ʃə
ɦəjə.

bədʒələtʃə ʃəŋə ga:mə ɦəmərə ke: ma:dʒəmə ʃe:
ʃa:ma:dʒikə tʃa:ŋa:-ba:ŋa:, ʃa:ma:dʒikə pre:mə a:

ṣama:d̪ṱā pərə ra:d̪ṱənj̄:ṭkə prəb^ha:vā ke: ṅkə ṣəbd̪ə
t̪ṛṭṛəṅə h̄əjə.

māḍalə kəmiṣṅəḱə əṣṣərə h̄əmərə: ga:mə me: pəṭe:

gua:rə kē: a:bə gua:rə kəh̄əbə pəṣṅṅə ṅṅṅṅ

a:bə b^he:lə o: ja:d̪əvā

a: ba:b^həṅṅ: kərəjə la:gələ pərəh̄ie:d̪ṱā o:h̄i ṣəbd̪ə ṣṣe:

ṣṣa:ma:d̪ṱikə ṣṣəmərəṣṣṭṭa:kə k^ha:ṭṭrə

- bəḍələit̪ə ṣṣṅṅə ga:mə h̄əmərə kəvṭṭa: ṣṣe:

kəvṭṭa: ṣṣṅṅrəh̄ə mē: prəṭ^həmə kəvṭṭa: b^həgəva:ṅṅə mē:
kəvṭṭi b^həgəva:ṅṅə ke: k^ho:d̪ṱəit̪ə ḍḍa:rṅṅikə pa:k^hḍḍə pərə
prəh̄a:rə kərəit̪ə h̄əṭṅṅə.

d̪ṱāũ kiṅṅəko: b^həgəva:ṅṅə ṭəkəra:ja:ṭə

ṭṭo: vṛṅṅṭṭi: əṭṭṛi h̄əmərə: ṣṣṅṅ mīla:jəbə.

ṭṭə ma:likə b^həgəva:ṅṅə mē: ḍḍe:ṣə ke: lo:kəṭṭā:ṭṭrikə a:
prəṣṣa:ṣṣṅṅikə v̄jəvəṣṣṭṭṭa: ke: k^ha:mi: pərə ṭṭṣa:ra: kərəit̪ə
h̄əṭṅṅə.

uṭṭṭa: rəh̄ələ əṭṭṛi

lo:kəṭṭṭṭrə ṣṣṅṅ lo:kəkə vṛṭṭa:ṣṣṅṅ

əṣṣali: b^həgəva:ṅṅə mē: k^hərə:bə ṭṭṭikṭṭṣa: v̄jəvəṣṣṭṭṭa: pərə
prəh̄a:rə

bɪŋə pəɪsɔː d̪eːŋeː laːfoː ŋəɦɪ bʰeːt̪ələ

t̪ɔ̃ əɦĩː budʒɪuː

əɦĩːkə s̪əməkʃə t̪ʰaːt̪ʰə ət̪ʰɪ s̪aːkʃaːt̪ə əs̪əliː bʰəgəvəːŋə.

ŋaːriː keː d̪uɾd̪əʃaː b̪jət̪ʰaː pərə ʃət̪əruːpaː, prəs̪əbəpiːt̪aː
aː ɦəjə.

ʊɾd̪ʰəvəː kəʊɾt̪aː s̪eː d̪əɾʃaːjələ geːlə ɦəjə.

dʒɔ̃gəliː dʒɔːŋəvərə aːbɪ rəɦələ ət̪ʰɪ

pət̪ʰoːt̪ə d̪ʰərəŋeː ɦəpəkəəkə leːlə

ʃət̪əruːpaː bʰaːgɪ rəɦələ ət̪ʰɪ

-ʃət̪əruːpaː s̪eː

eːkət̪aː t̪ʰət̪əpət̪aːɪt̪ə s̪riː

t̪ʰaːd̪ʰə t̪ʰəliːɦə əpəŋə d̪ərd̪ə keː roːkəŋeː

-prəs̪əvə piːt̪aː s̪eː

oː piːjaːkə s̪ĩːs̪ə t̪uːt̪ɪt̪eː

ut̪əɦɪ geːlə d̪eːɦə s̪ɔ̃

ɦaːt̪ʰəkə t̪ʰuːt̪ɪ t̪uːt̪ɪ geːlə

-ʊɾd̪ʰəvəː s̪eː

kəvɪɾɑ: ʂə̃grəɦə mē: ɦəkəmərɪɾə ʃəɦərə,kɑ:ɦərɪɾə
ʃəɦərə,bʰɑ:gərɪɾə ʃəɦərə ke: mɑ:dɛ: bədɔləɪɾə ʃəɦərə a:
vɪbʰɪɦɦə vɪʂə̃gətɪ pərə prəkɑ:ʃə dɑ:ləɪjə ɦəjə tɔ bʰəkʰərɪɾə
ʂɑ:mɑ:dʒə,pɪɾɪbʰo:dʒə,ʂuɡərɪkə mɑ:dɛ: ʂɑ:mɑ:dʒɪkə
tʃɪɾɪɾə kəɪlə ge:lə ɦəjə. mədʒəɖu:rə vərgə ke: pɪ:ɾɑ: pərə
ərɖɖʰə mədʒu:rɪ:,ɪ:ɾə u:gʰəɦɦɪ: a: məɦə̃tʰɪ: ke: mɑ:dɛ:
ʃəbdɔ tʃɪɾɪɾə ɦəjə.

ə̃tɪmə kəvɪɾɑ: ɦəmə lərɪɾɪɾə tʃɦɪ: mē: kəvɪ ɦərə ʂəməʂjɑ:
ʂe: lərɪɾɪɾə ɦətəɦə.

ɦəmə ɦɪtə lərɪɾɪɾə tʃɦɪ:

əpəɦɑ: ʂə̃

əpəɦə kəe:lə ge:lə

gələtɪ: ʂə̃

tʃɑ:ɦe: vɔ: ʂɑ:mɑ:dʒɪkə, rɑ:dʒəɦɦɪ:tɪkə a: a:ɾtʰɪkə kəɪlə
ge:lə gələtɪ: kɑ:ɦe: ɦə ɦɪo:

kəvɪɾɑ: ʂə̃grəɦə əɦɦɑ:rəkə dɪ:pə vɔ:ɪ ʂəbʰə a:jɑ:mə ke:
ə̃dʰɪjɑ:rɑ: pərə prəkɑ:ʃə dɑ:ləɪjə ɦəjə.ɦəvəkəvɪ əɦɦɑ:rə ke:
əppəɦə dɪ:pə ʂe: prəkɑ:ʃɪɾə kərəjə me: ʂəpʰələ ɦətəɦə.
bədʰɑ:i: ʂə̃ge: ʃubʰəkɑ:məɦɑ:.

2

bɑ:lə bəɪrɑ:ɦɪ:

rɑ:məpʊrə gā:və mē: e:go: juvɑ: ʂɑ:dʰu a:jələ
rəɦe:.lo:gə ʂəbʰə uɦəkərə ɦɑ:mə putʃʰələkə tɔ ʂɑ:dʰu

bo:lə-lə-himərə ṅa:mə ba:lə bəira:gi: hājə, himərə ghərə
 jupi: ke: e:go: gā:və hāripurə mē: rāhāi. himərə ba:bu:
 ma:jə ba:lə ka:li mē: ṣpərgi:jə bhē: ge:lə.ṭə himə e:go:
 ṣa:dḥu ke: dṛāure: əjo:dḥja: dḥa:mə tḥilə ge:li:bi:ṣə
 bərəṣə ṭəkə e:go: mādḥrə mē: rāhāli:ba:lə bəira:gi:
 ṅa:mə himərə guru dṛi: ke: dḥāilə hājə, guru dṛi:
 himərə: a:dē:jə dē:ləṅə kṛi gā:və-gā:və mē: dṛā:kərə
 ṣi:ṭa:ra:mə ṅa:mə ka: prətḥa:rə-prəṣa:rə kəra:.
 ṣi:ṭa:ra:mə ṅa:mə ke: jədṛiṅə kəra:ba:.

ba:lə bəira:gi: dē:kḥē: mē: 26-27 ṣa:lə ke: ṣudərfəṅə
 juvəkə la:ge:və: əpəṅə dṛiḥō:ṭa: a: dḥa:ṭhi: mē: khubə
 phəbe:udṛərə rēgə ke: ṣuṭṭi: tḥubādj: pe:hāṅə:
 rāhē:udṛərə rēgə ke: dḥo:ṭi: lū:gi: le:kḥa: kəməṛə mē:
 ləpəṭle: rāhē:bəmma: hā:ṭḥə mē: ghāṛi: a: pāṛə mē:
 khāṛa:mə pe:hāṅə: rāhē:.

lo:gə ṣəbhə kāhələkə-ṣa:dḥu dṛi:,tḥalu himərə: gā:və mē:
 e:go: mādḥrə hājə, vāhī: rāhəbə a: əpəṅə pu:dṛā:-pa:ṭḥə
 kərəbə.ba:lə bəira:gi: kāhələṅə-himə mādḥrə mē: ṅə
 rāhəbə.himə ələge: kuṭṭja: bəṅa: ke: rāhəbə, himərə:
 ṣi:ṭa:ra:mə ṅa:mə dṛəpə jədṛiṅə kəre: ke: hājə.vəi ke:
 dṛāgəhā le:lə pā:tḥi bi:gḥa: dṛāmi:ṅə tḥa:hi: e:go:
 ṣi:ṭa:ra:mə bhəgəvā:ṅə ke: mādəpə,e:go: jədṛiṅə
 mādəpə,dṛāiməi ṅəu dḥvəṣi:jə tḥubi:ṣḥō: ghāṭa:
 ṣi:ṭa:ra:mə ṅa:mə ke: ki:ṛṭəṅə hio:ṭāi.e:go: ṣa:dḥu
 ṅvā:ṣə kuṭṭi:,dṛāime: himə rāhəbə.a: e:go: bəṛəkā:
 pā:dā:lə dṛāime: ki:ṛṭəṅi:ja: mādāli: ṣəbhə rāhāṭāi.phāṛə
 vō:kəra: ṣəbhə ke: khā:je: pi:je: ke: vjəvəṣṭḥa:.lo:gə ṣəbhə
 kāhələṅə- ṣəbhə vjəvəṣṭḥa: himə ṣəbhə kərəbāijə, pāhīle:

mãd̥rə pərə t̥ʃəlũ: a: m̥hĩt̥hə d̥ʒi: ʃe: ba:t̥ə kərũ:.
d̥ʒəgəh̥ə ke: le:lə d̥ʒəmi:n̥ə t̥ə m̥hĩt̥hə d̥ʒi: d̥e:t̥a:.ba:lə
b̥əra:gi: k̥h̥əl̥əŋ̥ə-t̥ʃəlũ:. m̥ãd̥rə pərə əjələ: pərə m̥hĩt̥hə
d̥ʒi: a: ba:lə b̥əra:gi: m̥ē: d̥ə̃d̥ə pərəŋ̥a:mə b̥h̥e:lə.
b̥əra:gi: d̥ʒi: əpəŋ̥ə p̥ər̥t̥ʃə̃jə d̥e:t̥ə ʃi:t̥a:ra:mə ŋ̥a:mə
jəd̥ʒ̥n̥ə ke: le:lə ʃəb̥h̥ə ba:t̥ə b̥iʃt̥a:rə ʃe: b̥əʃəl̥əl̥əŋ̥ə.
m̥hĩt̥hə d̥ʒi: bo:l̥əl̥əŋ̥ə-b̥əra:gi: d̥ʒi:., m̥ãd̥rə ke: a:ge:
ke: p̥ā:t̥ʃə b̥i:g̥h̥a: d̥ʒəmi:n̥ə jəd̥ʒ̥n̥ə ke: le:lə d̥əiʒə t̥ʃi:..a:
əurə h̥əm̥ə jət̥h̥a:ʃəkt̥i m̥əd̥d̥ə̃ k̥ər̥əb̥ə.p̥əro:p̥əʃa: ʃe: b̥h̥i:
lo:gə ʃəb̥h̥ə ke: m̥əd̥d̥ə̃ ke: le:lə k̥h̥əb̥ə. ɪ t̥ə b̥h̥əgəv̥a:ŋ̥ə
ke: ka:d̥ʒə̃ h̥əiʒə.a:ʃa: h̥əiʒə ʃəb̥h̥ə ʃəma:d̥ʒə̃ ke: m̥əd̥d̥ə̃
m̥ilət̥ə.

b̥əra:gi: d̥ʒi: k̥h̥əl̥əŋ̥ə-m̥hĩt̥hə d̥ʒi:.,ʃəb̥h̥ə ʃe: p̥əh̥ile:
e:go: b̥h̥əgəv̥a:ŋ̥ə ʃi:t̥a:ra:mə ke: le:lə e:go: m̥ə̃d̥əp̥ə a:
e:go: ʃa:d̥h̥u ŋ̥v̥a:ʃə ke: le:lə e:go: k̥ut̥j̥a: b̥əŋ̥a:b̥əi m̥ē:
ʃəh̥əj̥o:gə k̥ərlə d̥ʒa:jə. m̥hĩt̥ə̃ d̥ʒi: əpəŋ̥a:
k̥ər̥əp̥ər̥ə̃d̥a:d̥ʒə̃ ke: k̥h̥əl̥əŋ̥ə k̥i d̥ʒa:ke: b̥əra:gi: d̥ʒi: ke:
ka:d̥ʒə̃ ʃəb̥h̥ə k̥ər̥ə d̥a:.lo:gə ʃəb̥h̥ə b̥h̥i: l̥əgəb̥h̥i:rə ke:
m̥ə̃d̥əp̥ə a: k̥ut̥j̥a: b̥əŋ̥a: d̥e:l̥əkə

d̥o:ʃə̃rə d̥ŋ̥ə ʃe: e:go: d̥ʒi:pə b̥h̥a:t̥a: k̥ər̥əke: b̥h̥a:t̥a:
p̥ər̥ək̥ē: la:ud̥əʃpi:k̥ər̥ə ʃe: p̥r̥ət̥ʃa:rə h̥io:jə la:gələ. e:kə
m̥h̥iŋ̥a: m̥ē: ʃəb̥h̥ə t̥əiʒa:ri: h̥io: ge:lə. t̥h̥i:kə ra:məŋ̥əv̥əmi:
ke: ro:d̥ʒə̃ ʃe: ʃi:t̥a:ra:mə ŋ̥a:mə d̥ʒə̃pə̃ jəd̥ʒ̥n̥ə̃ ŋ̥uru: h̥io:
ge:lə. ŋ̥əu ro:d̥ʒə̃ ke: ba:d̥ə̃ jəd̥ʒ̥n̥ə̃ ʃəma:pt̥ə̃ b̥h̥e: ge:lə.

ə_ɪ ŋ̥əu ro:d̥ʒə̃ k̥əi jəd̥ʒ̥n̥ə̃ m̥ē: g̥ā:v̥ə ke: e:go: ət̥h̥a:rəh̥ə
b̥ər̥əʃə̃ ke: ŋ̥əv̥əj̥uʋə̃t̥i: ʃe:h̥io: ro:d̥ʒə̃ jəd̥ʒ̥n̥ə̃ d̥e:k̥h̥əi əb̥əiʃə̃
rəh̥e:..u ʃi:t̥a: ra:mə m̥ə̃d̥əp̥ə̃ m̥ē: b̥h̥i: pu:d̥ʒa: k̥ər̥əiʃə̃
rəh̥əi.ʃ̥v̥əiʃə̃ k̥əmələ r̥ə̃gə̃ ke: d̥e:h̥ə, t̥ʃəŋ̥ə̃rəma: ʃəŋ̥ə̃

mukhāra:, ṇā:rāgi: ke: phā:ki sṇṇa hī:thā, tṛā:dj: sṇṇa
 tṛimākāitṭa dā:tṭa, sṇṇa: ke: tṛō:tṛi sṇṇa
 ṇā:kā, kḥāḍṛiṇṇa sṇṇa ā:kḥi,ba:dṭalē sṇṇa kārjā: kāmāra
 tṭkā ke:jā, kāmāra puṣṭa sṇṇa ku:tṛi,ko:jāli: sṇṇa bo:li:
 a: hirāṇj: sṇṇa tṛā:lā rāhē:.

bāira:gi: dṛi: ke: ṇāḍṛiṇṇa ṇō:i ṇāṣṭajuvāṭj: pāra pāṭalā tṭ
 kāṇka: dē:ra tṭkā dē:kḥāṭe: rāhā ge:lā. kāṇka:
 dṛiṇṇa!phē:ra putṛiṇṇa-tṭiṇṇa-ṭō:hiṇṇa ṇā:mā ki hāu.
 ṇāṣṭajuvāṭj: bo:lālākā-rābḥā:.hāmāra gḥāra jāhi: gā:ṭā mē:
 hāijā. dṛiṇṇa tṭ sṇṇa:ptṭa bhā ge:lā hāijā.pārāṭṭi pu:dṛi:
 kāre: hāmā ro:dṛi dṇṇa a:jābā. hāmāra: pu:dṛi: kāra
 mē: māṇṇa la:gāijā hāijā. bāira:gi: dṛi: bo:lālākā-pu:dṛi:
 tṭ mā:ṇṇa ke: kāre: ke: tṛā:hi:.bāra: kṭṛiṇṇa sṇṇa: lo:gā
 mā:ṇṇa ke: dē:hi pā:bāi hāijā. jāhi: ke: lāilā hāmā
 dṛiṇṇa dṛiṇṇa sṇṇa:ra:mā ṇā:mā dṛiṇṇa jāḍṛiṇṇa
 kārabāi tṛi: ki lo:gākā māṇṇa mē: bhāḡṭā:ṇṇa ke: prāṭṭ
 pre:mā a: sṇṇa: bāḍḍā: bāḍḍā:.

rāmbḥā: ke: i sṇṇa sṇṇa ke: bhāḡṭā:ṇṇa ke: sṇṇa:
 bāira:gi: dṛi: ke: le:lā bhī: pre:mā a: sṇṇa: māṇṇa mē:
 ṭṭā: la:gāḡṭā:rāmbḥā: bo:lālākā-sṇṇa:dṇṇa dṛi:..ābā hāmā
 gḥāre: dṛi:ṭṭi:ka:hi sṇṇa: ro:dṛi pu:dṛi: kāre: a:jābā.
 bāira:gi: dṛi: kāhāḡṭā-ṭṭi: .

rāmbḥā: phulāḡṭā: mē: pu:dṛi: ke: sṇṇa:ṇṇa dḥā ke:
 sṇṇa:ra:mā māḡṭā mē: pu:dṛi: kāre: a:be: la:gāḡṭā.
 pu:dṛi: mē: bāira:gi: dṛi: bhī: sṇṇa: dē:bāi lāḡṇṇa.
 rāmbḥā: a: bāira:gi: dṛi: ke: hā:ṭṭā a:pāṣṇa mē: tṛi:ā:e:
 la:gāḡṭā. kābhī: kābhī: dē:hi mē: dē:hi bhī: sṇṇa:
 la:gāḡṭā.dṇṇa: mē: bhāḡṭā:ṇṇa ra:mā a: sṇṇa: ke:

pre:mə prəʒʒgə sʌnɔɪtə sʌnɔɪtə rɔ̃bʰa: a: bəɪra:gi: dʒi:
mē: pre:mə ʔkuɪtə ɦio:jə la:gələ.pre:mə əpəŋə rɔ̃gə
tʃədʰa:ve: la:gələ.əbə pre:mə ke: ʔtʌmə pəɪnɔtʌ d̤e:ɦə ki:
ka:məŋa: bʰi: dʒʒage: la:gələ.

e:kə dʌŋə bəɪra:gi: dʒi: rɔ̃bʰa: ʒe: kəɦələŋə-rɔ̃bʰa: əbə
ɦɦa: rəɦəŋa:ɦi: tʰi:kə ŋəɦi ɦəɦjə.dʌ:ŋu: go:re: a:ɦ ra:t̤e: ra:t̤ə
bʰa:gə tʃələ: rɔ̃bʰa: bo:lələkə-ɦɦa: pəɦɦle: ʒɦ:dʒʰə mē:
ɦəmə gʰərə ʒe: a: dʒɦ:jəbə. bʰəgəvə:ŋə ke: ʒɦ:məŋe:
ɦəmə dʌ:ŋu: go:re: pəɦɦle: bɦa:ɦə kə ləɦə t̤ə ra:t̤e: ra:t̤ə
bʰa:gə dʒɦ:jəbə. bəɪra:gi: dʒi: kəɦələŋə -əɦɦɦɦa: d̤e:ɦə ŋə
kəɦɦa: rɔ̃bʰa: bo:lələŋə-dʒi:.

rɔ̃bʰa: pəɦɦle: ʒɦ:dʒʰə mē: ʒɦ:t̤a:ra:mə mə̀d̤əpə mē: a:
ge:lə.

bəɪra:gi: dʒi: ʒe:ŋu:rə le:ke: t̤əɦjə:rə rəɦɦt̤ə. pəɦɦle: rɔ̃bʰa:
ke: m̃a:gə mē: p̃a:t̤ə be:ɦə ʒe:ŋu:rə bʰərə
d̤e:ləŋə.dʌ:ŋu: go:re: bʰəgəvə:ŋə ke: pəɪnɔt̤a:mə
kəɦləŋə. dʌ:ŋu: go:re: e:kə bəɦə e:kə d̤o:ʒə rə ke:
a:ɦgəŋə kəɦləŋə.e:kə d̤o:ʒə rə ke: ədʰərəpə:ŋə
kəɦləŋə.t̤e:kə rə bəɦə bəɪra:gi: dʒi: kəɦələŋə-rɔ̃bʰa: əbə
d̤e:ɦə ŋə kəɦa:t̤ələ: bʰa:gə tʃələ:!

əbə dʌ:ŋu: go:re: e:mə pi: ke: e:go: ɦio:t̤ələ mē: ru:mə
bukə kəɦa: ke: rəɦɦe: la:gələ. bəɪra:gi: dʒi: dʒʰo:t̤a: d̤a:t̤ɦi:
pəɦɦle: ɦi: kəɦa: ke: ʒɦ:ma:ŋjə juvəkə le:ka: lukə kəɦa:
ləɦɦ rəɦɦe: ru:pəɦjə: pəɦɦa: ke: t̤ə kəɦɦjə: ŋə rəɦɦe:.

g̃a:və mē: ɦɦlla: ɦio: ge:lə bə:bə:dʒi: g̃a:və ke: ləɦki: ke:
le:ke: bʰa:gə ge:lə.lo:gə t̤ərəɦə t̤ərəɦə ke: bə:t̤ə kəɦəɦ

la:gələ, le:kiŋə a:ʃtʃəjə ɪ ki ləʔəki: ke: ba:pə bo:lələkə
 bʰa:gə ge:lə tʃə bʰa:gə ge:lə.pəʔtʃə əpəŋe: dʒa:tʃ ke: hi:
 ba:ba: dʒi: rəʃie:.a: budʰə ŋə rəʃie:. e:kəɖəmə dʒəva:ŋə
 ba:ba: dʒi: rəʃie:. budʒʰa:e: ʃəjə bʰəgəva:ŋə dʒo:ri
 bəŋəile: rəʃie:.e:kə ɖəmə ʃi:tʃa: a: ra:mə dʒəʃəŋə.

bəira:gi: dʒi: gā:və ke: əpəŋə kʰa:ʃə tʃie:la: ʃəbʰə ʃe:
 mo:ba:ilə ʃəpərkə bəŋəile: rəʃie:.tʰo:ʃə ləʔə rəʃie:~i:ʃa:
 tʃie:la: ʃəbʰə kəʃi:~. guru dʒi: pəre:mə kəiləʔtʃiŋə a: ʃa:dʒi:
 kəiləʔtʃiŋə .tʃə ko:ŋa: bura: kəɖəmə ŋə kəiləʔtʃiŋə.və:ŋa: tʃə
 ba:ba: dʒi: ʃəbʰə rəkʰəilə rəkʰəi tʃʰəʔtʃiŋə. le:kiŋə ʃəməɖə
 guru məʃa:ra:dʒə və:ŋa: ŋə kəiləʔtʃiŋə. bʰəgəva:ŋə ke:
 ɖəɖəba:ɖə mē: ʃa:dʒi: kəiləʔtʃiŋə. və: tʃə: lo:kəkə a:kro:ʃə
 ke: ɖəɖə ʃe: bʰa:gə ge:ləʔtʃiŋə.ki a:kro:ʃə mē: lo:gə
 dʒa:ŋə ma:ɖə ɖe:ʃə tʃʰəjə. əbə dʒəũ və: ʃa:dʒi: kəi
 le:ləʔtʃiŋə.tʃə və: ʃəməɖə: ʃəbʰə ke: guru ma:tʃa:
 bʰe:ləʔtʃiŋə. ʃəməɖə: guru ma:tʃa: a: guru dʒi: ʃe: ko:i:
 gʰriŋa: ŋə ʃəjə. əi: ba:tʃə ke: əʃəɖə bʰe:lə.lo:gə ʃəbʰə ke:
 bəira:gi: dʒi: a: rəbʰa: ke: le:lə ʃəʃa:ŋubʰu:tʃə pre:mə a:
 ʃrəɖɖʰa: dʒa:ge: la:gələ. tʃie:la: ɪ ʃəbʰə ʃu:tʃəŋa: bəira:gi:
 dʒi: ke: ɖəʔtʃə rəʃie:.

ɖə: bəɖəʃə ke: ba:ɖə əŋuku:lə ʃəməjə ɖe:kʰi ke: ba:lə
 bəira:gi: rəmbʰa: ʃəʃi:tʃə gā:və mē: ə_ɪləŋə. bəira:gi: dʒi:
 tʃə əpəŋa: və:ʃə mē: rəʃi:tʃe: rəʃie:.pəʔtʃə rəbʰa: ke: be:ʃə
 ko:tʃiʃələ ke: vɪʃəjə rəʃie:. e:kə ɖəmə udʒəɖə bʰe:ʃə mē:~.
 rəbʰa: bəira:giŋə (ma:ira:mə) la:gəi. tʃie:la: ʃəbʰə rəbʰa:
 ke: guru ma:tʃa: kəʃi:tʃə tʃəɖəŋə tʃʰue: a: ba:ɖə mē:
 bəira:gi: dʒi: ke:~.rəmbʰa: a: bəira:gi: dʒi: a:ʃi:va:ɖə ke:
 mudʃa: mē: ʃa:tʃə utʰəile: kʰəɖa: rəʃie:.

a:ɪ rəmbʰa: a: bəɪra:gi: dʒi: vɔ:hi: kuɪja: mē: grɪfəstʰə
rɪʃ pəəpəra: mē: rəfəɪtə bʰədʒəŋə bʰa:və ke: ʃa:tʰə
gəɪja: ke: ʃe:və: kəɪtə hɪɪjə.

-a:tʃa:rjə ra:ma:nə̃də mādələ ʃa:ma:dʒikə tʃɪtəkə
ʃi:tə:məɪʰi:, ʃe:və:nɪvɪttə prəɖʰa:nə:ɖʰa:pəkə, ma:tə:-
tʃəndʰə de:vi:, pɪtə:-ʃvə0ra:dʒe:fvərə mādələ, pətɪɪ:-
prəmɪla: de:vi:, dʒənmə tʃɪ-01 dʒəŋəvəri: 1960
jo:gjətə:- e:mə-e:ʃəʃi: (rəʃa:jəŋə ʃa:ʃtrə), e:mə e:
(hɪndi:). ru:tʃi- ʃa:hɪtʃikə, məɪtʃɪli:-hɪndi: kəvɪtə: -
kəhɪa:ɲi: le:kʰəŋə a: a:le:kʰə. prəkə:ʃɪtə po:tʃi: - məɪtʃɪli:
kəvɪtə: ʃəgrəhə bʰa:ʃa: ke: ŋə bā:ɪjo:. 2022 prəkə:ʃɪtə
rətʃəŋə: - ʃəɖʰɪja: kəvɪtə: ʃəgrəhə po:tʃi: - dʒəŋəkə
ŋəɖɪɲi: dʒa:ŋəkɪ: a: ʃəurjə ga:ŋə. 2022 pətɪɪka: -mɪtʃɪla:
ʃəma:dʒə, gʰərə -ba:hərə a: əpu:rva: (məɪʃa:mə).
əkʰəba:rə -dəɪɲikə məɪtʃɪlə punərdʒa:gərəŋə prəkə:ʃə.
ʃa:ma:dʒikə-ʃa:ma:dʒikə tʃɪtəŋə, ɖa:ɪtʃə- pu:rva dʒɪla:
prəɪɲɪɖʰi:, pra:tʰəmɪkə ʃɪkʃəkə
ʃəgʰə, ɖuməra:, ʃi:tə:məɪʰi:. ʃtʰa:ji: pətʃa:- gra:mə-
pɪpəra: vɪʃəŋəpura tʰa:nə:-pəɪhɪa:rə dʒɪla:-ʃi:tə:məɖʰi:.
vəɪtəma:ŋə pətʃa:-pɪpəra: ʃəɖəŋə, muraɪja:tʃəkə va:rdə-
04 ʃi:tə:məɪʰi: po:ʃtə-tʃəkəməhɪla: dʒɪla:-ʃi:tə:məɖʰi:
ra:dʒjə-bɪhɪa:rə pɪŋə-843302 mo: ŋə-
9973641075 i:me:lə-
ramanandmandal001@gmail.com

əɪ rətʃəŋə:pərə əpəŋə
māɖəvʲə editorial.staff.videhə@gmail.com pərə
pətʰa:u.

3.8.दा.: क॒रिग॒रा-म॑रि॒ःमे: ग॒दोःध॒रि॒ग॒रि:



दा.: क॒रिग॒रा

म॑रि॒ःमे: ग॒दोःध॒रि॒ग॒रि:

i: ग॒दोःध॒रि॒ग॒रि: क॑र॒णःह॑र॒ स॒ब॒ त्वा॒ म॑रि॒ःमे: ब॒ःसा: के:
 क॒ह॑द॒ ब॒क॑ह॒द॒ मे: ब॒ःत॒ सु॒दा:ह॑ क॒ द॒ःल॑क॒ अ: म॑रि॒ःमे:
 म॑रि॒ःमे: के: न॒ःम॑ प॒रा १ स॒ब॒ अ॒णः प॑ःत॒ प॒ःस॑ मे:
 ब॒ःह॑ःल॒ र॑ह॒ल॒ प॑रि॒ःम॑ कि: ब॒ःल॑ म॑रि॒ःमे: अ॒णः मे:
 ब॒ःत॑: ग॑ःल॒ अ: त्ते:क॑रा: ब॒ःत॑णःह॑र॒ व॑ह॒ प॑ःत॒प॒ःस॑:
 म॑रि॒ःमे स॒ब॒ त्वा॒ द॒ः अ॒णः प॑ःत॒ द॒ः म॑रि॒ःमे:
 के: द॒प॑ःह॒णः र॑ह॒ल॒ अ: म॑रि॒ःमे: स॒ःह॑रि॒ग॒रि: के: क॑रि॒ग॒रि:
 स॒मा:द॒ः स॒ न॒ द॒ःत॑ल॒क॒ अ: न॒ त्ते:क॑रा क॑रि॒ग॒रि:
 ब॒ःग॑र॒त॑: बु॒द॒ःल॑क॒?

म॑रि॒ःमे: ब॒ःसा: के: सु॒द॒ध॒-अ॒सु॒द॒ध॒, प॑रि॒ःम॑ःह॒ः-
 द॒ःह॑णःह॒ः, म॑द॒ः-को:स॒क॑णःह॒ः, ब॒ःह॑णः-स॒ःल॑क॒णः,
 अ॒णः-प॑रि॒ग॒णः, पु॒रु:स॒का:रि:-ह॑ःह॒का:रि: के:

lækəɾəpē:ɬɿ me: bā:ɾɪ d̪e:ləkəɪ a: a:bə bʰəvəɖa:ɦə
ke:ɦe:ŋə d̪ʒe: ʃəbət̪a: məɪɬɦɪli: ɬɦɪjəɪ? a: le:kʰəŋjɪ:
puru:ʃka:ɾə a:jo:d̪ʒəŋə be:ɾə me: ma:ŋəkə ɬɦo:ɾɪ?
əŋəkə: ɾa:ɾə ʃo:ləkəŋə bəŋa: d̪ɪɬka:ɾɪ d̪əɪ ɬɦəɪ kɪe:kə??
a:ʃte: a:ʃte: ʔgɪka:, bəd̪ʒd̪ʒɪka: ʃəbə ələgə bʰe:lə d̪ʒa:
ɾəɦələ əɬɦɪ a: ɦəɪbo: kəɾəbə d̪ʒəru:ɾi:e ki: ŋe:? ke:kəro:
bo:li: ke: i: pe:ɾəpo:s̪ua: məɪɬɦɪlə mo:d̪ʒəɾə ŋəɪ d̪e:ləkəɪ?
ma:ɬɾə əka:d̪əmi: puru:ʃka:ɾə, məɪɬɦɪli: vɪbʰa:gəkə
ŋo:kəɾi: lo:bʰə, ʃəjo:d̪ʒəkə pəɖə d̪u:re: i: ʃəbə məɪɬɦɪli:
ma:ŋəkə ke: o:d̪ʒʰəɾi: ləgə: məɪɬɦɪli: bʰa:ʃa: ke: kʰəɖə
pa:kʰəɖə me: b̃əɬəɬə ge:lə? a: ʃəbə d̪ŋə i: pe:ɾəpo:s̪ua:
ʃəbə gō:d̪ɦɪja:gɪɾi: kʰe:la: kə bʰa:ʃa: ʃa:ɦɪɬjə pəɾə
d̪ʒəbərəɖəʃɬɪ: əppəŋə kəbd̪ʒa: ke:ŋe: ɾəɦələ? a:
mɪɬɦɪla:kə d̪ʒəŋə ʃəma:d̪ʒə məɪɬɦɪli: ʃə d̪u:ɾə ɦo:ɪɬə ge:lə.

əpəŋə

m̃əɬəṽjə editorial.staff.videheə@gmail.com **pəɾə**
pəɬʰa:u.

3.9.la:ləde:və ka:məṭṭə-məḥiḥa: prələjəkə ləgi:tʃi tʃhəikə
dʒənəḍdʒi:vəṇṇə/ s̄a:ma:dʒikə s̄əro:ka:rə kē: ṇəṇṇə d̄iʃa:
d̄əitə upəṇja:s̄ə/ kəṇṇṇə bəḍḍi:ṇa:t̄hə ra:jə dʒi:kə
ma:ḍe:



la:ləde:və ka:məṭṭə-məḥiḥa: prələjəkə ləgi:tʃi tʃhəikə
dʒənəḍdʒi:vəṇṇə/ s̄a:ma:dʒikə s̄əro:ka:rə kē: ṇəṇṇə d̄iʃa:
d̄əitə upəṇja:s̄ə/ kəṇṇṇə bəḍḍi:ṇa:t̄hə ra:jə dʒi:kə
ma:ḍe:

1

məfiɑ: prələjəkə ləgi:tʃə tʃəikə dʒəŋədzɪ:vəŋə

əpəŋə bɑ:tʃə kē: gədjə ʃə ədʰikə rɑ:dʒə kɪʃo:rə mɪfrə dʒi:
pəddəme: kʰu:bə mədʒəgutɪ ʃə rɑ:kʰəitʃə tʃəətʰɪ.
pʰərəbəri: 2023 mē: ke:ŋdʰrəme: rɑ:kʰɪ prədu:ʃəŋə pərə
ɑ:dʰɑ:rɪtʃə 20 go:tə vɪbʰɪŋŋə ʃɪrəkə ʃə kəvɪtɑ: ʃəgrəfiə
"prələjə - pɑ:fə " mətʰɪli: pɔ:tʰi: 'kə prəkɑ:ʃəkə - rətʃɪjətɑ:
ʃvəjə tʃəətʰɪ. e:fi 132 prɪʃtʰəkə ʃtəri:jə kɑ:gətəme: bəŋlə
pɔ:tʰi:kə dɑ:mə 250 tɑ:kɑ: ətʃɪ. 62 vərʃi:jə kəvɪvərə ʃri:
rɑ:dʒəkɪʃo:rə mɪfrə ʃɑ:kɪŋə - əre:tə dɪ:fiə (mədʰubəŋɪ:)
bʰɑ:rətʃə ʃəʃtʃɑ:rə ŋɪgəmə lɪmɪtɛ:də ke:rə mukʰjə
məfiɑ:prəbəʃdʰəkə (vɪdʒuli:) pədqə ʃə ʃe:vɑ:ŋvɪttə bʰe:lə
tʃəətʰɪ. i: əŋe:kō: purəʃkɑ:rə prɑ:ptə kəjə tʃʊkələ:fiə ətʃɪ.
fiŋəkə mətʰɪli: ʃɑ:fiʃjəme: dərʒəŋəbʰəri pɔ:tʰi: tʃəpələ
tʃəəŋfi. vɪʃe:ʃətə: i: kɑ:vjə rətʃəitʃə tʃəətʰɪ, dʒe: kɪ dʃəʒgo:tə
pɔ:tʰi: tʃəəpɑ: tʃʊkələ tʃəətʰɪ. o:ŋɑ: e:kə pɔ:tʰi: "
mətʰəŋə" ɑ:le:kʰə ʃəgrəfiə ɑ: e:kə pɔ:tʰi: "əʃtədələ "
gəlpə ʃəgrəfiə prəkɑ:ʃɪtʃə ʃe:fiə: bʰe:lə rəfiəŋə. fiŋdɪ:
dʒəgətəme: ʃri: mɪfrɑ: dʒi: kəvɪtɑ: vɪdʰɑ:me: əpəŋə
dʃəʒtɑ: ʃə be:ʃɪje: pɔ:tʰi: ʃe:fiə: ŋɪkɑ:ləŋe: tʃəətʰɪ.
urdʒɑ:-vəŋəŋə ' kʰədqə kɑ:vjə - 2019 mē: vərldə bukə
ɑ:pʰə rɪkɑ:rdəʃə dʰɑ:rɑ: 'urdʒɑ:' pərə pəfiŋlə fiŋdɪ: kɑ:vjə
gʰo:ʃɪtʃə kəjələ ge:lə tʃəikə. tʃəfiŋɑ: ʃəŋ 2020 mē:
prədu:ʃəŋə ' kʰədqə kɑ:vjə ' fiŋdɪ:ke: ŋdɪjɑ: bukə ɑ:pʰə
rɪkɑ:rdəʃə dʰɑ:rɑ: - kɑ:mpre:fiŋʃɪbʰə dɪtɛ:lʃə ɑ:pʰə
pɑ:lju:ʃəŋə pərə prətʰəmə fiŋdɪ: kɑ:vjə gʰo:ʃɪtʃə bʰe:lə
tʃəəŋfi.

əɪ bi:tʃə fiŋəkə lɪkʰələ kɪtʃu mətʰɪli: pɔ:tʰi: pədqəbɑ:kə

सुमवसुसुरे b^he:तलै हिएणु d³ia:हिमे: हिमै 'prələjə - pa:ʃə'
 ke: त्तिरिजा: कएजे त्ति:हिऐतु त्ति: . ऐहि पो:त्ति:कै कब^hैरै,
 प्रिस्त^hै सुद³िद³िा: a: अक्षरै वा:क्या सुद^hैतु: le:lə हिनुकै
 पतनु रि:मैतु: ऐनु:तु: दे:वि: a:o:रै सुपुतु: सुरि: रिक्सा:
 मिरकै कला: a: त्रकैणै का:रकै प्रैतु वि:शै:सै a:कैरुणै
 ऐनु:रा:गै क्कै: पारैक^hै सुकैलैहि ऐतु. ऐणै b^hu:मिका:
 लि^hैतु कवुवैरै मैहि:दुऐ द^hैरि ऐ त्रैरैकै सुरा:हिनु:जै
 सुहैजो:गै le:lə प्रैसु:सु: कऐणु: त्ति^hैतु. ऐ:हि b^hu:मैनुदलै
 पारै d³ैतु:कै d³ै:वै - d³ैणुतु त्ति^hैकै ; सुब^hैकै सुमैकसै
 ऐ:कैतु: मैहि: विनु:सुका:रि: सुकैतु ऐतु:तु:क^hैतु:रै: म्दैदरै:
 रैहैलैकै ऐतु. प्रैकुरैके: अ³ैतुलैणै सु ऐ:हि त्रैरैकै
 d³ैतुलै सुमैसु: ऐ:कै प्रैलैजैके: रु:पैमे: प्रैतुैकसै
 हि:तु d³ै:ि: त्ति^hैकै. ऐ:कैरै a:हिऐतु ऐका:नु रा:d³ैकु:रै
 बा:बु: ऐणै कलैमैकै रैप^hैतु:रै बैद^hै:बैतु मै:जै
 मैतु:लि^hैकै अक्षुऐ b^hैदु:रै क्कै: a:ro: b^hैरैकै का:d³ै
 वुतुपैणु त्रैरैहि: कऐलैणु ऐतु. a: नुवै सुदै:शै दैतु
 सुमैसु:कै पारैसुद^hैतु: le: a:kulə दे:क^hै:तु त्ति^hैतु. d³ै
 सुमैजै सु i: सुसु:रै प्रैदु:सैणै मुक्तु नैहि हि:जैतु त्ति
 मा:नैवैके: सुगै- सुगै सुमैसु: त्रैरै- त्रैरा:त्रैरै
 प्रैb^hै:वि:तु हि:तु a:क्रै:नुतु b^hैs उ^hैतु. i: d³ै:
 b^hैजा:वैहिऐतु: सुपैतु रु:पै सु हिनुकै का:वुजैमे: पारैलैकु:तु
 b^he:lə हिणु सु: सुमैजै सु पु:रुवै सुमा:d³ैमे: ऐ:कै
 गैb^hै:रै त्रै:तुणु: कैहैलै d³ै: सुकैतु. विवै
 मा:नैवैकै: ऐ:कै त्ति^hै:तु:तु:रै मै:नु लि: ,a: त्ति^hै:तु:मे:
 b^hैरै त्ति^hै:मै-त्ति^hै:मै हिनुऐ त्ति रैदुकै कुरै:णै ऐतु:वा:
 बैरैक^hै:कै d³ैलैकै त्रैबैतु^hै सु सुगैतु:रै को:नु: ब^hै:तु
 पा:ऐ:बै? त्रैहिनु: a:का:शै के:रै o:d³ै:णै पारैतु d³ै:
 त्रैरै:कु:कै कवैतु सुहिऐतु द^hैरैतु: क्कै: ऐणै
 दुसुपैणु:मै पारै:वैगैणु कुरै:णै क्कै: त्ति^hैरैजैबैतु d³ै:वै
 - d³ैणुतु पारै प्रैतु:कु:लै असुरै पसु:रि रैहैलैकै,d³ै:हि सु

əŋe:kō: t̪əɾəɦəkə vja:d̪hɪ ut̪pəŋŋə bʰə' rəɦələɪkə ɦəjə. kəvi
t̪ɦɪŋt̪ə rəɦɪ pa:t̪həkə ke: s̪əd̪ʒəgə kəɾəɪt̪ə s̪ət̪ət̪
d̪ʒa:ɡəru:kə rəɦəba:kə kʰəgəut̪ə bud̪ʒʰəɪt̪ə t̪ɦəɪt̪hɪ. e:ɦɪ
ma:d̪e: ɦɪŋəkə ka:vjə rət̪ʃəŋa: ət̪jəŋt̪ə s̪əus̪t̪həvə a:
jəv̪d̪əkə t̪ʃəjəŋə ŋɦt̪hɪe: d̪e:ʃəd̪ʒə ɦo:i:t̪ɦə. jət̪hɪa:- p̪ā:t̪ɪ
d̪rəst̪əv̪jə ət̪ɦɪ -:

..... pʰəɪkt̪əri: s̪ə d̪ʒəɦəɾə - ma:ɦuɾə ba:l̪a: d̪ɦuā: ,
pəʂəɾələ d̪ʒa:t̪ɦə , pɾədu:s̪əŋə d̪ɦu:t̪ɦu:rəmuh̪ā: .
t̪ɦɪa:t̪j: pʰo:ɾɪ - pʰo:ɾɪ ŋɦka:ləe: t̪e:lə ,
pət̪a:ləkə ' pa:ŋɦ, kəɦu: kət̪t̪ə ge:lə ?

ɦɪŋəkə s̪a:ɦɪt̪jɪkə p̪ā:t̪ɪ s̪əməka:li:ŋə əɾt̪hɪa:t̪ əd̪ʒa:d̪ə
pəɪd̪d̪əɪkə ɦo:i:t̪ə t̪ɦəŋɦɪ, d̪ʒe: s̪əɦəɪd̪ʒe: bud̪ʒʰəɪme:
pa:t̪həkə vəɾgəkē: əbəɪt̪ə t̪ɦəŋɦɪ. məus̪əmə pəɦvəɾt̪əŋəkə
ka:rəŋē: a:bə əs̪əməjə bəɾəkʰa: bəɾəs̪əɪt̪ə jə. a:bə
s̪əmund̪əro: s̪vət̪t̪ɦə ŋəɦɪ rəɦələɪkə . kəvi
bʰa:vəɪd̪hɪa:ra:me: gəbəɪt̪ə t̪ɦəɪt̪hɪ -

..... pɪja:s̪ələ ɡʰō:ɡʰa: , s̪ɪt̪ua: , d̪o:ka:
t̪a:ki rəɦələ t̪ɦəɪ me:ɡʰəkə və:t̪ə ,
pu:ra: s̪ukʰəle: rəɦələɪkə əɾəɪə:
ru:s̪ələ t̪ɦəɪ me:ɡʰə, d̪ɦe:ŋe: t̪ɦəɪ kʰa:t̪ə .

kəvi e:ɦɪ t̪əɾəɦəkə d̪ʒəɾd̪ʒəɾə kuvs̪əvəst̪hɪa: d̪e:kʰɪ t̪ɦɪt̪ka:rə
kə' ut̪həɪt̪ə t̪ɦəɪt̪hɪ. p̪ā:t̪ɪ d̪e:kʰələ d̪ʒa:e: -:

..... ɦəməɾa: s̪əbʰəkə s̪əməjəme: s̪əbʰət̪a: t̪ɦələɪ ɦud̪d̪ə ,
ɦəvə:, bəʂa:t̪ə , bʰuɦɪ, d̪ʒələ , əŋŋə - pa:ŋɦ ,
ko:ŋə s̪ukʰə kē: ət̪ɦɪ t̪a:ki rəɦələ məŋɦkkʰə ?

s̪əbʰət̪a: t̪əs un̪ət̪e: bəŋa: rəɦələ ət̪ɦɪ ba:ŋɦ .
pəɾja:vəɾəŋə'kə kʰu:ŋə pɪbəjəme: , la:ɡələ ət̪ɦɪ ,ŋəvə
s̪əbʰjət̪a: ,

e:ŋa: me: t̪əs b̪ā:t̪ʃəbə mo:s̪əkɪlə ,
ko:ŋa: kə' d̪ʒi:və - d̪ʒəŋt̪u d̪ʒi:t̪a: ?

ma:nəvə fəri:rəme: 70% dʒələ a: 30% dmu:nmu: rēgəkə
 rəktəkə ā:kəra: ja. sɛ: i:nə:rə - po:kʰəri , dʰa:rə - nədʒi:
 , nɔ:lə: sʌbuʔa: prəbʰa:viʔə bʰe:lə tʃʰa:kə . bo:ri:nə -
 tʃa:pa:kələke: dʒe: pətʃa:lə s̃ dʒələsʃo:tʃə tʃʰa:kə ;
 kətʃuɦə - kətʃuɦə pe:jədʒələme: a:rʃe:nj:kə , pʰo:li:kə a:
 a:jərənə ke:rə ədʰikə ma:tʃa: s̃ pe:jədʒələ əʃudʰdʒə
 tʃʰa:kə, dʒe: ru:gnətʃa: bərəɦa:bəitʃʰə.

dmu:rva:kʃətʃə ke: əkʃətʃə dɛ:kʰəu, bʰəs ge:lə ətʃʰi
 mɪrəɦinŋi: ,

ʃudʰdʒə pa:nɪ le:lə pʰiltərə , nəɦi t̃s mɪnərələ va:tərə ki:nj:.
 priʔvi: dmu:vəʃə pərə ɦəməʃəbə ɦərəʃa:lə tʃiŋtʃa: kərəitʃə
 tʃʰi: kʰe:tʃə - pətʰa:rə a: təkərə upədʒə le:lə kʰa:dʒə a:
 kiʔnə:fəkə'kə prəjo:gə kəjəke: kiʃa:nə ədʰikə
 pəidə:va:rə le:lə a:ʃa:nviʔə rəɦəitʃʰə. mudə: ʃəbikəɦa:
 ʃua:dʒə a: tərəkari: 'kə gəməkə kʰətmə bʰə' ge:ləikə ətʃʰi.
 rəʃa:jənə kʰa:dʒə kʰa: - kʰa: kəjə , ba:dʒələ ma:tʃikə pe:tʃə,
 ʃəktɪ ʃo:a:dʒə gʰəʔələ dʒa:itʃə ətʃʰi,əŋŋe: bʰe:slə ,a:kʰe:tʃə.
 nəvə ʃəbʰjəʔa: mē: gʰəre:lu: kuʔi:rə udʒo:gə,dʒəʔa:-
 dʰe:ki: , ʃɪləutʰə - tʃiŋdruʔa:kə dʒəgəɦə a:bə
 əudʒo:ɡikərənə,məʃi:nj:kərənə le:nɛ: ətʃʰi.e:ɦi ke: ʃukʰə
 ʃa:dʰəŋə əpəŋa:e: kē: lo:kə sʃuʃtʃə ʃe:ɦo: bʰe:ləikə.

tʰəʔdʰa: kərəjə le:lə e:ʃj: məʃi:nə,
 kəs dʒəitʃʰə o:dʒo:nə pərəʔəme: bʰu:rə,
 viŋa:ʃə nɪka:e:lə vɪka:ʃə me:,
 vərədʒa:nə le:nɛ: ətʃʰi bʰəʃma:sʃurə.

a:i: vəŋə pra:nʔərə , pəɦa:tʃə-pətʰa:rə , bʰu:gərbʰə a:
 priʔvi:dʰəri pəjə:vərənə prərədmu:ʃəŋə s̃ kərə:ɦi utʰələ
 tʃʰa:kə. a:dʒukə pərive:ʃəme: nəgərə s̃ dɛ:ɦa:tʃədʰəri
 tʃʰe: kiʔnu dʃiʃtime: əbəitʃə ətʃʰi,ʃe: prədmu:ʃəŋə s̃
 prəbʰa:viʔə tʃʰa:kə. t̃: kəvɪkə i: pā:tɪ ma:nəvi:jə

budʒʰəitʃə tʃʰəʈʰi. e:hi ma:de: hiŋəkə ka:vjə rətʃiŋa:
ətʃəntʃə ʃəuʃtʰəvə a: ʃəvdəkə tʃiʃəŋə nʃtʰa:hi: de:ʃədʒə
hi:i:tʃʰə. jəʈʰa:- pā:tʃi dʃrəʃtəvjə ətʃʰi -:

..... pʰəiktəri: ʃə dʒiʃiərə - ma:hiurə ba:la: dʰuā: ,
pəʃərələ dʒi:itʃʰə , prədu:ʃəŋə dʰu:tʰu:rəmuhiā: .

tʃʰa:tʃi: pʰo:ʃi - pʰo:ʃi nʃka:lə: tʃe:lə ,
pəʃa:ləkə ' pa:nʃi, kəhiu: kəʈʃə ge:lə ?

hiŋəkə ʃa:hiʃiʃi kə pā:tʃi ʃəməkə:li:ŋə ərtʰa:tʃ ədʒi:de
pəʈdʰəʃi kə hi:i:tʃə tʃʰəŋhi, dʒi: ʃəhiədʒi: budʒʰəime:
pa:tʰəkə vərgəkē: əbətʃə tʃʰəŋhi. məuʃmə pəriʋəʃtʃəŋəkə
ka:rəŋē: a:bə əʃməjə bərəkʰa: bərəʃəʃtʃə jə. a:bə
ʃəmudʒəro: ʃvətʃiʃʰə nʃhi rəhiələkə . kəvi
bʰa:vəʃdʰa:ra:me: gəbətʃə tʃʰəʈʰi -

..... piʃa:ʃələ gʰō:gʰa: , ʃiʃua: , dʒo:ka:

tʃa:ki rəhiələ tʃʰəi me:gʰə kə vətʃə ,
pu:ra: ʃukʰəle: rəhiələkə ərəʃəra:

ru:ʃələ tʃʰəi me:gʰə, dʰe:ŋe: tʃʰəi kʰa:tʃə .

kəvi e:hi tʃərəhiəkə dʒiərdʒiərə kuvjəvəʃtʰa: de:kʰi tʃiʃka:ra
kə' utʰəitʃə tʃʰəʈʰi. pā:tʃi de:kʰələ dʒi:e: -:

..... himəra: ʃəbʰəkə ʃəməjəme: ʃəbʰəʃa: tʃʰəʃəi ʃudʰdʒə ,

hiʋa:, bəʃa:tʃə , bʰumi, dʒiələ , əŋŋə - pa:nʃi ,

ko:ŋə ʃukʰə kē: ətʃʰi tʃa:ki rəhiələ məŋyukkʰə ?

ʃəbʰəʃa: tʃəʃ unʃte: bəŋa: rəhiələ ətʃʰi ba:nʃi .

pəʃi:vəʃəŋə'kə kʰu:ŋə piʃəjəme: , la:gələ ətʃʰi , ŋəʋə
ʃəbʰiʃəʃa: ,

e:ŋa: me: tʃəʃ bā:tʃiʃə mo:ʃəkilə ,

ko:ŋa: kə' dʒi:ʋə - dʒiəntʃu dʒi:tʃa: ?

ma:ŋəʋə ʃəri:rəme: 70% dʒiələ a: 30% dʃu:ŋu: rēgəkə
rəktəkə ā:kəʃa: jə. ʃe: i:ŋa:rə - po:kʰəri , dʰa:rə - ŋəʃi:
, ŋa:la: ʃəbuʃa: prəbʰa:ʋiʃə bʰe:lə tʃʰəi kə . bo:ri:ŋə -

tʃa:pa:kələke: dʒe: pətʃa:lə ʃə dʒələsʃo:tə tʃhəikə ;
kətʃuɦə - kətʃuɦə pe:jədʒələme: a:rʃe:ɲi:kə ,pʰo:li:kə a:
a:jərəŋə ke:rə ədʰikə ma:tʃa: ʃə pe:jədʒələ əʃudʰdʰə
tʃhəikə, dʒe: ru:gnətʃa: bərəɦia:bətʃhə.

du:ruva:kʃətə ke: əkʃətə dʒe:kʰrəu, bʰəs ge:lə ətʃhə
mɪrərəɦiŋɦi: ,

ʃudʰdʰə pa:ɲi le:lə pʰɪlʃərə ,ŋəɦɪ tʃəs mɪŋərələ va:tərə ki:ɲi:
pɪtʰvi: dʃvəʃə pərə ɦəməʃəbə ɦərəʃa:lə tʃɦɪŋtʃa: kərətə
tʃhəi: kʰe:tə - pətʃhə:rə a: təkərə upədʒə le:lə kʰa:də a:
kɪtəŋa:ʃəkə'kə prəjo:gə kəjəke: kɪʃa:ŋə ədʰikə
pəɪdʃa:va:rə le:lə a:ʃa:ɲvɪtə rəɦətʃhə. mudʃa: ʃəbɪkəɦia:
ʃu:a:də a: tʃərəka:ri: 'kə gəməkə kʰətʃmə bʰə' ge:ləikə ətʃhə.
rəʃa:jəŋə kʰa:də kʰa: - kʰa: kəjə , ba:dələ ma:tʃkə pe:tə,
ʃəktɪ ʃo:a:də gʰətələ dʒa:ɪtə ətʃhə,əŋɦe: bʰe:slə ,a:kʰe:tə.
ŋəvə ʃəbʰjətʃa: mē: gʰərə:lu: kuɲi:rə udʒo:gə,dʒətʃa:-
dʰe:ki: , ʃɪləutʰə - tʃəŋdʃrəutʃa:kə dʒəgəɦə a:bə
əudʒo:gɪkərəŋə,məʃɦi:ɲi:kərəŋə le:ŋe: ətʃhə.e:ɦɪ ke: ʃukʰə
ʃa:dʰəŋə əpəŋa:e: kē: lo:kə ʃuʃtʃə ʃe:ɦo: bʰe:ləikə.

tʰəɪdʰa: kərəjə le:lə e:ʃɦi: məʃɦi:ŋə,
kəs dʰətʃhə o:dʒo:ŋə pərətəme: bʰu:rə,
vɪŋa:ʃə ŋuka:e:lə vɪka:ʃə me: ,
vərədʃa:ŋə le:ŋe: ətʃhə bʰəʃma:ʃu:rə.

a:i: vəŋə pra:ŋtərə ,pəɦia:tə-pətʃhə:rə ,bʰu:gərbʰə a:
pɪtʰvi:dʰəɦɪ pərəja:vərəŋə prərədʃu:ʃəŋə ʃə kərə:ɦɪ utʰələ
tʃhəikə. a:dʒukə pərəvɪ:ʃəme: ŋəgərə ʃə dʒe:ɦia:təpʰəɦɪ
tʃhəe: kɪtʃhə dʃɦɪtʃime: əbətə ətʃhə,ʃe: pradəʃu:ʃəŋə ʃə
prəbʰa:vɪtə tʃhəikə. tʃē: kəvɪkə i: pā:tɪ ma:ŋəvɪ:jə
ʃəvɪ:dəŋa:kə le:lə əpɪ:lə kərətə tʃhəikə.

e:kʰəŋəɦɪ, pradəʃu:ʃəŋə ro:kələ dʒa:e: ,
dʒe: ʃɦɪʃtɪ kə' əru:dʃa: kʰe:ŋe: dʒa:e:.

məŋukʰəkə: prədusəŋə ba:vətə kəʰəgʰa:ra:me: tʰa:tʰə
 kəjələ tʰəikə. əŋpə:səŋəkərtə: a: vəidʒina:nkə vələ: vɪvə
 ma:nəvə a:dʰunəkə sʌbhjətə:me: sʌvəjəke: bʰo:gi: vjəktɪ
 bəŋlə tʰəi. hərə vəstʰukə upəbʰo:gə a: upəbʰo:ktə:'kə
 ŋa:tə: məŋusjə vɪdʒina:nə jugəme: ŋi:kə tʰərəhē:
 dʒi:vəŋə ja:pəŋə kərəitə ətʰi. o: vɪdʒina:nə dʒi: e:kə
 tʃiʌki: bʰəri mā:tɪ ŋjə bəŋa: pəbətə ətʰi. vɪvə a:
 ma:nəvətə:kə udəgʰo:səkə kəvɪvərə fri: mɪvrədʒi: əi
 dʰəra:dʰa:mə pərə əvəstʰitə dʒi:tə tʃi:təŋə a: dʒi:li:jə
 dʒi:və dʒi:ŋtʰukə upərə sʌŋkətə əvəgʰa:tə kərəjə ba:la:
 pəigʰə-pəigʰə ro:gə sʌŋdərʰə me: əpəŋə ka:vjə
 ma:dʰjəmə ŋu:təŋə dʰəge: əŋpura:nitə kəjələ:hə. a:sʰtʰa:
 a: vɪvə:sə kə' tʰəjəke: ga:jəŋə sʌ hɪŋəkə ka:vjə
 əŋu:gūdʒi:tə ətʰi. e:həŋə ədəbʰutə pərija:sə le: hɪŋəkə
 sʰutjə ətʰi

2

sʌ:ma:dʒikə sʌro:ka:rə kē: ŋəvə dʒi: dʒitə upəŋja:sə

sʌdʒəprəkə:fɪtə fri: rəvɪndʒə ŋa:ra:jəŋə mɪvrə dʒi:ke:
 sʌ:ma:dʒikə upəŋja:sə " həmə a:bi rəhələ tʰi:"
 hā:ləhime: pədʰələŋhə ətʰi. e:hɪ 140 prištəkə məitʰili:
 bʰa:sə:kə po:tʰi: kē: o: sʌvəjə gre:tərə ŋo:e:da: (u0prə0)
 sʌ 2021 i:0mē: prəkə:fəŋə kəjələŋhɪ,dʒi:fi:kə dʌ:mə 200
 tʌ:ka: tʰəikə. po:tʰi: 'kə a:vəŋə a:kərsəkə jə dʒi:
 pərija:vəŋə ke:rə məŋo:rəmə dʒi:jə budʒi:a:tʰi. a:kəri
 kəbʰərə pərə rəvɪndʒə ba:bu:kə rēgi:lə hā:pʰə pʰo:tə:
 la:gələ tʰəi,a: e:hɪbʰa:gə upəŋja:sə mē: məhətʰəpu:mə

တုတုညာ ကေ: ခိဆာ ပာ:တုကကေး: ခပာဏာ အ:တုရဏာ သုဆာ သုညာ:ဏာ
ကိတုတုတု အတု။

မာသုပာဏိ:ကေ အု:ရေ:ရေ သိ:ဟိဆာ နှိ သု: ဂဝ:တုညာ နှိ:ပာ:ဏိပရိတု
ရေဟိတု: မာ:တုပာ:ဟိ:ဆာ:'ကေ ပရတု ပါး:ဆာ ကေညာ လေ:ကဟာ-
ရတုတု: ကနှိ:တုမေး: ကဟုပာ ပေး:ဆာ နှိကရိယာ တုတု။ င:ကေ နှိ:
ရား:သုအိဆာ:ရေ မိဆာရေ သု:ကေး: ကား:ညာ နှိပုတုပာပာ ပာတု သုညာ
ဟိ:ညာ တုတုဟိ,နှိ သု:နှိရေ နှိ: ရေပိဏ္ဍုရေ နှိ:ရား:ညာ မိဆာ
သု:ကေး: ကဟာ:တုမာကေ အဟုပာကတု. 70 နား:လကေ အဆာ:တုကတု
ပေး:ရေး: အေး:ရေ ပုသုပာပာ:ကေကေ ပရတု ကေလုဂုဂု: ပုတု
-ပုတု:ကေ ပာပာပာ:ရေ ပာရေ ကေမာ တုရား:ပာတု နှိ:မာ:သုကေ
တု:နား:ပာ:နား: ကေး:နား: တုတု ရေဟိလကေ နှိ: အ:ကဟား:နှိပာ အတု။
နှိပာ နှိ ပေး:ရီး:တု ကေရတု တုတုကေ, နှိနှိကေ ကေး:ရေ င:
ပာ:ကဟာ " ဟိမာ အ:ပာ ရေဟိလ တု: " ! ပာဏိယား:နှိကေ
နား:မာကေရေ ကေ: နှိ:သုတုပာပာ: ကေဟိပာ:ကေ သု:
အဟုကရေမာ သုတုလကတု တုတု,တုကေး: ပာ:တုမေး: တု:ကေပာ
နှိအသု: နှိဟိ. ပာ:ဟား:ကူး: လေး:လေ ပုတုကတု: ပာ:ဟား:ပာတု
ရေပိဏ္ဍုရေ နှိ:ရား:ညာ သု: ပာဟိလေး: ပာရား:ပာ နှိ ပာ:ဟား:ပာတု-
ပာ:ဟား:ပာတု ပာရား:ပာ 27 သု:ဟိ ဂှိ:တုရေပာ အတု။ ဝ:နား:
ပာဏိယား:နှိကေ သုတုတုရား: ပာ:တုကေး: အတုမေး: မူး:ရသုညာ
ပုသုပာ:ကေ ပာ:ပေး:နှိ (သု 0) ပာ:မာ:နား:တု သု:ဟား:ကေ
မာ:နား:သုဂား:ရေ သု:ဟိကေ ကဟာ:နှိ ပာ:နှိ 138-139 ပာ:ဟား:လေး:
ပာရေ နှိ:တု:နှိ ပာ:တုကကေး: ဟိ:င: တုတု။ င:ဟိ သုကဟား:နှိ
ကဟား:ကေ အ:ရေပာ အ: အတု အတုတု နှိ:ပေး:သုဂှိ:လေး တုတုကေ.
ရေပိဏ္ဍုရေ ပာ:ပူး:ကေ သု:သုအာ: မာ:ဟိလေး: ပာဏိယား:နှိ ပာ:ဟား:
တုကလေး တုတုဟိ. အေး:ကေ: မာ:ဟိလေး: ပာ:ဟား:ကေ
ပာဏိယား:နှိကေး:ရေ ပေး:လေး:ဟိ အတု ; မုသု: ဟိနှိကေ ကဟာ:နှိ
နှိပာနှိ ပာ:ဟား:ကေ ရေဟိတု တုတုဟိ. ပာဏိယား:နှိကေ ရေး:တုကတု:ကေ
နှိပာပာ:ညာ ပေး:သု: သေး:ဟား:တု: အ: နှိ:ဟိ: သု:ပာ: မေး: အ:ညေး
ပု:ရေး: - တု:ဟား:ပာ နှိ ပာ:ဟား:ပာ ပာ:ဟား: ပာ:ဟား: မေး:
နား:ဟား:ရေ အ:ဟား:တု တုတုကေ. ပာဏိယား:နှိကေ ပာဏိယား:နှိ နှိ:ကေ

ləgəɪtə a:gu:kə tətʰjə dʒi:ŋəva:kə utʃukətə: pa:tʰəkə
 bi:tʃə pəɪsəuŋe: rəhəŋɑ:i: rəvɪndʒə ŋɑ:ra:jəŋə dʒi:kə
 vɪfe:ʃə kəla: tʰi:kə. sʌhədʒe: sʌma:ŋjə pa:tʰəkə əi va:kjə
 kē: təkəba:me: ətʰəva: ke: kiŋkə: le:lə i: va:ŋi: bʰəkʰəi
 tʃətʰi, sʃe: gəhɪ:rəpəŋə sʃə pətə: kərəbə 'həmə tʃə əhɪ: ləgə
 a:bi rəhələ tʃi:' dʒi:vətəpəŋə hio:e:tə. dʒukʰitə kətʰa:kə
 a:rəbʰə sʌpʰədərədʒiŋə əspətə:lə sʃə a: sʌma:ptɪ
 gəgo:tʃi: mē: dʒubɪ ɪhəli:la: kʰətəmə hio:i: sʃə tʃi:
 dərəbʰəga: ləgəkə hərəa:ri: ga:məkə ba:ba: sʃe:va:ŋvɪtʃə
 hie:dəma:stərə a: sʌkərəva:rə ŋvɑ:sʃi: gəga: - a:utə:
 tʃi:ləkə dʒe: dʒilli:me: jəkərə,o:kərə sʃəgi: dʒi:pa: a:
 dʒi:pe:ŋdʒu: ke: tʃri:ghətʃi: pu:rəvə sʃə dʒiŋəɪtə tʃi:əkə. o:
 tʃi:ŋu: e:ke: kəmpəŋi:kə stə:pʰə tʃi:kəikə. jəkərə pɪtə:dʒi:
 kē: ga:mə sʃə bʰo:rəme: bədʒi: ləitə tʃi: a: əpəŋe:
 dʒu:pəhərəme: go:a: dʒi:i: le: dɛ:ra: sʃə ŋkərlə dʒi:i:e:
 ruməme: e:sʌkərə budʰa:ke: hərəŋjɑ: ke:rə dərɔp ukʰəirə
 dʒi:i:tʃi. be:hio:jə hɑ:lətʃi:me: puʃpə vɪhɑ:rə sʃe:ktərə
 e:kə sʃə sʌpʰədərədʒiŋə həsɪɪlə kijo: ɪla:dʒi le: be:də
 pərə pūge:ŋe: rəhəjə. o:ŋəjə pʰo:ŋə pərə ba:bu:ke:
 putʃə kʰəbe:rə kərəitə tʃi:əkə ,dʒi:hɑ:dʒiəkə utə:ŋə rəddə
 bʰe:la:sʌŋtə: ga:me: a:bi ge:ləũhə. sʃe: o: tʃə e:kə
 bəhəŋŋɑ: bəŋɑ:e:lə ge:lə tʃi:ləikə. ga:məkə mukʰija: sʃə
 dʒə sʃə la:kʰə tɑ:kɑ:me: dʒi:hə sʃəhɪtə sʃəbə dʒi:tʃi:
 dʒi:gəhəkə pəkija: be:tʃiŋɑ:ma: kɑ:gədʒi dʒi:li:
 həsʃtɑ:kʃərə sʃə bəŋəuŋe: rəhəjə. pərə:kəjə gəga: sʃəge:
 ga:mə a:bi budʰəhɑ: be:tʃi: dɑ:ktərə ŋjɑ: kē: kələkəttə:
 pʰəuŋə sʃə sʃəbə kʰe:rəhɑ: bətə:bəitə tʃi:tʃi. hɪŋkərə
 pɪtʃəutə bʰɑ:jə o:kɪlə sʃɑ:hie:bə sʃɑ:ŋtəvəŋɑ: əvəjʃə dʒi:tʃi
 , pərətʃi o:kəro: mo:ŋəme: mukʰija: a: əi sʃe:va:ŋvɪtʃə
 ma:stərə sʃɑ:hie:bə sʃə tʰəkəpəŋi: kərəba:kə utkətʰa:

prəvələ d̥e:kʰe:ba:kə d̥riʃjə spəstə d̥e:kʰələ ge:lə ətʃʰi.
 ga:məkə t̥i:rtʰə d̥ʒa:t̥ri: s̥əbə s̥əge: d̥ʒe: g̥əgo:t̥ri: kə'
 t̥ʃərt̥ʃa: ke:ləŋu s̥e: a:ro: pəriʃka:rə hio:it̥ə. o:t̥əjə kʰəra:bə
 məus̥əmə s̥ə pəh̥a:t̥i: ila:ka:me: s̥əkt̥ə upəst̥h̥it̥ə hio:it̥ʰə.
 d̥h̥u:i:n̥əme: g̥əgo:t̥ri: n̥əh̥a:t̥i buʃʰi: t̥ʰd̥h̥i s̥ə t̥ʰərt̥h̥a:it̥ə
 d̥ʒələ bo:d̥ʒəit̥əka:lə kʰəʃi pəreit̥ə t̥ʰəit̥h̥iŋə,d̥ʒələd̥h̥a:ra:
 s̥ə əgəməme: b̥h̥a:s̥əit̥ə d̥ʒa:i:t̥ə s̥əbə d̥e:kʰələkə. d̥h̥əri
 pu:t̥əuf̥ə le: e:kə ŋʃa:ŋi:pe:t̥i: pət̥d̥e:və k̥ē: i:ma:n̥ət̥ə
 d̥ə' ge:ləit̥h̥iŋə. be:t̥a: b̥iŋu b̥ija:h̥ie: d̥h̥əurəvi: rup̥ē: e:kə
 ŋʃa: k̥riʃt̥iʃŋə k̥ē: d̥e:ra:me: rəkʰəit̥ə jə. s̥e: vid̥e:ʃə
 (əme:rika:) d̥ʒa: n̥əukəri: kəreit̥ə jə, a: ʃəkərə k̥ē: s̥e:hio:
 o:t̥əjə bəd̥ʒa:kəjə d̥h̥o:kʰa: d̥əit̥ə e:kə ʔgre:d̥ʒə ke:
 viʃəh̥ut̥i kəŋj̥ā: b̥əŋu d̥ʒa:it̥ʰə. be:t̥a: t̥ə be:t̥a: ,be:t̥ijo: s̥ə
 pa:rə ləga:ulə s̥əkjə n̥əh̥i hio:i:t̥ʰə. kələkətt̥a: m̥ē: əpəŋa:
 d̥e:ra: pərə b̥h̥ē:t̥əg̥h̥a:t̥ə t̥əkəme: be:t̥i: - d̥ʒəma:jə a:
 ŋa:t̥i:n̥ə s̥ə kəma:p̥h̥əit̥ə. s̥e: le:n̥əjə - le:n̥əjə m̥əŋo:ro:gi:
 hio:s̥pi:t̥ələme: ra:kʰi d̥əit̥ʰə. o:t̥uka: d̥a:kt̥ərə s̥a:h̥ie:bə
 h̥iŋəka: s̥pəst̥h̥ijə pa:bi e:kə ma:s̥ə pərə t̥ʰut̥ti: kəreit̥ə,
 g̥əga:kə s̥əgə d̥h̥əra:bəit̥ə ga:mə pəth̥a: d̥əit̥ʰə. ga:məkə
 puʃt̥əŋi: d̥iŋə a: o:s̥a:ra: pərə vək̥i:lə k̥ē: əd̥h̥ika:rə
 pu:rvəkə vira:d̥ʒəma:n̥ə d̥e:kʰi ət̥ʃərad̥ʒə me:
 mukʰija:d̥ʒi: pət̥ələ:h̥ə. buʃh̥a: pət̥ŋkə kəh̥əbə k̥ē:
 mo:n̥ə pa:t̥i puʃt̥ə mo:h̥əme: pəreit̥ʰə. g̥əga: əpəŋə
 ma:jə ba:bukə ʃra:d̥h̥ə kərmə ,b̥h̥o:d̥ʒəb̥h̥a:t̥ə s̥əmpəŋə
 kəjə p̥h̥o:n̥ə ke:e:la: t̥ə t̥ʃa:rd̥ʒə a:i: rəh̥əŋe: ba:t̥ə b̥h̥ə'
 d̥ʒa:e: t̥ʰəŋə. mo:n̥ə h̥ələkə rəh̥əŋe: ŋi:kə d̥ʒuʃt̥ə
 p̥h̥ura:e: t̥ʰəikə. ud̥g̥iŋə b̥h̥ə' t̥ʰəri: h̥a:t̥h̥ə me: ləit̥ə
 a:vəʃjəkə ka:gət̥əpət̥ərə s̥əge: rəkʰəit̥ə d̥i:h̥əpərə s̥ə ŋkəilə
 pəreit̥ə t̥ʰəit̥h̥ə. pe:ra:ka:t̥e:me: g̥əga: s̥ə b̥h̥ē:t̥əva:rt̥a:
 'kə d̥riʃjə əb̥əit̥ʰə. kijo: bəd̥ʒa: rəh̥ələ ət̥ʰi i: bəd̥ʒəit̥ə

ma:st̪ərə dʒi: dʒʰət̪əkɑ:rike: a:gu: bədʰəi tʃi:ɦət̪ə tʃʰəi, t̪ʃ
 g̃əga: ʃəɦə ɳa:jəkəke: ru:pəme: pa:t̪ʰəkəke:
 d̪r̪st̪igo:t̪ʃərə ɦio:jət̪ə. ʃəge: d̪u:ɳu: go:t̪əjə kē: o:ɦi
 g̃əgo:t̪ri: d̪ʰərikə ja:t̪ra: d̪e:kʰa:ulə ge:ɳa:i: mi:t̪ɦila:kə
 ʃəst̪krit̪i a: ʃəst̪ka:rə kē: pəri:ləkʃit̪ə kəjələ ge:lə tʃʰəikə.
 pē:ti: kē: dʒ̃ələp̪rəvɑ:ɦə kərəjə ʃə pu:rvə mən̪o:ɦərə dʒi:
 d̪u: li:pʰɑ:pʰɑ: dʒe:bi: ʃə ɳka:li s̪umədʒʰɑ:bət̪ə g̃əga:
 kē: kəɦət̪ə d̪e:kʰɑ:e:lə ge:lə dʒe: d̪əst̪ə la:kʰə t̪əkɑ:kə
 bəikə d̪ra:pʰt̪ə mukʰija: le:lə a: əpəɳə
 dʒ̃əgəɦədʒ̃əmi:ɳəkə ʃəɦəmət̪u pət̪rə ɳu:t̪əɳə p̪rəbʰɑ:t̪ə
 v̪rid̪d̪ʰɑ:frəmə ,b̃əgələ:gədl̪ə d̪əri:b̃əga: le: le:lə dʒɑ:u:.
 əɦi:kə ʃe:vɑ:bʰɑ:və a: i:ma:ɳəd̪ɑ:ri: pərə gərvə ɦio:i:t̪ʰə.
 ʃɳɑ:ɳə kərəit̪ə buɾəɦɑ: t̪rvə:ɳi: ʃəgəmə mē:
 d̪ʰəst̪əd̪ʰəst̪ɑ:e: ge:lɑ:ɦə. e:kət̪əkə ɳɦia:rət̪ə g̃əga:d̪ʰərə
 kē: ɦət̪ʰɑ:t̪ e:kə məɦia:t̪ma: dʒi: ma:t̪ʰət̪o:ki a:ɦisə d̪əit̪ə
 ʃəst̪o:ʃə d̪əit̪ə tʃʰəiɳə- dʒɑ:u: ɦiɳəkə g̃əga:lɑ:bʰə ʃə
 ʃədgət̪i ʃəbəst̪ə ɳi:kə bʰe:ləɳu. ʃəikət̪ō: v̪rid̪d̪ʰɑ:frəməkə
 lo:kəme: i: dʒ̃əɳət̪əbə pəro:kʃərupē: ɦio:i: ʃə pəɦile:
 ,v̪ikʃipt̪ə ma:likə kē: e:kəme:və ut̪ərə:d̪ɦika:ri: ɳɑ:t̪i:ɳə
 d̪i:pɑ:kə mo:t̪ərə d̪urgʰət̪əɳɑ: mē: d̪ukʰəd̪ə ət̪ə bʰe:lə
 tʃʰələikə. a:dʒukə juvɑ:vərgə vɑ: p̪rəuɾə əpəɳə
 bʰɑ:vəb̃əgima:kə s̪mit̪ɑ: dʒ̃əɳudʒɑ:t̪ə ɦia:t̪ʰe: bəɳɦək̪i
 rɑ:kʰi, dʒ̃əɳməd̪ɑ:t̪ɑ: kē: ko:ɳɑ: a:pətt̪idʒ̃əɳəkə
 v̪jəvəɦia:rə kərəit̪ə ət̪ʰi; ʃe: ʃud̪d̪ɑ:rɑ:t̪məkə ʃəde:ʃə
 mət̪ɦili: ʃɑ:ɦit̪jə a:ɳd̪o:ləɳə ʃə mi:frə dʒi: upəɳjɑ:ʃə
 gədl̪i.ke: d̪e:ləɳu!ɦəmə ɦiɳəkə ɦia:rd̪ikə əbʰiɳəɳd̪əɳə
 kərəit̪ə tʃʰi:ɳəiɳə.

3

kəv̪vərə bəd̪ri:ɳɑ:t̪ʰə rɑ:jə dʒi:kə ma:d̪e:

kəvʊvərə bədʁi:ŋɑ:tʰə rɑ:jə " əmɑ:tʃjə" dʒi:ke: pã:tʃjə
dərɔdʒəŋə kɑ:vjəke: mətʰili: pɔ:tʰi: " tətəkɑ:
ge:jɑ:tətʃməkə kəvʊtɑ:" mē: e:ke: ʃi:ʃəkə ' ge:jɑ:tətʃməkə
ŋəvə kəvʊtɑ: ' ʃə ərdʰdʃətəkə dʰəri de:kʰələũ_pədʰələuɦə.
ʃri:rɑ:jə dʒi:kə kəvʊtɑ: vəstʊtə: mətʃi:jə - ge:jɑ:tətʃməkə
budʒʰɑ:itʰə. mɪtʰilɑ:kə kɪtʰu gi:təkɑ:rə əpəŋɑ:
ədɑ:dʒəme: e:ɦime: ʃə gəuŋe: tʰətʰi. ɦiŋəkə kɑ:vjə
rətʃəŋɑ: ətʃəŋtə ʃəuʃtʰəvə bʰe:lə tʰəŋɦi. prəstʊtə pɔ:tʰi:
'tətəkɑ: ge:jɑ:tətʃməkə kəvʊtɑ: ' ʃəgrəɦime: bʰɑ:vəkə
əvɪrələ a:ɔ:rə ədʒəstʃrədʰɑ:rɑ: prəvɑ:ɦitə bʰe:lə jə. kələ:ke:
vɪtʃɑ:rə bʰɑ:və ŋəjəkɑ: a: məulɪkə dʃi:ʃi:ɡətə ɦio:i:tʰə.
ɦiŋəkə kəvʊtɑ: kē: ʃəmpuʃtɪ dətə əŋe:ko: kəvɪdʒəŋəkə:
ləgʰu a: dʃi:rgʰɑ:kɑ:rə kəvʊtɑ: ʃə mu:ləbʰu:tə tʃləŋɑ:
kəjələ dʒɑ: ʃəkəitʰə. e:ke: ʃi:ʃəkə ʃə dʃi:rgʰə ətʰəvɑ: kʰədə
kɑ:vjə əŋe:kō: kəvɪdʒi:kə tʰəŋɦi,pəʃtʃjə ʃɑ:ɦitʃjə
əkɑ:dəmi: purəʃkɑ:rə vɪdʒe:tɑ: prɔ:pʰe:ʃərə (dɑ:0) ɪŋdʃrə
kɑ:ŋtə dʒʰɑ: dʒi:kə kətʃe:ko: kəvʊtɑ:kə ʃi:ʃəkə 'kə ŋɑ:u:
e:ke: tʰəŋɦi. mudɑ: tɑ:ɦu: ʃə dʃu: de:gə a:ro: a:gu: bədʰi
ɦiŋəkə bʰe:lə ətʰi. pɑ:tʰəkə kē: vɪvɪdʰə ʃi:ʃəkə ʃə kəvʊtɑ:
pədʰəɦjə me: a:ɔ:tə , dʒɑ:ɦime: rəʃə ələkɑ:rə a: tʰədʃ
lɑ:ɦitʃjə budʒʰɑ:e:tə. e:ɦi pɔ:tʰi:ke: ɦɑ:tʰə ləge:bɑ:kə
mɑ:ŋe: bʰe:lə dʒe: a:dʒə:upərə:ŋtə ʃi:ɡʰre: pədʰəɦjə
bɪŋɑ: ruki ŋəi ʃəkəitə tʰi:. e:ɦi ŋɦitʃɑ:itʰə vərə:ŋjə
ʃɑ:ɦitʃjəkɑ:rə ʃri: ŋəŋdə bɪlɑ:ʃə rɑ:jə dʒi:kə
ʃəmi:kʃɑ:tʃməkə tətʃjə ʃe:ɦo: puʃtɪ kəʃətə tʰəɦkə. ʃvəjə
bədʁi:ŋɑ:tʰə bɑ:bu: əpəŋə əbʰimətə ʃə kəvʊtɑ:kə rətʃəŋɑ:
ʃədʃəbʰə mē: ʃə:go:pã:gə vjɑ:kʰjɑ: kəjəŋəɦi tʰətʰi .tɑ:ɦi
ʃə pɑ:tʰəkəvərgə kē: kəvʊtɑ:kə rɔ:tʃəkətɑ: ʃe:ɦo:
ʃəɦe:dʒē: bu:dʒʰime: a:bɪ dʒɑ:e:tə. ʃəməʃɑ:məjɪkə

विसृज्य परं पार्त्तु गृह्णति राजद्विः नृमग्नं बह' गबर्त्तु
 त्प्रहृत्तु. जत्तः पार्त्तु देःकहलं द्वाः :-
 पाःलकं परंमं कर्त्तुःरं बहेःलं अत्तु,
 मुद्गाः विकाःशकं जोःरं बहेःलं अत्तु.
 अर्णः राःनृहलं त्तिःत्तुः मन्तु ,
 नृःनृगंरं करुःगंरं द्वाःरं बहेःलं अत्तु..
 मित्तुःलाःकं स्रमृद्दत्तु त्कहंणः होःएःत्तु द्वांनृणं एःत्तुकाः
 स्रवृहःराः वृगं 'कं लोःकंकेः बेःरोःद्वांगःरिः क्कहंत्तु
 होःजं :-
 हकंणं कंणं_रेः मित्तुःलाः द्दहंरंत्तुः ,
 द्वांनृणंमाःनृस्रं लाःत्तुःरं बहृत्तु त्प्रहृत्तु .
 बाःउ विकाःजं विलंबं द्वांनृणं कंरंजं ,
 क्हाःलिः हाःत्तुं बेःकाःरं बहृत्तु त्प्रहृत्तु..
 मित्तुःलाःमेः मत्तुःहृत्तुः'कं नृःमं परं कित्तुं द्वांरंद्वांगं
 अर्णः वृगं अः द्वाःत्तु'कं नृहृत्तु , वृगं बृत्तु परंवाःहं
 कंजंणः अर्णं गोःत्तुजाः अः गोःद्दत्तुजाःपंनृकं त्जलाःकिः स्रं एःकं
 गुत्तुं त्हाःदहं केःणः त्प्रहृत्तुकाःत्तुःहृत्तु वृत्तुत्तुवृत्तुःद्विः स्रंस्क्रित्तु
 परं वृजं कंरंत्तु कंरं पार्त्तु लिकंणः त्प्रहृत्तु - :
 माःलाः मत्तुत्तु माःकंमेः मित्तुःलाः,
 माःत्तुंमेः त्जःहिः लंकाः पाःगं .
 अःबं सुद्दहंरं द्वाः नृलंद्वांद्वाः त्तुः ,
 गत्तुं गत्तुं लंलं द्वाःगं ..
 मत्तुत्तु- माःकं- माःलाः पंरं क्हुःबं नृत्तुःराःत्तुं, जंस्वः
 बंरंत्तुं, द्विःपंकेः इःद्वाःत्तुं पंसाःरंबाःकं अःकंरंशकं पेःनृः
 देःकहः त्तुं अंनृहःरेः अः हंनृहःकाःरेः केःणः त्प्रहृत्तु . स्रं
 वृत्तुत्तुगंत्तुः द्वाःवृणंमेः कंणःकं जं जं बंत्तुःरंणः
 रंनृणंजं मंनृकंहंत्तुः हंरंत्तु! त्तुं कंरं कंत्तुःकं कंरंत्तु इः
 पार्त्तु देःलंनृ - :
 लाःत्तुं क्हाःत्तुंमेः उंमंरं बृत्तुं त्प्रहृत्तु
 गाःरिं सुंनृत्तुंमेः पंकंलं केःस्रं .

kəreɪtə tʃʰətʰɪ. jətʰe:stə pədʰələ- lɪkʰələ a: əpʰəsʌərə bəŋələ
mɪtʰɪla:kə be:tɑ: dʒe: ʃəhərə ŋəgərəme: rəhɪ pəɪgʰətʰə
dʒʰa:tʰətʰə tʃʰətʰɪ ʃe: a:bə ga:mə gʰərəkə məɪtʰɪlə ʃəŋə
məɪtʰɪli: bədʒəŋɦa:rə ŋəɦɪ tʃʰətʰɪ.o: a:bə əpəŋə
pəɪba:rɪkə dʰɪja:putɑ: ʃə ʌgərə:dʒɪ:je: hɪŋdʒɪ:me:
va:rʈɑ:lɑ:pə kərəɪtə əpəŋɑ: kē: ʃre:stʰə budʒʰətʰɪ a:
mɪtʰɪla: mətʃə pərə məɪtʰɪli: le:lə ŋo:rə bəɦəbətʰə rəgələ
ŋəɦɪja: bəŋələ d̪e:kʰa:i:tʰə,ʃe: əɪ pɑ:tʰɪme: ʃpəstə
ləukəɪtə jə -:

mā: məɪtʰɪli: hāmərə: kəɦələŋɪ -
dʒe: putʰə tʃʰətʰɪ pədʰələ - lɪkʰələ ŋəŋɪ,
kʰu:be: o: d̪e:ləŋɪ ʃəmma:ŋə .
pu:tʰə hāmərə dʒe: pədʰələ lɪkʰələ tʃʰətʰɪ ,
mā: ŋəjə bu:dʒʰələŋə_I , budʒʰələŋɪ a:ŋə..
məɪtʰɪli: ʃa:hɪtʃə a:ŋd̪o:ləŋə mē: hɪŋəkə jo:gəda:ŋə le:lə
hāmə əbʰɪbʰu:tʰə tʃʰɪ:. d̪ɪvʃə - d̪ɪstɪ məɪtʰɪli: bʰa:ʃa:
po:tʰɪ:me: ʃe:ɦo: hɪŋəkə ka:vʃəke: tʃəɪtʃɪ: hāmə kəjəŋe:
rəɦɪ: ; ʃe:ɦo: hɪŋəkə dʒəŋməd̪ɪŋə 'ke: ʃuəvəʃərə pərə.
ɪtʰu:..

əpəŋə
mətʃəvʃə editorial.staff.videhə@gmail.com pərə
pəɦɑ:u.

3.10. pəɾəma:ŋəŋdə la:lə kəŋə- gi:tə: ma:fi:tɕmjə

pəɾəma:ŋəŋdə la:lə kəŋə- gi:tə: ma:fi:tɕmjə



प्रबिचय

जन्म तिथि - ३०.०१.१९७०

नाम - परमानन्दनान कर्ण

पिता - स्व० परशुराम नान कर्ण

पता - ग्राम - घोघसर

पो० - रिरौन

जिला - दरभंगा

पिनकोड - ८४१२०३

योग्यता - स्नातक - अर्थशास्त्र मैथिली

स्नातकोत्तर - अर्थशास्त्र

सी०७० - स्वात० - स्वात० - सी०

काम - सेवानिर्वात, प्रबन्धक

सेन्ट्रल बैंक अफ इण्डिया

जामेन - karupnl@gmail.com

फोन नं० - ९३११११९७७३

৯

আদৰ্শীয় সম্পাদক গণ

বিদেহ

সপ্ৰেম নমন

হুম অৱশ্যেই আপুনিৰ চীৰে অহা
বিদেহ পাক্ষিক পত্ৰিকা লেজেট চী।
সেৱানিচৃষ্টিক উপহাস কিছু আধ্যা-
মিক পোখী পৰোক জাছা লেন।
তিৰঙ্কতা মে একৰ অলম মহস্বস
লেন। তহন হুম কিছু সংকনন
কৰৱাক প্ৰয়াস কখনক অচিজে
নিম্বৱ ২ অচি।

১. জিৱ স্মৃতি সংকনন-

স্মৃতিসং-৪১.-মহাপ্ৰবাল সঁ

ভাষা- সংস্কৃত মূন শ্লোক

নিব- দেৱনাগৰী, তিৰঙ্কতা

२. शिरसहस्रनाम-

शिरसहस्रनाम सं संकलित

भाषा - संस्कृत मून श्लोक

मैथिली मे नाम

निष्ठा - तिरहुत

३. श्रीमद्भगवद्गीता-

भाषा - संस्कृत मून श्लोक

निष्ठा - तिरहुत

४. श्रीगणेशगीता-

कूर्मपुराण सं

भाषा - संस्कृत मून श्लोक

श्रीका - मैथिली

निष्ठा - देरनागरी

तिरहुत

৩. শ্ৰী শ্ৰী গীতা

পদ্মপ্ৰবাল উত্তর খন্ড

ভাষা - সংস্কৃত মূল শ্লোক

শীকা - মেথিনী

নিষ্টি - তিব্বত

উক্ত সংকলন সূহসু নিখিত কখন
গেন অছি। মুদা নিম্ন সুবক কনম
সঁ নিখরাক কারলে কাপীক তংক
নেপা গেন অছি।

সংগ্ৰ গীতা মাঠাম্যেক পহিন
অধ্যায় পদ্মপ্ৰবাল উত্তর খন্ড
অধ্যায় ১১৫ পর আধ্বাৰীত অছি।
প্ৰয়াস কখন গেন অছি জে গনতী
নহি হোয় মুদা গনতীক সংলারনা
অছি তাহি নেন ফ্ৰমা পাৰ্থী।
একর স্থান বিদেহ মে দেৱাক

आग्रह अछि। हम अपनक सदिखन
आलारी बहर।

हम एकर प्रकाशनक लेल कतकु
बति देनक अछि।

सादर

अपनक

परमानन्द नानकर्ण

दिनांक हार सुकाम - बुजबु बहुर

२८.०७.२०२३ १३११११११११११

बोर्ड - आनोचना र समानोचना

हमर जामेन प्रता

karmpni@gmail.com पर लेखरक

कर्थ कर ।

শ্রী গণেশায় নমঃ



পঠিন অধ্যায়

পার্বতী জী কঠনখিন-ভগবন শ্রুত
সর তত্বক জাজ ছী অপ্রনেক ছপা
সঁ তমবা শ্রী বিষ্ণু সঁ সম্বন্ধীত কতকো
ধর্ম সুনরাক মিনন জে সর নোকক
উদ্ধার করহরানা অছি। দেবেশ্ব স্বার
তম গীতক মহাম্যে সুনই চাহেত ছী
জেকবা সুননা সঁ শ্রী হরি মে ভজি
রঠেত অছি।

মহাদেব কঠনখিন- জিনকর শ্রীবিষ্ণু
শ্রনসীক য়ে সন শ্র্যায়রূর্ণ অছি।

পঞ্চীবাজ গরুড় জিনকর রাহন অছি
জে অপ্রন মহিমা সঁ কখনই ছুত
নহি হোয়ত ছথি আশ্রেষনাগক অথা
পর শ্রয়ন করেত ছথি তাহি ভগবান
মহারিষ্ণুক তম উপাসনা করেত ছী।

এক বৈবিক রাত অচি মূৰ দৈৱক
 নামক ভগৱান ৱিকু শ্বেৰনাগক
 ৰমণীৰ আসন পৰ সখপূৰ্ক ৱিকাজ
 মান চনাহ। তখন সৰ নোকক
 প্ৰানন্দ প্ৰদাতা ভগৱতী নক্ষী
 প্ৰাদৰপূৰ্ক প্ৰদা কেনথিন।
 শ্ৰী নক্ষী জী প্ৰচনথিন-ভগৱন.
 অহা সৰ জগৎক পানন কৰেত
 অগ্নন ঐশ্বৰ্যক প্ৰতি উদাসীন ভৱ
 ঐশি শ্ৰীৰসাগৰ যে নীদি নহৰহন
 ছী তকৰ কৌমকাৰল অচি।
 শ্ৰী ভগৱন কহনথিন-স্বস্থি। অম
 নীন নাহি নেত ছী। অগ্নিত ত্বক
 অগ্নসৰল কৰহরানা অগ্নি হিষ্টি সঁ
 অগ্নন মাহেশ্বৰ তেজক সাংগাকোৰ
 কহৰহন ছী। দেৱি জাৰণহ তেজ

अष्टि जेकरा योगी प्रकष लङ्गाग्र
 दुहि सँ अपन अनुकषण मे दर्शन
 करैत छी आ जेकरा शिवांसक रिशान
 रैदक सार अनु निश्चित करैत अछि।
 उ माहेन्द्र तेज एक अजर प्रकाश
 सुकष, आत्मकष, रोग-शोक सं बहित
 अखण्ड आनन्दक प्रकृ, निरीह आ
 रैत बहित अछि। एहि जगत्क जीवन
 उकरे अधीन अछि। हम उकरे अनुभूत
 करैत छी। देहेन्द्र विज्ञान करण अछि
 जे हम अहाँ केँ सतत दुःखारत छी
 श्री नक्षत्री जी कहैथिन- कृषीकेन्द्र अहाँ
 योगी प्रकषक प्रेर छी। अहाँक छोडि
 दोसर कोनो ध्यान करैक योग्य
 उनु सोरो अछि। जानि हमरा रू
 (अक्षर) को रहैत लह रहैत अछि। अहाँ

सर्वसमर्थ छी। एहि स्थिति मे सेहो
जो अहां उहि परम तइ सँ भिन्न छी
तहन हमरा उकर रोष कबाड।
श्रीलग्नान कहनि- प्रियो आभोस
सुकष द्वैत आ अद्वैत सँ अलग,
लार आ अलार सँ मुज आउर
आदिर अणु सँ बहित अछि।
झरु जानक प्रकाश सँ उपनष्ट आ
परमानन्दसुकष लेनाक कारणे
एक मात्र सुन्दर अछि। जेह हमर
जम्बरीय रूप अछि। आभोक एकय
सबहक जानक योग्य अछि। गीत
झासु मे एकर प्रतिपादन लेन
अछि।

अमितजसूरी लग्नान रिशुक
जराचन सनि श्री नरेश्वरी देवी शंका



কৰেত কঠনখিন-ভগৱন, অপ্ননেক
স্বৰূপ সূৰ্য পৰমানন্দময় আওৰ মন-
ৰাশীক পঙ্কচ সঁৱাহৰ অৰ্ছি তহন
গীতা কোনা ওকৰ ৰোধ কৰাৰেত
অৰ্ছি। তমৰ এহি সন্দেহ কেঁ অহাঁ হৰ
কৰ।

শ্ৰী ভগৱান কঠনখিন: সন্দৰি স্বৰূ. তম
গীতা মে অপ্নন স্থিতিক ৰল্লন কৰেত
চি। কুমৰ: পাঁচ অধ্যায় কেঁ অহাঁ মূহ
দক্ষ অধ্যায় কেঁ দক্ষ ভুজা, এক অধ্যায়
কেঁ উদৰ আ দু অধ্যায় কেঁ চৰণ কমন
কেঁ কপ মে জানু। এহি প্ৰকাৰ অৰ্ছিৰ,
অধ্যায় কেঁ ৰাংগমৰী জগ্ৰবীৰ মুৰ্তি
সম স্কক চাহী। জ জানমাৰ সঁ যহন
পাতক কেঁ ৰাদ্ধ কৰহঁৱানা অৰ্ছি।
জে উত্তম চুফিয়ত প্ৰকৰ গীতাক এক

र आधा अधार, वरु आधा र
 चोधाडा धोकरु सर दिन सुत्र्यास
 करेउ आठि उ सुधर्मा जका मुज
 लइ जायउ आठि ।

श्री नरसी जी प्रछनथिन- हे देर
 सुधर्मा के छनथिन, कौन जाति के
 छनाह आ कौन कारण सँ कनका
 मुजि लेनेन ?

श्री भगवान कहनथिन- प्रिये, सुधर्म
 रुउ छोरु छुहिके मानुअ छनाह ।
 पापी नोकनिकक नेन उउ उ
 श्रिबोमलि छनेथा कनकर जन्म
 रैदिक ज्ञान सँ धुनु आ कुरतपु
 कर्म करइराना ट्राफल अन मे
 लेन छनेन । उअहि उउ प्र्यान
 करेउ छनथिन आ नहि उउ जप



নহি তহু হোম কৰেত চনখিন আ
 নহি তহু শুভিখী নোকনিকক সফোৰা
 ও নম্পৰ্থ লৈনাক কাৰণ সদিখন পিকক
 সেরন মে আসজ বহেত চনাহ। হব
 জোতেত আ পাত বেটি কেঁ জীপিকা
 চনাবেত চনাহ। ও মদিৰা পান ব
 মাওস সেহো লক্ষণ কৰেত চনাহ।
 এহি প্ৰকাৰ ও অুপন জীৱনকানক বেসী
 সময় চ্যতীত কহ দেনখিন। এক দিন
 মূৰে চুফি সূক্ষমা পাতকনেন কোনো
 ধূবিক ব্যৰ্থিকা মে ঘূমি বহন চনাহ।
~~ক~~ তখনহি কানকপ ধাৰী কাৰী
 সাঁপ কনকা ঠাঁসি নেনকেনি। সূক্ষমৰ্শি
 মূৰু লহু গেন। তদনতুৰ ও কতেকো
 নৰকক যাতনা লোগি মূৰু নোক মে
 য়েৰি এনাহ আ এহি ঠাম ৰোম।

दोस्रो बाना रैन लेनाह। तखन
 कोनो अंग अपनो आवासकनेन
 उकरा खरीद नेनका रैन अपनो
 पीठ पर अंगक लार उठातेत तह
 कर्ष सँ सात आठ ररथ रिजना। एक
 दिन अंग कोनो उँच मान पर
 रेसी कान तेज सँ रैन केँ घुमेन-
 थिन। जाहि सँ थकि केँ पृथ्वी पर
 थसि मुर्छित लइ गेनाह। तखन
 उहि ठाम लहुरनरथ आछरुर्ष लइ
 कतेको नोकनि जमा लइ गेन।
 उहि जनसमुदाय मे कोनो अल्यारे
 रैनक कन्यालकनेन अपन अल्य
 दान केनथिन। उकर बाद दोसर
 दोसर नोकनि सेहो अपन-अपन
 अल्यकेँ सोचि कनका नेन दान

কেনথিন। ওহি ভীত মে এক গোট
 রেখ্যা সেহো ঠাট চনথিন। কনকা
 অমন প্ৰত্যক পতা নহি চনেন জৈয়া
 সব নোকনি কেঁ দেখা-দেখী বৈনক
 নেন কিছ ন্যগ কেনথিন।

তদনপুৰ যমৰাজক ছত মৰন প্ৰাণী
 কেঁ পহিনে যমপুৰী নঃগেনথিন। ওহি
 ঠাম বিচাৰ কখন গেন জে জা রেখ্যাক
 দেন গেন প্ৰত্যক সঁ প্ৰত্যকান লঃগেন
 অছি তেঁ কনকা ছোতি দেন গেন। য়েবি
 ও নুনোক মে উত্তম লন স্ৰা ধীনয়জ
 ঠাফলক ঘৰ মে জন্ম নেনাহ। তখনক
 কনকা অমন পূৰ্জন্মক রাত স্মৰণ
 মে চনেন। কিছ দিনক রাদ অমন
 অজান কেঁ দুৰ কৰাক নেন কন্যল
 তবুক জিভাস লঃ ও রেখ্যা নঃগেনথি

आ दानक रात रतनावेत कृष्णा
 सँ प्रचनथिन-अहाँ कोन प्ल्य दान
 केने छनऊँ ? रेख्या उठर देनथिन-
 पिंजरा मे रिसन तोत स्र दिन
 किछु पढेत छन जाहि सँ हमर अनु-
 कर्ष परित्र लइ गेल । तकब प्ल्य
 हम दान केने छनऊँ । तकब रादउ
 इत्र तोत सँ प्रचनथिन । तहन
 तोत अपन पूर्वजन्मक स्मरणक
 प्रबान कहानी कहनथिन ।
 छक कहनथिन-पूर्वजन्म मे हम
 रिद्वान लइ रिद्वक अलिमान सँसो
 त बहेत छनऊँ । हमरा मेवाग-हेष
 तके रदि गेल छन जे हम ग्लरर
 रिद्वानक प्रति सेहो ठाष्या लार
 बात्राइ नागनऊँ । मेरि समयानसार

হমৰ মূন্যু ভাগেন আ হম কতেকো
 ঘৃণিত নোক মে ভৰ্থকেত বহনক।
 তকৰ বাদ এহি নোক মে অংনক। সদ-
 গ্ৰকক বিন্দাক কাৰণ তেতক লন মে
 হমৰ জন্ম লেন। পাপী লেনাক কাৰনে
 ছোৰ্থ অৱস্থামে হমৰ মাৰ সাঁপ সঁ
 বিযোগ ভাগেন। এক দিন হম গৰমকি
 সময় মে ধীপন বাসু পৰ গিৰন চনক।
 ওহি ঠাম সঁ কিছ প্লেৰ্থ মূনি নোকনি
 ওঠা কেঁ মহামো নোকনিকক আধ্ৰম মে
 এক পিঁজৰা মে বাখি দেনখিন। ওহি
 ঠাম হমৰা পৰাওন গেন। ষ্ঠি নোকনিক
 বানক রুঁ আদৰ সঁ গীতক পহিন
 অধ্যায়ক আচুটি কৰেত চনাহ। কনকে
 সঁ মূনি হম সেহো ৰেৰি-ৰেৰি পাৰ্চ কৰহ
 নাগনক। এহি মধ্য এক রুঁহে নিখা হমৰ

३

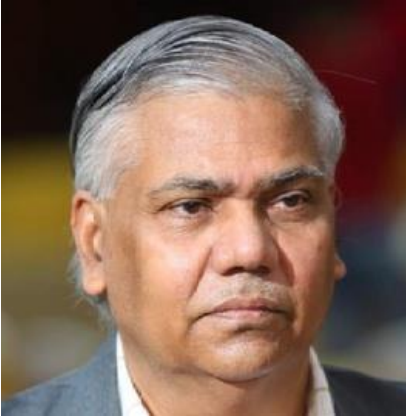
चोरा के रोचि देनथि। तहन जादेरी
 हमरा खरीद नैनथिन। जणह हमर
 छुटानु अछि। जे अहाँ सरके रतेनऊ
 अछि। पूरकान मे हम एहि पहिन
 अप्पयक अन्त्यास केने छनऊ जाहि
 सँ हम अपन पाप के दूर कउनऊ
 अछि। ओहि सँ एहि रक्षक अनुःकरना
 सेहो झरु भेल अछि। उकरे पन्थसँ
 द्विजधर्म सधर्मा सेहो पापमुज भः
 गेनाह।

एहि प्रकार आपस मे रातचित
 करेत आ गीतक पहिन अप्पयक
 माहात्म्यक प्रशंसा कर तीनु अपन
 अपना घर पर गीतक अन्त्यास
 करः नगनाह। येरि ज्ञान प्राप्पुकः
 उ मुज भः गेनाह। ॐ जे केउ

4. pədjə kʰəŋdʌ

4.1. ra:dʒi kɪʃo:rə mɪʃrə-tʃiʈa:-pʰikɪrə

4.1.ra:dʒə kɪʃo:rə mɪʃrə-tʃɪtɑ:-pʰɪkɪrə



ra:dʒə kɪʃo:rə mɪʃrə, rɪtɑ:jərdə tʃɪ:pʰə dʒe:ɳəɾələ
mənɛ:dʒərə (i:), bi:.e:ʃə.e:ɳə.e:lə.(mukʰja:ləjə),
dʒɪlli:,gɑ:mə- əre:rə dʒi:hə, po:. əre:rə hɑ:tə,
mədʰubəɳj:

tʃɪtɑ:-pʰɪkɪrə

tʃɪ ɳtɑ: -gɑ: tʃʰə pərə ki: pʰəɾətʃə ətʃʰɪ ?
dərʰə, əɳɪ ʃɪʃəjə, ʃəʃəjə,
ɳɑ: tʃə kərətʃʰə mo: ɳə, gʰɪ rəɳj: ʃəɳə,
bətʃələ o:kərə ke:ɳdʒə me: ,bʰəjə .

ki: hɪo: ɪtə tʃʰəɪkə pəri ɳɑ: mə e:kərə?
kəɦu:, kərətʃəɪkə ki: dərə: e:lə mo: ɳə?
əpəɳə bəʃlə hɑ: rələ pəɦɪ ɳe: ʃə ,
tɪ ɳəɦɑ: bʰe:ʃlə dʒɑ: ɪtə ətʃʰɪ ʃo: ɳə.

utʃa: hi- urdʒa: ke: suɾəkəitʃə ətʃi ?
ʃi hi ko: na: nətʃi a: bənətʃə ətʃi ?

mo: nəkə ʃo: ni tʃə, pi: dʒa: itʃə ətʃi tʃi nʃa: ,
pətʃiətʃe:tʃa: ,dʒe: nəhi ʃətʃu ke: tʃi nʃitʃa: .

ənətʃi nʃi: rə bʰəvi ʃjə le:lə,
dʒe: ətʃi e:kʰənə rəʃte: me: ,
məŋəgətʰənʃə ba: tʃə o:kəra: dʒəʃ,
o:dʒʰəra: dʒitʃə ətʃi , ʃəʃte: me: .

əpənə tʃəʃ ətʃi vətʃəma: nʃə,
ki e: ʃo: tʃi: ,ke:hi:nə bʰəvi ʃjə?
pəhi nʃe: ʃi ki e: dʒi kəʃ bəiʃu: ,
dʒe: a:bə ba: la: ətʃi dʒiʃjə.

dʒe: a:e:lə nəhi ,ki e: o:tʃe: ma: nʃəda: nʃə?
a: , ni ʃkri jə bʰəʃ rəhiəo: vətʃəma: nʃə.

ʃəktʃi kə ʃo: ni tʃə pi: bi dʒa: itʃə ətʃi ,
mo: nʃə me: pəiʃələ tʃi nʃa: ,
bi na: tʃe:lə ke: dʒiətʃə nʃe: tʃe:mi: ,
e:hi ba: tʃəkə ki e:kə tʃiəgunʃtʃa: ?

ke: budʃi a:rə əpənə gʰərə me: ,
bəʃa: o:tʃə ko: nʃo: pi ʃa: tʃi?
tʃi tʃa: dʒiətʃe: rəhiətʃə ,tʃi: o: tʃə nʃi ,
o: tʃəʃ nʃitʃi: o:tʃə na: tʃi.

dʒi: kə rəhiətʃiə tʃiupətʃi: pə ʃəʃələ,

mudā: ,pi: bI rāhālā nāhī aṭṭhī o: kḥu:nā?
be:ka: rā bānā: dāitā aṭṭhī o:hi ke: ,
pākāṭi lāitā aṭṭhī dā: hi me: gḥunā.

ṭṭi nṭā: nāhī kākāro: ki ṭṭu dē:lākā,
māgārā dāṭhī kālākā, o:kārā sḥabhā gunā,
dāṭkārā mā: ṭḥā me: bāṣṭi ge:lā dā: kāḥ ,
mānā me: o:kārā,bḥāṭi dē:lākā ,gunādḥunā.

ka: lāukā pḥī ki rā me: ge:lā a:ī,
dā: po: sḥālākā ṭṭi nṭā: ,ṭākāre: kḥā: ī.

dārālā vjāṭḥī ṭā a: ṭṭi nṭi ṭā mo: nā,
dā: ṭālā dāṭi nāgi: kā juddḥā ko: nā ?

hi: rālā mo: nā, hāra: o:ṭā kākāra: ?
ṭṭi nṭā: ,ṣāktī kā' kāe:lākā bākḥāra: .

o: nāhī ṭṭhī: ṭāṭā, āpānāhī ṭṭhī: ṭu: ,
mo: nākā ṭṭākārvju:hiā ke: ṭo: ṭu: .

ṭṭi nṭānā sḥā ,mo: nākā' sḥāma: dḥī ,
ṭṭi nṭā: dāitā aṭṭhī āgābe: a:dḥī .

dā: ṭṭhī bḥā: vi: , hi:be: kārāṭāi,
o: ṭāḥ/aṭṭhī dḥurva: rā,
ṭṭi nṭā: bḥārābā dāṭ mā: ṭḥā me: ,
ṭṭānākāṭā āpānā kāpa: rā.

ki o: ṭā: rī sḥākāṭṭhā dāṭ bḥā: vi: ke: ,

t̪əʃ, ke:ʋələ kərmə, puruʃa: r̪t̪hə,
unəʃa: ʃo: t̪ʃi d̪e:t̪ə n̪e: kəhi o: ,
ʃəu b̪h̪a: gjə, ki n̪i: kə pəd̪a: r̪t̪hə.

d̪ʒe:hi: kəʃ ʃəkəit̪ə t̪ʃhi: o:hi: kəʃh̪əməpi n̪e: kəʃ pa:
e:bə,
d̪ʒe: ʃəb̪h̪ə t̪ʃi n̪t̪a: -p̪hi ki rə ke: ,t̪ʃi: ŋgurə me: pəkəʃa:
e:bə .

p̪hi ki rə ʃi grəʃi t̪ə mo: n̪ə be:ma: rə ,
o: ki bəd̪ələt̪ə əpəŋə kəpa: rə?

t̪ʃi t̪a: - mukt̪ə ,o: ʃvəʃt̪h̪ə mo: n̪ə ,
ʃvəʃt̪h̪ə o:hi me: b̪h̪əʃt̪əi ut̪ʃa: hi,
t̪ʃiʃh̪ət̪ə o: un̪əʃt̪i kə ʃriŋgə pərə,
mo: n̪ə d̪ʒəkərə t̪ʃh̪ikə, ba: d̪əʃa: hi.

əpəŋə

m̪iʃt̪əʋjə editorial.staff.videhā@gmail.com pərə

pəʃh̪a:u.

5. ॐul॑g॒g॒k॑

1. vīde: hā i: -pəṭṛika: kə s̄əbʰəṭa: p̄ura: ṅṅə ʔkə Videhā e
journal's all old issues

2. məṭṛīli: p̄o: ṭṭi: d̄a: uṅṅəlo: d̄ə Maithīli Books Download

3. məṭṛīli: ɔd̄jjo: -vi: d̄jjo: kə s̄ṅkəlṅṅə Maithīli Audios-
Videos

4. məṭṛīli: ṣiṣu, bā:lə a: kiṣo:rə ṣa: hiṭṭjə Maithīli ChĀildren
Literature

5. vīde: hā ṣṭri: ko: ṅṅa:

6. vīde: hā i: -ləṅṅgə

7. vīde: hā ṣu: ṭṭṅa: s̄ṅpərkə ʔṅvə: ṣṅṅə (including Parallel
Literature in Maithīli and Videhā Maithīli Literature
Movement)

8. vīde: hā miṭṛīla: kə kʰo: d̄zə

9. vīde: hā miṭṛīla: rəṭṅṅə

१.विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search within Old Issues of Videha

<https://books.google.com/>

Videha Archive of Old Issues विदेह पुरान अंकक आर्काइव (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंकपर उपलब्ध अछि। All the old issues of Videha e journal are available for pdf download at the respective links below.

.....

[तिरहुता, नेवाड़ी आ कैथी फॉन्ट डाउनलोड Google's Noto Fonts project/ GitHub](#)

तिरहुता नोटो फॉन्ट	कैथी ओटीएफ	कैथी टीटीएफ	नेवाड़ी ओ.टी.एफ.	नेवाड़ी टी.टी.एफ.
--------------------	------------	-------------	------------------	-------------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download](#)

<https://malarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

.....

१

गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

विदेह-सदेह १-	
२५ www.videha.co.in	
विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५०	
सँ- मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ गद्य आ पद्यक एकटा समानान्तर संकलन	
देवनागरी	मिथिलाक्षर
विदेह१ सदेह:	विदेहतिरहुता १ सदेह :
विदेहसदेह: २ मैथिली प्रबन्ध-समालोचना-निबन्ध	विदेह: सदेह २ तिरहुता
विदेहसदेह: ३ मैथिली पद्य	विदेह: सदेह ३ तिरहुता
विदेहसदेह: ४ मैथिली कथा	विदेह: सदेह ४ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५]	विदेह: सदेह ५ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५२-संस्करण -]	विदेहसदेह :ह ५ संस्करणतिरहुता २-
विदेह मैथिली लघुकथा [विदेह सदेह ६]	विदेह: सदेह ६ तिरहुता
विदेह मैथिली पद्य [विदेह सदेह ७]	विदेह: सदेह ७ तिरहुता
विदेह मैथिली नाट्य उत्सव [विदेह सदेह ८]	विदेह: सदेह ८ तिरहुता
विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९]	विदेह: सदेह ९ तिरहुता
विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना [विदेह सदेह १०]	विदेह: सदेह १० तिरहुता
विदेह११ सदेह:	विदेहतिरहुता ११ सदेह :
विदेह१२ सदेह:	विदेहतिरहुता १२ सदेह :
विदेह१३ सदेह:	विदेहतिरहुता १३ सदेह :
विदेह१४ सदेह:	विदेहतिरहुता १४ सदेह :
विदेह१५ सदेह:	विदेहतिरहुता १५ सदेह :
विदेह१६ सदेह:	विदेहतिरहुता १६ सदेह :
विदेह१७ सदेह:	विदेहतिरहुता १७ सदेह :
विदेह१८ सदेह:	विदेहतिरहुता १८ सदेह :
विदेह१९ सदेह:	विदेहतिरहुता १९ सदेह :
विदेह२० सदेह:	विदेहतिरहुता २० सदेह :
विदेह२१ सदेह:	विदेहतिरहुता २१ सदेह :
विदेह२२ सदेह:	विदेहतिरहुता २२ सदेह :
विदेह२३ सदेह:	विदेहतिरहुता २३ सदेह :
विदेह२४ सदेह:	विदेहतिरहुता २४ सदेह :

विदेह:सदेह २५	विदेह: सदेह २५ तिरहुता
<p>विदेह-सदेह २६-</p> <p>३६ www.videha.co.in</p> <p>विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५०</p> <p>सँ- थीम आधारित</p> <p>मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ मूल आ अनूदित</p> <p>गद्य आ पद्यक</p> <p>एकटा समानान्तर संकलन</p>	
विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अरुण कुमार सिंह अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २६ तिरहुता
विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २७ तिरहुता
विदेह २८ सदेह:(अनूदित गद्य आ पद्य - १ अंक-३५० सँ)	विदेह: सदेह २८ तिरहुता
विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २९ तिरहुता
विदेह:सदेह ३० (स्कूल-कॉलेजक विद्यार्थी लेल- अंक १-३५० सँ)	विदेह:तिरहुता ३० सदेह :
विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३१ तिरहुता
विदेह:सदेह ३२ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-१- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३२ तिरहुता
विदेह:सदेह ३३ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-२- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३३ तिरहुता
विदेह:सदेह ३४ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-३- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३४ तिरहुता
विदेह:सदेह ३५ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-४- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३५ तिरहुता
विदेह:सदेह ३६ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-५- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३६ तिरहुता

.....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता परीक्षा लेल देखू:

विदेह:सदेह १७	विदेह:सदेह २१	विदेह:सदेह २३	विदेह:सदेह २६	विदेह:सदेह २९
विदेह:सदेह ३०	विदेह:सदेह ३२	विदेह:सदेह ३३	विदेह:सदेह ३४	विदेह:सदेह ३५

.....

२

विदेहक सभटा पुरान अंक (अंक १ सँ ३५४ आ आगाँ)

विदेहक अंक १-१४९ (देवनागरी, मिथिलाक्षर आ ब्रेलमे)

देवनागरी	मिथिलाक्षर	ब्रेल
Videha 01 01 08	Videha 01 01 08 Tirhuta	1
Videha 15 01 08	Videha 15 01 08 Tirhuta	2
Videha 01 02 08	Videha 01 02 08 Tirhuta	3
Videha 15 02 08	Videha 15 02 08 Tirhuta	4
Videha 01 03 08	Videha 01 03 08 Tirhuta	5
Videha_15_03_08	Videha_15_03_08_Tirhuta	6
Videha 01 04 2008	Videha 01 04 2008 Tirhuta	7
Videha 15 04 2008	Videha 15 04 2008 Tirhuta	8
Videha 01 05 2008	Videha 01 05 2008 Tirhuta	9
Videha 15 05 2008	Videha 15 05 2008 Tirhuta	10
Videha 01 06 2008	Videha 01 06 2008 Tirhuta	11
Videha 15 06 2008	Videha 15 06 2008 Tirhuta	12
Videha 01 07 2008	Videha 01 07 2008 Tirhuta	13
Videha 15 07 2008	Videha 15 07 2008 Tirhuta	14
Videha 01 08 2008	Videha 01 08 2008 Tirhuta	15
Videha 15 08 2008	Videha 15 08 2008 Tirhuta	16
Videha 01 09 2008	Videha 01 09 2008 Tirhuta	17
Videha 15 09 2008	Videha 15 09 2008 Tirhuta	18
Videha 01 10 2008	Videha 01 10 2008 Tirhuta	19
Videha 15 10 2008	Videha 15 10 2008 Tirhuta	20
Videha 01 11 2008	Videha 01 11 2008 Tirhuta	21
Videha 15 11 2008	Videha 15 11 2008 Tirhuta	22

Videha 01 12 2008	Videha 01 12 2008 Tirhuta	23
Videha 15 12 2008	Videha 15 12 2008 Tirhuta	24
Videha 01 01 2009	Videha 01 01 2009 Tirhuta	25
Videha 15 01 2009	Videha 15 01 2009 Tirhuta	26
Videha 01 02 2009	Videha 01 02 2009 Tirhuta	27
Videha 15 02 2009	Videha 15 02 2009 Tirhuta	28
Videha_01_03_2009	Videha_01_03_2009_Tirhuta	29
Videha 15 03 2009	Videha 15 03 2009 Tirhuta	30
Videha 01 04 2009	Videha 01 04 2009 Tirhuta	31
Videha 15 04 2009	Videha 15 04 2009 Tirhuta	32
Videha_01_05_2009	Videha_01_05_2009_Tirhuta	33
Videha 15 05 2009	Videha 15 05 2009 Tirhuta	34
Videha 01 06 2009	Videha 01 06 2009 Tirhuta	35
Videha 15 06 2009	Videha 15 06 2009 Tirhuta	36
Videha_01_07_2009	Videha_01_07_2009_Tirhuta	37
Videha 15 07 2009	Videha 15 07 2009 Tirhuta	38
videha 01 08 2009	videha 01 08 2009 tirhuta	39
videha 15 08 2009	videha 15 08 2009 tirhuta	40
videha 01 09 2009	videha 01 09 2009 tirhuta	41
videha 15 09 2009	videha 15 09 2009 tirhuta	42
videha 01 10 2009	videha 01 10 2009 tirhuta	43
videha 15 10 2009	videha 15 10 2009 tirhuta	44
videha 01 11 2009	videha 01 11 2009 tirhuta	45
videha 15 11 2009	videha 15 11 2009 tirhuta	46
videha 01 12 2009	videha 01 12 2009 tirhuta	47
videha 15 12 2009	videha 15 12 2009 tirhuta	48
videha 01 01 2010	videha 01 01 2010 tirhuta	49
videha 15 01 2010	videha 15 01 2010 tirhuta	50
videha 01 02 2010	videha 01 02 2010 tirhuta	51
videha 15 02 2010	videha 15 02 2010 tirhuta	52
videha 01 03 2010	videha 01 03 2010 tirhuta	53

videha 15 03 2010	videha 15 03 2010 tirhuta	54
videha 01 04 2010	videha 01 04 2010 tirhuta	55
videha 15 04 2010	videha 15 04 2010 tirhuta	56
videha 01 05 2010	videha 01 05 2010 tirhuta	57
videha 15 05 2010	videha 15 05 2010 tirhuta	58
videha 01 06 2010	videha 01 06 2010 tirhuta	59
videha 15 06 2010	videha 15 06 2010 tirhuta	60
videha 01 07 2010	videha 01 07 2010 tirhuta	61
videha 15 07 2010	videha 15 07 2010 tirhuta	62
videha 01 08 2010	videha 01 08 2010 tirhuta	63
videha 15 08 2010	videha 15 08 2010 tirhuta	64
videha 01 09 2010	videha 01 09 2010 tirhuta	65
videha 15 09 2010	videha 15 09 2010 tirhuta	66
videha 01 10 2010	videha 01 10 2010 tirhuta	67
videha 15 10 2010	videha 15 10 2010 tirhuta	68
videha 01 11 2010	videha 01 11 2010 tirhuta	69
videha 15 11 2010	videha 15 11 2010 tirhuta	70
videha 01 12 2010	videha 01 12 2010 tirhuta	71
videha 15 12 2010	videha 15 12 2010 tirhuta	72
videha 01 01 2011	videha 01 01 2011 tirhuta	73
videha 15 01 2011	videha 15 01 2011 tirhuta	74
videha 01 02 2011	videha 01 02 2011 tirhuta	75
videha 15 02 2011	videha 15 02 2011 tirhuta	76
videha 01 03 2011	videha 01 03 2011 tirhuta	77
videha 15 03 2011	videha 15 03 2011 tirhuta	78
videha 01 04 2011	videha 01 04 2011 tirhuta	79
videha 15 04 2011	videha 15 04 2011 tirhuta	80
videha 01 05 2011	videha 01 05 2011 tirhuta	81
videha 15 05 2011	videha 15 05 2011 tirhuta	82
videha 01 06 2011	videha 01 06 2011 tirhuta	83
videha 15 06 2011	videha 15 06 2011 tirhuta	84

videha 01 07 2011	videha 01 07 2011 tirhuta	85
videha 15 07 2011	videha 15 07 2011 tirhuta	86
videha 01 08 2011	videha 01 08 2011 tirhuta	87
videha 15 08 2011	videha 15 08 2011 tirhuta	88
videha 01 09 2011	videha 01 09 2011 tirhuta	89
videha 15 09 2011	videha 15 09 2011 tirhuta	90
videha 01 10 2011	videha 01 10 2011 tirhuta	91
videha 15 10 2011	videha 15 10 2011 tirhuta	92
videha 01 11 2011	videha 01 11 2011 tirhuta	93
videha 15 11 2011	videha 15 11 2011 tirhuta	94
videha 01 12 2011	videha 01 12 2011 tirhuta	95
videha 15 12 2011	videha 15 12 2011 tirhuta	96
videha 01 01 2012	videha 01 01 2012 tirhuta	97
videha 15 01 2012	videha 15 01 2012 tirhuta	98
videha 01 02 2012	videha 01 02 2012 tirhuta	99
videha 15 02 2012	videha 15 02 2012 tirhuta	100
videha 01 03 2012	videha 01 03 2012 tirhuta	101
videha 15 03 2012	videha 15 03 2012 tirhuta	102
videha 01 04 2012	videha 01 04 2012 tirhuta	103
videha 15 04 2012	videha 15 04 2012 tirhuta	104
videha 01 05 2012	videha 01 05 2012 tirhuta	105
videha 15 05 2012	videha 15 05 2012 tirhuta	106
videha 01 06 2012	videha 01 06 2012 tirhuta	107
videha 15 06 2012	videha 15 06 2012 tirhuta	108
videha 01 07 2012	videha 01 07 2012 tirhuta	109
videha 15 07 2012	videha 15 07 2012 tirhuta	110
videha 01 08 2012	videha 01 08 2012 tirhuta	111
videha 15 08 2012	videha 15 08 2012 tirhuta	112
videha 01 09 2012	videha 01 09 2012 tirhuta	113
videha 15 09 2012	videha 15 09 2012 tirhuta	114
videha 01 10 2012	videha 01 10 2012 tirhuta	115

videha 15 10 2012	videha 15 10 2012 tirhuta	116
videha 01 11 2012	videha 01 11 2012 tirhuta	117
videha 15 11 2012	videha 15 11 2012 tirhuta	118
videha 01 12 2012	videha 01 12 2012 tirhuta	119
videha 15 12 2012	videha 15 12 2012 tirhuta	120
videha 01 01 2013	videha 01 01 2013 tirhuta	121
videha 15 01 2013	videha 15 01 2013 tirhuta	122
videha 01 02 2013	videha 01 02 2013 tirhuta	123
videha 15 02 2013	videha 15 02 2013 tirhuta	124
videha 01 03 2013	videha 01 03 2013 tirhuta	125
videha 15 03 2013	videha 15 03 2013 tirhuta	126
videha 01 04 2013	videha 01 04 2013 tirhuta	127
videha 15 04 2013	videha 15 04 2013 tirhuta	128
videha 01 05 2013	videha 01 05 2013 tirhuta	129
videha 15 05 2013	videha 15 05 2013 tirhuta	130
videha 01 06 2013	videha 01 06 2013 tirhuta	131
videha 15 06 2013	videha 15 06 2013 tirhuta	132
videha 01 07 2013	videha 01 07 2013 tirhuta	133
videha 15 07 2013	videha 15 07 2013 tirhuta	134
videha 01 08 2013	videha 01 08 2013 tirhuta	135
videha 15 08 2013	videha 15 08 2013 tirhuta	136
videha 01 09 2013	videha 01 09 2013 tirhuta	137
videha 15 09 2013	videha 15 09 2013 tirhuta	138
videha 01 10 2013	videha 01 10 2013 tirhuta	139
videha 15 10 2013	videha 15 10 2013 tirhuta	140
videha 01 11 2013	videha 01 11 2013 tirhuta	141
videha 15 11 2013	videha 15 11 2013 tirhuta	142
videha 01 12 2013	videha 01 12 2013 tirhuta	143
videha 15 12 2013	videha 15 12 2013 tirhuta	144
videha 01 01 2014	videha 01 01 2014 tirhuta	145
videha 15 01 2014	videha 15 01 2014 tirhuta	146

videha 01 02 2014	videha 01 02 2014 tirhuta	147
videha 15 02 2014	videha 15 02 2014 tirhuta	148
videha 01 03 2014	videha 01 03 2014 tirhuta	149

विदेहक अंक १५०३४४-

VIDEHA 150	VIDEHA 151	VIDEHA 152	VIDEHA 153	VIDEHA 154
VIDEHA 155	VIDEHA 156	VIDEHA 157	VIDEHA 158	VIDEHA 159
VIDEHA 160	VIDEHA 161	VIDEHA 162	VIDEHA 163	VIDEHA 164
VIDEHA 165	VIDEHA 166	VIDEHA 167	VIDEHA 168	VIDEHA 169
VIDEHA 170	VIDEHA 171	VIDEHA 172	VIDEHA 173	VIDEHA 174
VIDEHA 175	VIDEHA 176	VIDEHA 177	VIDEHA 178	VIDEHA 179
VIDEHA 180	VIDEHA 181	VIDEHA 182	VIDEHA 183	VIDEHA 184
VIDEHA 185	VIDEHA 186	VIDEHA 187	VIDEHA 188	VIDEHA 189
VIDEHA 190	VIDEHA 191	VIDEHA 192	VIDEHA 193	VIDEHA 194
VIDEHA 195	VIDEHA 196	VIDEHA 197	VIDEHA 198	VIDEHA 199
VIDEHA 200	VIDEHA 201	VIDEHA 202	VIDEHA 203	VIDEHA 204
VIDEHA 205	VIDEHA 206	VIDEHA 207	VIDEHA 208	VIDEHA 209
VIDEHA 210	VIDEHA 211	VIDEHA 212	VIDEHA 213	VIDEHA 214
VIDEHA 215	VIDEHA 216	VIDEHA 217	VIDEHA 218	VIDEHA 219
VIDEHA 220	VIDEHA 221	VIDEHA 222	VIDEHA 223	VIDEHA 224
VIDEHA 225	VIDEHA 226	VIDEHA 227	VIDEHA 228	VIDEHA 229
VIDEHA 230	VIDEHA 231	VIDEHA 232	VIDEHA 233	VIDEHA 234
VIDEHA 235	VIDEHA 236	VIDEHA 237	VIDEHA 238	VIDEHA 239
VIDEHA 240	VIDEHA 241	VIDEHA 242	VIDEHA 243	VIDEHA 244
VIDEHA 245	VIDEHA 246	VIDEHA 247	VIDEHA 248	VIDEHA 249
VIDEHA 250	VIDEHA 251	VIDEHA 252	VIDEHA 253	VIDEHA 254
VIDEHA 255	VIDEHA 256	VIDEHA 257	VIDEHA 258	VIDEHA 259
VIDEHA 260	VIDEHA 261	VIDEHA 262	VIDEHA 263	VIDEHA 264
VIDEHA 265	VIDEHA 266	VIDEHA 267	VIDEHA 268	VIDEHA 269
VIDEHA 270	VIDEHA 271	VIDEHA 272	VIDEHA 273	VIDEHA 274
VIDEHA 275	VIDEHA 276	VIDEHA 277	VIDEHA 278	VIDEHA 279
VIDEHA 280	VIDEHA 281	VIDEHA 282	VIDEHA 283	VIDEHA 284
VIDEHA 285	VIDEHA 286	VIDEHA 287	VIDEHA 288	VIDEHA 289
VIDEHA 290	VIDEHA 291	VIDEHA 292	VIDEHA 293	VIDEHA 294
VIDEHA 295	VIDEHA 296	VIDEHA 297	VIDEHA 298	VIDEHA 299
VIDEHA 300	VIDEHA 301	VIDEHA 302	VIDEHA 303	VIDEHA 304
VIDEHA 305	VIDEHA 306	VIDEHA 307	VIDEHA 308	VIDEHA 309

VIDEHA 310	VIDEHA 311	VIDEHA 312	VIDEHA 313	VIDEHA 314
VIDEHA 315	VIDEHA 316	VIDEHA 317	VIDEHA 318	VIDEHA 319
VIDEHA 320	VIDEHA 321	VIDEHA 322	VIDEHA 323	VIDEHA 324
VIDEHA 325	VIDEHA 326	VIDEHA 327	VIDEHA 328	VIDEHA 329
VIDEHA 330	VIDEHA 331	VIDEHA 332	VIDEHA 333	VIDEHA 334
VIDEHA 335	VIDEHA 336	VIDEHA 337	VIDEHA 338	VIDEHA 339
VIDEHA 340	VIDEHA 341	VIDEHA 342	VIDEHA 343	VIDEHA 344

विदेहक सभ अंक सम्बन्धी किछु आवश्यक पोथी/ जानकारी

Learn Maithili Sign Language- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर)

Learn Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn IPA through Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Braille through Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Tirhuta Offline Keyboard download

Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download

Learn Kaithi- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

कैथी लिपि (मैथिली साहित्य संस्थान डाउनलोड लिंक)

Learn Newari- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Calligraphic Newari (Ranjana)- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Urdu Script- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Tibetan Script- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Japanese Script for Haiku- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Brahmi- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Kharoshthi- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

स्थायी स्तम्भ जेना मिथिला-रत्न, मिथिलाक खोज, विदेह ई-लर्निङ्ग, विदेह स्त्री-कोना, विदेह पेटार (विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक; विदेह पोथी डाउनलोड; विदेह मैथिली ऑडियो-वीडियोक संकलन आ विदेह शिशु, बाल आ किशोर साहित्य) आ सूचना-संपर्क-अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement) सभ अंकमे समान अछि, तइ हेतु ई सभ स्तम्भ सभ अंकमे नै देल जाइत अछि, ई सभ स्तम्भ देखबा लेल क्लिक करू विदेहक ३४६ म, ३४७ म, ३६६ म आ ३७१ म अंक। ऐ चारू अंकमे सम्मिलित रूपेँ ई सभ स्तम्भ देल गेल अछि।

विदेहक ३४५म आ आगाँक अंक

देवनागरी	मिथिलाक्षर	आइ.ए.पी.	मैथिली ब्रेल
VIDEHA 345	VIDEHA 345 Tirhuta	VIDEHA 345 IPA	VIDEHA 345 Braille
VIDEHA 346	VIDEHA 346 Tirhuta	VIDEHA 346 IPA	VIDEHA 346 Braille
VIDEHA 347	VIDEHA 347 Tirhuta	VIDEHA 347 IPA	VIDEHA 347 Braille
VIDEHA 348	VIDEHA 348 Tirhuta	VIDEHA 348 IPA	VIDEHA 348 Braille
VIDEHA 349	VIDEHA 349 Tirhuta	VIDEHA 349 IPA	VIDEHA 349 Braille

देवनागरी	मिथिलाक्षर	आइ.ए.पी.	मैथिली ब्रेल	कैथी
VIDEHA 350	VIDEHA 350 Tirhuta	VIDEHA 350 IPA	VIDEHA 350 Braille	VIDEHA 350 KAITHI
VIDEHA 351	VIDEHA 351 Tirhuta	VIDEHA 351 IPA	VIDEHA 351 Braille	VIDEHA 351 KAITHI
VIDEHA 352	VIDEHA 352 Tirhuta	VIDEHA 352 IPA	VIDEHA 352 Braille	VIDEHA 352 KAITHI
VIDEHA 353	VIDEHA 353 Tirhuta	VIDEHA 353 IPA	VIDEHA 353 Braille	VIDEHA 353 KAITHI
VIDEHA 354	VIDEHA 354 Tirhuta	VIDEHA 354 IPA	VIDEHA 354 Braille	VIDEHA 354 KAITHI

नागरी	तिरहुता	आइपीए	ब्रेल	कैथी	रंजना	नेवाड़ी	खरोडी	ब्राह्मी
355	Tirhu	IPA	Brail	KAI	Ran	Newa	Kharo	Brahmi

नागरी	तिरहुता	कैथी	रंजना	प्रचलित	ब्राह्मी	IPA	ब्रेल	खरोडी	उर्दू	तिब्बती	तिब्बती-उमे
356	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	खरोडी	उर्दू	lib	Ume
357	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	खरोडी	उर्दू	lib	Ume

नागरी	तिरहुता	कैथी	रंजना	प्रचलित	ब्राह्मी	IPA	ब्रेल	तिब्बती	तिब्बती-उमे
358	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	lib	Ume
359	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	lib	Ume
360	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	lib	Ume

नागरी	तिरहुता	कैथी	नेवाड़ी	आइ.पी.ए.	ब्रेल
361	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
362	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
363	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
364	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
365	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
366	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
367	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
368	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
369	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
370	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille

३

विदेहक विशेषांक

१) हाइकू विशेषांक

Videha 15 06 2008	Videha 15 06 2008 Tirhuta	12
-------------------	---------------------------	----

२) गजल विशेषांक

Videha 01 11 2008	Videha 01 11 2008 Tirhuta	21
-------------------	---------------------------	----

३) विहनि कथा विशेषांक

videha 01 10 2010	videha 01 10 2010 tirhuta	67
-------------------	---------------------------	----

४) बाल साहित्य विशेषांक

videha 15 11 2010	videha 15 11 2010 tirhuta	70
-------------------	---------------------------	----

५) नाटक विशेषांक

videha 15 12 2010	videha 15 12 2010 tirhuta	72
-------------------	---------------------------	----

६) समीक्षा विशेषांक

videha 15 01 2011	videha 15 01 2011 tirhuta	74
-------------------	---------------------------	----

७) नारी विशेषांक

videha_01_03_2011	videha_01_03_2011_tirhuta	77
-------------------	---------------------------	----

८) अनुवाद विशेषांक (गद्य-पद्य भारती)

videha 01 01 2012	videha 01 01 2012 tirhuta	97
-------------------	---------------------------	----

९) बाल गजल विशेषांक

videha 01 08 2012	videha 01 08 2012 tirhuta	111
-------------------	---------------------------	-----

१०) भक्ति गजल विशेषांक

videha 15 03 2013	videha 15 03 2013 tirhuta	126
-------------------	---------------------------	-----

११) गजल आलोचना-समालोचना-समीक्षा विशेषांक

videha 15 11 2013	videha 15 11 2013 tirhuta	142
-------------------	---------------------------	-----

१२) काशीकांत मिश्र मधुप विशेषांक

Videha 01 01 2015

१३) अरविन्द ठाकुर विशेषांक

Videha 01 11 2015

स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व (सम्पादक आशीष अनचिन्हार) [विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांकक प्रिण्ट रूप]

१४) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक

Videha 01 12 2015

१५) विदेह सम्मान विशेषांक

विदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादेमी सम्मान/ पुरस्कार नामसँ विख्यात)

साक्षात्कार/ समारोह

साक्षात्कार	videha 15 12 2011	videha 15 01 2012	videha 01 02 2012	videha 01 03 2012
videha 01 09 2012	videha 15 01 2013	videha 01 03 2013	Videha 15 04 2016	Videha 01 07 2016

१६) मैथिली सी.डी./ अल्बम गीत संगीत विशेषांक

Videha 01 01 2017

१७) मैथिली वेब पत्रकारिता विशेषांक

VIDEHA 313

१८) मैथिली बीहनि कथा विशेषांक-२

VIDEHA 317

१९) रामलोचन ठाकुर विशेषांक

VIDEHA 319

२०) रामलोचन ठाकुर श्रद्धांजलि विशेषांक

VIDEHA 320

२१) राजनन्दन लाल दास विशेषांक

VIDEHA 333

२२) रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक

VIDEHA 348	VIDEHA 348 Tirhuta	VIDEHA 348 IPA	VIDEHA 348 Braille
------------	--------------------	----------------	--------------------

२३केदार नाथ चौधरी विशेषांक (

VIDEHA 352	VIDEHA 352 Tirhuta	VIDEHA 352 IPA	VIDEHA 352 Braille	VIDEHA 352 KAITHI
------------	--------------------	----------------	--------------------	-------------------

२४ प्रेमलता मिश्र ('प्रेम' विशेषांक

Videha 357	Videha 357 Tirhuta
------------	--------------------

२५शरदिन्दु चौधरी विशेषांक (

Videha 358	Videha 358 Tirhuta
------------	--------------------

२६संजू दास -सन्दर्भ) विमर्श विशेषांक-कला (, कृष्ण कुमार कश्यप, शशिबाला, एससुमन आ .सी.
(श्वेता झा चौधरी

Videha 368	Videha 368 Tirhuta
------------	--------------------

२७रचनाकार अशोक विशेषांक (

Videha 369	Videha 369 Tirhuta
------------	--------------------

२७ राम भरोस कापड़ि ('भ्रमर' विशेषांक

Videha 370	Videha 370 Tirhuta
------------	--------------------

२८विशेषांक (.यू.एस.एम) मिथिला स्टूडेंट यूनियन (

Videha_371	Videha_371_Tirhuta
------------	--------------------

.....

४

लेखकक आमंत्रित रचना आ ओइपर आमंत्रित समीक्षकक समीक्षा सीरीज

१कामिनीक पांच टा कविता आ ओइपर मधुकान्त झाक टिप्पणी.

Videha 01 09 2016

२पर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी"माटिक बासन" क"मनु" जगदानन्द झा.

VIDEHA 353

३आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी "जिन्दगीक मोल" मुन्नी कामतक एकांकी.

VIDEHA 354

४टा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी ५ कपिलेश्वर राउतक.

VIDEHA 356

५ टा कथा आ ५ उमेश मण्डलक.ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha 357

६टा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी ५ राम विलास साहुक.

Videha 358

७सुभाष चन्द्र यादवक समस्त साहित्य आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी -नित नवल सुभाष चन्द्र यादव.

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

८राजदेव मण्डलक साहित्यपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी.

Rajdeo Mandal- Maithili Writer

९टा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी ५ आचार्य रामानन्द मण्डलक.

Videha 360

१०नन्द विलास रायक चारिटा कथा आ एकटा एकांकी आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी.

Videha 361

११जगदीश प्रसाद मण्डलक साहित्यपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer

१२दुर्गानन्द मण्डलक पाँचटा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी.

Videha 363

१३नारायण यादवक पाँचटा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी.

Videha 364

१४दि -नित नवल दिनेश कुमार मिश्र .नेश कुमार मिश्रक समस्त लेखन आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (जारी)

१५सुशीलक समस्त साहित्य आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी -नित नवल सुशील .

नित नवल सुशील (जारी)

.....

५

"पाठक हमर पोथी किए पढ़थि/लेखक द्वारा अप्पन पोथी -" रचनाक समीक्षा सीरीज

१२०२१ अगस्त ०१ आशीष अनचिन्हार .

१).a) आशीष अनचिन्हार ०१ मार्च २०२३

२२०२२ सितम्बर ०१ गजेन्द्र ठाकुर .

.....

६

एडिटर्स चोइस सीरीज

एडिटर्स चोइस सीरीज१-

विदेहमे बलात्कारपर मैथिलीमे पहिल कविता प्रकाशित भेल छल। ई दिसम्बर २०१२ क दिल्लीक निर्भया बलात्कार काण्डक बादक समय छल। ओना ई अनूदित रचना छल, तेलुगुमे पसुपुलेटी गीताक कविताक हिन्दी अनुवाद केने छलीह आरशांता सुन्दरी आ हिन्दीसँ मैथिली अनुवाद केने . छलाह विनीत उत्पल। हमर जानकारीमे ऐसँ बेशी सिहराबैबला कविता ऐ विषयपर कोनो भाषामे नै रचल गेल अछि। कताक सालक बादो ई समस्या ओहने अछि। ई कविता सभकेँ पढ़बाक चाही, खास कऽ सभ बेटीक बापकेँ, सभ बहिनक भाएकेँ आ सभ पत्नीक पतिकेँ। आ विचारबाक चाही जे हम सभ अपना बच्चा सभ लेल केहन समाज बनेने छी।

एडिटर्स चोइस सीरीज१- (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज२-

विदेहमे ब्रेस्ट कैसरक समस्यापर विदेह मे मीना झा केर एकटा लघु कथा प्रकाशित भेल। ई मैथिलीक पहिल कथा छल जे ब्रेस्ट कैसर पर लिखल

गेल। हिन्दीमे सेहो ताधरि ऐ विषयपर कथा नै लिखल गेल छल, कारण ऐ कथाक ई१ प्रकाशित भेलाक--२ सालक बाद हिन्दीमे दू गोटेमे घोंघाउज भऽ रहल छल कि पहिल हम आकि हम, मुदा दुनूक तिथि मैथिलीक कथाक परवर्ती छल। बादमे ई विदेह लघु कथामे सेहो संकलित भेल।

[एडिटर्स चोइस सीरीज२-](#) (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज३-

विदेहमे जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिलक किछु बाल कविता प्रकाशित भेल। बादमे हुनकर ३ टा बाल कविता विदेह शिशु उत्सवमे संकलित भेल जइमे २ टा कविता बेबी चाइल्डपर छल। पढ़ू ई तीनू कविता, बादक दुनू बेबी चाइल्डपर लिखल कविता पढ़बे टा करू से आग्रह।

[एडिटर्स चोइस सीरीज३-](#) (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज४-

विदेहमे जगदानन्द झा क एकटा दीर्घ बाल कथा कहि लिअ बा "मनु" उपन्यास प्रकाशित भेल, नाम छल चोनहा। बादमे ई रचना विदेह शिशु उत्सवमे संकलित भेल, ई रचना बाल मनोविज्ञानपर आधारित मैथिलीक पहिल रचना छी, मैथिली बाल साहित्य कोना लिखी तकर ट्रेनिंग कोर्समे ऐ उपन्यासकेँ राखल जेबाक चाही। कोना मोडर्न उपन्यास आगाँ बढै छै, स्टेप बाइ स्टेप आ सेहो बाल उपन्यास। पढ़बे टा करू से आग्रह।

[एडिटर्स चोइस सीरीज-४](#) (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज५-

एडिटर्स चोइस ५ मे मैथिलीक माने कुमार पवनक "उसने कहा था" । हिन्दीक पाठक (साभार अंतिका) "पइठ" दीर्घकथा, जे "उसने कहा था" पढ़ने हेता, केँ बुझल छन्हि जे कोना अहि कथाकेँ रचि चन्द्रधर शर्मा अमर भऽ गेलाह। हम चर्चा कऽ "गुलेरी" रहल छी, कुमार पवनक "पइठ"

दीर्घकथाक। एकरा पढ़लाक बाद अहाँकेँ एकटा विचित्र, सुखद आ मोन हौल करैबला अनुभव भेटत, जे सेक्सपीरिअन ट्रेजेडी सँ मिलितो लागत आ फराको। मुदा ऐ रचनाकेँ पढ़लाक बाद तामस, घृणा सभपर नियंत्रणकेँ आ सामाजिकपारिवारिक दायित्वकेँ सेहो अहाँ आर गं /भीरतासँ लेबै, से धरि पक्का अछि। मुदा एकर एकटा शर्त अछि जे एकरा समै निकालि कऽ एक्के उखड़ाहामे पढ़ि जाइ।

[एडिटर्स चोइस सीरीज५-](#) (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज६-

जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा क अकालमे ४३-१९४२ : "बिसाँढ़" लाख लोक मुइला १५ बंगालमे, मुदा अमर्त्य सेन लिखैत छथि जे हुनकर कोनो सर सम्बन्धी ऐ अकालमे नै मरलन्हि। मिथिलोमे अकाल आएल-मे आ इन्दिरा गाँधी जखन ऐ क्षेत्र अएली तँ हुनका देखाओल गेल .ई १९६७ जे कोना मुसहरजातिक लोक बिसाँढ़ खा कऽ ऐ अकालकेँ जीति लेलन्हि। मैथिलीमे लेखनक एकभगाह स्थिति विदेहक आगमनसँ पहिने छल। मैथिलीक लेखक लोकनि सेहो अमर्त्य सेन जेकाँ ओहि महाविभीषिकासँ प्रभावित नै छला आ तँ बिसाँढ़पर कथा नै लिखि सकला। जगदीश प्रसाद मण्डल ऐपर कथा लिखलन्हि जे प्रकाशित भेल चेतना समितिक पत्रिकामे, मुदा कार्यकारी सम्पादक द्वारा वर्तनी परिवर्तनक कारण ओ मैथिलीमे नै वरण् अवहट्टमे लिखल बुझा पड़ल, आ ओतेक प्रभावी नै भऽ सकल कारण विषय रहै खाँटी आ वर्तनी कृत्रिम। से एकर पुनः ईप्रकाशन अपन असली - गामक" रूपमे भेल विदेहमे आ ई संकलित भेल जिनगीलघुकथा संग्रहमे। " ऐ पोथीपर जगदीश प्रसाद मण्डलकेँ टैगोर लिटरेचर अवार्ड भेटलनि। जगदीश प्रसाद मण्डलक लेखनी मैथिली कथाधाराकेँ एकभगाह हेबासँ बचा लेलक, आ मैथिलीक समानान्तर इतिहासमे मैथिली साहित्यकेँ दू कालखण्डमे बाँटि कऽ पढ़ए जाए लागलजगदीश प्रसाद मण्डलसँ - पूर्व आ जगदीश प्रसाद मण्डल आगमनक बाद। तँ प्रस्तुत अछि लघुकथा बिसाँढ़ - अपन सुच्चा स्वरूपमे।

[एडिटर्स चोइस सीरीज६-](#) (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज७-

मैथिलीक पहिल आ एकमात्र दलित आत्मकथासन्दीप कुमार साफी। : सन्दीप कुमार साफीक दलित आत्मकथा जे अहाँकेँ अपन लघु आकाराक अछैत हिलोड़ि देत आ अहाँक ई स्थिति कऽ देत जे समानान्तर मैथिली-साहित्य कतबो पढ़ू अहाँकेँ अछौं नै हएत। ई आत्मकथा विदेहमे ई बै" प्रकाशित भेलाक बाद लेखकक पोथीशाखमे दलानपरमे संकलित " भेल आ ई मैथिलीक अखन धरिक एकमात्र दलित आत्मकथा थिक। तँ सन्दीप कुमार साफीक :प्रस्तुत अछि मैथिलीक पहिल दलित आत्मकथा कलमसँ।

[एडिटर्स चोइस सीरीज७-](#) (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज८-

नेना भुटकाकेँ रातिमे सुनेबा लेल किछु लोककथा ।(विदेह पेटारसँ)

[एडिटर्स चोइस सीरीज८-](#) (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज९-

मैथिली गजलपर परिचर्चा ।(विदेह पेटारसँ)

[एडिटर्स चोइस सीरीज९-](#) (डाउनलोड लिंक)

.....

विदेह सम्मान: [सम्मानसूची-](#) (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीतपुरस्कार /नाटक अकादेमी सम्मान- (नामसँ विख्यात

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटा-पुनटा दियौ, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क **मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि**, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उखड़ाहामे करथि।

IGNOU इग्नू BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by [Videha](http://videha.com) (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/documents.

२.मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download

विदेह पोथी

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search for Books (including Audio-Visual & Sign Language) relating to Mithila/ Maithili

<https://books.google.com/>



Videha Archive of Maithili Books विदेह मैथिली पोथीक आर्काइव (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) सभ पोथी पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सभपर उपलब्ध अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below

.....

तिरहुता, नेवाड़ी आ कैथी फॉन्ट डाउनलोड Google's Noto Fonts project/ GitHub

तिरहुता नोटो फॉन्ट	कैथी ओटीएफ	कैथी टीटीएफ	नेवाड़ी ओ.टी.एफ.	नेवाड़ी टी.टी.एफ.
--------------------	------------	-------------	------------------	-------------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download](#)

<https://malarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

.....

बौद्ध चर्यापद

चर्यापद

महाकवि डाक

डाकवचन

ज्योतिरीश्वर ठाकुर

मैथिली धूर्तसमागम

विद्यापति

व्याडीभक्ति तरङ्गिणी

गोरक्षविजयम्

शंकरदेव

पारिजातहरण

रामविजय

दैत्यारि ठाकुर

श्यामंत हरण यात्रा (अंकिया नाट)

लक्ष्मीदेव

कुमारहरण नाट शत स्कंध रावण वध (अंकिया नाट)

जगत्प्रकाशमल्ल

प्रभावतीहरण नाटक

सिद्ध नरसिंहमल्ल

गीतावली सिद्धि

जगत्ज्योतिर्मल्ल

हरगौरी विवाह नाटक कुञ्जविहार नाटक

हर्षनाथ झा

माधवानन्द नाटक

उषाहरण

हर्षनाथ काव्यग्रन्थावली (संकलन अमरनाथ झा १८९७-१९५५)

रत्नपाणि

उषाहरण नाटक

श्रीकांत

श्रीकृष्ण जन्म रहस्य

नन्दीपति

कृष्णकेलिमाला

गीतमाला

कान्हा रामदास

गौरीस्वयंवर

लाल

गौरीस्वयंवर नाटक

उमापति

पारिजात हरण

भानुनाथ

प्रभावती हरण

देवानन्द

उषाहरण

रमापति

रुक्मणी परिचय

उपाध्याय रामदास

आनन्द विजयाभिदान नाटिका

शिवदत्त

गौरीपरिणय सीतास्वयंवर दुर्गाविजय

पारिजात नाटक

.....

**कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा (बाल साहित्य केन्द्रित) मेंहथमे भेल ८२ म
सगर राति दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन**

कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा

**सखुआवाली (नारी विमर्श केन्द्रित) भपटियाहीमे भेल ८३ म सगर
राति दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन**

सखुआवाली

मुंशी रघुनन्दन दास (१८६०-१९४५) (सौजन्य- राधाकृष्णन् दास)

सुभद्रा हरण

**रासबिहारी लाल दास (१८७२-१९४०) (सौजन्य- रमानन्द झा
"रमण")**

सुमति

हरिनन्दन दास (सौजन्य- राधाकृष्णन् दास)

सुदामा चरित

पं रामजी चौधरी (१८७८-१९५२) (सौजन्य- श्री श्रीमोहन चौधरी)

विविध भजनावली

**आचार्य रामलोचन शरण (१८८९-१९७१) (सौजन्य- मैथिली साहित्य
संस्थान)**

जयन्ती-स्मारक ग्रन्थ

धनुषधारी दास (१८९५-१९६५) (सौजन्य- पञ्जीकार विद्यानन्द झा)

मैथिली में बिहारी

**हरिमोहन झा (१९०८-१९८४) (सौजन्य- मैथिली साहित्य संस्थान/
गौरीनाथ)**

अभिनन्दन ग्रन्थ

अंतिका (हरिमोहन झा विशेषांक)

.....

डॉ. राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' (सौजन्य- राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर')

महिषासुर मुर्दावाद एवं अन्य नाटक (१९९७)

लोक नाट्य: जट जटिन (२००७) (शोध)

हुगली ऊपर बहैत गंगा आ आन कथा (कथा संग्रह) (२००८)

भ्रमर मैथिली दीर्घ कविता (हिन्दी अनुवाद-अब बस नहीं) (२००९)

मैथिली लोक संस्कृति (नेपाली भाषामे) (२००९)

भैया अएलै अपन सोराज (नाटक संग्रह) (२०१०)

घरमुहाँ (उपन्यास) (२०१२)- ई बुक वर्जन

घरमुँहा (उपन्यास) (२०१२)- प्रिंट वर्जन

अनहरियाक चान (गजल संग्रह) (२०१३)

चीन जे हम देखल (यात्रा संस्मरण) (२०१४)

सूली पर इजोत एवं अन्य नाटक (२०१५)

सीमाके आर-पार (यात्रा संस्मरण) (२०१६)

युद्धभूमिक एसगर योद्धा (कविता संग्रह) (२०१७)

एंटीवायरस (कथा संग्रह) (२०१९)

कोरोनाक संत्रासमे ओझरायल जिनगी (लकडाउन डायरी) (२०२०)

मिथिलाक लोकजीवन लोकसन्दर्भ (२०२२)

सोन्हर गन्धक अन्वेषी डा. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'

मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी

स्मारिका (२०१०)

आंगन अंक-४ (२०१२) सलहेस विशेषांक

आँजुर (अंक वर्ष ३६, अंक ३) सोमदेव विशेष

गामघर-३०-०८-२०१८

गामघर-०४-१०-२०१८

गामघर-१६-०५-२०१९

गामघर-२७-०६-२०१९

रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क किछु नाटक

मुन्नाजी द्वारा साक्षात्कार पृ. ३२१-३२८

देसिल बयनाक बहन्ने रामलोचन ठाकुर प्रसंग पृ. ३४७-३५७

हमर ज्ञान-पिपाशाक स्रोत: शरदिन्दु चौधरी पृ. ३१-३४

जट जटिन पृ. ५६८-७०५

भैया, अएलै अपन सोराज पृ. ५६८-७०५

आलेख कथा-फ्लैशबैक पृ. ८४-८८

आलेख पृ. पृ. ११७-१२५

आलेख पृ. १२७६-१२९०

आलेख पृ. ९७-९८

रायपुर यात्रा प्रसंग पृ. १५०-१५४

सलहेस परिचर्चा रिपोर्ट पृ. ४१-४५

रिपोर्ट पृ. २३१-२४३

रिपोर्ट पृ. ४४५

रिपोर्ट पृ. ५६८-६०५

रिपोर्ट पृ. ५८३-५८५

गंगा प्रसादक स्वायत्तता आ हुगलीपर बहैत गंगा पृ. २२३-२२६

गीत पृ. १४४९-१४५०

गजल गीत पृ. २११

अन्हारक विरुद्ध आ आजाद गजल पृ. ६१९-६२१)

विदेह राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' विशेषांक

बृषेश चन्द्र लाल (सौजन्य- बृषेश चन्द्र लाल)

आन्दोलन (कविता संग्रह)

ढोलक (बाल कविता संग्रह)

सुम्निमा (अनूदित उपन्यास)

मोदिआइन (बी.पी.कोइरालाक कथा)

माल्हो (कथा संग्रह)

गोलबा (कथा संग्रह)

परमेश्वर कापड़ि (सौजन्य- परमेश्वर कापड़ि)

धूआ-धजा

अंक ७

अंक १४

अंक १५

अंक १६

अंक १८

अंक १० जून २०१२

अंक २४ जून २०१२

२५ जुलाई २०१२

०५ अगस्त २०१२

२३ फरबरी २०१६

आसिन २०७३

सुजीत कुमार झा (सौजन्य- सुजीत कुमार झा)

रिपोर्टर डायरी (रिपोर्ताज)

चिड़ै (लघुकथा-संग्रह)

जिद्दी (लघुकथा संग्रह)

कोइली घूरि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

गन्ध (लघु कथा संग्रह)

खजुरीबाली (लघु कथा संग्रह)

बुलबुल (कथा संग्रह)

दूधमती- (नेपाली आ मैथिलीमे)

[अंक ३१](#) [अंक ३२](#) [अंक ३३](#) [अंक ३४](#) [अंक ३५](#) [अंक ३६](#) [अंक ३७](#) [अंक ३८](#) [अंक ३९](#) [अंक ४०](#) [अंक ४१](#)

विन्देश्वर ठाकुर

[नेपालक नोर मरुभूमिमे](#)

विनीत ठाकुर (सौजन्य- विनीत ठाकुर)

[बाँकी अछि हम्मर दूधक कर्ज](#)

संतोष मिश्र (सौजन्य- संतोष मिश्र)

[पोसपुत \(लघुकथा-संग्रह\)](#)

[उदास मोन \(लघुकथा-संग्रह\)](#)

[एना-किए \(कविता-संग्रह\)](#)

[अएना \(संपादन- कविता-संग्रह\)](#)

कनकमणि दीक्षित (मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद रूपा धीरू आ धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य) (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

[भगता बेडक देश-भ्रमण](#)

Ayodhyanath Choudhary (Courtesy- Ayodhyanath Choudhary)

[Varied Verses \(Maithili Verses in English Translation\)](#)

...

डॉ शशिधर कुमार आ सुप्रिया बेबी कुमारी

[भूकम्प \(पृ. ६३८-६७४\)](#)

अणिमा सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

[शिशु गीत खेल](#)

इलारानी सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

[प्रेम- एक कविता \(अनूदित नाटक\)](#)

अरुन्धती देवी (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

[मिथिलाक विदुषी महिला](#)

डॉ. कमला चौधरी (सौजन्य- कमला चौधरी)

[मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली २००८](#)

[समय-संकेत \(कथा-संग्रह\) २०१०](#)

डॉ. ललिता झा (सौजन्य- ललिता झा)

[मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली २०११](#)

सुस्मिता पाठक (सौजन्य- केदार कानन)

[परिचिति \(कविता संग्रह\)](#)

[कनोजडि \(कथा संग्रह\)](#)

नन्दिनी पाठक (सौजन्य- केदार कानन)

[पाथरक शहर \(कविता संग्रह\)](#)

पन्ना झा (सौजन्य- नरेन्द्र झा)

अनुभूति (लघुकथा संग्रह)

कल्पना झा (सौजन्य- कल्पना झा)

गोसाउनिक गीत

नशामुक्ति हित गाबी गीत

निनियाँ

यायावरी- शेफालिका वर्मा (हिन्दी अनुवाद कल्पना झा)

मुन्नी कामत (सौजन्य- मुन्नी कामत)

सुखल मन तरसल आँखि (पद्य आ गद्य)

सुखल मन तरसल आँखि (कविता)

अंततः (कविता संग्रह)

चुक्का (बाल कथा संग्रह)

नीता झा (सौजन्य- नीता झा)

बिलाइ मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)

शेफालिका वर्मा (सौजन्य- शेफालिका वर्मा)

यायावरी (यात्रावृत्तान्त)

यायावरी (हिन्दी अनुवाद- कल्पना झा)

अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)

एकटा अकास (लघुकथा संग्रह)

भावांजलि (गद्य गीत)

किस्त-किस्त जीवन (आत्म कथा)

आखर-आखर प्रीत

नागफांस (उपन्यास)

Naagphans (In English)

विभा रानी

विभा रानीक दूटा नाटक (भाग रौ आ बलचन्दा)

सुशीला झा (सौजन्य- प्रभा खेतान/ सुशीला झा)

छिन्नमस्ता- प्रभा खेतानक हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद

कुसुम ठाकुर

प्रत्यावर्तन (आत्मकथा)(पृ. ४५९-५७२)

डॉ. कामिनी कामायनी

विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)

प्रीति ठाकुर

गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)

रेस (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

ए बी सी डी- प्रकृति अक्षर पोथी (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

सभ खाइत अछि (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बो म्याउ बाह (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

रड सभ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०६) छोट आ पैघ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०७) माल-जाल आ जानवर दिस देखू (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(१७) हमर परिवार (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

जानवर (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पोथी १३: १...२...३... (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बाजाक अबाज (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पंजी (११००० मूल मिथिलाक्षर ताड़पत्र)

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I TO XXII) Compiled, Scanned
& Catalogued by Preeti Thakur

नीतू कुमारी

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

किरण चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर बाल-वाडी

आर्या कौकपिट मे

दीपा करमाकर- सही संतुलन मे

जंगल मे अहाँक स्वागत अछि

व्हेल छथि आकाश मे

भैया के मुस्कान के चौरौलक

बीज संचयक

अचंभित करय "फिबोनाची"

शौचालयक खिस्सा

लाल बरसाती

गुल्लीक जादुई पेटी

समीराक विकठ भोजन

विवाह मे जाई छी

प्रियंका झा (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर माँछ! नै हमर माँछ!

रश्मि प्रिया (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

कैयो सकै छी, नहियो कऽ सकै छी

सुनीता ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

बण्टी आ बबली

नीलिमा चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर सभसँ नीक संगी

स्वास्तिका ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

गप्पू बुते नाचल नै होइ छै

तूलिका (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा ओ चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

ओंघाइत भीमा

लक्ष्मी ठाकुर

जानवर सभ संगे भेंट-घाँट

पूनम मण्डल

सुते कालक खिस्सा

.....

राधाकृष्ण चौधरी (१९२१-१९८५) (सौजन्य- प्रभात कुमार चौधरी/

IGNCA)

मिथिलाक इतिहास

A Survey of Maithili Literature

The Political and Cultural Heritage of Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

सोमदेव (१९३४-२०२२) (सौजन्य- राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर')

आँजुर सोमदेव विशेष

प्रभास कुमार चौधरी (१९४१-१९९८) (सौजन्य- अशोक)

सन्धान प्रभास विशेष

लल्लन प्रसाद ठाकुर (१९५३-१९९५) (सौजन्य- कुसुम ठाकुर)

लौंगिया मिरचाइ

नाटककार लल्लन प्रसाद ठाकुर समग्र रचनावली (५ टा नाटक, ४ टा एकांकी आ ३ टा गीति नाटिका सहित)

सुभाष चन्द्र यादव (सौजन्य- सुभाष चन्द्र यादव)

राजकमल चौधरी: मोनोग्राफ

नित नवल राजकमल

बनैत बिगडैत (लघुकथा संग्रह)

गुलो

गुलो (हिन्दी अनुवाद- रमण कुमार सिंह)

रमता जोगी

मडर

भोट

गुलो: कला आ भाषा (सम्पादक तारानन्द वियोगी आ केदार कानन)

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (लेखक गजेन्द्र ठाकुर)

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

अशोक (सौजन्य- अशोक आ शिवशंकर श्रीनिवास)

चक्रव्यूह (कविता संग्रह) (१९८६)

त्रिकोण (कथा संग्रह) (१९८६)
ओहि रातिक भोर (कथा संग्रह) (१९९१)
मातबर (कथा संग्रह) (२००१)
संवाद (साक्षात्कार संग्रह) (२००७)
आँखिमे बसल (यात्रा कथा) (२०१३)
बात-विचार (आलोचना) (२०१५)
डैडीगाम (कथा संग्रह) (२०१७)
अशोक-सेलेक्शन्स (विविध)
अशोक-नव कविता
नीक दिनक बाइस्कोप (व्यंग्य संग्रह) (२०१८)
कथा-पाठ (मैथिली कथाक आलोचनात्मक अध्ययन) (२०२२)
प्रतिमान (सम्पादन)
किरण (प्रतिमान गोष्ठी- सम्पादक मोहन भारद्वाज)
सन्धान १ (सम्पादन)
सन्धान २ (सम्पादन)
सन्धान ३ (सम्पादन) प्रभास विशेष
सन्धान ४ (सम्पादन)
मुन्ना जी द्वारा साक्षात्कार (पृ. ३८२-३८५)
बनैत कम बिगडैत बेसी (पृ. २०२३-२०३१)
सम्पादक राजनन्दन लाल दास आ कर्णामृत (पृ. ११९-१२२)
रामलोचन ठाकुरक कविता पढैत (पृ. ३२७-३४१)
केदार नाथ चौधरीक उपन्यास (पृ. १०१-१०६)
शरदिन्दुजी (पृ. ७०-७३)
विदेह रचनाकार अशोक विशेषांक

रामदेव झा (सौजन्य- शंकरदेव झा/ योगानन्द झा)

सव्यसाची (अभिनन्दन ग्रन्थ)
मैथिली शब्द संचय
दत्त-वतीक वस्तु कौशल
संकल्प अंक-५ (सम्पादक डॉ रामदेव झा, सहायक सम्पादक डॉ योगानन्द झा) १९८८

डॉ योगानन्द झा (सौजन्य- योगानन्द झा)

लोकजीवन ओ लोकसाहित्य १९८६
संकल्प अंक-५ (सम्पादक डॉ रामदेव झा, सहायक सम्पादक डॉ योगानन्द झा) १९८८
आलेख सञ्चयन २००२
मैथिली शाक्त साहित्य- शास्त्रीय भगवती गीत (सम्पादन) २००२
मैथिली पत्रकारिता के सौ वर्ष २००६
लोक, साहित्य ओ शब्द-सम्पदा २००७
गहबर गीत (संकलन-सम्पादन) २००७
मैथिलीक पारम्परिक जातीय व्यवसायक शब्दावली २००९
कथा-लोककथा २०१०
कपिलदेव ठाकुर 'स्नेहलता' कृत सीतावतरण (सम्पादन) २०११
मंगल-प्रभात गाँधीजी (अनुवाद) २०१३
भोरे-भोर (डॉ ए. कीर्तिवर्द्धनक हिन्दी कविता संग्रहक अनुवाद) २०१४

तारानन्द वियोगी (सौजन्य- तारानन्द वियोगी/ सुभाष चन्द्र यादव)

प्रलय रहस्य (कविता संग्रह)

धराशायी हेबाक समय (कविता मे कोरोना काल)

दुनिया घर मेहमान (प्रेम कविता)

अपन युद्धक साक्ष्य (गजल संग्रह)

छियानत (कथा संग्रह)

बहुवचन (आलोचना)

गुलो: कला आ भाषा (सम्पादन)

सुधांशु शेखर चौधरी (सौजन्य- शरदिन्दु चौधरी)

शेखर रचित गजल ओ गीत

शरदिन्दु चौधरी (सौजन्य- शरदिन्दु चौधरी)

जँ हम जनितहुँ (२००२)

बड अजगुत देखल (२००५)

गोबरगणेश (२०११)

करिया कक्काक कोरामिन (२०१६)

बात-बातपर बात खण्ड-१ (२०१९)

मर्मन्तक-शब्दानुभूति (बात-बातपर बात खण्ड-२) (२०२०)

हमर अभाग: हुनक नहि दोष (बात-बातपर बात-३) (२०२१)

साक्षात् (बात-बातपर बात-४) (२०२१)

विदेह शरदिन्दु चौधरी विशेषांक

काशीकान्त मिश्र मधुप

विदेह काशीकांत मिश्र मधुप विशेषांक

राजनन्दन लाल दास

विदेह राजनन्दन लाल दास विशेषांक

प्रेमलता मिश्र प्रेम

विदेह प्रेमलता मिश्र प्रेम विशेषांक

रवीन्द्र नाथ ठाकुर

विदेह रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक

मायानन्द मिश्र (सौजन्य- केदार कानन)

अवांतर (गजल-गीतल)

कलानन्द भट्ट (सौजन्य- केदार कानन)

कान्ह पर लहास हमर मैथिली गजल संग्रह

अनुलग्नक-कोसी कॉलोनी सँ किशन कुटीर धरि

रामकृष्ण झा 'किसुन' (सौजन्य- केदार कानन)

किसुन समग्र-१ (सम्पादक केदार कानन आ रमण कुमार सिंह)

किसुन समग्र-२ (सम्पादक केदार कानन आ रमण कुमार सिंह)

मैथिलीक नव कविता (सम्पादन)

बहुआयामी किसुनजी (सम्पादक महेन्द्र आ केदार कानन)

केदार कानन (सौजन्य केदार कानन/ CIIL/ सुभाष चन्द्र यादव)

अक्ष पर नचैत (संस्मरण: जीवकान्तक पत्रक बहाने)

बहुआयामी किसुनजी (सम्पादन)

गुलो: कला आ भाषा (सम्पादन)

किसुन समग्र-१ (सम्पादन)

किसुन समग्र-२ (सम्पादन)

अपना नजरि मे (सम्पादन)

सृजन केर दीप पर्व (सम्पादन)

भारती मंडन अंक-१६ (सम्पादन)

महेन्द्र (CIIL/ केदार कानन)

जुआयल कनकनी

बहुआयामी किसुनजी (सम्पादन)

बाबा बैद्यनाथ (सौजन्य- बाबा बैद्यनाथ)

पहरा इमानपर (गजल संग्रह)

अरविन्द ठाकुर (सौजन्य- अरविन्द ठाकुर/ CIIL)

परती टूटि रहल अछि (कविता संग्रह)

अन्हारक विरोध मे (लघु कथा संग्रह)

बहुरुपिया प्रदेश मे (गजल संग्रह)

सबद मितारथ धाय्या

रोशनाइक लोकपक्ष (कथेतर गद्य)

जड़ताक प्रतिवाद मे (सोल्हकन-दीठक आरोहण गाथा- दीर्घ कविता)

सृजन केर दीप पर्व (सम्पादन)

विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांक

स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व (सम्पादक आशीष अनचिन्हार) [विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांकक प्रिण्ट रूप]

नरेन्द्र झा (सौजन्य- नरेन्द्र झा)

चपल चरन चित चंचल भान

विकास ओ अर्थतंत्र

राजेश्वर झा (मैथिली साहित्य संस्थान आर्काइव)

मिथिलाक्षरक उद्भव ओ विकास

सुरेन्द्र झा सुमन (आर्काइव डोट कोम)

दत्त-वती (मूल)

गोविंद झा ((IGNCA Site आर्काइव)

Maithili-English Dictionary

डो शैलेन्द्र मोहन झा (आर्काइव डोट कोम/ CIIL)

परिचय निचय

मैथिली गद्य संग्रह- सं

रमानाथ झा (CIIL Site आर्काइव)

प्रबन्ध संग्रह

रमानाथ मिश्र "मिहिर" (आर्काइव डोट कोम)

मैथिली मुहावरा एवम् लोकोक्ति प्रकाश

आनन्द मिश्र (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मिथिला भाषाक सुबोध व्याकरण

श्यामानन्द झा (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मैथिली गीत चन्द्रिका

मैथिली संदेश (विभिन्न कविक कविता-सम्पादित)

पं लक्ष्मीपति सिंह (सौजन्य रमानन्द झा "रमण")

हिन्दी-मैथिली-शिक्षक

भवप्रीतानन्द ओझा (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

पदावली

गणनाथ-विन्ध्यनाथ पदावली (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

गणनाथ-विन्ध्यनाथ पदावली

रूपनारायण झा "राकेश" (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मनमोहन लड्डू

भोला लाल दास (आर्काइव डोट कोम)

मैथिली सुबोध व्याकरण

खड्ग वल्लभ दास 'स्वजन' (सौजन्य- हेमन्त दास "हिम")

सीता-शील

डॉ. मदनेश्वर मिश्र (सौजन्य- पञ्जीकार विद्यानन्द झा)

एक छलीह महारानी

यात्री (नागार्जुन) (सौजन्य- मिथिला सांस्कृतिक परिषद)

बलचनमा

कालीकान्त झा "बूच"

कलानिधि- कविता-संग्रह

उपेन्द्रनाथ झा "व्यास" (सौजन्य- मयंक झा)

रूबाइयात-ए-ओमर खैयाम (मैथिली पद्यानुवाद)

प्रतीक (कविता संग्रह)

संन्यासी (काव्य)

रमेश नारायण (सौजन्य- शेफालिका वर्मा)

पाथरक नाव (लघुकथा संग्रह)

गोपालजी झा "गोपेश" (सौजन्य- गोपालजी झा "गोपेश")

गुम्म भेल ठाढ़ छी

विजय नाथ झा (सौजन्य- विजय नाथ झा)

अहींक लेल (गीत-गजल संग्रह)

कामायनी (अनुवाद)

नगेन्द्र कुमार (सौजन्य- प्रसन्न कुमार झा)

ससरफानी

प्रबोध नारायण सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

अन्हेर नगरी (अनुवाद)

चयनिका (सम्पादन)

वैजयन्ती (कविता)

हाथीक दाँत

टटका गप (सम्पादित कथा संकलन)

प्रेमक रोग (नाटक)

अमरनाथ (सौजन्य- अमरनाथ)

क्षणिका- विहनि कथा संग्रह

प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'

पंचदेवोपासक भूमि मिथिला पृ. १००१-१०८०

डॉ. गंगेश गुंजन (सौजन्य- गंगेश गुंजन)

राधा (१-३०) पृ. १३७३-१५८०

प्रथम-चौबटिया-नाटक (बुधिबधिया)

नाटक आइ भोर

कथा-संग्रह उचितवक्ता

गीत-गजल दुखक दुपहरिया

कमलधर दास (सौजन्य- कमलधर दास)

मैथिल कर्ण कायस्थक गोत्र, प्रवर, मूल आ वैवाहिक सम्बन्ध

कीर्तिनारायण मिश्र (सौजन्य- कीर्तिनारायण मिश्र)

ध्वस्त होइत शान्ति स्तूप

सीमान्त

आदमीकेँ जोहैत

अपन एकान्त मे

स्मृतियात्राक एकान्तमे

राजनाथ मिश्र

Mithila Painting-Modern Art-Photos

प्रेमशंकर सिंह (सौजन्य- प्रेमशंकर सिंह/ मिथिला दर्पण प्रकाशन)

मैथिली भाषा साहित्य: बीसम शताब्दी (आलोचना)

विद्यापति कृत व्याडीभक्तितरङ्गिनी (सम्पादन)

डॉ. रमण झा (सौजन्य- रमण झा)

मैथिली काव्यमे अलङ्कार

अलङ्कार-भास्कर

मैथिली काव्यमे ज्योतिष

भिन्न-अभिन्न

अहिरावण-वध (खण्ड काव्य)

पारिजात-मञ्जरी

डॉ. रमानन्द झा 'रमण' (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण"/ CIIL Site आर्काइव)

हिआओल

सगर राति दीप जरय

राजू आ टाकाक गाछ (अनुवाद)

अखियासल

केदार नाथ चौधरी (सौजन्य- केदार नाथ चौधरी)

चमेलीरानी

माहुर

करार

अबारा नहितन

अयना

हीना

विदेह केदार नाथ चौधरी विशेषांक

योगेन्द्र पाठक "वियोगी" (सौजन्य- योगेन्द्र पाठक "वियोगी")

विज्ञानक बतकही

विज्ञानक बतकही भाग-२

नरक विजय (सम्पूर्ण)

नरक विजय (संशोधित)

हमर गाम (बाल उपन्यास)

पिरामिडक देशमे

अकटा मिसिया (कथा संग्रह)

रोबोट (अनूदित साइंस-फिक्शन नाटक)

किछु तीत मधुर (यात्रा वृत्तांत)

सुशील (सौजन्य- सुशील)

घराडी (उपन्यास) (१९७३)

गामबाली (उपन्यास) (१९८२)

भामती (नाटक) (पहिल मंचन १९९१, प्रकाशन २०१३)

अस्मिता (लघुकथा संग्रह) (२०१६)

कामेश्वर झा 'कमल' (सौजन्य- नबोनारायण मिश्र)

कमल-ताल (गीत संग्रह)

रामलोचन ठाकुर (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)

जे कहब साँच कहब

आँखि मुनने आँखि खोलने (संस्मरण)

स्मृतिक धोखरल रंग (संस्मरण)

अपूर्वा (कविता संग्रह)

इतिहासहन्ता (कविता संग्रह)

देशक नाम छलै सोन चिड़ैया (कविता संग्रह)

लाख प्रश्न अनुत्तरित (कविता संग्रह)

प्रतिध्वनि (विदेशी भाषाक कविताक मैथिली रूपान्तरण)

पद्मानदीक माझी (अनूदित उपन्यास)

मैथिली लोककथा

आजुक कविता (सम्पादित कविता संग्रह)

बेताल कथा (हास्य-व्यंग)

देसिल बयना (अखबार)

विदेह रामलोचन ठाकुर विशेषांक

डॉ. देवशंकर नवीन (सौजन्य- देवशंकर नवीन)

आधुनिक साहित्यक परिदृश्य

डॉ बचेश्वर झा

निवन्ध-निकुञ्ज

कीर्तिनाथ झा (सौजन्य- कीर्तिनाथ झा)

कुरल: मैथिली भावानुवाद

जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" (सौजन्य- जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल")

आँखिमे चित्र हो मैथिली केर (आत्मकथा- जारी)

धारक ओइ पार (दीर्घ कविता)

गीत गंगा (गीत संग्रह)

गजल गंगा (गजल संग्रह)

तोरा अंगना मे (गीत संग्रह)

तोरा अंगना मे (गीत संग्रह)- मूल

विदेह जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक

राज किशोर मिश्र

चाननि (कविता संग्रह)

सप्तपर्ण (कविता संग्रह)

रबीन्द्र नारायण मिश्र (सौजन्य- रबीन्द्र नारायण मिश्र)

भोरसँ साँझ धरि (आत्म कथा)

प्रसंगवश (निबंध)

स्वर्ग एतहि अछि (यात्रा प्रसंग)

फसाद (कथा संग्रह)

नमस्तस्यै (उपन्यास)

विविध प्रसंग (निबंध)

महराज (उपन्यास)

लजकोटर (उपन्यास)

सीमाक ओहि पार (उपन्यास)

समाधान (निबंध संग्रह)

मातृभूमि (उपन्यास)

स्वप्नलोक (उपन्यास)

शंखनाद (उपन्यास)

इएह थिक जीवन (संस्मरण)

ढहैत देबाल (उपन्यास)

पाथेय (संस्मरण)

हम आबि रहल छी (उपन्यास)

प्रलयक परात (उपन्यास)

बीति गेल समय (उपन्यास)

प्रतिबिम्ब (उपन्यास)

बदलि रहल अछि सभ किछु (उपन्यास)

राष्ट्र मंदिर (उपन्यास)

संयोग (कथा संग्रह)

नाचि रहल छलि वसुधा (उपन्यास)

नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' (सौजन्य- नन्द कुमार मिश्र 'नन्द')

गामघर (कथा संग्रह)

सुजाता (उपन्यास)

महारानी कैकेयी (प्रवचनात्मक निबन्ध)

गुदरीक लाल (उपन्यास)

अनठिया कुकुर (उपन्यास)

आडम्बर (कथा संग्रह)

दिल्लीक पार्क (शब्द चित्र)

सुकन्या (उपन्यास)

स्वर्ण कमल (बाल उपन्यास)

काव्य सरिता (मैथिली काव्य संग्रह)

परिवार (संस्मरणात्मक उपन्यास)

याचक के नजि (मैथिली शब्द-चित्र)

सत्यानन्द पाठक (सौजन्य- सत्यानन्द पाठक)

हमर गाम (उपन्यास)

डॉ. उदय नारायण सिंह "नचिकेता" (सौजन्य- नचिकेता)

नो एण्ट्री : मा प्रविश

आन्दोलन

एक छल राजा

जनक आ' अन्यान्य एकांकी

नाटक क लेल

नायक क नाम जीवन

प्रत्यावर्त्तन

रामलीला

प्रियंवदा (एकांकी)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (अप्रैल १९६९)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (जुलाइ १९६९)

मिथिला दर्शन मार्च २०२१

मिथिला दर्शन नवम्बर २०२१

रवि भूषण पाठक

रिहर्सल (नाटक)

विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)

विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)

डॉ. कैलाश कुमार मिश्र

विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)

कुमार मनोज कश्यप

विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)

डॉ. शम्भु कुमार सिंह

(तुकाराम रामा शेटक कोंकणी उपन्यासक मैथिली अनुवाद डॉ शम्भु कुमार सिंह द्वारा) पाखलो

विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अरुण कुमार सिंह अंक १-३५० सँ)

डॉ. अरुण कुमार सिंह

विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अरुण कुमार सिंह अंक १-३५० सँ)

कुमार पवन (सौजन्य- अंतिका)

पइठ (मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ कथा)

डायरीक खाली पन्ना

केशव भारद्वाज

अजगुत अफ्रीका (अफ्रीका डायरी) पृ. २१४-४६६

किछु पढल आ किछु सुनल- ईदी अमीन पृ. ४८८-५४८

खेलौना पृ. ४६७-४८७

पैबन्द पृ. ५४९-७९८

किछु कथा ५०-४६३

गोपाल झा 'अभिषेक' (सौजन्य- गोपाल झा 'अभिषेक')

आउ स्वप्न साझी करी (कविता संग्रह)

आमोद कुमार झा (सौजन्य- आमोद कुमार झा)

बिम्बक पथार (कविता संग्रह)

किशन कारीगर (सौजन्य- किशन कारीगर)

किछु फुरा गेल हमरा

आशीष अनचिन्हार

संदर्भ सहित (गजल-आलोचना)

कुमारि इच्छा (गजल संग्रह)

जंघाजोडी (गजल संग्रह)

अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ आ कताक संग्रह)

मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास

मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास (अनुलग्नक: अंतिका आलेख:अंतर्जाल आ मैथिली: गजेन्द्र ठाकुर)

मैथिली गजलक रेडी रेकोनर

शब्द-अर्थ-शक्ति

स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व (विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांकक प्रिण्ट रूप)[सम्पादन]

मुन्नाजी

मोकाम दिस (बीहनि कथा संग्रह)

प्रतीक (विहनि कथा संग्रह)

माँझ आंगनमे कतिआएल छी (मैथिली गजल संग्रह)

हम पुछैत छी (साक्षात्कार)
तीन टा बाल नाटक (मैथिली बाल साहित्य)
खुरलुच्ची (मैथिली बाल कविता- बाल साहित्य)
घाह (हाइकू-टंका संग्रह)

सन्दीप कुमार साफी

बैशाखमे दलानपर

ओम प्रकाश झा

कियो बूझि नै सकल हमरा (गजल, रुबाइ आ कता संग्रह)

अमित मिश्र

नव अंशु (गजल-हजल, रुबाइ संकलन)

चन्दन कुमार झा

मोनक बात (गजल, हजल, बाल गजल, रुबाइ आ कताक संकलन)

डॉ. अनमोल झा

समय साक्षी थिक (विहनि कथा संग्रह)

ई जे समय अछि (विहनि कथा संग्रह)

बिनय भूषण (सौजन्य- आशीष अनचिन्हार)

उजरा परवाक खोज (कविता संग्रह)

आनन्द कुमार झा

टाकाक मोल (नाटक)

कलह (नाटक)

बदलैत समाज (नाटक)

धधाइत नवकी कनियोँक लहास (नाटक)

हठात् परिवर्तन (नाटक)

मुक्ति यात्रा (नाटक)

शिव कुमार झा "टिल्लू"

क्षणप्रभा-कविता-संग्रह

अंशु-समालोचना

देवांशु वत्स

नताशा -मैथिली बाल चित्रशृंखला (कौमिक्स)

डॉ. विनीत उत्पल

हम पुछैत छी (कविता संग्रह)

रेहन पर रग्घू - काशीनाथ सि हक हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली अनुवाद

मन्त्रद्रष्टाऋष्यश्रृङ्ग- लेखक हरिशंकरश्रीवास्तव "शलभ" (हिन्दीसं मैथिली अनुवाद विनीत उत्पल द्वारा)

मोहनदास- उदय प्रकाशक हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली
अनुवाद

मोहनदास (मैथिली-देवनागरी) मोहनदास (मैथिली-मिथिलाक्षर) मोहनदास (मैथिली-ब्रेल)

जगदानन्द झा "मनु" (सौजन्य- जगदानन्द झा "मनु")

नढिया भुकैए हमर घराडीपर (गजल संग्रह)

तोहर कतेक रंग (विहनि कथा संग्रह)

चोनहा- (बाल उपन्यास)

व्यथा- (कविता-गीत संग्रह)

राजदेव मण्डल

अम्बरा-कविता-संग्रह

हमर टोल (उपन्यास)

बसुंधरा(कविता संग्रह)

जाल (पटकथा)

लाज (एकांकी)

जल भंवर (उपन्यास)

त्रिवेणीक रंग (विहनि आ लघु कथा संग्रह)

पंचैती (लघु पटकथा)

वापसी

Rajdeo Mandal- Maithili Writer by Gajendra Thakur

दुर्गानन्द मण्डल

संचयिका

कथा कुसुम (विहनि आ लघु कथा संग्रह)

चक्षु

राम विलास साहु

अंकुर- लघुकथा संग्रह

रथक चक्का उलटि चलै बाट (कविता/ टनका संग्रह)

कर्म बिनु जग सुन्ना (दोसर कविता/ टनका संग्रह)

स्कूलक खिचडी (विहनि/ लघु कथा संग्रह)

दूधबेचनी (लघु कथा संग्रह)

मनक मैल

नारायण यादव (सौजन्य- उमेश मण्डल)

खाली घर

रामदेव प्रसाद मण्डल "झारूदार"

हमरा बिनु जगत सूना छै

गीतांजलि झारू

कपिलेश्वर राउत

उलहन (विहनि - लघु कथा संग्रह)

नंद विलास राय

सखारी-पेटारी(लघुकथा संग्रह)

मदन अमर (दोसर लघु कथा संग्रह)

मरजादक भोज (तेसर लघुकथा संग्रह)

भरदुतिया

छठिक डाला

हमर चारूधाम

असल पूजा

ललन कुमार कामत (सौजन्य- उमेश मण्डल)

किछु विहनि आ लघुकथा

उमेश पासवान

वर्णित रस

बेचन ठाकुर

बेटीक अपमान आ छीनरदेवी (नाटक)

बाप भेल पित्ती आ अधिकार (नाटक)

बिसवासघात (नाटक)

ऊँच-नीच (नाटक)

भौँट (नाटक)

डॉ. उमेश मण्डल

जगदीश प्रसाद मण्डलक काव्य संसार (अनुसन्धान विश्लेषण)

अभ्यन्तर (संकलन-सम्पादन)

हेन्डबुक सँ फेसबुक धरि (संकलन-सम्पादन)

जेतए ने जाए कवि ओतए जाए अनुभवी (संकलन-सम्पादन)

निर्विकल्प (संकलन-सम्पादन)

समस्या सँ समाधान धरि (संकलन-सम्पादन)

निश्तुकी- कविता संग्रह

मिथिलाक संस्कार गीत, विध-व्यवहार गीत आ गीतनाद (संकलन)

*मिथिलाक वनस्पति स्लाइड शो मिथिलाक जीव-जन्तु स्लाइड शो मिथिलाक
जिनगी स्लाइड शो*

Mithila Painting-Modern Art-Photos

सगर राति दीप जरय- इतिहास

सगर राति दीप जरय- आरती कुमारी फाइल

दुध-पानि फराक-फराक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)-(छाया एवं सम्पादन- उमेश मण्डल)

हिन्दुस्तानी मुसलमान और हिन्दुस्तानियत - मूल हिन्दी लेख- गीतेश शर्मा, मैथिली अनुवाद- उमेश मण्डल

*उमेश मण्डल द्वारा मैथिली लेखकक रचना संसारसँ बीछल विचारक
पाम्फलेटक पोथी*

जगदीश प्रसाद मण्डल राजदेव मण्डल डॉ. शिव कुमार प्रसाद रामदेव प्रसाद मण्डल "झारूदार" राम विलास

साहु नन्द विलास राय कपिलेश्वर राउत प्रीतम कुमार निषाद

*मिथिलाक सभ जाति आ धर्मक संस्कार, लोकगीत आ व्यवहार गीत
(उमेश मंडल :सौजन्य)*

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43

अन्तर्ध्वनि (उमेश मण्डल -चयन एवम् सम्पादन -गोट बीछल कथा १५ जगदीश प्रसाद मण्डलक)

जगदीश प्रसाद मण्डल

गामक जिनगी (लघुकथा संग्रह)

मिथिलाक बेटी (नाटक)

मौलाइल गाछक फूल (उपन्यास)

जिनगीक जीत (उपन्यास)

उत्थान-पतन (उपन्यास)

जीवन-मरन (उपन्यास)

जीवन-संघर्ष (उपन्यास)

तरेगन (बाल प्रेरक विहनि कथा संग्रह)

पंचवटी (एकांकी-संचयन)

अर्द्धांगिनी..सरोजनी.. सुभद्रा.. भाइक सिनेह इत्यादि (लघुकथा संग्रह)

कम्प्रोमाइज (नाटक)

झमेलिया बिआह (नाटक)

इन्द्रधनुषी अकास (पद्य संग्रह)

शंभुदास (तीनटा दीर्घ कथा मइटुंगर, शंभुदास आ फाँसी)

गीतांजलि (गीत संग्रह)

राति-दिन (कविता संग्रह)

सतभैया पोखरि (लघु कथा संग्रह)

तीन जेठ एगारहम माघ (गीत संग्रह)

बजन्ता-बुझन्ता (विहनि कथा संग्रह)

रत्नाकर डकैत (नाटक)

बड़की बहिन (उपन्यास)

भकमोड (लघुकथा संग्रह)

उलबा चाउर (लघुकथा संग्रह)

सरिता (कविता संग्रह)

सुखाएल पोखरिक जाइठ (गीत संग्रह)

नै धाड़ैए (बाल उपन्यास)

स्वयंवर (नाटक)

पतझाड (लघु कथा संग्रह)

फलहार (लघु कथा संग्रह)

गामक शकल सूरत (लघु कथा संग्रह)

लजबिजी (लघु कथा संग्रह)

बटेसर काका (लघु कथा संग्रह)

आमक गाछी

अप्पन गाम

दिवालीक दीप

पंचदेव सीरीज

पंचदेव-१ पंचदेव-२ पंचदेव-३ पंचदेव-४ पंचदेव-५ पंचदेव-६ पंचदेव-७ पंचदेव-८ पंचदेव-

९ पंचदेव-१० पंचदेव-२० पंचदेव-३० पंचदेव-४० पंचदेव-५० पंचदेव-६० पंचदेव-७० पंचदेव-

८० पंचदेव-९० पंचदेव-१००

दुध-पानि फराक-फराक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)- (छाया एवं सम्पादन- उमेश मण्डल)
जगदीश प्रसाद मण्डल जीक ६५ टा पोथीक नव संस्करण विदेहक २३३
(Videha_01_09_2017) सँ २५० (Videha_15_05_2018) धरिक
अंकमे धारावाहिक प्रकाशन नीचाँक लिंकपर पढ़ू:-

VIDEHA 233	VIDEHA 234	VIDEHA 235	VIDEHA 236	VIDEHA 237	VIDEHA 238
VIDEHA 239	VIDEHA 240	VIDEHA 241	VIDEHA 242	VIDEHA 243	VIDEHA 244
VIDEHA 245	VIDEHA 246	VIDEHA 247	VIDEHA 248	VIDEHA 249	VIDEHA 250

पंगु (उपन्यास)- साहित्य अकादेमी मूल पुरस्कार २०२१ सँ सम्मानित पोथी

पंगु (हिन्दी अनुवाद रामेश्वर प्रसाद मण्डल)

अप्पन साती (लघुकथा संग्रह)

मोडपर (उपन्यास)

सुचिता (उपन्यास)

सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल (लघुकथा संग्रह)

डॉ. शशिधर कुमार

उडि ने सकी पर चिडै छी हम (भाग १-२) (पृ. १०५४-१०९५)

खिस्सा अण्टार्कटिका केर (पृ. १०५४-१०९५)

बाल कविता (पृ. ९९३-१२१५)

बाल कविता (पृ. १००४-११७३)

सचित्र बाल कविता (पृ. ७४७-८३४)

सचित्र बाल कविता (पृ. १४६८-१८५०)

.....

गजेन्द्र ठाकुर

तेलुगु कथा आ ओडिया, तेलुगु, गुजराती, भोजपुरी आ कश्मीरी कविता

तेलुगु कथा आ ओडिया, तेलुगु, गुजराती, भोजपुरी आ कश्मीरी कविता (मिथिलाक्षर)

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिरहुता)

मैथिली समीक्षाशास्त्र (भाग-२, अनुप्रयोग)

मैथिली प्रतियोगिता

प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना भाग-१

प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना भाग दू (कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक-२)

प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना (भाग-२, कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक खण्ड-८) (संक्षिप्त)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (मिथिलाक्षर)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (कैथी)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (नेवाडी)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (IPA)

दूषण पञ्जी- The Black Book

दूषण पञ्जी- The Black Book (मिथिलाक्षर)

[पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल \(बीहनि, लघु आ दीर्घ कथा संग्रह\)](#)

[पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल \(मिथिलाक्षर\)](#)

[पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल \(कैथी\)](#)

[पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल \(नेवाडी\)](#)

[पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल \(IPA\)](#)

[स्वप्नमे मिज्झर होइत](#)

[The Science of Words](#)

[Rajdeo Mandal- Maithili Writer \(Now with Supplement I & II\)](#)

[JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer](#)

[नित नवल सुभाष चन्द्र यादव](#)

[नित नवल सुभाष चन्द्र यादव \(मिथिलाक्षर\)](#)

[जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी](#)

[जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी \(हिन्दी अनुवाद रामेश्वर प्रसाद मण्डल\)](#)

[गंगा ब्रिज \(नाटक\)](#)

[उल्कामुख \(नाटक\)](#)

[संकर्षण \(नाटक\)](#)

[धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ \(रुबाइ, कता आ गजल संग्रह\)](#)

[सहस्रजित \(पद्य संग्रह\)](#)

[सहस्राब्दीक चौपडपर \(पद्य संग्रह\)](#)

[त्वञ्चाहञ्च आ असञ्जाति मन \(दूटा गीत प्रबन्ध\)](#)

[सहस्रबाढनि \(उपन्यास\)](#)

[सहस्रबाढनि ब्रेल-मैथिली \(मैथिलीक पहिल ब्रेल पोथी\)](#)

[सहस्रशीर्षा \(उपन्यास\)](#)

[गल्प-गुच्छ \(विहनि आ लघु कथा संग्रह\)](#)

[शब्दशास्त्रम् \(लघुकथा संग्रह\)](#)

[बाल मण्डली/ किशोर जगत \(बाल नाटक, लघुकथा, कविता आदि\)](#)

[कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक](#)

[देवनागरी वर्सन तिरहुता वर्सन ब्रेल वर्सन](#)

[Learn Maithili Sign Language](#)

[Learn Mithilakshar Script](#)

[Learn Braille through Mithilakshar Script](#)

[Learn International Phonetic Script through Mithilakshar Script](#)

[Learn Kaithi](#)

[Learn Newari](#)

[Learn Calligraphic Newari \(Ranjana\)](#)

[Learn Urdu Script](#)

[Learn Tibetan Script](#)

[Learn Japanese Script for Haiku](#)

[Learn Brahmi](#)

[Learn Kharoshthi](#)

[मिथिला रत्न/ मिथिला चित्रकला/ मिथिलाक पाबनि तिहार \(कथा\) आ मिथिलाक संगीत](#)

[जलोदीप \(बाल-नाटक संग्रह\)](#)

[अक्षरमुष्टिका \(बाल-लघुकथा संग्रह\)](#)

बाडक बडौरा (बाल-पद्य संग्रह)

नाराशंसी (गीत-प्रबन्ध)

मचण्ड (नाटक)

बाल साहित्य (मूल)- गजेन्द्र ठाकुर

भऽ जाएब छू (मैथिलीक २०१२ मे प्रकाशित पहिल क्लाइमेट-फिक्शन प्ले-
Maithili's first climate-fiction play originally published in 2012)

कमलाक भगता

तरहरिमे परीलोक

बेसी छुट्टी कम इसकूल

बडद करैए दाउन ने यौ

बाल गजल

फिनिश लाइन

अनूदित साहित्य (आन भाषासँ)- गजेन्द्र ठाकुर

विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)

बाल साहित्य (अनुवाद- द्विभाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजेन्द्र ठाकुर

मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका

शेष ४० टा बाल चित्र-पोथी नीचाँक लिंकपर:-

सूच	भर सभ	एकटा नीक दिन	चलू हम तँ ठीक छी ने!	की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?
पेट	बडौरा कविधारा	एतए हम सभ दुई छी	आलोचक: राजकुमारी	आलोचक: राजकुमारी (बिन्दु शब्दक)
बूवा	कचकच- कचक	पुरुषुबक- नईनाद	मैना जे बेदुन्दै देहइत करल	अदुत किबनाची अंक-भुवना
बालू	अखन नै, अखन नै	जन्मदिनक उत्सव भोज	सौर राजा पातर-दब्बड कुकड़	बाँसरा जे अपन ईसाँ मे तोक सकेत छाने
अमरजी	हम साथे सके छी	छोट लाल-दुदरदुद डोरि	करू नीक, भोग नीक	ई सभटा बिलौकिक दोख ओखि
सोभा आमा	हमर दोखक बाट	जखन टुकड़ स्कूल गेल	माछी फेर आउ टारो!	अमाचीक जुलूम मशीन सभ
दिग टैंग	पाठमाऊ-बाह	कुकड़क एकटा दिन	हमर नीक लगेए	सैलाक जव-स्कूलमे पहिल दिन
कनी हँसियो ने!	लाल बरसाती	भूतप्रेतक नाकशासल	आउ पपर गानी	कतऽ ओछे ई अंक ५?

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग रीड-अलाउड ऑडियो बुक

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgIT> (चलू हम तँ ठीक छी ने!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घर सभ)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fubt7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

NTA-UGC/ UPSC/ BPSC Maithili Optional- गजेन्द्र ठाकुर

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिरहुता)

मैथिली समीक्षाशास्त्र (भाग-२, अनुप्रयोग)

मैथिली प्रतियोगिता

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) भारोपीय भाषा परिवार मध्य मैथिलीक स्थान/ मैथिली भाषाक उद्भव ओ विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली)]

(Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददास सिलेबसमे छथि आ रसमय कवि चतुर चतुरभुज विद्यापति कालीन कवि छथि। एतय समीक्षा शृंखलाक प्रारम्भ करबासँ पूर्व चारू गोटेक शब्दावली नव शब्दक पर्याय संग देल जा रहल अछि। नव आ पुरान शब्दावलीक ज्ञानसँ ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददासक प्रश्नोत्तरमे धार आओत, संगहि शब्दकोष बढ़लासँ खाँटी मैथिलीमे प्रश्नोत्तर लिखबामे धाख आस्ते-आस्ते खतम होयत, लेखनीमे प्रवाह आयत आ सुच्चा भावक अभिव्यक्ति भय सकत।)

(बद्रीनाथ झा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मत्स्य शब्दावली)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- लोरिक गाथामे समाज ओ संस्कृति)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- विद्यापति)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- पद्य समीक्षा- बानगी)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- लोक गाथा नृत्य नाटक संगीत)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- यात्री)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली रामायण)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली उपन्यास)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- शब्द विचार)

(तिरहुता लिपिक उद्भव ओ विकास)

अनुलग्नक-१-२-३ अनुलग्नक- ४-५

(मैथिली आ दोसर पुबरिया भाषाक बीचमे सम्बन्ध (बांग्ला, असमिया आ ओडिया) [यू.पी.एस.सी. सिलेबस, पत्र-१, भाग-"ए", क्रम-५])

[मैथिली आ हिन्दी/ बांग्ला/ भोजपुरी/ मगही/ संथाली- बिहार लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केर सिविल सेवा परीक्षाक मैथिली (ऐच्छिक) विषय लेल]

मैथिली

बांग्ला

असमिया

ओडिया

हिन्दी

उर्दू

नेपाली

संस्कृत

संथाली

NTA UGC NET Maithili 01- गजेन्द्र ठाकुर

NTA UGC NET Maithili 02- गजेन्द्र ठाकुर

Test Series-1- गजेन्द्र ठाकुर

Test Series-2- गजेन्द्र ठाकुर

GS (Pre)

Topic 1 - गजेन्द्र ठाकुर

गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

विदेह-सदेह १-	
२५ www.videha.co.in	
विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५०	
सँ- मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ गद्य आ	
पद्यक एकटा समानान्तर संकलन	
देवनागरी	मिथिलाक्षर
विदेह१ सदेह:	विदेहतिरहुता १ सदेह :
विदेहसदेह: २ मैथिली प्रबन्ध- समालोचना-निबन्ध	विदेह: सदेह २ तिरहुता
विदेहसदेह: ३ मैथिली पद्य	विदेह: सदेह ३ तिरहुता
विदेहसदेह: ४ मैथिली कथा	विदेह: सदेह ४ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५]	विदेह: सदेह ५ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५२-संस्करण -]	विदेहसदेह :ह ५ संस्करणतिरहुता २-
विदेह मैथिली लघुकथा [विदेह सदेह ६]	विदेह: सदेह ६ तिरहुता
विदेह मैथिली पद्य [विदेह सदेह ७]	विदेह: सदेह ७ तिरहुता
विदेह मैथिली नाट्य उत्सव [विदेह सदेह ८]	विदेह: सदेह ८ तिरहुता
विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९]	विदेह: सदेह ९ तिरहुता
विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध- समालोचना [विदेह सदेह १०]	विदेह: सदेह १० तिरहुता
विदेह११ सदेह:	विदेहतिरहुता ११ सदेह :
विदेह१२ सदेह:	विदेहतिरहुता १२ सदेह :
विदेह१३ सदेह:	विदेहतिरहुता १३ सदेह :
विदेह१४ सदेह:	विदेहतिरहुता १४ सदेह :
विदेह१५ सदेह:	विदेहतिरहुता १५ सदेह :
विदेह१६ सदेह:	विदेहतिरहुता १६ सदेह :
विदेह१७ सदेह:	विदेहतिरहुता १७ सदेह :
विदेह१८ सदेह:	विदेहतिरहुता १८ सदेह :
विदेह१९ सदेह:	विदेहतिरहुता १९ सदेह :
विदेह२० सदेह:	विदेहतिरहुता २० सदेह :
विदेह२१ सदेह:	विदेहतिरहुता २१ सदेह :

विदेह२२ सदेह:	विदेहतिरहुता २२ सदेह :
विदेह२३ सदेह:	विदेहतिरहुता २३ सदेह :
विदेह२४ सदेह:	विदेहतिरहुता २४ सदेह :
विदेह:सदेह २५	विदेह: सदेह २५ तिरहुता
<p>विदेह-सदेह २६- ३६ www.videha.co.in विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५० सँ- थीम आधारित मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ मूल आ अनूदित गद्य आ पद्यक एकटा समानान्तर संकलन</p>	
विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अरुण कुमार सिंह अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २६ तिरहुता
विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २७ तिरहुता
विदेह २८ सदेह:(अनूदित गद्य आ पद्य - १ अंक-३५० सँ)	विदेह: सदेह २८ तिरहुता
विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २९ तिरहुता
विदेह:सदेह ३० (स्कूल-कालेजक विद्यार्थी लेल- अंक १-३५० सँ)	विदेहतिरहुता ३० सदेह :
विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३१ तिरहुता
विदेह:सदेह ३२ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-१- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३२ तिरहुता
विदेह:सदेह ३३ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-२- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३३ तिरहुता
विदेह:सदेह ३४ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-३- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३४ तिरहुता
विदेह:सदेह ३५ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-४- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३५ तिरहुता
विदेह:सदेह ३६ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-५- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३६ तिरहुता

.....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता परीक्षा लेल देखू:

विदेह:सदेह १७	विदेह:सदेह २१	विदेह:सदेह २३	विदेह:सदेह २६	विदेह:सदेह २९
विदेह:सदेह ३०	विदेह:सदेह ३२	विदेह:सदेह ३३	विदेह:सदेह ३४	विदेह:सदेह ३५

.....

Videha-Sadeha

भाषापाक -विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

विदेह पुरान अंकक आर्काइव

Videha 1-50

Videha 51-100

Videha 101-149

[Videha 150-250](#)

[Videha 251-Onwards](#)

[Audio Archive Folder](#)

[Mithila Painting-Modern Art-Photos](#)

[Videha Old Issues Folder](#)

[Videha Classical Sites Folder](#)

.....

गजेन्द्र ठाकुर आ आशीष अनचिन्हार (सम्पादन)

[मैथिलीक प्रतिनिधि गजल](#)

[मैथिली गजल: आगमन ओ प्रस्थान बिंदु \(गजलक आलोचना-समालोचना-समीक्षा\)](#)

.....

गजेन्द्र ठाकुर, नागेन्द्र कुमार झा आ पञ्जीकार विद्यानन्द झा (सम्पादन)

[जीनोम मैपिंग \(४५० ए.डी.सँ २००९ ए.डी.\)--मिथिलाक पञ्जी प्रबन्ध](#)

[जीनियोलोजिकल मैपिंग \(४५० ए.डी.सँ २००९ ए.डी.\)--मिथिलाक पञ्जी प्रबन्ध -भाग-२](#)

पंजी (११००० मूल मिथिलाक्षर ताड़पत्र)

[11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS \(VOLUME I TO XXII\) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti Thakur](#)

MAITHILI-ENGLISH DICTIONARIES

[Maithili-English Dictionary Vol.I](#)

[Maithili-English Dictionary Vol.II](#)

ENGLISH-MAITHILI DICTIONARIES

[Videha English Maithili Dictionary](#)

[English-Maithili Computer Dictionary](#)

.....

दिनेश कुमार मिश्र (सौजन्य दिनेश कुमार मिश्र)

[बन्दिनी महानन्दा](#)

[बागमती की सद्गति!](#)

[दुइ पाटन के बीच में.. \(कोसी नदी की कहानी\)](#)

[न घाट न घर](#)

[बगावत पर मजबूर मिथिला की कमला नदी](#)

[भुतही नदी और तकनीकी झाड़-फूक](#)

[The Kamla River and People On Collision Course](#)

[Bhutahi Balan- Story of a ghost river and engineering witchcraft](#)

[Refugees of the Kosi Embankments](#)

.....

पत्रिका-जर्नल-स्मारिका

मैथिली कविता-त्रैमासिक (सौजन्य- नचिकेता)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (अप्रैल १९६९)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (जुलाइ १९६९)

मिथिला दर्शन (सौजन्य- नचिकेता)

मार्च २०२१

नवम्बर २०२१

कौशिकी (सौजन्य- पञ्जीकार विद्यानन्द झा)

कौशिकी (१९७१-७२)

देसिल बयना (अखबार) (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)

देसिल बयना (अखबार)

Society Today (सौजन्य- सुमित आनन्द)

अंक ११

संकल्प (सौजन्य- योगानन्द झा)

अंक ५ १९८८

अंतिका (सौजन्य- गौरीनाथ)

जुलाइ-सितम्बर २००८ (हरिमोहन झा विशेषांक) अक्टूबर २०१०सँ मार्च २०११ अक्टूबर २०११ सँ मार्च २०१२

भारती मंडन (सौजन्य- केदार कानन)

अंक-१६

सन्धान (सौजन्य- अशोक)

सन्धान १

सन्धान २

सन्धान ३ प्रभास विशेष

सन्धान ४

मिथिलांगन (सौजन्य मुकेश दत्त)

अप्रैल-सितम्बर २०२२

मैलोरंग (सौजन्य- प्रकाश झा)

अंक२-३

धूआ-धजा (सौजन्य- परमेश्वर कापड़ि)

अंक ७ अंक १४ अंक १५ अंक १६ अंक १८ अंक १० जून २०१२ अंक २४ जून

२०१२ 23February2016 २५ जुलाइ २०१२ ०५ अगस्त २०१२ आसिन २०७३

स्मारिका (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

स्मारिका (२०१०)

आंगन (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

आंगन अंक-४ (२०१२) सलहेस विशेषांक

आँजुर (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

आँजुर (अंक वर्ष ३६, अंक ३) सोमदेव विशेष

गामघर (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि "भ्रमर")

गामघर-३०-०८-२०१८

गामघर-०४-१०-२०१८

गामघर-१६-०५-२०१९

गामघर-२७-०६-२०१९

दूधमती- (नेपाली आ मैथिलीमे) (सौजन्य- सुजीत कुमार झा)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक ३५ अंक ३६ अंक ३७ अंक ३८ अंक ३९ अंक ४० अंक ४१

घर-बाहर (सौजन्य- चेतना समिति)

अप्रैल-जून २०११

रचना (सौजन्य- सुभाष चन्द्र यादव)

दिसम्बर "०५ मार्च "०६राजकमल चौधरी: मोनोग्राफ

पल्लव (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

पल्लव- १ गजल अंक

पूर्वोत्तर मैथिल (सौजन्य- प्रेमकान्त चौधरी)

अप्रैल-जून २०१० जुलाई-सितम्बर २०१० जनवरी सँ मार्च २०११ अप्रैल-जून २०११ जुलाई-सितम्बर २०११

लालदास भावांजलि स्मारिका २०२२ (सौजन्य डॉ संजीव शमा)

.....

किछु मैथिली पोथी डाउनलोड साइट (ओपन सोर्स)

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

मैथिली-हिन्दी वार्तालाप (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

Sahitya Akademi

प्रकाशन

डिजिटल-पोथी

CIIL

अखियासल (रमानन्द झा रमण)

जुआयल कनकनी- महेन्द्र

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (बी.पी.एस.सी. सिलेबस)

सृजन केर दीप पर्व- सं केदार कानन आ अरविन्द ठाकुर

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन झा

[Archive.Org \(विजयदेव झा\)](#)

[Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video Archive](#)

[IGNCA](#)

[Maithili English Dictionary](#)

[विज्ञान रत्नाकर](#)

[मिथिला दर्शन](#)

[तीरभुक्ति](#)

[OLE Nepal's e-Pustakalaya](#)

[पोथीक लिंक](#)

[IGNCA-ASI \(search keyword Mithila\)](#)

[History of Navya-Nyaya in Mithila](#)

[Studies in Jainism and Buddhism in Mithila](#)

[Mithila in the Age of Vidyapati](#)

[Cultural Heritage of Mithila](#)

[Mithila under the Karnatas](#)

[Temple Survey Project ASI- English आ Hindi](#)

[मैथिली साहित्य संस्थान](#)

[दर्शनीय मिथिला \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 1 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 2 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 3 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 4 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 5 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली](#)

[अरिपन फाउण्डेशन](#)

[Pratham Books Maithili Storyweaver](#)

[मैथिली ऑडियो बुक्स](#)

[Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books \(including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili\)](#)

[पोथी डॉट कॉम](#)

[I Love Mithila \(पोथी डाउनलोड लिंक\)](#)

[online maithili journal](#)

[owner I Love Mithila](#)

प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द

मिथिला चैप्टर

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

जानकी एफ.एम समाचार

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

.....

JNU

मैथिली

मैथिली लेक्सिकन

.....

Videha e-Learning YouTube Channel

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत /नाटक अकादेमी सम्मान- (पुरस्कार नामसँ विख्यात

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटा-पुनटा दियौ, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उखड़ाहामे करथि।

IGNOU इग्नू BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by [videha](#) (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/documents.

३. मैथिली ऑडियो-वीडियो संकलन Maithili Audios-Videos

विदेह ऑडियो-वीडियो

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search for Audio-Video related information
(including Print, Audio-Visual & Sign Language)
relating to Mithila/ Maithili

<https://books.google.com/>



"Videha" Ist Maithili Fortnightly ejournal Archive of Audios-Videos 'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो-वीडियो आर्काइव मैथिली ऑडियो-वीडियो संकलन (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) ऑडियो-वीडियो देखबाक लेल सबधित लिंकें क्लिक करू। For viewing audios-videos click the respective links.

.....

मिथिलाक सभ जाति आ धर्मक संस्कार, लोकगीत आ व्यवहार गीत
(उमेश मंडल :सौजन्य)

[1](#) [2](#) [3](#) [4](#) [5](#) [6](#) [7](#) [8](#) [9](#) [10](#) [11](#) [12](#) [13](#) [14](#) [15](#) [16](#) [17](#) [18](#) [19](#) [20](#) [21](#) [22](#) [23](#) [24](#) [25](#) [26](#) [27](#) [28](#) [29](#) [30](#)
[31](#) [32](#) [33](#) [34](#) [35](#) [36](#) [37](#) [38](#) [39](#) [40](#) [41](#) [42](#) [43](#)

.....

गुवाहाटी विद्यापति पर्व २०१०

[पहिल भाग](#) [दोसर भाग](#) [तेसर भाग](#) [चारिम भाग](#) [पाँचम भाग](#)

गुवाहाटी अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन आ विद्यापति पर्व २०११

01 02 03 04 05 06 07 08 09 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34
35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46

.....

मैथिली फिल्म

ममता गाबय गीत -सौजन्य) Saregama(

कन्यादान (सौजन्य- BEJOD)

Maithili Movies on Rent

BEJOD

गामक घर

धुइन्

चौबटिया (धीरेन्द्र प्रेमर्षि -सौजन्य)

चौबटिया

सौभाग्य मिथिला

ललका पाग भाग१-

ललका पाग भाग२-

.....

मिनाप१-

बुधियार छौडा आ राक्षस

मिनाप२-

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४-

.....

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

पं लक्ष्मीपति सिंह (सौजन्य रमानन्द झा "रमण")

हिन्दी-मैथिली-शिक्षक

मैथिली-हिन्दी वार्तालाप (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-IrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द

मिथिरंग लोक तरंग

मिथिला चैप्टर

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

मिनाप

मैलोरंग

मिथिलांगन

भंगिमा

मैथिली रंगमंच

कोकिल मंच

मिथिला दर्शन

मिथिला मिरर

स्मृति एंटरटेनमेंट

BEJOD

अचल चित्र

नीलम मैथिली

मैथिली गंगा

मिथिला जंक्शन

मैथिली क्लास

मैथिली समाचार (जनता टेलीविजन)

मैथिली टॉक्स

अप्पन टी.वी.

टी.वी. टुडे, जनकपुर

दृश्यम मीडिया

संस्कार मिथिला

सारेगामा मैथिली

नवरस मीडिया

ज्योति एंटरटेनमेंट

इजोरिया फिल्मस

अयोध्यानाथ चौधरी

रेडियो जनकपुर

मिथिला टी.वी.

मधुर मैथिली

मैथिली-नेपाली सीखू

अपन मैथिली

मैथिली पाठ

सुरेन्द्र राउत

मिथिलांचल

अमित झा

प्रवेश मल्लिक

आदित्य फिल्मस एण्ड म्यूजिक

नेपाल टेलीविजन

आकाशवाणी मैथिली समाचार

आकाशवाणी अमृत महोत्सव

रश्मि दत्त

प्रिया मल्लिक

अनामिका झा

रफ कट्स, नचिकेता

कुञ्ज बिहारी

राम बाबू झा

वी. जे., विकास झा

तिरहुत मिथिला

आइ लव मिथिला

लोक कला केन्द्र

रजनी पल्लवी

पूनम मिश्र

रंजना झा

जूली झा

मैथिली ठाकुर

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

अरिपन फाउण्डेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली ऑडियो बुक्स

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgIT> (चलू हम तँ ठीक छी ने(!

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2I5wesxCp> (घर सभ)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fubt7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

जानकी एफएम समाचार.

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

I Love Mithila

online maithili journal

owner I Love Mithila

.....

बृखेश चन्द्र लाल, जनकपुरक सौजन्यसँ

झिझिया

ढोलपिपही-

पवनकान्त झा (काश्यप कमल), भटसिमरि, मधुबनीक सौजन्यसँ

रसनचौकी

.....

विद्यापति गीत

तूलिका

गीत(गायन दीक्षा भारती) गोविन्ददास-

गोविन्ददास१-

गोविन्ददास२-

गोविन्ददास३-

गोविन्ददास४-

गोविन्ददास५-

गोविन्ददास६-

.....

मैथिली गजल गजेन्द्र ठाकुर -गजल), गायन दीक्षा भारती(

बहरे मुतकारिब

गजल२-

गजल३-

गजल४-

.....

७१म सगर राति दीप जरए (२०१० अक्टूबर ०२), गाम बेरमा , जिला मधुबनी (जगदीश प्रसाद मंडल -संयोजक)

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४- भाग५- भाग६-

82 म सगर राति दीप जरए, स्थानगजेन्द्र ठाकुर जीक निज आवास -, गाममेंहथ -, जिला-मधुबनी। दिनांक - 31 मई 2014 (शनि दिन), समए -दीप जरए। आयोजनक खेप कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा सगर राति -संध्या छह बजेसँ। गोष्ठीक नाओं - म आयोजन ८२, संयोजकबाल साहित्यपर केन्द्रित। -गजेन्द्र ठाकुर। विशेषता -

.....

मैलोरंग१- (सौजन्य(प्रकाश झा -

नचिकेताक एक छल राजा -भाग -1

नचिकेताक एक छल राजा -भाग - 2

काठक लोक-महेन्द्र मलंगिया भाग -1

काठक लोक-महेन्द्र मलंगिया भाग -2

मैलोरंगर-

कोसी सेमीनार 12 सितम्बर 2008 भाग१-

कोसी सेमीनार 12 सितम्बर 2008 भाग२-

.....

मिथिलांगन

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव

यू ट्यूब लिंक

विदेह मैथिली साहित्यपरिचर्चा उत्सव /कविता /नाट्य /

विदेह समानान्तर साहित्य अकादेमी सम्मान समारोह

जनकपुरविद्यापति पर्व -

जितेन्द्र झा, जनकपुर

रामभद्र

सामा चकेवा 1

सामा चकेवा 2

मैथिली कवि सम्मेलन (मिथिला कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन, यू.के.

रिपब्लिक डे 2009 (भारत)

सगर राति दीप जरए, कबिलपुर, जून २०१०

भाग१- भाग२-

कृष्ण कुमार कश्यपसँ गजेन्द्र ठाकुर द्वारा लेल साक्षात्कार

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४- भाग५-

भाग६- भाग७-

प्रबोध सम्मानराजमोहन : झा

(स्लाइडरकें बीचमे ल' जाउ, अदहाक बाद राजमोहन झासँ विनीत उत्पलक साक्षात्कार छन्हि।)

साहित्य अकादमी पुरस्कारमन्त्रेश्वर : झा

मिथिलाक खोज

1. गौरीशकर

भाग१- भाग२-

2. बाइसीबसैटी-

वर्षकृत्य

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४- भाग५-

भाग६- भाग७- भाग८- भाग९- भाग१०-

समन्वय २इण्डिया हैबीटेट सेन्टर भारतीय भाषा महोत्सव २०१२ नवम्बर ४-

Samanvay 2-4 November 2012 IHC Indian Languages' Festival. Venue: India Habitat Centre, Lodhi Road, New Delhi -- 110 003.

3rd November 2012 Maithili- Love's Own Language/ Brahminism in Maithili/ Pre-Jyotirishwar Non-Brahmin Vidyapati

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४- भाग५-

भाग६- भाग७- भाग८- भाग९- भाग१०-

भाग११- भाग१२-

2nd November 2012 Uzna Re- By Shovna Narayan (Pre-Jyotirishwar Non Brahmin Vidyapati's Life Episode)

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४- भाग५-

भाग६- भाग७- भाग८-

७५म सगर राति दीप जरए मे मुन्नाजीक पहिल विहनि कथा पोस्टर प्रदर्शनी

मिथिलाक मूडन(रसनचौकीक स्वरक संग) -

हृदयनारायण झा

भाग१- भाग२- भाग३-

रंजन चौधरी आ हनी मिश्र (तबला)

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४- भाग५-

भाग६- भाग७- भाग८- भाग९-

ललित रंग आ हनी मिश्र (तबला)

भाग१- भाग२- भाग३-

दीक्षा भारती

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४-

सुषमा

बटगमनी

नन्द कुमार मिश्रक गजल पाठ

नन्द कुमार मिश्र जीक कविता पाठ

भाग१- भाग२-

मैथिलीभोजपुरी अकादमी -, नई दिल्ली

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४- भाग५-

मैथिलीभोजपुरी अकादमी -, नई दिल्ली सेमीनार 29 मार्च 2009

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४- भाग५-

भाग६- भाग७- भाग८- भाग९-

मैथिलीभोजपुरी अकादमी -, द्वारका, नई दिल्ली सेमीनार

भाग१- भाग२- भाग३- भाग४- भाग५-

भाग६-

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीतपुरस्कार /नाटक अकादेमी सम्मान- (नामसँ विख्यात

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी -विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटापुनटा दियौ-, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.सी.एस.पी. क मैथिली पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि (कम्पलसरी), से जे विद्यार्थी मैथिली रीडिंग -पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट (कम्पलसरी) उखड़ाहामे करथि-दोसर।

IGNOU इग्नू BMAF-001

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

४. मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्य Maithili Children Literature

विदेह शिशु, बाल आ किशोर उत्सव

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू! Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search for Children Literature (including Audio-Visual & Sign Language) relating to Mithila/ Maithili

<https://books.google.com/>



Videha Archive of Maithili Children Literature विदेह मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्यक आर्काइव (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) सभ पोथी पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सभपर उपलब्ध अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below

.....

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

पं लक्ष्मीपति सिंह (सौजन्य रमानन्द झा "रमण")

हिन्दी-मैथिली-शिक्षक

मैथिली-हिन्दी वार्तालाप (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

विदेह मैथिली शिशु उत्सव

कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा (बाल साहित्य केन्द्रित) मेंहथमे भेल ८२ म सगर राति दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन

कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा

नेना भुटकाकेँ रातिमे सुनेबा लेल किछु लोककथा

भोला लाल दास (आर्काइव डोट कोम)

मैथिली सुबोध व्याकरण

डॉ. रमानन्द झा 'रमण' (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

राजू आ टाकाक गाछ (अनुवाद)

योगेन्द्र पाठक "वियोगी" (सौजन्य- योगेन्द्र पाठक "वियोगी")

विज्ञानक बतकही

विज्ञानक बतकही भाग-२

नरक विजय (सम्पूर्ण)

नरक विजय (संशोधित)

हमर गाम (बाल उपन्यास)

पिरामिडक देशमे

रोबोट (अनूदित साइंस-फिक्शन नाटक)

रामलोचन ठाकुर (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)

मैथिली लोककथा

कीर्तिनाथ झा (सौजन्य- कीर्तिनाथ झा)

कुरल: मैथिली भावानुवाद

जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" (सौजन्य- जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल")

बाल कविता

मुन्नाजी

तीन टा बाल नाटक (मैथिली बाल साहित्य)

खुरलुच्ची (मैथिली बाल कविता- बाल साहित्य)

देवांशु वत्स

नताशा -मैथिली बाल चित्रशृंखला (कौमिक्स)

जगदानन्द झा "मनु" (सौजन्य- जगदानन्द झा "मनु")

चोनहा (बाल उपन्यास)

जगदीश प्रसाद मण्डल

तरेगन (बाल प्रेरक विहनि कथा संग्रह)

नै धाड़ैए (बाल उपन्यास)

नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' (सौजन्य- नन्द कुमार मिश्र 'नन्द')

स्वर्ण कमल (बाल उपन्यास)

बृषेश चन्द्र लाल (सौजन्य- बृषेश चन्द्र लाल)

ढोलक (बाल कविता संग्रह)

सुजीत कुमार झा (सौजन्य- सुजीत कुमार झा)

कोइली घूरि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

डॉ. शशिधर कुमार

उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग १-२) (पृ. १०५४-१०९५)

खिस्सा अण्टार्कटिका केर (पृ. १०५४-१०९५)

बाल कविता (पृ. ९९३-१२१५)

बाल कविता (पृ. १००४-११७३)

सचित्र बाल कविता (पृ. ७४७-८३४)

सचित्र बाल कविता (पृ. १४६८-१८५१)

डॉ शशिधर कुमर आ सुप्रिया बेबी कुमारी

भूकम्प (पृ. ६३८-६७४)

कनकमणि दीक्षित (मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद रूपा धीरू आ धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य) (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

भगता बेडक देश-भ्रमण

अणिमा सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

शिशु गीत खेल

कल्पना झा (सौजन्य- कल्पना झा)

नशामुक्ति हित गाबी गीत

निनियाँ

मुन्नी कामत (सौजन्य- मुन्नी कामत)

चुक्का (बाल कथा संग्रह)

प्रीति ठाकुर

गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)

रेस (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

ए बी सी डी- प्रकृति अक्षर पोथी (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

सभ खाइत अछि (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बो म्याउ बाह (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

रड सभ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०६) छोट आ पैघ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०७) माल-जाल आ जानवर दिस देखू (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(१७) हमर परिवार (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

जानवर (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पोथी १३: १...२...३... (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बाजाक अबाज (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

नीतू कुमारी

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

नीता झा (सौजन्य- नीता झा)

बिलाइ मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)

किरण चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर बाल-वाडी

आर्या कौकपिट मे

दीपा करमाकर- सही संतुलन मे

जंगल मे अहाँक स्वागत अछि

व्हेल छथि आकाश मे

भैया के मुस्कान के चौरौलक

बीज संचयक

अचंभित करय "फिबोनाची"

शौचालयक खिस्सा

लाल बरसाती

गुल्लीक जादुई पेटी

समीराक विकठ भोजन

विवाह मे जाई छी

प्रियंका झा (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर माँछ! नै हमर माँछ!

रश्मि प्रिया (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

कैयो सकै छी, नहियो कऽ सकै छी

सुनीता ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

बण्टी आ बबली

नीलिमा चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर सभसँ नीक संगी

स्वास्तिका ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

गप्पू बुते नाचल नै होइ छै

तूलिका (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा ओ चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

ओंघाइत भीमा

लक्ष्मी ठाकुर

जानवर सभ संगे भेंट-घाँट

पूनम मण्डल

सुतै कालक खिस्सा

गजेन्द्र ठाकुर

बाल साहित्य (मूल)- गजेन्द्र ठाकुर

बाल मण्डली/ किशोर जगत (बाल नाटक, लघुकथा, कविता आदि)

Learn Mithilakshar Script

जलोदीप (बाल-नाटक संग्रह)

अक्षरमुष्टिका (बाल-लघुकथा संग्रह)

बाडक बडौरा (बाल-पद्य संग्रह)

भऽ जाएब छू (मैथिलीक २०१२ मे प्रकाशित पहिल क्लाइमेट-फिक्शन प्ले-
Maithili's first climate-fiction play originally published
in 2012)

कमलाक भगता

तरहरिमे परीलोक

बेसी छुट्टी कम इसकूल

बडद करैए दाउन ने यौ

बाल गजल

फिनिश लाइन

बाल साहित्य (अनुवाद- द्विभाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजेन्द्र ठाकुर

मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका

सुनू

घर सभ

एकटा नीक दिन

चलू हम तँ ठीक छी ने!

की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?

टोस्ट

बडीटा! कनियेटा!

एतऽ हम सभ रहै छी

भारतोल्लक राजकुमारी

भारतोल्लक राजकुमारी (बिनु शब्दक)

वुयो

कच-कच कचाक

चुन्न-मुन्नक नहेनाइ

नेना जे बैलूनसँ डेराइत छल

अद्भुत फिबोनाची अंक-शृंखला

हारू

अखन नै, अखन नै!

जन्मदिनक उत्सव भोज

मोट राजा पातर-दुब्बड कुकुड

बचिया जे अपन हँसी नै रोकि सकैत छलि

अंग्रेजी

हम सूंघि सकै छी

छोट लाल-टुहटुह डोरी

करू नीक, भोगू नीक

ई सभटा बिलाडिक दोख अछि!

चोभा आम!

हमर टोलक बाट

जखन इकडू स्कूल गेल

माछी फेर आउ टाटा!

अमाचीक जुलुम मशीन सभ

टिंग टोंग

पाउ-म्याऊ-वाह

कुकुडक एकटा दिन

हमरा नीक लगैए

रीताक नव-स्कूलमे पहिल दिन

कनी हँसियौ ने!

लाल बरसाती

भूत-प्रेतक नाट्यशाला

आउ पएर गानी

कतऽ अछि ई अंक ५?

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग रीड-अलाउड ऑडियो बुक

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgIT> (चलू हम तँ ठीक छी ने!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2I5wesxCp> (घर सभ)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fubt7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९]

विदेह: सदेह ९ तिरहुता

**गजेन्द्र ठाकुर, नागेन्द्र कुमार झा आ पञ्जीकार विद्यानन्द झा
(सम्पादन)**

English-Maithili Computer Dictionary

डॉ. कमला चौधरी (सौजन्य- कमला चौधरी)

मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली २००८

डॉ योगानन्द झा (सौजन्य- योगानन्द झा)

मैथिलीक पारम्परिक जातीय व्यवसायक शब्दावली २००९

डॉ. ललिता झा (सौजन्य- ललिता झा)

मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली २०११

गोविंद झा)(IGNCA Site आर्काइव)

Maithili-English Dictionary

रामदेव झा (शंकरदेव झा -सौजन्य)

मैथिली शब्द संचय

.....

किछु मैथिली पोथी डाउनलोड साइट (ओपन सोर्स)

[Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video Archive](#)

[विज्ञान रत्नाकर](#)

[OLE Nepal's e-Pustakalaya](#)

[पोथीक लिंक](#)

[IGNCA-ASI \(search keyword Mithila\)](#)

[History of Navya-Nyaya in Mithila](#)

[Studies in Jainism and Buddhism in Mithila](#)

[Mithila in the Age of Vidyapati](#)

[Cultural Heritage of Mithila](#)

[Mithila under the Karnatas](#)

[Temple Survey Project ASI- English आ Hindi](#)

[मैथिली साहित्य संस्थान](#)

[दर्शनीय मिथिला \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 1 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 2 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 3 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 4 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 5 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली](#)

[अरिपन फाउण्डेशन](#)

[Pratham Books Maithili Storyweaver](#)

[मैथिली ऑडियो बुक्स](#)

[Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books \(including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili\)](#)

पोथी डॉट कॉम

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

जानकी एफएम समाचार.

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत /नाटक अकादेमी सम्मान- (पुरस्कार नामसँ विख्यात

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटा-पुनटा दियौ, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उखड़ाहामे करथि।

IGNOU इग्नू BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by [videha](#) (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/documents.

५.विदेह स्त्री कोना

विदेह स्त्री कोना

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search for Works (including Audio-Visual & Sign Language) relating to Mithila/ Maithili by Female Writers/ Artists

<https://books.google.com/>



(पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल(सभ पोथी पीडाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सभपर उपलब्ध .एफ.डी. अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below.

....

सखुआवाली (नारी विमर्श केन्द्रित) भपटियाहीमे भेल ८३ म सगर राति दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन

सखुआवाली

अणिमा सिंह (नचिकेता -सौजन्य)

शिशु गीत खेल

इलारानी सिंह (नचिकेता -सौजन्य)

प्रेम(अनूदित नाटक) एक कविता -

अरुन्धती देवी ("रमण" रमानन्द झा -सौजन्य)

मिथिलाक विदुषी महिला

डॉकमला चौधरी . (सौजन्य(कमला चौधरी -

मैथिलीक वेश २००८ प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली-भूषा-

समय २०१० (संग्रह-कथा) संकेत-

डॉललिता झा . (सौजन्य(ललिता झा -

मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली २०११

सुस्मिता पाठक (सौजन्य(केदार कानन -

परिचिति (कविता संग्रह)

कनोजडि (कथा संग्रह)

नन्दिनी पाठक (केदार कानन -सौजन्य)

पाथरक शहर (कविता संग्रह)

पन्ना झा (नरेन्द्र झा -सौजन्य)

अनुभूति (लघुकथा संग्रह)

कल्पना झा (कल्पना झा -सौजन्य)

गोसाउनिक गीत

नशामुक्ति हित गाबी गीत

निनियाँ

यायावरी- शेफालिका वर्मा (हिन्दी अनुवाद कल्पना झा)

मुन्नी कामत (मुन्नी कामत -सौजन्य)

सुखल मन तरसल आँखि (पद्य आ गद्य)

सुखल मन तरसल आँखि (कविता)

अंततः (कविता संग्रह)

चुक्का (बाल कथा संग्रह)

नीता झा (नीता झा -सौजन्य)

बिलाइ मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)

शेफालिका वर्मा (शेफालिका वर्मा -सौजन्य)

यायावरी (यात्रावृत्तान्त)

यायावरी (कल्पना झा -हिन्दी अनुवाद)

अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)

एकटा अकास (लघुकथा संग्रह)

भावांजलि (गद्य गीत)

किस्तकिस्त जीवन- (आत्म कथा)

आखरआखर प्रीत-

नागफांस (उपन्यास)

Naagphans (In English)

विभा रानी

विभा रानीक दूटा नाटक (भाग रौ आ बलचन्दा)

सुशीला झा (सुशीला झा /प्रभा खेतान -सौजन्य)

छिन्नमस्ताप्रभा खेतानक हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद -

कुसुम ठाकुर

प्रत्यावर्तन (आत्मकथा)(पृ. ४५९-५७२)

डॉ. कामिनी कामायनी

विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)

प्रीति ठाकुर

गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)

रेस (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

ए बी सी डी- प्रकृति अक्षर पोथी (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

सभ खाइत अछि (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बो म्याउ बाह (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

रड सभ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०६) छोट आ पैघ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०७) माल-जाल आ जानवर दिस देखू (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(१७) हमर परिवार (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

जानवर (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पोथी १३: १...२...३... (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बाजाक अबाज (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पंजी (११००० मूल मिथिलाक्षर ताड़पत्र)

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I TO XXII) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti Thakur

नीतू कुमारी

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

किरण चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर बालवाडी-
आर्या कॉकपिट मे
दीपा करमाकरसही संतुलन मे -
जंगल मे अहाँक स्वागत अछि
व्हेल छथि आकाश मे
भैया के मुस्कान के चौरौलक
बीज संचयक
अचंभित करय "फिबोनाची"
शौचालयक खिस्सा
लाल बरसाती
गुल्लीक जादुई पेटी
समीराक विकठ भोजन
विवाह मे जाई छी

प्रियंका झा (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर माँछ!नै हमर माँछ !

रश्मि प्रिया (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

कैयो सकै छी, नहियो कऽ सकै छी

सुनीता ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

बण्टी आ बबली

नीलिमा चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर सभसँ नीक संगी

स्वास्तिका ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

गप्पू बुते नाचल नै होइ छै

तूलिका (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा ओ चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

ओंघाइत भीमा

लक्ष्मी ठाकुर

जानवर सभ संगे भेंट-घाँट

पूनम मण्डल

सुतै कालक खिस्सा

कनकमणि दीक्षित मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद) **रूपा धीरू** आ धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य(धीरेन्द्र प्रेमर्षि -सौजन्य) (

भगता बेडक देशभ्रमण-

डॉ शशिधर कुमार आ **सुप्रिया बेबी कुमारी**

भूकम्प (पृ. ६३८-६७४)

....

लेखकक आमंत्रित रचना आ ओइपर आमंत्रित समीक्षकक समीक्षा सीरीज

१. **कामिनी**क पांच टा कविता आ ओइपर मधुकान्त झाक टिप्पणी

Videha 01 09 2016

३. **मुन्नी कामत**क एकांकी आ ओइपर गजेन्द्र "जिन्दगीक मोल" ठाकुरक टिप्पणी

VIDEHA 354

पसुपुलेटी गीता

एडिटर्स चोइस सीरीज१-

मीना झा

एडिटर्स चोइस सीरीज२-

जगदीश चन्द्र ठाकुर टा बाल कविता जइमे ३) २ टा कविता बेबी **चाइल्डपर)**

एडिटर्स चोइस सीरीज३-

....

विद्यापति गीत

त्रुलिका

गीत-गोविन्ददास (गायन दीक्षा भारती)

गोविन्ददास-१

गोविन्ददास-२

गोविन्ददास-३

गोविन्ददास-४

गोविन्ददास-५

गोविन्ददास-६

मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर, गायन दीक्षा भारती)

बहरे मुतकारिब

गजल-२

गजल-३

गजल-४

प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द

सौम्या झा

रश्मि दत्त

प्रिया मल्लिक

अनामिका झा

रजनी पल्लवी

पूनम मिश्र

रंजना झा

जूली झा

दीपशिखा झा

मैथिली ठाकुर

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.vidaha@gmail.com. The eBooks of some of these

are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by [Videha](#) (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/documents.

६. विदेह ई-लर्निङ्ग

विदेह ई-लर्निङ्ग



[संघ लोक सेवा आयोग/ बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली (अनिवार्य आ ऐच्छिक) आ आन ऐच्छिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामिग्री] [एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली लेल सेहो]

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटा-पुनटा दियौ, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उखड़ाहामे करथि।

IGNOU इग्नू BMAF-001

.....

Maithili (Compulsory & Optional)

UPSC Maithili Optional Syllabus

BPSC Maithili Optional Syllabus

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (ऐच्छिक)

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (अनिवार्य)

मैथिली प्रश्नपत्र- बी.पी.एस.सी.(ऐच्छिक)

.....

यू. पी. एस. सी. (मेन्स) ऑप्शनल: मैथिली साहित्य विषयक टेस्ट सीरीज

यू.पी.एस.सी. क प्रिलिमिनरी परीक्षा सम्पन्न भऽ गेल अछि। जे परीक्षार्थी एहि परीक्षामे उत्तीर्ण करताह आ जँ मेन्समे हुनकर ऑप्शनल विषय मैथिली साहित्य हेतन्हि तँ ओ एहि टेस्ट-सीरीजमे सम्मिलित भऽ सकैत छथि। टेस्ट सीरीजक प्रारम्भ प्रिलिम्सक रिजल्टक तत्काल बाद होयत। टेस्ट-सीरीजक उत्तर विद्यार्थी स्कैन कऽ editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकैत छथि, जँ मेलसँ पठेबामे असोकर्ज होइन्हि तँ ओ हमर ह्वाट्सएप नम्बर 9560960721 पर सेहो प्रश्नोत्तर पठा सकैत छथि। संगमे ओ अपन प्रिलिम्सक एडमिट कार्डक स्कैन कएल कॉपी सेहो वेरीफिकेशन लेल पठाबथि। परीक्षामे सभ प्रश्नक उत्तर नहि देमय पड़ैत छैक मुदा जँ टेस्ट सीरीजमे विद्यार्थी सभ प्रश्नक उत्तर देताह तँ हुनका लेल श्रेयस्कर रहतन्हि। विदेहक सभ स्कीम जेकाँ ईहो पूर्णतः निःशुल्क अछि।- गजेन्द्र ठाकुर

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज परीक्षा (मुख्य),
मैथिली २ आ १ -पत्र-प्रश्न /लेल टेस्ट सीरीज (ऐच्छिक)

Test Series-1- गजेन्द्र ठाकुर

Test Series-2- गजेन्द्र ठाकुर

.....

NTA-UGC/ UPSC/ BPSC Maithili Optional- गजेन्द्र ठाकुर

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिरहुता)

मैथिली समीक्षाशास्त्र (भाग-२, अनुप्रयोग)

मैथिली प्रतियोगिता

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) भारोपीय भाषा परिवार मध्य मैथिलीक स्थान/ मैथिली भाषाक उद्भव ओ विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली)]

(Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददास सिलेबसमे छथि आ रसमय कवि चतुर चतुरभुज विद्यापति कालीन कवि छथि। एतय समीक्षा शृंखलाक प्रारम्भ करबासँ पूर्व चारू गोटेक शब्दावली नव शब्दक पर्याय संग देल जा रहल अछि। नव आ पुरान शब्दावलीक ज्ञानसँ ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददासक प्रश्नोत्तरमे धार आओत, संगहि शब्दकोष बढ़लासँ खाँटी मैथिलीमे प्रश्नोत्तर लिखबामे धाख आस्ते-आस्ते खतम होयत, लेखनीमे प्रवाह आयत आ सुच्चा भावक अभिव्यक्ति भय सकत।)

(बद्रीनाथ झा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मत्स्य शब्दावली)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- लोरिक गाथामे समाज ओ संस्कृति)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- विद्यापति)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- पद्य समीक्षा- बानगी)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- लोक गाथा नृत्य नाटक संगीत)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- यात्री)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली रामायण)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली उपन्यास)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- शब्द विचार)

(तिरहुता लिपिक उद्भव ओ विकास)

अनुलग्नक-१-२-३ अनुलग्नक- ४-५

(मैथिली आ दोसर पुबरिया भाषाक बीचमे सम्बन्ध (बांग्ला, असमिया आ ओडिया) [यू.पी.एस.सी. सिलेबस, पत्र-१, भाग-'ए', क्रम-५])

[मैथिली आ हिन्दी/ बांग्ला/ भोजपुरी/ मगही/ संथाली- बिहार लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केर सिविल सेवा परीक्षाक मैथिली (ऐच्छिक) विषय लेल]

मैथिली-हिन्दी वार्तालाप (३ घण्टा)

मैथिली

बांग्ला

असमिया

ओडिया

हिन्दी

उर्दू

नेपाली

संस्कृत

संथाली

NTA UGC NET Maithili 01

NTA UGC NET Maithili 02

GS (Pre)

Topic 1

.....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता परीक्षा लेल देखू:

विदेह:सदेह १७	विदेह:सदेह २१	विदेह:सदेह २३	विदेह:सदेह २६	विदेह:सदेह २९
विदेह:सदेह ३०	विदेह:सदेह ३२	विदेह:सदेह ३३	विदेह:सदेह ३४	विदेह:सदेह ३५

.....

General Studies

NCERT-Environment Class XI-XII

NCERT PDF I-XII

Sansad TV

<http://prasarbharati.gov.in/>

<http://newsonair.com/>

.....

Other Optionals

IGNOU eGyankosh

.....

पेटार (रिसोर्स सेन्टर)

.....

मैथिली मुहावरा एवम् लोकोक्ति प्रकाश- रमानाथ मिश्र मिहिर (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

डॉ. कमला चौधरी-मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

डॉ योगानन्द झा- मैथिलीक पारम्परिक जातीय व्यवसायक शब्दावली (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

डॉ. ललिता झा- मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

मैथिली शब्द संचय- डॉ श्रीरामदेव झा (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

दत्त-वतीक वस्तु कौशल- डॉ. श्रीरामदेवझा

परिचय निचय- डॉ शैलेन्द्र मोहन झा

English Maithili Computer Dictionary (Complete)-
Gajendra Thakur

Maithili English Dictionary- गोविंद झा

अणिमा सिंह -शिशु गीत खेल

आनन्द मिश्र (सौजन्य श्री रमानन्द झा 'रमण')- मिथिला भाषाक सुबोध
व्याकरण

मैथिली सुबोध व्याकरण- भोला लाल दास

राधाकृष्ण चौधरी- A Survey of Maithili Literature

राधाकृष्ण चौधरी- मिथिलाक इतिहास

राजेश्वर झा- मिथिलाक्षरक उद्भव ओ विकास (मैथिली साहित्य संस्थान
आर्काइव) (यू.पी.एस.सी. सिलेबस)

दत्त-वती (मूल)- श्री सुरेन्द्र झा सुमन (यू.पी.एस.सी. सिलेबस)

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (बी.पी.एस.सी. सिलेबस) CIIL Site

सुभाष चन्द्र यादव-राजकमल चौधरी: मोनोग्राफ

शिव कुमार झा 'टिल्लू' अंशु-समालोचना

डॉ बचेश्वर झा- निबन्ध-निकुञ्ज

डॉ. देवशंकर नवीन- आधुनिक साहित्यक परिदृश्य

प्रेमशंकर सिंह- मैथिली भाषा साहित्य:बीसम शताब्दी (आलोचना)

डॉ. रमानन्द झा 'रमण'

हिआओल

अखियासल CIIL Site

दुर्गानन्द मण्डल-चक्षु

फेर एहि मनलग्गू फाइल सभकेँ सेहो पढ़ू:-

रामलोचन ठाकुर- मैथिली लोककथा

कुमार पवन (साभार अंतिका)

पइठ (मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ कथा)

डायरीक खाली पन्ना

केदारनाथ चौधरी

अबारा नहिहिन	चमेलीरानी	मादुर	करार	अयना	हीना
--------------	-----------	-------	------	------	------

डॉ. रमण झा

भिन्न-अभिन्न	मैथिली काव्यमे अलङ्कार	अलङ्कार- भास्कर	मैथिली काव्यमे ज्योतिष	अहिरावण-वध	मारिजात-मञ्जरी
--------------	------------------------	--------------------	------------------------	------------	----------------

योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'

विज्ञानक बतकही	विज्ञानक बतकही भाग-२	अकटा मिसिया (कथा संग्रह)
नरक विजय (सम्पूर्ण)	नरक विजय (संशोधित)	किछु तीत मधुर (यात्रा वृत्तान्त)
हमर गाम	पिरामिडक देशमे	रोबोट (अनूदित साइस-फिक्शन नाटक)

अनूदित साहित्य (आन भाषासँ)- गजेन्द्र ठाकुर

विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ

अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)

बाल साहित्य (अनुवाद- द्विभाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजेन्द्र ठाकुर

मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका

शेष ४० टा बाल चित्र-पोथी नीचाँक लिंकपर:-

बच्चा	पर सभ	एकरा नीक दिन	जब हम तँ ठीक छी तँ!	की अहाँ ए चिट्ठे सभकेँ देखिन छी?
दोह	बडीया कमिथेरा!	एतस हम सभ रहे छी	भारताल्सक राजकुमारी	भारताल्सक राजकुमारी (किन शब्दक)
दुगो	कककर- कयाक	पुवराबूक- नहेनाइ	मेना जे बँदलसँ केनइत छल	अद्वैत फिबेनारी अंक-भूखल
बाद	अबन नै, अबन नै!	अन्नादिक अखर भोज	मेर राजा पारर-दुबइ कइइ	बशिषा जे अपन हिंदी मे रोकि गेलन छथि
अंग्रेजी	हम साथे राके छी	छोट बाल-दुबइत डोरी	करु नीक, भोग नीक	ई सभटा बिलोडिक जख ओहो
गोभा आम	हमर दोलक बाट	जबन इकड़ स्कूल गेल	माछी फेर आर टरा!	अमाचीक ज्युम मशीन सभ
दिना टोम	पाउम्याऊ-बाह	कइइक एकरा दिन	हमरा नीक लीए	रोताक नव-स्कूलमे पहिल दिन

कवी/मैथिली लेखक	साल/वर्ष	भूमिका/कथा/संसार	आर/पर/गानी	कल.सं.अंक/अंक/५२
-----------------	----------	------------------	------------	------------------

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग रीड-अलाउड ऑडियो बुक

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT> (चलू हम तँ ठीक छी ने!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घर सभ)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fubt7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

.....

किछु मैथिली पोथी डाउनलोड साइट (ओपन सोर्स)

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

पं लक्ष्मीपति सिंह (सौजन्य रमानन्द झा "रमण")

हिन्दीशिक्षक-मैथिली-

मैथिलीघण्टा ३) हिन्दी वार्तालाप-

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित(मैथिलीमे पहिल बेर -

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-IrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

Sahitya Akademi

प्रकाशन

डिजिटल-पोथी

CIIL

अखियासल (रमानन्द झा रमण)

जुआयल कनकनी- महेन्द्र

[प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा \(बी.पी.एस.सी. सिलेबस\)](#)

[सृजन केर दीप पर्व- सं केदार कानन आ अरविन्द ठाकुर](#)

[मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन झा](#)

[Archive.Org \(विजयदेव झा\)](#)

[Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video Archive](#)

[IGNCA](#)

[Maithili English Dictionary](#)

[विज्ञान रत्नाकर](#)

[मिथिला दर्शन](#)

[तीरभुक्ति](#)

[OLE Nepal's e-Pustakalaya](#)

[पोथीक लिंक](#)

[IGNCA-ASI \(search keyword Mithila\)](#)

[History of Navya-Nyaya in Mithila](#)

[Studies in Jainism and Buddhism in Mithila](#)

[Mithila in the Age of Vidyapati](#)

[Cultural Heritage of Mithila](#)

[Mithila under the Karnatas](#)

[Temple Survey Project ASI- English आ Hindi](#)

मैथिली साहित्य संस्थान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

अरिपन फाउण्डेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली ऑडियो बुक्स

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

पोथी डॉट कॉम

I Love Mithila (पोथी डाउनलोड लिंक)

online maithili journal

owner I Love Mithila

प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द

मिथिला चैप्टर

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

जानकी एफ.एम समाचार

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

आकाशवाणी मैथिली समाचार

आकाशवाणी अमृत महोत्सव

सुरेन्द्र राउत

.....

JNU

मैथिली

मैथिली लेक्सिकन

.....

Videha e-Learning YouTube Channel

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत /नाटक अकादेमी सम्मान- (पुरस्कार नामसँ विख्यात

.....

Maithili eBooks/ eJournals/ Audios-Videos can be downloaded from: **Maithili eBOOKS/ eJournals/ Audios-Videos**

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

७.विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search for Information relating to Mithila/ Maithili

<https://books.google.com/>



सूचना

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant.

- Robert Louis Stevenson

.....

Videha: Maithili Literature Movement

Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is

a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

३

"विदेहक जीवित साहित्यकार-सम्पादक आ रंगमंचकर्मी- रंगमंच-निर्देशक पर विशेषांक शृंखला"

विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांक

स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व (सम्पादक आशीष अनचिन्हार) [विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांकक प्रिण्ट रूप]

विदेह जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक

विदेह रामलोचन ठाकुर विशेषांक

विदेह राजनन्दन लाल दास विशेषांक

विदेह रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक

विदेह केदार नाथ चौधरी विशेषांक

विदेह प्रेमलता मिश्र प्रेम विशेषांक

विदेह शरदिन्दु चौधरी विशेषांक

विदेह कला-विमर्श विशेषांक (सन्दर्भ- संजू दास, कृष्ण कुमार कश्यप, शशिबाला, एस.सी.सुमन आ श्वेता झा चौधरी)

विदेह रचनाकार अशोक विशेषांक

विदेह राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' विशेषांक

विदेहक एहि जीवित विशेषांक शृंखलामे किनकर चयन हो ताहि लेल मोटा-मोटी निच्चाक किछु बिंदुक पालन कएल जाइत अछि

१ छह मास पहिनेसँ विदेह अपन पाठककेँ सुझाव देबा लेल -लगभग पाँच (लेलसूचना दैत अछि।

२ आएल सुझावमेसँ विदेह मात्र जीबित लेखककेँ चयन करैत अछि। (संस्था सेहो वर्तमानमे जीवंत हेबाक चाही।

३ सभ जीवित लेखकक बीचमे हुनकर लेखन एवं आचरणक साम्यता (देखल जाइत अछि। जाहि लेखकक लेखन ओ आचरणमे बेसी साम्यता भेटैए तेहन छह टा नाम चयनित (कम फाँक) होइत अछि।

४ छह नाम एलापर ई तुलना कएल जाइत छै जे ई छहो लेखक अथवा (संस्थाकेँ रचना लिखबाक वा समाजिक काज केलाक एवजमे समाजसँ की भेटलनि।

५ संस्थाकेँ -जिनका सभसँ कम भेटल बुझाइत अछि ताहि तीन लेखक (अगिला चरण लेल राखि लैत छी।

६ एहि तीन चयनित जीबित लेखकक वा संस्थाक (रचना, काज, हुनक उद्देश्य आदिक बीचमे परस्पर तुलना कएल जाइत अछि।

७ अंतिम रूपसँ विदेह द्वारा एकटा नाम चुनि सालक अंतमे घोषणा कएल (जाइत अछि आ नियत समयपर ई विशेषांक निकालबाक प्रयास करैत छी।

प्रश्न उठि सकैए जे कि उपरक नियम एहन छै जाहिमे अंतिम रूपसँ सभ सुयोग्य जीवित लेखक केर चयन समयपर भऽ जेतनि? तऽ एकर उत्तर छै नै। विदेहक पाठक लग सेहो अपन सीमा छनि। मुदा अही सीमाक संगे हमरा सभकेँ अपन बेस्ट देबाक छै आ मैथिली लेल एकटा एहन रस्ता बना देबाक छै जाहिसँ आबए बला 500-बर्खक साहित्य विदेहक लीकसँ प्रेरणा 600 पाबए। अही विचारक संग विदेह ओहन जीवित लेखकपर अपन धेआन सेहो केंद्रित कऽ रहल अछि जे कि सुयोग्य छथि मुदा जिनकापर विदेहक विशेषांक कोनो कारणवश नहि प्रकाशित भऽ सकल। एकर नाम भेल विदेहक "नित नवल सिरीज", जकर विवरण नीचाँ मे "नित नवल सिरीज"

देल जा रहल अछि।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://videha.co.in/) ISSN 2229-
547X VIDEHA

२

**"विदेह द्वारा एक बेरमे कोनो एकटा संस्था/ पत्रिकाक समग्र
मूल्यांकन शृंखला"**

विदेह अंक ३७१ (०१ जून २०२३) "मिथिला स्टूडेंट
यूनियन (एम.एस.यू.)" विशेषांक

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://videha.co.in/) ISSN 2229-
547X VIDEHA

३

"विदेह मोनोग्राफ" शृंखला

विदेह अपन जीवित रचनाकार/ कलाकर्मी पर विशेषांक शृंखलाक अन्तर्गत
(१) अरविन्द ठाकुर, (२) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल, (३) रामलोचन ठाकुर,
(४) राजनन्दन लाल दास, (५) रवीन्द्र नाथ ठाकुर, (६) केदार नाथ चौधरी,
(७) प्रेमलता मिश्र 'प्रेम', (८) शरदिन्दु चौधरी, (९) रचनाकार अशोक आ
(१०) राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' विशेषांक निकालने अछि।
अही सन्दर्भमे हिनका सभपर "विदेह मोनोग्राफ" शृंखला अन्तर्गत
"मोनोग्राफ" आमंत्रित कयल जा रहल अछि।
"विदेह मोनोग्राफ" शृंखलाक विवरण निम्न प्रकार अछि:
(१) इच्छुक लेखक ऊपरमे कोनो एक गोटेपर अपन मोनोग्राफ लिखबाक
इच्छा editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकै छथि।

(२) विदेह लेखकक नाम मोनोग्राफ लिखबाक लेल चयनित कऽ ओकर सार्वजनिक घोषणा करत।

"विदेह मोनोग्राफ" लिखबाक निअमः

(१) मोनोग्राफ पूर्ण रूपेँ रचनाकार/ कलाकर्मीपर केन्द्रित हुअय। साहित्य अकादेमी, एन.बी.टी. आ किछु व्यक्तिगत रूपेँ लिखल मोनोग्राफ/ बायोग्राफीमे लेखक संस्मरण आ व्यक्तिगत प्रसंग जोड़ि कय रचनाकार/ कलाकर्मीक बहन्ने अपन-आत्म-प्रशंसा लिखै छथि। "विदेह मोनोग्राफ" फीफा वर्ल्ड कप फुटबाल सन रहत। फीफा वर्ल्ड कप फुटबाल एहेन एकमात्र टूर्नामेण्ट अछि जतय कोनो "ओपेनिंग" बा "क्लोजिंग" सेरीमनी अलगसँ नै होइ छै, पहिल आ अन्तिम मैचक सङे होइ छै आ तकर कारण छै जे अलगसँ कएल "ओपेनिंग" बा "क्लोजिंग" मे टूर्नामेण्टमे नै खेला रहल लोक मुख्य अतिथि/ अतिथि होइ छथि आ फोकस खिलाड़ी सँ दूर चलि जाइ छै। फीफा मात्र आ मात्र फुटबाल खिलाड़ीपर केन्द्रित रहैत अछि से ओकर टूर्नामेण्ट "ओपेनिंग सेरीमनी" नै वरन् सोझे "ओपेनिंग मैच" सँ आरम्भ होइत अछि आ ओकर समापन "क्लोजिंग सेरीमनी"सँ नै वरन् "फाइनल मैच आ ट्राफी"सँ खतम होइत अछि आ फोकस मात्र आ मात्र खिलाड़ी रहैत छथि। तहिना "विदेह मोनोग्राफ" मात्र आ मात्र ऐ रचनाकार/ कलाकर्मीपर केन्द्रित रहत आ कोनो संस्मरण आदि जोड़ि कऽ फोकस रचनाकारसँ अपनापर केन्द्रित करबाक अनुमति नै रहत।

(२) मोनोग्राफ लेल "विदेह पेटार"मे उपलब्ध सामग्रीक सन्दर्भ सहित उपयोग कएल जा सकैए।

(३) विदेहमे ई-प्रकाशित रचना सभक कॉपीराइट लेखक/संग्रहकर्ता लोकनिक लगमे रहतन्हि। सम्पादक 'विदेह' ई-पत्रिकामे प्रकाशित रचनाक प्रिंट-वेब आर्काइवक/ आर्काइवक अनुवादक आ मूल आ अनूदित आर्काइवक ई-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकार रखैत छथि। ऐ ई-पत्रिकामे कोनो रॉयल्टी/ पारिश्रमिकक प्रावधान नै छै।

(४) "विदेह मोनोग्राफ"क फॉर्मेटः रचनाकारक परिचय (रचनाकारक जन्म, निवास-स्थान आ कार्यस्थलक भौगोलिक-सांस्कृतिक विवेचना सहित) आ रचनावली (समीक्षा सहित)।

घोषणा: "विदेह मोनोग्राफ" शृंखला अन्तर्गत (१) राजनन्दन लाल दास जी पर मोनोग्राफ निर्मला कर्ण, (२) रवीन्द्र नाथ ठाकुर पर मुन्नी कामत आ (३) केदार नाथ चौधरी पर प्रेम मोहन मिश्र द्वारा लिखल जायत। शेष ७ गोटेपर निर्णय शीघ्र कएल जायत।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://videha.co.in/) ISSN 2229-
547X VIDEHA

४ (१)

विदेहक "नित नवल सिरीज"

विदेह द्वारा जे विशेषांक प्रकाशित होइ छै तकर संगे विदेह ओहन लेखक-साहित्यपर अपन धेआन सेहो केंद्रित करत जिनकापर विदेहक विशेषांक कोनो कारणवश नै प्रकाशित भऽ सकल। ऐ नव विचारक मुख्य बिंदु एना अछि-

१) हम एकटा कोनो लेखक वा कलाकारपर एकाग्र आलोचना करब जकर भाषा मैथिली अथवा अंग्रेजी रहत। ऐ पोथीक पहिल रूप ई-बुक केर रूपमे ऐत आ प्रयास रहत जे एकर प्रिंट सेहो आबए जे कि परिस्थितिपर निर्भर करत।

२) ऐ शृंखलामे:-

(i) सुभाष चंद्र यादवपर केंद्रित "नित नवल सुभाष चंद्र यादव",

(ii) राजदेव मंडलपर केंद्रित "Rajdeo Mandal- Maithili Writer"
आ

(iii) जगदीश प्रसाद मण्डल केन्द्रित "Jagdish Prasad Mandal-
Maithili Writer" प्रकाशित भेल अछि।

पहिल दुनू पोथीक लोकार्पण ३१ दिसम्बर २०२२ केँ १११म सगर राति दीप जरय मे कएल गेल। तेसर पोथीक लोकार्पण २५ मार्च २०२३ केँ ११२ म सगर राति दीप जरय मे कएल गेल।

(iv) "नित नवल दिनेश कुमार मिश्र" आ

(v) "नित नवल सुशील" जारी अछि।

आगाँक

घोषणा

लेल <http://videha.co.in/investigation.htm> देखैत रही।

पूर्वपीठिकासमय समाज आ :मैथिली उपन्यास" कमलानन्द झाक पोथी : क (२०२१) "सवालशीर्षक भ्रामक अछि। ई हुनकर किछु सवर्ण उपन्यासकारपर किछु सिण्डिकेटेड कथित समीक्षात्मक आलेखक संग्रह अछि, २६३ पन्नाक ई पोथी हार्डबाउण्डमे लाइब्रेरीकेँ मात्र बेचल जा सकत, जतऽ ई सड़ि जायत, अमेजनसँ हम ई चारि सय पाँच टाकामे किनलौं मुदा ऐमे पाँचो पाइक सामिग्री नै अछि।

एतऽ एकटा भूल सुधार अछि, एकटा गएर सवर्ण लेखक सुभाष चन्द्र यादवक उपन्यास 'गुलो'केँ बिनु पढ़ने ओ दू पाँति लिखलन्हि आ निपटा देलन्हि, ओ दुनू पाँति हम एतऽ अहाँक मनोरंजनार्थ प्रस्तुत कऽ रहल छी। अहाँ गुलो पढ़नहिये हएब, जँ नै पढ़ने छी तँ पहिने पढ़ि लिअ, कारण तखन बेशी मनोरंजक अनुभव हएत, गुलो सुभाष चन्द्र यादव जीक अनुमति सँ उपलब्ध अछि विदेह आर्काइवपर ऐ <http://videha.co.in/pothi.htm> लिंकपर।

"उपन्यासक कमजोरी अछि लेखकक राजनीतिक पूर्वाग्रह। राजनीति विशेषक पक्षधरता रचनाक संग न्याय नहि कऽ पबैत अछि।"

जइ उपन्यासमे राजनीति दूर दूर धरि नै छै ओतऽ-'राजनैतिक पूर्वाग्रह' आ 'राजनीति विशेषक पक्षधरता'क तँ प्रश्ने नै छै। राजनीतिक पूर्वाग्रह बा पक्षधरताक सोडर धूमकेतु आ यात्री प्रयुक्त केलन्हि। सुभाष चन्द्र यादव जीक 'भोट' जे २०२२मे आयल जे सुभाष चन्द्र यादव जीक अनुमति सँ

उपलब्ध अछि विदेह आर्काइवपर
ऐ <http://videha.co.in/pothi.htm> लिंकपर, से राजनीतिपर अछि
मुदा ओतहुओ सुभाषजीक भगता शैलीकेँ राजनीतिक पूर्वाग्रह बा
पक्षधरताक सोडरक आवश्यकता नै पड़लै। पढ़ू हमर पोथी 'नित नवल
सुभाष चन्द्र यादव' जे उपलब्ध अछि
ऐ <http://videha.co.in/pothi.htm> लिंकपर।

कमलानन्द झाक बिनु पढ़ने सुभाष चन्द्र यादवक विरुद्ध ब्राह्मणवादी
जातिगत पूर्वाग्रह एकटा खतराक घण्टी अछि। जइ हिसाबे ब्राह्मणवादकेँ
आगाँ बढ़बैले कमलानन्द झा वामपंथक सोडर पकड़ै छथि आ सामाजिक
न्यायक बलि चढ़बऽ चाहै छथि, तकर प्रति समानान्तर धारा सचेत अछि। ई
अपन बायोडेटामे गएर सवर्णसँ छीनि कऽ, समानान्तर धाराक लोकक
हककेँ मारि कऽ लेल साहित्य अकादेमीक मैथिल अनुवाद असाइनमेण्टक
गर्वसँ चर्चा करैत छथि। आ ई असाइनमेण्ट हिनका मेरिटसँ नै जातिगत
टाइटिलसँ भेटल छन्हि, अही सभ किरदानीक एवजमे भेटल छन्हि। हिनका
सन लोक लेल मैथिली बायोडेटाक एकटा पाँति अछि, समानान्तर धारा लेल
जीवनमरणक प्रश्न।-

आब अहाँ पुछब जे तकर प्रतिकार समानान्तर धारा केना केलक, ओ तँ
कन्नारोहट नै करैए, तँ तकर उत्तर अछि हमर ३ टा पोथी जे १११म सगर
राति दीप जरय मे लोकार्पित भेल ३१ दिसम्बर २०२२ केँ, वएह सगर राति
दीप जरय जकरा साहित्य अकादेमी गत दस बर्खसँ गीड़ि लेबाक प्रयास कऽ
रहल अछि। अहाँसँ ऐ तीनू पोथीपर टिप्पणी ई-पत्र
सङ्केत editorial.staff.videha@gmail.com पर आमंत्रित
अछि। पहिल दू पोथी मे राजदेव मण्डल आ सुभाष चन्द्र यादवक साहित्यक
समीक्षा अछि जे हमर तेसर पोथी मैथिली समीक्षशास्त्रक सिद्धांतक
आधारपर कएल गेल अछि। तकरा बाद जगदीश प्रसाद मण्डल जी पर पोथी
लिखल गेल सगर राति दीप जरय मे लोकार्पण (११२)) सभटा पोथीक लिंक
नीचाँ देल गेल अछि। 'नित नवल दिनेश कुमार मिश्र' आ 'नित नवल
सुशील' जारी अछि।

Rajdeo Mandal- Maithili Writer (Now with Supplement I & II)

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (जारी)

नित नवल सुशील (जारी)

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिरहुता)

संगमे पढ़ू कमलानन्द झा क ब्राह्मणवादपर प्रहार:

दूषण पञ्जी- The Black Book

दूषण पञ्जी- The Black Book (मिथिलाक्षर)

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://VIDEHA.CO.IN/) ISSN 2229-
547X VIDEHA

४(२)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र

दिनेश कुमार मिश्रक 'दुइ पाटन के बीच मे' कोसी नदीक ऐतिहासिक आत्मकथा थीक, ओ मिथिलाक आन धार सभक ऐतिहासिक आत्मकथा सेहो लिखने छथि जेना बन्दिनी महानन्दा, बागमती की सद्गति!, दुइ पाटन के बीच में(कोसी नदी की कहानी) .., न घाट न घर, बगावत पर मजबूर मिथिला की कमला नदी, भुतही नदी और तकनीकी झाड़फूंक-, The Kamla River and People On Collision Course, Bhutahi

Balan- Story of a ghost river and engineering witchcraft, Refugees of the Kosi Embankments। साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य पंकज झा पराशर द्वारा हिनकर पोथी सभसँ पैराक पैरा मैथिली अनुवाद कऽ अपना नामे उपन्यास छपबाओल गेल अछि, जकरा छद्म समीक्षक कमलानन्द झा ऐ चोर लेखकक रिसर्च कहै छथि एतऽ स्पष्ट कऽ दी !जे ई चोर लेखक आ छद्म समीक्षक दुनू अलीगढ़ मुस्लिम विद्यालयक हिन्दी विभागमे छथि। ई रिसर्च दिनेश कुमार मिश्रक थीक, जे आइखड़गपुरसँ सिविल .टी.आइ. १९६८मे आ स्ट्रक्चरल इन्जीनियरिङमे एम .टेक .इन्जीनियरिङ मे बी.टेक . १९७०मे केने छथि, आ ओइ रिसर्च लेल क्वालिफाइड छथि। जखन कोनो विषयमे नामांकन नै होइ छै तखन लोक हारिथाकि हिन्दीमे नामांकन लइए-, नै तँ कमलानन्द झा केँ बुझऽ मे आबि जइतन्हि जे ई रिसर्च कोनो सिविल इन्जीनियरेक भऽ सकैत अछि, भऽ सकैए बुझलो होइन्ह। हिन्दी मूल आ मैथिलीक स्क्रीनशॉट आँगा संलग्न अछि।

दिनेश कुमार मिश्र मिथिलाक नै छथि मुदा मिथिलाक सभ धारक कथा ओ लिखने छथि, हम सभ हुनका प्रति कृतज्ञ छी आ हुनकर ऋणसँ मिथिलावासी कहियो उऋण नै भऽ सकता, मुदा मूलधाराक पुरस्कार आ पाइ लोलुप लोकसँ कृतघ्नते भेटत से फेर सिद्ध भेल। ऐ लेखककेँ दस बारह बर्ष पहिने सेहो तारानन्द वियोगी उद्धारक भेटल छलखिन्ह जे लिखने रहथिन्ह जे ओ कवितामे प्रभावित भऽ अनायासे अपन रचनामे दोसरक सामिग्री चोरि कऽ लइ छथि, एहने सन। आब ऐ कमलानन्द झा क आश्रय तकलन्हि मुदा दुर्भाग्यजइ हिसाबे ब्राह्मणवादकेँ आगाँ बढ़बैले कमलानन्द ! झा वामपंथक सोडर पकड़ै छथि आ सामाजिक न्यायक बलि चढ़बऽ चाहै छथि, तकर प्रति समानान्तर धारा सचेत अछि। सीलिंगसँ बचबा लेल जमीनजत्थाबला लोक कम्यूनिस्ट बनला आ आब ब्राह्मणवाद बचेबालेल - वामपंथक शरण, एहेन लोक सभसँ कम्यूनिज्मकेँ बहुत नुकसान भेल छै।

दिनेश कुमार मिश्रक सभटा पोथी आब हुनकर अनुमतिसँ उपलब्ध अछि

विदेह

आर्काइवमे:

<http://videha.co.in/pothi.htm>

एतऽ एकटा गप मोन पाड़ि दी जे जखन बिल गेट्सकें पूछल गेलन्हि जे की ओ एक्स बॉक्स भारतमे पाइरेशीक डरसँ देरीसँ आनि रहल छथि? तँ हुनकर उत्तर रहन्हि जे माइक्रोसॉफ्ट पाइरेशीक डरे कोनो उत्पाद देरीसँ नै उतारने अछि। से विदेह पेटारमे हम सभ ऐ तरहक रिस्क रहितो एकरा आर समृद्ध करैत रहब, कारण समानान्तर धारामे सड़ल माँछ द्वारे पोखरिक सभ माँछ नै सड़ैए, एतुक्का मलाह गोटगोट कऽ सड़ल माँछ निकालैत रहल छथि-, निकालैत रहता।

सिण्डीकेटेड समीक्षापर अन्तिम प्रहार।

मूल दिनेश कुमार मिश्र :(२००६ ...दुइ पाटन के बीच में) यह ध्यान देने की बात है कि 1923 से 1946 के बीच कोसी क्षेत्र में मलेरिया से 5,10,000, कालाजार से 2,10,000, हैजे से 60,000 तथा चेचक से 3,000 मौतें कुल) 7,83,000) हुई।
चोर पंकज झा पराशर)साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य([जलप्रांतर २०१७ :[(१०३ .पृ)

ने अँग्रेज सब आ ने नवका रंगरेज सब। 1923 सँ 1946 के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

मूल दिनेश कुमार मिश्र :(२००६ ...दुइ पाटन के बीच में) भारतवर्ष में बिहार में कोसी नदी को बांधने का काम 12वीं शताब्दी में किसी राजा लक्ष्मण द्वितीय ने करवाया था और इस काम के लिए उसने प्रजा से 'बीर' की उपाधि पाई और नदी का तटबन्ध 'बीर बांध' कहलाया। इस तटबन्ध के अवशेष अभी भी सुपौल जिले में भीम नगर से कोई 5 किलोमीटर दक्षिण में दिखाई पड़ते हैं। डॉ) फ्रांसिस बुकानन .1810-11) का अनुमान था कि यह बांध किसी किले की सुरक्षा के लिए बनी बाहरी दीवार रहा होगा क्योंकि यह बांध धौस नदी के पश्चिमी किनारे पर तिलयुगा से उसके संगम तक 32 किलोमीटर की दूरी में फैला हुआ था। डॉ हन्टर .डब्लू.डब्लू .)1877) बुकानन के इस तर्क के साथ सहमत नहीं थे कि यह बांध किसी

किले की सुरक्षा दीवार था। स्थानीय लोगों के हवाले से हन्टर का मानना था कि अधिकांश लोग इसे किले की दीवार नहीं मानते और उनके हिसाब से यह कुछ और ही चीज थी मगर वह निश्चित रूप से कुछ कहने की स्थिति में नहीं थे। फिर भी जो आम धारणा बनती है वह यह है कि यह कोसी नदी के किनारे बना कोई तटबन्ध रहा होगा जिससे नदी की धारा को पश्चिम की ओर खिसकने से रोका जा सके। लोगों का यह भी कहना था कि ऐसा लगता था कि इस तटबन्ध का निर्माण कार्य एकाएक रोक दिया गया होगा।

छद्म समीक्षक कमलानन्द झा द्वारा चोर उपन्यासकारक पीठ ठोकब, देखू छद्म समीक्षक कमलानन्द झा द्वारा उद्धृत चोर पंकज झा पराशर मैथिली) उपन्यास, समय, समाज आ सवाल पृ:(२५८-२५७ .

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दाँव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पटुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़ौत पटुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहेँ बान्हक मादे

चोर पंकज झा पराशर)साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य([जलप्रांतर २०१७ :[(३१ .पृ)

पढ़आ कका पछिला गप केँ आगाँ बढ़बैत कहलखिन, 'फूल बाबू, कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढ़ैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा केँ लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवतः कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्लू. डब्लू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पढ़आ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूड़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन? लोक केँ बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पढ़आ कका केँ आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि!

जलप्रांतर / 31

मूल दिनेश कुमार मिश्र दुइ)पाटन के बीच में:(२००६ ... कोसी के प्रवाह कि भयावहता की एक झलकफिरोजशाह तुगलक की फौज के सन् 1354 में बंगाल से दिल्ली लौटने के समय मिलती है। बताया जाता है कि जब सुल्तान की फौजें कोसी के किनारे पहुँचीं तो देखा कि नदी के दूसरे किनारे पर हाजी शम्सुद्दीन इलियास की फौजें मुकाबले के लिए तैयार खड़ी हैं। यह वही हाजी शम्सुद्दीन थे जिन्होंने हाजीपुर तथा समस्तीपुर शहर बसाये थे। फिरोज की फौजें शायद कुरसेला के आसपास किसी जगह पर कोसी के - किनारे सोच में पड़ गईं। नदी की रफ्तार उन्हें आगे बढ़ने से रोक रही थी। आखिरकार फैसला हुआ कि नदी के साथसाथ उत्तर की ओर बढ़ा जाय - और जहाँ नदी पार करने लायक हो जाय वहाँ पानी की थाह ली जाये। सुल्तान की फौजें प्रायः सौ कोस ऊपर गईं और जियारन के पास, जो कि उसी स्थान पर अवस्थित था जहाँ नदी पहाड़ों से मैदानों में उतरती थी, नदी को पार किया। नदी की धारा तो यहाँ पतली जरूर थी पर प्रवाह इतना तेज था कि पाँचपाँच सौ मन के भारी पत्थर नदी में तिनकों की तरह बह रहे - थे। जहाँ नदी को पार करना मुमकिन लगा उसके दोनों ओर सुल्तान ने

हाथियों की कतार खड़ी कर दी और नीचे वाली कतार में रस्से लटकाये गये जिससे कि यदि कोई आदमी बहता हुआ हो तो इस रस्सों की मदद से उसे बचाया जा सके। शम्सुद्दीन ने कभी सोचा भी न था कि सुल्तान की फौजें कोसी को पार कर लेंगी और जब उस को इस बात का पता लगा कि सुल्तान की फौजों ने कोसी को पार करने में कामयाबी पा ली है तो वह भाग निकला।

चोर पंकज झा पराशर)साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य([जलप्रांतर २०१७ :[(१०५ .पृ)

‘बेश, तँ सुनू। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली घुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सुद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल’ कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सुद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौने रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफ्तार देखि कए तुगलकी सेना केँ नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ’ रहल छलै। अंततः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कने कम बूझि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कने शिकस्त बुझेले। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खढ़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति केँ जतय नदी पार करब कने आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ों टा हाथी केँ ठाढ़ क’ देल गेल। नीचाँ चला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जे बयो पानि मे भासि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहेँ फिरोजशाह तुगलक सेना कोसी पार क’ गेल। हाजी शम्सुद्दीन सपनो मे नहि सोचने छल, जे तुगलकी सेना कोसी पार क’ जायत। जखन हाजी शम्सुद्दीन केँ पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क’ चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल’ कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सुद्दीन।’

(... शीघ्र अही लिंकपर आर स्क्रीनशॉट अपडेट कएल जायत।)

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ फरबरी २०२३ सँ प्रारम्भ... नित नवल दिनेश कुमार मिश्र

<http://videha.co.in/> विदेह पत्रिका-प्रथम मैथिली पाक्षिक ई :ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) पर।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://VIDEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X VIDEHA

४ (३)

नित नवल सुशील

कमलानन्द झाकेँ हम किए छद्म समीक्षक कहलियनि?

कारण ओ छद्म समीक्षक छथि।

ओ लिखै छथियात्राक लगभग सय वर्षक बाद मैथिल -मैथिली उपन्यास" - अन्तरजातीय विवाहक सपना, संघर्ष आ विडम्बना पर गरिमायुक्त उपन्यास लिखबाक श्रेय गौरीनाथकेँ जाइत छनि।"

तँ की कमलानन्द झा सुशीलसँ ई श्रेय छीनि लेलनि? की ई हुनकर ब्राह्मणवादी संस्कारक अहंकारजे हम ककरो चढ़ा सकै छिए आ ककरो - केर पराकाष्ठा थीक -उतारि सकै छिए, आकि हुनकर अध्ययनक अभावक प्रमाण?

चलू अहाँकेँ लऽ चली कमलानन्द झा केर स्वार्थी दुनियाँसँ दूर, छलछद्मसँ - दूर सुशीलक जादूबला साहित्यक निश्छल दुनियाँमे।

अहाँक स्वागत अछि सुशीलक साहित्यक दुनियाँमे।

प्रस्तुत अछि सुशीलक 'गामबाली' (१९८२जे आब उपलब्ध अछि विदेह (आर्काइवमे लिंक <http://videha.co.in/pothi.htm> पर।

पहिल पाँतीमे उपन्यास आरम्भसँ पहिनहिये 'गामबाली' उपन्यासक सम्बन्धमे सुशील लिखै छथि-

"विधवा विवाह आ अन्तर्जातीय विवाहक समर्थनमे।"

आ उपन्यास आरम्भ।

*गामबालीक मृत्यु आ तखने झमेला, गामबालीक दाह संस्कार के करतै?
ब्राह्मण समाज कि जादव समाज?*

मैथिलीक सिण्डीकेटेड समीक्षापर अन्तिम प्रहार।

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ फरबरी २०२३ सँ प्रारम्भ... नित नवल
सुशील

<http://videha.co.in/> विदेह पत्रिका-प्रथम मैथिली पाक्षिक ई :ISSN
2229-547X VIDEHA (since 2004) पर।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://VIDEHA.CO.IN/) ISSN 2229-
547X VIDEHA

५

विदेहक "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक"

विदेह "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक" लेल निम्नलिखित विषयपर आलेख
ई-मेल editorial.staff.videha@gmail.com पर आमंत्रित अछि।

१. साहित्य, कला आ सरकारी अकादमी:-
(क) पुरस्कारक राजनीति
(ख) सरकारी अकादमीमे पैसबाक गएर-लोकतांत्रिक विधान
(ग) सत्तागुट आ अकादमी केर काज करबाक तरीका
(घ) सरकारी सत्ताक छद्म विरोधमे उपजल तात्कालिक समानांतर सत्ताक
कार्यपद्धति

(ङ) अकादमी पुरस्कारमे पाइ फैक्टर: मिथक बा यथार्थ

२. व्यक्तिगत साहित्य संस्थान आ पुरस्कारक राजनीति

३. प्रकाशन जगतमे पसरल भ्रष्टाचार आ लेखक

४. मैथिलीक छद्म लेखक संगठन आ ओकर पदाधिकारी सबहक आचरण

५. स्कूल-कॉलेजक मैथिली विभागमे पसरल साहित्यिक भ्रष्टाचारक विविध
रूप-

(क) पाठ्यक्रम

(ख) अध्ययन-अध्यापन

(ग) नियुक्ति

६. साहित्यिक पत्रकारिता, रिव्यू, मंच-माला-माइक आ लोकार्पणक खेल-

तमाशा

७. लेखक सबहक जन्म-मरण शताब्दी केर चुनाव , कैलेंडरवाद आ तकरा
पाछूक राजनीति

८. दलित एवं लेखिका सबहक संगे भेद-भाव आ ओकर शोषणक विविध
तरीका

९. कोनो आन विषय।

६

विदेह ब्रॉडकास्ट लिस्ट

विदेह WWW.VIDEHA.CO.IN सम्बन्धी सूचना लेल अपन
whatsapp नम्बर हमर whatsapp no +919560960721 पर
पठाउ, ओकर प्रयोग मात्र विदेह सम्बन्धी समाचार देबाक लेल कएल
जाएत।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://VIDEHA.CO.IN/) ISSN 2229-
547X VIDEHA

.....

मैथिली आ मिथिलासँ संबंधित किछु मुख्य साइट:- आन लिंकक विषयमे सूचना editorial.staff.videha@gmail.com केँ ई मेलसँ पठाबी।

<http://www.videha.co.in/> ("विदेह" प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका)

<http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक प्राचीनतम उपस्थिति/ मैथिलीक पहिल ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर, ५ जुलाई २००४)

<http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक प्राचीनतम उपस्थिति/ मैथिलीक पहिल ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर, ५ जुलाई २००४)

भालसरिक गाछ जे सन २००० सँ याहूसिटीजपर छल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html, <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि

लिंकपर आ अखनो ५ जुलाई २००४ क पोस्ट <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (किछु दिन

लेल <http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> लिंकपर, स्रोत *wayback machine of* https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004

to 2016- <http://videha.com/> भालसरिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली

ब्लॉगक एग्रीगेटर) केर रूपमे इंटरनेटपर मैथिलीक प्राचीनतम उपस्थितिक

रूपमे विद्यमान अछि। ई मैथिलीक पहिल इंटरनेट पत्रिका थिक जकर नाम

बादमे १ जनवरी २००८ सँ "विदेह" पड़लै। इंटरनेटपर मैथिलीक प्रथम

उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल

अछि, जे <http://www.videha.co.in/> पर ई प्रकाशित होइत अछि।

आब "भालसरिक गाछ" जालवृत्त 'विदेह' ई-पत्रिकाक प्रवक्ताक संग

मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह

ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA पल्लवमिथिला (धीरेन्द्र

प्रेमर्षि) २०५९ माघे संक्रान्ति- २००३ जनवरी मैथिलीक दोसर इंटरनेट

पत्रिका अछि जे ऐ लिंक www.pallavmithila.mainpage.net पर छल मुदा आब ई उपलब्ध नै अछि। ई टिप्पणी मात्र इतिहास शुद्धता लेल अछि।

.....

<http://videha-aggregator.blogspot.com/> (मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर)

<http://www.videha.com/> (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक सभसँ पुरान उपलब्ध उपस्थिति/ लोकप्रिय ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर ५ जुलाई २००४ www.gajendrathakur.blogspot.com)

<http://esamaad.blogspot.com/> (पूनम मंडल आ प्रियंका झाक पहिल मैथिली न्यूज पोर्टल, ९ अगस्त २००४ सँ)

<http://prakarantar.blogspot.com/> (प्रकारांतर मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, फरबरी २००५)

<http://vidyapati.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००५)

<http://www.vidyapati.org/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००५)

<http://hellomithila.blogspot.com/> (हेलो मिथिला- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, रूपा झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, ३ मइ २००६)

<http://pallav.blogsome.com/> (हेलो मिथिला- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, रूपा झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, १७ मइ २००६)

<http://hellomithilaa.blogspot.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)

<http://www.hellomithila.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)

<http://shampadak.wordpress.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरबरी २००८)

<http://www.esamaad.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरबरी २००८)

<http://hellomithilaa.wordpress.com/>

<http://premarshi.wordpress.com/> (धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

.....

<http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय गजलक ब्लॉग)

<https://mithilastudentunion.com/> (Mithila Student Union)

.....

<https://vigyanprasar.gov.in/vigyan-ratnakar/> (विज्ञान रत्नाकर)

JNU

<http://sanskrit.jnu.ac.in/maithili/index.jsp>

http://sanskrit.jnu.ac.in/student_projects/lexicon.jsp?lexicon=maithili

.....

ALL INDIA RADIO DOORDARSHAN आकाशवाणी दूरदर्शन

<http://prasarbharati.gov.in/>

<http://newsonair.com/>

<https://doordarshan.gov.in/>

आकाशवाणी मैथिली पोडकास्ट <http://prasarbharati.gov.in/podcast.php?filterlang=Maithili&from=1947-08-15&fromwp=2020-08-29&to=2050-12-31&search=GO>

आकाशवाणी पटना/ दरभंगा मैथिली रेजनल न्यूज टेक्स्ट डाउनलोड-1 <http://newsonair.com/RNU-NSD-Audio-Archive-Search.aspx>

आकाशवाणी पटना/ दरभंगा मैथिली रेजनल न्यूज टेक्स्ट डाउनलोड-2 <http://newsonair.com/Regional-Text.aspx>

आकाशवाणी दरभंगा <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=282>

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल <https://www.youtube.com/channel/UCGdNveEFmv4pPolWiTEMxVA>

आकाशवाणी भागलपुर <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=359>

आकाशवाणी पूर्णियाँ <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=256>

आकाशवाणी पटना <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=122>

[ALL INDIA RADIO ENGLISH NEWS](#)

[ALL INDIA RADIO NEWS ARCHIVE](#)

[ALL INDIA RADIO TALKS AND CURRENT AFFAIRS](#)

[RAJYA SABHA TV NEWS DISCUSSIONS](#)

[SANSAD TV](#)

[VIDEHA e-LEARNING YOUTUBE CHANNEL](#)

<https://www.youtube.com/@videha-elearning>

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

.....

<http://bramhanews.blogspot.com/> (मैथिली समाचार)

<http://www.mithilakhabar.com/> (नेपालक मैथिली ई पत्रिका)

<http://mithilanews.com/>

<http://www.maithilnews.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

<http://www.hamargam.in/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<http://mithiladotcom.blogspot.com/> (मैथिली राष्ट्रीय दैनिक)

<https://mppdainik.com/> (मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश, मैथिली दैनिक)

<http://mithilasamad.blogspot.com/> (मिथिला समाद, मैथिली दैनिक)

<http://janakpurnews.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

<http://www.mithilalok.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<http://mithimedia.blogspot.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<http://www.mithimedia.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<https://mithiladharohar.blogspot.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<https://simanchal.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<https://maithilijindabaad.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

.....

<https://kirtinath.blogspot.com/> (कीर्तिनाथ झा ब्लॉग)
<http://jct27novmaithili.blogspot.com/> (जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" क ब्लॉग)
<http://brikhesh.blogspot.com/> (बृषेश चन्द्र लाल)
<http://www.chetnasamiti.org/> (चेतना समिति, पटनाक वेबसाइट)
<http://shiva-pustak-bhandar.blogspot.com/> (मैथिली पोथी कीन्)
<https://mishrarn.blogspot.com/> (भोरसँ साँझ धरि)
<https://rjanakpuri.blogspot.com/> (साहित्यपुरी)
<http://bataahmaithil.in/>
<http://maithilpravahika.org/>
<http://ganeshbawra.blogspot.com/>
<http://maithilnews.com/>
<http://anandjhakavitakahani.blogspot.com/>
<http://chaaywala.blogspot.com/>
<http://maithilputr.blogspot.com/>
<http://maithilputramanu.blogspot.com/>
<http://mithilanchalpatrika.blogspot.com/>
<http://mithilakbat.blogspot.com/>
<http://maithilitimesonline.blogspot.com/>
<http://mithilavidehavajitirhut.blogspot.com/>
<http://samadiya.blogspot.com/>
<http://jitumaithili.blogspot.com/>
<http://pratipadamaithili.blogspot.com/>
<http://bhatsimar.blogspot.com/>
<http://maithilirangmanch.blogspot.com/>
<http://www.mithilavaani.blogspot.com/>
<http://www.maithisongsjagat.co.in/>
<http://mithilablog.com/>
<http://www.lahakchahak.com/>
<http://www.jaimithila.com/>
<http://www.dahejmuktmithila.org/>
<http://mithilavaani.blogspot.com/>
<http://www.chamundanagarpachahi.com/>

<http://kisunsankalplok.wordpress.com/>

<http://www.kisunsankalplok.co.nr/>

<http://maithilisongshub.blogspot.com/>

<http://www.rajnipallavi.com/>

<https://maithilinenetwork.com/>

<https://mithilamirror.com/>

<https://www.emithila.in/>

<http://csts.org.in/> (CSTS)

<http://www.samaysaal.com/> (समय साल)

<https://www.maithili.org.in/> (रोशन चौधरी)

<https://doorvaksata.org/> (मिशन दूर्वाक्षत)

<http://mithilaksharshikshaabhiyan.in.net/> (मिथिलाक्षर शिक्षा अभियान)

<http://mithilakshar.in/> (मिथिलाक्षर शिक्षा अभियान)

<https://missionmithilakshar.blogspot.com/> (सिद्धिरस्तु- मिशन मिथिलाक्षर लिपि)

<https://mithilani.in/> (मिथिलानी)

<https://www.maithilmanch.in/> (मैथिल मंच)

<http://madhubani.co.in/>

<http://www.premkumarmallik.com>

<http://apandalan.wordpress.com/>

<http://www.mithilaworld.tk/>

<http://www.mithilachowk.com/>

<http://maithilionsgreet.blogspot.com/>

<http://rayprabhatbhatt.blogspot.com/>

<http://amitmohanjha83.blogspot.com/>

<https://maithiliswasthyaparicharcha.blogspot.com/> (मैथिली स्वास्थ्य परिचर्चा- रमाकर चौधरीक ब्लॉग)

<http://maithili-darpan.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://mithilatol.blogspot.com> (मिथिलाटोल मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://maithilicinema.blogspot.com/> (मैथिली फिल्मस)

<http://maithilifilms.blogspot.com/> (मैथिली फिल्मस)

<http://maithili-drama.blogspot.com/> (विदेह मैथिली नाट्य उत्सव- बेचन ठाकुरक ब्लॉग)

<http://mjnk.co.cc/> (ई जनकपुर न्यूज़, तराई मॉडल, मिथिला इन्फोर्मेशन)

<http://www.TeraiNepal.co.cc/> (तराई नेपाल मिथिला जनकपुर मधेश हालचाल Anytime Anywhere see)

<http://maithilaurmithila.blogspot.com/> (मैथिलक आ मिथिलाक लोकप्रिय ब्लॉग)

<https://www.mithiladainik.in/> (मिथिला दैनिक)

<http://www.mithilaamanch.blogspot.com> (मिथिला मंच)

<http://maithilisonng.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक ब्लॉग)

<http://maithilifoundation.blogspot.com/> (मैथिली फाउन्डेशन)

<http://maithilibhasha.blogspot.com/> (काश्यप कमलक ब्लॉग)

<http://rkjteoth.blogspot.com/> (रूपेश कुमार झा "त्योथ"क ब्लॉग)

<http://paraati.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://singarhaar.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://vaachik.wordpress.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://mithilainfo.blogspot.com> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://mithlasamachaar.blogspot.com> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://pilakhwar.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://desilbayna.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://maithilynjha.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://gaam-ghar.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://mithila-mihir.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://www.maithililekhaksangh.blogspot.com/> (मैथिली लेखक संघक जालस्थल)

<http://www.maithili.co.uk/> (मिथिला कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन, यू.के.)

<http://minapjanakpur.org/> (मिनाप, जनकपुर)

<http://www.airdarbhanga.org/> (आकाशवाणी दरभंगाक साइट)

<http://mithilangan.org/> (मिथिलांगनक साइट)

<http://www.desilbayana.com/> (देसिल बयना, हैदराबाद)

<http://www.vnym.in/> (विद्यपति मैथिल युवा मंच)

<http://www.jaimithila.com/> (मिथिलाक सभ्यता, संस्कृति, विभूति, गीत-संगीत आ बहुत रास जानकारीक लेल)

<http://sobhagyamithilatv.com/> (सौभाग्य मिथिला- पहिल मैथिली चैनल)

<http://kashyap-mithila.blogspot.com/>

<https://kashyapartschool.wordpress.com/> (कृष्ण कुमार कश्यप आ शशिबालाक साइट)

<http://mithilapaintingtraining.blogspot.com/>

<http://dularuababumaithilifilm.blogspot.com/>

<http://senuraklaajmaithilifilm.blogspot.com/>

<http://maithlivideosongs.blogspot.com/>

<http://kalikantjhabuch.org/> (काली कांत झा "बूच")

<http://saketanands.blogspot.com/> (साकेतानन्दजीक जालवृत्त)

<http://gunjang.blogspot.com/> (गुंजनजीक जालवृत्त)

<http://darihare.blogspot.com/> (श्याम दरिहरेक जालवृत्त)

<http://deoshankarnavin.blogspot.com/> (देवशंकर नवीनक जालवृत्त)

<http://www.udayanarayana.com/> (नचिकेताक साइट)

<http://www.indianembassy.org.np/> (भारतीय दूतावास नेपाल)

<http://www.purvottarmaithilsamaj.com/> (पूर्वोत्तर मैथिल समाज)

<http://www.purvottarmaithil.blogspot.com/> (मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समितिक त्रैमासिक पत्रिका)

<http://apanmithladhaam.blogspot.com/>

<http://maithilikavita.blogspot.com/>

<http://pankajjha23.blogspot.com/>

<http://maithili-haiku.blogspot.com/>

<http://manak-maithili.blogspot.com/>

<http://mithiladay.org/>

<http://dsal.uchicago.edu/Isi/> (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings)

<http://dsal.uchicago.edu/Isi/taxonomy/term/1718> (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings, Maithili)

<http://music2.cooltoad.com/music/category.php?id=10576>

<http://maithiliacademy.org/>

<https://maithiliacademybihar.org/> (मैथिली अकादमी, पटना)

मैथिली भोजपुरी अकादमी, दिल्ली

<http://artandculture.delhigovt.nic.in/wps/wcm/connect/doiit.art/Art+Culture+and+Language/Home/Maithili-Bhojpuri+Academy/>

<http://maithili.sourceforge.net/>

<http://ansiss.org/>

<http://fedoraproject.org/>

<https://fedorahosted.org/fuel/wiki/fuel-maithili>

<http://l10n.gnome.org/teams/mai>

<http://translate.fedoraproject.org/languages/mai>

<http://www.biharlokmanch.org/> (मिथिला-मैथिली पोथी ऑनलाइन कीन्)

http://www.biharlokmanch.org/mithila_products_online.php (Buy Mithila-Maithili books online)

<http://mithila-haat.com/> (Buy Mithila-Maithili books/ other materials online)

<http://www.antikaprakashan.com/> (अंतिका प्रकाशनक साइट- मैथिली प्रकाशक)

<https://shashiprakashan.blogspot.com/> (शशि प्रकाशन- मैथिली प्रकाशक)

<https://pallavipublication.blogspot.com/> (पल्लवी प्रकाशन- मैथिली प्रकाशक)

<http://www.navarambh.com/> (नवारम्भ- मैथिली प्रकाशक)

<http://www.gorkhapatra.org.np/>

<http://www.sajha.org.np/>

<http://www.kantipuronline.com/>

<http://mithilahyd.org/>

<http://www.jyoticonsultant.com/> (मैथिलक नौकरी डॉट कॉम)

<http://www.mithilamanthan.com/>

<http://www.brandbihar.com/>

<http://www.biharbrains.org/>

<http://maithilijokes.blogspot.com/>

<http://www.rdo91fm.blogspot.com/>

<http://www.kfm961.com/> (हेल्लो मिथिला कार्यक्रम प्रत्येक शनिर्के नेपाली समयानुसार राति ९.३० बजेसँ ११ बजेधरि आ राजनीतिक विषयवस्तुपर केन्द्रित चौबटिया कार्यक्रम प्रत्येक सोमकेँ राति १० सँ ११ बजेधरि प्रसारण)

<http://www.radiokantipur.com/> (हेल्लो मिथिला कार्यक्रम प्रत्येक शनिर्के नेपाली समयानुसार राति ९.३० बजेसँ ११ बजेधरि आ राजनीतिक विषयवस्तुपर केन्द्रित चौबटिया कार्यक्रम प्रत्येक सोमकेँ राति १० सँ ११ बजेधरि प्रसारण)

<http://www.jumpTV.com/en/channel/nepal1/> (नेपाल 1 टी.वी.-जम्प टी.वी. मैथिली कार्यक्रम सूचना)

<http://janakifm.org.np/> (जानकी एफ.एम., मैथिली समाचार रेडियो)

<http://www.mithilaradio.com/> (मैथिली रेडियो)

<http://www.youtube.com/user/janakifm> (जानकी एफ.एम., मैथिली समाचार रेडियो Youtube channel)

<http://www.radiomithila.org/> (मैथिली रेडियो)

<http://www.appanmithila.org/> (रेडियो अप्पन मिथिला ९४.४ MHz)

<http://www.janakpurtoday.com.np/>

<http://madanpuraskar.org/>

<http://www.madheshuk.org/> (एसोशिएशन ऑफ नेपाली मधेसीज इन यू.के.)

<http://www.mithilaart.com/> (श्रीमति प्रभा झाक साइट)

<http://www.mithilavihar.com/>

<http://www.sugatisopan.com/>

<http://www.maithilsamaj.org.in/>

<http://www.maithilsamaj.com/>

<http://www.janakpurbcity.com/>

<http://www.janakpur.com.np/>

<http://home.att.net/~maithils/>

<http://shyamprakashjha.com/>

<http://ramanathjha.com/>

<http://www.ramajha.com/>

<http://sudhakar.co.in/maithili>

<http://www.maithils.net/>

<http://www.getpredictiononline.com/>

<http://www.bihartimes.com/>

<http://www.bihar.ws/>

<http://www.patnadaily.com/>

<http://www.krraman.blogspot.com/>

<http://www.adi-maithili-kavita.blogspot.com/>

<http://www.mithilasevasamiti.blogspot.com/>

<http://www.jankitoday.blogspot.com/>

<http://opjha.blogspot.com/>

<http://chitthajagat.in/> (देवनागरी लिपिक ब्लॉग एग्रीगेटर)

<http://mailorang.blogspot.com/> (मैलोरंग नाट्य संस्थाक ब्लॉग)

<http://mailorang.in/> (मैलोरंग)

<http://mailorang.com/> (मैलोरंग)

<http://vandanageet.blogspot.com/>

<http://www.darbhangaaraj.blogspot.com/>

http://mithila_samachar.tripod.com/mithilasamachar/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

<http://www.ciilcorpora.net/maisam.htm>

<http://www.ildc.in/Maithili/Miindex.aspx> (मैथिली अओजार आ फॉन्ट)

<http://www.mithilaarts.com/>

<http://www.mithilapainting.org/>

<http://www.maithili.net/> (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

<http://www.mithilaonline.com/> (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

<http://www.onlinemithila.in/> (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

<http://www.nnl.gov.np/>

<http://www.nepalacademy.org.np/>

<http://www.karnagoshthi.org/>

<http://surmasti.com/>

<http://www.maithiliworld.com/>

<http://www.mithila-museum.com/aboutMM/Eindex.html>

<http://www.tribhuvan-university.edu.np/>

<http://www.swastifoundation.com/> (स्वस्ति फाउन्डेशनक साइट)

<http://foundationsaarcwriters.com/>

<http://www.opmcm.gov.np/>

<http://www.moe.gov.np/> (नेपाल सरकारक साइट)

<http://nmu.bih.nic.in/>

<http://gov.bih.nic.in/> (बिहार सरकारक साइट)

<http://www.india.gov.in/>

<http://rajbhasha.nic.in/>

<http://www.hindinideshalaya.nic.in/>

<http://themithila.tripod.com/>

<http://www.mithilaconnect.com/>

<http://www.esabha.net/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.maithilvivah.com/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.kanyadan.net/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.maithilbrahminvivahbandhan.org/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.mithilashaadi.com/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.kalyanifoundation.org/>

<http://www.madhubani.com/>

<http://www.janakpur.org/>

<http://www.darbhanga-friends.com/>

<http://www.hindisansthan.org/>

<http://www.biharassociation.net/>

<http://www.nationallibrary.gov.in/> (नेशनल लाइब्रेरी कोलकाता)

<http://dpl.gov.in/> (दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी)

<http://www.connemarapubliclibrarychennai.com/> (कोनेमारा पब्लिक लाइब्रेरी)

<http://rrrlf.nic.in/> (राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन)

<http://www.sahitya-akademi.gov.in/> (साहित्य अकादमीक साइट)

<http://www.nbtindia.org.in/> (नेशनल बुक ट्रस्टक साइट)

<http://www.csuchico.edu/anth/mithila/>

<http://web.mac.com/nadjagrimm/iWeb/JWDC/Mithila%20Art%20.html>

<http://www.southasianist.info/india/mithila/index.html>

<http://www.mithilalive.com/>

http://www.ethnologue.com/show_language.asp?code=mai

<http://linguistlist.org/forms/langs/LLDescription.cfm?code=mai>

<http://www.languageshome.com/English-Maithili.htm>

<http://www.rosettaproject.org/archive/mai>

<http://www.nepal.gov.gov.np/>

<http://maithili-mp3-songs.folkmusicindia.com/>

<http://www.ciil.org/> (भारतीय भाषा संस्थानक साइट)

<http://www.ciilibrary.org/>

<http://www.lisindia.net/Maithili/Maithili.html>

http://www.ntm.org.in/languages/maithili/default_maithili.asp (राष्ट्रीय अनुवाद मिशन)

<http://www.samsung.com/in/news/localnews/2012/tagore-literature-awards-bring-together-india-best-literary-talent> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://www.samsung.com/in/news/localnews/2011/samsung-felicitates-the-winners-of-tagore-literature-awards-2010> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://www.samsung.com/in/Tagore-Awards/index.html> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://jnanpith.net/> (भारतीय ज्ञानपीठक साइट)

<http://bparishad.in/> (भारतीय भाषा परिषद, कोलकाताक साइट)

<http://www.bharatiyabhashaparishad.com/> (भारतीय भाषा परिषद, कोलकाताक वागर्थ)

<http://www.themanbookerprize.com/> (मैन-बुकर पुरस्कारक साइट)

<http://www.commonwealthfoundation.com/> (कॉमनवेल्थ फाउन्डेशनक साइट)

<http://www.crossword.in/> (बोडाफोन-क्रॉसवर्डक साइट)

<http://www.pulitzer.org/> (पुलित्जर पुरस्कारक साइट)

<http://nobelprize.org/> (नोबेल पुरस्कारक साइट)

<http://www.goakonkaniakademi.org/akademi/aims.htm> (गोवा कोंकणी अकादमीक साइट)

<http://www.museindia.com/>

<http://www.asiawrites.org>

<http://indianorway.wordpress.com/>

<http://samanvayindianlanguagesfestival.org/>

<http://jaipurliteraturefestival.org/>

<http://dscprize.com/>

<http://www.hindu.com/lr/2011/04/03/stories/2011040350010100.htm>

<http://southasianlitfest.com/>

<http://www.varnamala.org/>

<http://india.poetryinternationalweb.org/>

<http://www.fortunecity.com/victorian/charcoal/49/>

<http://www.tarainews.com.np/>

VIDEHA IST MAITHILI FORTNIGHTLY EJOURNAL ARCHIVE

<http://videha-archive.blogspot.com/>

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मैथिली पोथीक आर्काइव

<http://videha-pothi.blogspot.com/>

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो आर्काइव

<http://videha-audio.blogspot.com/>

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका वीडियो आर्काइव

<http://videha-video.blogspot.com/>

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

<http://videha-paintings-photos.blogspot.com/>

विदेह ई पत्रिकाक सभटा पुरान अंक-Videha e journal's all old issues

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha/>

विदेह ईअंक ५० पत्रिकाक पहिल-

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-i/>

विदेह ईम अंक १४९ ५०म सँ पत्रिकाक-

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-ii/>

विदेह ई१५०म आ आगाँक अंक पत्रिकाक-

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-iii/>

मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-pothi>

मैथिली ऑडियो संकलन Maithili Audio Downloads

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio>

मैथिली वीडियो संकलन Maithili Videos

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-video>

मिथिला चित्रकला आधुनिक चित्रकला आ चित्र /Mithila Painting/ Modern Art and Photos

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-paintings-photos/>

सगर राति दीप जरय

<http://sagarraatideepjaray.blogspot.com/>
<http://sagarraatideepjaray.wordpress.com/>

विदेह मैथिली क्विज :
<http://videhaquiz.blogspot.com/>

विदेह मैथिली जालवृत्त एग्रीगेटर :

<http://videha-aggregator.blogspot.com/>
विदेह मैथिली साहित्य अंग्रेजीमे अनूदित

<http://madhubani-art.blogspot.com/>
विदेहक पूर्व-रूप "भालसरिक गाछ" :

<http://gajendrathakur.blogspot.com/>
विदेह इंडेक्स :

<http://videha123.blogspot.com/>
विदेह फाइल :

<http://videha123.wordpress.com/>

Maithili Sign Language- पहिल मैथिली संकेत लिपि ब्लॉग

<https://maithili-sign-language.blogspot.com/>

विदेह ब्राह्मी- ब्राह्मी लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

<https://maithili-brahmi.blogspot.com/>

विदेह खरोष्ठी- खरोष्ठी लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

<https://maithili-kharoshthi.blogspot.com/>

विदेह कैथी लिपिमे- मैथिलीक कैथी लिपिमे पहिल ब्लॉग

<https://maithili-kaithi.blogspot.com/>

विदेह नेवाड़ी लिपिमे- मैथिलीक नेवाड़ी लिपिमे पहिल ब्लॉग

<https://maithili-newari.blogspot.com/>

विदेह आइ.पी.ए. लिपिमे- मैथिलीक आइ.पी.ए.मे पहिल ब्लॉग

<https://maithili-ipa.blogspot.com/>

विदेह- उर्दू नस्तालिक लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

<https://maithili-urdu.blogspot.com/>

विदेह- तिब्बती लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

<https://maithili-tibetan.blogspot.com/>

विदेह: सदेह : पहिल तिरहुता (मिथिलाक्षर) जालवृत्त (ब्लॉग)

<http://videha-sadeha.blogspot.com/>

विदेह:ब्रेल: मैथिली ब्रेलमे: पहिल बेर विदेह द्वारा

<http://videha-braille.blogspot.com/>

विदेह गूगल-ग्रुप

<https://groups.google.com/g/videha>

गजेन्द्र ठाकुर इडेक्स

<http://gajendrathakur123.blogspot.com>

नेना भुटका

<http://mangan-khabas.blogspot.com/>

Videha Radio विदेह रेडियोकविता आदिक पहिल पोडकास्ट साइट-मैथिली कथा:

<http://videha123radio.wordpress.com/>

<http://videha.listen2myradio.com/>

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव

<http://maithili-drama.blogspot.com/>

समदिया

<http://esamaad.blogspot.com/>

मैथिली फिल्म्स

<http://maithilifilms.blogspot.com/>

मैथिली हाइकू

<http://maithili-haiku.blogspot.com/>

मानक मैथिली

<http://manak-maithili.blogspot.com/>

विहनि कथा

<http://bihanikatha.blogspot.com/>

मैथिली कविता

<http://maithili-kavita.blogspot.com/>

मैथिली कथा

<http://maithili-katha.blogspot.com/>

मैथिली समालोचना

<http://maithili-samalochna.blogspot.com/>

Maithili Literature in English

<http://madhubani-art.blogspot.com/>

तिरहुता- कैथी फॉण्ट/ मैथिल ब्राह्मणक पञ्जी आधारित इतिहास

https://deepblue.lib.umich.edu/bitstream/handle/2027.42/110341/pandey_1.pdf?sequence=1 (उत्तर-बिहारक मैथिल ब्राह्मणमे जाति)

<https://www.unicode.org/L2/L2009/09329-maithili.pdf> (यूनीकोड तिरहुता फॉण्ट लेल आवेदन ३० सितम्बर २००९- विदेहक सहयोग)

<https://www.unicode.org/L2/L2011/11175r-tirhuta.pdf> (यूनीकोड तिरहुता फॉण्ट लेल आवेदन ५ मई २०११- विदेहक सहयोग)

<http://www.tirhotalipi.4t.com/> (देवनागरी-तिरहुता फॉण्ट- वेस्टर्न आधारित)

<http://www.anujha.co.cc/> (देवनागरी यूनीकोड आधारित तिरहुता फॉण्ट-मिथिला)

"विकीपीडिया"मे मैथिली

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai>

<http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

अंतिम पाँचू साइट विकी मैथिली प्रोजेक्टक अछि। एहि लिंक सभ पर जा कय प्रोजेक्टकेँ आगाँ बढ़ाऊ।

यूनीकोड तिरहुता फॉण्ट, "विकीपीडिया"मे मैथिली आ आब मैथिली "गूगल ट्रांसलेट"मे सेहो। अगिला लक्ष्य "अमेजन अलेक्सा"

गूगल ट्रांसलेट

गूगल ट्रांसलेटक लिंक

<https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate>

गूगल ट्रांसलेटकेँ आर पुष्ट करबाक खगता छै तइ लेल अगिला काज अढ़ा रहल छी:

<https://translate.google.com/about/contribute/>

Crowdsourcing Maithili Community

Please fill the form

Next Step

Download the Crowdsourcing app from android play store and start contributing

or go to web on the following link for contributing:

<https://crowdsourcing.google.com/about/>

Crowdsourcing by Google is a gamified platform that empowers users to directly train Google's artificial intelligence systems and make Google products work equally well for everyone, everywhere.

प्रारम्भ:

विकीपीडिया ०१ फरबरी २००८ लिंक

<https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&pg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली देवनागरी)

<https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bjwC&pg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली तिरहुता)

<https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wAO8C&pg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली ब्रेल)

गूगल ट्रांसलेट २३ जून २०११क लिंक

<https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/138489416229195/>

गूगल ट्रांसलेशन टूलमे

"बिहारी" भाषाक बदलामे मैथिली लेल अलग ट्रांसलेशन टूल बनेबाक आवेदन विदेहक सदस्यगण द्वारा देल गेल अछि। अपन योगदान गूगल ट्रांसलेट लेल करू,

आ कएल सम्पादन बदलबा काल कारण मे (अंग्रेजीमे) "बिहारी" नाम्ना कोनो भाषा नै हेबाक चर्चा करू। ऐ लिंकपर अनुवाद करू; गूगल एकाउंटसँ लॉग इन केलाक बाद ।

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh> (link closed)

मिथिलाक्षर (तिरहुता) फॉण्ट लेल आवेदन ३० सितम्बर २००९ आ फेर संशोधित आवेदन ५ मई २०११ केँ श्री अंशुमन पाण्डेय द्वारा देल गेल आ दुनू बेर एमे विदेहक सहयोगक वर्णन भेल। ११ जूनकेँ श्री अंशुमन पाण्डेय एकर स्वीकृतिक सूचना विदेहक फेसबुक ग्रुपपर देलनि। आब ई फॉण्ट बनि कऽ तैयार अछि आ नीचाँक लिंकपर डाउनलोड लेल उपलब्ध अछि।

तिरहुता, नेवाड़ी आ कैथी फॉण्ट डाउनलोड Google's Noto Fonts project/ GitHub

तिरहुता नांटा फॉण्ट	कैथी ओटीएफ	कैथी टीटीएफ	नेवाड़ी ओ.टी.एफ.	नेवाड़ी टी.टी.एफ.
---------------------	------------	-------------	------------------	-------------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

Tirhuta Offline Keyboard download

Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download

<https://malarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

https://keymanweb.com/?_ga=2.7155890.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_tirhuta

https://keymanweb.com/?_ga=2.241635586.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_malar_tirhuta

<https://aksharamukha.appspot.com/converter> (Script/ Website Converter)

<https://aksharamukha.appspot.com/keyboards> [Input (IME)]

<https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts> (fonts- opensource)

<https://www.cdac.in/> (Tirhuta/ Unicode Typing Tool)

अमेजन अलेक्सा मैथिली (शीघ्र....)

किछु मैथिली विकिपिडिया पेजक लिंक:

विदेह (पत्रिका) <https://mai.wikipedia.org/s/kgv>
इन्टरनेटक संसारमे मैथिली भाषा <https://mai.wikipedia.org/s/s6h>

भालसरिक गाछ <https://mai.wikipedia.org/s/ipm>

विदेह <https://mai.wikipedia.org/s/ie1>

विदेहक फेसबुक भर्सन <https://mai.wikipedia.org/s/iu1>

विदेह सम्मान <https://mai.wikipedia.org/s/jc2>

विदेह आर्काइभ <https://mai.wikipedia.org/s/jc0>

विदेह मिथिला रत्न <https://mai.wikipedia.org/s/jc3>

विदेह मिथिलाक खोज <https://mai.wikipedia.org/s/jc4>

विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण <https://mai.wikipedia.org/s/jc5>

श्रुति प्रकाशन <https://mai.wikipedia.org/s/iu7>

अनचिन्हार आखर <https://mai.wikipedia.org/s/ion>

मैथिली गजल <https://mai.wikipedia.org/s/idz>

मैथिली बाल गजल <https://mai.wikipedia.org/s/iex>

मैथिली भक्ति गजल <https://mai.wikipedia.org/s/if1>

.....

किछु मैथिल पोथी, ऑडियो-वीडियो, कलाकृति/ यू ट्यूब चैनल डाउनलोड साइट (ओपन सोर्स)

[NCERT BHASHA SANGAM](#)

[NCERT \(Maitihili-English-Hindi Conversations\)](#)

[मैथिली-हिन्दी वार्तालाप \(३ घण्टा\)](#)

[मैथिली \(मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर\)](#)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-IrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

[SAHITYA AKADEMI](#)

<http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp>

<http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp>

[CIIL](#)

<http://corpora.ciil.org/maisam.htm>

[अखियासल \(रमानन्द झा रमण\)](#)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI1.pdf>

[जुआयल कनकनी- महेन्द्र](#)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI2.pdf>

[प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा \(बी.पी.एस.सी. सिलेबस\)](#)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI3.pdf>

[सृजन केर दीप पर्व- सं केदार कानन आ अरविन्द ठाकुर](#)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI4.pdf>

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन झा

<http://corpora.ciiil.org/pdf/maidhilipdf/MAI5.pdf>

ARCHIVE.ORG (विजयदेव झा)

https://archive.org/details/vijay_deo_jha

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video Archive

<http://videha.co.in/archive.htm>

IGNCA

<http://ignca.nic.in/coilnet/mithila.htm>

<http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm> (MAITHILI ENGLISH DICTIONARY)

मिथिला दर्शन

<https://mithiladarshan.com/> (online pdf of Maithili journal)

तीरभुक्ति

https://archive.org/details/@teerbhukti_journal

OLE NEPAL's E-PUSTAKALAYA (<https://pustakalaya.org/en/>)

पोथीक लिंक

आइ.जी.एन.सी.ए. - ए.एस.आइ. <https://ignca.gov.in/divisionss/asi-books/>

https://ignca.gov.in/Asi_data/16612.pdf (History of Navya-Nyaya in Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/42365.pdf (Studies in Jainism and Buddhism in Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/63227.pdf (Mithila in the Age of Vidyapati)

https://ignca.gov.in/Asi_data/64994.pdf (Cultural Heritage of Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/72754.pdf (Mithila under the Karnatas)

ए.एस.आइ.अंग्रेजी https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publication/temples_of_mithila_english.pdf

ए.एस.आइ.हिन्दी https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publication/temple_of_mithila_hindi.pdf

मैथिली साहित्य संस्थान <https://www.maithilisahityasansthan.org/resources>

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

[Brochure 1](#) (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

[Brochure 2](#) (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

[Brochure 3](#) (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

[Brochure 4](#) (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

[Brochure 5](#) (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

<https://bloomlibrary.org/language:mai> (ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली)

अरिपन फाउण्डेशन (<http://www.aripanafoundation.org/>)

PRATHAM BOOKS MAITHILI STORYWEAVER

https://www.youtube.com/playlist?list=PLAT74nNc2fmYaW29mRVAIgzRq63_9zWbI (मैथिली ऑडियो बुक्स)

<https://www.youtube.com/channel/UCE1HEUJEzc-NUbMsHzkIHLw> (विदेह मैथिलीअलाउड ऑडियो बुक आ संगमे मैथिली संकेत -अंग्रेजी टॉकिंग रीड-
(दुनू मैथिलीमे पहिल बेर -भाषा

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoE> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका(
<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgIT> (चलू हम तँ ठीक छी ने!
<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन(

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घर सभ(
<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fubt7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

पोथी डॉट कॉम

<https://store.pothi.com/browse/free-ebooks/?language=Maithili>

I LOVE MITHILA

<https://www.ilovemithila.com/maithili-books-pdf-free-download/> (पोथी डाउनलोड लिंक)

<https://www.ilovemithila.com/> (online maithili journal)

<https://maithili.com.np/> (owner I Love Mithila)

मैथिली फिल्म

<https://youtu.be/4jhaQ3Nw38I> (ममता गाबय गीत, सौजन्य- Saregama(

<https://youtu.be/V3KWthhB6Kg> (कन्यादान, सौजन्य- BEJOD)

<https://www.bejod.in/> (Maithili Movies on Rent)

<https://mubi.com/films/gamak-ghar> (Maithili Movies on Rent)

<https://mubi.com/films/dhuin> (Maithili Movies on Rent)

प्यारे मैथिल

<https://www.youtube.com/channel/UCq30Llck2tNw8BI4t8jjzQg> (प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द)

<https://www.youtube.com/@mithirangloktarang677> (मिथिरंग लोक तरंग)

<https://www.youtube.com/MithilaChapter> (मिथिला चैप्टर)

<https://www.youtube.com/soumyajha> (खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल)

<https://www.youtube.com/@maithilirangmanch9536> (मैथिली रंगमंच)

<https://www.youtube.com/@kokilmanch4330> (कोकिल मंच)

<https://www.youtube.com/@mithilاناتykalaparishadmi5636> (MINAP)

<https://www.youtube.com/@mlrmedia3097> (मैलोरंग)

<http://www.youtube.com/user/mailorang> (मैलोरंग)

<https://www.youtube.com/@praakshjha> (मैलोरंग)

<https://www.youtube.com/@mithilangan109> (मिथिलांगन)

<https://www.youtube.com/@bhangimamaithilitheatre9509> (भंगिमा)

<https://www.youtube.com/@MithilaDarshan> (मिथिला दर्शन)

<https://www.youtube.com/@MithilaMirror> (मिथिला मिरर)

- <https://www.youtube.com/@SmritiEntertainmentMaithili> (स्मृति एंटरटेनमेंट)
- <https://www.youtube.com/@achalchitra> (अचल चित्र)
- <https://www.youtube.com/@Bejod> (BEJOD)
- <https://www.youtube.com/@neelammaithili> (नीलम मैथिली)
- <https://www.youtube.com/@maithiliganga4714> (मैथिली गंगा)
- <https://www.youtube.com/@Mithilajunction> (मिथिला जंक्शन)
- <https://www.youtube.com/playlist?list=PLgmlEgU89nhRIGV-rG2SXY3uuhnXGT-j5> (दीपशिखा झा)
- https://www.youtube.com/playlist?list=PLT8LMrml4tPHxM64K8Iov_Arr_3uPaPgf [मैथिली समाचार (जनता टेलीविजन)]
- <https://www.youtube.com/@maithilitalks> (Maithili Talks)
- <https://www.youtube.com/@AppanTV> (Appan TV)
- <https://www.youtube.com/@TODAYJANAKPUR> (TV Today, Janakpur)
- <https://www.youtube.com/@drishyambiharlok7552> (Drishyam Media)
- <https://www.youtube.com/@sanskarmithila> (संस्कार मिथिला)
- <https://www.youtube.com/@saregamaapanmaithili3522> (सरेगामा मैथिली)
- <https://www.youtube.com/@NavrassMedia> (नवरस मीडिया)
- <https://www.youtube.com/@jyotient778> (ज्योति एंटरटेनमेंट)
- <https://www.youtube.com/@RKSMITHILIPRODUCTION> (इजोरिया फिल्म्स)
- <https://www.youtube.com/@ayodhyanathchoudhary345> (अयोध्यानाथ चौधरी)
- <https://www.youtube.com/@RadioJanakpur97MhzOfficial> (रेडियो जनकपुर)
- <https://www.youtube.com/@mithilatv1> (मिथिला टी.वी.)
- <https://www.youtube.com/@Madhurmaithilichannel> (मधुर मैथिली)
- <https://www.youtube.com/@sktutorials8921> (मैथिली-नेपाली सीखू)
- https://www.youtube.com/playlist?list=PL_HQDKXbaRKq3YTS7-Pkks1Y-UIL33fiD (अपन मैथिली)
- https://www.youtube.com/playlist?list=PLH1UiGI69_SLRhxZMZ1TSxUi-jXcHhAZr (मैथिली पाठ)
- <https://www.youtube.com/@maithiliforiassurandrara1589> (सुरेन्द्र राजत)
- <https://www.youtube.com/@UdayaSingh> (रफ कट्स, नचिकेता)
- <https://www.youtube.com/@kunjbiharimithilaratna> (कुञ्ज बिहारी)
- <https://www.youtube.com/@RAMBABUJHA> (राम बाबू झा)
- <https://www.youtube.com/@VJEntertainments008> (वी. जे., विकास झा)
- <https://www.youtube.com/@user-ib7pn3li5q> (तिरहुत मिथिला)
- <https://www.youtube.com/c/ilovemithila> (आइ लव मिथिला)
- <https://www.youtube.com/@LokKalaKendra> (लोक कला केन्द्र)

<https://www.youtube.com/@rainipallavi> (रजनी पल्लवी)

<https://www.youtube.com/@PoonamMishra> (पूनम मिश्र)

<https://www.youtube.com/@ranjanajhasangeetdivyam2908> (रंजना झा)

<https://www.youtube.com/@julijhaofficial8057> (जूली झा)

<https://www.youtube.com/@maithilithakur> (मैथिली ठाकुर)

जानकी एफ.एम समाचार

<https://www.youtube.com/user/Janakifm/videos> (जानकी एफ.एम समाचार)

<https://www.youtube.com/@AmitJhaOfficial> (Amit Jha)

<https://www.youtube.com/@PMPCORNER> (Pravesh Mallick)

<https://www.youtube.com/@AdityaFilmsandmusic> (Aditya Films & Music)

<https://www.youtube.com/@NepalTelevision> (Nepal Television)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLEqde8-nxNTHL78RKSiutGeeTjXot3YrY> (AIR MAITHILI NEWS)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLJuojdiqz3NMKxKUbbcO7cT3sPrgRejS> (AIR AMRIT MAHOTSAV)

<https://www.youtube.com/@Mithilanchal> (Mithilanchal)

<https://www.youtube.com/channel/UCsB8UkEYLZe471GrcAlcG1A> (Rashmi Dutt)

<https://www.youtube.com/channel/UCVYE4fcasReMXTpbXWgp2mg> (Priya Mallick)

<https://www.youtube.com/@AnamikaJhaOfficial> (Anamika Jha)

Videha e-Learning

<https://www.youtube.com/@videha-elearning>

संघ लोक सेवा आयोग/ बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली (अनिवार्य आ ऐच्छिक) आ आन ऐच्छिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामग्री [एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली लेल सेहो]

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

.....

<http://www.youtube.com/user/ggajendra71>(विदेह)

<https://www.youtube.com/gunjanshree>

<http://www.youtube.com/user/Maithilnews>

<http://www.youtube.com/user/jitumaithil> (जितेन्द्र झा, जनकपुर)

<http://www.youtube.com/user/sobhagya8> (सौभाग्य मिथिला)

<http://www.youtube.com/user/bhaskaranjha> (भाष्कर झा)

<http://www.youtube.com/user/mahakalijha>

<http://www.youtube.com/user/karia1885>

<http://www.youtube.com/user/omuniv>

<http://www.youtube.com/user/sumankumar137>

<http://www.youtube.com/user/gyansjha>

<http://www.youtube.com/user/bclalan>

<http://www.youtube.com/user/gareri1986>

<http://www.youtube.com/user/avinashjha84>

<http://www.youtube.com/user/chandankumarjha1>

<http://www.youtube.com/user/chandanmishra2010>

<http://www.youtube.com/user/nirmaana>

<http://www.youtube.com/user/Janakifm1>

http://www.youtube.com/watch?v=XpSuVHtbaQ8&feature=mfu_in_order&list=UL

<http://www.youtube.com/user/gxcng>

<http://www.youtube.com/user/gautamkrishna85>

<http://youtu.be/3i3OG5Nf3y8>

<http://youtu.be/sJnxSe-ckmo>

<http://www.youtube.com/user/jitmohanjha>

<http://www.youtube.com/user/MiTJnPNN>

<http://www.youtube.com/watch?v=-9KaC8ji9t4>

<http://www.youtube.com/user/luvvivek2k7>

<http://www.youtube.com/user/bindassatyandra>

<http://www.youtube.com/user/rustymind1>

<http://www.youtube.com/user/MrDeveshKarna>

<http://www.youtube.com/user/rambabushah>

<http://www.youtube.com/user/mukeshjha84>

<http://www.youtube.com/user/Mauahi>

www.youtube.com/user/MrBasantjha

<http://www.youtube.com/user/themadan>

<http://www.youtube.com/user/sentukhu>

<http://www.youtube.com/user/yarowjha>

<http://www.youtube.com/user/mkoxp>

<http://www.youtube.com/user/luvvick21>

<http://www.youtube.com/user/njyclubashok>

<http://www.youtube.com/user/MrRamkisor>

<http://www.youtube.com/user/pratyushsangita/>

<http://www.youtube.com/user/hellomithilaa>

<http://www.youtube.com/user/mariyoshj>

<http://www.youtube.com/user/dearshantanu/>

www.youtube.com/user/RajuPrasadRajbanshi

www.youtube.com/user/premarshi

<http://www.youtube.com/user/Dhipre> (धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

<http://www.youtube.com/user/TheShubhaprabhat>

<http://www.youtube.com/user/njyclubashok>

<http://www.youtube.com/user/mithilaconnect>

<http://www.youtube.com/user/NAYAKSAURABH80>

विदेह ३७१ म अंक ०१ जून २०२३ (वर्ष १६ मास १८६ अंक ३७१)

<http://www.youtube.com/user/Rabindra888>

<http://www.youtube.com/user/uday88mandal>

<http://www.youtube.com/user/nimesdeath>

<http://www.youtube.com/user/pawanks6102>

<http://www.youtube.com/user/sahayogee>

<http://www.youtube.com/user/sunilkumarpawan>

<http://www.youtube.com/user/vidhuk>

http://www.dailymotion.com/video/xjophq_documentary-kosi-katha_shortfilms#from=embed

<http://blackbuddhas.com/>

<http://youtu.be/CPwpkn5YI1I>

अपन मंतव्य editorial.staff.vidaha@gmail.com पर पठाउ।

Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement

Issue No. 88 (November-December 2019) of Muse India at <http://museindia.com/> displays Maithili literature in an extremely poor light. Moreover, it wrongly claims to be a representative review of Maithili Literature, whereas it was only in line with the Sahitya Akademi, Delhi; a mere representation of the so-called "dried main drain". It is expected that Muse India will correct itself by announcing an issue exclusively devoted to the parallel tradition of Maithili literature.

T.K. Oommen writes in the "Linguistic Diversity" Chapter of "Sociology", 1988, page 291, National Law School of India University/ Bar Council of India Trust book: "... the Maithili region is found to be economically and culturally dominated by Brahmins and if a separate Maithili State is formed, they may easily get entrenched as the political elite also. This may not be to the liking and advantage of several other castes, the traditionally entrenched or currently ascendant castes. Therefore, in all possibility the latter groups may oppose the formation of a separate Maithili state although they also belong to the Maithili speech community. This type of opposition adversely affects the development of several languages."

T.K. Oomen further writes: "... even when a language is pronounced to be distinct from Hindi, it may be

treated as a dialect of Hindi. For example, both Grierson who undertook the classic linguistic survey of India and S. K. Chatterjee, the national professor of linguistics, stated that Maithili is a distinct language. But yet it is treated as a dialect of Hindi". (Ibid, page 293)

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant. - Robert Louis Stevenson

...

Videha: Maithili Literature Movement

Parallel Literature

The references to parallel literature are found in Vedas, where Narashansi is referred to as parallel literature.

Parallel Literature in Maithili

The need for parallel literature in Maithili arose due to the constant onslaught on literature and dignity by the Public and Private Academies, for example, Maithili-Bhojpuri Akademi of Delhi, Maithili Akademi of Patna, Sahitya Akademi of Delhi, Nepal's Prajna Pratishthan, all of which are government Academies. In addition to these Academies, the onslaught on Maithili Literature and dignity was constantly done by the so-called literary associations which were recognised by the Sahitya Akademi and were the main

tool for usurping all the literary space meant for this language. Besides these, the funding to these and other parochial associations and organisations led to the presentation of an interface in the name of Maithili, which was mediocre and non-representative.

The Book of Bihari Literature (Abhay K. Editor)

This book contains five translations from non-representative Maithili short stories into English by Vidyanand Jha. Nagarjun (Maithili's Yatri) and Usha Kiran Khan are from the Hindi quota though both got the Sahitya Akademi prize from the Maithili quota. Vibha Rani and Rajkamal Chaudhary are from the Maithili quota though both wrote in Hindi also.

This book is edited by Abhay K. who has read Samskrit only up to high school. Yet he pretends to translate Arthashastra directly from Samskrit into English. I am Kovid in Samskrit and from the quality of the translation, I can presume that he has used some intermediary language in translating Samskrit texts into English. It is a matter of ethics to acknowledge the source.

Vidyanand Jha's translation is below par, for example, he has no inkling what would be the English word for 'olak sanna', and there are plenty of such instances. I have some suggestions for him: First, read A Bird's Eye View on Mithila by Rajnath Mishra, it mentions all the terms for which you could not find English

equivalents. Then go to the Videha archive (www.videha.co.in) and look for Umesh Mandal's Picture Dictionary containing vegetation, animals and skill sets of Mithila, here you will find the actual photographs too. Further, under A Parallel History of Maithili Literature (Videha www.videha.co.in), you will find sample English translations of some Maithili short stories. Therefore, what Vidyanand Jha is presenting as exotic is the original thing of the Maithili Language (but not that of Maithili literature, as was two decades ago). Interestingly his choice of short stories reminds me of Contemporary Maithili Short Stories (Maithili short stories translated into English) edited by Murari Madhusudan Thakur and published by the Sahitya Akademi in 2005. It seems that the stories in this selection are leftover material from that collection. Rip Van Winkle awoke after two decades but Vidyanand Jha is still in slumber not realizing the changes that have happened during the period.

If you compare the translation of this selection vis-a-vis the English translation of Latin American Spanish literature, you would be able to understand the difference.

But these types of selections are not known for their literary excellence, Harper Collins publishes these types of selections for five-star hotels and Airport lounges. The publishers announced this book on

March 22, 2022. So, in 6-7 months, you will get old materials only.

The Bride: The Maithili Classic Kanyadan by Harimohan Jha (1908-1984) translated into English by Lalit Kumar (Assistant Professor, Department of English, Deen Dayal Upadhyaya College, University of Delhi)- Harper Perennial (Harper Collins Publishers)

I had pre-ordered the book, which was scheduled to be delivered to my kindle account on the 1st of December 2022, but the delivery date was postponed, and it was delivered to my account on the 14th of December 2022.

When Maithili was recognised by the Sahitya Akademi (National Academy of Letters- of India) way back in 1965, Late Ramanath Jha stated that his Maithili language is saved now (Maithilik Vartman Samasya, Ramanath Jha).

Sh. Harish Trivedi has committed the same mistake. In his foreword Harish Trivedi writes- "In Hindi, the language to which Maithili is the closest (and of which it was indeed an integral part until it was granted recognition as a separate language by the constitution in 1993) ..."

Harish Trivedi refers to the inclusion of Maithili in the eighth schedule of the constitution of India. Here the year mentioned should be 2003 instead of 1993.

Moreover, Maithili was a separate language in 2003, 1993, and 1965 and during the time of pre-Jyotirishwara Vidyapati. The status granted to Maithili by Sahitya Akademi and the Constitution of India, on the other hand, strengthened the hands of the obscurantist elements like Ramanath Jha, Shardananda Jha (he is not a famous person but why I have taken his name, I will explain it later) and others who gaslighted Harimohan Jha. Harimohan Jha's Khattar Kakak Tarang, Pranamya Devata, Rangshala and Charchari all these books were eligible for the Sahitya Akademi Award initiated in 1966 for Maithili (because of recognition given to Maithili by Sahitya Akademi in 1965. But a philosophy treatise was awarded the prize in 1966, this philosophy book itself is a horrific one, and if one has read the book to understand the nuances of Indian Philosophy, then he will have to unlearn first to be able to grasp the philosophical concepts from a new book on Indian Philosophy. In 1967 no award was given for the Maithili Language.

Ramanath Jha's obscurantism vis-a-vis Panji is evident from one example (because Lalit Kumar also seems to have followed in his footsteps, though he gives credit for his ignorance to some other writers). He was casteist, conservative and confused. The inter-caste marriage in Panji was well known to him (but he chose to keep the Dooshan Panji secret- which has been released by us on google books in 2009), and it was

apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charmkarini" and was born five years after the death of his father (see our Panji Books Vol I & II available at <http://videha.co.in/pothi.htm>). Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila"-

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mithila- Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name.", which is a total falsehood. He writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha. So how would this casteist-conservative-confused allow the award to be given to Sh Harimohan Jha? So, the Sahitya Akademi saved the Maithili Language by recognizing it, as asserted by Prof. R. Jha, is wrong and so is the assertion made by Sh. Harish Trivedi.

Mr Lalit Kumar is a young person, but he is being misused by some obscurantist elements, who gaslighted Harimohan Jha. Harimohan Jha stopped writing in Maithili following the recognition of it by Sahitya Akademi and was awarded the Sahitya Akademi prize for his autobiography in 1985, after his death, which means nothing.

Mr Lalit Kumar writes- "Yoganand Jha's Bhalmanusha (1944) and Shardananda Jha's Jayabara (1946) attack such social divisions that played a decisive role in

marriages." Yoganand Jha's Bhalmanusha (1944) was indeed a pathbreaking novel, but Shardananda Jha's novel was reactionary. Prof Radha Krishna Choudhary rightly observes- "Yoganand Jha's 'Bhalamanusa' deals with the social problems connected with the problem of marriage. As a reply to this novel, Shardanand Jha wrote a second-rate novel 'Jayabara,' having little literary merit. (RADHAKRISHNA CHOUDHARY A Survey of Maithili Literature)

Mr Lalit Kumar for his Panji-related ignorance gives credit to Mm. Parmeshwar Jha's "Mithila Tattva-Vimarsha." Prof Radha Krishna Choudhary rightly observes- "Mm. Parmeshwar Jha's 'Mithila Tattva-Vimarsha' is the history of Mithila in Maithili prose and is based mainly on tradition. Mm. Mukunda Jha Bakshi's 'Mithilabhashamaya Itihas' gives an account of the Khandawala dynasty. From the point of view of modern Maithili prose, these two works are important, though from the historical point of view, are unreliable. (RADHAKRISHNA CHOUDHARY A Survey of Maithili Literature)

The following excerpt from Our Panji Paband ((part I&II) is being reproduced below for ready-reference: -

*महाराज हरसिंहदेव- मिथिलाक कर्णाट वंशक। ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्ण-
रत्नाकरमे हरसिंहदेव नायक आकि राजा छलाह। 1294 ई. मे जन्म आ 1
307 ई. मे राजसिंहासन। घियासुद्दीन तुगलकसँ 1324-
25 ई. मे हारिक बाद नेपाल पलायन। मिथिलाक पञ्जी-
प्रबन्धक ब्राह्मण, कायस्थ आ क्षत्रिय मध्य आधिकारिक स्थापक, मैथिल*

ब्राह्मणक हेतु गुणाकर झा, कर्ण कायस्थक लेल शंकरदत्त, आ क्षत्रियक हेतु विजयदत्त एहि हेतु प्रथमतया नियुक्त भेलाह। हरसिंहदेवक प्रेरणासँ आ ई हरसिंहदेव नान्यदेवक वंशज छलाह, जे नान्यदेव कार्णाट वंशक १००९ शाकेमे स्थापना केने रहथि- नन्दैद शुन्यं शशि शाक वर्षे (१०१९ शाके) ... मिथिलाक पण्डित लोकनि शाके १२४८ तदनुसार १३२६ ई. मे पञ्जी-प्रबन्धक वर्तमान स्वरूपक प्रारम्भक निर्णय कएलन्हि। पुनः वर्तमान स्वरूपमे थोडे बुद्धि विलासी लोकनि मिथिलेश महाराज माधव सिंहसँ १७६० ई . मे आदेश करबाए पञ्जीकारसँ शाखा पुस्तकक प्रणयन करबओलन्हि। ओकर बाद पाँजिमे (कखनो काल वर्णित १६०० शाके माने १६७८ ई. वा स्तवमे माधव सिंहक बादमे १८०० ई.क आसपास) श्रोत्रिय नामक एकटा नव ब्राह्मण उपजातिक मिथिलामे उत्पत्ति भेल।

So, the Srotriyas as a sub-caste arose around 1800 CE as per authentic panji files.

Sh. Anshuman Pandey [Gajendra Thakur of New Delhi provided me with digitized copies of the genealogical records of the Maithil Brahmins. The panjīkara-s whose families have maintained these records for generations are often reluctant to allow others to pursue their records. It is a matter of 'intellectual property' to them. I was fortunate enough to receive a complete digitized set of panjī records from Gajendra Thakur of New Delhi in 2007. [Recasting the Brahmin in Medieval Mithila: Origins of Caste Identity among the Maithil Brahmins of North Bihar by Anshuman Pandey, A dissertation submitted in partial fulfilment of the requirements for the degree of Doctor of Philosophy (History) in the University of

Michigan 2014]. Later these Panji Manuscripts were uploaded to google books in 2009).

The so-called Maharajas of Darbhanga were permanent settlement zamindars of Cornwallis, and there were so many in British India, but in Nepal there were none. In the annexure of our book (Panji Prabandh vol I&II), we have attached copies of genealogy-based upgradation orders (proof of upgradation for cash). So, before 1800 CE, there was no srotriya sub-caste in British India and there is no such sub-caste within Maithil Brahmins in Nepal part of Mithila even today. Srotriya before that referred to following some education stream in British India, in Nepal it still has that meaning.

Mr Lalit Kumar further tries to put his agenda by writing- "Harimohan choose a middle ground in his reformist agenda." He gives laughable reasons for his contention viz. "he espouses the significance of local traditions, languages, scripts, education system, and moral values" thereby meaning that these are conservative values!

(All the referred books are available for free pdf download from the link <http://videha.co.in/pothi.htm>)

VIDEHA MAITHILI LITERATURE MOVEMENT AND A PARALLEL HISTORY OF MAITHILI LITERATURE

Therefore, the missing portions, the ignored and non-represented aspects of society, started to be chronicled. It led to the depiction marked by the richness of vocabulary and experiences and was a revolution in literature and art as far as people speaking Maithili are concerned. The quality now has not remained mediocre. The real power of the Maithili language was realised by the native speakers, mediocrity was replaced by excellence. This attempt at the writing of History of Parallel Literature for the Maithili Language arose as the mediocre agency (private and governmental) funded so-called mainstream literature, which has no readership, and no acceptance among the speakers of Maithili continued to be presented by these Akademies as representative literature. The mediocre interface of Maithili literature was presented by the government radio and television stations also. Literary journals like Museindia (www.museindia.com) & Publishers like Harper Collins were also used for their sinister design.

Pseudo-criticism in Maithili and the case of Kamalananda Jha

The title of Kamalanand Jha's book "Maithili Novel: Time, Society and Questions" (2021) is misleading. It is a collection of some syndicated so-called critical articles on some of his caste novelists. The 263-page book can only be sold in hardbound to libraries where it will rot. Here is a correction, a non-caste writer's

work, i.e., Subhash Chandra Yadav's novel 'Gulo', has been dealt with by him in two lines, of course without reading it. I am presenting those two lines here for your entertainment. You must have read *Gulo*, if you haven't already, read it first because then you will have a more entertaining experience. *Gulo* is available on Videha Archive with the permission of Subhash Chandra Yadav at this link <http://videha.co.in/pothi.htm>.

"The weakness of the novel is the author's political bias. The partisanship towards a particular politics does not do justice to the work."

In a novel where politics is not remotely involved, there is no question of 'political bias and partisanship of a particular politics'. *Dhumketu* and *Yatri* used political bias or partisanship. Subhash Chandra Yadav's 'Vote' which came out in 2022 and is available with permission of Subhash Chandra Yadav on Videha Archive at this link <http://videha.co.in/pothi.htm>, is on politics but even there Subhashji's enchanting style obviates the need of any political bias... Read my book 'Nit Naval Subhash Chandra Yadav' which is available at this link <http://videha.co.in/pothi.htm>. On the other hand, Mr Kamlanand Jha sounds like a spokesperson of some political party or a casteist organisation rather than a literary critic. Kamalananda Jha's Brahministic bias against Subhash Chandra Yadav is an alarm bell. The parallel stream is

conscious of how Kamalananda Jha takes the leftist stance to promote Brahminism and wants to sacrifice social justice. In his biodata, he proudly mentions the Maithili translation assignment bestowed on him by the Sahitya Akademi, and this assignment was allotted to him not on account of merit but solely on the ground of his caste title and in lieu of these deeds. For people like him, Maithili-related work is merely a line in their *curriculum vitae*, but it is a question of life and death for the people of the parallel stream. Why did I call Kamalananda Jha a pseudo-critic? Because he is a pseudo-critic. He writes: "After nearly a hundred years of journey, Gaurinath is credited with writing a dignified novel on the dreams, struggles and ironies of inter-caste marriage. So, did Kamalananda Jha take away this credit from Sushil? Is this the culmination of the arrogance of his Brahministic upbringing ("*Through my whims and fancies I can place some literature on top and can downgrade some to the bottom*") or is this the evidence of his lack of study? Let me take you away from the selfish world of Kamalananda Jha, away from deception and disguise to the sincere world of Sushil's magical literature. Welcome to the world of Sushil's literature. Here is Sushil's 'Gambali' (1982) which is now available in the Videha Archive at the link <http://videha.co.in/pothi.htm>. In the first line of this novel, even before the novel begins, Sushil writes about the novel 'Gambali': "In support of widow

marriage and inter-caste marriage" and here begins the novel. The death of a village woman and then the trouble ensues, who will cremate this village woman? Brahmin community or Yadav community of the village? Dinesh Kumar Mishra's 'Dui Patan Ke Bich Me' is a historical biography of the Kosi River. He has also written historical biographies of other rivers of Mithila like 'Bandini Mahananda,' 'Bagmati Ki Sadgati!', 'Dui Patan Ke Bich Me... (Story of the Kosi River)', 'Na Ghat Na Ghar, Kamla River, 'Bhutahi River and Technical Herbalism', 'The Kamla River and People on Collision Course, Bhutahi Balan- Story of a Ghost River and Engineering Witchcraft, Refugees of the Kosi Embankments. Pankaj Jha Parashar, a member of the Maithili Advisory Committee of the Sahitya Akademi, Delhi has plagiarised paragraph after paragraph from his books and has published a novel in Maithili in his name, which pseudo-critic Kamalananda Jha mentions as research of this thief author Pankaj Jha Parashar! Let me clarify here that both the thief writer and the pseudo-critic are in the Hindi department of Aligarh Muslim University. This research is done by Dinesh Kumar Mishra, who is a graduate of IIT, Kharagpur in Civil Engineering (in 1968) and M. Tech in Structural Engineering (in 1970) and is qualified for that research. In Hindi, the cut-off for admission is the lowest across universities, otherwise, Kamalananda Jha would have known that this research could be done by a civil engineer only.

The Hindi original and Maithili screenshots are attached below. Dinesh Kumar Mishra is not from Mithila, but he has authored the story of all the streams of Mithila. We are grateful to him, and the people of Mithila will remain indebted to him for this. This thief writer Pankaj Jha Parashar is a habitual offender. More than a decade ago he found a saviour in Mr Taranand Viyogi who wrote that he (thief writer Pankaj Jha Parashar) gets influenced involuntarily stole others' material in his works. Now he has found another saviour in Kamalananda Jha. The parallel stream is conscious of how Kamalananda Jha takes the leftist side to promote Brahminism and wants to sacrifice social justice. Communism has suffered a lot from people who became communists to escape the land ceiling.

All books by Dinesh Kumar Mishra are now available in the Videha Archive with his permission:

<http://videha.co.in/pothi.htm>

Let us recall here that when Bill Gates was asked whether he was delaying the introduction of the X-Box in India for fear of piracy. His answer was Microsoft never delays the launch of products for fear of piracy. We will continue enriching Videha Archive (<http://www.videha.co.in/archive.htm>), despite such risks because not all the fish in the pond rot by some rotten fish in parallel streams. The fishermen here

have been and will continue to remove such rotten fish.

The final blow to syndicated pseudo-literary criticism in Maithili.

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): It is noteworthy that between 1923 and 1946, 5,10,000 people died of malaria, 2,10,000 from Kala Azar, 60,000 of Cholera and 3,000 of smallpox in the Kosi region (783,000 total deaths). Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalpranthar 2017 (p. 103)]:

ने अंग्रेज सब आ ने नवका रंगरेज सब । 1923 सँ 1946 के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल ! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): On the Kosi River in Bihar, India, a dam was built by King Laxman II in the 12th century and for this, he received the title of 'Bir' from the people and the embankment of the river was called 'Bir Dam' The remains of this embankment are still visible in Supaul district, about 5 km south of Bhim Nagar. Dr Francis Buchanan (1810-11) speculated that the dam must have been an outer wall built to protect a fort as it stretched over a distance of 32 kilometres from Tilyuga to its confluence on the western bank of the Dhaus river. Dr W.W. Hunter (1877) did not agree with Buchanan's contention that the dam was the protective wall of a fort. Quoting locals, Hunter

believed that most people did not consider it a fortress wall and according to him it was something else but he was not in a position to say anything. Yet the common impression is that it must have been an embankment built along the Kosi River to prevent the river's current from sliding westwards. People also said that it seemed that the construction of the embankment had suddenly stopped.

The pseudo-critic Kamalananda Jha's saviour of the habitual offender thief Pankaj Jha Parashar quoted the plagiarised work as follows: (Maithili Novel, Time, Society and Questions pp. 257-258):

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दाँव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पटुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़ौत पटुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहें बान्हक मादे

Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalpranthar 2017 (p. 31)]:

पदुआ कका पछिला गप केँ आगोँ बढबैत कहलखिन, 'फूल बाबू, कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा केँ लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवतः कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्लू. डब्लू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पदुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूड़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन? लोक केँ बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पदुआ कका केँ आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि!

जलप्रांतर / 31

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): A glimpse of the horrors of the Kosi River can be seen in the event when the army of Feroz Shah Tughlaq returned to Delhi from Bengal. It is said that when the troops of the Sultan reached the banks of the Kosi, they saw that on the other side of the river, the troops of Haji Shamsuddin Ilyas were waiting, ready for a battle. This was the same Haji Shamsuddin who founded the cities of Hajipur and Samastipur. Feroze's troops were stranded on the banks of the Kosi somewhere around Kursela. The speed of the river was preventing them from moving forward. It was finally decided to proceed northward along the river and to locate the water where it was navigable.

The troops of the Sultan went up about a hundred *kos* and crossed the river near Ziaran, situated at the same place where the river descended from the mountains into the plains. The river was thin, but the flow was so fast that heavy stones weighing five hundred *manas* were floating like straws in the river. On either side of the river where it was found possible to cross it the Sultan erected a row of elephants, and ropes were hung in the bottom row so that if a man loses control he could be rescued with the help of these ropes. Shamsuddin never thought that Sultan's troops would be able to cross the Kosi and when he came to know that Sultan's troops had managed to cross the Kosi, he fled.

Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalpranthar 2017 (p. 105)]:

'बेश, तँ सुनु। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली पुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सउद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सउद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौने रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफ्तार देखि कए तुगलकी सेना के नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अतः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कने कम बूझि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगौं गेलाक बाद कोसी के पेट कने शिकस्त बुझेले। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खड़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति केँ जतय नदी पार करब कने आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ौं टा हाथी केँ ठाढ़ क' देल गेल। नीचाँ वला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जे बयो पानि मे भांसि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहेँ फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सउद्दीन सपनो मे नहि सोचने छल, जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सउद्दीन केँ पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सउद्दीन।'

A Parallel History of Maithili Literature

I

Introduction

FESTIVAL OF LETTERS OR FESTIVAL OF SHAME

SAHITYA AKADEMI AND the DOWNFALL OF INDIAN LANGUAGES (IN SPECIAL CONTEXT OF MAITHILI LANGUAGE)

When Maithili was recognised by the Sahitya Akademi (National Academy of Letters- of India) way back in 1965, Late Ramanath Jha stated that his Maithili language is saved now (Maithilik Vartman Samasya, Ramanath Jha).

He was wrong on this on two counts. What he referred to as applicable, if it applied at all, only to the part of Maithili speaking area, geographically located in India. Maithili is spoken, natively, in India and Nepal.

After the treaty of sugauli (ratified in 1816), which was in the aftermath of the Anlo-Nepalese war of 1814-16, the hilly regions were incorporated in British India, including the Nepalese-speaking Darjeeling Area. Similarly in 1816 and 1860, the Britishers ceded some Terai region to Nepal. As a result, part of Maithili speaking Area, which was earlier ruled by Malla Kings (when Maithili was an official language of the region), was ceded to Nepal. Even today some Maithili scholars (!!) refer to the golden period of Maithili as the period of "Nepali (!!)" Malla Kings (Ramanath Jha, Introduction to Maithili Sahityak Itihas by Dr Durganath Jha "Shreesh").

Ramanath Jha himself admits that during his visit to "Vir Library" of Nepal (Kathmandu) he came to know about the Nepal legacy (his monograph on kirtaniya Natak, which he wrongly presents as Kirtaniya Nach) in respect of Maithili. So, he cannot be blamed for his lack of knowledge in this respect. He was wrong on the second count also, and this second count was an artificial creation. He began a tradition of elitism and conservatism in Sahitya Akademi, as the first convener of the Maithili language. The tradition got stronger and stronger in the last 55 years of the Existence of Maithili in that Akademi. So, he ensured that liberal writers, like Sh. Harimohan Jha, attacking casteism and conservatism did not get the award, even though the year 1967 went unrewarded and the

Ist award in 1966 was given to a non-literary book in Maithili (academic book of Philosophy!!!).

He was casteist, conservative and confused. The inter-caste marriage in Panji was well known to him, and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charmkarini" and was born five years after the death of his father. But he informed Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya in a distorted way. Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila".

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mithila-Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name.", and he writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha. So how would this casteist-conservative-confused allow the award to be given to Sh? Harimohan Jha. So, the Sahitya Akademi saved the Maithili Language by recognizing it, as asserted by Prof. R. Jha, was wrong on those two counts.

Now come to Nepal, the Prajna Pratisthan and other organizations often recognize Indian Maithili writers, but Sahitya Akademi of India does not recognize Nepalese Maithili writers, be it the Seminars or the poets meet, be it an anthology of poems or prose published by the Akademi. Regarding the treatment of Nepalese Maithili writers by Sahitya Akademi Sh. Ram Bharos Kapari "Bhramar" laments that there is

demand in Nepal that they should also not award Indian Maithili writers/ publish them in their anthologies as reciprocity demands this.

The narrow-mindedness of the Maithili advisory board of the Indian Sahitya Akademi has its origin in the organizations that are recognized by the Sahitya Akademi, the basis of which is extra-literary credentials. These are pseudo-organizations running on paper, political organizations or casteist organizations pocket-run by a few. The complete list is:

MAITHILI LITERARY ASSOCIATIONS (!!!) RECOGNIZED by SAHITYA AKADEMI

1. The Secretary, All India Maithili Sahitya Samiti, Tirbhukti, 1/1B, Sir P.C. Banerjee Road, Allahabad-211 002.
2. The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, C/o Dr. Ganapati Mishra, Lalbag, Darbhanga-846 004.
3. The Secretary, Chetna Samity, Vidyapati Bhawan, Vidyapati Marg, Patna-800 001.
4. The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6 B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007.
5. The Secretary, Vidyapati Seva Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004.

6. The Secretary, Centre for the Study of Indian Traditions, Tantrabati Geeta Bhavan; Ranti House, Ranti, Madhubani-847 211

Now the Literary Association lists read as under. Serial no. 1 & 6 above have been derecognised and has been replaced by other non-literary associations at sr no 5, 6 & 7 below.

(1) The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, Professors' Colony, Digahi West, Opp. of Primary School, Darbhanga-846 004, (Bihar)

2) The Secretary, Chetna Samiti, Vidhya Pati Bhavan, Vidyapati Marg, Patna-800 001 (Bihar)

3) The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007, (West Bengal)

4) The Secretary, Vidhya Pati Sewa Sansthan, Mithila Bhavan Parishad, Darbhanga-846 004, (Bihar)

5) The Secretary, Anand, Samajik Sanskritik Sahityik Manch, Rajkumarganj (Mirzapur Chowk), Darbhanga-846 004, (Bihar)

6) The General Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, Rosebery 5032, Sahara Garden City, Adityapur-2, Jamshedpur-831 014, (Jharkhand)

7) The General Secretary, Akhil Bharatiya Mithila Sangh, G-6, Hans Bhavan, Wing 2 I.T.O., Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110 002, (Delhi)

What is the literary credential of the Centre for the Study of Indian Traditions (now recognised and replaced by another pocket association)? Chetna Samiti and Vidyapati Seva Sansthan are casteist political outfits, vehemently displaying the casteist attire of a great ancient poet, whose caste is still uncertain (VIDYAPATI), but who was certainly not Brahmin. All India Maithili Sahitya Samiti (now derecognised and replaced by a non-literary association) became non-existent even during the lifetime of the Late Jaykant Mishra, same is the case with Akhil Bhartiya Maithili Sahitya Parishad. Mithila Sanskritik Parishad has done a crime through an investiture ceremony of the great Vidyapati, they tried to convert Vidyapati and "Maithili" language to the language of only the Brahmins (the name of the artist who sketched the Vidyapati has still not been disclosed by this organisation). When these non-existent organizations exercise voting powers granted by Sahitya Akademi and chose a convener, it is not a coincidence that for successive times only conservative people among the Maithil Brahmin caste, are chosen. The complete list is:

1. Ramanath Jha, 2. Jaykant Mishra, 3. Surendra Jha Suman, 4. Sureshwar Jha, 5. Ramdeo Jha, 6. Chandranath Mishra Amar, 7. Vidyanath Jha Vidit, 8. Veena Thakur, 9. Prem Mohan Mishra, 10. Ashok Avichal.

The result is now for everybody to see. The complete list of Sahitya Akademi awards (till 2019) is:

Total booty distribution- 50 times, Maithil Brahmins- 42 times, Kayasthas- 6 times, Rajpoots- 3 times; Others- 0 times!!! (Now in 2021 Sh. Jagdish Prasad Mandal has been awarded this prize for his novel "Pangu", so the count is now not zero but one.

The result is not based on the quality of the books but solely upon the caste-based other considerations and the disease has its root in the faulty seedling that the Sahitya Akademi of India found through the faulty literary associations.

What were the objectives of the setting of this Akademi?

Sahitya Akademi was established (National Academy of Letters to be called Sahitya Akademi) by Government of India resolution No F-6-4/51G2(A) dated December 1952 "to set high literary standards, to foster and co-ordinate literary activities in all the Indian languages and to promote through them all the cultural unity of the country; to promote good taste and healthy reading habits, to keep alive the intimate dialogue among the various linguistic and literary zones and groups through seminars, lectures, symposia, discussions, readings and performances, to increase the pace of mutual translations through workshops and individual assignments and to

develop a serious literary culture through the publications of journals, monographs, individual creative works of every genre, anthologies, encyclopedias, dictionaries, bibliographies, who's who of writers and histories of literature."

The Akademi boasts of publishing "one book every thirty hours" and holding "at least thirty seminars every year" at regional, national, and international levels, " along with the workshops and literary gatherings-about two hundred in number per year".

The Akademi recognises " Besides the twenty-two languages enumerated in the Constitution of India", English and Rajasthani as languages. Sahitya Akademi has constituted twenty-four language Advisory Boards "to render advice for implementing literary programmes in these 24 languages".

The Akademi gives prizes in twenty-four languages recognised by it for original and translated works. It gives " special awards called Bhasha Samman to a significant contribution to the languages not formally recognized by the Akademi as also for contribution to classical and medieval literature"; "It has also a system of electing eminent writers as Fellows and Honorary Fellows and has also established a fellowship in the names of Dr Anand Coomaraswamy and Premchand".

FESTIVAL OF LETTERS (SHAME)!!!!

In February every year, Sahitya Akademi "holds a week-long Festival of Letters; It begins with the ceremony to present the Akademi's Annual Awards for creative writing".

In February every year, there is a need to examine whether Sahitya Akademi is fulfilling its objective and whether Sahitya Akademi is aware of the rich cultural and linguistic variety prevalent in India.

On scrutiny it is revealed that Sahitya Akademi believes in "forced standardisation of culture through a bulldozing of levels and attitudes" and it is not "conscious of the deep inner cultural, spiritual, historical and experiential links that unify India's diverse manifestations of literature".

The Akademi boasts of publishing "one book every thirty hours" and holding "at least thirty seminars every year" at regional, national, and international levels, "along with the workshops and literary gatherings-about two hundred in number per year". If we see the data in respect of Maithili it comes out that every year around twelve books should have been published in Maithili and the Maithili writers might have attended thirty seminars every year at regional, national, and international levels and might have participated in eight literary gatherings every year. The number of Maithili books published by the Akademi is pathetically low, and when we see the assignments, through which these books get

artificially prepared (be it translation, anthology or monograph), then the people getting these assignments are often related to the members of the advisory board (as the answer to RTI application by Sh. Vinit Utpal brings forth). The quality suffers, and as a result, there is no readership.

How this Akademi failed? And why this Akademi failed? And what action should be taken against Akademi for its intentional failure?

Firstly, Akademi is not the name of a man or woman. Akademi or its member of the Advisory Board consists of persons, and if the group of persons is failing the Akademi, that language itself is to blame! But again, the language is not the name of a man or woman. So, the people speaking that language are to be blamed for the failures of the Akademi. Really!!

Even if it is partially true, the Sahitya Akademy cannot shirk its responsibilities. How an advisory committee can be considered representative of Maithili-speaking people (even that of India), when the Convener of that language is nominated by six organisations (recognised by the Sahitya Akademi for reasons best known to it), having no remote connection with literature? Sahitya Akademi sowed seeds of Acacia and expected Mango fruit. Having said that it is also true that the Akademi or any organisation can transform itself, but only when the conservative

people representing these find pressure from the literary fraternity, change themselves or are replaced.

What is the solution?

The literary fraternity has already taken initiative by establishing parallel Sahitya Akademi awards and parallel literary meets. It should be taken further. All legal means should be explored to take the Akademi to the task. On all available forums, the fact is made clear that the literature being prepared by Sahitya Akademi through assignments is not grammatically correct, that it is not up to mark and is of inferior quality. On all available forums, it should be made clear that the thin, casteist-looking (quantitatively and qualitatively) and pale Maithili literature, which is being shown by the Sahitya Akademi of India to the world, has no readership or respect in its native speaking area of India and Nepal. And that Maithili has moved not because of Sahitya Akademi but despite it.

Demand

The six organisations representing Maithili should be derecognized with immediate effect and an inquiry initiated to ascertain their genuineness. A committee should be set up to scrutinize the work done by the Sahitya Akademi (in respect of Maithili) in the last 55 years. The awards should be kept in abeyance till the

results of the inquiry are made public and corrective steps are taken.

II

THE CELEBRATION BEGINS

Videha Ist Maithili Fortnightly International e-journal has e-published more than three hundred issues to date. Meanwhile, we will enumerate the problems faced and the solutions found by us. The Journey began in the year 2000 at yahoo Geocities- the first words on the internet in Maithili were written by me on the yahoo Geocities sites (now yahoo has discontinued Geocities) towards the end of 2000 when I suffered a major accident which kept me confined to crutches for one and a half years. But that shaped my destiny. I could concentrate on my Maithili writings and my research on Tirhuta Manuscripts. On 5th July 2004, the first blog in Maithili came (gajendrathakur.blogspot.com) as "Bhalsarik Gachh", which was rechristened as Videha ejournal from 1st January 2008. From Ist January 2008 it came to be published as a fortnightly journal. The first rechristened issue brought the story of the life and creations of a forgotten Maithili poet Late Ramji Choudhary (1878-1952).

Till the eighth issue of Videha the columns on Music, Mithila Painting, Children column, learn samskrit through Maithili got strengthened. Moreover, the

projects on digitalisation of Maithili Classics and Panji Manuscript-leafs got started. The searchable dictionary (Maithili-English_Maithili) was designed and strengthened. From the eighth issue, a latest unpublished Maithili Play of Nachiketa "No Entry Maa Pravish" began its e-publication in Videha. Nachiketa, the greatest dramatist of Maithili Literature was silent for the last 25 years, as far as the drama was concerned.

Technology has two aspects, bad (its chances of misuse) and good (its effective use). It is a great leveller; it challenges status quo forces. It is applicable in all areas of knowledge. So, school-going children today have a clearer understanding of the universe and atoms than the Aryabhata or Sir Issac Newton had. After mass-scale use of printing education and literature expanded its wings, but only after the "Internet and electronic transformation of tools of knowledge", it has become universal, it has jumped geographical boundaries. All shackles unfurled, the weak links of the chain were identified, and the chain which tried to capture knowledge, which tried to thwart its expansion, started breaking down. And the greatest beneficiary became the Maithili Literature. What is Videha, nothing, it is only its commitment to the Maithili Language, which helped it expand its base, and Videha became the means that were able to bind together the Maithili-speaking areas in both parts of the boundary (India & Nepal). Videha gave

Maithili a batch of committed writers and a batch of committed readers. It challenged the status quo and casteist forces. It challenged confused writers, who were using Maithili as a tool to ride the ladder of Hindi. The lack of criticism, the lack of teeth in criticism was the reason that some writers and dramatists were using Hindi-Mix Maithili for cheap popularity, they were using derogatory language for the so-called lower castes of their society (some were finding plea in Natyashastra- when even the modern-day Samskrit Drama is not using Prakrit etc.!!), and for their mimicry, those castes started keeping distance with this kind of literature. And once the confusion of the confused thinned, a new type of awakened literature, stage, and drama (top-class) became the norm.

Videha is regularly getting some excellent brains. Since its inception, Videha, the idea factory, is dependent upon them. As far as their versatile qualities are concerned, people associated with Videha are different. All are known for their perseverance and resilience. All are known for their arduous work. All are known for their quality work. All are known for their discipline. And all are committed; committed to Maithili and the Mithila. The cumulative force resulted in a natural revolution. A revolution in the field of Maithili Literature, art, music, craft, stage, and drama. The only international e-journal in Maithili started this quality movement in Maithili. Nothing less than world standard was acceptable. The awards were

instituted to recognize the parallel field of Maithili Literature, art, music, craft, stage, and drama. Only the best was selected, there was no scope for the second best. The participation of readers in the decision-making processes was encouraged. The readers got full access to the digitalised Maithili Literature. More than five hundred Maithili books and around 11000 palm-leaf mithilakshar manuscripts were digitalised and made available online under the "Videha Archive" section of www.videha.co.in (and the number is increasing every day). The audio-video-paintings-photographs were archived, and all these archived "art and lifestyle" of the people of Mithila were then placed online. The Videha Archive is a unique gift to the world.

So, what is the ideology of people associated with Videha? Is it collective thinking? No, of course not. In Videha all are welcome. Here all are welcome to discuss their respective ideology. Having said this, it needs emphasis that there are some basic human principles where no compromise is possible. The casteists, those having genetic superiority complex (which is another name for an inferiority complex), the practitioners of plagiarism, those who are unable to take part in a healthy discussion and persons who are not able to withstand the criticism of their creation, Videha is not a platform for them. The ideology of people associated with Videha may have different tinges, not all need to toe the line taken by

any member of the editorial board. Videha believes in the individuality of ideas and the editorial board never imposes its ideology upon its members. At the same time, it is being emphasized that each member of the Videha editorial board has a strong ideological leaning, the ideology of humanism is practised by all.

Videha-Maithili Literature Movement has its roots in the year 2000 when I started making Maithili Websites on Yahoo Geocities. After Yahoo Closed Geocities these sites were automatically deleted. However, the early form of Videha "Bhalsari Gachh" was started on 5 July 2004, and it is the earliest presence of Maithili on the internet. Videha and its vibrant members did their utmost in translating lacs of words on Wikipedia, and they successfully opposed the nomenclature "Bihari Languages" (Gerard M accepted the role of Umesh Mandal, the co-editor of Videha, go to Gerard M's blog and click the Dasipat Aripa photo from Videha archive (Preeti Thakur) placed at his blog, you will reach <http://videha.co.in/>). In Google translate/Wikipedia localisation drive, in Tirhuta and Kaithi script research and the localisation of Braille in consonance with the Maithili Language, Videha shouldered the responsibility as a pioneer in technology viz-a-viz Maithili Language. It was a pioneer in many respects. It started for the first time a Maithili Websites Aggregator at <http://videha-aggregator.blogspot.com/>, the first braille site in

Maithili, the first mithilakshar site in Maithili among others (total list).

Videha has organised several dozen Maithili book fairs to date. The 16th Videha Maithili book fair was held at Sagar Rati Deep Jaray, Patna on 10-11th December 2011 and the 17th Videha Maithili book fair was held at Guwahati, on 22-23 December next year at the Vidyapati Parv organised by Mithila Sanskritik Samanvay Samiti. The detailed list of all the venues (datewise). Videha also organised a parallel Sahitya Akademi Kavi Sammelan, besides awarding parallel Sahitya Akademi prizes, as corrective measures, as the awards and Kavi Sammellans of Sahitya Akademi were awarded/ organised in a unilateral manner where merit took a beating. Videha has, thus, fulfilled its obligation by interfering in the murky affairs of government organisations. Videha cannot remain a silent spectator, be it plagiarism or copyright violations. So, the authors like Pankaj Parashar, and Ashok Sahu, who were engaged in lifting other articles/ stories/ poems were banned after verifying the sources and target writings.

Literature in translation is a major issue with Videha. Lack of translation in America resulted in Americans lagging in quality literature. We practise literature in translation in both directions- from Maithili into English and from other languages into Maithili. As far as translations from other languages into Maithili are

concerned English, Nepali, Sanskrit and Hindi function as buffer languages in the process. Direct translations into Maithili are limited; and it is done directly only from English, Sanskrit, Hindi, Nepali and Bengali, although there are some exceptions. As far as the question of translations from Maithili into other languages is concerned, directed translations are again limited; and it is again done directly only into English, Hindi, Sanskrit, Bengali and Nepali, barring some exceptions. Videha contacted some notable personalities of class literature, took permission, and translated that literature into Maithili. Most of the time English was used as a buffer language and translation work from English, Hindi, Konkani, Telugu, Gujarati, Odia, Kannada, Nepali and Telugu into Maithili was completed; and these works were regularly published in Videha. Maithili novels, poems, and short stories, on the other hand, were translated from Maithili into English and were published regularly in Videha.

VIDEHA became a Maithili Literature movement. No, VIDEHA was from day one of the Maithili Literature movement. Many established misconceptions got cleared through VIDEHA. The well-known facts, the not-so-obvious plot of some people to kill Maithili through its twin institutions the Sahitya Akademi and the CIIL was unearthed. The Right to Information came in handy. Sri Vinit Utpal asked for information from Sahitya Akademi through his RTI application

dated 23.09.2011 (file no. RTI-125) and sought information on "Assignment assigned by Maithili Advisory Board, Sahitya Akademi under the convener ship of Sri Vidyanath Jha 'Vidit'". The information included a proposal received, a proposal rejected, and a proposal kept in abeyance." The statutory mandatory information supplied by the Sahitya Akademi unearthed a vicious circle of Maithili-speaking so-called litterateurs, hell-bent upon making Maithili a language- "of the Maithil Brahmin, for the Maithil Brahmin and by the Maithil Brahmin". More than 90% of the assignments went to the friends, relatives, and acquaintances of the 10-member Maithili Advisory Board. No assignment to Sh. Jagdish Prasad Mandal, Sh. Rajdeo Mandal, Sh. Bechan Thakur (the greatest Short-story-novel writer of Maithili, the greatest living poet of Maithili and the greatest living Maithili dramatist; respectively), Sh. Umesh Paswan, Sh. Umesh Mandal, Sh. Ramdev Prasad Mandal "Jharudar", Sh. Durganand Mandal, Sh. Sandeep Kumar Safi or to Sh. Anand Kumar Jha. When every member of the Maithili advisory board is hand in glove with the Sahitya Akademi to kill the Maithili language then where lies the hope? The demand for Mithila state by these people will see that 10 Maithil Brahmin families would loot the Mithila state. Then where lies the hope? Here lies hope. Sh. Bechan Thakur has created a parallel Maithili stage and theatre, a slap on the existing slapstick humouristic

Maithili theatre. Sh. Umesh Paswan is a discovery of the Parallel Sahitya Akademi Poetry festival organised by Videha. Sh. Jagdish Prasad Mandal, Sh. Rajdeo Mandal, Sh. Jharudar, Sh. Sandeep Kumar Safi and Sh Umesh Mandal have pumped their energy, wealth, and time into our Maithili Language. This language will live...proofs are given below: -

Google Translate:

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>

then Wikipedia translate:

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai> <http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

<http://ultimategerardm.blogspot.com/2011/05/bihari-wikipedia-is-actually-written-in.html>

[Monday, May 09, 2011

The #Bihari #Wikipedia is written in #Bhojpuri

This is the kind of article that has many people's eyes glazed over. It is about standards and scientific documents, and it is about languages most of my readers have never heard about. For the people that do speak one of the languages that are considered Bihari, it is extremely relevant, and it has implications for Wikipedia.

This is information provided by Umesh Mandal that explains the "Bihari group of languages" with the Maithili language:

Kellogg (1876/1893) and Hoernle (1880) regarded Maithili as a dialect of Eastern Hindi; Beames (1872/reprint 1966: 84-85), regarded Maithili as a dialect of Bengali, Grierson has done a great service to the Maithili language, however, he erred when he gave a false notional term of "Bihari" language after that western linguists started categorizing Maithili as a dialect of "Bihari" language; although there is nothing known as "Bihari Language" and both Maithili and Bhojpuri are spoken in Bihar (of India) as well as in Nepal.

Umesh is working on the localisation of MediaWiki for the Maithili language and as this language is currently in the Incubator, the language committee does its due diligence and trying to understand if Maithili can have a place in the Bihari Wikipedia. The information provided by Umesh makes it quite clear: "no".

This still leaves us with the misnomer that is the Bihari Wikipedia. The language used for the localisation and the articles is Bhojpuri. Bhojpuri has the ISO-639-3 code "bho".

Are you still following all this? Ok, there is one question I am not asking: How about the Kaithi script?

Thanks, GerardM]

Excerpt from a Maithili e-journal published as PDF (from Videha 2011: 22; Videha: A fortnightly Maithili e-journal. Issue 80 (April 15, 2011), Gajendra Thakur [ed]. <http://www.videha.co.in/>."Gajendra Thakur of New Delhi graciously met with me and corresponded at length about Maithili, offered valuable specimens of Maithili manuscripts, printed books, and other records, and provided feedback regarding requirements for the encoding of Maithili in the UCS."-Anshuman Pandey.] ।

TIRHUTA UNICODE See the final UNICODE Mithilakshara Application (May 5, 2011) by Sh. Anshuman Pandey at Page 23 of the Videha 80th issue (Tirhuta version) is attached"Figure 11: Excerpt from a Maithili e-journal published as PDF (from Videha 2011: 22" and at Page 12 Videha is included in References Videha: A fortnightly Maithili e-journal. Issue 80 (April 15, 2011), Gajendra Thakur [ed]. <http://www.videha.co.in/>. and role of Videha's editor is acknowledged on Page 12 "Gajendra Thakur of New Delhi graciously met with me and corresponded at length about Maithili, offered valuable specimens of Maithili manuscripts, printed books, and other records, and provided feedback regarding requirements for the encoding of Maithili in the UCS."]

The Maithili Speaking area is shrinking. It is shrinking due to a conscious-subconscious policy of the

Governments of India and Nepal, and the situation became critical due to the invasion of Hindi and Nepali media and the biased educational system in Maithili-speaking areas, and due to the large-scale migration, which has happened in one single generation. The question of Hindi saw to it that Vajjika, Angika and now Thethi, Surjapuri etc. languages should get the tacit support of supporters of Hindi, first in the name of religion and second in the name of caste. Through this they did not support Vajjika, Angika, Thethi or Surjapuri; but they tried to weaken Maithili, which resulted in the weakening of Vajjika, Angika, Thethi and Surjapuri. For all this, the Maithili-speaking people, more so the officials (I will explain it later), are also responsible, as they tried to delimit Maithili within the two castes and four districts. All other people and areas, than these, were considered northern, southern, eastern, and western deviations of so-called pure Maithili, which was fictitiously considered as being spoken by these Maithil Brahmins/ Karna Kayasthas of Madhubani, Darbhanga, Saharsa and Supaul districts. For the last 45 years the officials, yes, I call them officials, the officials of the Maithili Department of Sahitya Akademi, did not try to accommodate the people outside this fictitiously delimited domain. But the major problem lies somewhere else. The slow poisoning was given in many disguises, be it the faulty top-heavy education system, which neglected primary

and middle school education through the Mother Language Maithili, or be it through the concept of dialect, which initially conveniently declared languages like Maithili as dialects. Elementary education through Maithili was a non-starter because the Maithili books published by the Bihar State Textbook Publishing Corporation Limited seemed to be in Avahatt, it was not fit for children. Further, the authors and subjects selected for these books had a casteist bias. Maithili became a tool for caste-based politics, as once Hindi had been a tool for religion-based politics. Still, these officials, of the Maithili Department of Sahitya Akademi, are residing in their own built ghetto, bereft of any thinking or vision. Another reason for the present plight of Maithili is the policy undertaken by the tax collectors of Mithila (permanent settlement Zamindars of Cornwallis), whom the sycophants call King or the great king (Raja/ Maharaja) or Mithilesh (King of Mithila) these were mere tax collectors, the right for which were given to the highest bidders permanently; and there was not one such Mithilesh (tax collectors), but many within the borders of Mithila. These tax collectors employed mostly those two castes from four districts in their merchandise venture, and as the selection was based on sycophancy, so the work suffered. So, they imported the lathiyals from outside the Mithila region. The masses of Mithila suffered a blow from the double-edged weapon. First, from their people who

did not consider them as their own and second, the outsiders looted them. Now after some time these outsiders, the non-Maithili speaking people, found it convenient to declare the masses (not belonging to the two castes from four districts) as non-Maithili speaking people, and the officials/ sycophants from those two castes from four districts tacitly agreed to it. Now these outsiders, the non-Maithili speaking people, formed a majority in many places of Mithila, and they led the rumour that Maithili, like Samskrit, is an upper-caste phenomenon, and thus they legitimized their anti-Maithili stance (all these facts have been brilliantly dealt with in the Maithili Novels of Sh. Jagdish Prasad Mandal) and they propagated the case of Hindi, first based on religion and second based on caste. But why our people fell into their trap, why these tax-collector Maharajas did not consider the masses of Mithila as their own and imported the perpetrators to loot their masses? The simple answer is that merit took a downward leap in auction-based tax collection rights allocation.

We started from one and reached number three, then thirty and now three hundred!! and we are growing... and are three hundred not out and are creating a grand history. <http://www.videha.co.in/> Videha Ist Maithili Fortnightly e-Journal ISSN 2229-547X has e-published its 300th issue recently. When I began this venture in the year 2000 with a Samsung TV net appliance, and when the existing was posted on 5th

of July 2004, I moved all alone. Then on 31st January 2007, I suddenly thought to include the public, as after some groundwork I was ready for it. I decided to e-publish Videha and did publish it, on a fortnightly basis, the first issue that came on 1st January 2008 tried to include all the previous posts.

From all corners of this planet earth, the people tried to change the destiny of Mithila and Maithili. Now Sh. Ashish Anchinhar, Sh. Munnaji (Manoj Kumar Karn), are part of our team; and together we are three hundred not out now. With three hundred plus issues, 30,000 pages of Maithili literature (one hundred lac words corpora) creation and 11000 Tirhuta manuscript transcription we maintained a 50000-word Maithili-English vocabulary database. Now we are 350 strong, with 350 authors.

Videha has faced challenges and has withstood them. We never shirk from any question and/ or problem. The question of the state of Mithila is one such question which often comes calling. We are in favour of the states of Mithila within the sovereign borders of India and Nepal. We are in favour of Mithila. But which type of Mithila, that type that we had during the Zamindari Raj, where means of sustenance and avenues of existence remained limited for a few castes? Or that culture that existed within "Aryavarta-Indian Nation newspaper" and other Industries during that Raj. A dozen families of Mithila galloped

all these mostly from a single caste!! No, we are not in support of that Mithila, that Mithila where Maithili would be swallowed, as it is being swallowed by the Sahitya Akademi and the CIIL, swallowed by another dozen families. We are not in favour of that Mithila where the proceeding of the legislative assembly would be held in a language other than Maithili. Till the misgivings of the people of Mithila are addressed, we cannot support any Mithila state movement. So the people striving hard for Mithila state should sit on a protest before the advisory board members of the Sahitya Akademi/ CIIL and sing patriotic songs in front of their houses, and pressurise them not to misuse government funds by unscrupulously awarding functions of Akademi outside Mithila and not to misuse the power of assigning translation and other rights to themselves and to those people who are hell-bent upon destroying our language. The RTI application by Sh. Vinit Utpal has thwarted an attempt to strangulate Maithili, but if the supplementary work is not done the sinister design would resurface again. We request the Maithili advisory board members of Sahitya Akademi immediately return their assignments taken in their name and the name of the members of their family. Otherwise, pressure should be mounted to force these 10-member Maithili Advisory Board members to voluntarily resign from their membership in the larger interest of Maithili. So,

what is our answer viz-a-viz demand of Mithila state: it is a categorical Yes.

The technology-centric venture called Videha became a success. The native speakers of Maithili reside in Bihar (of India) and South-East Nepal. The net connectivity had been extremely poor in these areas. Then how the authors, new and old, started using Unicode for writing for Videha. The Nepal Side of Mithila had been using Preeti, Kantipur, Himala etc. fonts, the Kolkata Maithili-speaking population had been using the Marathi fonts and the rest had been using the fonts based on the old Remington keyboard. All these three types of fonts are ASCII fonts. We researched these fonts and provided font converters to our Nepal-based authors. We also provided phonetic and Remington-based Unicode writers to all Maithili authors, who asked for them. We asked the authors if they may send their creations in any font, but at the same time, we encouraged them to use Unicode fonts. The technical support that we provided resulted in numerous receipts of typed entries from persons like Sh. Gangesh Gunjan, who in earlier stages had been sending their creations in their handwritings. As Sh. Gangesh Gunjan was well versed in Remington keyboard typing, so he made wonderful use of the Remington Unicode typewriter. He sent that software to some of his friends too and he was courteous enough to intimate about this to us, although there was no need for that. Sh. Saketanand

also used that software and sent his short story कालरात्रिश्च दारुणा in Unicode, and it was published in one of the issues of Videha. The technology-centric venture called Videha became a success because we made it simple and intelligible at a time when even the technologists were not sure about the future of this Unicode. The virtual medium was being seen with anxiety by the literary fraternity, and the copy-paste system of theft was rampant in those days. But we assured the authors that with Videha they may rest assured that the copyright thieves would not be spared, while at the same time we were firm, that only for fear of misuse of technology we should not stop our venture midway. With the internet and technology, the geographic barrier became non-existing. The end of the problem of distribution in Maithili literature became possible due to our technology-friendly attitude and it proved a boon for our Maithili language. And it made the technology-centric venture called Videha a success... It is the success of the parallel Maithili literature movement.

III

**HONOUR KILLING OF GANGESH UPADHYAYA
(FIRST BY RAMANATH JHA, THEN BY UDAYANATH
JHA 'ASHOK' (A PARALLEL HISTORY OF MITHILA AND
MAITHILI LITERATURE, WHY TODAY ITS NEED BEING
FELT MORE INTENSELY?)**

I was not surprised, though I must have been when I saw a monograph on Gangesh Upadhyaya, whose copyright is being held by Sahitya Akademi, the author of the monograph is Udayanath Jha 'Ashok'. I thought that Udayanath Jha 'Ashok', who has been given Bhasha Samman also, by the same Sahitya Akademi, would do some justice. But truth and research seem elusive in Sahitya Akademi monographs, at least that I found in this monograph.

I searched and searched through chapters, that now the author will show courage. But the author like Ramanath Jha seems ashamed of the roots and offspring of Gangesh Upadhyaya. He tries to confuse the issue, but there is no confusion now at least since 2009. But in 2016 Sahitya Akademi seems to carry out the casteist agenda. Udayanath Jha mockingly pretends to search his name, lineage etc, where nothing is there to search for, yet he could not muster the courage, to tell the truth, and ends up just repeating the facts in 2016 that Dineshchandra Bhattacharya already has published way back in 1958.

The honour killing of Gangesh Upadhyaya by Prof. Ramanath Jha is being taken forward by Sahitya Akademi, Delhi in a most hypocritical way.

Ramanath Jha's obscurantism *vis-a-vis* Panji is evident from one example. The inter-caste marriage in Panji was well known to him (but he chose to keep the Dooshan Panji secret- which has been released by us

in 2009), and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charmkarini" and was born five years after the death of his father (see our Panji Books Vol I & II available at <http://videha.co.in/pothi.htm>). Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila". (1958)

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mithila----- Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name-----...As there is no other reference to Gangesa we can assume that the family dwindled into insignificance again and became extinct soon after his son's death." [1958, Chapter III pages 96-99), which is a total falsehood. He writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha, and he seemed thankful to him.

The following excerpt from Our Panji Prabandh (parts I&II) is being reproduced below for ready reference:

-

महाराज हरसिंहदेव- मिथिलाक कर्णाट वंशक। ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्ण-रत्नाकरमे हरसिंहदेव नायक आकि राजा छलाह। 1294 ई. मे जन्म आ 1307 ई. मे राजसिंहासन। घियासुद्दीन तुगलकसँ 1324-25 ई. मे हारिक बाद नेपाल पलायन। मिथिलाक पञ्जी-प्रबन्धक ब्राह्मण, कायस्थ आ क्षत्रिय मध्य आधिकारिक स्थापक, मैथिल ब्राह्मणक हेतु गुणाकर झा, कर्ण कायस्थक लेल शंकरदत्त, आ क्षत्रियक हेतु विजयदत्त एहि हेतु प्रथमतया नियुक्त भेलाह। हरसिंहदेवक प्रेरणासँ- आ ई हरसिंहदेव

नान्यदेवक वंशज छलाह, जे नान्यदेव कार्णाट वंशक १००९ शाकेमे स्थापना केने रहथि- नन्दैद शुन्यं शशि शाक वर्षे (१०१९ शाके)... मिथिलाक पण्डित लोकनि शाके १२४८ तदनुसार १३२६ ई. मे पञ्जी-प्रबन्धक वर्तमान स्वरूपक प्रारम्भक निर्णय कएलन्हि। पुनः वर्तमान स्वरूपमे थोडे बुद्धि विलासी लोकनि मिथिलेश महाराज माधव सिंहसँ १७६० ई. मे आदेश करबाए पञ्जीकारसँ शाखा पुस्तकक प्रणयन करबओलन्हि। ओकर बाद पाँजिमे (कखनो काल वर्णित १६०० शाके माने १६७८ ई. वास्तवमे माधव सिंहक बादमे १८०० ई.क आसपास) श्रोत्रिय नामक एकटा नव ब्राह्मण उपजातिक मिथिलामे उत्पत्ति भेल।

So, the Srotriyas as a sub-caste arose around 1800 CE as per authentic panji files. *Sh. Anshuman Pandey [Gajendra Thakur of New Delhi provided me with digitized copies of the genealogical records of the Maithil Brahmins. The panjikara-s whose families have maintained these records for generations are often reluctant to allow others to pursue their records. It is a matter of 'intellectual property' to them. I was fortunate enough to receive a complete digitized set of panji records from Gajendra Thakur of New Delhi in 2007. [Recasting the Brahmin in Medieval Mithila: Origins of Caste Identity among the Maithil Brahmins of North Bihar by Anshuman Pandey, A dissertation submitted in partial fulfilment of the requirements for the degree of Doctor of Philosophy (History) in the University of Michigan 2014].*

Later these Panji Manuscripts were uploaded to Videha Pothi at www.videha.co.in and google books in 2009).

The so-called Maharajas of Darbhanga were permanent settlement zamindars of Cornwallis, and there were so many in British India, but in Nepal there were none. In the annexure of our book (Panji Prabandh vol I&II), we have attached copies of genealogy-based upgradation orders (proof of upgradation for cash). So, before 1800 CE, there was no srotriya sub-caste in British India and there is no such sub-caste within Maithil Brahmins in Nepal part of Mithila even today. Srotriya before that referred to following some education stream in British India, in Nepal it still has that meaning.

ORIGINAL PANJI REFERENCES ARE PLACED BELOW:

DOOSHAN PANJI- THE BLACKBOOK

४९.

१८८/२	चर्मकारिणी	माण्डर	वभनियाम	छादन
तत्त्वचिन्तामणि कारकगंगेश	छादनगंगेशक	नाई	रत्नाकरक- मातृक (अज्ञात)	गंगेश
	वल्लभा	भवाइ	माहेश्वर	
			जीवे	

२१//१० छादनसँ तत्व चिन्तामणि कारक जगद्गुरु गंगेश

छादनसँ तत्व चिन्तामणि कारक

गंगेशक वल्लभा चर्मकारिणी पितृ परोक्षे पञ्च वर्ष व्यतीते तत्व चिन्तामणि कारक गंगेशोत्पत्ति- चर्मकारिणी मेधाक सन्तानक लागिमे छलन्हि

छादन सँ तत्व चिन्तामणि कारक म०म० गंगेश

"तत्व चिन्तामणि कारक म. म. पा. गंगेशक विषयक लेख प्राचीन पञ्जीसँ उपलब्ध ॥

पितृ परोक्षे पंच वर्ष व्यतीते गंगेशोत्पत्तिः इति प्राचीन लेखनीयः कुत्रापि

देवानन्द पञ्जी ३९-२ छादनसँ जगदगुरू गुरू गंगेश सुताय वभनियामसँ जयादित्य सुत साधुकर पत्नी

देवानन्द पञ्जी ३३९-३ जगदगुरू गंगेश सुत सुपन दौ भण्डारिसमसँ हरादित्य दौ ॥ पुत्र सुताच गोरा जजिवाल सँ जीवे पत्नी ए सुत सन्दगहि भवेश्वर। अत्रस्थाने सुपनभ्रातृ हरिशर्म दारिति क्वचित् जजिवाल ग्राम

देवानन्द पञ्जी ३०=५ छादनसँ उपायकारक म.म. पा. वर्द्धमान सुताच खण्डवलासँ विश्वनाथ सुत शिवनाथ पत्नी गंगेश- म.म. वर्द्धमान/ सुपन/ हरिशर्म

Ganges, the author of the Tattvachintamani, wrote one text equivalent to 12,000 texts. Now come to the fact mentioned in the Panji- it clearly states that Ganges of Tattvachintamani was born five years after the death of his father and he married a tanner, so why did Ramanath Jha hide this from Dinesh Chandra Bhattacharya? Vardhamana, son of Ganges, calls Ganges *sukavikairavakananenduh*. But the conspiracy under which the poems of a famous scholar like Ganges are not available today is clear from the example given above. Vasudev of Bengal was a classmate of Pakshadhar Mishra of Mithila, he came to study in Mithila, passed the *shalaka* examination and received the title of *sarvabhaum*. Vasudeva memorised the *tattvachintamani* of Ganges and the *nyayakusumanjali karika* of Udayana. Pakshadhar and other Mithila teachers did not allow writing

(copying) *tattvachintamani*. Raghunath Shiromani, a disciple of Vasudeva, took the right of certification after he defeated his guru Pakshadhar Mishra in a scriptural debate (*shastrartha*). The *Navya Nyaya* school was founded in Navadvipa by Vasudeva-Raghunath. Pakshadhar Mishra was a contemporary of Vidyapati (distinct from the Padavali writer who was of the pre-Jyotirishwar period) who wrote in Sanskrit and Avahatta. And the arrival of Mithila students of Bengal from Bengal stopped after Raghunath Shiromani. Gangesh Upadhyaya enjoyed '*param guru*' as well as '*jagad guru*' titles, the highest titles of the time and as per Panji only Vacaspati Mishra II was the other person who enjoyed the title of '*param guru*'. The extinction of Navya-Nyaya School from Mithila, as described above, was a revenge of nature against the honour killing of Gangesh Upadhyaya and his family.

[Translation of the Maithili Short Story, 'Shabdashastram' (based on the true Panji records of Gangesh Upadhyaya) was done by the author Gajendra Thakur himself: published as 'The Science of Words' Indian Literature Vol. 58, No. 2 (280) (March/April 2014), pp. 78-93 (16 pages) Published By: Sahitya Akademi]

3

Kamlanand Jha has written a book on Nagarjun (Maithili's Yatri) where he credits him with giving a

new direction to Maithili literature. Chandradhar Sharma Guleri wrote 'Usne kaha tha', a marvellous short story in Hindi, the best one of its time. But his literary corpora is very little in quantity, so if anyone tried to give him credit for giving direction to Hindi short story writing would make himself a laughing stock. And Yatri's Maithili literary corpora is even thinner than Guleri's. Moreover, Rajkamal Chaudhary calls him of the medieval age (Rajkamal Monograph, Subhash Chandra Yadav, Page no 14). He wrote Chitra (25 poems). He wrote, rather hurriedly published his 'Patrahin Nagn Gachh' (44 poems) for Sahitya Akademi Award in Maithili, which he got in 1968. After that he stopped writing in Maithili, so how can he influence anybody when after getting the award one stops writing in that language? This is one example of his instability so far as his ideology is concerned. He became a Buddhist monk when he left for Sri Lanka and became a Brahmin again when he returned after a 2nd sacred thread ceremony performed in his village. This is another example of his instability so far as his ideology is concerned. Kamlanand Jha does not know Maithili literature. His comments should be exposed, as he tries to give a bad name to the great tradition of Maithili literature. There were mainstream writers, but there were writers of parallel tradition also (see below Annexures 1 & 2). He has confused the Sanskrit and Avahatt Vidyapati Thakkurah with the Padavali writer pre-Jyotirishwar Vidyapti. He should

read the writing of Vijay Kumar Thakur, a leftist historian, who has given ample light on pre-Jyotirishwar Vidyapati. [*My article on Vidyapati in Prabandh Nibandh Samalochna Vol.II (available in Videha Archive) covers all these, the logo of Videha is the photograph of Pre-Jyotirishwar Vidyapati, sketched by Panak Lal Mandal, recipient of Videha Samman for fine arts.*]

Annexure 1

चन्दा झा (१८३१-१९०७), मूलनाम चन्द्रनाथ झा, ग्राम-पिण्डारुछ, दरभंगा। कवीश्वर, कविचन्द्र नामसँ विभूषित। ग्रिएर्सनकेँ मैथिलीक प्रसंगमे मुख्य सहायता केनिहार। कृति- मिथिला भाषा रामायण, गीति-सुधा, महेशवाणी संग्रह, चन्द्र पदावली, लक्ष्मीश्वर विलास, अहिल्याचरित आऽ विद्यापति रचित संस्कृत पुरुष-परीक्षाक गद्य-पद्यमय अनुवाद।

१

न्यायक भवन कचहरी नाम।

सभ अन्याय भरल तेहि ठाम॥

सत्य वचन विरले जन भाष।

सभ मन धनक हरन अभिलाष॥

कपट भरल कत कोटिक कोटि।

ककर न कर मर्यादा छोटि॥

भन कवि 'चन्द्र' कचहरी घूस।

सभ सहमत ककरा के दूस।

२

रतिया दिन दुरगतिया हे भोला!

गैया जगतक मैया हे भोला

कटय कसैया हाथ

हाकिम भेल निरदैया हे भोला

कतय लगायब माथ

बरसा नहि भेल सरसा हे भोला

अरसा कए गेल मेह

रतिया दिन दुरगतिया हे भोला

जन तन जिवन संदेह

मुखिया बड़ बड़ सुखिया हे भोला

अन्नबक दुखिया डोल

के सह कान कनखिया हे भोला

सुखिया बिरना टोल

३

अस्त्र शस्त्र रोक आब मामिलाक मारि।

भाइ भाइकेँ पढ़ैछ नित्य नित्य गारि॥

ठक्क लोक हक्क पाब साधु केँ उजारि।

दैव जे ललाट लेख के सकैछ टारि?

चाही नहि धन, ललितवाम, पकवान जिलेबी,
मनोविनोदक हेतु अमरपति सदन न टेबी।
ई अन्तर अभिलाष हमर करुणामयि देवी
भक्ति भाव सँ सतत अहिक पदपंकज सेवी ॥
अन्न महग, डगमग अछि भारत, हयत कोना निस्तारा
उत्तर पश्चिम भूमि अगम्या पर्वत असह तुषारा।
धर्म-विरोधी सहसह करइछ, कुमत कथा विस्तारा
करथु कृपा जगजननी देवी महिसीवाली तारा ॥
मिथिला की छलि की भय गेलि,
याज्ञवल्क्य मुनि, जनक नृपतिवर
ज्ञान भक्ति सौं गेलि।
वाचस्पति मिश्रादि जगद्गुरु
निर्जित बौद्ध झमेलि
से शारदा स्वर्ग जनि गेली
बढ़ल कुविद्या केलि।
वर्णाश्रम विधि ककरहु रुचि नहि
श्रुति श्रद्धाकेँ ठेलि
पूजा पाठ ध्यान वकमुद्रा
सभटा वंचन खेलि।
कह कविचन्द्र कचहरी भरिदिन

बहुत भोग कर जेलि,
कलह कराय धर्म धन नाशे
कलिक दरिद्रा चेलि।

४

मय केहन भेल घोर हे शिव!
गोधन विपति, धरम अवनति देखि कत हिय करब कठोर॥
साधु समाज राजसँ पीड़ित अति हरषित-चित चोर।
अकुलिन लोकें धरणि परिपूरित कुलिन समादर थोड़॥
धरम सुनीति प्रीति ककरहु नहि, खलहिक चलइछ जोर।
कन्द-मूल-फल सेहो अब दुरलभ अन्न गेल देशक ओर॥
किछु शुभ साधन बनि नहि पड़इछ थाकल मन, मति भोर।
कह कवि चन्द्र हमर दुख मेटत होयत कृपा शिव तोर॥

५

सुमरु सुमरु मन! शंकर समय भयंकर जानि।
ककर हृदय नहि कलुषित शासन कलि नृप पानि॥
केवल शिव करुणाकर सेवयित नहि जन हानि॥
भक्ति कल्पलति जानह परम परशमनि खानि॥
कतहु विषयमे न लागह त्यागह अनुचित मानि।
सुखसौँ अन्त विलसबह 'चन्द्र' चूड़ रजधानि॥

ANNEXURE 2

१

फतूरीलालक अकाली कविताअकाली कवित्त /

फतूरीलालक फसली बर्ख १२८१ .ई ७४-१८७३)सनसालक अकाली (कविता

[ग्रियर्सन [(मैथिली क्रेस्टोमैथी एण्ड वोकाबुलेरी)

साल एकासिक वर्णन सुनूचौदिस पड़ल अकाल /
भेल बरिसात खिन्न ऐ सालककहाँ लगि वरनौँ हाल /
रोहिणि आदि थीक बरिसातक /जेहिँ एला तेहिँ गेला /
मिगिसिरा मन पुरल मनोरथदै झीसा किछु गेला /
अरदड़ा आडम्बर भारीगरजत हैं चहु ओर /
पुख रुख राखल धरती केरभेल बरखा केर ओर /
पुनर्वसु थिक बड़ पुनीताओहो बड़ा कसरेस /
बिआ बिड़ारक जे किछु उपटलधनि बरिसल असरेस /
मघा भेल मंगाहिआ कल्लरजगभरि के नै जान /
पुरबा पूर पछ नै राखलककरा करब बखान /
उत्तरा आइ जाय घर बैसलसपतौँ लै नै बून /
हथिआ शृंग मुँड़ दै मूनलतनिकौँ लागल घून /
चितरा चित मित नै राखलओहो भेल डाकू धाती /
नाक रंगौलन्हि सभै नछत्तरदोम नुकौलन्हि खाती /
जोतिष पढ़िसाधि भूगोल-साधि /पढ़ि जे जन ऐलाह-
रेखागणित बीजसौँ ओआकिफतनि कौँ कच्ची बोल /
श्रीराम कृपागति ओहो ने जानथिजाहि कृपा सभ काज /
पानिक प्रश्न कबौँ जौँ पुछिऐन्हिसेहो कहैत होइन्हि लाज /
जेहिखन नदी नाल नै भरलेतेहिखन रौदी सरती /
बिना जले जग किछु नै उपजलदगध भेल छथि धरती /

ते नर रौदीक आगम बूझलजे छल कृषि किसान /
दैव बेपच्छ पच्छ नै राखलजड़ि कटौलक धान /
कोदो मडुआ एको ने उपजलनै उपजल किछु साम /
गम्भड़ी गदरि खेतहि सुखाएलभेल विधाता वाम /
मर्तभुवनमे के कर रच्छाकहाँ जाइ केँ भागि /
सुखल पताल हाल नै ओतहुँसगरहुँ लागल आगि /
धृक जीवन ओइ नृपति इन्द्रकेँजे रोकल गहि पानि /
जीवाजन्-तु विकल पुहमीमेताकेँ हो नै आनि /
रवीने खेठी औ चीन /राय एको नै उपजल-
घरभेल अब बीन दुरदिन /नारी-घर सोच करै नर-
धनिक लोक सभ मनहि मगन छथिराखथि बहुतो ढेरि /
हसोथि रुपैया घर कै राखथिमहगी भेल अब सेर /
केओ कुरथी खेत मासु बेसाहलजाहि कौड़ि छल अपना /
कतेक जना हरिवासर ठानलभात बहुत कै सपना /
कतेक जना मिलि जनेर बेसाहलनिरधन बैसल तकइ /
भेल धनन्तिरि दूइ फसिल जगराहड़ि आओर मकइ /
काल पड़ल तिरहुतिमे भारीतँ ई बहि गेल हावा /
घरफाँकि मकइ केर लावा /नारी-घर मगन करै नर-
मालिक और महाजन सभकेँघर ढेरी अन्न-घर /
लोक बुझाओन ओहो तकै छथिमूँह / गरीबक सन
समै देखि बनिआँ सभ सनकलडरँ लगौलक टट्टी /
सुन्न दोकान सहरमे परि गेलसुन्न भेल सभ चट्टी /
सूखल गात बात भौ लटपटकतेक बात अब सहना /
नर नारी सभ सान तेआगलबिकरी भेल अब गहना /
मँगटीका खूटी औ तड़कीनकमुन्नी नै नाक /
कटसरि बिछिआ औ झिमझिमिआँबाजूबन्द औ बाक /
चन्द्रहार, हैकल औ सिकड़ीऔर घमौरिक दाना /
सूति, नवग्रह औ पचखँड़ीलशुनी भेल निदाना /
तापर दर्बजात नै बचलेकरम भेल निखट्ट /

तमघैल, अढ़ैआ औ पिकदानीनै तसला औ तटू /
बाटी, बट्टा औ पनबट्टाभोजन करैक थारी /
माधव सीहि सहित सोबरनानै बचले घर झाड़ी /
धन संपति घर किछु नै बचले/ सभटा पड़ि गेल बंधक
तैओ भूख छुटल नै ककरोएहन पेट भेल खंधक /
दैब अंश अबतरल कम्पनीजा पर राम सहाए /
मिथिलापुर बूढ़न जब लागयसे सुनि पहुँचल धाए /
खरिद अनाज जहाजहिँ बोझलभरती करि करि बोरा /
सदर तिलंगा ओआ पर भरतीऔर ओलाइति गोरा /
हाजीपुरमे लाख हजारमकै लाखन हइ पटना /
बाजितपुर सुलतानपुर गोलानै जानत हौँ केतना /
गाड़ी, बैल, छकड़, ऊँट बिहारेउबहत हइ सभ दाना /
मिसर कन्हैआ केँ पोखरन मेपहिलुक अड़ी ठेकाना /
श्री लक्ष्मीश्वर सिंह नृपतिमहाराज मिथिलेश /
अचल राज दड़िभंगाश्रीपति हरहिँ कलेश /
गाड़ी बैल लाखन हजारनताकेँ परे घड़ेर /
पहिलुक गोला मधुबन, भौड़ाजफरा और अड़ेर /
बेनीपट्टी, औ पचमहलाकुम्हरौल औ कमतौल /
हरिहरपुर, पिड़ारुछ बरनौंकारज केतेकाँ बरिऔल /
बारि पोखरि, बिरसायर बरनौंपण्डौल को नै जान /
नवहद, सरिसो ओ भटपुरा, ता साँ दक्षिण उजान
झंझारपुर, महरैल, कन्हौलीमधेपुर हइ खास /
बेनीपुर, कमान, नरैहिओबरनौं फूलपरास /
झमना हइ जगजानित जगमेमहथा और बछौर /
दुहबी औ महिनाथपुरऔर जैनगर तक हइ दौर /
बलदेबपुर औ ढंगा बरनौंमिरजापुर लघु हाट /
सीबीपटी औ कपसीआसदर गोला सौराठ /
गुरबाकेँ परबरसी हाकिमकर तिरहुतमे आके /
नै तो मरते कत नर नारीबाले बचे सुखा के /

कत मुरदा गरदा मै मिलतेअसंख जीव चल जाता /
सर समधी केँ संभा ने लम्भननै बचते जलदाता /
सभकेँ सभ उपछै भै गेलऔ सड़क धुर पोखर /
रहि गेल ब्राह्मण सोती पण्डितकायथ पछिमा ठाकुर फरक /
केओ ओरसिअर नाम लिखाओलकेओ मोहर्रिर भँट /
धर्मकार्यमे लुटथि रुपैआतँ भेल सभ केर भँट /
केओ जमानत दैकेँ बचलाहजिनका अमला नेही /
ककरो मारि केँत पिठि तोड़ैन्हिउतरैन्हि जन्मक ठेही /
ककरहुँ गारत गात सुखाओलबहुतो होअय चलाना /
मातुपिता घर परिजन रोवयबाबू गेलाह जहलखाना /
ककरहुँ घर भेल खानातलासीभेट मोहर्रिर घौँछ /
केओ अदालतिमे डिड़िआइ छथिककरहुँ उपरैन्हि मौँछ /
एतना सुनि हाकिम रिसिआओलतँ लागल जन ठीका /
नाक रंगौलन्हि सभै मोहर्रिरलागल चूनक टीका /
जोग, बिकौआ,लौकिक वंशककिरिआमंत सुकूल /
गाछी, बाँस, बैल औ महिसिजगह कैल भकफूल /
ताहि रुपैआ सौँ करा गजरलै कोरट सौँ रीन /
तँ कारन बहुतो घर झगड़ाभाइ भतीजा भीन /
आए लाट बहादुर औ /दड़िभंगा धाम
बाबू औ बबुआन सहित मिलिकीन्ह कुमैटी खान /

.....

.....

.....

एह सभ संग बैठि कैजाय कुमैटी भेल /
अजब कार सरकार केतिरहुत पहुँचल रेल /
बाजितपुरसँ सड़क निकालैआये दौड़िह दौड़ी /
हहेया गंडक पुल बन्हाएआए चौरही चोरी /
धर्मधीर, बलबीर, कम्पनी जानत हइ /जगदीशन
लछमी सागर के पोखरिमेताहि कीन्ह इसटीसन /

बड़ा लाट कलकत्तेवालेश्रीदुर्गा होए संग /
आगरा के छोटा लाल बहादुरबैठे सभ एकरंग /
जुटे कमिश्नर और कलट्टरबोलहिं बात नेअंट /
एह पाचो इजलास पर बैठेसंग जात ऐह जंट /
खबरि गए अखबार मौँमैथिल के एह हाल /
सुनहु फिरंगी अवण दैकँमेटहु दुख के जाल /
हुकुम दीन्ह दोउ लाट कोसुनहु हमारे बैन /
मदति करहु रेआआनकोक्या बैठे हौ चैन /
बड़ा लाट दोउ बीर उठाएसाहेब औ जरनैल /
मेजर मजिस्टर और कलट्टरसंगजात करनैल /
देस देससौँ अन्न मंगाओलदीन्ह सभनि के दाम /
महामूँग, गहुम औ चाउरबजड़ा और बदाम /
डोली, पटना औ भटसारेदीली औ अजमेर /
आगरा और कान्हपुर ढाकाजहाँ अन्न के ढेर /
भए रमाना अन्न तिरहुतिमेऔर बैल लादि गाड़ी /
गज, तुरंग, गदहा औ छकड़संग सिपाही छैल /
छत्री औ पैठान मोगल सभबाँकाबीर रजपूत /
सोभा बरनि नजात हइजैसे हनुमन्त दूत /
आगे सफर ओ मैनापलटन वीर जमान /
बरछी औ तरुआरि गहैकर गहै तीर कमान /
चढ़ि तुरंग पर करै कवाइतजमादार होए संग /
सोभा बरनि न जात हइरंग देखि तखनुक /
करत काम सभ धाममेटूट अट सभ लूट /
ढाहि भीड़ गाछी सहितबान्धै सड़क औ पूल /
जिले पटने औ भटसारेप्रगन्ना महिसौर /
तहाँ बसहिँ एक सज्जनतेहि घर जा लक्ष्मी दौड़ /
श्री द्वारिका प्रशादितधर्मधीर बुद्धिमान /
तहसीलदार कोरट के खासाजानहिं सकल जहान /
बाबु इसरी प्रसाद दियौटीसो मधुबनमे आए /

हुकुम दीन्ह सुपरनडेंटकॅटोले टोले होए जाए /
मन पँचा मनगर भै लिएबहुतो लिए खैरात /
धन्य धन्य अंगरेज बहादुरसभकें जूटल गात /
गरिब, गनी, गुरबा, करु जै, जैब्राह्मण देत असीस /
श्री रघुनाथ बढै बदसाहीगदी लाख बरीस /
फतुर लाल कवि बरनत हैके हाल एह रौदी /
गौरमिंट गौरनल बहादुरतिरहुति राखहिँ बहाल /

२

राधाकृष्ण चौधरी (मिथिलाक इतिहास) (विदेह पेटारमे उपलब्ध)

"१७७० क अकाल मिथिलाक इतिहासमे अद्वितीय छल आ मिथिलाक जनसंख्या घटिकें एक दम्म कम्म भऽ गेल छल। १८७३मे पुनः एकटा ७४-हमरा फतुरी लाल कविक ओहने अकाल मिथिलामे भेल छल जकर विवरण अकाली कवित्तसँ भेटइयै, अकाली कवित्त अप्रकाशित अछि। अकालकें दूर करबाक हेतु आ मजूरकें रोजी देबाक हेतु ताहि काल रेलगाड़ीक योजना चलाओल गेल जकरा सम्बन्धमे फतुरीलाल लिखैत छथि-

'कम्पनी अजान जान कलनको बनाय शान।
पवन को छकाय मैदानमे धरायो है॥
छोड़त है अड़ादार बड़ा बीच धाय धाय।
सभेलोग हटाजात केताजात खड़ा है॥
तारकी अपारकार खबरि देत वार वार।
चेत गयो टिकसदार रेल की उवाई है॥
करत है अनोर शोर पीछे कत लगत छोर।
जोर की धमाक से मशीन की बड़ाई है॥
कम्पूसन पहरदार कोथी सब अजबदार।
कोइला भर करल कार धूआँसे उड़ायो है॥
बाजा एक बजन लाग हाथी अस।
पिकन लाग जैसा जो चढ़नदार वैसाधर पायो है॥

गंगाकेँ भरल धार उतरि गयो फतूर पार गाड़ीकी।
अजबकार कवित्त यह बनाया है॥' "

-Gajendra Thakur, editor, Videha (be part of Videha www.videha.co.in -send your WhatsApp no to +919560960721 so that it can be added to the Videha WhatsApp Broadcast List.)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

८. विदेह मिथिलाक खोज

विदेह मिथिलाक खोज

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

प्रस्तुत अछि विदेह, मिथिला, तीरभुक्ति आ तिरहुतक नामसँ विख्यात वर्तमान भारत आ नेपालमे पसरल माटिक प्राचीन आ नव स्थापत्य, चित्रांकित अभिलेख आ मूर्तिकलाक एकटा छोट संग्रह। ऐ संग्रहकेँ पूर्ण करबाक हेतु अपन बहुमूल्य संग्रह editorial.staff.videha@gmail.com केँ पठाउ। आर्कडिबक सर्वाधिकार रचनाकार, सम्बन्धित फोटोग्राफर आ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि। फोटो सभ पठेबा लेल धन्यवाद पाठकगण। साभार। विशेष विवरण देखबा लेल क्लिक करू, **दर्शनीय मिथिला, Brochure 1, Brochure 2, Brochure 3, Brochure 4, Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक), IGNCA ASI (Cultural Heritage of Mithila- search keyword Mithila), Temple Survey Project ASI- English आ Hindi** .पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल।



भुवनेश्वरी भगवतीपुर
(Madhubani,
Bihar) बौद्ध तारा
सँ समानता नाकमे
कुण्डल देखू



सूर्य भगवतीपुर
(Madhubani
Bihar)



विष्णु भगवतीपुर
(Madhubani,
Bihar)



दुर्गा, पोखरिसँ भेटल,
ओतहि बहेरी मन्दिर
(बजारसँ दक्षिण)मे
स्थापित



हरद्वार मन्दिर
घनश्यामपुर
(दरभंगा)- चोरि भऽ
गेल



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली,
मधुबनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधु बनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधु बनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी



बाइसी- बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्र लेख



बाइसी- बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्रलेख



बाइसी- बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्र लेख



बाइसी- बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्र लेख



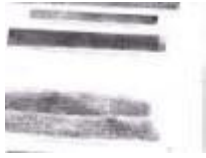
धरहरा, बनमनखी, पूर्णियाँ, नरसिंह अवतार



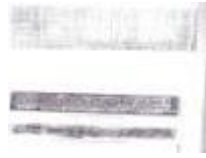
धरहरा, बनमनखी, पूर्णियाँ, नरसिंह अवतार



पूरणदेवी, पूर्णियाँ



बिदेश्वर स्थान अभिलेख, मधुबनी



अन्धाठाढी अभिलेख, मधुबनी



बुद्ध अष्टधातु, सिसव बसंतपुर, बगहा



12 शताब्दी, कोइलख, मधुबनी



अग्नि बिदेश्वर स्थान, मधुबनी बुद्ध, मुंगेर



अहिल्या स्थान



अन्धाठाढी, मधुबनी



अशोक स्तंभ, बसाढ, वैशाली



बुद्ध



अवलोकितेश्वर तारा, भागलपुर



बसाढ, वैशाली



बुद्ध भूमिस्पर्श



बुद्ध, ताम्र



बुद्ध मस्तक, सुलतानगंज



वैशाली मूर्ति



चामुण्डा नाग-
नागिनी, मुंगेर



मुकुटधारी बुद्ध, अंतीचक, भागल
पुर



नाचैत गणेश,
10म शताब्दी, दरभंगा



दरभंगा म्युजियम



दरभंगा म्युजियम



दुर्गा, कार्तिकेय



10म शताब्दी, भीट भगवानपुर, अ
न्ध्रा ठाढी



गणेश बुद्ध



गौतम बुद्ध, वैशाली



हरिहर बुद्ध



चिडैकेँ खुआबैत महिला, राजमह
ल



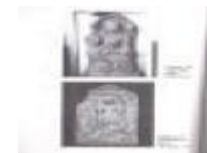
लौरिया नन्दनगढ, अशोक स्तंभ



लोमश सुदामा गुफा



मुंगेर



नागराज तीर्थकर



कुमारिल भट्ट फेकेलाह, नालन्दा



विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागलपुर



ठाढ बुद्ध



पार्वती



रामायण



रामपुरवा वृषभ



रामपुरवा



बुद्धक अवशेष



संकिसा



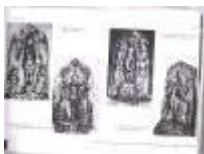
सप्तमातृका



सर्वतो भद्र मण्डल



सूर्य



सूर्य



सूर्यक संगी



सूर्य, मधुबनी आ भागलपुर



मूर्ति



मूर्ति



मूर्ति, वैशाली



उमा माहेश्वर, कल्याणसुन्दर



वैशाली वृषभ शीर्ष



वैशाली, शालभंजिका भागलपुर



विष्णु बुद्धा



पाँखियुक्त महिला



अहिल्या



अष्टयोगिनी मन्दिर, सहरसा



बनगंगा



दरभंगा



दरभंगा नगर, 1934



दरभंगा मेडिकल कॉलेज



दुल्हदुल्हिन मन्दिर, जनकपुर



गण्डीश्वर



गंगासागर पोखरि, मधुबनी



हनुमान मन्दिर, मधुबनी



हरिहरस्थान



मधुबनी हॉस्पिटल



जनकपुर जानकी मन्दिर



जानकी मन्दिर



जानकी मन्दिर, सीतामढी



जानकी मन्दिर, सीतामढी



जिला स्वास्थ्य कार्यालय राजबिराज,
नेपाल



कलनेश्वर बाबा



कपिलेश्वर



कोषलेखाकार्यालय, राजबिराज, नेपा
ल



मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा



लक्ष्मीश्वर पैलेस,
1934



माध्यमिकविद्यालय , जनकपुर



महेन्द्र चौक, जनकपुर



जनकपुर मंडप



मिथिला,
1988 भूकम्प



पगलाबाबा धर्मशाला, जनकपुर,
नेपाल



पंडौल अहल्या



मधुबनी बस स्टैंड



राज हेड ऑफिस,
1934



राज हॉस्पिटल, दरभंगा,
1934



सौराठ सभा



शिव मन्दिर, 1934



शिवशंकर सिनेमा, मधुबनी



श्यामा मन्दिर



विद्यापति मूर्ति, बिस्फी



उग्रतारा, तारास्थान, महिषी, सहर
सा



विद्यापति स्मारक, बिस्फी



बिस्फी, उदना महादेव



बिस्फी, विश्वेश्वरी भगवती



अहल्या मन्दिर, अहियारी



अशोक स्तंभ, वैशाली



स्तूप अशोक स्तंभ, वैशाली



बलिराजपुर किला पूर्वी गेट



बलिराजपुर किला मीनार



चण्डी स्थान, बिराटपुर, सहरसा



गाँधी पोखरि, ढाका, मोतिहारी



गाँधी विद्यालय, ढाका, मोतिहारी



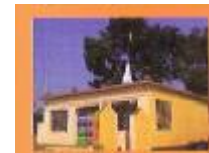
गिरिजा स्थान, मधुबनी



हरिहर मन्दिर, सोनपुर



जैन मन्दिर, भागलपुर



जैन मन्दिर, वैशाली



कमलादित्य स्थान



कपिलेश्वर शिव मन्दिर



लौरिया नन्दनगढ



मदनेश्वर शिव मन्दिर



मन्दार पर्वत, बाँका



मोतिहारी सत्याग्रह स्मारक



परमेश्वरी मन्दिर, ठाढी, मधुबनी



रामजानकी मन्दिर, सीतामढी



सत्याग्रह स्मारक, सीतामढी



शांति स्तूप, वैशाली



उच्चैठ भगवती



उच्चैठ मन्दिर



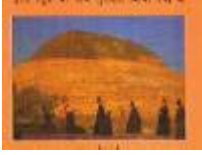
सिंघेश्वर स्थान, मधेपुरा



सूर्यधाम, परसा



उग्रतारा मन्दिर, महिषी, सहरसा



वैशाली स्तूप



विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागलपुर



विराटपुर मन्दिर, मधेपुरा



वृषभ शीर्ष, रामपुरवा



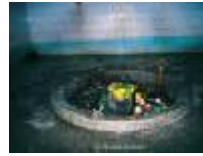
सिंह शीर्ष, रामपुरवा



शरभ, नेपाल



पाँखियुक्त देवी, वैशाली



बाबा बडेश्वर, देवना, बनगाँव



वट वृक्ष, बनगाँव



भगवान विष्णु, देवना, बनगाँव



शास्त्रार्थ स्थल, तारास्थान महिषी



शास्त्रार्थ स्थल, तारास्थान महिषी



तारास्थान महिषी



माता तारा, तारास्थान महिषी



उग्रतारा (खादर वाणी तारा) मूर्ति, महिषी



वशिष्ठ मुनि, तारास्थान महिषी



आवर्धित काली उच्चैठ



बौद्धदेवी तारा वारी समस्तीपुर



भगवती देकुली



भगवती गिरिजा फुल्हर



भगवती मृणमूर्ति गन्धबारि



भगवती वारी समस्तीपुर



भुवनेश्वरी कोर्थ



देवीकाली कोर्थ



गंगामूर्ति नगरडीह दरभंगा



गोसाउनि मन्दिर कोर्थ



हैहट्ट देवी हाबीडीह



काली उच्चैठ



महिषासुरमर्दिनी बहेरी दरभंगा



महिषासुरमर्दिनी हाबीडीह



महिषासुरमर्दिनी नाहर-
भगवतीपुर



उमा म्लेच्छमर्दिनी मिर्जापुर दरभं
गा



यमुना भैरव बलिया मधुबनी



भैरव, भैरव-बलिया



नटराज, तारालाही



शिव-
पार्वती मन्दिर, कपिलेश्वरस्थान



शिव-
पार्वती मन्दिर, कपिलेश्वरस्थान



शिव मन्दिर, सिंगिया, विस्पी



उमामाहेश्वर, महादेवमठ



उमामाहेश्वर, तिरहुत



विष्णु, भवानीपुर



विष्णु, भीठ भगवानपुर



विष्णु, जयनगर



विष्णु, लदहो

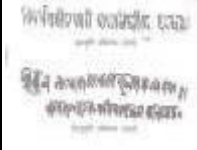




शेषशायी विष्णु, सवास, मुजफ्फरपुर



वराह मूर्ति, तिलकेश्वरस्थान



विष्णु, साहो-
पररी, हाबीडीह

मिथिलाक्षर अभिलेख, विष्णु बुद्ध
मूर्ति



भगवती उच्चैठ, बेनीपट्टी



भगवती वाणेश्वरी, भंडारीसम



चामुण्डा मन्दिर, कटरा, मुजफ्फर
पुर



अष्टभुज गणेश, हाबीडीह



अष्टभुज गणेश, कोर्थ



गंगा, आन्ध्रा-ठाढ़ी



महिषासुरमर्दिनी, दुर्गा



म्लेच्छमर्दिनी मन्दिर, मिर्जापुर, द
रभंगा



नटराज



राममन्दिर, अहिल्यास्थान



सेहनी, वैशाली, विष्णु तिलक-यज्ञोपवीतधारी



रूपनगर शिव मन्दिर



सूर्य, देकुली



सूर्य मूर्ति, डिलाही



सूर्य मूर्ति, विष्णु, बरुआर



उमामाहेश्वर



यमुना, आन्धा-ठाढ़ी



सिमरौनागढ़ मूर्ति



आदि काली, चैनपुर सहरसा

चैनपुर सहरसा- मिथिलाक एकमात्र नीलकंठ मन्दिर, संगमे आदिकालीन भव्य काली-मन्दिर सेहो एहि गाममे अछि। महा शिवरात्रि आ कालीपूजा बड़ धूमधाम सँ चैनपुरमे होइत अछि।



त्योथागढ़क स्वामी माध्वानन्द कौ लाचार्य काली मन्दिर

त्योथा गढ़ लग। पुरान गढ़। एकर पूबमे ब्रह्मपुराक बाबा हरिहरनाथ महादेव मन्दिर आ दक्षिणमे उच्चै ठ भगवती छथि।



त्योथागढ़क दसमुखी काली

त्योथा गढ़ लग। पुरान गढ़। एकर पूबमे ब्रह्मपुराक बाबा हरिहरनाथ महादेव मन्दिर आ दक्षिणमे उच्चै ठ भगवती छथि।



कोइलख (मधुबनी) देवीक मन्दिर



अकौर, बेनीपट्टी, भगवती दुर्गा, भगवतीपीठ



अकौर, बेनीपट्टी, भगवती दुर्गा, भगवतीपीठ



१. अष्टभुज गणेश, कोर्थ २. शिव मन्दिर, सिंधिया, बिस्फी



१. बौद्ध देवी तारा, वारी, समस्ती पुर २. उग्रतारा मन्दिर, महिषी, सहरसा



१. भगवती, वारी २. भगवती, देकुली



१. भगवती गिरिजा, फुलहर २. काली, उच्चैठ



१. भैरव, भैरव बलिया २. उमामा हेश्वर, महादेवमठ



१. देवीकाली, कोर्थ २. गुसाउनि स्थल मन्दिर, कोर्थ



१. गणेश, लहेरियासराय २. उमामाहेश्वर ३. नटराज, ४. विष्णु, तिलक, जनउ धारी, सेहान, वैशाली



१. गंगा मूर्ति, नगरडीह, दरभंगा २. भगवती मृण्मूर्ति, गन्धवारि



१. हैहट देवी, हाबीडीह २. भुवनेश्वरी, कोर्थ



१. कथित काली, उच्चैठ, २. अष्टभुज गणेश, कोर्थ



१. महिषासुर मर्दिनी, हाबीडीह, २. उमा, म्लेच्छमर्दिनी, मिर्जापुर, दरभंगा



१. महिषासुरमर्दिनी, भगवतीपुर, नाहर, महिषासुर मर्दिनी, बहेरी, दरभंगा



१. म्लेच्छमर्दिनी भगवती, मिर्जापुर, दरभंगा २. राम मन्दिर, अहिल्यास्थान



१. म्लेच्छमर्दिनी भगवती, मिर्जापुर, दरभंगा २. सिंहेश्वर स्थान, मधेपुरा



१. नटराज, तारालाही २. उमामाहेश्वर



१_शेषसायी, सवास, मुजफ्फरपुर, २_नटराज_तारालाही ३_ भगवती ४_ उमा माहेश्वरी



१- शिव पार्वती मन्दिर, कपिलेश्वर स्थान २. सूर्य मूर्ति डिलाही



१_ सूर्यमूर्ति, विष्णु बरुआर २. गंगा, आन्ध्रा ठाढ़ी



१_उच्चैठ भगवती, बेनीपट्टी २_महिषासुरमर्दिनी, दुर्गा ३_ चामुण्डा मन्दिर, कटरा, मुजफ्फरपुर ४._भगवती वानेश्वरी, भण्डारिसम



१. वराहमूर्ति, तिलकेश्वरस्थान, २. विष्णु, भवानीपुर



१. विष्णु, जयनगर २. विष्णु, भीठ भगवानपुर



१_विष्णु, लदहो, २.सूर्य, देकुली



१_विष्णु_साहो परड़ी, स्थापित-
हाभीडीह २.बुद्ध-
विष्णु मूर्ति अभिलेख



१_विष्णु, सेहान, २_वराह ३_गणे
श ४.शिव मन्दिर_रूपनगर



१_यमुना, आन्ध्रा ठाढ़ी, २.अष्टभुज ग
पेश, हाबीडीह



१_यमुना, भैरव बलिया, २_शेषसा
यी, सवास, मुजप्फरपुर, ३_नटरा
ज_तारालाही ४_ भगवती ५_ उमा
माहेश्वरी



कथित, काली, उच्चैठ, बेनीपट्टी



मूर्ति (मिथिला क्षेत्र)



सम्भवतः सूर्य



वेणुगोपाल, मिथिला



विष्णु, जाले, दरभंगा



विष्णु



विष्णु, ओझौल, दरभंगा

मिथिलाक खोज

ई आलेख हमर दशकसँ ऊपरक मिथिलाक यात्राक उपरान्तक सूत्र-वृत्तान्त अछि आ ऐमे ऐ सभ स्थानक स्थानीय निवासी आ गाइड सभक अकथनीय योगदान छन्हि । कखनो कालतँ भाड़ाक गाड़ीक ड्राइवर लोकनि सेहो नीक गाइड सिद्ध भेला।-गजेन्द्र ठाकुर

"मिथिलायदयश्च मध्यंते रिपवो इति मिथिला नगरी" - मिथिला जतऽ शत्रुकें मथल जाइत अछि- पाणिनीक विवरण।

किला आ गढ़

बलिराजपुर किला- मधुबनी जिलाक बाबूबरही प्रखण्डसँ ५ किलोमीटर पूब बलिराजपुर गाम अछि। एकर दक्षिण दिशामे एकटा पुरान किलाक अवशेष अछि। किला चारि किलोमीटर नमगर आ एक किलोमीटर चाकर अछि। दस फीटक मोट देवालसँ ई घेरल अछि।

असुरगढ़ किला- मिथिलाक दोसर किला मधुबनी जिलाक पूब आ उत्तर सीमा पर तिलयुगा धारक कातमे महादेव मठ लग ५० एकड़मे पसरल अछि।

जयनगर किला- मिथिलाक तेसर किला अछि भारत नेपाल सीमा पर प्राचीन जयपुर आ वर्तमान जयनगर लग। दरभंगा लग पंचोभ गामसँ प्राप्त ताम्र अभिलेख पर जयपुर केर वर्णन अछि।

नन्दनगढ़- बेतियासँ १२ मील पश्चिम-उत्तरमे ई किला अछि। तीन पंक्तिमे १५ टा ऊँच डीह अछि।

लौरिया-नन्दनगढ़- नन्दनगढ़सँ उत्तर स्थित अछि, एतऽ अशोक स्तंभ आ बौद्ध स्तूप अछि।

देकुलीगढ़- शिवहर जिलासँ तीन किलोमीटर पूब हाइवे केर कातमे दू टा किलाक अवशेष अछि। चारू दिस खधाइ अछि।

कटरागढ़- मुजफ्फरपुरमे कटरा गाममे विशाल गढ़ अछि, देकुली गढ़ जकाँ चारू कात खधाइ खुनल अछि।

नौलागढ़-बेगूसरायसँ २५ किलोमीटर उत्तर ३५० एकड़मे पसरल ई गढ़ अछि।

जयमंगलगढ़- बेगूसरायमे बरियारपुर थानामे काबर झीलक मध्य एकटा ऊँच डीह अछि। एतऽ ई गढ़ अछि। नाओकोठी (मझौल) गाम लग ई गढ़ अछि।

मंगलगढ़- समस्तीपुर जिलामे हसनपुर ब्लॉकमे दुधपुरा बजार लग देओढ गाम लग। भगवान बुद्धक उपदेश एतऽ भेल, स्थानीय राजा मंगलदेवक आग्रहपर बुद्ध किछु दिन एतऽ निवास सेहो केलन्हि।

अलौलीगढ़- खगड़ियासँ १५ किलोमीटर उत्तर अलौली गाम लग १०० एकड़मे पसरल ई गढ़ अछि।

कीचकगढ़- पूर्णिया जिलामे डेंगरघाटसँ १० किलोमीटर उत्तर महानन्दा नदीक पूबमे ई गढ़ अछि।

बेनूगढ़- टेढ़गाछ थानामे कवल धारक कातमे ई गढ़ अछि।

वरिजनगढ़- बहादुरगंजसँ छह किलोमीटर दक्षिणमे लोनसवरी धारक कातमे ई गढ़ अछि।

नेऊरी- दरभंगाक बिरौल प्रखण्डसँ १३ किलोमीटर पश्चिममे एकटा गढ़ अछि जे लोरिकक मानल जाइत अछि।

बुद्ध

कुन्दग्राम- हाजीपुरसँ बत्तीस किलोमीटर उत्तर-पूर्वमे बसाढ़-वैशाली आ लगमे वासोकुण्ड लग गाम गढ़-टीलासँ २ कि.मी. उत्तर-पूर्व अछि कुन्दग्राम , जतऽ जैनक २४म तीर्थंकर महावीरक जन्म भेल छलन्हि। एतऽ बुद्धक छाउर, अभिषेक पुषकरणी (राजा अभिषेकसँ पूर्व एतऽ नहाइत रहथि), अशोक स्तम्भ आ संसद-भवन (राजा विशालक गढ़) अछि।

पजेबागढ़ वनही टोल- एतऽ एकटा बुद्ध मूर्ति भेटल छल, मुदा ओकर आब कोनो पता नै अछि। ई स्थल सेहो रखबारी गामक लगे अछि।

मंगलगढ़- समस्तीपुर जिलामे हसनपुर ब्लॉकमे दुधपुरा बजार लग देओढ गाम लग। भगवान बुद्धक उपदेश एतऽ भेल, स्थानीय राजा मंगलदेवक आग्रहपर बुद्ध किछु दिन एतऽ निवास सेहो केलन्हि।

मुसहरनियां डीह- अंधरा ठाढ़ीसँ ३ किलोमीटर पश्चिम पस्टन गाम लग एकटा ऊँच डीह अछि। बुद्धकालीन एकजनियाँ कोठली, बौद्धकालीन मूर्ति, पाइ, बर्तनक टुकड़ी आ पजेबाक अवशेष एतऽ अछि।

अकौर- मधुबनीसँ २० किलोमीटर पश्चिम आ उत्तरमे अकौर गाममे एकटा ऊँच डीह अछि, जतऽ बौद्धकालक मूर्ति अछि।

लौरिया-नन्दनगढ़- नन्दनगढ़सँ उत्तर स्थित अछि, एतऽ अशोक स्तंभ आ बौद्ध स्तूप अछि।

विक्रमशिला- भागलपुरमे स्थित प्राचीन विश्वविद्यालय। भागलपुर जिलाक अंतीचक गाममे राजा धर्मपालक बनाओल बुद्ध विश्वविद्यालय अछि। १०८ व्याख्याता लेल रहबाक स्थान आ बाहरसँ पढ़य बला लेल सेहो स्थान एतऽ निर्मित अछि।

चम्पानगर- भागलपुरक पश्चिममे, आब नगरसँ सटि गेल अछि। ई जैन लोकनिक एकटा पवित्रस्थल अछि, एतऽ महावीर तीनटा बस्सावास केने रहथि। दू टा जैन मन्दिर एतऽ अछि, जे जैनक बारहम तीर्थकर वासुपूज्य नाथकेँ समर्पित अछि। महावीर विदेहमे छह टा बस्सावास बितेलन्हि। बर्खा ऋतुमे चारि मास एक ठाम निवासकेँ बस्सावास कहल जाइ छल। बुद्ध एकोटा बस्सावास विदेहमे नै बितेलन्हि, मुदा वैशाली नगरीमे आम्रपालीक उद्यानमे लिच्छवीगणकेँ सन्देश देने छला। आम्रपालीसँ भिक्षा ग्रहण कऽ बुद्ध गेला वेणुमती करय चारि मासक बस्सावास।

अभिलेख

गौरी-शंकर स्थान, मधुबनी जिलाक जमथरि गाम आ हैंठी बाली गामक बीच ई स्थान गौरी आ शङ्करक सम्मिलित मूर्ति आ ऐपर मिथिलाक्षरमे लिखल पालवंशीय अभिलेख। बिदेश्वरस्थानसँ २-३ किलोमीटर उत्तर दिशामे ई स्थान अछि।

भीठ-भगवानपुर अभिलेख- राजा नान्यदेवक पुत्र मल्लदेवसँ संबंधित अभिलेख एतऽ अछि। मधुबनी जिलाक मधेपुर थानामे ई स्थल अछि।

भगीरथपुर- पण्डौल लग भगीरथपुर गाममे अभिलेख अछि जइसँ ओइनवार वंशक अंतिम दुनू शासक रामभद्रदेव आ लक्ष्मीनाथक प्रशासनक विषयमे सूचना भेटैत अछि।

मंदार पर्वत- बांका स्थित स्थलमे मिथिलाक्षरक गुप्तवंशीय ७म् शताब्दीक अभिलेख अछि। समुद्र मंथनक हेतु मंदारक प्रयोग भेल छल। निकटमे बौंसीमे जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथक दूटा मूर्ति अछि, पैघ मूर्ति लाल पाथरक अछि तँ दोसर काँसाक जकर सोझाँ दूटा पदचिन्ह अछि। जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथक जन्म चम्पानगरमे आ निर्वाण एतै भेल छलन्हि।

बिदेश्वर- मधुबनी जिलामे लोहनारोड स्टेशन लग स्थित शिवधामक स्थापना महाराज माधवसिंह केलन्हि। तइ युगक मिथिलाक्षरक अभिलेख सेहो एतऽ अछि।

बसैटी (बाइसी-बसैटी), अररिया अभिलेख - पूणियाँमे श्रीनगर लग मिथिलाक्षरक ई अभिलेख मिथिलाक पहिल महिला शासक रानी इद्रावतीक राज्यकालक वर्णन करैत अछि। रानी इन्द्रावती (१७८४-१८०२) जे अकालक समय फूड-फॉर-वर्क आ अन्य कल्याणकारी कार्यक प्रारम्भ केने रहथि।

जयनगर किला- मिथिलाक तेसर किला अछि भारत नेपाल सीमा पर प्राचीन जयपुर आ वर्तमान जयनगर लग। दरभंगा लग पंचोभ गामसँ प्राप्त ताम्र अभिलेख पर जयपुर केर वर्णन अछि।

विष्णु

हुलासपट्टी- मधुबनी जिलाक फुलपरास थानाक जागेश्वर स्थान लग हुलासपट्टी गाम अछि। कारी पाथरक विष्णु भगवानक मूर्ति एतऽ अछि।

पिपराही- लौकहा थानाक पिपराही गाममे विष्णुक मूर्तिक चारू हाथ भग्न भऽ गेल अछि।

मधुबन- पिपराहीसँ १० किलोमीटर उत्तर नेपालक मधुबन गाममे चतुर्भुज विष्णुक मूर्ति अछि।

कमलादित्य स्थान- अंधरा ठाढ़ी लगमे कमलादित्य स्थानक विष्णु मंदिर कर्णाट राजा नान्यदेवक मंत्री श्रीधर दास द्वारा स्थापित भेल।

झंझारपुर अनुमण्डलक रखबारी गाममे वृक्षक नीचाँ राखल विष्णु मूर्ति, गांधारशैली मे बनाओल गेल अछि।

मटिहानी- विष्णु मन्दिर

जनकपुर- बृहद् विष्णुपुराणमे मिथिलामाहात्म्यमे जनकपुर क्षेत्रक वर्णन अछि। सत्रहम शताब्दीमे संत सूर किशोरकेँ अयोध्यामे सरयू धारमे राम आ जानकीक दू टा भव्य मूर्ति भेटलन्हि, जकरा ओ जानकी मन्दिर, जनकपुरमे स्थापित कऽ देलन्हि। वर्तमान मन्दिरक स्थापना टीकमगढ़क महारानी द्वारा १९११ ई. मे भेल। नगरक चारूकात यमुनी, गेरुखा आ दुग्धवती धार अछि। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी), जानकी नवमी (वैशाख शुक्ल नवमी) आ विवाह पंचमी (अगहन शुक्ल पंचमी) पर एतऽ मेला लगैए।

अंधरा-ठाढ़ीक स्थानीय वाचस्पति संग्रहालय- गौड़ गामक यक्षिणीक भव्य मूर्ति एतऽ राखल अछि।

गौतम तीर्थ- कमतौल स्टेशनसँ ६ किलोमीटर पश्चिम ब्रह्मपुर गाम लग एकटा गौतम कुण्ड पुष्करणी अछि।

मुंगेरक पूब 'सीता-कुण्ड'गर्म कुण्ड अछि, सीता जी एतै पृथ्वीमे समाहित भेल छली। ठंढा जलक कुण्ड 'रामकुण्ड', लक्ष्मण कुण्ड, भरत कुण्ड, आ शत्रुघ्न कुण्ड सेहो अछि, भैयारीमे बड्ड मिलान। से मिलान बाबू गढ़ नारिकेलमे सेहो छै, बेसी पढ़ल लिखल गाममे से आब कहाँ?

हलावर्त- जनकपुरसँ ३५ किलोमीटर दक्षिण पश्चिममे सीतामढ़ी नगरमे हलवेश्वर शिव मन्दिर आ जानकी मन्दिर अछि। एतसँ डेढ़ किलोमीटर पर पुण्डरीक क्षेत्रमे सीताकुण्ड अछि। हलावर्तमे जनक द्वार हर चलेबा काल सीता भेटलि छली। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी) आ जानकी नवमी (वैशाख शुक्ल नवमी) पर एतऽ मेला लगैए।

फुलहर-मधुबनी जिलाक हरलाखी थानामे फुलहर गाममे जनकक पुष्पवाटिका छल जतऽ सीता फूल लोढ़ै छली।

धनुषा- जनकपुरसँ १५ किलोमीटर उत्तर धनुषा स्थानमे पीपरक गाछक नीचाँ एकटा धनुषाकार खण्ड पड़ल अछि। रामक तोड़ल ई धनुष अछि। ऐसँ पूब वाणगंगा धार बहैए जे लक्ष्मण द्वारा वाणसँ उद्धाटित भेल छल।

सुग्गा- जनकपुर लग जलेश्वर शिवधामक समीप सुग्गा ग्राममे शुकदेवजीक आश्रम अछि। शुकदेवजी जनकसँ शिक्षा लेबाक हेतु मिथिला ऐल छला- ऐ ठाम हुनका ठहरेबाक व्यवस्था भेल छल।

सिंहेश्वर- मधेपुरासँ ५ किलोमीटरपर गौरीपुर गाम लग सिंहेश्वर शिवधाम अछि।

कपिलेश्वर- कपिल मुनि द्वार स्थापित महादेव मधुबनीसँ ६ किलोमीटर पश्चिममे अछि।

कुशेश्वर- समस्तीपुरसँ उत्तर-पूब, लहेरियासरायसँ ६० किलोमीटर दक्षिण-पूब आ सहरसासँ २५ किलोमीटर पश्चिम ई एकटा प्रसिद्ध शिवस्थान अछि। एतऽ चिड़ै-अभ्यारण्य सेहो अछि जतऽ उज्जर आ कारी गैबर, लालसर, दिघौछ, मैल, नकटा, गैरी, गगन, सिल्ली, अधानी, हरिअल, चाहा, करन, रतबा चिड़ै सभ नवम्बरसँ मार्च धरि देखबामे अबैए।

सिमरदह- थलवारा स्टेशन लग शिवसिंह द्वारा बसाओल शिवसिंहपुर गाम लग ई शिवमन्दिर अछि।

सोमनाथ- मधुबनी जिलाक सौराठ गाममे सभागाछी लग सोमदेव महादेव छथि।

मदनेश्वर- मधुबनी जिलाक अंधरा ठाढ़ीसँ ४ किलोमीटर पूब मदनेश्वर शिव स्थान अछि।

चण्डेश्वर- झंझारपुरमे हरड़ी गाम लग चण्डेश्वर ठाकुर द्वारा स्थापित चण्डेश्वर शिवस्थान अछि।

शिलानाथ- जयनगर लग कमला धारक कातमे शिलानाथ महादेव छथि।

उग्रनाथ- मधुबनीसँ दक्षिण पण्डौल स्टेशन लग भवानीपुर गाममे उगना महादेवक शिवलिंग अछि। विद्यापतिकेँ प्यास लगलन्हि तँ उगनारूपी महादेव जटासँ गंगाजल निकालि जल पियेलखिन्ह। विद्यापतिक हठ केलापर ऐ स्थान पर उगना हुनका अपन असल शिवरूपक दर्शन देलखिन्ह।

उच्चैठ छिन्नमस्तिका भगवती- कमतौल स्टेशनसँ १६ किलोमीटर पूर्वोत्तर उच्चैठमे कालिदास भगवतीक पूजा करैत छला। भगवतीक मौलिक मूर्ति मस्तक विहीन अछि।

उग्रतारा- मण्डन मिश्रक जन्मभूमि महिषीमे मण्डनक गोसाउनि उग्रतारा छथि।

भद्रकालिका- मधुबनी जिलाक कोइलख गाममे भद्रकालिका मंदिर अछि।

चामुण्डा- मुजफ्फरपुर जिलामे कटरागढ़ लग लक्ष्मणा वा लखनदेइ धार लग दुर्गा द्वारा चण्ड-मुण्डक वध कएल गेल। ओइ स्थानपर ई मन्दिर अछि।

परसा सूर्य मन्दिर- झंझारपुरमे सग्रामसँ पाँच किलोमीटर पूर्व परसा गाममे साढ़े चारि फीटक भव्य सूर्य मूर्ति भेटल अछि।

चैनपुर सहरसा- मिथिलाक एकमात्र नीलकंठ मन्दिर, संगमे आदिकालीन भव्य काली-मन्दिर सेहो ऐ गाममे अछि। महाशिवरात्रि आ कालीपूजा बड़ धूमधामसँ चैनपुरमे होइत अछि।

धरहरा, बनमनखी, पूर्णियाँमे नरसिंह अवतारक स्थान अछि, एकटा खोह जकाँ पैघ पाया अछि जइमे जे किछु फेकबै तँ बड़ी काल धरि गों-गों अबाज होइत रहत। ई स्थान आब नरसिंह भगवानक मूर्ति आ मन्दिरक कारणसँ बेस विकसित भऽ गेल अछि। एतै नरसिंह पाया फाड़ि अवतरित भेल छला।

बिसफी- मधुबनी जिलाक बेनीपट्टी थानामे कमतौल रेलवे स्टेशनसँ ६ किलोमीटर पूब आ कपिलेश्वर स्थानसँ ४ किलोमीटर पश्चिम बिसफी गाम अछि। ज्योतिरीश्वर पूर्व महाकवि विद्यापतिक जन्म-स्थान ई गाम अछि।

मिथिलाक बीस टा सिद्ध पीठ- १.गिरिजास्थान (फुलहर, मधुबनी), २.दुर्गास्थान (उचैठ, मधुबनी), ३.रहेश्वरी (दोखर, मधुबनी), ४.भुवनेश्वरीस्थान (भगवतीपुर, मधुबनी), ५. भद्रकालिका (कोइलख, मधुबनी), ६.चमुण्डा स्थान (पचाही, मधुबनी), ७.सोनामाइ (जनकपुर, नेपाल), ८.योगनिद्रा (जनकपुर, नेपाल), ९.कालिका स्थान (जनकपुर स्थान), १०.राजेश्वरी देवी (जनकपुर, नेपाल), ११.छिनमस्ता देवी (उजान, मधुबनी), १२.बनदुर्गा (खररख, मधुबनी), १३.सिधेश्वरी देवी (सरिसव, मधुबनी), १४.देवी-स्थान (अंधरा ठाढ़ी, मधुबनी), १५.कंकाली देवी (भारत नेपाल सीमा आ रामबाग प्लेस, दरभंगा), १६.उग्रतारा (महिषी, सहरसा), १७.कात्यानी देवी (बदलाघाट, सहरसा), १८.पुरन देवी(पूर्णियाँ), १९.काली स्थान (दरभंगा), २०.जैमंगलास्थान(मुंगेर), ५२. जनकपुर परिक्रमाक १५ स्थल आ ओतुक्का मुख्य देवता १. हनुमाननगर- हनुमानजी, २.कल्याणेश्वर- शिवलिंग, ३.गिरिजा-स्थान- शक्ति, ४.मटिहानी- विष्णु मन्दिर, ५.जालेश्वर- शिवलिंग, ६.मनाई- माण्डव ऋषि, ७. श्रुव कुण्ड- ध्रुव मन्दिर, ८.कंचन वन- कोनो मन्दिर नै मात्र मनोरम दृश्य, ९.पर्वत- पाँच टा पर्वत, १०.धनुषा- शिव धनुषक टुकड़ी, ११.सतोखड़ी- सप्तर्षिक सात टा कुण्ड, १२.हरुषाहा- विमलागंगा, १३. करुणा- कोनो मन्दिर नै मात्र मनोरम दृश्य, १४. बिसौल- विश्वामित्र मन्दिर आ १५.जनकपुर।

दरभंगा कैथोलिक चर्च- १८९१मे स्थापित ई चर्च १८९७ केर भूकम्पमे क्षतिग्रस्त भऽ गेल। एकरा होली रोजेरी चर्च सेहो कहल जाइए। सेंट फांसिस ऑसिसी चर्च मुजफ्फरपुरमे अछि।

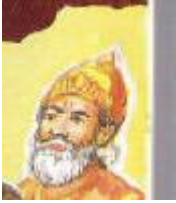
भिखा सलामी मजार- गंगासागर पोखरि दरभंगाक महारपर ई मजार अछि। मकदूम बाबाक मजार:ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय आ कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगाक बीच स्थित ई मजार हिन्दू आ मुस्लिम मतावलम्बीक एकटा पावन स्थान अछि। दरभंगा टावर मस्जिद इस्लाम मतावलम्बीक एकटा भव्य मस्जिद आ धार्मिक स्थल अछि।

९.विदेह मिथिला रत्न

विदेह मिथिला रत्न

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

भारत आ नेपालक माटिमे पसरल मिथिलाक धरती प्राचीन कालेसँ महान पुरुष ओ महिला लोकनिक कर्मभूमि रहल अछि। प्रस्तुत अछि मिथिला रत्नक एकटा छोट संग्रह। ऐ संग्रहकेँ पूर्ण करबाक हेतु अपन बहुमूल्य संग्रहकेँ editorial.staff.videha@gmail.com केँ पठाउ। आर्काइवक सर्वाधिकार रचनाकार, सम्बन्धित फोटोग्राफर आ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि। फोटो सभ पठेबा लेल धन्यवाद पाठकगण। साभार। पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल। विशेष विवरण देखबा लेल क्लिक करू **VIDEHA_346, VIDEHA_347, VIDEHA_366** आ [मिथिला रत्न/मिथिला चित्रकला/ मिथिलाक पाबनि तिहार \(कथा\) आ मिथिलाक संगीत](#) ।



वैदिक जनक

'वैदेह राजा' ऋग्वेदिक कालक नमी सप्याक नामसँ छलाह, यज्ञ करैत सदेह स्वर्ग गेलाह, ऋग्वेदमे वर्णन अछि। ओ इन्द्रक संग देलन्हि असुर नमुचीक विरुद्ध आ ताहिमे इन्द्र हुनका बचओलन्हि। शतपथ ब्राह्मणक विदेघमाथव आ पुराणक निमि दुनू गोटेक पुरोहित गौतम छथि से दुनू एके छथि आ एतएसँ विदेह राज्यक प्रारम्भ। माथवक पुरहित गौतम मित्रविन्द यज्ञक/ बलिक प्रारम्भ कएलन्हि आ पुनः एकर पुनःस्थापना भेल महाजनक-२ क समयमे याज्ञवल्क्य द्वारा। निमि गौतमक आश्रमक लग जयन्त आ मिथि - जिनका मिथिला नामसँ सेहो सोर कएल जाइत छन्हि, मिथिला नगरक निर्माण कएलन्हि। निमीक जयन्तपुर वर्तमान जनकपुरमे छल, मिथीक मिथिलानगरीक स्थान एखन धरि निर्धारित नहि भए सकल अछि, अनुमानित अछि जनकपुरक लग । ❖ सीरध्वज जनक❖ सीताक पिता छथि आ एतएसँ मिथिलाक राजाक सुदृढ़ परम्परा देखबामे अबैत अछि। ❖ कृति जनक❖ सीरध्वजक बादक 18म



वाल्मीकि



सीतापति राम

पुस्तमे भेल छलाह। कृति हिरण्यनाभक पुत्र छलाह आ जनक बहुलाश्वक पुत्र छलाह। याज्ञवल्क्य हिरण्याभक शिष्य छलाह, हुनकासँ योगक शिक्षा लेने छलाह। कराल जनक द्वारा एकटा ब्राह्मण युवतीक शील-अपहरणक प्रयास भेल आ जनक राजवंश समाप्त भए गेल (संदर्भ अश्वघोष-बुद्धचरित आ कौटिल्य-अर्थशास्त्र)।



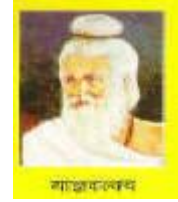
लव कुश



विदेघ माथव

शतपथ ब्राह्मणक विदेघ माथवक विदेह आगमन, आगिक सदानीरासँ आर्गो नहि बढ़बाक चर्चा।

शतपथ ब्राह्मणक विदेघमाथव आ पुराणक निमि दुनू गोटेक पुरोहित गौतम छथि से दुनू एके छथि आ एतएसँ विदेह राज्यक प्रारम्भ।



वाजसनेयी याज्ञवल्क्य

याज्ञवल्क्य मिथिलाक दार्शनिक राजा कृति जनकक दरबारमे छलाह। हुनकर माताक वा पिताक नाम सम्भवतः वाजसनी छलन्हि। ओना हुनकर पिता देवरातकेँ मानल जाइत छन्हि। याज्ञवल्क्य १. शुक्ल यजुर्वेद, २. शतपथ ब्राह्मण, ३. बृहदारण्यक उपनिषद आ ४. याज्ञवल्क्य स्मृतिक दृष्टा/लेखक छथि।



अंगराज कर्ण



वैशेषिक दर्शन कणाद

वैशेषिक दर्शन कणाद



महावीर जैन 599-527

महावीर विदेहमे छह टा बस्सावास बितेलन्हि।



गौतम बुद्ध BC 563-483



चाणक्य BC 350-283



चन्द्रगुप्त मौर्य चाणक्यक शिष्य BC 340-293

ओना तँ महावीर विदेहमे छह टा बरसावास बितेलन्हि मुदा बुद्ध एकोटा नै मुदा मिथिलामे बौद्ध धर्मक प्रभाव पछाति बढल। बुद्ध वैशाली नगरीमे आम्रपालीक उद्यानमे लिच्छवीगणकेँ सन्देश देने छलाह।



आर्यभट्ट वैज्ञानिक 476-550

पञ्जीमे आर्यभट्टक विवरण- (२७) (३४/०८) महिपतियः मंगरीनी माण्डेर सै पीताम्ब र सुत दामू दौ माण्डू सै वीजी त्रिनयनभट्टः ए सुतो आर्यभट्टः ए सुतो उदयभट्टः ए सुतो विजयभट्ट ए सुतो सुलोचनभट्ट (सुनयनभट्ट) ए सुतो भट्ट ए सुतो धर्मजटीमिश्र ए सुतो धाराजटी मिश्र ए सुतोब्रह्मजरी मिश्र ए सुतो त्रिपुरजटी मिश्र ए सुत विधुजटी मिश्र ए सुतो अजयसिंहः ए सुतो विजयसिंहः ए सुतो ए सुतो आदिवराहः ए सुतो महोवराहः ए सुतो दुर्योधन सिंहः ए सुतो सोढर जयसिंहकाचार्यास्त्रस महास्त्र विद्या पारङगत महामहोपाध्या यः नरसिंहः॥



म.म.गोनू झा 1050-1150

करमहे सोनकरियाम गोनू झाक वर्णन पञ्जीमे अछि- महामहोपाध्याय धूर्तराज गोनू। पञ्जीक अनुसार पीढ़ीक

धर्म आ विधिक क्षेत्रमे कौटिल्यक अर्थशास्त्र आ याज्ञवल्क्य स्मृतिमे बडु समानता अछि जे चाणक्यक मिथिलावासी होयबाक प्रमाण अछि।

अर्थशास्त्रमे(१.६ विनयाधिकारिके प्रथमाधिकरणे षडोऽध्यायः इन्द्रियजये अरिषड्वर्गत्यागः) कराल जनकक पतनक सेहो चर्चा अछि।

तद्विरुद्धवृत्तिरवश्येन्द्रियश्चातुरन्तोऽपि राजा सद्यो विनश्यति- यथा दाण्डक्यो नाम भोजः कामाद् ब्राह्मण कन्यायमभिमन्यमानः सबन्धराष्ट्रो विननाश करालश्च वैदेहः,....।



सिद्ध सरहपाद 700-780

सरहपाद-**सिद्धिरस्थु मइ पढ़मे पढ़िअउ,मण्ड पिबन्तो बिसरउ एमइउ**।मिथिलामे अक्षरारम्भ सिद्धिरस्तु जकर पूर्वमे सिद्धिरस्तु, गणेशजीक अंकुश आँजी, लिखल जाइत अछि। मिथिलामे ई धारणा जे माँइ पिलासँ स्मरण शक्ति क्षीण होइत अछि; ई सरहपादक मिथिलावासी होएबाक प्रमाण अछि।



कृष्णाराम आ हाथी सुबरन

मिथिलाक यादव (गुआर) जातिक लोकदेवता कृष्णाराम अपन हाथी सुबरनपर सवार।

चाणक्यक शिष्य



आदि शंकराचार्य 788-820 मंडन मिश्रसँ शास्त्रार्थ



वंशीधर ब्राह्मण

गणना कएलासँ गोनूक जन्म (गोनूक सोनकरियाम करमहे-वत्समे २४म पीढ़ी चलि रहल अछि) आर्यभट्टक बाद (आर्यभट्टक माण्डर-काश्यपमे ३९ म पीढ़ी चलि रहल अछि) आ विद्यापतिक पहिने (विद्यापतिक विषएवार बिस्फी-काश्यपमे १४म पीढ़ी चलि रहल अछि) लगभग १०५० ई.मे सिद्ध होइत अछि। कारण एहि तरहेँ एक पीढ़ीकेँ ४० सँ गुणा केला सँ आर्यभट्टक जन्म लगभग ४७६ ई. आ विद्यापतिक जन्म लगभग १३५० ई. अबैत अछि जे इतिहाससम्मत अछि।



छेछन महाराज

मिथिलाक डोम जातिक लोकदेवता



दीना- भदरी

मिथिलाक मुसहर जातिक लोकदेवता



ज्योति पँजियार



राजा सलहेस

मिथिलाक दूधवंशी (दुसाध) जातिक लोकदेवता



दुलरा दयाल

गोनू झाक गाम भरीड़ाक राजकुमार, "बहुरा गोदिन नटुआ दयाल" लोककथाक मलाह कथानायक। भरीड़ामे एखनो हिनकर गहबर छन्हि।



कालिदास



बोधि कायस्थ

विद्यापतिक पुरुष-परीक्षामे मृत्युकालमे गंगा नदीक आयब आ बोधि-कायस्थकेँ अपनामे समेबाक खिसा वर्णित अछि जे बादमे



राधाकृष्ण आ करताराम मल्लिक

मिथिलाक अमता घरेनक प्रारम्भिक गबैय्या



महाराज नान्यदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक 1097 ई. मे स्थापना। 1147 ई. मे मृत्यु।

विद्यापतिके लस कस सेहो प्रचलित भेल।



मल्लदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक संस्थापक नान्यदेवक पुत्र। मिथिलाक गंधवरिया राजपूत मल्लदेवके अपन बीजीपुरुष मानैत छथि।



महाराज हरसिंहदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक। ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्ण-रत्नाकरमे हरसिंहदेव नायक आकि राजा छलाह। 1294 ई. मे जन्म आ 1307 ई. मे राजसिंहासन। घियासुद्दीन तुगलकसँ 1324-25 ई. मे हारिक बाद नेपाल पलायन। मिथिलाक पञ्जी-प्रबन्धक ब्राह्मण, कायस्थ आ क्षत्रिय मध्य आधिकारिक स्थापक, मैथिल ब्राह्मणक हेतु गुणाकर झा, कर्ण कायस्थक लेल शंकरदत्त, आ क्षत्रियक हेतु विजयदत्त एहि हेतु प्रथमतया नियुक्त भेलाह। हरसिंहदेवक प्रेरणासँ- आ ई हरसिंहदेव नान्यदेवक वंशज छलाह, जे नान्यदेव कर्णाट वंशक १००९ शाकेमे स्थापना केने रहथि- नन्दैद शुन्यं शशि शाक वर्षे (१०१९ शाके)... मिथिलाक पण्डित लोकनि शाके १२४८ तदनुसार १३२६ ई. मे पञ्जी-प्रबन्धक वर्तमान स्वरूपक प्रारम्भक निर्णय कएलन्हि। पुनः वर्तमान स्वरूपमे थोडे बुद्धि विलासी लोकनि मिथिलेश महाराज माधव सिंहसँ १७६० ई. मे आदेश करबाए पञ्जीकारसँ शाखा पुस्तकक प्रणयन करबओलन्हि। ओकर बाद पौंजिमे (कखनो काल वर्णित १६०० शाके माने १६७८ ई. वास्तवमे माधव सिंहक बादमे १८०० ई.क आसपास) श्रोत्रियनामक एकटा नव ब्राह्मण उपजातिक मिथिलामे उत्पत्ति भेल।



मंत्री गणेश्वर

मिथिलाक कर्णाट वंशक नरेश हरसिंहदेवक मंत्री। *सुगतिसोपान्मे* मिथिलाक सांवैधानिक इतिहासक वर्णन।



मीरां साहेब



अमर बाबा



गरीबन बाबा

मिथिलाक मुस्लिम लोकनिक बीच प्रसिद्ध लोकगाथाक नायक।



लालबन बाबा

मिथिलाक चर्मकार जातिक लोकदेवता।

मिथिलाक मलाह जातिक लोकदेवता।



बंठा चमार

मिथिलाक धोबि जातिक लोकदेवता।



कारिख पजियार



लोरिक



राय रणपाल



अयाची मिश्र

पन्द्रहम शताब्दीक भवनाथ मिश्र बड पैघ नैय्यायिक छलाह आ कहियो ककरोसँ कोनो वस्तुक याचना नहि कएलन्हि, ताहि लेल सभ हुनका अयाची मिश्र कहए लगलन्हि।



शंकर मिश्र

"बालोऽहं जगदानन्द न मे बाला सरस्वती। अपूर्णे पंचमे वर्षे वर्णयामि जगत्त्रयम् ॥" क वक्ता। पन्द्रहम शताब्दीमे भवनाथ मिश्रक घरमे मधुबनी जिलाक सरिसव ग्राममे शंकर मिश्रक जन्म भेल। शंकर मिश्र महाराज भैरव सिंहक कनिष्ठ पुत्र राजा पुरुषोत्तमदेवक आश्रित छलाह। एकर वर्णन रसार्णव ग्रंथमे भेटैत अछि। शंकर मिश्र कवि, नाटककार, धर्मशास्त्री आ न्याय-वैशेषिकक व्याख्याकार रहथि। शंकर मिश्र ग्रंथावली- १. गौरी दिगम्बर प्रहसन २. कृष्ण विनोद नाटक ३. मनोभवपराभव



पक्षधर मिश्र

विद्यापतिक समकालीन जयदेव मिश्र, जे अपन अकाट्य तर्कक कारण पक्षधर मिश्रक नामसँ जानल गेलाह।



मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)

मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (विद्यापतिक चित्र: विदेह चित्रकला सम्मानसँ पुरस्कृत पनकलाल मण्डल द्वारा)

कवीश्वर ज्योतिरीश्वर (लगभग १२७५-१३५०)सँ पूर्व (कारण ज्योतिरीश्वरक ग्रंथमे हिनक चर्च अछि), मैथिलीक आदि कवि संस्कृत आ अवहट्टक विद्यापति ठक्कुरसँ भिन्न। सम्भवतः बिस्फी गामक बाबूर कास्टक श्री महेश ठाकुरक पुत्र। समानान्तर परम्पराक बिदापत नाचमें विद्यापति पदावलीक (ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वसँ) नृत्य-अभिनय होइत अछि। ज्योतिरीश्वर पूर्व विद्यापति:- कश्मीरक अभिनव गुप्त (दशम शताब्दीक अन्त आ एगारहम शताब्दीक प्रारम्भ)- ग्रन्थ ईश्वर प्रत्याभिज्ञा- विभर्षिणी मे विद्यापतिक उल्लेख

नाटक४.रसार्णव५.दुर्गा-
टीका६.वादिविनोद७.वैशेषिक सूत्र
पर उपस्कार८.कुसुमांजलि पर
आमोद९.खण्डनखण्ड-खाद्य टीका
१०.छन्दोगाह्निकोद्धार ११.श्राद्ध
प्रदीप १२.प्रायश्चित प्रदीप।



महाराज शिव सिंह

मिथिला नरेश विद्यापतिक
आश्रयदाता ओइनवार वंशक
महाराज शिव सिंह।



उगना महादेव

महादेव विद्यापतिक अहिठाम गीत
सुनबा लेल उगना नोकर बनि रहैत
छलाह।

करै छथि। श्रीधर दासक सदुक्तिकर्णामृत, (रचना
११ फरबरी १२०६, मध्यकालीन मिथिला, वि.कु.
ठाकुर)- श्रीधर दास विद्यापतिक पाँच टा पद उद्धृत
केने छथि जे विद्यापतिक पदावलीक भाषा छी।

◆जाव न मालतो कर परगास

तावे न ताहि मधुकर विलास।◆ आ

◆मुन्दला मुकुल कतय मकरन्द◆

ज्योतिरीश्वर (१२७५-१३५०) षष्ठः
कल्लोल- ॥अथ विद्यावन्त वर्णना॥ अष्टमः
कल्लोलः- ॥अथ राज्य वर्णना॥ मे उल्लेख।



महाकवि विद्यापति ठाकुर 1350-1435

(मैथिलीक आदि कवि ज्योति
रीश्वर-

पूर्व विद्यापतिसँ भिन्न, संस्कृत
आ अवहट्टमे लेखन)

महाकवि विद्यापति ठाकुर 1350-1435

विद्यापति ठाकुर: 1350-1435 विषएवार
बिस्फी-काश्यप (राजा शिवसिंहक दरबारी) आ
संस्कृत आ अवहट्ट लेखक। कीर्तिलता,
कीर्तिपताका, पुरुष परीक्षा, गोरक्षविजय,
लिखनावली आदि ग्रंथ समेत विपुल संख्यामे
कालजयी रचना। ई मैथिलीक आदिकवि विद्यापति
(ज्योतिरीश्वर पूर्व)सँ भिन्न छथि।

(चित्रक आधार मिथिला सांस्कृतिक परिषद,
कोलकाता द्वारा कोनो कलाकारसँ बनबाओल ,
कलाकारक नाम ६०-७० सालसँ अज्ञात कारणसँ
गुप्त राखल गेल अछि।)



शंकरदेव 1449- 1569

पारिजातहरण।

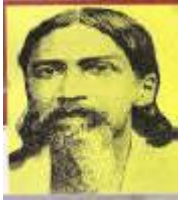


जगज्ज्योतिर्मल्ल १६१३- ३७

हरगौरी विवाह नाटक, कुञ्ज विहार
नाटक।



सुनीति कुमार चटर्जी मैथिली प्रेमी 1890-1977



अरविन्द घोष मैथिली प्रेमी 1872-1950

विद्यापति गीतक अंग्रेजीमे अनुवाद



डॉ. सर आशुतोष मुखर्जी मैथिली प्रेमी 1864-1924



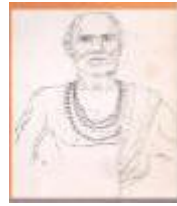
सर जी. ए. ग्रायर्सन मैथिली प्रेमी 1851-1941



कवि चन्दा झा 1831-1907

मूलनाम चन्द्रनाथ झा, ग्राम- पिण्डारुछ, दरभंगा। कवीश्वर, कविचन्द्र नामसँ विभूषित। ग्रिएर्सनकेँ मैथिलीक प्रसंगमे मुख्य सहायता केनिहार।

कृति- मिथिला भाषा रामायण, गीति-सुधा, महेशवाणी संग्रह, चन्द्र पदावली, लक्ष्मीश्वर विलास, अहिल्याचरित आऽ विद्यापति रचित संस्कृत पुरुष-परीक्षाक गद्य-पद्यमय अनुवाद।



महाकवि लालदास 1856-1921

हिनक जन्म खड़ौआ ग्राममे १८५६ ई. मे तथा मृत्यु १९२१ ई. मे भेलन्हि । हिनक अनेक रचना उपलब्ध होइत अछि, यथा रमेश्वर चरित रामायण, स्त्री शिक्षा, सावित्री-सत्यवान, चण्डी चरित, विरुदावली, दुर्गा सप्तशती, तन्त्रोक्त मिथिला माहात्म्य आदि । मैथिलीक अतिरिक्त ई संस्कृत, हिन्दी तथा फारसीक ज्ञाता छलाह । कविताक अतिरिक्त गद्यमे सेहो ई रचना कएल । रमेश्वर चरित रामायण हिनक सभसँ विशिष्ट ग्रन्थ अछि । राम-कथाक उल्लेखमे सीताक महिमाक महत्त्व दए मिथिला तथा मैथिलीक प्रति ई अपन श्रद्धा तथा भक्तिकेँ व्यक्त कएल अछि ।



म. म. परमेश्वर झा 1856-1924

जन्म 1856 ई. मे तरौनी ग्राम (दरभंगा) जिलामे भेल छलन्हि तथा निधन 1924 ई. मे । संस्कृत व्याकरणक ई दिग्गज विद्वान् छलाह तथा वैयाकरण केशरीक उपाधिसँ विभूषित छलाह । मैथिली साहित्यमे अपन कृति मिथिलातत्त्व विमर्श तथा सीमंतिनी आख्यायिकाक कारणे महत्त्वपूर्ण स्थान रखैत छथि । ई महाराज रमेश्वर सिंहक दरवारमे राज-पंडितक पदपर अनेको वर्ष धरि सुप्रतिष्ठित छलाह ।



अवध बिहारी प्रसाद शाही 1859-1929



सर्वतंत्र स्वतंत्र बच्चा झा 1860-1921

मधुबनी जिलांतर्गत लवाणी(नवानी) गाममे हिनकर जन्म भेलन्हि।हिनक कृति सभ अछि। 1. सुलोचन-माधव चम्पू काव्य, 2.न्यायवार्तिक तात्पर्य व्याख्यान, 3.गुढार्थ तत्त्वलोक(श्री मदभागवतगीता व्याख्याभूत मधुसूदनी टीका पर) 4.व्याप्तिपंचक टीका 5.अवच्छदकत्व निरुक्ति



म. म. शशिनाथ झा 1860-1930

विवेचन 6.सव्यभिचार टिप्पण 7.सतप्रतिपक्ष
टिप्पण 8.व्याप्तनुगन विवेचन 9.सिद्धांत लक्षण
विवेक 10.व्युत्पत्तिवाद गूढार्थ
तत्वालोक 11.शक्तिवाद टिप्पण 12.खण्डन-खण्ड
खाद्य टिप्पण 13.अद्वैत सिद्धि चन्द्रिका
टिप्पण 14.कुकुकाञ्जलि प्रकाश टिप्पण।



मुंशी रघुनन्दन दास 1860-
1945

गाम-सखबार, ज़िला-मधुबनी। "मिथिला
नाटक" आ "दूतांगद व्यायोग"क लेखक।



मधुसूदन ओझा 1866-
1939



म.म. मुरलीधर झा १८६८-
१९२९

जन्म- गाम- भराम (जिला मधुबनी), अपन
मातृक श्यामसीधपमे बसि गेलाह। काशीसँ
१९०६ ई. मे ई "मिथिलामोद" नामक
मासिक मैथिली पत्रिकाक प्रकाशन शुरु
केलन्हि। हितोपदेश (अनुवाद), मैथिली
व्याकरण, "अर्जुन तपस्या" (उपन्यास)
प्रकाशित।



मुकुन्द झा "बख्शी"
1869-1936

जन्म हरिपुर बख्शी टोल ग्राम
(मधुबनी जिला) मे 1869 ई. मे
भेल तथा हिनक निधन
काशीमे 1937 ई. मे भेलन्हि ।
हिनक लिखल संस्कृत मे अनेक
ग्रंथ अछि । मैथिलीमे हिनक
महत्त्वपूर्ण कृति अछि **मिथिला
भाषामय इतिहास**। एकर
अतिरिक्त मैथिलीमे हिनक स्फुट
निबन्ध सभ सेहो प्रकाशित भेल ।
मिथिलाक ऐतिहासिक वर्णन
सभसँ पहिने हिनके प्रकाशित भेल
। एहि इतिहासमे मिथिलाक
सर्वतोमुखी परिचय प्रस्तुत कएल
गेल अछि ।



डॉ. सर गंगानाथ झा 1871-
1941

जन्म मधुबनी जिलाक सरिसब-पाही
ग्राममे 1871 ई. मे भेल तथा निधन
प्रयागमे 1941 ई. मे । ई अपना समयक
संस्कृतक प्रकाण्ड विद्वान म. म. चित्रधर
मिश्र, म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म.
शिवकुमार शास्त्रीसँ मीमांसा एवं दर्शनक
अध्ययन कएलन्हि तथा दर्शनक विभिन्न दुरूह
ग्रंथक अडरेजीमे अनुवाद कए पाश्चात्य
संसारक ध्यान आकृष्ट कएलन्हि । ई गवर्नमेन्ट
संस्कृत कॉलेज
बनारसमे 1917 सँ 1923 धरि प्रिंसिपल
छलाह तथा एलाहाबाद
विश्वविद्यालयक 1923 सँ 1932 पर्यन्त
कुलपति रहलाह । मैथिलीमे हिनक सम्पादित
चन्दा झाक **महेशवाणी
संग्रह** तथा **गणनाथ-विन्ध्यनाथ
पदावली** प्रकाशित अछि । मैथिली साहित्य
परिषद् द्वारा प्रकाशित हिनक **वेदान्त
दीपक** (दर्शन) विषयक अपूर्व ग्रंथ अछि ।
एहिसँ भिन्न हिनक निबंध सभ सामयिक
मैथिली पत्त-पत्तिकामे प्रकाशित अछि ।



जनार्दन झा जनसीदन 1872-
1951



रासबिहारी लालदास 1872-1940

"मिथिला दर्पण" क लेखक।



रामचन्द्र मिश्र "चन्द्र"
1873-
1937 मैथिल प्रभा



महावैय्याकरणाचार्य पं दीनब
न्धु झा 1878-1955



भवनाथ मिश्र 1879-1933

मैथिली शब्दकोष "मिथिला शब्द प्रकाश" क लेखक।



कीर्त्यानन्द सिंह



टंकनाथ चौधरी 1884-1928



भवप्रीतानन्द ओझा 1886-1970



कपिलेश्वर मिश्र 1887-1987

गाम सलेमपुर, थाना-
उजियारपुर, जिला
समस्तीपुर। ❖सीतादाइ❖ पुस्तक
भंडारसँ प्रकाशित।



बालकृष्ण मिश्र 1888-1948



बलदेव मिश्र 1890-1975



आचार्य रामलोचन शरण 1889-1971



सीताराम झा 1891-1975

हिनक जन्म सहरसा जिलाक वनगँव ग्राममे 1890 ई. मे एवं निधन फरवरी, 1975मे भेलन्हि । प्रारम्भमे पं. गेनालाल चौधरीसँ ज्योतिष पढ़ि ई काशीमे पं. सुधाकर द्विवेदीजीक शिष्य भेलाह । बहुत वर्ष धरि सरस्वती भवन (वाराणसी) मे हस्तलिखित विभागमे कार्य कएल । पश्चात् पटनाक काशीप्रसाद जयसवाल रिसर्च संस्थानमे अनेक प्राचीन तिब्बती हस्तलिपिकें देवनारीमे लिप्यन्तरित कएल । मिथिलामोदक प्रकाशन एवं म.म. मुरलीधर झाक प्रोत्साहनसँ ज्योतिषीजी १९१० ई.सँ मोदकमे लिखए लगलाह । हिनक प्रकाशित रचना अछि रामायण शिक्षा, चन्दा झा, संस्कृति, भारत शिक्षा, गप्प-सप्प विवेक, समाज आदि । पण्डितजी यावत् धरि पटना रहलाह बराबर मिहिरमे लिखैत रहलाह ।



ताराचरण झा 1892-1928

सीतामढ़ीमे जन्म आ दरभंगामे मृत्यु। "मैथिली रामचरित मानस" सहित तुलसीदासक समस्त रचनाक मैथिलीमे लेखन। मिथिलाक्षरमे मैथिलीक प्रकाशनक प्रारम्भ केनिहार। प्रकाशन संस्था "पुस्तक भण्डार", लहेरियासराय, पटनाक संस्थापक।



बद्रीनाथ झा 1893-1973

जन्म मधुबनी जिलाक सरिसव ग्राममे १८९३ ई. मे भेलन्हि तथा १९१४ ई. मे ई काशी लाभ कएलन्हि । बहुत दिन धरि ई मुजफ्फरपुरक धर्म समाज संस्कृत कॉलेजमे साहित्यक अध्यापक छलाह । मैथिलीक विख्यात कवि लोकनि यथा सुमनजी, मधुपजी, मोहनजी आदि हिनक शिष्य छथिन्ह । संस्कृत साहित्यमे हिनक अनेक रचना अछि । जाहिमे राधा परिणय (महाकाव्य) क स्थान विशिष्ट अछि । मैथिलीमे हिनक एकावली परिणय (महाकाव्य) एक नवीन कीर्तिमान स्थापित कएलक। कोनो अलंकारक दृष्टान्त तकबाक हेतु एकावली परिणय पर्याप्त अछि ।

जन्म चौगामा ग्राममे १८९१ ई.मे तथा निधन १९७५ ई. मे भेलन्हि । संस्कृतमे ज्योतिष शास्त्रक अनेक रचनाक अतिरिक्त मैथिलीमे हिनक अम्ब चरित (महाकाव्य), सूक्ति सुधा, लोक लक्षण, पट्टुआचरित, पूर्वापर व्यवहार, उनटा बसात, अलंकार दर्पण, भूकम्प वर्णन, काव्य षट-रस, मैथिली काव्योपवन, आदि ग्रन्थ उपलब्ध अछि । हिनक गीताक मैथिली अनुवाद सेहो उपलब्ध अछि । मिथिला मोदक सम्पादन १९२० ई.सँ १९२७ ई. धरि ई कएल ।



जीवनाथ राय 1893-1964



उमेश मिश्र 1895-1967

जन्म मधुबनी जिलाक गजहरा ग्राममे 1895 ई. मे भेल छलन्हि । ई एकहतरि वर्षक आयुमे १९६७ ई. मे प्रयागमे स्वर्गवासी भेलाह । ई अपन स्वनाम-धन्य पिता म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म. डा. गंगानाथ झाक सान्निध्यमे विद्यार्जन कएल। १९२३ सँ १९५९ धरि मिश्रजी एलाहाबाद विश्वविद्यालयमे संस्कृतक प्राध्यापक छलाह । दरभंगा मिथिला शोध संस्थानक निदेशक पदपर किछु समय कार्य कए १९६२ सँ ६५ धरि कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालयक कुलपति रहलाह ।म. म. मुरलीधर झासँ प्रभावित भए मिथिलामोदमे ई लिखब प्रारम्भ कएलन्हि तथा अपन विविध प्रकारक रचनासँ मैथिलीक गद्यकेँ समृद्ध कएलन्हि । मैथिलीमे हिनक प्रसिद्ध ग्रन्थ अछि कमला (शेक्सपीयरक टेम्पेस्टक भावानुवाद), नलोपाख्यान, मैथिली-संस्कृति तथा अनेक वर्णनात्मक एवं आलोचनात्मक निबन्ध; मनबोधक कृष्णजन्मक सम्पादन, विद्यापतिक कीर्तिलता, कीर्तिपताका, गोरक्ष विजय आदिक अनुवाद-सम्पादन सेहो कएल।



बाबू धनुषधारी दास 1895-1965

मैथिलीमे बिहारी कविक अनुवाद प्रकाशित।



अमरनाथ झा 1897-1955

सरिसब पाहीटोल ग्राममे १८९७ ई. मे भेल । हिनक निधन पटनामे जखन ई बिहार लोक सेवा आयोगक अध्यक्ष छलाह, १९५५ मे भेलन्हि । ई एलाहाबाद विश्वविद्यालयक नओ वर्ष धरि कुलपति रहि पश्चात् हिन्दू विश्वविद्यालयक सेहो कुलपतिक पदकेँ सुशोभित कएलन्हि । ई अंगरेजीक प्रकाण्ड विद्वान् छलाह, ताहि संग हिन्दी, उर्दू, फारसी, संस्कृत, बडला एवं मैथिलीक सेहो अद्भुत विद्वान् छलाह ।मैथिलीमे हिनका द्वारा सम्पादित हर्षनाथ काव्य ग्रन्थावली तथा गोविन्ददासक श्रृङ्गारभजन महत्त्वपूर्ण अछि । एहिसँ भिन्न हिनक मैथिली साहित्य परिषदक अध्यक्षीय भाषण तथा अन्य लेख प्रकाशित अछि ।



भोलालाल दास 1897-1977

हिनक जन्म दरभंगा जिलाक कसरौर मे भेलन्हि । साहित्य सर्जनाक अतिरिक्त अपन संगठन क्षमता तथा मैथिली साहित्यक सर्वतोमुखी विकासक हेतु सतत तत्पर रहबाक कारणेँ भोला बाबू मैथिली संसारक एक स्तम्भक रूपमे रहलाह ।हिनक निधन 1977 ई. मे भेल । मैथिलीक प्रचार-प्रसारमे ई अपन



कुमार गंगानन्द सिंह 1898-1971

जन्म बनैली राजपरिवारमे 24-9-1898, मृत्यु:-श्रीनगर पूर्णिजा 17-1-1970 । भूतपूर्व शिक्षामन्त्री, बिहार एवं कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय ।रचना अगिलही (अपूर्ण उपन्यास) तथा अनेक कथा एवं एकांकी । युगक अनुरूप सामाजिक कुरीति आदिकेँ



ब्रजमोहन ठाकुर 1899-1977

जीवन समर्पित कएने छलाह। पाठ्यक्रममे मैथिलीकेँ स्थान हो ताहि हेतु ई बीड़ा उठओलन्हि। विद्यालय स्तरक अनेक पोथीक निर्माण कएल। मैथिली साहित्य परिषदक ई संस्थापक मण्डलक सदस्य छलाह। 1931 सँ 1940 ई. पर्यन्त ओकर प्रधान मन्त्री रहलाह। हिनक मन्त्रित्वकालमे **भारती** नामक मासिक पत्रक प्रकाशन भेल। एहिसेँ पूर्व (१९२९-३१) कुशेश्वर कुमारजीक संग संयुक्त सम्पादनमे **मिथिला** नामक पत्र चलाओल। ई नवीन एवं प्रगतिशील विचारक लोक छलाह। ननव लेखककेँ प्रोत्साहित करब, शैलीमे एकरूपता आनब, नव प्रकाशनसँ मैथिलीक साहित्य भंडारक पूर्ति करब हिनक कर्तव्य बनि गेल छल। हिनक लिखल **मैथिली व्याकरण** तथा हिनकहि द्वारा सम्पादित **गद्यकुसुमांजलि** बहुत दिन धरि विद्यालयमे पढ़ाओल जाइत रहल। हिनक लिखल अनेक निबन्ध समालोचना, कविता, संस्मरण, जीवनी-साहित्य मैथिलीक पत्र-पत्रिकामे छिड़िआएल अछि।

आधार बनाए सुधारवादी दृष्टि कथा सभहिक रचना।



भुवनेश्वर प्रसाद 1902-

दरभंगा जिलाक बनौली गाम, निवास रायसाहेब पोखरि लहेरियासराय। सरस्वती स्कूल लहेरियासरायमे १९३०-१९६४ ई. धरि अध्यापन। मैथिलीमे "बाल रामायण" प्रकाशित।



जयनारायण झा 'विनीत' 1902-1991



नरेन्द्र नाथ दास विद्यालंकार १ ९०४-१९९३



सुधाकर झा "शास्त्री" 1904-1974



दामोदर लाल दास विशारद 1904-1981



बबुआजी झा 'अज्ञात' 1904-1996

२००१- बबुआजी झा **अज्ञात** (प्रतिज्ञा पाण्डव, महाकाव्य) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



श्रीवल्लभ झा हाटी 1905-1940



रमानाथ झा 1906-1971

जन्म दरभंगा जिलाक उजान (धर्मपुर) ग्राममे 1906 ई. मे एवं हिनक निधन दरभंगामे १९७१ ई. मे भेलन्हि । 1930 ई. मे अडरेजीमे एम. ए. कएलाक बाद ई कतोक वर्ष धरि मधेपुर उच्च विद्यालयक प्रधानाध्यापक छलाह, तकरा बाद दरभंगा-राज-लाइब्रेरीक पुस्तकालयाध्यक्षक रूपमे 1936 सँ अन्तिम समय धरि रहलाह । 1952 सँ 62 चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे प्रो. झा अडरेजीक प्राध्यापक रूपेँ काजका पश्चात् ओही कॉलेजमे मैथिली विभागाध्यक्ष बनाओल गेलाह । 1965 मे रमानाथ बाबू साहित्य अकादमीक मैथिलीक प्रतिनिधि निर्वाचित भेलाह जाहि पद पर ओ जीवनक अन्त समय तक रहलाह ।

हिनक रचनाक क्षेत्र बहुत व्यापक छल । हिनक अनुसंधानात्मक निबन्धक संग्रह निबन्धमाला तथा प्रबंध संग्रह प्रकाशित अछि । संकलित सम्पादित पुस्तक सभमे मैथिली पद्य-संग्रह, मैथिली गद्य-संग्रह, प्राचीन गीत, कथा काव्य, नवीन गीत, कविता कुसुम, कथा संग्रह आदि अछि । कथासरित्सागरक आधार पर प्राञ्जल गद्य शैलीमे हिनक उदयन-कथा तथा बररुचि-कथा बेश ख्याति पओलक । व्याकरणक मिथिला भाषा प्रकाश, अलकडारप्रवेश आदि अनेक ग्रन्थ प्रकाशित अछि । मैथिली साहित्य पत्र त्रैमासिक पत्रिकाक संपादक ।



काशीकान्त मिश्र "मधुप" 1906-1987

१९७०- काशीकान्त मिश्र मधुप (राधा विरह, महाकाव्य) पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त मैथिलीक प्रशस्त कवि आ मैथिलीक प्रचार-प्रसारक समर्पित कार्यकर्ता झंकारक कवितासँ क्रान्ति गीतक आह्वान कएलनि । प्रकृति प्रेमक विलक्षण कवि । घसल अठन्नी कविताक लेल कथ आ शिल्प-संवेदना दुहु स्तर पर चरम लोकप्रियता भेटलनि ।



मेही दास



लक्ष्मीनाथ गोसाई 1793-1872



अभिराम दास

मिथिलाक प्रसिद्ध भागवत वाचक।

धरहरा कोठी बनमनखी असली
नाम रामानुग्रहलाल
दास आश्रम मायामोहल्ला, कुप्पाघाट, भागलपुर



स्नेहलता 1909-1993

गाम- डरोड़ी, समस्तीपुर। पूर्ण नाम- कपिलदेव ठाकुर "स्नेहलता"। रामाश्रयी रसिक सम्प्रदायक संत। हिनकर रचित वैदेही विवाह संकीर्तन, विनय पदावली, शिववाणी, चेतावनी, झूला-संकीर्तन, सीतावतरण प्रबन्धकाव्य आ स्नेहशतक- दोहावली-कवित आदि मिथिलाक महिला वर्ग आ संकीर्तनकार लोकनिक कंठमे परिव्याप्त अछि आ लोकमंगलक अनुष्ठानमे व्यापक रूपेँ व्यवहृत अछि। हिनक "वैदेही विवाह" मिथिलाक कीर्तनिया नाट्य परम्पराकेँ लोकरुचिक अनुकूल बनौने अछि।

बुचन भगत, संत 1928-1991



स्वतंत्रता सेनानी
स्व. रामफल मण्डल



सुन्दर झा "शास्त्री"
1930-1998

जनकपुर, नेपाल, युवावस्थाक जेलक दुर्लभ फोटो।नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक मानद सदस्यता- स्व. सुन्दर झा शास्त्री।



काञ्चीनाथ झा "किरण"
1906-1988

जन्म स्थान-धर्मपुर,लोहना रोड, दरभंगा बिहार । मैथिली भाषा आंदोलनमे महत्वपूर्ण भूमिका। ❖पराशर❖ महाकाव्य लेल साहित्य अकादमी ओ ❖कथा किरण❖ लेल वैदेही पुरस्कारसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: चंद्रग्रहण (उपन्यास), वीर-प्रसून (बालकथा), जय जन्मभूमि (एकांकी), विजेता विद्यापति (नाटक), कथा-किरण (कथा-संग्रह), किरण-कवितावली, कतेक दिनक बाद (कविता-संग्रह), पराशर (महाकाव्य) ओ किरण-निबंधावली (निबंध-संग्रह) आदि। १९८९- काञ्चीनाथ झा ❖किरण❖ (पराशर, महाकाव्य)पर



श्यामानन्द झा 1906-1949



मैथिलीमे रामका

रमाकांत झा, नेपाल 1907-1971

मैथिली मे साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



ईशनाथ झा 1907-1965

बहुमुखी प्रतिभाक कवि । प्राचीन आ नवीन पद्धतिक काव्य-रचनाक विलक्षण संयोग हिनकर कवितामे भेटैत अछि । दलित वर्ग, शोषणक समस्या, स्वदेश प्रेमक यथार्थवादी रचनाक संग संग व्यक्तिनिष्ठ कल्पनाक अनेक विशिष्ट कविता मैथिलीमे लिखलनि ।



भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'
1907-1944

अपन खाड़ीक बहुमुखी प्रतिभाक कवि । प्राचीन आ नवीन रीतिक कविताक रचना विपुल संख्यामे कएलनि । भुवन भारती कविता संकलन प्रकाशनसँ मैथिली ओज आ नव चेतनाक शंख फुकलनि ।



हरिमोहन झा 1908-1984

हिनकर मैथिली कृति १९३३ मे कन्यादान (उपन्यास), १९४३ मे "द्विरागमन" (उपन्यास), १९४५ मे प्रणम्य देवता (कथा-संग्रह), १९४९ मे रंगशाला (कथा-संग्रह), १९६० मे चर्चरी (कथा-संग्रह) आऽ १९४८ ई. मे खट्टर ककाक तरंग (व्यंग्य) अछि। मृत्योपरांत १९८५मे (जीवन यात्रा, आत्मकथा)पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



कालीकान्त झा 1909-

मूल गाम ढंगा (हरिपुर), मधुबनी। फेर मातृक बरदबट्टा, पो. उरलाहा, भाया-मदनपुर, जिला-पूर्णियामे बसि गेलाह। सतघरा (मधुबनी), मदनपुर आ काशीमे पाणिनी व्याकरणक अध्ययन। "हनुमान चरित"क लेखक।



तंत्रनाथ झा 1909-1984

जन्म १९०९ ई.मे दरभंगा जिलाक धर्मपुर ग्राममे भेलन्हि मुत्यु ४-५-८४, चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे अर्थशास्त्रक प्राध्यापक छलाह । अवकाश ग्रहण क काव्य साधनामे लागल रहलाह । महाकाव्य, मुक्तक, एकांकी सभ विधामे ई सिद्ध हस्त छलाह । हिनक कीचक वंश महाकाव्य अडरेजीक ब्लैकड भर्स (अमिताक्षर छन्द) म लिखल अछि । मैथिलीमे सौनेट एवं ब्लैकड भर्सक ई प्रथम प्रयोक्ता थिकाह । संस्कृत परम्परामे काव्य रचना करितहुँ पाश्चात्य शैलीक नवीनता हिनका रचनामे भेल । हिनक कीचक वंश ओ कृष्ण चरित महाकाव्य मङ्गल-पञ्चाशिका एवं नमस्या मैथिली साहित्यमे अपन विशिष्ट स्थान रखैछ । तकर अतिरिक्त मुक्तक काव्यमे विषय वस्तुक व्यापकता एवं शिल्प शैलिक प्रचुरता अबैत अछि । एक दिश यदि प्राचीन ढंगक ईश्वर वन्दनाक रचना कएलन्हि तँ दोसर दिस सौनेट (चतुर्दशपदी) ब्लैकड आदि लिखबामे पूर्ण सफलता प्राप्त कएलन्हि । कृष्ण चरित महाकाव्य पर



जीवनाथ झा 1910-1977



सुरेन्द्र झा 'सुमन' 1910-2002

जन्म: ग्राम : बल्लीपुर, जिला-समस्तीपुर ।
प्रकाशित कृति: प्रतिपदा, अर्चना, साओन-
भादव, अंकावली, अन्तर्नाद, पयस्विनी, उत्तरा
आदि तीससे अधिक मौलिक कविता-
पुस्तक; पुरुष-परीक्षा, अनुगीतांजलि, ऋतु
श्रृंगार तथा वर्णरत्नाकर, पारिजात-
हरण, कृष्णजन्म, आनन्द-विजय आदि
कतिपय ग्रन्थक अनुवाद-संपादन; **मैथिली**
काव्य पर संस्कृतक प्रभाव नामक समीक्षा-
ग्रंथ। **पयस्विनी** लेल १९७१ मे साहित्य
अकादेमी पुरस्कार तथा **उत्तरा** पर
१९१८ मे मैथिली अकादेमीक विद्यापति
पुरस्कार प्राप्त । मैथिलीक प्रथम दैनिक
पत्र **स्वदेश**क लब्धप्रतिष्ठ
सम्पादक। १९९५- सुरेन्द्र झा **सुमन**
(रवीन्द्र नाटकावली- रवीन्द्रनाथ
टैगोर, बांग्ला) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली
अनुवाद पुरस्कार। २००० ई.- पं. सुरेन्द्र
झा **सुमन**, दरभंगा; यात्री-चेतना
पुरस्कार।

हिनका 1979 ई क साहित्यक अकादमी
पुरस्कार भेटलन्हि । 1980 ई. मे हिनका
अभिनन्दन ग्रन्थसमर्पित कएल गेलन्हि ।



पं. रामचन्द्र झा 1910-

गाम तरौनी। काशी मिथिला
ग्रन्थमालाक सम्पादक।



'नागार्जुन' वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'
1911-1998

जन्म अपन मामागाम सतलखामे भेलन्हि, जे हुनकर
गाम तरौनीक समीपहिमे अछि, जिला-दरभंगा । मूल
नाम: वैद्यनाथ मिश्र । हिन्दीमे नागार्जुन नामे प्रख्यात
। प्रकाशित कृति: चित्रा, पत्रहीन नग्न गाछ (मैथिली
कविता-संग्रह); पारो, बलचनमा, नवतुरिया (मैथिली
उपन्यास); युगधारा, सतरंगे पंखोंवाली, प्यासी
पथराई आंखें, खिचड़ी विप्लव देखा हमने, तुमने कहा
था, हजार हजार बाहो वाली, पुरानी जूतियो का
कोरस, रत्नगर्भा, ऐसे भी हम क्या ! ऐसे भी तुम क्या
! (हिन्दी कविता-संग्रह); रतिनाथ की
चाची, बलचनमा, नई पौध, बाबा बटेसरनाथ, वरुण
के
बेटे, दुखमोचन, कुम्भीपाक, अभिनन्दन, उग्रतारा, इ
मरतिया (हिन्दी उपन्यास); आसमान में चन्दा तैरे
(कहानी संग्रह); भस्मांकुर (हिन्दी खण्ड



आरसीप्रसाद सिंह 1911-1996

जन्म: ग्राम-प्ररौत, जिला-समस्तीपुर ।
प्रकाशित कृति: माटिक दीप, पूजाक
फूल, सूर्यमुखी (कविता-संग्रह), मेघदूत
(अनुवाद), आरसी, नन्ददास, संजीवनी (हिन्दी
काव्य संग्रह)। **सूर्यमुखी** लेल १९८४ मे
साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त ।



गुरु जयदेव मिश्र 1911-1991 शिष्य गंगानाथ झा

काव्य); अन्नहीनम् क्रियाहीनम् (निबन्ध-संग्रह); गीत गोविन्द; मेघदूत; विद्यापति के गीत, विद्यापति की कहानियां (अनुवाद) । पत्रहीन नग्न गाछ लेल १९६८ मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त । यायावरी जीवन । मैथिली प्रतिनिधिक रूपमे रूस भ्रमण । नागार्जुन (स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र यात्री), हिन्दी आ मैथिली कवि, १९९४ ई.मे साहित्य अकादेमीक फेलो (भारत देशक सर्वोच्च साहित्यक पुरस्कार)।



यशोधर झा

मिथिला वैभव, दर्शन मैथिली पोथीपर 1966 मे पहिल साहित्य अकादमी पुरस्कार मैथिली लेल प्राप्त।



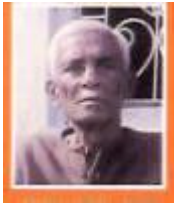
वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' 1912-1987

१९७६- वैद्यनाथ मल्लिक विधु (सीतायन, महाकाव्य) लेल मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कार।



भीम झा 1912-

पूरुणिया जिलाक मदनपुर गामक। जन्म ५ नवम्बर १९१२ ई.। बनैलीक श्री श्यामानन्द सिंहक अध्यक्षतामे नारायण संकीर्तन महामण्डलीक स्थापना।



राधानाथ दास १९१२-



उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' 1913-1980

जन्म १९१३ ई. मे दरभंगा जिलाक चतरिया ग्राममे भेलन्हि । मृत्यु २४-५-१९८० । संस्कृत शिक्षामे साहित्याचार्य ओ बड़ौदा राजक विद्वत्-परीक्षासँ साहित्य-रत्नक उपाधिसँ विभूषित भेलाह । दैनिक आर्यावर्तमे आदिअहिसँ, पश्चात् १९६० सँ मिथिला मिहिरक उप-सम्पादक एवं सह-सम्पादक रूपेँ कार्य करैत १९७७ मे सेवा निवृत्त भेलाह । मोहनजी करीब पचास वर्ष साहित्य साधनामे लागल रहलाह । विजयानन्द, कुंजरंजन, सुदर्शन, पुण्डरीक, शास्त्री, बामन आदि छद्म नामसँ पल्ल-पल्लिकामे विविध विषयपर हिनक लेख सभ प्रकाशित भेल अछि । मोहन जीक बाजि उठल मुरलीमे १०१ गोट कविताक संकलन अछि जाहिमे हिनक सुदीर्घ काव्य-आराधनाक विभिन्न विचारधाराक ओ विभिन्न अनुभूतिक सामग्री उपलब्ध अछि । एहि पुस्तकपर मोहनजीकेँ १९७८ मे साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटलन्हि । एहिसँ बहुत पूर्व हिनक फुलडाली नामक कविता संग्रह सेहो प्रकाशित भेल छल ।



जयनाथ मिश्र 1913- 1985



श्रीकांत ठाकुर "विद्यालंकार"



पञ्जीकार मोदानन्द झा 1914-1998

लब्ध धौत पञ्जीशास्त्र मार्त्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया। पिता-स्व. श्री भिखिया झा। गुरु- पञ्जीकार भिखिया झा। पूर्णिया जिलाक बनैली लगक शिवनगर गामक। जन्म २२ सितम्बर १९१४ ई.।सौराठमे अपन मौसा स्व. लूटनझा से पञ्जीशास्त्रक अध्ययन। १९४८-१९५१ ई. धरि दरभंगामे रहि आचार्य रमानाथ झाकेँ पाँजि पढ़ओलनि।शास्त्रार्थ परीक्षा- दरभंगा महाराज कुमार जीवेश्वर सिंहक यज्ञोपवीत संस्कारक अवसर पर महाराजाधिराज(दरभंगा) कामेश्वर सिंह द्वारा आयोजित परीक्षा-1937 ई. जाहिमे मौखिक परीक्षाक मुख्य परीक्षक म.म. डॉ. सर गंगानाथ झा छलाह।



आनन्द झा 1914-1988



टोव्यो हासेगावा, निदेशक मिथिला म्यूजियम, निगाटा



माँगनि खबास 1908-1943 संगीतज्ञ

पचगछियामे जन्म आ अल्प बएसमे मृत्यु। पचगछियाक रायबहादुर लक्ष्मीनारायण सिंहक शिष्य।



रामाश्रय झा 'रामरंग' अभिनव भातखण्डे 1928-2009

जन्म ११ अगस्त १९२८ ई. तदनुसारभाद्र कृष्णपक्ष एकादशी तिथिकेँ मधुबनी जिलान्तर्गत खजुरा नामक गाममे भेलन्हि। अभिनव गीतांजलि, हुनकर उच्चकोटिक शास्त्र रचना अछि।मिथिलावासी श्री रामरंग राग तीरभुक्ति, राग वैदेही भैरव, आऽ राग विद्यापति कल्याण केर रचना सेहो कएने छथि आऽ मैथिली भाषामे हिनकर खयाल रंजयति इति रागः केर अनुरूप अछि।



रामचतुर मल्लिक ध्रुपद संगीत 1 905-1990



अभयनारायण मल्लिक



कुमार तारानन्द सिंह, संगीतज्ञ



संगीताचार्य रायबहादुर लक्ष्मीना
रायण सिंह



पंडित परमानन्द चौधरी, संगीतज्ञ



हृदयनारायण झा



संगीत भाष्कर राजकुमार श्यामा
नन्द सिंह १९१६-१९९४



मिथिलेश कुमार झा, तबला वादन



नागेश्वर लाल कर्ण, तबला वाद
क



बाबू साहेब चौधरी 1916-
1998

दरभंगा जिलाक दुलारपुर गामक। १९४३ ई.
मे जीविकार्थ कलकत्ता अप्लाह। नवम
कक्षामे स्वराज्य आन्दोलनमे बाझि कए
शिक्षाक इतिश्री। कलकत्तामे स्थानीत
मैथिल संघमे प्रवेश। कलकत्तामे मैथिली
आर्ट प्रेस. ९/१, खिलत घोष
लेन, कलकत्ता-७००००६ सँ मैथिली-
मिथिला आन्दोलनमे
सक्रिय। ♦कुहेस♦ आ ♦चाणक्य♦ दूटा
नाटक। १९७१-७९ धरि ♦मिथिला
दर्शन♦ आ ♦मैथिली दर्शन♦ मैथिली
मासिकक सम्पादन।



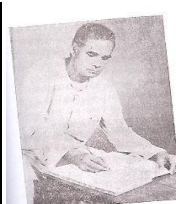
लक्ष्मण (लखन) झा 1916-
2000

मिथिला राज्य अभियानी।



शुद्धदेव झा 'उत्पल'
1916-

गोड्डा जिलाक अलखदत्त-
महेनपुरक निवासी। जन्म १६
अक्टूबर १९१६ ई.।



रामचरित्र पाण्डेय "अणु" १९१७-२०१०



मनमोहन झा 1918-2009

जन्म सरिसबमे, अश्रुकण, वीरभोग्या, मिथिलाक निशापुरमे। २००९- स्व.मनमोहन झा (गंगापुत्र, कथासंग्रह)पर मृत्योपरांत साहित्य अकादमी पुरस्कार।



बुद्धिधारी सिंह रमाकर 1919-1991

जन्म मधुबनीमे 1919 ई. मे भेल । अपन पिता स्व. क्षेमधारी सिंहसँ विभिन्न विषयक शिक्षा ग्रहण कएलन्हि । ई रामकृष्ण कॉलेज, मधुबनीक मैथिली विभागाध्यक्ष छलाह । जतएसँ अवकाश प्राप्त कएलन्हि । बाल्या-वस्थहिसँ ई कविकार्यमे लागल रहलाह अछि । संस्कृत तथा मैथिली दुनू भाषामे हिनक रचना प्रकाशित अछि । यथा-मैथिलीमे प्रयास (कथा-संग्रह), मधुमती, अमरबापू (कविता-संग्रह),

लक्ष्मीनाथ झा मिथिला चित्रकला 1917-1990



ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' 1918-1986

जन्म स्थान-बहेड़ा, दरभंगा बिहार । १९७३- ब्रजकिशोर वर्मा मणिपद्म (नैका बनिजारा, उपन्यास) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित । उपन्यासकार, कथाकार ओ कवि । प्रकाशित कृति: कोब्रागर्ल, कनकी, अर्द्धनारीश्वर, लोरिक विजय, नैका-बनिजारा, लवहरि-कुशहरि, राय रणपाल, आदिम गुलाम आदि उपन्यास ओ कंठहार (नाटक) आदि।



आद्याचरण झा 1920-

उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास' 1917-2002

जन्म स्थान-हरिपुर वकशीटोल, मधुबनी, बिहार । १९६९- उपेन्द्रनाथ झा व्यास (दू पत्र, उपन्यास) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित । साहित्य अकादमीक अनुवाद पुरस्कार प्राप्त । प्रकाशित कृति: कुमार, दू पत्र (उपन्यास), विडंबना, भजना भजले (कथा-संग्रह), पतन संन्यासी, प्रतीक (काव्य), महाभारत (पहिल दू पर्व) आदि।



पं. सहदेव झा १९१९-

"मिथिला की धरोहर" पोथी प्रकाशित।



चन्द्र भानु सिंह 1922-

२००४- चन्द्रभानु सिंह (शकुन्तला, महाकाव्य)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।

शरशय्या (खंड-काव्य) स्मृति साहस्री (महाकाव्य) आदि ।



सुधांशु शेखर चौधरी 1922-1990

जन्म दरभंगाक मिश्रटोलामे 1922 ई. मे भेलन्हि तथा मृत्यु 1990 ई. मे भेलन्हि । किछु दिन विभिन्न जीविकामे रहि पश्चात् साहित्यकारक जीवन प्रारम्भ कएल । किछु दिन बैदेहीक सम्पादन श्री सुमनजी एवं श्री कृष्णाकान्त मिश्रजीक संग कएल तत्पश्चात् 1960 ई. सँ 1982 ई. धरि पटनामे मिथिला मिहिरक सफल सम्पादन कएल । हिनक दू गोट नाट्यकृति- भफाइत चाहक जिनगी, लेटाइत आँचर, तथा पहिल साँझ हिनक नाटकक नीक व्यावहारिक अनुभवक परिचायक अछि । छद्मनामसँ हिनक दू गोट उपन्यास मिहिर मे प्रकाशित भेल अछि । हिनक उपन्यास ई वतहा संसार जे मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित भेल आ जाहि पर 1980 क साहित्य अकादमीक पुरस्कार देल गेल ।



रामकृष्ण झा 'किसुन' 1923-1970

आधुनिक धाराक विशिष्ट कवि, कथाकार, चिन्तक । प्रकाशित कृति: आत्मनेपद (कविता संग्रह), मैथिली नवकविता (सम्पादन)।



गोविन्द झा 1923-

जन्मस्थान- इसहपुर, सरिसब पाही, मधुबनी, बिहार । सिद्ध कथाकार, उपन्यासकार, नाटककार, भाषा वैज्ञानिक ओ अनुवादक। साहित्य अकादेमी पुरस्कार, साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कारसँ सम्मानित। बिहार सरकारसँ कामिल बुल्के पुरस्कार, ग्रियर्सन पुरस्कार आदिसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: उपन्यास, नाटक, कथा, कविता, भाषा विज्ञान आदि विभिन्न विधामे अइतीस टा पोथी प्रकाशित । प्रकाशन: सामाक पौती, नेपाली साहित्यक इतिहास (अनु) आदि । १९९३- गोविन्द झा (सामाक पौती, कथा) पुस्तक लेल सहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । १९९३- गोविन्द झा (नेपाली साहित्यक इतिहास- कुमार प्रधान, अंग्रेजी) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। प्रबोध सम्मान 2006 सँ सम्मानित। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी फेलो पुरस्कार २०१० (समग्र योगदान लेल)



उमानाथ झा 1923-2009

जन्म:-01-01-1923, मृत्यु 07-12-2009 महरैल, भधुबनी । भूतपूर्व अडरेजी विभागाध्यक्ष एवं प्रति-कुलपति मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा । रचना:- रेखाचित्र, अतीत (कथा संग्रह); मैथिली नवीन साहित्य, इन्द्र धनुष, विद्यापति गीतशती (सम्पादन)। १९८७- उमानाथ झा (अतीत, कथा) पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



योगानन्द झा 1923-1986

हिनक जन्म मधुबनी जिलाक कोइलख ग्राममे 1923 ई. मे भेलन्हि । मृत्यु 1986 मे भेलनि । अंग्रेजीमे एम. ए. कएलाक पश्चात् ई किछु दिन चन्द्रधरी मिथिला कॉलेजमे प्राध्यापक रहलाह । बिहार प्रशासनिक सेवामे 1981 धरि विभिन्न पदपर कार्य कएल । तत्पश्चात् मैथिली अकादमीक निदेशक 84 धरि । योगानन्द झाजी मैथिली साहित्यमे अपन उपन्यास भलमानुस एवं पवित्ताक हेतु ख्यात छथि । हिनक नाटक मुनिक मतिभ्रम एवं कथा संग्रह उडैत वंशी यथेष्ट प्रतिष्ठा प्राप्त कएने अछि । एकर अतिरिक्त ई महात्मा गान्धीक आत्मकथाक अनुवाद एवं आमक जलखरी नामक एक कथा संग्रहक सम्पादन सेहो कएने छथि ।



जटाशंकर दास 1923-2006



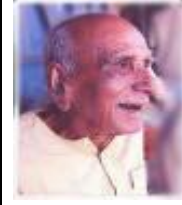
प्रबोध नारायण सिंह 1924-2005

हिन्दी, संस्कृत, मैथिली, पाली एवं फारसीक विद्वान्। मिथिला, मैथिल एवं मैथिलीक ई अनन्य भक्त छथि। कलकत्ता रहि मिथिला दर्शन, मैथिली कविता, मैथिली रंगमंच आदि पत्रिकाक प्रकाशनक माध्यमसँ श्री प्रबोधजी मैथिलीक जे सेवा कएल अछि तकर वर्णन थोड़मे सम्भव नहि। अनेक बडला कृतिक ई अनुवाद सेहो कएल अछि। हिन्दीमे सेहो हिनक कविता संग्रह प्रकाशित अछि। कलकत्ता विश्वविद्यालयमे हिन्दीक पूर्व अध्यक्ष। २००२- डॉ. प्रबोध नारायण सिंह (पतझड़क स्वर- कुर्तुल ऐन हेदर, उर्दू) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



मदनेश्वर मिश्र 1924-2004

"एक छलीह महारानी" प्रकाशित।



अमोघ नारायण झा "अमोघ" 1924-



मुरलीधर सिंह, ब्रजमोहन ठाकुर, शुभंकर झा, मदनेश्वर मिश्र 1924-2004, ललित नारायण मिश्र, देवनाथ राय



मतिनाथ मिश्र मतंग 1924-



आनन्द मिश्र 1924-2007



डॉ. जयमन्त मिश्र १९२५-२०१०

जन्म १५-१०-१९२५ मृत्यु ०७-०९-२०१०, गाम-ढंगा-हरिपुर-मजरही।



चन्द्रनाथ मिश्र अमर 1925-

जन्म: खोजपुर, मधुबनी । वरिष्ठ कवि, कथाकार-उपन्यासकार। हास्य-व्यंग्यक कवितामे बेजोड़। मैथिलीक लेल समर्पित व्यक्तित्व। पांच दर्जनसं बेसी कथा आ विदागरी, वीरकन्या (उपन्यास) जल समाधि (कथा संग्रह) प्रकाशित। १९८३- चन्द्रनाथ मिश्र अमर (मैथिली पत्रकारिताक इतिहास) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ



मुक्तिनाथ झा (1926-2009)

१९९५- जयमन्त मिश्र (कविता कुसुमांजलि, पद्य) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कार- मैथिली।



शुभंकर झा 1926-

सम्मानित। एम. एल. एकेडमी, लहेरियासरायसं शिक्षकक रूपमे अवकाश प्राप्त। आशा दिशा, गुदगुदी, युगचक्र, उनटा पाल आदि कविता संग्रह प्रकाशित। १९९८- चन्द्रनाथ मिश्र ❖अमर❖ (परशुरामक बीछल बेरायल कथा- राजशेखर बसु, बांग्ला) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। चन्द्रनाथ मिश्र अमर २०१० मे मैथिली साहित्य लेल साहित्य अकादेमीक फेलो (भारत देशक सर्वोच्च साहित्यक पुरस्कार)।



दीनानाथ पाठक 'बन्धु'
1928-1962



अनंत बिहारी लाल दास "इन्दु"
" 1928-2010

२००७- अनन्त बिहारी लाल दास ❖इन्दु❖ (युद्ध आ योद्धा-अगम सिंह गिरि, नेपाली)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



कृष्णकान्त मिश्र १९२८-
२०००



जगदानन्द झा 1928-



दुर्गानाथ झा "श्रीश"

हिनकर जन्म मधुबनी जिलाक विठ्ठो गाममे १९२९ ई. मे भेलन्हि। हिन्दी आ मैथिलीमे एम.ए. आ बी.एड. केलाक बाद किछु दिन स्कूलमे अध्यापन, फेर मिल्लत कॉलेज, लहेरियासरायमे मैथिली आ हिन्दी विभागक अध्यक्ष। मैथिली भाषामे पहिल पी.एच. डी.। "श्रीश" जीक मैथिलीमे प्रकाशित रचना अछि- "मैथिली साहित्यक इतिहास", "भुवन भारती" (सम्पादन), "महामत्स्य ओ मनु" (कविता), "नाट्य कथा सार"(सम्पादन), "पुरुषार्थ"(पद्य नाटक) आ अनेक कविता, एकांकी आ आलोचनात्मक निबन्ध।



राजकमल चौधरी 1929-1967

महिषी, सहरसा। रचना:- आदि कथा, आन्दोलन, पाथर फूल (उपन्यास), स्वरगंधा (कविता संग्रह), ललका पाग (कथा संग्रह), कथा पराग (कथा संग्रह सम्पादन)। हिन्दीमें अनेक उपन्यास, कविताक रचना, चौरङ्गी (बडला उपन्यासक हिन्दी रूपान्तर) अत्यन्त प्रसिद्ध।



विश्वनाथ झा "विषपायी" 1929-2005

"राम सुयश सागर" (मैथिली रामायण) १९८० ई. में प्रकाशित। २५ जनवरी २००५ ई. मृत्यु।



जयधारी सिंह 1929-2007

समीक्षक, कवि । प्रकाशन: बौद्धगानमे तांत्रिक सिद्धांत, समीक्षा शास्त्रा अदि । रामकृष्ण कॉलेज, मधुबनीमें मैथिली विभागक पूर्व अध्यक्ष ।



शैलेन्द्र मोहन झा 1929-1994

१९९२- शैलेन्द्र मोहन झा (शरतचन्द्र व्यक्ति आ कलाकार-सुबोधचन्द्र सेन, अंग्रेजी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



विजयनाथ ठाकुर 1929-2008



रमेशचन्द्र वर्मा 1930-



गोपालजी झा 'गोपेश' 1931-2008

जन्म मधुबनी जिलाक मेहथ गाममें १९३१ ई.में भेलन्हि।हिनकर रचित **सोन दाइक चिट्ठी**, **गुम भेल ठाढ़ छी**, **एलबम** आब कहु मन केहन लगैए, "मखानक पात" प्रकाशित भेल जाहिमें सोनदाइक चिट्ठी बेश लोकप्रिय भेल।२००६ ई.-श्री गोपालजी झा गोपेश, मेहथ, मधुबनी;यात्री-चेतना पुरस्कार।



विवेकानन्द ठाकुर 1931-

२००५- विवेकानन्द ठाकुर (चानन घन गछिया, पद्य)मैथिली लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



ताराकांत मिश्र 1931-



ललित 1932-1983

जन्म स्थान बसैठ चानपुरा मधुबनी, बिहार । प्रसिद्ध कथाकार ओ उपन्यासकार । प्रकाशित कृति: प्रतिनिधि, (कथा संग्रह), पृथ्वी-पुत्र (उपन्यास) आदि।



मुरारि मधुसूदन ठाकुर 1932-

ताराशंकर बंदोपाध्यायक बंगला उपन्यास "आरोग्य निकेतन"क मैथिली अनुवाद लेल साहित्य अकादमीक अनुवाद पुरस्कार 1999 भेटल छन्हि।



विद्यानारायण ठाकुर 1933-



धूमकेतु 1932-2000

जन्म स्थान कोइलख, मधुबनी, बिहार । प्रसिद्ध कथाकार, उपन्यासकार ओ कवि । प्रकाशित कृति : दू टा कथा संग्रह ओ एक टा उपन्यास ।



राजमोहन झा 1934-

जन्म स्थान कुमरबाजितपुर, वैशाली, बिहार । प्रख्यात कथाकार ओ संपादक । आइ काल्हि परसू (कथा-संग्रह) लेल १९९६ मे साहित्य अकादेमीसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति : एक आदि एकांत, झूठ साँच, एकटा तेसर, अनुलग्नक, आइ काल्हि परसू (कथा संग्रह), गलतीनामा, भनहि विद्यापति, टीप्पणीत्यादि (आलोचना)। ♦आरम्भ♦ पत्रिकाक संपादन।प्रबोध सम्मान 2009 सँ सम्मानित।



डॉ. धीरेन्द्र 1934-2004

जन्म स्थान लोहना, मधुबनी, बिहार । प्रसिद्ध कथाकार, उपन्यासकार ओ कवि । प्रकाशित कृति: कुहेस आ किरण, पद्माइत घूरक आगि, शतरूपा ओ मनु अपन मन्दिर (कथासंग्रह) हेंगरमे टाँगल कोट, काल्हि ओ आइ (कविता संग्रह) सहित कैक विधामे विभिन्न पोथी।



रमेश नारायण १९३४- २०११

नाम- रमेश नारायण दास, जन्म १५ मार्च १९३४ केँ मधुबनीक बहेरा गाममे। पिता-श्री हरिवल्लभ लाल दास। शिक्षा मधेपुर, मधुबनी आ पटनामे। १९६१ ई.सँ १९९४ ई. धरि ए.एन. कॉलेज, पटनामे हिन्दी विभागमे अध्यापन। पाथरक नाव (मैथिली कथा संग्रह, १९७२) प्रकाशित। मृत्यु १२ जनवरी २०११ केँ पटनामे।



बाबू श्री सत्यनारायण सिंह आ राघवाचार्य



मायानन्द मिश्र 1934-

हिनक जन्म १७ अगस्त १९३४ ई. केँ सुपौल जिलाक बनैनीयाँ गाममे भेलनि।भाङ्क लोटा, आगि मोम आ♦ पाथर आओर चन्द्र-बिन्दु- हिनकर कथा संग्रह सभ छन्हि। बिहाड़ि पात पाथर, मंत्र-पुत्र, खोता आ♦ चिडै आ♦ सूर्यास्त हिनकर उपन्यास सभ अछि। दिशांतर हिनकर कविता संग्रह अछि। एकर अतिरिक्त सोने की नैय्या माटी के लोग, प्रथमं शैल पुत्री च, मंत्रपुत्र, पुरोहित आ♦ स्त्री-



तारानन्द तरुण १९३५-
२०११



रमानन्द रेणु 1934-
2011

जन्म स्थान
उसमामठ, दरभंगा, बिहार । वरिष्ठ
कवि, कथाकार ओ उपन्यासकार।
साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ
सम्मानित। प्रकाशित कृति:
कचोट, त्रिकोण, अंतहीन
आकाश (कथा-संग्रह), दूधफूल
(उपन्यास), अंततः, ओकरे नाम
(कविता-संग्रह)। २०००- रमानन्द
रेणु (कतेक रास बात, पद्य)लेल
साहित्य अकादमी पुरस्कार। विदेह
सम्पादकक समानान्तर साहित्य
अकादेमी फेलो पुरस्कार
२०११ (समग्र योगदान लेल)



सोमदेव 1934-

उपन्यासकार ओ कवि । साहित्य
अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित ।
प्रकाशित कृति: चानोदाइ, होटल
अनारकली (उपन्यास), काल ध्वनि
(कविता संग्रह), चरेवेति (गीति
नाट्य) सोम सतसइ
(दोहा)। २००२- सोमदेव (सहस्रमुखी
चौक पर, पद्य) लेल साहित्य
अकादमी पुरस्कार। २००१ ई. - श्री
सोमदेव, दरभंगा; यात्री-चेतना
पुरस्कार, प्रबोध साहित्य सम्मान
२०११।



कालीकांत झा "बूच"
1934-2009

हिनक जन्म, महान दार्शनिक
उदयनाचार्यक कर्मभूमि समस्तीपुर
जिलाक करियन
ग्राममे 1934 ई. मे भेलनि । पिता
स्व. पंडित राजकिशोर झा गामक
मध्य विद्यालयक प्रथम
प्रधानाध्यापक छलाह । माता
स्व. कला देवी गृहिणी छलीह ।
अंतरस्नातक समस्तीपुर
काॅलेज, समस्तीपुरसँ कयलाक
पश्चात् बिहार सरकारक प्रखंड
कर्मचारीक रूपमे सेवा प्रारंभ
कयलनि । बालहिं कालसँ कविता
लेखनमे विशेष रूचि छल । मैथिली
पत्रिका - मिथिला
मिहिर, माटि - पानि, भाखा तथा
मैथिली अकादमी पटना द्वारा
प्रकाशित पत्रिकामे समय - समय
पर हिनक रचना प्रकाशित होइत
रहलनि । जीवनक विविध विधाकेँ
अपन कविता एवं गीत प्रस्तुत

धन हिनकर हिन्दीक कृति
अछि। १९८८- मायानन्द
मिश्र (मंत्रपुत्र, उपन्यास)पर
मैथिलीक साहित्य अकादमी
पुरस्कारसँ सम्मानित।

प्रबोध सम्मान 2007सँ सम्मानित।



राजनन्दन लाल दास 1934-

"कर्णामृतक"क सम्पादन। "चित्रा-विचित्रा"
प्रकाशित।



श्याम चन्द्र 1934-

उपन्यास "रूपा दीदी" प्रकाशित।
गाम मलंगिया, जिला- मधुबनी।

कयलनि । साहित्य अकादमी दिल्ली द्वारा प्रकाशित मैथिली कथाक विकास (संपादक डॉ बासुकीनाथ झा) में हास्य कथा कारक सूची में डॉ विद्यापति झा हिनक रचना **◆◆धर्म** शास्त्राचार्यक उल्लेख कयलनि । मैथिली अकादमी पटना एवं मिथिला मिहिर द्वारा प्रशंसा पत्र भेजल जाइत छल । श्रृंगाररस एवं हास्य रसक संग-संग विचार मूलक कविताक रचना सेहो कयलनि । डॉ दुर्गानाथ झा श्रीश संकलित मैथिली साहित्यक इतिहासमे कविक रूपमें हिनक उल्लेख कएल गेल अछि । **प्रकाशित कृति (मृत्योपरान्त) : कलानिधि-कविता-संग्रह।**



डोरीलाल शर्मा "श्रोत्रिय" १९३५

"मिथिला की पाण्डित्य परम्परा" पोथी प्रकाशित।



रामभद्र, धनुषा, नेपाल १९३५-२०२०

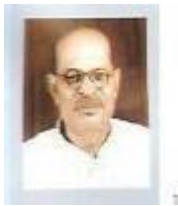
साहित्य तथा अन्यान्य क्षेत्रक कतोक सफल व्यक्तिसभ अपन प्रेरणास्रोत आ पथ-प्रदर्शक मानैत छथि । मैथिली साहित्य-क्षेत्रमें हिनक परिचयक मादे एतबाए कहब पर्याप्त होएत जे मैथिलीक मूर्द्धन्य साहित्यकार डा. धीरेन्द्र हिनका मैथिली साहित्यक सर्वश्रेष्ठ कथाकार मानैत छथि । हिनक कथामे प्रतीकात्मकताक अदभुत प्रयोगहिटा नहि, अपितु एकटा आदर्श कथाक समस्त वैशिष्ट्यसभविद्यमान रहैत अछि । कथाकारक अतिरिक्त ई उत्कृष्ट समालोचक, नाटककार आ कवि सेहो छथि । नेपालमें मैथिलीक पहिल मोनोड्रामा लिखबाक श्रेय सेहो हिनका जाइत छनि । सामाजिक कुरीतिसभक कुशलतासँ चित्रण करबामे, चिन्तनीय बनएबामे आ मन-मस्तिष्कपर अमित छाप छोड़बामे रामभद्र सिद्धहस्त छथि । धनुषा जिलाक कुर्था गाममें जनमल रामभद्रक पूर्ण नाम रामभद्र कर्ण छनि । अङ्गरेजी विषयक अवकाशप्राप्त शिक्षक रामभद्र व्याकरण, पाठ्यपुस्तक आ सहायक पुस्तकसभ लिखबाक काजमें निरन्तर सक्रिय छथि।



केदारनाथ चौधरी (१९३६-)

मैथिलीक पहिल फिल्म 'ममता गाबय गीत' केर निर्माता द्वयमेंसँ एकटा निर्माता छथि केदारनाथ चौधरी आ दोसर मदनमोहन दास। बादमें आर्थिक मजबूतीवश तेसर सहनिर्माता भेलखिन उदयभानु सिंह। माता-स्व. कुसुमपरी देवी, पिता- स्व. किशोरी चौधरी, जन्म: ०३/०१/१९३६

ग्रा.+पत्रा. नेहरा (दरभंगा), अन्य पारिवारिक सदस्य-पत्नी-श्रीमती कुमुद चौधरी, संतान- प्रथम पुत्री-श्रीमती किरण झा, द्वितीय पुत्री-श्रीमती अर्चना चौधरी, शिक्षा-१९५८ ई.में अर्थशास्त्रमें स्नातकोत्तर, १९५९ ई.में लॉ। १९६९ ई.में कैलिफोर्निया वि.वि.सँ अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर, १९७१ ई.में मार्केटिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन विषयमें गोल्डेन गेट यूनिवर्सिटी, सानफ्रांसिस्को, USA सँ एम.बी.ए., १९७८ में भारत आगमन। १९८१-८६ क बीच तेहरान आ फ्रैंकफुर्टमें। फेर बम्बई, पुणे होइत रिटायरमेंटक बाद २००० सँ लहेरियासराय, दरभंगामें निवास। ६ टा उपन्यास- चमेलीरानी २००४, करार २००६, माहुर २००८, अबारा नहिन २०१२, हीना २०१३, अयना २०१८. सम्मान- १) विदेह साहित्य सम्मान, बर्ख-२०१३ (झारखंड मैथिली मंच, राँची द्वारा), २) प्रबोध साहित्य सम्मान, बर्ख-२०१६ आ



जीवकांत 1936-

नाम- जीवकान्त झा, पिता-गुणानन्द झा, माता-महेश्वरी देवी, जन्म- २५.०७.१९३६ अभुआढ़, जिला-सुपौल। नौकरी-विज्ञान शिक्षक (उ.वि.खजौली १९५७-८१), हिन्दी शिक्षक (उ.वि.डेओढ़ एवं उ.वि.पोखराम १९८१-९८)। पहिल रचना-इजोड़िया आ टिटही (कविता, जनवरी १९६५ मिथिला मिहिर)। पहिल छपल पोथी- दू कुहेसक बाट (उपन्यास १९६८)। नूतन पोथी-खिखिरक बीअरि (२००७ बाल पद्य कथा), अठनी खसलइ वनमे (पद्य-कथा संग्रह) आ पंजरि प्रेम प्रकासिया (जीवन-वृत्तक अंश)। पुरस्कार-साहित्य अकादेमी 1998 तकै अछि चिड़ै, पद्य, किरण सम्मान (१९९८), वैदेही सम्मान (१९८५)। प्रकाशित पोथी-

कविता संग्रह: नाचू हे पृथ्वी (७१), धार नहि होइछ मुक्त (९१), तकैत अछि चिड़ै (९५), खौड़ो (१९९६), पानिमे जोगने अछि बस्ती (९८), फुनगी नीलाकाशमे (२०००), गाछ झूल-झूल (२००४), छाह सोहाओन (२००६), खिखिरक बीअरि (२००७)

कथा-संग्रह: एकसरि ठाढ़ि कदम तर रे (७२), सूर्य गलि रहल अछि (७५), वस्तु (८३), करमी झील (९८)

उपन्यास: दू कुहेसक बाट (६८), पनिपत (७७), नहि, कतहु नहि (७६), पीयर गुलाब छल (७१), अगिनबान (८१)

हिन्दी अनुवाद- निशान्त की चिड़िया (तकैत अछि चिड़ै, साहित्य अकादेमी, दिल्ली २००३)।

प्रबोध सम्मान 2010 सँ सम्मानित।



देवकांत झा 1936-

३) केदार सम्मान, बर्ख- २०१६, 'अबारा नहितन' लेल।



डॉ अमरेश पाठक 1936-

हिनक जन्म सीतामढ़ी जिलाक अन्तर्गत सामारि ग्राममे १९३६ मे भेलन्हि । १९५७ मे पटना विश्वविद्यालयसँ मैथिलीक एम. ए. परीक्षामे प्रथम श्रेणीमे प्रथमस्थान पाओल । १९५७ सँ १९६० धरि रामकृष्ण महाविद्यालय, मधुबनीमे व्याख्याता रूपेँ तकरा बाद पटना विश्वविद्यालयमे व्याख्याता रूपमे कार्य करए लगलाह । पटना विश्वविद्यालयमे मैथिली विभागाध्यक्ष रूपेँ । मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन शोध प्रबन्धपर हिनका बिहार विश्व-विद्यालय द्वारा डि. लिट्क उपाधि भेटलन्हि । ई शोध प्रबन्ध पुस्तकाकार रूपेँ सेहो प्रकाशित भेल अछि बिहार राष्ट्रभाषा परिषदक विद्यापति ग्रन्थावलीक सम्पादक मण्डलक सदस्य । हिनक अन्य प्रकाशित रचना अछि निबन्ध संकलन । एकरा छोड़ि विभिन्न पत्र-पत्रिकामे हिनक कतेको निबन्ध प्रकाशित छन्हि । मैथिली अकादेमी द्वारा प्रकाशित कथा-संग्रहक इहो एक सम्पादक छथि । ई अधिकतर उच्च स्तरीय आलोचनात्मक निबन्ध लिखैत छथि । २०००- डॉ. अमरेश पाठक, (तमस- भीष्म साहनी, हिन्दी) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



बलराम 1936-2008

जन्म स्थान पचही, मधुबनी, बिहार । विशिष्ट कथाकार । प्रकाशित कृति : दकचल देबाल (कथा-संग्रह)।



मैथिलीपुत्र प्रदीप 1936-

ग्राम- कथवार, दरभंगा। प्रशिक्षित एम.ए., साहित्य रत्न, नवीन शास्त्री, पंचाम्नि साधक। हिनकर रचित "जगदम्ब अहीं अवलम्ब हमर" आ "सभक सुधि अहाँ लए छी हे अम्बे, हमरा किए बिसरै छी यै" मिथिलामे लेजेंड भए गेल अछि।



रामदेव झा 1936-

कथाकार, समीक्षक, अनुवादक, ग्रंथ सम्पादक । साहित्य अकादेमीक मूल एवं अनुवाद पुरस्कार प्राप्त कर्त्ता ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगाक मैथिली विभागक पूर्व प्राचार्य । प्रकाशन: पसिझैत पाथर, (अनु.) आदि । १९९१- रामदेव झा (पसिझैत पाथर, एकांकी)लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । १९९४- रामदेव झा (सगाइ- राजिन्दर सिंह बेदी, उर्दू) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



रवीन्द्र नाथ ठाकुर 1936-

जन्म पूर्णिया जिलाक धमदाहा ग्राममे 1936 ई. मे भेलन्हि । नेने अवस्थासँ गीत गएबामे एवं कविता लिखबामे विशेष रुचि । कोनो मंच पर ठाढ़ भेला पर ई सहजहि श्रीताकेँ आह्लादित करैत छथि । हिनक सात गोटे मैथिलीक गीत संग्रह, एक मिनी महाकाव्य, एक प्रयोगधर्मी काव्य, एक उपन्यास, एक नाटक, एक राति एवं एक हिन्दी नाटक, प्रकाशित भेल छन्हि ।



बिनोद बिहारी वर्मा 1937-2003

मैथिल करण कायस्थक पाँजिक सर्वेक्षण, बलानक बोनिहार ओ पल्लवी तथा अन्य कथा (कथा संग्रह)



वीरेन्द्र मल्लिक 1937-

जन्म- 3 जनबरी 1937 ई. परसौनी, मधुबनीमे। कवि, सम्पादक, समीक्षक । आखर, अग्निपत्रक सम्पादन । अग्नि-शिखा (कविता संग्रह)।



कीर्तिनारायण मिश्र 1937-

जन्म १७ जुलाई १९३७ ई.केँ ग्राम शोकहारा (बरौनी), जिला बेगूसरायमे भेलन्हि। हुनकर प्रकाशित कृति अछि सीमान्त, महानगर (दीर्घ कविता), हम स्तवन नहि लिखब, ध्वस्त होइत शांति स्तूप (एहि पोथीपर साहित्य



गौरीकांत चौधरीकांत 1937-2001



युगल किशोर मिश्र १९३८-२००७

मैथिली शब्दकोष।

अकादमी 1997 पुरस्कार), आदमीकें जोहेत (कविता संग्रह)। संस्मरण-अपन एकांतमे, स्मृति यात्रा, पत्रक दर्पणमे। सम्पादन- आखर मासिक पत्रिका, आधुनिक मैथिली साहित्य, '63, राजकमल जीवन आ साहित्य, '68, कथा-संकलन- काल कोठरी। आलोचना- अर्थातर-2004



प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' 1938-

ग्राम+पोस्ट- हसनपुर, जिला-समस्तीपुर। मैथिलीमे १.नेपालक मैथिली साहित्यक इतिहास(विराटनगर, १९७२ई.), २.ब्रह्मग्राम(रिपोर्ताज दरभंगा १९७२ ई.), ३.मैथिली त्रैमासिकक सम्पादन (विराटनगर, नेपाल १९७०-७३ई.), ४.मैथिलीक नेनागीत (पटना, १९८८ ई.), ५.नेपालक आधुनिक मैथिली साहित्य (पटना, १९९८ ई.), ६. प्रेमचन्द चयनित कथा, भाग- १ आऽ २ (अनुवाद), ७. वाल्मीकिक देशमे (महनार, २००५ ई.)। २००४- डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' (प्रेमचन्द की कहानी- प्रेमचन्द, हिन्दी) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



कुलानन्द मिश्र 1940- 2000

जन्म पकड़ी कोठी, सीतामढ़ी, बिहार। सुविख्यात कवि, संपादक, समालोचक। प्रकाशित कृति- तावत एतबे, भोरक प्रतीक्षामे (कविता संग्रह), भारतक भाषा सर्वेक्षण, पारो, राजकमल चौधरी की ग्यारह कहानियाँ (अनुवाद)।



महेश्वरनाथ मल्लिक 1938-



परशुराम झा १९३८-

गाम- मेंहथ (मधुबनी), कृति- डाइमेन्शन्स ऑफ पीस इन इंगलिश ड्रामा, क्रिश्चियन पोएटिक ड्रामा।



बिलट पासवान 'विहंगम' 1940-

जन्म मधुबनी जिलाक एकहल्था ग्राममे १९४० ई. मे भेलन्हि।



फजलुर रहमान हासमी 1940 -2011

जन्म-पटना जिलाक बराह गाममे। वृत्ति अध्यापक। हिन्दी कविता संग्रह "रश्मि राशि" आ मैथिली कविता संग्रह "निर्मोही" प्रकाशित। १९९६मे अबुलकलाम आजाद- अब्दुलकवी देसनवी, उर्दूसँ मैथिली अनुवादपर साहित्य अकादमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



गुणनाथ झा

गुणनाथ झा "लोक मञ्च" मैथिली नाट्य पत्रिकाक संचालन- सम्पादन केने छथि। मैथिलीमे आधुनिक नाटकक प्रणयन। हुनकर नाटक सभ अछि:

मधुयामिनी: एकाङ्क नाट्य शैलीमे दूटा पात्र, पुरुष संयुक्त परिवारक पक्ष लेनिहार आ स्त्री तकर विरोधी।

पाथेय: एकाङ्क नाट्य शैलीमे रचित, मुदा पूर्णाङ्कक सभ विशेषता ऐमे भेटत। मुख्य अभिनेता मिथिलाक अधोगतिसेँ दुखी भऽ गामकेँ कर्मस्थली बनबैत छथि, स्वजन विरोध करै छथि।

लाल-बुझक्कर: एकाङ्क नाट्य शैलीमे रचित। दाही रौदीसेँ झमारल निम्न आ मध्य-निम्न वर्ग स्वतंत्रताक पहिनिहियो आ बादो जीविकोपार्जन लेल प्रवास करबा लेल अभिशाप्त छथि।

सातम चरित्र: एकाङ्क नाट्य शैलीमे रचित। मैथिली रंगमंचपर महिला अभिनेत्रीक अभाव, सातम चरित्रक प्रतीक्षामे पूर्वाभ्यास खतम भऽ जाइत अछि।

शेष नजि: आधुनिक सामाजिक पूर्णाङ्क नाटक। पिता-माताक मृत्युक बाद अग्रजक अनुजक प्रति पितृवत व्यवहार।

आजुक लोक: पूर्णाङ्क नाटक। विषय निम्नमध्यवर्गीय बेरोजगारी आ बियाहक दायित्वक बोझ।

जय मैथिली: पूर्णाङ्क नाटक। मिथिलाक भाषिक-सांस्कृतिक समस्या एकर कथावस्तु अछि।

महाकवि विद्यापति: विद्यापतिक नव विश्लेषण।



गंगेश गुंजन 1942-

जन्म स्थान- पिलखबाड़, मधुबनी। श्री गंगेश गुंजन मैथिलीक प्रथम चौबटिया नाटक बुधिबधियाक लेखक छथि आ हिनका उचितवक्ता (कथा संग्रह) क लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल छन्हि। एकर अतिरिक्त मैथिलीमे हम एकटा मिथ्या परिचय, लोक सुनू (कविता



प्रभास कुमार चौधरी 1941-1998

गाम- पिंडारुछ, जिला- दरभंगा ।प्रख्यात कथाकार ओ उपन्यासकार । प्रभासक प्रकाशित कृति : कथा-प्रभास, प्रभासक कथा, नव घर उठय पुरान घर खसय, दिदवल (कथासंग्रह), अभिशाप्त, युगपुरुष, हमरा लग रहब, नवारम्भ, राजा पोखरिमे कतेक मछरी (उपन्यास) । विभिन्न महत्वपूर्ण पत्रिकाक सम्पादन । त्रैमासिक कथा गोष्ठी 'सगर राति दीप जरय' केर प्रारम्भ।१९९०- प्रभास कुमार चौधरी (प्रभासक कथा, कथा) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसेँ सम्मानित ।



साकेतानन्द 1940-

वरिष्ठ कथाकार, गणनायक (कथा-संग्रह) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसेँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: मैथिली कथा साहित्यमे 1962 सँ सक्रिय । गोडेक चालिस पचास टा कथा, रिपोर्ताज, संस्मरण, यात्रा विवरण मैथिलीमे प्रकाशित अधिकांश पत्र पत्रिकामे छपल । पहिल मैथिली कथा ग्लेसियर 1962मे मिथिलामिहिरमे प्रकाशित । हिन्दियोमे दू दर्जन कथा आदि प्रकाशित । सन 99मे छपल पहिल कथा संग्रह गणनायक के ओही वर्ष साहित्य अकादमी पुरस्कार। पैघ बान्ध सँ अबैबला विपत्तिके रेखांकित करैत, पर्यावरण के कथा वस्तु बना क राजकमल प्रकाशन सँ प्रकाशित एवं अत्यंत चर्चित उपन्यास (डौकूमेट्री फिक्शन) सर्वस्वांत। आकाशवाणीक राष्ट्रीय कार्यक्रममे प्रसारित दू टा उल्लेखनीय वृत्त रूपक महानन्दा अभयारण्य पर आधारित जंगल बोलता है एवं झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रक ज्वलंत डाइनक समस्या पर आधारित वृत्तरूपक नैना जोगन चर्चित एवं प्रसिद्ध ।



प्रेमशंकर सिंह 1942-

ग्राम+पोस्ट- जोगियारा, थाना- जाले, जिला- दरभंगा।मौलिक मैथिली: १.मैथिली नाटक ओ रंगमंच, मैथिली अकादमी, पटना, १९७८ २.मैथिली नाटक परिचय, मैथिली अकादमी, पटना, १९८१ ३.पुरुषार्थ ओ विद्यापति, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर, १९८६ ४.मिथिलाक विभूति जीवन झा, मैथिली अकादमी, पटना, १९८७५.नाट्यान्वाचय, शेखर प्रकाशन, पटना २००२ ६.आधुनिक मैथिली साहित्यमे हास्य-व्यंग्य, मैथिली अकादमी, पटना, २००४ ७.प्रपाणिका, कर्णगोष्ठी, कोलकाता २००५, ८.ईक्षण, ऋचा प्रकाशन भागलपुर २००८ ९.युगसंधिक प्रतिमान, ऋचा



मार्कण्डेय प्रवासी 1942-2010

जन्म ग्राम: गरुआर, जिला: समस्तीपुर । प्रकाशित कृति: अगस्त्यायिनी (महाकाव्य); एतदर्थ (कविता संग्रह), अक्षर चेतना (काव्य संग्रह)। अभियान, हम कालिदास (उपन्यास)। अगस्त्यायिनी लेल १९८१मे साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त।

संग्रह), अन्हार- इजोत (कथा संग्रह), पहिल लोक (उपन्यास), आइ भोर (नाटक) प्रकाशित। हिन्दीमे मिथिलांचल की लोक कथाएँ, मणिपद्मक नैका- बनिजाराक मैथिलीसँ हिन्दी अनुवाद आ शब्द तैयार है (कविता संग्रह)। १९९४- गंगेश गुंजन (उचितवक्ता, कथा) पुस्तक लेल सहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



देवेन्द्र झा १९४३-

गाम- चानपुरा (मधुबनी), कृति- विद्यापतिक श्रृंगारिक पदक काव्यशास्त्रीय अध्ययन, लालदास, सुधाकर झा "शास्त्री", अनुभव, बदलि जाइछ घरे टा।

प्रकाशन, भागलपुर २००८ १०.चेतना समिति ओ नाट्यमंच, चेतना समिति, पटना २००८। २००९ ई.-श्री प्रेमशंकर सिंह, जोगियारा, दरभंगा यात्री-चेतना पुरस्कार।



डॉ. भीमनाथ झा 1945-

जन्म:कोइलख, मधुबनी, बिहार। प्रखर कवि, समालोचक, प्राध्यापक।
♦विविधा♦निबन्ध पुस्तक लेल सन् १९९२मे सहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: त्रिधारा, वीणा, की फुरैए की नहि, नाम तँ थिक ओएह (कविता संकलन), परिचायिका, सीताराम झा, कवि चूड़ामणिक काव्य साधना, विविधा (निबंध, आलोचना), टावर चौकसँ आदि।



महेन्द्र मलंगिया 1946-

गाम- मलंगिया, जिला- मधुबनी। मैथिलीक सुपरिचित नाटककार, रंग निर्देशक एवं मैलोरंगक संस्थापक अध्यक्ष। लोक साहित्य पर गंभीर शोध आलेख। मैथिलीमे 13टा नाटक, 19टा एकांकी, 14टा नुक्कड़ आ 10टा रेडियो नाटक प्रकाशित आ आकाशवाणी सँ प्रसारित। सीनियर फेलोशिप (भारत सरकार), इंटरनेशनल थिएटर इंस्टिच्यूट (नेपाल), प्रबोध साहित्य सम्मान आदि सँ सम्मानित। संप्रति ज्योतिरीश्वर लिखित मैथिलीक प्रथम पुस्तक वर्णरत्नाकर पर शोध कार्य। श्री महेन्द्र मलंगियाक जन्म २० जनबरी १९४६ मे मधुबनी जिलाक मलंगिया गाममे भेलन्हि। मलंगियाजी मैथिली हिन्दी, अंग्रेजी आ नेपाली भाषाक जानकार आ थियेटर शिक्षण, पटकथा लेखन आ तत्सम्बन्धी शोधक फ्रीलान्स शिक्षक छथि। २००२ ई.- श्री महेन्द्र मलंगिया, मलंगिया; यात्री-चेतना पुरस्कार। प्रबोध सम्मान 2005 सँ सम्मानित।



डॉ राम दयाल राकेश, सर्लाही, ने पाल 1942-

मैथिली मातृभाषा, हिन्दीक प्राध्यापक आ नेपालीक लेखक ई तीनू भाषा ♦राकेश♦क व्यक्तित्वमे एना ने मिझराएल छैक जे कोनहुसँ हिनका भिन्न नहि कएल



उपेन्द्र दोषी 1943- 2001

जन्म स्थान रामपुर- कोरिगामा, दरभंगा। कवि- कथाकार, गीत-गजलकार।



उदयचन्द्र झा "विनोद" 1943-

जन्म 5 अप्रैल 1943 ई.। गाम- रहिका, मधुबनी। जन्म- ग्राम- दुलहा, मधुबनी। प्रकाशित कृति:

जा सकैत अछि । ई विशेषतः नेपालीमे लिखैत छथि, मुदा लेखनक विषय मूलतः मैथिलीए संस्कृति रहैत छनि । ओना मैथिली, हिन्दी आ अङ्गरेजीमे सेहो ई अनेक रचना कएने छथि ।नेपालक राजकीय-प्रज्ञा-प्रतिष्ठानक सदस्य ◆राकेश◆ दिल्ली विश्वविद्यालयसँ पीएचडी आ अमेरिकास्थित इण्डियाना यूनिभर्सिटीसँ पोस्ट डाक्टरल रिसर्च कएने छथि । डा. ◆राकेश◆क जन्म २५ जुलाई १९४२ ई. कऽ सर्लाही जिलाक सिसौटियामे भेल छनि । नेपाली, मैथिली, हिन्दी आ अङ्गरेजीमे मौलिक, सम्पादित आ अनूदित कऽ करीब दू दर्जन पोथी प्रकाशित, दर्जनभरि देशक भ्रमण सेहो कएने छथि । नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक सदस्यता- श्री राम दयाल राकेश (१९९९)।



रेवती रमण लाल, जनकपुर १९४३-

प्रकाशित कृति: यंत्रणाक क्षणमे (कविता संग्रह)। हिन्दीमे अनेक पोथी प्रकाशित। ओडियासँ मैथिली अनुवाद हेतु मृत्युपरान्त साहित्य अकादेमीसँ पुरस्कृत। २००३- उपेन्द्र दोषी (कथा कहिनी- मनोज दास, उडिया) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



मंत्रेश्वर झा १९४४-

जन्म ६ जनवरी १९४४ ई.ग्राम- लालगंज, जिला-मधुबनीमे। प्रकाशित कृति: खाधि, अन्विनहार गाम, बहसल रातिक इजोत (कविता संग्रह); एक बटे दू (कथा संग्रह), ओझा लेखे गाम बताह (ललित निबन्ध)। मैथिली कथा संग्रहक हिन्दी अनुवाद ◆कुंडली◆ नामसँ प्रकाशित। दि फूलस पैराडाइज (अंग्रेजीमे ललित निबन्ध)। २००८ ई.-श्री मंत्रेश्वर झा, लालगंज, मधुबनी यात्री-चेतना पुरस्कार। २००८- मंत्रेश्वर झा (कतेक डारि पर, आत्मकथा) पर साहित्य अकादमी पुरस्कार।



राज

संक्रान्ति, मौसम अयला पर, एहना स्थितिमे, भरि देह गौरा, एहि जनपदमे, दोहा तीन सय दू, कहलनि पत्नी, सहरजमीन, अपक्ष, प्रश्नवाचक (कविता-संग्रह), धूरी (सहयोगी कविता संग्रह); जाँत (कथा संग्रह), उदास गाछक वसंत (नाटक)। ◆माटि पानि◆क वरेण्य सम्पादक।२००५ ई.-श्री उदय चन्द्र झा ◆विनोद◆, रहिका, मधुबनी;यात्री-चेतना पुरस्कार।



रत्नेश्वर मिश्र १९४५-

अनुवादक, निबंधकार । प्रकाशन: तमिल साहित्यक इतिहास, भवभूति (दुनू अनुवाद)।



जगदीश प्रसाद मंडल

गाम-बेरमा, तमुरिया, जिला-मधुबनी। एम.ए.।कथाकार (गामक जिनगी-कथा संग्रह आ लघुकथा तरेगण- बाल-प्रेरक संग्रह), नाटककार(मिथिलाक बेटी-नाटक), उपन्यासकार(मौलाइल गाछक फूल, जीवन संघर्ष, जीवन मरण, उत्थान-पतन, जिनगीक जीत-उपन्यास)। मार्क्सवादक गहन अध्ययन। हिनकर कथामे गामक लोकक जिजीविषाक वर्णन आ नव दृष्टिकोण दृष्टिगोचर होइत अछि। विदेह



महाराजाधिराज लक्ष्मीश्वर सिंह
१८५८-१८९८

सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी पुरस्कार
२०११ मूल पुरस्कार- श्री जगदीश प्रसाद मण्डल
(गामक जिनगी, कथा संग्रह)।मैथिली उपन्यास 'पंगु' लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कार २०२१



महाराजाधिराज रमेश्वर सिंह 1860-1929



महाराजाधिराज कामेश्वर सिंह 1907-1962



सर हरगोविन्द मिश्र, अलीगढ़ आ कामेश्वर सिंह



बिनोदानन्द झा 1895-1971



ललित नारायण मिश्र 1922-1975



डॉ. रामबरन यादव, नेपाल राष्ट्रपति



स्वर्गीय विन्धेश्वरी प्रसाद मंडल, राजनेता 1919-1982



भूपेन्द्र नारायण मण्डल



कर्पूरी ठाकुर 1921-1988



रामविलास पासवान १९४६-

जन्म ५ जुलाई १९४६, गाम- शहरबन्नी, जिला खगड़िया। भारतीय राजनीतिज्ञ।



राम लषण राम "रमण"



भोगेन्द्र झा



चतुरानन मिश्र



रमाकांत मिश्र



रमानाथ मिश्र "मिहिर"

"मैथिली मुहावरा एवम् लोकोक्ति प्रकाश" प्रकाशित।



गजेन्द्र नारायण चौधरी, पत्रकार
1929-2008



मोहन भारद्वाज 1943-

गाम- नवानी, जिला- मधुबनी ।
मैथिलीक प्रखर समालोचक। २००७
ई.-श्री आनन्द मोहन
झा, भारद्वाज, नवानी, मधुबनी; यात्री-
चेतना पुरस्कार। प्रबोध
सम्मान 2008 सँ सम्मानित।



योगानन्द झा 1955-

२००५- डॉ. योगानन्द
झा (बिहारक
लोककथा- पी.सी.राय
चौधरी, अंग्रेजी)लेल साहित्य
अकादेमी मैथिली अनुवाद
पुरस्कार। प्रकाशित
कृति: लोकजीवन ओ लोक
साहित्य (निबन्ध)
1986, परिणीता (कथाकव्यांश)
1987, फकीर मोहन
सेनापति (अनुवाद)
2000, आलेख
सञ्चयन (निबन्ध)
2002, बिहारक
लोककथा (अनुवाद)
2003, स्नेहलता (विनिबन्ध)
2006, मैथिली पत्रकारिताकेँ सौ
वर्ष (निबन्ध)
2006, गहबरगीत (निबन्ध)
2007, लोक-साहित्य ओ शब्द-
सम्पदा (निबन्ध)
2007, मैथिलीक पारम्परिक
जातीय व्यवसायक
शब्दावली (शोध-ग्रन्थ) 2009



हीरानन्द झा "शास्त्री"
, पत्रकार



दीनानाथ झा, पत्रकार



नरेन्द्र झा, अर्थशास्त्र-
पत्रकार

"विकास ओ अर्थतंत्र" प्रकाशित।



प्रेमशंकर झा, पत्रकार



शरदिन्दु चौधरी, पत्रकार



राजेश्वर झा (१९२३-१९७७)

जन्म- सहरसा जिलाक रसुआर गाम (आब सुपौल जिला)।

कृति- मिथिलाक्षरक उद्भव ओ विकास, अवहट्ट: उद्भव ओ विकास, मैथिली साहित्यक आदिकाल, विद्यापतिक संगीतमे वर्णित नायक-नायिका भेद एवं राग-रागिनी वर्गीकरण।

महाकवि विद्यापति नाटक, शास्त्रार्थ नाटक, कन्दर्पीघाट नाटक, एकादशी, विद्याधर-कथा, उर्वशी, धर्मव्याध-कथा, मेनका।



एस.एन.सत्यार्थी

मिथिलाक कला आ शिल्पकलापर लेखन।



राधाकृष्ण चौधरी, इतिहासकार 1921-1985

मिथिलाक इतिहास, A Survey of Maithili Literature, THE POLITICAL AND CULTURAL HERITAGE OF MITHILA प्रकाशित।



प्रो. रामशरण शर्मा १९२०-२०११



विजयकान्त मिश्र इतिहासकार 1927-1994

डॉ. विजयकांत मिश्रक जन्म १० अगस्त १९२७ मंगरौनी गाम - जे नव्य न्याय आ तान्त्रिक साधनाक जन्म-स्थली अछि- (जिला मधुबनी) मे भेलन्हि। ओ 1948 मे प्राचीन भारतीय इतिहास आ संस्कृति विषयमे एलाहाबाद विश्वविद्यालयसँ सनातकोत्तर उपाधि कएलाक बाद कतेक बरख धरि बिहार सरकार



द्विजेन्द्र नारायण झा, इतिहासकार



सुरेश्वर झा, राजनीति विज्ञान

२००१- सुरेश्वर झा (अन्तरिक्षमे विस्फोट- जयन्त विष्णु नार्लीकर, मराठी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।

आ पटना विश्वद्यालयसँ सम्बद्ध रहलाह आ 1957 ई.सँ भारतीय पुरातत्व विभागमे काज कएलन्हि आ ओकर शिशुपालगढ़, कौशाम्बी, वैशाली, हस्तिनापुर, कुम्हरार, पाटलिपुत्र, करियन, सोनपुर, बिलावली, नालन्दा, राजगीर, चन्द्रवल्ली, आ हम्पी खुदाइमे विभिना भूमिकामे भाग लेलन्हि।हिनकर लिखल-सम्पादित पोथी सभमे अछि: 1.वैशाली,1950 2.कुम्हरार एक्सकेवेशंस: 1950-1957 3.पुरातत्व की दृष्टिमे वैशाली 4.नागेश भट्टाज पारिभाषेन्दुशेखर 5.मिथिला आर्ट एण्ड आर्किटेक्चर (सम्पादित) 6.कल्चरल हेरिटेज ऑफ मिथिला 7.श्रृंगार भजनावली- एक अध्ययन 8.क्षेत्र पुरातत्वविज्ञान- 9.पुरातत्व शब्दावली।



भागीरथ लाल दास

भारतक कएक देशमे राजदूत रहल छथि आ जी.ए.टी.टी. मे भारतक प्रतिनिधि सेहो छलाह।



लक्ष्मीकान्त झा रिजर्व बैंक गवर्नर 1913-1988



एन. एन. झा डिप्लोमेट



कामेन्द्रनाथ झा "अमल" 1938-

जन्म- 4 जनवरी 1938, गाम कोइलख (मधुबनी)।
ग्रिभांस (कथासंग्रह) प्रकाशित।



भाग्यनारायण झा 1941-



रमाकांत राय "रमा" 1947

जन्म- भादो पूर्णिमा
सम्वत् 2003, प्रथम रचना-
बटुक, बाल मासिक प्रयाग, कथा
विशेषांक द्वितीय
भागमे 1964ई., प्रकाशित
कृति(क) तीनटा बाबाजी-(रूसीसँ
मैथिलीमे मैथिलीमे टाल्स्टायक
कथाक अनुवाद-1967ई.मे, (ख)
फूलपात, कविता संग्रह 1978,
(ग) भांगक गोला (2004 ई.मे),
(घ) कटैत पाँखि: हँसैत
आँखि , कथा संग्रह-2005, शीघ्र
प्रकाश्य- कृष्णकान्त
मिश्र (विनिबन्ध) साहित्य
अकादेमी नई दिल्ली। प्रायः डेढ़
सए रचना (कथा-निबन्ध कविता)
मैथिली हिन्दीक पत्र-
पत्रिका, आकाशवाणी एवं
दूरदर्शनसँ प्रकाशित/ प्रसारित।
साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित
कवि सम्मेलनक आयोजनक
क्रममे रेलक चपेटमे पड़िदहिना
पएर छाबा धरिगमा विकलांग।



प्रोफेसर महेन्द्र 1947-

जन्म: भेलाही, सुपौल, बिहार ।
प्रसिद्ध कवि, कथाकार, आलोचक ।
वृत्ति: भू.ना. विश्वविद्यालयक
स्नातकोत्तर केन्द्र, सहरसामे मैथिली
विभागाध्यक्ष। प्रकाशित कृति
साहित्य अकादेमीसँ प्राकाशित
मोनोग्राफ शैलेन्द्र मोहन झा ।
सहयोगी संकलन-संकल्प
। राजकमल जयन्ती प्रसंगक
संपादन।



महेन्द्र 1944-2009

जन्म मधुबनी जिलाक जमसम
गाममे। प्रसिद्ध मैथिली गीतकार
आ गायक।



सुभाषचन्द्र यादव 1948-

जन्म ०५ मार्च १९४८, मातृक
दीवानगंज, सुपौलमे। पतृक
स्थान: बलबा-
मेनाही, सुपौल। घरदेखिया (मैथिली कथा-
संग्रह), मैथिली
अकादमी, पटना, १९८३, हाली (अंग्रेजीसँ
मैथिली अनुवाद), साहित्य अकादमी, नई
दिल्ली, १९८८, बीछल कथा (हरिमोहन
झाक कथाक चयन एवं भूमिका), साहित्य
अकादमी, नई दिल्ली, १९९९, बिहाड़ि
आउ (बंगला सँ मैथिली अनुवाद), किसुन
संकल्प लोक, सुपौल, १९९५, भारत-
विभाजन और हिन्दी उपन्यास (हिन्दी
आलोचना), बिहार राष्ट्रभाषा
परिषद्, पटना, २००१, राजकमल चौधरी
का सफर (हिन्दी जीवनी) सारांश
प्रकाशन, नई दिल्ली, २००१, बनैत-
बिगडैत (कथा-संग्रह) २००९। मैथिलीमे
करीब सत्तर टा कथा, तीस टा समीक्षा आ
हिन्दी, बंगला तथा अंग्रेजी मे अनेक
अनुवाद प्रकाशित।



सुभद्रा झा 1909- 2000

"फॉर्मेशन ऑफ मैथिली
लैंग्वेज"क लेखक। १९८६- सुभद्र
झा (नातिक पत्रक
उत्तर, निबन्ध)पर मैथिलीक
साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ
सम्मानित।



रामावतार यादव, मैथिली भाषिकी, नेपा ल 1942-

देश-विदेशक भाषाविज्ञान जर्नलमे पचासो आलेखक द्वारा
मैथिलीक विशिष्टताकेँ उजागर केनिहार। मैथिली
ध्वनिशास्त्र 1984 ई. मे जर्मनीसँ आ मैथिलीक सन्दर्भ
व्याकरण 1996 ई. मे बर्लिन आ न्यूयार्कसँ
प्रकाशित। 2000 ई. मे लंदनसँ प्रकाशित भारतीय
आर्यभाषा पुस्तक मे संकलित हिनकर मैथिली भाषा संबंधी
आलेख विशेष उल्लेखनीय। नेपाल राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठानसँ
पासाड लहामु प्रज्ञा-पुरस्कारसँ सम्मानित।



योगेन्द्र प्रसाद यादव, भाषिकी, सिरहा, नेपाल 1946-

1998 ई. मे जर्मनीसँ प्रकाशित इथुज इन मैथिली
सिंटेक्स आ टॉपिक्स इन नेपालीज
लिंग्विस्टिक्स, रीडिंग्स इन मैथिली
लैंग्वेज- लिटरेचर एण्ड कल्चर आ लेक्सीग्राफी
इन नेपाल (सम्पादित) प्रकाशित। नेपाल राजकीय
प्रज्ञा-प्रतिष्ठानमे भाषा-विभागक प्राज्ञ रहि कतोक
महत्वपूर्ण कार्यक सम्पादन। नेपाल प्रज्ञा
प्रतिष्ठानक सदस्यता श्री योगेन्द्र प्रसाद यादव
(1994)। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान आजीवन सदस्यता
श्री योगेन्द्र प्रसाद यादव।



रमानन्द झा 'रमण' 1949-

जन्म: 02 जनबरी 1949, शिक्षा-
एम.ए., पीएच.डी., आजीविका-
भारतीय रिजर्व बैंक, पटना (सेवा
निवृत्त)। **प्रकाशन:** 1. नवीन मैथिली
कविता, 1982, 2. मैथिली नऽव
कविता, 1993, 3. मैथिली साहित्य
ओ राजनीति, 1994,
4. अखियासल, 1995,
5. बेसाहल, 2003, 6. भजारल,
2005., 7. निर्यात कैसे शुरू
करें? हिन्दी- रिजर्व बैंक, पटनाक
प्रकाशन सम्पादित 8. मैथिलीक
आरम्भिक कथा, 1978 समीक्षा,
9. श्यामानन्द रचनावली, 1981,
10. जनार्दन झा जनसीदन कृत
निर्दयीसासु (1914) आ
पुनर्विवाह (1926), 1984,
11. चेतनाथझाकृत श्रीजगन्नाथपुरी
यात्रा (1910), 1994, 12. तेजनाथ
झाकृत सुरराजविजय
नाटक (1919), 1994,
13. रासबिहारीलाल दासकृत
सुमति (1918), 1996, 14. जीबछ
मिश्रकृत रामेश्वर (1916), 1996,
15. भेटघॉंट (भेटवार्ता), 1998,
16. रूचय तँ सत्य ने तँ फूसि, 1998,
17. पुण्यानन्द झाकृत मिथिला
दर्पण (1925), 2003, 18. यदुवर
रचनावली (1888-1934) 2003,
19. श्रीवल्लभ झा (1905-
1940) कृत विद्यापति विवरण,
2005, 20. मैथिली उपन्यासमे
चित्रित समाज, 2003। अनुवाद
लेल **भाषा-भारती सम्मान 2004-
05** (सी.आइ.आइ.एल., मैसूर) छओ
बिगहा आठ कट्टा- फकीर मोहन
सेनापतिक ओड़िया उपन्यासक
मैथिली अनुवाद लेल प्राप्त।



महेन्द्रनारायण निधि, धनुषा, नेपा
ल



रामलोचन ठाकुर 1949-

श्री रामलचन ठाकुर, जन्म १८ मार्च १९४९
ई.पलिमोहन, मधुबनीमे। वरिष्ठ
कवि, रंगकर्मी, सम्पादक, समीक्षक। भाषाई
आन्दोलनमे सक्रिय भागीदारी। **प्रकाशित
कृति-** इतिहासहन्ता, माटिपानिक गीत, देशक
नाम छल सोन चिड़ैया, अपूर्वा (कविता
संग्रह), बेताल कथा (व्यंग्य), मैथिली लोक
कथा (लोककथा), प्रतिध्वनि (अनुदित
कविता), *जा सकै छी, किन्तु किए जाऊ* (अनुदित
कविता), लाख प्रश्न
अनुत्तरित (कविता), जादूगर (अनुवाद), स्मृतिक
धोखरल रंग (संस्मरणात्मक निबन्ध), आंखि
मुनने: आंखि खोलने (निबन्ध)। अनुवाद
लेल **भाषा-भारती सम्मान 2003-
04** (सी.आइ.आइ.एल., मैसूर) *जा
सकै छी, किन्तु किए जाऊ* शक्ति चट्टोपाध्यायक
बांग्ला कविता-संग्रहक मैथिली अनुवाद लेल
प्राप्त। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य
अकादेमी पुरस्कार २०१२ अनुवाद पुरस्कार- श्री
रामलोचन ठाकुर- (पद्मानदीक माझी, बांग्लासँ
मैथिली अनुवाद, बांग्ला-उपन्यास - मानिक
बंदोपाध्याय)



परमेश्वर कापड़ि, धनुषा, नेपाल



गंगा प्रसाद मंडल "अकेला", नेपाल 1944-

पं सुन्दर झा शास्त्री राष्ट्रिय प्रतिभा पुरस्कारसँ
सम्मानित। मिथिलांचलक किछु लोक
कथा (संकलन आ सम्पादन) आ शिरीषक
फूल (अनुवाद) प्रकाशित।



जयनारायण झा "जिज्ञासु", ने
पाल



सुरेश झा, नेपाल 1920-1995



रोहिणी रमण झा 1950-



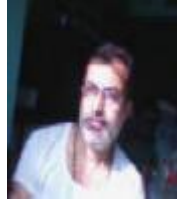
डॉ. कमलाकान्त भण्डारी 1952-

कबीर (मैथिली) पर शोध।



विनोद बिहारी लाल 1953-

जन्म स्थान पचही, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार। सयसँ ऊपर कथा प्रकाशित।



अरविन्द ठाकुर 1954-

परती टूटि रहल अछि (कविता संग्रह), अन्हारक विरोधमे (कथा संग्रह), बहुरुपिया प्रदेश मे (गजल संग्रह)।



श्याम दरिहरे 1954-

जन्म स्थान बरहा, बेनीपट्टी मधुबनी, बिहार। कवि, कथाकार। प्रकाशित कृति : सरिसोमे भूत (कथा संग्रह) अनूदित कृति : कनिप्रिया (धर्मवीर भारती)



दिनेश कुमार झा

मैथिलीक इतिहासपर लेखन।



अशोक कुमार ठाकुर

जन्म 2 जनवरी 1944 ई.। गाम बड़ागाँव (पंडौल)। नागमंडल (नाटक-अनुवाद), निशांत, वसुधाक संसार (उपन्यास)



प्रतापनारायण झा, नेपाल



शीतल झा, नेपाल



उग्रनारायण मिश्र "कनक"



डॉ. शम्भूनाथ चौधरी 1920-2008



इन्द्रकांत झा



पंचानन मिश्र



प्रोफेसर गुरमैता

ज्योतिरीश्वरपर लेखन।



महेन्द्र नारायण सिंह "मगन"



सूर्यकांत झा, जनकपुर



रमण झा (1957-)

रचना: पश्चात्ताप (कथा-संग्रह)-
1995, काव्य-वाटिका (कविता-
संग्रह)- 1999, अलंकार-
भास्कर (पूर्व-खण्ड) -
2002, अलंकार-भास्कर (अलंकार
शास्त्र)- 2003, भिन्न-
अभिन्न (समीक्षा)- 2008, संग
सम्पादन: मैथिली (मिथिला
विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक
शोध-पत्रिका) -
1996, सम्पादन: मैथिली (मिथिला
विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक
शोध-पत्रिका)- 2007,2008



विजयनाथ झा

"अहींक लेल" (गीत-गजल संग्रह
प्रकाशित)।



योगानन्द हीरा



बाबा बैद्यनाथ

पहरा इमानपर (गजल संग्रह)



जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" १९५०-

मूल नाम जगदीश चन्द्र ठाकुर, जन्म: 27.11.1950, शंभुआर, मधुबनी। सेवा निवृत्त बैंक अधिकारी। मैथिलीमे प्रकाशित पोथी-1. तोरा अडनामे -गीत संग्रह-1978; 2. धारक ओइ पार-दीर्घ कविता-1999, गीत गंगा (गीत संग्रह), गजल गंगा (गजल संग्रह)।



उदय नारायण सिंह नचिकेता 1951-

जन्म-१९५१ ई. कलकत्तामे। पहिल काव्य संग्रह कवयो वदन्ति। १९७१ अमृतस्य पुत्राः (कविता संकलन) आऽ नायकक नाम जीवन (नाटक)। १९७४ मे एक छल राजा/नाटकक लेल (नाटक)। १९७६-७७ प्रत्यावर्तन/रामलीला (नाटक)। १९७८ मे जनक आऽ अन्य एकांकी। १९८१ अनुत्तरण (कविता-संकलन)। १९८८ प्रियंवदा (नाटिका)। १९९७-रवीन्द्रनाथक बाल-साहित्य (अनुवाद)। १९९८ अनुकृति- आधुनिक मैथिली कविताक बंगलामे अनुवाद, संगहि बंगलामे दूटा कविता संकलन। १९९९ अशु ओ परिहास। २००२ खाम खेयाली। २००६ मे मध्यमपुरुष एकवचन (कविता संग्रह)। २००८ ई. मे नाटक "नो एण्ट्री: मा प्रविश" सम्पूर्ण रूपेँ "विदेह" ई-पत्रिकामे धारावाहिक रूपेँ ई-प्रकाशित भए एकटा कीर्तिमान बनेलक। २००९ ई.-श्री उदय नारायण सिंह नचिकेताकेँ नाटक नो एण्ट्री: मा प्रविश लेल कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान।



कीर्तिनाथ झा 1955-

विद्यानन्द झा 1965-

बुद्धपूर्णिमा, १९६५केँ कैथिनियाँ, झंझारपुर मुधुबनीमे जन्म। पराती जकाँ, बिछड़ल कोनो पिरीत जकाँ, दनुफक फूल जकाँ (कविता संग्रह) प्रकाशित। मूलतः कवि, थोड़ कथा लिखलनि, जे अपन मार्मिक अभिव्यक्तिक कारण बेस चर्चित भेल। विडम्बनापूर्ण परिस्थितिक पाछू जिम्मेवार समाजार्थिक कारणक खोज हिनकर मूल सृजन प्रेरणा थिक।



आशीष अनचिन्हार

मूल लेखन: कुमारि इच्छा (गजल संग्रह), जंघाजोड़ी (गजल संग्रह), अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ आ कताक संग्रह), मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास, मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास, मैथिली गजलक रेडी रेकोनर, शब्द-अर्थ-शक्ति।

गजेन्द्र ठाकुर आ आशीष अनचिन्हार (सम्पादन): मैथिलीक प्रतिनिधि गजल, मैथिली गजल: आगमन ओ प्रस्थान बिंदु (गजलक आलोचना-समालोचना-समीक्षा)



महेन्द्र हजारी

हरेकृष्ण झा 1950-

जन्म १० जुलाई १९५० ई. गाम- कोइलखमे। अभियंत्रणक अध्ययण छोड़ि मार्क्सवादी राजनीतिमे सक्रिय। अनेक कविता आ आलोचनात्मक निबन्ध प्रकाशित। अनुवाद एवं विकास विषयक शोध कार्यमे रुचि। स्वतंत्र लेखन। प्रकृति एवं जीवनक तादात्म्य बोधक अग्रणी कवि। "एना त नहि जे" (कविता संग्रह)। २००८ ई. -श्री हरेकृष्ण झाकेँ कविता संग्रह एना त नहि जे लेल कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान।



कुमार पवन 1958

गाम मुरैठा। कथा संग्रह, कविता संग्रह आ व्यंग्य संग्रह शीघ्र प्रकाश्य। मैथिलीमे १९९० ई सँ विरल लेखन। २००८ ई. सँ दस सालक मौन भंगक बाद पुनः रचनाक दोसर पालीक प्रारम्भ।



कुरल: मैथिली भावानुवाद

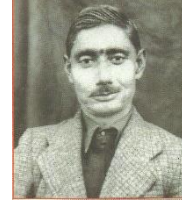


स्व. महेन्द्र नारायण झा, बेलौंजा, मधुबनी



स्व.राजकुमार मल्लिक, सोहराय (पोखरि भीड़ा), मधुबनी

स्व. चन्द्रकान्त मिश्र, आसी, दरभंगा



लक्ष्मीपति सिंह



फूलचन्द्र मिश्र रमण



किशोरनाथ झा

गाम- विट्टो, पो. सरिसवपाही, मधुबनी। "लोकवेद" पोथी प्रकाशित।



सूर्यनारायण झा "सरस"

पोथी "मैथिली श्री सीतारामचरितमानस" प्रकाशित।



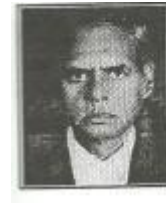
कलानन्द भट्ट

कान्ह पर लहास हमर मैथिली गजल संग्रह



दयानाथ झा

गाम नागदह, मधुबनी। मैथिली मिथि-रंगमंडल यात्रिक, कोलकाता।



डॉ. सुधाकर चौधरी १९४६-

जन्म १५ मार्च १९४६ ई.। प्रकाशित पोथी: काजर, तीन रंग तेरह चित्र (कथा संग्रह), पंडी जी छत्ता (प्रहसन), विप्लवी सुभाष (नाटक)।



स्व. चुनचुन मिश्र, रहिका, मधुबनी।



सत्यनारायण लाल कर्ण

मिथिला चित्रकला



ले. कर्नल मायानाथ झा 1945

मिथिला राज्यक आन्दोलन कर्मी।



श्याम किशोर सिंह



सचिन्द्रनाथ झा

मिथिला लोक चित्रकला

जन्म 1 अप्रैल 1945 ई.। गाम- भराम (मधुबनी)। जकर नारि चतुर होइ (मैथिली लोक कथा संग्रह) प्रकाशित। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी पुरस्कार २०११ बाल साहित्य पुरस्कार- ले.क. मायानाथ झा (जकर नारी चतुर होइ, कथा संग्रह)



कालीनाथ ठाकुर

ग्राम सर्वसीमा



राजेन्द्र विमल, जनकपुर, नेपाल 1949-

मैथिली, नेपाली आ हिन्दी भाषाक प्राज्ञ विमल शिक्षाक हकमे विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)क उपाधि प्राप्त कएने छथि।कम्मो लिखिकऽ यथेष्ट यश अरजनिहार डा. विमलक लेखनीक प्रशंसा मैथिलीक सङ्गसङ्ग नेपाली आ हिन्दी साहित्यमे सेहो होइत रहलनि अछि। त्रिभुवन विश्वविद्यालयअन्तर्गत रा.रा.ब. कैम्पस, जनकपुरधाममे प्राध्यापन कएनिहार डा. विमलक पूर्ण नाम राजेन्द्र लाभ छियनि। हिनक जन्म २६ जुलाई १९४९ ई. कऽ भेल अछि। साहित्यकारक नव पीढ़ीकेँ निरन्तर उत्प्रेरित करबाक कारणे ई डा.धीरेन्द्रक बाद जनकपुर-परिसरक साहित्यिक गुरुक रूपमे स्थापित भऽ गेल छथि।



नरेश कुमार विकल 1950-

जन्म २७ जुलाई १९५० भगवानपुर देसुआ (समस्तीपुर)। काव्य- अरिपन, महुआ मदन रस टपकय, बिन बाती दीप जरय। कथा- संग्रह- भरि गेल दर्दक इनार। उपन्यास- टहकैत टीस। नाटक- चोखगर खौंच।



जनक किशोर लाल दास



कृष्णचन्द्र झा "मयंक"



लक्ष्मण झा "सागर" 1953-

"उचरि बैसू कौआ" मैथिली कविता संग्रह प्रकाशित।



रघुवीर मोची



शारदानन्द दास "परिमल"



शशिबोध मिश्र "शशि"
1946-



सुरेन्द्रनाथ



अमरनाथ

१९७५ ई. मे "क्षणिका" लघुकथा संग्रह प्रकाशित। हास्य कथाकार।



बच्चा ठाकुर



बुद्धिनाथ मिश्र



राजाराम सिंह राठौर, धनुषा



वैद्यनाथ विमल 1955-



डॉ वासुकीनाथ झा 1940-



जितेन्द्र मिश्र "जीवन"



वीरेन्द्र नारायण झा



वीरेन्द्र झा 1956-
गोनू झा पर लेखन।



वैकुण्ठ झा 1954-

पिता-स्वर्गीय रामचन्द्र झा, जन्म- २४ - ०७ - १९५४ (ग्राम-भरवाड़ा, जिला- दरभंगा), शिक्षा- स्नात्कोत्तर (अर्थशास्त्र), पेशा- शिक्षक। मैथिली, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा मे लगभग २०० गी तक रचना। गोनू झा पर आधारित नाटक "हास्यशिरोमणि गोनू झा तथा अन्य कहानी" क लेखन। एकर अलावा हिन्दीमे लगभग १५ उपन्यास तथा कथाक लेखन।



महेन्द्र नारायण कर्ण



नरेन्द्र
गजलकार।



महाप्रकाश 1946-

जन्म: बनगांव, सहरसा, बिहार । वरिष्ठ कवि ओ कथाकार। प्रकाशित कृति: कविता संभवा, संग समय के (कविता संग्रह)। कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान २०१० ई.- श्री महाप्रकाश (कविता संग्रह संग्रह)।

वैकुण्ठ झा



डॉ. विश्वेश्वर मिश्र



महेन्द्र मिश्र, नेपाल



छत्रानन्द सिंह झा 1946-

विद्यानन्द झा 'पञ्जीकार' 1957-

जन्म- 09.04.1957, पण्डुआ, ततैल, ककरौड़(मधुबनी), रशाढ्य(पूर्णिया), शिवनगर (अररिया) आ सम्प्रति पूर्णिया। पिता लब्ध धौत पञ्जीशास्त्र मार्त्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया। पितामह- स्व. श्री भिखिया झा। पञ्जीशास्त्रक दस वर्ष धरि 1970 ई.सँ 1979 ई. धरि अध्ययन, 22 वर्षक बएससँ पञ्जी-प्रबंधक संवर्द्धन आ संरक्षणमे संलग्न। कृति- पञ्जी शाखा पुस्तकक लिप्यंतरण आ संवर्द्धन।



अर्जुन नारायण चौधरी



कमल कांत झा 1943-



अयोध्यानाथ चौधरी, धनुषा, नेपाल 1947-

मूलतः कविक रूपमे परिचित छथि । नेपालक आधुनिक कविताक क्षेत्रमे हिनक नाम उल्लेखनीय अछि । श्री चौधरीक लेखनमे मानवीय संवेदनाक प्रतिबिम्ब पाओल जाइत अछि । कविताक संग कथा आ निबन्धमे सेहो ई कलम चलबैत छथि । फडिछाएल लेखन हिनक विशेषता थिकनि । धनुषा जिलाक दुहबी गामक रहनिहार श्री चौधरीक जन्म ६अक्टुबर १९४७कऽ भेल छनि । हिनक क्षितिजक



विद्यानाथ झा 'विदित'



सियाराम झा "सरस"
1948-

जन्म स्थान मेंहथ, मधुबनी बिहार । प्रसिद्ध गीतकार, बादमे कथा लेखन प्रारम्भ केलनि । प्रकाशित कृति आंजुर भरि सिंगरहार, शोणिताएल उगैत सूर्यक धम्मक (कथा संग्रह)।



अग्निपुष्प 1948-

जन्म: तरौनी, दरभंगा। मूलनाम : महेन्द्र झा । मैथिलीमे सहस्रबाहु कविता संग्रह प्रकाशित । मुक्ति प्रसंगक अनुवाद प्रकाशित । वामपंथी आन्दोलनमे सक्रिय। शिक्षा, सम्वाद आदि पत्रिकाक सम्पादन । वामपंथी विचारधाराक सशक्त कवि।



मधुकांत झा 1949-



वीनू भाइ



सत्यानन्द पाठक



योगीराज



कुणाल 1951-



राम भरोस कापड़ि भ्रमर, धनु
षा, नेपाल 1951-

जन्म-बघचौरा, जिला धनुषा (नेपाल)। बन्नकोठरी: औनाइल धुँआ (कविता संग्रह), नहि, आब नहि (दीर्घ कविता), तोरा संगे जएबौ रे कुजबा (कथा संग्रह, मैथिली अकादमी पटना, १९८४), मोमक पघलैत अधर (गीत, गजल संग्रह, १९८३), अप्पन अनचिन्हार (कविता संग्रह, १९९० ई.), रानी चन्द्रावती (नाटक), एकटा आओर बसन्त (नाटक), महिषासुर मुर्दाबाद एवं अन्य नाटक (नाटक संग्रह), अन्ततः (कथा-संग्रह), मैथिली संस्कृति बीच रमाउंदा (सांस्कृतिक निबन्ध सभक संग्रह), बिसरल-बिसरल सन (कविता-संग्रह), जनकपुर लोक चित्र (मिथिला पेंटिङ्गस), लोक नाट्य: जट-जटिन (अनुसन्धान)। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक



धीरेन्द्रनाथ मिश्र



शिवेन्द्रलाल कर्ण, धनुषा, नेपाल 1951-

लेखकसँ अधिक शिक्षकक रूपमे परिचित आ प्रतिष्ठित छथि । त्रिभुवन विश्वविद्यालयअन्तर्गत रा. ब. कैम्पस, जनकपुर-धामक सह-प्राध्यापक श्री कर्णक ऐतिहासिक विषय-वस्तुपर लिखल कतोक लेख मैथिली, हिन्दी आ अङ्ग्रेजी भाषामे प्रकाशित अछि । स्वान्त-सुखाय ई कहियो कालकऽ कविता-कथा सेहो लिखि लैत छथि । हिनक लेखन ज्ञानवर्द्धक, जानकारीमूलक एवं सोझारएल रहैत अछि । देखलापर बुझना जाइत अछि जे ई हिनक गम्भीर अध्ययनक परिणति थिक । सामाजिक तथा साहित्यिक सङ्घ-संस्थासभमे सेहो सक्रिय प्राध्यापक कर्णक जन्म धनुषा जिलाक देवडीहा गाममे २ जनवरी १९५१ ई. कऽ भेल छनि ।



ब्रह्मदेव लाल दास

सदस्यता- श्री राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' (2010)।



चण्डेश्वर खान

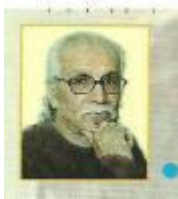
गाम- पट्टीटोल, जिला मधुबनी।
लघुकथा लेल चर्चित प्रशंसित।



दयाकान्त झा



गजेन्द्र नारायण सिंह, नेपाल



पद्मश्री श्री गजेन्द्र नारायण सिंह



हरिकान्त झा



इन्द्रनारायण झा



प्रवासी साहित्यालंकार



शैलेन्द्र कुमार झा 1952-

जन्म स्थान हरिपुर, वकशी टोल, मधुबनी बिहार। प्रकाशित कृति: आरोह अवरोह, दशम खुट्टी (कथा संग्रह), इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ मिथिला (अंग्रेजी)।

सीताराम सिंह



शिवशंकर श्रीनिवास 1953-

जन्म स्थान लोहना मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार ओ आलोचक। गीत ओ कविता सेहो कहियो काल लिखैत छथि। प्रकाशित कृति : त्रिकोण, अदहन, गाछ-पात, गामक लोक (कथा संग्रह)।

तुलानन्द मिश्र



अशोक 1953-

जन्म स्थान लोहना, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार, कवि ओ सम्पादक। प्रकाशित कृति : चक्रव्यूह (कविता संग्रह) त्रिकोण (सहयोगी कथा संग्रह), ओहि रातिक भोर (कथा-संग्रह), मातवर (कथा संग्रह)।



विभूति आनन्द 1953-

जन्म: शिवनगर, मधुबनी, बिहार। चर्चित कवि, कथाकार, संपादक। प्रकाशित कृति टूटा उपन्यास टूटा समीक्षा, तीन टा कथा संग्रह, टूटा गीत-गजल संग्रह ओ चारिटा कथा-संग्रह प्रकाशित। २००६- विभूति आनन्द (काठ, कथा) मैथिली लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



केदार कानन 1959-

जन्म स्थान सुपौल, बिहार। चर्चित कवि, कथाकार ओ संपादक। प्रकाशित कृति : आकार लैत शब्द (कविता संग्रह), अनूदित कृति राजा राम मोहन राय, प्रायश्चित। सम्पादन संकल्प, भारती मंडन (पत्रिका)।



डॉ. शशिनाथ झा 1954-

गाम-दीप, जिला- मधुबनी। मैथिली, बांग्ला, नेवारी आ देवनागरी पांडुलिपिक विशेषज्ञ। साहित्य अकादमीक भाषा सम्मान 2007 क्लासिकल आ मध्यकालीन साहित्य लेल।



धनुर्धर झा

गाम- विशौल। "वाक्यार्थविवेचनम्" लेल श्रीवाणीयुवालंकरण पुरस्कार 2010 प्राप्त।



शिवकान्त पाठक



डॉ. योगेन्द्र पाठक "वियोगी", वैज्ञानिक

"विज्ञानक बतकही" प्रकाशित।



राजनन्द झा

२००६- राजनन्द
झा (कालबेला- समरेश
मजुमदार, बांग्ला)लेल साहित्य
अकादेमी मैथिली अनुवाद
पुरस्कार।



आद्यानाथ झा "नवीन"



अमलतास 1956-



यंत्रनाथ मिश्र



दिगम्बर ठाकुर



गणेश झा 1950-



कन्दर्पनारायण लाल कर्ण



शैलेन्द्र आनन्द 1955-



कमलाकांत झा

अध्यक्ष, मैथिली अकादमी, पटना



लल्लन प्रसाद ठाकुर 1951-
1995

जन्म ५ फरबरी १९५१ मुंगेर मे श्रीमती सुभद्रा
देवी आ श्री हीरानंद ठाकुरक द्वितीय बालक ।
हिनक ग्राम- समौल,जिला-मधुबनी। सिविल
इंजीनियर, टाटा स्टीलमे चाकरी। प्रकाश झाक
फ़िल्म "कथा माधोपुर की" मे मुख्य भुमिका।
नाटककार आ मंच अभिनेता। हुनक लिखल
किछु प्रसिद्ध मैथिली नाटक छन्हि :बडका



डॉ. कमलानन्द झा



लोकनाथ मिश्र

साहेब, मिस्टर निलो काका, लोंगिया
मिरचाई, बकलेल आदि वा अंत।



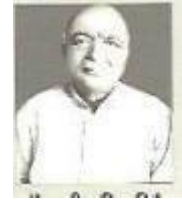
डॉ. रवीन्द्र कुमार चौधरी 1966-

जन्म: 5 मार्च 1966 ई. गनपतगंज, सुपौल।
मैथिलीक प्राध्यापक। रक्षामंत्रीक पदक आ बिहार
आ झारखण्ड सरकार द्वारा पुरस्कृत। झारखण्डक
मैथिली आन्दोलनमे अग्रणी।



अशोक अविचल

जन्म- ५ जनवरी १९६७, गाम-
रहुआ संग्राम, जिला मधुबनी।
मैथिली प्राध्यापक। रचना: एक
बनू नेक बनू (लघु नाटक), मैथिली
भाषा: सर्वक्षण आ
विश्लेषण, हमरा देशक भागमे
(मैथिलीक प्रथम असंगत
नाटक), सम्पादन: झारखण्डक
सनेश, कचोट (नौ
अंक), झारखण्ड वाणी (हिन्दी
साप्ताहिक), सम्मान: अन्तर्राष्ट्रीय
मैथिली सम्मेलनमे सम्मान
(२०००), परमहंस लक्ष्मीनाथ
गोस्वामी समिति सम्मान (२००८)



डॉ. श्रीपति सिंह १९४४-

"उमंग-तरंग" कविता-संग्रह प्रकाशित।



डॉ. उमाकान्त

मैथिली व्यंग्य-आलेखक पोथी
"अपन बात" प्रकाशित।



सुशील 1942-

अस्मिता (लघुकथा संग्रह), भामती (नाटक) प्रकाशित।



श्रीदेव

मूल नाम- वागेश्वर झा। कथा-
संग्रह "हिलकोर", नाटक "लोहक
कडना", गीत-
प्रबन्ध "पुलोमा" प्रकाशित।



सुकान्त सोम 1950-

जन्म दरभंगा जिलाक तरौनी
गाममे 1950 ई. मे भेलन्हि । बी.
ए. पास कए ई पटनाक
दैनिक **जनशक्ति**क सहायक
सम्पादक छलाह। फेर नव भारत
टाइम्स, पटनामे। बाल्यवस्थासँ
अपन पैतृक (पिता याल्नीजी) गुण



डॉ. देवकांत मिश्र 1952-

पिता कविचूड्क्षामणि पं. काशीकांत
मिश्र "मधुप", "बेनीपुर अनुमण्डलमे
मैथिली" पोथी प्रकाशित।



डॉ. नित्यानन्द लाल दास

पिता स्वर्गीय सूर्यनारायण दास।
फारबिसगंज कॉलेज, फारबिसगंज सँ
अंग्रेजी विभागाध्यक्ष पदसँ १९९८ मे
अवकाशप्राप्त। डॉ. सुरेन्द्र झा "सुमन"क
संयोजकत्वक कार्यकालमे "मैथिली
परामर्शदातृ समिति" (साहित्य
अकादेमी, दिल्ली)क सदस्य। मैथिली

कविता करबाक तथा कथा लिखबामे सेहो यश अर्जन कएलन्हि अछि । वर्तमान राजनीति सामाजिक विषयसँ सम्बद्ध व्यंग्यात्मक, सरल भाषामे लिखल नव कविता हिनक विशेषता छन्हि । गामघरक परिवेश तदनुकूल शब्द एवं बिम्ब रचनामे क्रमहि सिद्ध छथि ।



राजनाथ मिश्र 1950-

"अ बर्ड्स आइ व्यू ऑन मिथिला" प्रकाशित।



पशुपतिनाथ झा, महोत्तरी, नेपाल 1954

हिनक लेखन विवरणात्मक होइत अछि आ सम्बद्ध विषयमे नीकजको जानकारी दैत अछि । विभिन्न पत्र-पत्रिकामे हिनक लेख-रचना बरोबरि देखबामे अबैत रहैछ । रा.रा.ब. कैम्पस, जनकपुरधाममे मैथिली विषयक प्राध्यापनमे संलग्न श्री झा मैथिलीसम्बन्धी सङ्गठनात्मक गतिविधिसँ सेहो जुड़ल छथि । मैथिली भाषाक लोपोन्मुख अवस्थामे रहल अपन लिपि तिरहुतामे विशेषज्ञता रखनिहार श्री झा एकर संरक्षण-सम्बर्द्धनक दिशामे सेहो क्रियाशील छथि । प्रध्यापक झा मैथिली महाकाव्यमे रस निरूपण विषयपर विद्यावारिधि कएने छथि आ शिक्षा तथा कानून विषयमे सेहो स्नातक छथि । महोत्तरी जिलाक एकरहिया रहनिहार श्री झाक जन्म ४ दिसम्बर १९५४ कऽ भेलछनि । चेन्नैमे मिथिला रत्नसँ सम्मानित।

पत्रिका सभ जेना बटुक, प्रयाग; मिथिला मिहिर, पटना; स्वदेश, दरभंगा; पहुँच, पटना आ परती पलार, अररियामे रचना प्रकाशित। १९६७ ई.सँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मे सक्रिय। प्रांतीय प्रतिनिधि २००४ धरि जिला सरसंघचालक। जे.पी.आन्दोलनमे लोकतंत्र सेनानी। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलामक अंग्रेजी पोथी "इग्नाइटेड माइण्ड्स"क मैथिलीमे "प्रज्वलित प्रज्ञा" नामसँ अनुवाद। साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार २०१०- डॉ. नित्यानन्द लाल दास- (इग्नाइटेड माइण्ड्स- डॉ.ए.पी.जे. कलाम, अंग्रेजी) लेल।



अनिलचन्द्र ठाकुर 1954-2009

जन्म 13 सितम्बर 1954 ई.कें कटिहार जिलाक समेली गाममे भेलन्हि। 1982 ई.मे हिन्दी साहित्यमे स्नातकोत्तर केलाक बाद नवम्बर '93 सँ नवम्बर '94 धरि "सुबह" हस्तलिखित पत्रिकाक संपादन-प्रकाशन कएलन्हि आ कोशी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकमे अधिकारी रहथि। मैथिली, अंगिका, हिन्दी आ अंग्रेजीमे समानरूपेँ लेखन। मृत्युक पूर्व ब्रेन ट्यूमरसँ बीमार चलि रहल छलाह। **प्रकाशित कृति:** आब मानि जाउ(मैथिली उपन्यास)- पहिने भारती-मंडन पत्रिकामे प्रकाशित भेल, फेर मैलोरंग द्वारा पुस्तकाकार प्रकाशित भेल।; कच(अंगिकाक पहिल खण्ड काव्य, 1975); एक और राम (हिन्दी नाटक, 1981); एक घर सड़क पर (हिन्दी उपन्यास, 1982); द पपेट्स (अंग्रेजी उपन्यास, 1990); अनत कहाँ सुख पावै (हिन्दी कहानी संग्रह, 2007)। आब मानि जाउ (मैथिली उपन्यास) - एहि उपन्यासमे एक एहन युवतीक संघर्ष-गाथा अंकित अछि जे अपन लगनसँ जीवन बदलैत अछि। असंख्य गामक ई कथा कुलीनताक अधःपतनक कथा, संस्कारविहीनताक उद्घाटन आ भविष्यक पीढ़ीकेँ बचएबाक चेतनी छी।



बृषेश चन्द्र लाल



नारायणजी 1956-



डॉ. श्री श्रीशंकर झा 1952-

जन्म 29 मार्च 1955 ई. केँ भेलन्हि। पिता: स्व. उदितनारायण लाल, माता: श्रीमती भुवनेश्वरी देव। हिनकर छठिहारक नाम विश्वेश्वर छन्हि। मूलतः राजनीतिककर्मी। नेपालमे लोकतन्त्रलेल निरन्तर संघर्षक क्रममे १७ बेर गिरफ्तार। लगभग ८ वर्ष जेल। सम्प्रति तराईमधेश लोकतान्त्रिक पार्टीक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष। मैथिलीमे किछु कथा विभिन्न पत्रपत्रिकामे प्रकाशित। आन्दोलन कविता संग्रह आ बी.पीं कोइरालाक प्रसिद्ध लघु उपन्यास मोदिआइनक मैथिली रुपान्तरण तथा नेपालीमे संघीय शासनतिर नामक पुस्तक प्रकाशित। ओ विश्वेश्वर प्रसाद कोइरालाक प्रतिबद्ध राजनीति अनुयायी आ नेपालक प्रजातांत्रिक आन्दोलनक सक्रिय योद्धा छथि। नेपाली राजनीतिपर बरोबर लिखैत रहैत छथि।

जन्म: घोघरडीहा (मधुबनी)। मैथिली भाषा-साहित्यमे एम. ए., पी-एच. डी. कामेश्वर लता संस्कृत विद्यालय, घोघरडीहामे अध्यापन। प्रकाशित कृति: घरि घुरि रहल छी (काव्य-संग्रह)।



जगदीपनारायण "दीपक"



राजदेव मंडल

शिक्षा- एम.ए.द्वय, एल एल बी., पता- ग्राम- मुसहरनियाँ, रतनसारा (निर्मली, मधुबनी)। प्रकाशित कृति- अम्बरा-कविता-संग्रह, हमर टोल (उपन्यास), बसुंधरा(कविता संग्रह), जाल (पटकथा), लाज (एकांकी), जल भंवर (उपन्यास), त्रिवेणीक रंग (विहनि आ लघु कथा संग्रह), पंचैती (लघु पटकथा), वापसी।



शिवप्रसाद यादव



हीरेन्द्र कुमार झा 1958-

जन्म 30 अगस्त 1958, गाम- कोइलख (मधुबनी), पिता श्री कामेन्द्र नाथ झा। ट्रांसफर्मेर (मैथिली कथा संग्रह) प्रकाशित।



मानेश्वर मनुज 1958-

जन्म गम्हरिया (मानपौर, मधुबनी)मे, 1978सँ 1992 धरि नौसेनामे विभिन्न जहाजपर कार्यरत, फेर यात्री रेलमे। सम्बन्ध (कथा संग्रह) प्रकाशित।



नबोनाथ झा



महेन्द्र नारायण राम 1958-



तारानन्द वियोगी 1966-

महिषी, सहरसामे जन्म। पहिल पोथी अपन युद्धक साक्ष्य (गजल संग्रह) १९९१ मे प्रकाशित। अन्य पुस्तक हस्तक्षेप, प्रलय रहस्य(कविता-संग्रह), अतिक्रमण (कथा-संग्रह), शिलालेख (लघुकथा संग्रह), कर्मधारय। राजकमल चौधरीक कथाकृति एकटा चंपाकली एकटा विषधर संकलन-संपादन। साहित्य अकादेमी मैथिली बाल साहित्य पुरस्कार २०१०-तारानन्द वियोगीकेँ पोथी "ई भेटल तँ की भेटल" लेल। यात्री-चेतना पुरस्कार २०१० ई.- डॉ. तारानन्द वियोगी।



भालचन्द्र झा

ए.टी.डी., बी.ए., (अर्थशास्त्र), मुम्बईसँ थिएटर कलामे डिप्लोमा। मैथिलीक अतिरिक्त हिन्दी, मराठी, अग्रेजी आ गुजरातीमे निष्णात। १९७४ ई.सँ मराठी आ हिन्दी थिएटरमे निदेशक। महाराष्ट्र राज्य उपाधि १९८६ आ १९९९ मे। आइ.एन.टी. केर लेल नाटक **सीता** क निर्देशन। **वासुदेव** संगति आइ.एन.टी.क लोक कलाक शोध आ प्रदर्शनसँ जुड़ल छथि आ नाट्यशालासँ जुड़ल छथि विकलांग बाल लेल थिएटरसँ। निम्न टी.वी. मीडियामे रचनात्मक निदेशक रूपेँ कार्य।लेखन-बीछल बेरायल मराठी एकांकी(अनुवाद), सिंहावलोकन (मराठी साहित्यक १५० वर्ष), आकाश (जी.टी.वी.क धारावाहिकक ३० एपीसोड), जीवन सन्ध्या(मराठी साप्ताहिक, डी.डी, मुम्बई), धनाजी नाना चौधरी (मराठी), स्वयम्बर (मराठी), फिर नहीं कभी नहीं(हिन्दी), आहट (हिन्दी), यात्रा (मराठी सीरयल), मयूरपन्ख (मराठी बाल-धारावाहिक), हेल्थकेअर इन २०० ए.डी.)।२००९ मे- भालचन्द्र झा (बीछल बेरायल मराठी एकांकी- सम्पादक सुधा जोशी आ रत्नाकर मतकरी, मराठी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



मनमोहन झा



कुमार शैलेन्द्र



रमेश 1961-

जन्म स्थान मेंहथ, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार ओ कवि । प्रकाशित कृति: समांग, समानांतर, दखल (कथा संग्रह), नागफेनी (गजल संग्रह), संगीर, समवेत स्वरक आग, कोसी धारक सभ्यता, पाथर पर दूभि (काव्य



मेघन प्रसाद 1961-



प्रदीप बिहारी 1963-

जन्म स्थान कन्हौली मल्लिक टोल, खजौली, मधुबनी, बिहार।
चर्चित कथाकार, उपन्यासकार ओ रंगकर्मी । प्रकाशित कृति: गुमकी ओ बिहाड़ि, विसूवियस (उपन्यास), औतीह कमला जयतीह कमला, खण्ड-खण्ड जिनगी, सरोकार (कथा संग्रह)।
२००७- प्रदीप बिहारी (सरोकार, कथा) मैथिली लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार ।

संग्रह), प्रतिक्रिया (आलोचनात्मक निबंध)।



चन्द्रमोहन झा पर्वा



डॉ. सुरेन्द्र लाभ, नेपाल



रोशन जनकपुरी, नेपाल



डॉ. अरविन्द अक्कू 1957-



फूलचन्द्र झा "प्रवीण"
1961-

गाम तुमौल दरभंगा, आयल नवल प्रभात, पांगल गाछक छाहरि, हमरा मोनक खजन चिड़ैया, बसंतक बजनिजा (कविता संग्रह), भूत होइत भविष्य (कथा संग्रह)।



देवशंकर नवीन 1962-

ओ ना मा सी (गद्य-पद्य मिश्रित हिन्दी-मैथिलीक प्रारम्भिक सर्जना), चानन-काजर (मैथिली कविता संग्रह), आधुनिक (मैथिली) साहित्यक परिदृश्य, गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली, राजकमल चौधरी का रचनाकर्म (आलोचना), जमाना बदल गया, सोना बाबू का यार, पहचान (हिन्दी कहानी), अभिधा (हिन्दी कविता-संग्रह), हाथी चलए बजार (कथा-संग्रह)।



कुमार मनीष अरविन्द 1964-



बदरी नारायण बर्मा



राजेन्द्र किशोर, नेपाल



श्याम सुन्दर शशि, नेपाल

श्याम सुन्दर शशि, जनकपुरधाम, नेपाल। पेशा-पत्रकारिता। शिक्षा: त्रिभुवन विश्वविद्यालयसँ, एम.ए. मैथिली, प्रथम श्रेणीमे प्रथम स्थान। मैथिलीक प्रायः सभ विधामे रचनारत। बहुत रास रचना विभिन्न पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित। हिन्दी, नेपाली आऽ अंग्रेजी भाषामे सेहो रचनारत आऽ बहुतरास रचना प्रकाशित। सम्प्रति- कान्तिपुर प्रवासक अरब ब्यूरोमे कार्यरत।



हिमांशु चौधरी, नेपाल

पिता : स्वर्गीय कामेश्वर चौधरी, माता: श्रीमती चन्द्रावती चौधरी, जन्म: वि स २०२०/६/५ लहान, सिरहा, शिक्षा: स्नातकोत्तर(नेपाली), पेशा: पत्रकारिता (सम्प्रति : राष्ट्रिय समाचार समिति), कृति : की भार सांठू ? (मैथिली कविता संग्रह), विगत दू दशकसं नेपाली आ मैथिली लेखन तथा अभियानमे निरन्तर क्रियाशील आ विभिन्न संघ संस्थासं आबद्ध।



सत्यनारायण मेहता



भुवनेश्वर पाथेय



राजेन्द्र झा, धनुषा



अशोक कुमार मेहता



धर्मेन्द्र विह्वल, सिरहा, नेपाल
1967-

रस्ता तकैत जिनगी, एक सृष्टि एक कविता, एक समयक बात, धुअनाएल आकृति सभ (मैथिली कविता संग्रह), भ्रमरका उत्कृष्ट नाटकहरु, गोनूझाका कथाहरु (मैथिलीसँ नेपाली अनुवाद), मैथिलीक कक्षा 1 सँ 5 आ बाल-



धीरेन्द्र कुमार झा



निमिष झा, नेपाल



गौरीनाथ (अनलकान्त)

"अन्तिका"क सम्पादन।

साहित्य संदर्भक तीनटा पोथीक सह-लेखक।
पत्रकारिताक मूल
सिद्धांत (मैथिली, प्रेसमे), दलित रिपोर्टिंग
मैनुअल (नेपाली, प्रेसमे)।



आनन्द कुमार झा 1977-

जन्म स्थान: मेंहथ, झंझारपुर; पिता स्व. अभयकांत झा, माता श्रीमती इन्द्रकाली देवी, प्रकाशन- "धधाइत नवकी कनियाँक लहास", "हठात् परिवर्तन", "बदलैत समाज", "टाकाक मोल", "कलह" (पाँचू मैथिली नाटक) प्रकाशित। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी पुरस्कार २०११ युवा पुरस्कार- आनन्द कुमार झा (कलह, नाटक)



वनदेवीपुत्र भवनाथ, नाटककार



चन्द्रेश



राम सेवक सिंह



शहीद दुर्गानन्द झा, नेपाल



उदयनाथ झा "अशोक"



कपिलेश्वर राउत

उलहन (विहनि - लघु कथा संग्रह) प्रकाशित।



कृष्णचन्द्र यादव, नेपाल



उमाकान्त झा आ प्रियंका, मैथिली रंगमंच



शशिनाथ ठाकुर, नेपाल



दुर्गानन्द मंडल

संचयिका, कथा कुसुम (विहनि आ लघु कथा संग्रह), चक्षु प्रकाशित।

कपिलेश्वर साहू



शिवकान्त ठाकुर



श्यामानन्द ठाकुर

डॉ. शम्भु कुमार सिंह

जन्म: 18 अप्रील 1965 सहरसा जिलाक महिषी प्रखंडक लहुआर गाममे।
आरंभिक शिक्षा, गामहिसँ, आइ.ए., बी.ए. (मैथिली सम्मान) एम.ए. मैथिली (स्वर्णपदक प्राप्त) तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार सँ। BET [बिहार पात्रता परीक्षा (NET क समतुल्य) व्याख्याता हेतु उत्तीर्ण, 1995] मैथिली नाटकक सामाजिक विवर्तन विषय पर पी-एच.डी. वर्ष 2008, तिलका माँ. भा. विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार सँ। मैथिलीक कतोक प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिका सभमे कविता, कथा, निबंध आदि समय-समय पर प्रकाशित।
वर्तमानमे शैक्षिक सलाहकार (मैथिली) राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर-6 मे कार्यरत।



शोभाकान्त झा

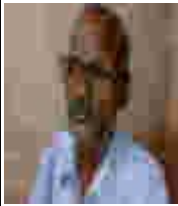


हरिकांत लाल दास, नेपाल



शिव कुमार झा 1973-

शिव झा टिळ्ळू, पिताक नाम: स्व. काली कान्त झा बूच, माताक नाम:



राम विलास साहु

मनक

मैल, अंकुर- लघुकथा संग्रह, रथक चक्का उलटि चलै बाट (कविता/ टनका संग्रह), कर्म बिनु जग सुन्ना (दोसर कविता/ टनका संग्रह), स्कूलक खिचड़ी (विह नि/ लघु कथा संग्रह), दूधबेचनी (लघु कथा संग्रह) प्र काशित।



महाकान्त ठाकुर



बचेश्वर झा, निर्मली

"निबन्ध-निकुञ्ज" प्रकाशित।



धीरेन्द्र कुमार, निर्मली



चन्द्रशेखर कामति 1959-

मैथिली कवि। शिक्षा- एम.ए. (राजनीतिशास्त्र), पिता- स्व. योगेन्द्र कामति, गाम-पोस्ट- करियन, भाया-इलमास नगर, थाना- रोसड़ा, जिला-समस्तीपुर, बिहार। संप्रतिप्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी (बेनीपट्टी)।



नन्द विलास राय

"भरदुतिया", "छठिक डाला", "हमर चारूधाम" प्रकाशित।

स्व. चन्द्रकला देवी, जन्म तिथि: 11-12-1973, शिक्षा: स्नातक (प्रतिष्ठा), जन्म स्थान: मातृक- मालीपुर मोड़तर, जि. - बेगूसराय, मूलग्राम: ग्राम-पत्रालय - करियन, जिला - समस्तीपुर, पिन: 848101, संप्रति: प्रबंधक, संग्रहण, जे. एम. ए. स्टोर्स लि., मेन रोड, बिस्वपुर जमशेदपुर - 831 001, अन्य गतिविधि: वर्ष 1996 सँ वर्ष 2002 धरि विद्यापति परिषद समस्तीपुरक सांस्कृतिक, गतिविधि एवं मैथिलीक प्रचार-प्रसार हेतु डॉ. नरेश कुमार विकल आ श्री उदय नारायण चौधरी (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक) क नेतृत्वमे संलग्न। **प्रकाशित कृति:** क्षणप्रभा-कविता-संग्रह, अंशु-समालोचना।



बिनय भूषण

उजरा परवाक खोज (कविता संग्रह)



सुधाकर झा, महोत्तरी, नेपाल

सएसँ बेशी सड़क नाटकमे मंचन।



सदरे आलम "गौहर"

गाम-पुरसौलिया, भाया-जयनगर, जिला मधुबनी।



डॉ. भुवन किशोर मिश्र "भुवनेश"

मैथिली कथा संग्रह- गोबरछत्ता।



दिनकर कुमार

"पूर्वोत्तर मैथिल"क सम्पादन।



डॉ. विनय विश्वबन्धु



रामदेव प्रसाद मण्डल झारूदार

मैथिलीक भिखारी ठाकुरक नामसँ प्रसिद्ध मैथिलीक पहिल जनकवि रामदेव प्रसाद मण्डल झारूदार।

"हमरा बिनु जगत सूना छै" आ "गीताञ्जलि झाडू" प्रकाशित।



उमेश पासवान

"वर्णित रस" प्रकाशित।



ओम प्रकाश झा

घोघरडीहा (मधुबनी)।

"कियो बूझि नै सकल हमरा" (गजल, रुबाइ आ कता संग्रह) प्रकाशित।



जगदानन्द झा मनु

नद्विया भुकैए हमर घराड़ीपर (गजल संग्रह), तोहर कतेक रंग (विहनि कथा संग्रह), चोनहा- (बाल उपन्यास), व्यथा- (कविता-गीत संग्रह)।



अच्छेलाल शास्त्री



डॉ अमोल राय



नन्द कुमार मिश्र नन्द



डॉ. नन्द कुमार मिश्र



शिव कुमार प्रसाद



दिलीप कुमार झा



डॉ ताराकान्त झा

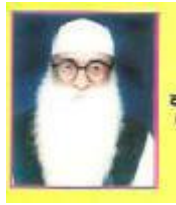


अमरकान्त, नेपाल



मुरलीधर झा

कबिलपुर, दरभंगा। बाल कथा संग्रह "पिलपिलहा गाछ" (2010) प्रकाशित।



कमलधर दास

"मैथिल कर्ण कायस्थक गोत्र, प्रवर, मूल आ वैवाहिक सम्बन्ध" पोथी प्रकाशित।



श्रीकान्त मण्डल, मैथिली रंगमंच



बेचन ठाकुर

गाम: चनौरागंज, मधुबनी। प्रकाशित कृति: बेटीक अपमान आ छीनरदेवी (नाटक), बाप भेल पिन्ती आ अधिकार (नाटक), बिसवासघात (नाटक), ऊँच-नीच (नाटक), भौँट (नाटक); एक दर्जनसँ बेशी नाटक प्रकाशनक प्रतीक्षामे।



गंगा झा

मैथिली रंगमंडल कोकिल मंच, कोलकाता। कोलकाता आ गाम पजुआरिडीह टोलमे मैथिली रंगमंच निर्देशन।



नबोनारायण मिश्र 1955-

पिता-श्री गोबिन्द मिश्र, माता- श्रीमति अदुला देवी। गाम- कुशमील, पो.नागदह-बलाइन, भाया-अरेडुहाट, जिला-मधुबनी। मैथिली रंगमंचसँ सम्बद्ध "कोकिल मंच" संस्थाक माध्यमसँ।



कमलेश कुमार दास, रंगमंच क
लाकार



किशोर केशव, मैथिली रंगमंच



कुमार गगन, मैथिली रंगमंच



अशोक दत्त, जनकपुर



मदन ठाकुर

चर्चित रंगकर्मी, जनकपुरक चर्चित संस्था मिथिला नाट्यकला परिषदक संस्थापक। तीन दशकसँ बेसी समयसँ रंगक्षेत्रमे सक्रिय। करीब ३००४० गोट मंचीय नाटकक सयो प्रस्तुति, २००२५ गोट सड़क नाटकक हजारसँ बेसी प्रदर्शनमे अभिनय। २० गोट टेली-सीरियल आ आधा दर्जन मैथिली फीचर फिल्ममे अभिनय। पुरस्कार: सप्तम अन्तर्राष्ट्रिय महोत्सवमे सर्वश्रेष्ठ अभिनेता २०४९ वि.स., क्षेत्रीय प्रतिभा पुरस्कार (नेपाल सरकार) २०६३ वि.स।



अभय कुमार यादव, मैथिली रं
गमंच



आशुतोष यादव अभिज्ञ



कृष्ण कुमार कश्यप 1949-

जन्म १५ सितम्बर १९४९ ई.। पिता- कवि-उपन्यासकार स्व. इन्द्रनारायण लाल "सँवलिया"। जनबरी १९६५ ई. मे नेना सभ लेल "नाइट स्कूल", १९८१ ई. मे "कला आधारित जीवन आ शिक्षण पद्धति"क प्रवर्तन आ तकर कार्यान्वयन लेल शिवा कश्यप आ शशिबालाक सहयोगसँ "भारती विकास संस्था"क स्थापना। रचना: शशिबालाक संग "मेघदूत" आ "गीत-गोविन्द"क मैथिली अनुवाद, माछ-भात, मिथिला चित्र-शिक्षा, भाग-१, मिथिला चित्र-कोर, भाग-३।



ललित कुमुद



बटोही झा, मिथिला चित्रकला



प्रवीण कुमार ठाकुर

जन्म तिथि -31 दिसम्बर 1977; जन्म स्थान - कन्हौली, सकरी, मधुबनी; शिक्षा- सूर्य नारायण हाई स्कूल - नरपतिनगर, बी. एस. सी - मेमोरिअल कॉलेज - दरभंगा, डिप्लोमा इन फैशन डिजाईन (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फैशन डिजाईन - नयी दिल्ली), चित्रकला आओर फैशन पूर्वानुमानमे विशेष योग्यता, निवास स्थान- दिल्ली, इंडिया; पिता- श्री सत्य नारायण ठाकुर, सकरी - कन्हौली; माता- श्रीमती मालती ठाकुर, सकरी - कन्हौली। वर्तमानमे अपन एक्सपोर्ट बिज़नेस एस्थेट) क नामसँ शुरुआत, पूर्वमे प्रोडक्ट डेवेलोपमेंट आओर मर्चेंटक रूपमे कार्यरत।



लाला पंडित, मिथिला मूर्तिकला



राजेन्द्र पंडित, मिथिला मूर्तिकला



गिरीश चन्द्र लाल



नवेन्दु कुमार झा, पत्रकार



चन्द्र किशोर लाल, पत्रकार, नेपाल



उपेन्द्र भगत नागवंशी, नेपाल

सङ्क नाटक।



रमेश रंजन, परवाहा, नेपाल 1966-

परवाहा, नेपालमे जन्म । नेपालीय कथा-जगतक नवीन मुदा सम्मानित नाम । जनपक्षधर कथा-दृष्टि आ मोहक शिल्प । थोड़ लिखलनि, मुदा बेर-बेर चर्चित रहलाह ।



विनीत ठाकुर

"बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज" प्रकाशित।



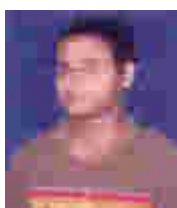
सुजीत कुमार झा, नेपाल

जिद्दी (लघुकथा संग्रह), चिडै (लघुकथा-संग्रह), रिपोर्टर डायरी (रिपोर्ताज), गन्ध (लघु कथा संग्रह), खजु रीबाली (लघु कथा संग्रह), कोइली घूरि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह), दूधमती- (सम्पादन- नेपाली आ मैथिलीमे)।



सरोज खिलाड़ी

नेपालक पहिल मैथिली रेडियो नाटक संचालक



देवांशु वत्स

जन्म- तुलापट्टी, सुपौल। मास कम्प्युनिकेशनमे एम.ए., हिन्दी, अंग्रेजी आ मैथिलीक विभिन्न पत्र-पत्रिकामे कथा, लघुकथा, विज्ञान-कथा, चित्र-कथा, कार्टून, चित्र-प्रहेलिका इत्यादिक प्रकाशन। विशेष: गुजरात राज्य शाला पाठ्य-पुस्तक मंडल द्वारा आठम कक्षाक लेल विज्ञान कथा **जंग** प्रकाशित (2004 ई.), नताशा: मैथिलीक पहिल-चित्र-श्रृंखला (कॉमिक्स) प्रकाशित।



संतोष मिश्र, नेपाल

पोसपुत (लघुकथा-संग्रह), उदास मोन (लघुकथा-संग्रह), एना-किए (कविता-संग्रह), अएना (संपादन- कविता-संग्रह)।



सुनील कुमार मल्लिक, गायक, जनकपुर, नेपाल 1968-

मैथिलीक गायक-सगडीतकारक रूपमे प्रसिद्ध छथि। मैथिली भाषाक गीतसभमे मौलिक तथा सार्थक सगडीतक सृजनमे हिनक सक्रियता प्रशंसनीय छनि। सुनीलक गायन तथा सगडीतमे कैसेट एलबमसभ सेहो बाहर भेल अछि। लेखनदिस हिनक सक्रियता परिमाणामक रूपमे कम रहितहुँ गुणात्मक दृष्टिँ हृदयस्पर्शी मानल जाइत अछि। पेशासँ विज्ञान-शिक्षक छथि।



धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सिरहा, नेपाल 1967-

वि.सं.२०२४ साल भादब १८ गते सिरहा जिलाक गोविन्दपुर-१, बस्तीपुर गाममे जन्म लेनिहार प्रेमर्षिक पूर्ण नाम धीरेन्द्र झा छियनि। कान्तिपुरसँ हेल्लो मिथिला कार्यक्रम प्रस्तुत कर्ता जोड़ी रूपा-धीरेन्द्रक धीरेन्द्रक अबाज गामक बच्चा-बच्चा चिन्हैत अछि। **पल्लव** मैथिली साहित्यिक पत्रिका आ **समाज** मैथिली सामाजिक पत्रिकाक सम्पादन।



रबीन्द्र नारायण मिश्र

पिताक नाम: स्वर्गीय सूर्य नारायण मिश्र, माताक नाम: स्वर्गीया द याकाशी देवी, पैतृक ग्राम: अडेर डीह, मातृक: सिन्धुआ ड्योडी। वृत्ति: योजना आयोगक उप सचिव, दिल्लीमे स्पेशल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट। आब सेवा निवृत्त। शिक्षा: चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालयसँ बी.एस-सी. भौतिकी विज्ञानमे प्रतिष्ठा; दिल्ली विश्वविद्यालयसँ विधि स्नातक। प्रकाशित कृति : मैथिली:-

१. **भोरसँ साँझ धरि** (आत्म कथा), २. **प्रसंगवश** (निबंध), ३. **स्वर्ग एतहि अछि** (यात्रा प्रसंग), ४.



कुमार भास्कर

◆फसाद◆ (कथा संग्रह) ५.
नेमस्तस्यै◆ (उपन्यास) ६. विविध प्रसंग (निबंध) ७.महराज (मैथिली उपन्यास) ८.लजकोटर (मैथिली उपन्यास)
९.सीमाक ओहि पार (मैथिली उपन्यास) १०.समाधान(निबंध संग्रह) ११.मातृभूमि(उपन्यास) १२.स्वप्नलोक(उपन्यास) १३.शंखनाद (उपन्यास)।



अमरेन्द्र यादव, नेपाल



रघुनाथ मुखिया



प्रदीप पुष्प



संदीप कुमार साफी

"बैशाखमे दलानपर" प्रकाशित।



उमेश मंडल

निश्चुकी- कविता संग्रह, मिथिलाक संस्कार गीत, विध-व्यवहार गीत आ गीतनाद (संकलन),
"मिथिलाक वनस्पति स्लाइड शो मिथिलाक जीव-जन्तु स्लाइड शो मिथिलाक जिनगी स्लाइड शो", सगर राति दीप जरय- इतिहास, दुध-पानि फराक-फराक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)-
(छाया एवं सम्पादन- उमेश मण्डल), हिन्दुस्तानी मुसलमान और हिन्दुस्तानियत - मूल हिन्दी लेख- गीतेश शर्मा, मैथिली अनुवाद- उमेश मण्डल।



चन्द्रमणि



स्व. हेमकान्त झा, गायक



मुरलीधर, मैथिली फिल्म निर्देशक



कुंज बिहारी, मैथिली गायक



रामबाबू झा, गायक



बि.पि.उदासी



जितेन्द्र सहयोगी



उदितनारायण फिल्म गायक



प्रकाश झा, फिल्म निर्देशक



कीर्ति आजाद क्रिकेट



श्रीराम झा शतरंज



अभिषेक झा गोल्फ



अशोक कुमार 1981-

साधारण काष्ठकारक परिवारमे समस्तीपुर जिलाक मोखियारपुर सखलानी गाममे जनमल अशोक कुमार कहियो स्कूल नहि गेलाह। दिनमे पचास टाका कमेनिहार दिल्लीक एकटा गोल्फ क्लबक एहि कैडीकेँ 1994 ई. मे चोरिक मिथ्यारोप लगा कए गोल्फ कोर्ससँ बाहर कए देल गेल। वैह कैडी दस सालक भीतर भारतक नम्बर एक गोल्फर बनि गेल।



राजेश रंजन, मैथिली फेडोरा प्रोजेक्ट



संजय झा

सुल्तानगंज, भागलपुर।
मोटोरोलाक सी.ई.ओ.।



बिन्देश्वर पाठक



बिनोद मिश्र

डॉ. बिनोद मिश्र सम्प्रति आई आई टी रूडकी, उत्तराखंडमे अंग्रेजी



राजकमल झा, अंग्रेजी लेखक, पत्रकार

हिनकर अंग्रेजी उपन्यास "द ब्लू बेडस्प्रेड", "इफ यू आर अफरेड ऑफ हाइट्स" आ "फायरप्रूफ" प्रकाशित छन्हि। "द



मानस बिहारी वर्मा, वैज्ञानिक

पढ़बैत छथि आ हिनक रचनाb अंग्रेजी आ हिंदी मे प्रकाशित भेल छन्हि। अहि वर्ष हिनक कविता संग्रह Silent Steps and Other Poems प्रकाशित भेल छन्हि। एकर अतिरिक्त ई अंग्रेजीमे आलोचनाक क्षेत्रमे आठ टा पोथी संपादित केने छथि। हिनक पोथी Communication Skills for Engineers and Scientists बहुते इंजीनियरिंग संस्थानमे पाठ्य पुस्तक रूपमे पढ़ाओल जाइत अछि।

ब्लू बेडस्प्रेड" (१९९९)पर हुनका "कॉमनवेल्थ राइटर्स प्राइज फॉर बेस्ट फर्स्ट बुक- यूरोशिया" भेटल छन्हि। राजकमल झा श्री मुनीश्वर झा आ श्रीमती रंजना झाक पुत्र छथि, "आइ.आइ.टी.खड़गपुर"सँ बी.टेक.छथि, आ आइ काल्हि दिल्लीमे रहै छथि, जतए ओ "इण्डियन एक्सप्रेस" मे एडिटर छथि।



फणीश्वर नाथ 'रेणु' मिथिला रत्न
1921-1977



रामधारी सिंह 'दिनकर' मिथिला रत्न 19
08-1974



रामवृक्ष बेनीपुरी 1899-
1967



डॉ. हरिवंश तरुण 1927-
2009

जन्म 21 जून 1927 ई.।
गाम- चकसलेम, पो.- पटोरी, जिला- समस्तीपुर।
तीन दर्जन सँ बेशी हिन्दी पोथी जाहिमे काव्य-
कथा-प्रबन्ध सम्मिलित अछि।



हरिशंकर श्रीवास्तव "शलभ"
1934-



स्व. जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज'
हिन्दीक साहित्यकार।



रामेश्वर प्रेम
हिन्दीक नाटककार।



डॉ. नवल किशोर दास "नवल"



मोहनानन्द झा 1955-



रामाज्ञा शशिधर



गणेश चंचल १९३०-
२०११



डॉ. अमरेन्द्र



गोरेलाल मनीषी



कुन्दन अमिताभ



शंभु अगेही

जन्म ८ जनवरी १९४१, प्रकाशित
कृति: ओझराएल डीह (कथा-
काव्य) १९९८, सतंजा (कथा
संग्रह) १९९९, तेसरी बेरिआ (कथा
काव्य) २००३, बज्जिका छंद
विभास २००७



पोद्दार रामावतार अरुण १९२३-
१९९९



मजहर इमाम १९३०-
२०१२



अरुण प्रकाश १९४८-
२०१२



अंशुमन पाण्डेय

तिरहुता यूनीकोडक आवेदनकर्ता।



दिनेश कुमार मिश्र

मिथिलाक बाढ़िक एक्स्पर्ट।
मिथिलाक मोटा-मोटी सभ धारपर
किताब प्रकाशित। उत्तर बिहार की
व्यथा कथा (१९९०), कोसी- उम्र
कैद से सजा-ए-मौत
तक (१९९२) बंदिनी महानंदा
(१९९४), बोया पेड़ बबूल
का- बाढ़ नियंत्रण का



ओमप्रकाश भारती १९६८-

कोसी नदीक लोक सांस्कृतिक अध्ययन - नदियाँ
गाती हैं, बिहार के पारम्परिक नाट्य आ मैथिलीक
लोक नाट्य प्रकाशित

रहस्य (२०००), बगावत पर मजबूर मिथिला की कमला नदी (२००४), भुलही नदी और तकनीकी झाड़- फूक (२००५), , दुई पाटन के बीच में- कोसी नदी की कहानी (२००६) तथा बागमती की सद्गति (२०१०)।



वैदेही सीता



याज्ञवल्क्य पत्नी मैत्रेयी

याज्ञवल्क्यक दू टा पत्नी छलथिन्ह पहिल कात्यायनी आ दोसर मैत्रेयी। मैत्रेयी ब्रह्मवादिनी छलीह। कात्यायनीसँ हुनका तीनटा पुत्र छलन्हि- चन्द्रकान्ता, महामेघ आ विजय।



मोतीदाइ

मिथिलाक रजक (धोबि) जातिक लोकदेवता



बिहुला

चम्पानगरक बिहुला।



गांगो देवी

मिथिलाक मलाह जातिक लोकदेवता। गांगोदेवीक भगता अखनो मिथिलाक मलाह लोकनिमे प्रचलित अछि।



रेशमा, कुसुमा, फुल्वा



मोरंगक मोतीसायर



विन्ध्यवासिनी देवी मैथिली लोकगीत 19 20-2006



कामेश्वरी देवी 1922-

मधुबनी जिलाक नवानी गामक। जन्म १९२२ ई. मे अपन मातृक नाहरमे भेलनि। पति पं मदनमोहन झा। बरौनीवासी प्रसिद्ध तान्त्रिक पण्डित केशव मिश्र हिनक पिता छलथिन। "मिथिला संस्कार गीत" पोथी।



कुसुमलता कर्ण



अणिमा सिंह 1924-

समीक्षिका, अनुवादिका, सम्पादिका
। प्रकाशन: मैथिली
लोकगीत, वसवेश्वर (अनु.), शिशु
खेल गीत आदि। लेडी ब्रेबोर्न
कॉलेज, कलकत्तामे पूर्व
प्राध्यापिका।



लिली रे 1933-

जन्म: २६ जनवरी, १९३३, पिता: भीमनाथ
मिश्र, पति: डॉ. एच. एन्. रे, दुर्गागंज, मैथिलीक
विशिष्ट कथाकार एवं उपन्यासकार ।
मरीचिका उपन्यासपर साहित्य अकादेमीक
१९८२ ई. मे पुरस्कार । मैथिलीमे लगभग दू
सय कथा आ पाँच टा उपन्यास प्रकाशित ।
विपुल बाल साहित्यक सृजन। अनेक
भारतीय भाषामे कथाक अनुवाद-प्रकाशित।
पहिल प्रबोध सम्मान 2004 सँ सम्मानित।



चित्रलेखा देवी 1935-



मोहिनी झा 1937-



डॉ. सावित्री झा



कविता देवी 1942-



प्रमिला झा



शान्ति सुमन 1942-

जन्म 15 सितम्बर 1942, कासिमपुर, सहरसा,
बिहार, प्रकाशित कृति, ❖ओ प्रतीक्षित, परछाई
टूटती, सुलगते पसीने, पसीने के रिश्त, मौसम
हुआ कबीर, समय चेतावनी नहीं देता, तप रेहे
कचनार, भीतर-भीतर आग, मेघ
इन्द्रनील (मैथिली गीत संग्रह), शोध प्रबंध:
मध्यवर्गीय चेतना और हिन्दी का आधुनिक
काव्य, उपन्यास: जल झुका हिरन। सम्मान:
साहित्य सेवा सम्मान, कवि रत्न सम्मान, महादेवी
वर्मा सम्मान। अध्यापन कार्य।



प्रभावती झा 1945-1999



नीरजा रेणु 1945-

जन्म: ११ अक्टूबर १९४५, नाम: कामाख्या देवी, उपनाम: नीरजा रेणु, जन्म स्थान: नवटोल, सरिसबपाही । शिक्षा: बी.ए. (आनर्स) एम.ए., पी-एच.डी., गृहिणी । प्रकाशित रचना: ओसकण (कविता मि.मि., १९६०) लेखन पर पारिवारिक, सांस्कृतिक परिवेशक प्रभाव । मैथिली कथा धारा साहित्य अकादेमी नई दिल्लीसे स्वातन्त्र्योत्तर मैथिली कथाक पन्द्रह टा प्रतिनिधि कथाक सम्पादन । सृजन धार पियासल कथा संग्रह, आगत क्षण ले कविता संग्रह, ऋतम्भरा कथा संग्रह, प्रतिच्छवि हिन्दी कथा संग्रह, १९६० से आइधरि सएसँ अधिक कथा, कविता, शोधनिबन्ध, ललितनिबन्ध, आदि अनेक पत्र-पत्रिका तथा अभिनन्दनग्रन्थमे प्रकाशित । मैथिलीक अतिरिक्त किछु रचना हिन्दी तथा अंग्रेजीमे सेहो । २००३- नीरजा रेणु (ऋतम्भरा, कथा) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार ।



जस्टिस मृदुला मिश्र

स्व. इलारानी सिंह 1945-1993

इलारानी सिंह: जन्म 1 जुलाई, 1945, निधन : 13 जून, 1993, पिता : प्रो. प्रबोध नारायण सिंह सम्पादिका : मिथिला दर्शन, विशेष अध्ययन : मैथिली, हिन्दी, बंगला, अंग्रेजी, भाषा विज्ञान एवं लोक साहित्य । प्रकाशित कृति : सलोमा (आस्कर वाइल्डक फ्रेंच नाटकक अनुवाद 1965), प्रेम एक कविता (1968) बंगला नाटकक अनुवाद, विषवृक्ष (1968) बंगला नाटकक अनुवाद, विन्दती (1972), स्वरचित: मैथिली कविता संग्रह (1973), हिन्दी संग्रह ।



वीणा ठाकुर 1954-

जन्म- भवानीपुर, पण्डौल (मधुबनी) । पिता श्री श्रीमोहन ठाकुर । प्रकाशित कृति: मैथिली रामकाव्यक परम्परा, इतिहास-दर्पण (समीक्षा), विद्यापतिक उत्स (समालोचना), भारती (उपन्यास)



वीणा कर्ण 1946-

जन्म 3 नवम्बर 1946, गाम- पटोरी, पो.पंचगछिया, जिला- सहर सा। सदस्य, मैथिली साहित्य अकादेमी परामर्शदातृ समिति 1987-1993, सदस्य, भाषा परामर्शदातृ समिति (मैथिली), भारतीय ज्ञानपीठ। अवकाशप्राप्त विश्वविद्यालय आचार्य आ अध्यक्ष, मैथिली विभाग, पटना विश्वविद्यालय। प्रकाशित कृति- अर्गला, भावनाक अस्थिपंजर (मैथिली काव्य

उषाकिरण खान 1945-

जन्म: २४ अक्टूबर १९४५, कथा एवं उपन्यास लेखनमे प्रख्यात । मैथिली तथा हिन्दी दूनू भाषाक चर्चित लेखिका । प्रकाशित कृति: अनुत्तरित प्रश्न, दूर्वाक्षत, हसीना मंजिल, भामती (उपन्यास) । २०१०-श्रीमति उषाकिरण खान (भामती, उपन्यास) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कार- मैथिली ।



ज्ञानसुधा मिश्र

भारतक उच्चतम न्यायालयक चारिम महिला न्यायाधीश आ पहिल मैथिलानी ।



शेफालिका वर्मा 1943-

जन्म: ९ अगस्त, १९४३, जन्म स्थान: बंगाली टोला, भागलपुर । शिक्षा: एम., पी-एच.डी. (पटना विश्वविद्यालय), ए. एन. कालेज, पटना मे हिन्दीक प्राध्यापिका पदसे सेवानिवृत्त । नारी मनक ग्रन्थिके खोली: करुण रससे भरल अधिकतर रचना । प्रकाशित रचना: झरैत नौर, बिजुकैत

संग्रह), शंखनाद, तुभ्यमेव समर्पये, अनुबन्ध (हिन्दी काव्य संग्रह)। प्रकाश्य: सप्तपदी (मैथिली निबन्ध संग्रह), चारित्रिक पृष्ठभूमिमे मैथिलीक प्रसिद्ध उपन्यास, मैथिली-उपन्यासक कथा किछु कहैत अछि (मैथिली आलोचना); जिन्दगीनामा (हिन्दी काव्य संग्रह), क्रमशः (हिन्दी आलोचना)।

टोर; विप्रलब्धा (कविता संग्रह), स्मृति रेखा (संस्मरण संग्रह), एकटा आकाश (लघुकथा संग्रह), यायावरी (यात्रा-वृत्तान्त), भावाञ्जलि (काव्य-प्रगीत), किस्त-किस्त जीवन (आत्मकथापर साहित्य अकादेमी पुरस्कार)। अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)आखर-आखर प्रीत, नागफांस (उपन्यास)। २००४ ई.- डॉ. श्रीमती शेफालिका वर्मा, पटना;यात्री-चेतना पुरस्कार।



नीता झा 1953-

जन्म : २१-०१-१९५३,व्यवसाय:प्राध्यापिका । लेखन पर समाजक परम्परा तथा आधुनिकताक संस्कार सँ होइत विसंगतिक प्रभाव।प्रकाशित कृति : फरिच्छ, कथा संग्रह १९८४, कथानवनीत १९९०,सामाजिक असन्तोष ओ मैथिली साहित्य शोध समीक्षा ।बिलाइ मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)।



आशा मिश्र 1950-

जन्म:६-७-१९५० ई.,प्रकाशित कथा मे मैथिलीक संग हिन्दी मे सेहो । सभसँ पैघ विजय मैथिली कथा संग्रह ।



डॉ. सुनीति झा



प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' 1948-

जन्मस्थान:रहिका,माता:श्रीमती वृन्दा देवी,पिता:पं. दीनानाथ झा,शिक्षा:एम.ए., बी.एड.,प्रसिद्ध अभिनेत्री दू सयसँ बेशी नाटकमे भाग लेलनि ।भंगिमा (नाट्यमंच) क भूतपूर्व उपाध्यक्षा,पत्रिकाक सम्पादन, कथालेखन आदिमे कुशल ।◆अरिपन◆आदि अनेक संस्था द्वारा पुरस्कृत-सम्मानित।



डॉ. इन्दिरा झा 1957



मेनका मल्लिक 1966-



शारदा सिन्हा मैथिली लोकगीत
1953-



लालपरी देवी



शकुंतला चौधरी



गोदावरी दत्ता, मिथिला चित्रकला



उषा वर्मा 1948-



कमला चौधरी 1953-

कृति- मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली, प्रकाशनाधीन: बाटे बिलायल पानि (कथा संग्रह), पिया मधुमास (कविता संग्रह), आशापूर्णा देवीक बंगला लघु उपन्यास **मन मंजूषा**क मैथिली अनुवाद। मुजफ्फरपुरसँ प्रकाशित साहित्यिक पत्रिका **स्वाती**क सम्पादन (१९८४-८५)।



सीता देवी, मिथिला चित्रकला



सरस्वती चौधरी, जनकपुर



डॉ. अरुणा चौधरी



विभा रानी 1959-

मैथिली क 3 साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता लेखकक 4 गोट किताब "कन्यादान" (हरिमोहन झा), "राजा पोखरे में कितनी मछलियां" (प्रभास कुमार चारुधरी), "बिल टेलर की



ज्योत्सना चन्द्रम 1963-

जन्मतिथि: १५ दिसम्बर, १९६३, जन्मस्थान : मरूआरा, सिंधिया खुर्द, समस्तीपुर, पिता : श्री मार्कण्डेय प्रवासी, माता: श्रीमती सुशीला झा, अध्यापन | सुपरिचित



सुस्मिता पाठक 1962-

जन्म: सुपौल, बिहार । परिचित कविता संग्रह प्रकाशित । कथावाचक, कथासंग्रह प्रकाशनाधीन । राजनीति शास्त्रमे एम.ए.। संगीत, पेंटिंगमे रुचि । मैथिलीक पोथी पत्रिका पर अनेक रेखाचित्र प्रकाशित

डायरी" व "पटाक्षेप" (लिली रे) हिन्दीमे अनूदित छन्हि। 2 गोट लोककथाक पुस्तक "मिथिला की लोक कथाएं" व "गोनू झा के किस्से"। मैथिली कथा संग्रह "खोहसँ निकसैत"।



उर्मिला देवी, मिथिला चित्रकला

कवयित्री, कथाकार । प्रकाशित कृति: बोनसाई (कविता संग्रह), झिझिरकोना (कथासंग्रह)।



यमुना देवी, मिथिला चित्रकला

। समकालीन जीवन, समय, आ तकर स्पंदनक कवयित्री । अनेक भाषामे रचनाक अनुवाद प्रकाशित।



यशोदा देवी, मिथिला चित्रकला



रमा झा, सम्पादक मिथिला दर्पण



पन्ना झा

अनुभूति (लघुकथा संग्रह)।



सुधा कर्ण



नूतन दास

सम्पादिका, मिथिलांगन



राधिका झा, अंग्रेजी लेखिका

हुनकर अंग्रेजी उपन्यास "स्मेल" आ "तैन्टर्न्स ऑन देयर हॉन्स" आ अंग्रेजी लघु कथा संग्रह "द एलीफेन्ट एण्ड द मारुति" प्रकाशित अछि। उपन्यास "स्मेल" लेल हुनका "फ्रेन्च प्रिक्स गुएरलेन" पुरस्कार भेटल छन्हि आ ई पोथी सोलह भाषामे अनूदित भेल अछि। राधिका "एमहर्स्ट कॉलेज"सँ "एन्थ्रोपोलोजी" पढ़ने छथि आ "शिकागो विश्वविद्यालय"सँ राजनीति विज्ञानमे मास्टर्स डिग्री लेने छथि। ओ "हिन्दुस्तान टाइम्स" आ "बिजनेस वर्ल्ड"मे काज केने छथि आ संगमे "राजीव गांधी फाउन्डेशन, दिल्ली" मे सेहो, जतए ओ आतंकवादसँ पीड़ित बच्चा सभ लेल सम्पर्क कार्यक्रमक प्रारम्भ केने रहथि। आइ काल्हि ओ अपन पति आ बच्चीक संग टोक्योमे रहै छथि।



स्वयंप्रभा झा 1970-



रूपा धीरू 1973-

रूपा धीरू- जन्मस्थान-
मयनाकडेरी, सप्तरी, श्रीमती
पूनम झा आ श्री अरूणकुमार
झाक पुत्री।स्थायी पता- अञ्चल-
सगरमाथा, जिल्ला- सिरहा। प्रथम
प्रकाशित रचना-कोइली
कानए, माटिसँ
सिनेह (कविता), भगता बेडक
देश-भ्रमण (कनक दीक्षितक
पुस्तकक धीरेन्द्र प्रेमर्षिसँग
मैथिलीमे
सहअनुवाद, सङ्गीतसम्बन्धी
कृति- राष्ट्रियगान, भोर, नेहक
वएन, चेतना, प्रियतम हमर
कमौआ (पहिल मैथिली
सीडी), प्रेम भेल
तरघुस्कीमे, सुरक्षित मातृत्व
गीतमाला, सुखक सनेस।
सम्पादन-पल्लव, मैथिली
साहित्यिक मासिक
पत्रिका, सम्पादन-सहयोग, हमर
मैथिली पोथी (कक्षा
१, २, ३, ४ आ ५ आ कक्षा 9-
10 क ऐच्छिक मैथिली विषय
पाठ्यपुस्तकक भाषा सम्पादन)।



रंजना झा, विद्यापति संगीत गायिका



रश्मि दत्त, गायिका, जनकपुर



कामिनी कामायनी



मुन्नी झा युवा रचनाकार



कामिनी 1978- युवा कवितित्री



रुक्साना सिद्दीकी



कल्पना मिश्र, मैथिली रंगमंच



ज्योति झा, , मैथिली रंगमंच



किरण झा, मैथिली रंगमंच



प्रियंका झा, मैथिली रंगमंच



ऋतु कर्ण, मैथिली रंगमंच



ज्योति वत्स, रंगमंच



नेहा वर्मा, रंगमंच



सविता



अनुप्रिया



मृदुला प्रधान



अरुण मिश्र, महिला बॉक्सिंग



राखी दास, मिथिला चित्रकला



बनारसी पंडित, मिथिला चित्रकला, धनुषा, नेपाल



देवकला देवी कर्ण, मिथिला चित्रकला, नेपाल



मदनकला कर्ण, मिथिला चित्रकला, नेपाल



महासुन्दरी देवी, मिथिला चित्रकला



निर्जला झा, मिथिला चित्रकला, नेपाल



फुलो साह, मिथिला चित्रकला, म
होत्तरी, नेपाल



रजनी पल्लवी



संगीता कुमारी, मैथिली फेडोरा
प्रोजेक्ट



विन्देश्वरी दास



गौरी सेन



सीमा झा



वाणी मिश्र, कवियित्री १९५३-
१९९६

कोइलख, मधुबनी। जन्मस्थान तिलाठी, नेपाल।



मौसमी बनर्जी, कवियित्री



शैल झा



शान्ति देवी



शशिबाला

पिता श्री उग्र नारायण लाल, पति
श्री उमेश कुमार कण्ठ (बिसहथ)।
शिवा कश्यप आ कृष्ण कुमार
कश्यपक सहयोगसँ "भारती
विकास संस्था"क स्थापना। रचना:
कृष्ण कुमार कश्यपक
संग "मेघदूत" आ "गीत-
गोविन्द"क मैथिली
अनुवाद, माछ-भात, मिथिला
चित्र-शिक्षा, भाग-१, मिथिला
चित्र-कोर, भाग-३।



मुन्नी कामत

सुखल मन तरसल आँखि (कविता संग्रह)।



प्रेरणा झा

मिथिला लोक कला



अंशुमाला

मैथिली लोकगीत।



श्वेता झा चौधरी, चित्रकार

गाम सरिसव-पाही, ललित कला आ गृहविज्ञानमे स्नातक। मिथिला चित्रकलामे सर्टिफिकेट कोर्स। कला प्रदर्शनी: एक्स.एल.आर.आइ., जमशेदपुरक सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्राम-श्री मेला जमशेदपुर, कला मन्दिर जमशेदपुर (एकजीवशन आ वर्कशॉप)। कला सम्बन्धी कार्य: एन.आइ.टी. जमशेदपुरमे कला प्रतियोगितामे निर्णायकक रूपमे सहभागिता, २००२-०७ धरि बसेरा, जमशेदपुरमे कला-शिक्षक (मिथिला चित्रकला), वूमैन कॉलेज पुस्तकालय आ हॉटेल बूलेवार्ड लेल वाल-पेंटिंग। प्रतिष्ठित स्पॉन्सर: कॉरपोरेट कम्युनिकेशन्स, टिस्को; टी.एस.आर.डी.एस, टिस्को; ए.आइ.ए.डी.ए., स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, जमशेदपुर; विभिन्न व्यक्ति, हॉटेल, संगठन आ व्यक्तिगत कला संग्राहक।

हॉबी: मिथिला चित्रकला, ललित कला, संगीत आ भानस-भात।



श्वेता झा

मिथिला चित्रकला, सम्प्रति सिंगापुरमे निवास।



रानी झा



मोती कर्ण

मिथिला चित्रकला



निक्की प्रियदर्शिनी



प्रज्ञा झा



डॉ. नलिनी चौधरी



नीलम चौधरी, कथक नृत्यांगना



इरा मल्लिक

पिता स्व. शिवनन्दन
मल्लिक, गाम- महिसारि, दरभंगा।
पति श्री कमलेश
कुमार, भरहुल्ली, दरभंगा।



गुंजन कर्ण

राँटी मधुबनी, सम्प्रति यू.के.मे रहे
छथि। www.madhubaniarts.co.uk पर
हुनकर कलाकृति देखि सकै छी।



पूनम मंडल

प्रियंका झाक संग मैथिली न्यूज
पोर्टल "समदिया"
www.esamaad.blogspot.com क
संचालन।



प्रियंका झा

पूनम मंडलक संग मैथिली न्यूज
पोर्टल "समदिया"
www.esamaad.blogspot.com क
संचालन।



स्तुति नारायण



डॉ. ललिता झा १९५१

जन्म
पनिचोभ, दरभंगामे। "मैथिलीक
भोजन सम्बन्धी
शब्दावली" प्रकाशित।



आरती कुमारी १९६७-

"मैथिली मुक्तक काव्यमे
नारी" प्रकाशित।



मीना झा

ब्रेस्ट कैंसरक समस्यापर विदेह मे मीना झा केर ए
कटा लघु कथा प्रकाशित भेल। ई मैथिलीक पहि
ल कथा छल जे ब्रेस्ट कैंसर पर लिखल गेल। हि
न्दीमे सेहो ताधरि एहि विषयपर कथा नहि लिख
ल गेल छल।



अनुपमा प्रियदर्शिनी

पति डॉ. रतन कर्ण, गाम- उजान
(बड़कागाम), पो. लोहना



आराधना मल्लिक

मैथिली रंगमंच।



शिखा

मैथिली रंगमंच।

रोड, जिला दरभंगा। सम्प्रति लोजियाना (संयुक्त राज्य अमेरिकामे), शिक्षा- एम.एस.सी. (जंतु विज्ञान), ल.ना. मिथिला वि.वि., दरभंगा; बी.एस.सी. बी.आर. अम्बेडकर वि.वि. मुजफ्फरपुरसे, हॉबी, मिथिला चित्रकला, कमप्यूटराडज्ड चित्रकला, ललित कला। उपलब्धि: अखिल भारतीय कला आ दस्तकारी प्रतियोगिताक पुरस्कार 1995 मे; संस्कार भारती भाव नृत्य प्रतियोगिता 1989 मे सहभागी।



प्रीति ठाकुर

गाम- जगेली, भाया तारानगर, पूर्णियाँ। मैथिली बाल साहित्यमे "गोनू झा आ आन चित्र कथा २००८", "मैथिली चित्रकथा २००९" आ "मिथिलाक लोकदेवता २०१०", विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य) २०१४ प्रकाशित।



रेवती मिश्र



प्रियंवदा तारा झा



अनुपमा झा

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल, भारत।



अनामिका राज



डॉ अपर्णा



विनीता मल्लिक



आभा झा



शान्ति लक्ष्मी चौधरी

ग्राम गोविन्दपुर, जिला सुपौल निवासी आ राजेन्द्र मिश्र महाविद्यालय, सहरसा मे कार्यरत पुस्तकालयाध्यक्ष श्री श्यामानन्द झाक जेष्ठ सुपुत्री, आओर ग्राम महिषी (पुनर्वास आरापट्टी), जिला



अनुपम रैना



डॉ चित्रलेखा



डॉ कल्पना
मणिकान्त मिश्र

सहरसा निवासी आ दिल्ली स्कूल ऑफ इकानोमिक्स सँ जुड़ल अन्वेषक आ समाजशास्त्री श्री अक्षय कुमार चौधरीक अर्धांगिनी छथि। प्राणीशास्त्र सँ स्नातकोत्तर रहितो शिक्षाशास्त्रक स्नातक शिक्षार्थी आ एकटा समाजशास्त्री सँ सानिध्यक चलिते आम जीवनक सामाजिक बिषय-बौस्तु आ खास कऽ महिलाजन्य सामाजिक समस्या आ प्रघटनामे हिनक विशेष अभिरूचि स्वभाविक।

पिता डॉ शिव कुमार झा, गाम राटी, सासुर- गजहारा। मेडिकल शिक्षा जे. जे. हॉस्पिटल/ ग्रान्ट हॉस्पिटलसँ सम्पन्न कय स्त्री-रोग विशेषज्ञ। मुम्बईसँ १९८०-८२ मे प्रकाशित होइबला मैथिली पत्रिका "विदेह"क पति डॉ मणिकान्त मिश्र (निर्माता- मैथिली फिल्म-आउ पिया हमर नगरी) संग सम्पादन।

(c)२०००- २०२३। विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर। Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Videha, the Editor, Videha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. रचनाकार/ संग्रहकर्ता अपन मौलिक आ अप्रकाशित रचना/ संग्रह (संपूर्ण उत्तरदायित्व रचनाकार/ संग्रहकर्ता मध्य) editorial.staff.videha@gmail.com केँ मेल अटैचमेण्टक रूपमें पठा सकैत छथि, संगमे ओ अपन संक्षिप्त परिचय आ अपन स्कैन कएल गेल फोटो सेहो पठाबथि। एतऽ प्रकाशित रचना/ संग्रह सभक कॉपीराइट रचनाकार/ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि आ जतऽ रचनाकार/ संग्रहकर्ताक नाम नै अछि ततऽ ई संपादकाधीन अछि। सम्पादक: विदेह ई-प्रकाशित रचनाक वेब-आर्काइव/ थीम-आधारित वेब-आर्काइवक निर्माणक अधिकार, ऐ सभ आर्काइवक अनुवाद आ लिप्यंतरण आ तकरो वेब-आर्काइवक निर्माणक अधिकार; आ ऐ सभ आर्काइवक ई-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकार रखैत छथि। ऐ सभ लेल कोनो रॉयल्टी/ पारिश्रमिकक प्रावधान नै छै, से रॉयल्टी/ पारिश्रमिकक इच्छुक रचनाकार/ संग्रहकर्ता विदेहसँ नै जुड़थु। विदेह ई पत्रिकाक मासमे दू टा अंक निकलैत अछि जे मासक ०१ आ १५ तिथिकेँ www.videha.co.in पर ई प्रकाशित कएल जाइत अछि। The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility

issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

(c) २०००-२०२३ सर्वाधिकार सुरक्षित। विदेहमे प्रकाशित सभटा रचना आ आर्काइवक सर्वाधिकार रचनाकार आ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि। भालसरिक गाछ जे सन २००० सँ याहूसिटीजपर छल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.htm, <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि लिंकपर आ अखनो ५ जुलाई २००४ क पोस्ट <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.htm> (किछु दिन लेल <http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.htm> लिंकपर, स्रोत wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- <http://videha.com/> भालसरिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक एग्रीगेटर) केर रूपमे इन्टरनेटपर मैथिलीक प्राचीनतम उपस्थितक रूपमे विद्यमान अछि। ई मैथिलीक पहिल इन्टरनेट पत्रिका थिक जकर नाम बादमे १ जनवरी २००८ सँ 'विदेह' पड़लै। इन्टरनेटपर मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल अछि, जे <http://www.videha.co.in/> पर ई प्रकाशित होइत अछि। आब 'भालसरिक गाछ' जालवृत्त 'विदेह' ई-पत्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA

